विदेह VIDEHA

मिथिलाक इतिहास

Mithilak Itihas

विदेह ई-लर्निङ्ग प्रश्नोत्तरी शृंखला · Videha eLearning Quiz Book Series

खण्ड २ / २ · Volume 2 of 2

सम्पादक / लेखक: गजेन्द्र ठाकुर

VIDEHA — प्रथम मैथिली पाक्षिक ई-पत्रिका | ISSN 2229-547X | www.videha.co.in

विदेह ई-लर्निङ्ग: https://www.videha.co.in/videha-elearning.htm

© Gajendra Thakur, Editor — Videha eJournal [Beta Version; suggestions invited]

विषय-सूची / Contents

१. मिथिलाक इतिहास — विदेह समानान्तर इतिहास क्विज १००० प्रश्न

प्रत्येक अध्यायक प्रश्न-खण्डक बाद ओहि अध्यायक उत्तरमाला (उत्तर ओ व्याख्या) देल गेल अछि।

In each chapter, the answer key with explanations (उत्तरमाला) follows the questions.

अध्याय १ : मिथिलाक इतिहास — विदेह समानान्तर इतिहास क्विज

१. मिथिलाक इतिहासमे ‘विदेह’ कैँ मुख्यतः कोन बातसँ जोड़ल जाइत अछि?

(A) लोकस्मृतिमे बचल इतिहासक मौखिक रूप
(B) मिथिला क्षेत्रक ऐतिहासिक-प्रशासनिक नाम
(C) मिथिलाक प्राचीन राजकीय आ सांस्कृतिक पहचान
(D) राजा-साधुक संग स्त्री, शिष्य आ लोकक स्मृति पढ़नाइ

२. नीचाँ देल जोड़ीमे ‘विदेह’ सम्बन्धी सही जोड़ी कोन अछि?

(A) विदेह — राजा-साधुक संग स्त्री, शिष्य आ लोकक स्मृति पढ़नाइ
(B) विदेह — आत्मविद्या आ तर्कपूर्ण उपनिषदिक संवाद
(C) विदेह — मिथिलाक प्राचीन राजकीय आ सांस्कृतिक पहचान
(D) विदेह — माटि, हल, बीज आ लोकजीवनक आधार

३. विदेह समानान्तर इतिहासक दृष्टिसँ ‘विदेह’ पर ध्यान देबाक कारण की अछि?

(A) कारण ई जनकसभामे निर्भीक दार्शनिक प्रश्न उठेनिहार विदुषी कैँ मात्र दोहरबैत अछि।
(B) कारण ई धनसँ ऊपर आत्मज्ञानक खोज कैँ मात्र दोहरबैत अछि।
(C) कारण ई मिथिलाक प्राचीन राजकीय आ सांस्कृतिक पहचान कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि।
(D) कारण ई राजा-साधुक संग स्त्री, शिष्य आ लोकक स्मृति पढ़नाइ कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

४. ‘विदेह’ विषयमे कोन कथन सही अछि?

(A) ‘विदेह’ कैँ मिथिलाक प्राचीन राजकीय आ सांस्कृतिक पहचान सँ जोड़ल जाइत अछि।
(B) ‘विदेह’ कैँ जनक-याज्ञवल्क्य संवादक प्रमुख स्रोत सँ जोड़ल जाइत अछि।
(C) ‘विदेह’ कैँ सीता-कथा आ उर्वरता-बोधक लोकभाव सँ जोड़ल जाइत अछि।
(D) ‘विदेह’ कैँ खुलल शास्त्रार्थ आ विद्वत् परीक्षणक मंच सँ जोड़ल जाइत अछि।

५. जँ विद्यार्थी ‘विदेह’क नोट बनबैत अछि, तखन मुख्य निष्कर्ष कोन राखय?

(A) विद्यार्थी ‘विदेह’ पढ़ैत समय राजा-साधुक संग स्त्री, शिष्य आ लोकक स्मृति पढ़नाइ कैँ मुख्य तथ्य मानत।
(B) विद्यार्थी ‘विदेह’ पढ़ैत समय लोकस्मृतिमे बचल इतिहासक मौखिक रूप कैँ मुख्य तथ्य मानत।
(C) विद्यार्थी ‘विदेह’ पढ़ैत समय मिथिलाक प्राचीन राजकीय आ सांस्कृतिक पहचान पर ध्यान देत।
(D) विद्यार्थी ‘विदेह’ पढ़ैत समय मिथिला क्षेत्रक ऐतिहासिक-प्रशासनिक नाम कैँ मुख्य तथ्य मानत।

६. मिथिलाक इतिहासमे ‘मिथिला’ कैँ मुख्यतः कोन बातसँ जोड़ल जाइत अछि?

(A) खुलल शास्त्रार्थ आ विद्वत् परीक्षणक मंच
(B) श्रुति, स्मृति, अनुष्ठान आ तत्त्व-विचारक अनुशासन
(C) लोकस्मृतिमे बचल इतिहासक मौखिक रूप
(D) जनकक राजधानी आ विद्या-धर्मक केन्द्र

७. नीचाँ देल जोड़ीमे ‘मिथिला’ सम्बन्धी सही जोड़ी कोन अछि?

(A) मिथिला — जनकक राजधानी आ विद्या-धर्मक केन्द्र
(B) मिथिला — खुलल शास्त्रार्थ आ विद्वत् परीक्षणक मंच
(C) मिथिला — सीता-जनक परम्पराक तीर्थ आ सांस्कृतिक स्थल
(D) मिथिला — मिथिला क्षेत्रक ऐतिहासिक-प्रशासनिक नाम

८. विदेह समानान्तर इतिहासक दृष्टिसँ ‘मिथिला’ पर ध्यान देबाक कारण की अछि?

(A) कारण ई राजा-साधुक संग स्त्री, शिष्य आ लोकक स्मृति पढ़नाइ कैँ मात्र दोहरबैत अछि।
(B) कारण ई श्रुति, स्मृति, अनुष्ठान आ तत्त्व-विचारक अनुशासन कैँ मात्र दोहरबैत अछि।
(C) कारण ई जनकसभामे निर्भीक दार्शनिक प्रश्न उठेनिहार विदुषी कैँ मात्र दोहरबैत अछि।
(D) कारण ई जनकक राजधानी आ विद्या-धर्मक केन्द्र कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि।

९. ‘मिथिला’ विषयमे कोन कथन सही अछि?

(A) ‘मिथिला’ कैँ देह-आसक्ति सँ ऊपर ज्ञान आ धर्मक संकेत सँ जोड़ल जाइत अछि।

(B) ‘मिथिला’ कैँ मिथिला क्षेत्रक ऐतिहासिक-प्रशासनिक नाम सँ जोड़ल जाइत अछि।

(C) ‘मिथिला’ कैँ कोहबर, गीत आ जनक-सीता स्मृतिसँ जुड़ल संस्था सँ जोड़ल जाइत अछि।

(D) ‘मिथिला’ कैँ जनकक राजधानी आ विद्या-धर्मक केन्द्र सँ जोड़ल जाइत अछि।

१०. जँ विद्यार्थी ‘मिथिला’क नोट बनबैत अछि, तखन मुख्य निष्कर्ष कोन राखय?

(A) विद्यार्थी ‘मिथिला’ पढ़ैत समय जनकक राजधानी आ विद्या-धर्मक केन्द्र पर ध्यान देत।

(B) विद्यार्थी ‘मिथिला’ पढ़ैत समय धनसँ ऊपर आत्मज्ञानक खोज कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(C) विद्यार्थी ‘मिथिला’ पढ़ैत समय मिथिलाक प्राचीन राजकीय आ सांस्कृतिक पहचान कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(D) विद्यार्थी ‘मिथिला’ पढ़ैत समय मिथिला क्षेत्रक ऐतिहासिक-प्रशासनिक नाम कैँ मुख्य तथ्य मानत।

११. मिथिलाक इतिहासमे ‘राजा जनक’ कैँ मुख्यतः कोन बातसँ जोड़ल जाइत अछि?

(A) धरती-संस्कार, नारी-धैर्य आ मिथिला-गौरवक प्रतीक

(B) लोकस्मृतिमे बचल इतिहासक मौखिक रूप

(C) आत्मविद्या आ तर्कपूर्ण उपनिषदिक संवाद

(D) दार्शनिक-राजा आ विद्वत् सभाक संरक्षक

१२. नीचाँ देल जोड़ीमे ‘राजा जनक’ सम्बन्धी सही जोड़ी कोन अछि?

(A) राजा जनक — मिथिलाक प्राचीन राजकीय आ सांस्कृतिक पहचान

(B) राजा जनक — सीता-जनक परम्पराक तीर्थ आ सांस्कृतिक स्थल

(C) राजा जनक — दार्शनिक-राजा आ विद्वत् सभाक संरक्षक

(D) राजा जनक — लोकस्मृतिमे बचल इतिहासक मौखिक रूप

१३. विदेह समानान्तर इतिहासक दृष्टिसँ ‘राजा जनक’ पर ध्यान देबाक कारण की अछि?

(A) कारण ई दार्शनिक-राजा आ विद्वत् सभाक संरक्षक कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि।

(B) कारण ई जनक-याज्ञवल्क्य संवादक प्रमुख स्रोत कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(C) कारण ई कोहबर, गीत आ जनक-सीता स्मृतिसँ जुड़ल संस्था कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(D) कारण ई धनसँ ऊपर आत्मज्ञानक खोज कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

१४. ‘राजा जनक’ विषयमे कोन कथन सही अछि?

(A) ‘राजा जनक’ कैँ कोहबर, गीत आ जनक-सीता स्मृतिसँ जुड़ल संस्था सँ जोड़ल जाइत अछि।

(B) ‘राजा जनक’ कैँ जनक-याज्ञवल्क्य संवादक प्रमुख स्रोत सँ जोड़ल जाइत अछि।

(C) ‘राजा जनक’ कैँ दार्शनिक-राजा आ विद्वत् सभाक संरक्षक सँ जोड़ल जाइत अछि।

(D) ‘राजा जनक’ कैँ खुलल शास्त्रार्थ आ विद्वत् परीक्षणक मंच सँ जोड़ल जाइत अछि।

१५. जँ विद्यार्थी ‘राजा जनक’क नोट बनबैत अछि, तखन मुख्य निष्कर्ष कोन राखय?

(A) विद्यार्थी ‘राजा जनक’ पढ़ैत समय सीता-जनक परम्पराक तीर्थ आ सांस्कृतिक स्थल कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(B) विद्यार्थी ‘राजा जनक’ पढ़ैत समय देह-आसक्ति सँ ऊपर ज्ञान आ धर्मक संकेत कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(C) विद्यार्थी ‘राजा जनक’ पढ़ैत समय धरती-संस्कार, नारी-धैर्य आ मिथिला-गौरवक प्रतीक कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(D) विद्यार्थी ‘राजा जनक’ पढ़ैत समय दार्शनिक-राजा आ विद्वत् सभाक संरक्षक पर ध्यान देत।

१६. मिथिलाक इतिहासमे ‘सीता’ कैँ मुख्यतः कोन बातसँ जोड़ल जाइत अछि?

(A) मिथिला क्षेत्रक ऐतिहासिक-प्रशासनिक नाम

(B) राजा-साधुक संग स्त्री, शिष्य आ लोकक स्मृति पढ़नाइ

(C) देह-आसक्ति सँ ऊपर ज्ञान आ धर्मक संकेत

(D) धरती-संस्कार, नारी-धैर्य आ मिथिला-गौरवक प्रतीक

१७. नीचाँ देल जोड़ीमे 'सीता' सम्बन्धी सही जोड़ी कोन अछि?

(A) सीता — धरती-संस्कार, नारी-धैर्य आ मिथिला-गौरवक प्रतीक

(B) सीता — कोहबर, गीत आ जनक-सीता स्मृतिसँ जुड़ल संस्था

(C) सीता — धनसँ ऊपर आत्मज्ञानक खोज

(D) सीता — प्रश्न-उत्तरद्वारा विचार-परीक्षणक पद्धति

१८. विदेह समानान्तर इतिहासक दृष्टिसँ 'सीता' पर ध्यान देबाक कारण की अछि?

(A) कारण ई धरती-संस्कार, नारी-धैर्य आ मिथिला-गौरवक प्रतीक कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि।

(B) कारण ई सीता-स्वयंवर, विवाह आ मर्यादाक सांस्कृतिक स्मृति कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(C) कारण ई राजा-साधुक संग स्त्री, शिष्य आ लोकक स्मृति पढ़नाइ कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(D) कारण ई दार्शनिक-राजा आ विद्वत् सभाक संरक्षक कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

१९. 'सीता' विषयमे कोन कथन सही अछि?

(A) 'सीता' कैँ श्रुति, स्मृति, अनुष्ठान आ तत्त्व-विचारक अनुशासन सँ जोड़ल जाइत अछि।

(B) 'सीता' कैँ जनकक राजधानी आ विद्या-धर्मक केन्द्र सँ जोड़ल जाइत अछि।

(C) 'सीता' कैँ धरती-संस्कार, नारी-धैर्य आ मिथिला-गौरवक प्रतीक सँ जोड़ल जाइत अछि।

(D) 'सीता' कैँ लोकस्मृतिमे बचल इतिहासक मौखिक रूप सँ जोड़ल जाइत अछि।

२०. जँ विद्यार्थी 'सीता'क नोट बनबैत अछि, तखन मुख्य निष्कर्ष कोन राखय?

(A) विद्यार्थी 'सीता' पढ़ैत समय धरती-संस्कार, नारी-धैर्य आ मिथिला-गौरवक प्रतीक पर ध्यान देत।

(B) विद्यार्थी 'सीता' पढ़ैत समय जनकसभामे निर्भीक दार्शनिक प्रश्न उठेनिहार विदुषी कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(C) विद्यार्थी 'सीता' पढ़ैत समय धनसँ ऊपर आत्मज्ञानक खोज कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(D) विद्यार्थी 'सीता' पढ़ैत समय सीता-कथा आ उर्वरता-बोधक लोकभाव कैँ मुख्य तथ्य मानत।

२१. मिथिलाक इतिहासमे 'याज्ञवल्क्य' कैँ मुख्यतः कोन बातसँ जोड़ल जाइत अछि?

(A) लोकस्मृतिमे बचल इतिहासक मौखिक रूप

(B) देह-आसक्ति सँ ऊपर ज्ञान आ धर्मक संकेत

(C) आत्मविद्या आ तर्कपूर्ण उपनिषदिक संवाद

(D) धनसँ ऊपर आत्मज्ञानक खोज

२२. नीचाँ देल जोड़ीमे 'याज्ञवल्क्य' सम्बन्धी सही जोड़ी कोन अछि?

(A) याज्ञवल्क्य — कोहबर, गीत आ जनक-सीता स्मृतिसँ जुड़ल संस्था

(B) याज्ञवल्क्य — मिथिला क्षेत्रक ऐतिहासिक-प्रशासनिक नाम

(C) याज्ञवल्क्य — प्रश्न-उत्तरद्वारा विचार-परीक्षणक पद्धति

(D) याज्ञवल्क्य — आत्मविद्या आ तर्कपूर्ण उपनिषदिक संवाद

२३. विदेह समानान्तर इतिहासक दृष्टिसँ 'याज्ञवल्क्य' पर ध्यान देबाक कारण की अछि?

(A) कारण ई मिथिला क्षेत्रक ऐतिहासिक-प्रशासनिक नाम कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(B) कारण ई देह-आसक्ति सँ ऊपर ज्ञान आ धर्मक संकेत कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(C) कारण ई आत्मविद्या आ तर्कपूर्ण उपनिषदिक संवाद कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि।

(D) कारण ई दार्शनिक-राजा आ विद्वत् सभाक संरक्षक कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

२४. 'याज्ञवल्क्य' विषयमे कोन कथन सही अछि?

(A) 'याज्ञवल्क्य' कैँ राजा-साधुक संग स्त्री, शिष्य आ लोकक स्मृति पढ़नाइ सँ जोड़ल जाइत अछि।

(B) 'याज्ञवल्क्य' कैँ सीता-जनक परम्पराक तीर्थ आ सांस्कृतिक स्थल सँ जोड़ल जाइत अछि।

(C) 'याज्ञवल्क्य' कैँ आत्मविद्या आ तर्कपूर्ण उपनिषदिक संवाद सँ जोड़ल जाइत अछि।

(D) 'याज्ञवल्क्य' कैँ खुलल शास्त्रार्थ आ विद्वत् परीक्षणक मंच सँ जोड़ल जाइत अछि।

२५. जँ विद्यार्थी 'याज्ञवल्क्य'क नोट बनबैत अछि, तखन मुख्य निष्कर्ष कोन राखय?

(A) विद्यार्थी 'याज्ञवल्क्य' पढ़ैत समय आत्मविद्या आ तर्कपूर्ण उपनिषदिक संवाद पर ध्यान देत।

(B) विद्यार्थी 'याज्ञवल्क्य' पढ़ैत समय सीता-जनक परम्पराक तीर्थ आ सांस्कृतिक स्थल केँ मुख्य तथ्य मानत।

(C) विद्यार्थी 'याज्ञवल्क्य' पढ़ैत समय माटि, हल, बीज आ लोकजीवनक आधार केँ मुख्य तथ्य मानत।

(D) विद्यार्थी 'याज्ञवल्क्य' पढ़ैत समय धरती-संस्कार, नारी-धैर्य आ मिथिला-गौरवक प्रतीक केँ मुख्य तथ्य मानत।

२६. मिथिलाक इतिहासमे 'गार्गी' केँ मुख्यतः कोन बातसँ जोड़ल जाइत अछि?

(A) सीता-जनक परम्पराक तीर्थ आ सांस्कृतिक स्थल

(B) जनकसभामे निर्भीक दार्शनिक प्रश्न उठेनिहार विदुषी

(C) धरती-संस्कार, नारी-धैर्य आ मिथिला-गौरवक प्रतीक

(D) कोहबर, गीत आ जनक-सीता स्मृतिसँ जुड़ल संस्था

२७. नीचाँ देल जोड़ीमे 'गार्गी' सम्बन्धी सही जोड़ी कोन अछि?

(A) गार्गी — जनकसभामे निर्भीक दार्शनिक प्रश्न उठेनिहार विदुषी

(B) गार्गी — प्रश्न-उत्तरद्वारा विचार-परीक्षणक पद्धति

(C) गार्गी — खुलल शास्त्रार्थ आ विद्वत् परीक्षणक मंच

(D) गार्गी — सीता-स्वयंवर, विवाह आ मर्यादाक सांस्कृतिक स्मृति

२८. विदेह समानान्तर इतिहासक दृष्टिसँ 'गार्गी' पर ध्यान देबाक कारण की अछि?

(A) कारण ई प्रश्न-उत्तरद्वारा विचार-परीक्षणक पद्धति केँ मात्र दोहरबैत अछि।

(B) कारण ई जनकसभामे निर्भीक दार्शनिक प्रश्न उठेनिहार विदुषी केँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि।

(C) कारण ई आत्मविद्या आ तर्कपूर्ण उपनिषदिक संवाद केँ मात्र दोहरबैत अछि।

(D) कारण ई खुलल शास्त्रार्थ आ विद्वत् परीक्षणक मंच केँ मात्र दोहरबैत अछि।

२९. 'गार्गी' विषयमे कोन कथन सही अछि?

(A) 'गार्गी' केँ सीता-स्वयंवर, विवाह आ मर्यादाक सांस्कृतिक स्मृति सँ जोड़ल जाइत अछि।

(B) 'गार्गी' केँ सीता-कथा आ उर्वरता-बोधक लोकभाव सँ जोड़ल जाइत अछि।

(C) 'गार्गी' केँ लोकस्मृतिमे बचल इतिहासक मौखिक रूप सँ जोड़ल जाइत अछि।

(D) 'गार्गी' केँ जनकसभामे निर्भीक दार्शनिक प्रश्न उठेनिहार विदुषी सँ जोड़ल जाइत अछि।

३०. जँ विद्यार्थी 'गार्गी'क नोट बनबैत अछि, तखन मुख्य निष्कर्ष कोन राखय?

(A) विद्यार्थी 'गार्गी' पढ़ैत समय मिथिलाक प्राचीन राजकीय आ सांस्कृतिक पहचान केँ मुख्य तथ्य मानत।

(B) विद्यार्थी 'गार्गी' पढ़ैत समय धरती-संस्कार, नारी-धैर्य आ मिथिला-गौरवक प्रतीक केँ मुख्य तथ्य मानत।

(C) विद्यार्थी 'गार्गी' पढ़ैत समय आत्मविद्या आ तर्कपूर्ण उपनिषदिक संवाद केँ मुख्य तथ्य मानत।

(D) विद्यार्थी 'गार्गी' पढ़ैत समय जनकसभामे निर्भीक दार्शनिक प्रश्न उठेनिहार विदुषी पर ध्यान देत।

३१. मिथिलाक इतिहासमे 'मैत्रेयी' केँ मुख्यतः कोन बातसँ जोड़ल जाइत अछि?

(A) जनक-याज्ञवल्क्य संवादक प्रमुख स्रोत

(B) मिथिलाक प्राचीन राजकीय आ सांस्कृतिक पहचान

(C) श्रुति, स्मृति, अनुष्ठान आ तत्त्व-विचारक अनुशासन

(D) धनसँ ऊपर आत्मज्ञानक खोज

३२. नीचाँ देल जोड़ीमे 'मैत्रेयी' सम्बन्धी सही जोड़ी कोन अछि?

(A) मैत्रेयी — जनकसभामे निर्भीक दार्शनिक प्रश्न उठेनिहार विदुषी

(B) मैत्रेयी — धनसँ ऊपर आत्मज्ञानक खोज

(C) मैत्रेयी — सीता-जनक परम्पराक तीर्थ आ सांस्कृतिक स्थल

(D) मैत्रेयी — प्रश्न-उत्तरद्वारा विचार-परीक्षणक पद्धति

३३. विदेह समानान्तर इतिहासक दृष्टिसँ 'मैत्रेयी' पर ध्यान देबाक कारण की अछि?

(A) कारण ई लोकस्मृतिमे बचल इतिहासक मौखिक रूप कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(B) कारण ई धनसँ ऊपर आत्मज्ञानक खोज कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि।

(C) कारण ई दार्शनिक-राजा आ विद्वत् सभाक संरक्षक कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(D) कारण ई श्रुति, स्मृति, अनुष्ठान आ तत्त्व-विचारक अनुशासन कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

३४. 'मैत्रेयी' विषयमे कोन कथन सही अछि?

(A) 'मैत्रेयी' कैँ राजा-साधुक संग स्त्री, शिष्य आ लोकक स्मृति पढ़नाइ सँ जोड़ल जाइत अछि।

(B) 'मैत्रेयी' कैँ जनक-याज्ञवल्क्य संवादक प्रमुख स्रोत सँ जोड़ल जाइत अछि।

(C) 'मैत्रेयी' कैँ धनसँ ऊपर आत्मज्ञानक खोज सँ जोड़ल जाइत अछि।

(D) 'मैत्रेयी' कैँ जनकक राजधानी आ विद्या-धर्मक केन्द्र सँ जोड़ल जाइत अछि।

३५. जँ विद्यार्थी 'मैत्रेयी'क नोट बनबैत अछि, तखन मुख्य निष्कर्ष कोन राखय?

(A) विद्यार्थी 'मैत्रेयी' पढ़ैत समय सीता-जनक परम्पराक तीर्थ आ सांस्कृतिक स्थल कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(B) विद्यार्थी 'मैत्रेयी' पढ़ैत समय श्रुति, स्मृति, अनुष्ठान आ तत्त्व-विचारक अनुशासन कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(C) विद्यार्थी 'मैत्रेयी' पढ़ैत समय सीता-स्वयंवर, विवाह आ मर्यादाक सांस्कृतिक स्मृति कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(D) विद्यार्थी 'मैत्रेयी' पढ़ैत समय धनसँ ऊपर आत्मज्ञानक खोज पर ध्यान देत।

३६. मिथिलाक इतिहासमे 'जनकसभा' कैँ मुख्यतः कोन बातसँ जोड़ल जाइत अछि?

(A) खुलल शास्त्रार्थ आ विद्वत् परीक्षणक मंच

(B) कोहबर, गीत आ जनक-सीता स्मृतिसँ जुड़ल संस्था

(C) श्रुति, स्मृति, अनुष्ठान आ तत्त्व-विचारक अनुशासन

(D) धरती-संस्कार, नारी-धैर्य आ मिथिला-गौरवक प्रतीक

३७. नीचाँ देल जोड़ीमे 'जनकसभा' सम्बन्धी सही जोड़ी कोन अछि?

(A) जनकसभा — श्रुति, स्मृति, अनुष्ठान आ तत्त्व-विचारक अनुशासन

(B) जनकसभा — खुलल शास्त्रार्थ आ विद्वत् परीक्षणक मंच

(C) जनकसभा — आत्मविद्या आ तर्कपूर्ण उपनिषदिक संवाद

(D) जनकसभा — जनक-याज्ञवल्क्य संवादक प्रमुख स्रोत

३८. विदेह समानान्तर इतिहासक दृष्टिसँ 'जनकसभा' पर ध्यान देबाक कारण की अछि?

(A) कारण ई खुलल शास्त्रार्थ आ विद्वत् परीक्षणक मंच कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि।

(B) कारण ई धनसँ ऊपर आत्मज्ञानक खोज कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(C) कारण ई सीता-जनक परम्पराक तीर्थ आ सांस्कृतिक स्थल कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(D) कारण ई सीता-कथा आ उर्वरता-बोधक लोकभाव कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

३९. 'जनकसभा' विषयमे कोन कथन सही अछि?

(A) 'जनकसभा' कैँ खुलल शास्त्रार्थ आ विद्वत् परीक्षणक मंच सँ जोड़ल जाइत अछि।

(B) 'जनकसभा' कैँ राजा-साधुक संग स्त्री, शिष्य आ लोकक स्मृति पढ़नाइ सँ जोड़ल जाइत अछि।

(C) 'जनकसभा' कैँ धरती-संस्कार, नारी-धैर्य आ मिथिला-गौरवक प्रतीक सँ जोड़ल जाइत अछि।

(D) 'जनकसभा' कैँ माटि, हल, बीज आ लोकजीवनक आधार सँ जोड़ल जाइत अछि।

४०. जँ विद्यार्थी 'जनकसभा'क नोट बनबैत अछि, तखन मुख्य निष्कर्ष कोन राखय?

(A) विद्यार्थी 'जनकसभा' पढ़ैत समय दार्शनिक-राजा आ विद्वत् सभाक संरक्षक कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(B) विद्यार्थी 'जनकसभा' पढ़ैत समय खुलल शास्त्रार्थ आ विद्वत् परीक्षणक मंच पर ध्यान देत।

(C) विद्यार्थी 'जनकसभा' पढ़ैत समय धरती-संस्कार, नारी-धैर्य आ मिथिला-गौरवक प्रतीक कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(D) विद्यार्थी 'जनकसभा' पढ़ैत समय धनसँ ऊपर आत्मज्ञानक खोज कैँ मुख्य तथ्य मानत।

४१. मिथिलाक इतिहासमे ‘बृहदारण्यक उपनिषद’ कैँ मुख्यतः कोन बातसँ जोड़ल जाइत अछि?

(A) देह-आसक्ति सँ ऊपर ज्ञान आ धर्मक संकेत

(B) धनसँ ऊपर आत्मज्ञानक खोज

(C) जनक-याज्ञवल्क्य संवादक प्रमुख स्रोत

(D) माटि, हल, बीज आ लोकजीवनक आधार

४२. नीचाँ देल जोड़ीमे ‘बृहदारण्यक उपनिषद’ सम्बन्धी सही जोड़ी कोन अछि?

(A) बृहदारण्यक उपनिषद — प्रश्न-उत्तरद्वारा विचार-परीक्षणक पद्धति

(B) बृहदारण्यक उपनिषद — देह-आसक्ति सँ ऊपर ज्ञान आ धर्मक संकेत

(C) बृहदारण्यक उपनिषद — आत्मविद्या आ तर्कपूर्ण उपनिषदिक संवाद

(D) बृहदारण्यक उपनिषद — जनक-याज्ञवल्क्य संवादक प्रमुख स्रोत

४३. विदेह समानान्तर इतिहासक दृष्टिसँ ‘बृहदारण्यक उपनिषद’ पर ध्यान देबाक कारण की अछि?

(A) कारण ई जनक-याज्ञवल्क्य संवादक प्रमुख स्रोत कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि।

(B) कारण ई धनसँ ऊपर आत्मज्ञानक खोज कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(C) कारण ई धरती-संस्कार, नारी-धैर्य आ मिथिला-गौरवक प्रतीक कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(D) कारण ई जनकक राजधानी आ विद्या-धर्मक केन्द्र कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

४४. ‘बृहदारण्यक उपनिषद’ विषयमे कोन कथन सही अछि?

(A) ‘बृहदारण्यक उपनिषद’ कैँ खुलल शास्त्रार्थ आ विद्वत् परीक्षणक मंच सँ जोड़ल जाइत अछि।

(B) ‘बृहदारण्यक उपनिषद’ कैँ श्रुति, स्मृति, अनुष्ठान आ तत्त्व-विचारक अनुशासन सँ जोड़ल जाइत अछि।

(C) ‘बृहदारण्यक उपनिषद’ कैँ जनक-याज्ञवल्क्य संवादक प्रमुख स्रोत सँ जोड़ल जाइत अछि।

(D) ‘बृहदारण्यक उपनिषद’ कैँ सीता-स्वयंवर, विवाह आ मर्यादाक सांस्कृतिक स्मृति सँ जोड़ल जाइत अछि।

४५. जँ विद्यार्थी ‘बृहदारण्यक उपनिषद’क नोट बनबैत अछि, तखन मुख्य निष्कर्ष कोन राखय?

(A) विद्यार्थी ‘बृहदारण्यक उपनिषद’ पढ़ैत समय मिथिला क्षेत्रक ऐतिहासिक-प्रशासनिक नाम कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(B) विद्यार्थी ‘बृहदारण्यक उपनिषद’ पढ़ैत समय सीता-स्वयंवर, विवाह आ मर्यादाक सांस्कृतिक स्मृति कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(C) विद्यार्थी ‘बृहदारण्यक उपनिषद’ पढ़ैत समय राजा-साधुक संग स्त्री, शिष्य आ लोकक स्मृति पढ़नाइ कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(D) विद्यार्थी ‘बृहदारण्यक उपनिषद’ पढ़ैत समय जनक-याज्ञवल्क्य संवादक प्रमुख स्रोत पर ध्यान देत।

४६. मिथिलाक इतिहासमे ‘शास्त्रार्थ’ कैँ मुख्यतः कोन बातसँ जोड़ल जाइत अछि?

(A) प्रश्न-उत्तरद्वारा विचार-परीक्षणक पद्धति

(B) मिथिला क्षेत्रक ऐतिहासिक-प्रशासनिक नाम

(C) दार्शनिक-राजा आ विद्वत् सभाक संरक्षक

(D) श्रुति, स्मृति, अनुष्ठान आ तत्त्व-विचारक अनुशासन

४७. नीचाँ देल जोड़ीमे ‘शास्त्रार्थ’ सम्बन्धी सही जोड़ी कोन अछि?

(A) शास्त्रार्थ — जनकसभामे निर्भीक दार्शनिक प्रश्न उठेनिहार विदुषी

(B) शास्त्रार्थ — आत्मविद्या आ तर्कपूर्ण उपनिषदिक संवाद

(C) शास्त्रार्थ — माटि, हल, बीज आ लोकजीवनक आधार

(D) शास्त्रार्थ — प्रश्न-उत्तरद्वारा विचार-परीक्षणक पद्धति

४८. विदेह समानान्तर इतिहासक दृष्टिसँ ‘शास्त्रार्थ’ पर ध्यान देबाक कारण की अछि?

(A) कारण ई श्रुति, स्मृति, अनुष्ठान आ तत्त्व-विचारक अनुशासन कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(B) कारण ई प्रश्न-उत्तरद्वारा विचार-परीक्षणक पद्धति कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि।

(C) कारण ई मिथिला क्षेत्रक ऐतिहासिक-प्रशासनिक नाम कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(D) कारण ई माटि, हल, बीज आ लोकजीवनक आधार कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

४९. ‘शास्त्रार्थ’ विषयमे कोन कथन सही अछि?

(A) ‘शास्त्रार्थ’ कैँ जनकसभामे निर्भीक दार्शनिक प्रश्न उठेनिहार विदुषी सँ जोड़ल जाइत अछि।

(B) ‘शास्त्रार्थ’ कैँ सीता-कथा आ उर्वरता-बोधक लोकभाव सँ जोड़ल जाइत अछि।

(C) ‘शास्त्रार्थ’ कैँ जनक-याज्ञवल्क्य संवादक प्रमुख स्रोत सँ जोड़ल जाइत अछि।

(D) ‘शास्त्रार्थ’ कैँ प्रश्न-उत्तरद्वारा विचार-परीक्षणक पद्धति सँ जोड़ल जाइत अछि।

५०. जँ विद्यार्थी ‘शास्त्रार्थ’क नोट बनबैत अछि, तखन मुख्य निष्कर्ष कोन राखय?

(A) विद्यार्थी ‘शास्त्रार्थ’ पढ़ैत समय जनकसभामे निर्भीक दार्शनिक प्रश्न उठेनिहार विदुषी कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(B) विद्यार्थी ‘शास्त्रार्थ’ पढ़ैत समय आत्मविद्या आ तर्कपूर्ण उपनिषदिक संवाद कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(C) विद्यार्थी ‘शास्त्रार्थ’ पढ़ैत समय खुलल शास्त्रार्थ आ विद्वत् परीक्षणक मंच कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(D) विद्यार्थी ‘शास्त्रार्थ’ पढ़ैत समय प्रश्न-उत्तरद्वारा विचार-परीक्षणक पद्धति पर ध्यान देत।

५१. मिथिलाक इतिहासमे ‘रामायणक मिथिला’ कैँ मुख्यतः कोन बातसँ जोड़ल जाइत अछि?

(A) धरती-संस्कार, नारी-धैर्य आ मिथिला-गौरवक प्रतीक

(B) खुलल शास्त्रार्थ आ विद्वत् परीक्षणक मंच

(C) सीता-स्वयंवर, विवाह आ मर्यादाक सांस्कृतिक स्मृति

(D) जनकसभामे निर्भीक दार्शनिक प्रश्न उठेनिहार विदुषी

५२. नीचाँ देल जोड़ीमे ‘रामायणक मिथिला’ सम्बन्धी सही जोड़ी कोन अछि?

(A) रामायणक मिथिला — खुलल शास्त्रार्थ आ विद्वत् परीक्षणक मंच

(B) रामायणक मिथिला — श्रुति, स्मृति, अनुष्ठान आ तत्त्व-विचारक अनुशासन

(C) रामायणक मिथिला — जनक-याज्ञवल्क्य संवादक प्रमुख स्रोत

(D) रामायणक मिथिला — सीता-स्वयंवर, विवाह आ मर्यादाक सांस्कृतिक स्मृति

५३. विदेह समानान्तर इतिहासक दृष्टिसँ ‘रामायणक मिथिला’ पर ध्यान देबाक कारण की अछि?

(A) कारण ई सीता-जनक परम्पराक तीर्थ आ सांस्कृतिक स्थल कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(B) कारण ई सीता-स्वयंवर, विवाह आ मर्यादाक सांस्कृतिक स्मृति कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि।

(C) कारण ई प्रश्न-उत्तरद्वारा विचार-परीक्षणक पद्धति कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(D) कारण ई जनक-याज्ञवल्क्य संवादक प्रमुख स्रोत कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

५४. ‘रामायणक मिथिला’ विषयमे कोन कथन सही अछि?

(A) ‘रामायणक मिथिला’ कैँ श्रुति, स्मृति, अनुष्ठान आ तत्त्व-विचारक अनुशासन सँ जोड़ल जाइत अछि।

(B) ‘रामायणक मिथिला’ कैँ सीता-जनक परम्पराक तीर्थ आ सांस्कृतिक स्थल सँ जोड़ल जाइत अछि।

(C) ‘रामायणक मिथिला’ कैँ सीता-स्वयंवर, विवाह आ मर्यादाक सांस्कृतिक स्मृति सँ जोड़ल जाइत अछि।

(D) ‘रामायणक मिथिला’ कैँ आत्मविद्या आ तर्कपूर्ण उपनिषदिक संवाद सँ जोड़ल जाइत अछि।

५५. जँ विद्यार्थी ‘रामायणक मिथिला’क नोट बनबैत अछि, तखन मुख्य निष्कर्ष कोन राखय?

(A) विद्यार्थी ‘रामायणक मिथिला’ पढ़ैत समय धनसँ ऊपर आत्मज्ञानक खोज कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(B) विद्यार्थी ‘रामायणक मिथिला’ पढ़ैत समय धरती-संस्कार, नारी-धैर्य आ मिथिला-गौरवक प्रतीक कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(C) विद्यार्थी ‘रामायणक मिथिला’ पढ़ैत समय मिथिला क्षेत्रक ऐतिहासिक-प्रशासनिक नाम कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(D) विद्यार्थी ‘रामायणक मिथिला’ पढ़ैत समय सीता-स्वयंवर, विवाह आ मर्यादाक सांस्कृतिक स्मृति पर ध्यान देत।

५६. मिथिलाक इतिहासमे ‘जनकपुर’ कैँ मुख्यतः कोन बातसँ जोड़ल जाइत अछि?

(A) सीता-जनक परम्पराक तीर्थ आ सांस्कृतिक स्थल

(B) श्रुति, स्मृति, अनुष्ठान आ तत्त्व-विचारक अनुशासन

(C) राजा-साधुक संग स्त्री, शिष्य आ लोकक स्मृति पढ़नाइ

(D) देह-आसक्ति सँ ऊपर ज्ञान आ धर्मक संकेत

५७. नीचाँ देल जोड़ीमे 'जनकपुर' सम्बन्धी सही जोड़ी कोन अछि?

(A) जनकपुर — राजा-साधुक संग स्त्री, शिष्य आ लोकक स्मृति पढ़नाइ

(B) जनकपुर — सीता-जनक परम्पराक तीर्थ आ सांस्कृतिक स्थल

(C) जनकपुर — श्रुति, स्मृति, अनुष्ठान आ तत्त्व-विचारक अनुशासन

(D) जनकपुर — प्रश्न-उत्तरद्वारा विचार-परीक्षणक पद्धति

५८. विदेह समानान्तर इतिहासक दृष्टिसँ 'जनकपुर' पर ध्यान देबाक कारण की अछि?

(A) कारण ई देह-आसक्ति सँ ऊपर ज्ञान आ धर्मक संकेत कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(B) कारण ई मिथिला क्षेत्रक ऐतिहासिक-प्रशासनिक नाम कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(C) कारण ई राजा-साधुक संग स्त्री, शिष्य आ लोकक स्मृति पढ़नाइ कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(D) कारण ई सीता-जनक परम्पराक तीर्थ आ सांस्कृतिक स्थल कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि।

५९. 'जनकपुर' विषयमे कोन कथन सही अछि?

(A) 'जनकपुर' कैँ जनक-याज्ञवल्क्य संवादक प्रमुख स्रोत सँ जोड़ल जाइत अछि।

(B) 'जनकपुर' कैँ सीता-जनक परम्पराक तीर्थ आ सांस्कृतिक स्थल सँ जोड़ल जाइत अछि।

(C) 'जनकपुर' कैँ खुलल शास्त्रार्थ आ विद्वत् परीक्षणक मंच सँ जोड़ल जाइत अछि।

(D) 'जनकपुर' कैँ जनकक राजधानी आ विद्या-धर्मक केन्द्र सँ जोड़ल जाइत अछि।

६०. जँ विद्यार्थी 'जनकपुर'क नोट बनबैत अछि, तखन मुख्य निष्कर्ष कोन राखय?

(A) विद्यार्थी 'जनकपुर' पढ़ैत समय दार्शनिक-राजा आ विद्वत् सभाक संरक्षक कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(B) विद्यार्थी 'जनकपुर' पढ़ैत समय आत्मविद्या आ तर्कपूर्ण उपनिषदिक संवाद कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(C) विद्यार्थी 'जनकपुर' पढ़ैत समय सीता-जनक परम्पराक तीर्थ आ सांस्कृतिक स्थल पर ध्यान देत।

(D) विद्यार्थी 'जनकपुर' पढ़ैत समय खुलल शास्त्रार्थ आ विद्वत् परीक्षणक मंच कैँ मुख्य तथ्य मानत।

६१. मिथिलाक इतिहासमे 'तिरहुत' कैँ मुख्यतः कोन बातसँ जोड़ल जाइत अछि?

(A) मिथिला क्षेत्रक ऐतिहासिक-प्रशासनिक नाम

(B) देह-आसक्ति सँ ऊपर ज्ञान आ धर्मक संकेत

(C) खुलल शास्त्रार्थ आ विद्वत् परीक्षणक मंच

(D) लोकस्मृतिमे बचल इतिहासक मौखिक रूप

६२. नीचाँ देल जोड़ीमे 'तिरहुत' सम्बन्धी सही जोड़ी कोन अछि?

(A) तिरहुत — प्रश्न-उत्तरद्वारा विचार-परीक्षणक पद्धति

(B) तिरहुत — जनक-याज्ञवल्क्य संवादक प्रमुख स्रोत

(C) तिरहुत — मिथिला क्षेत्रक ऐतिहासिक-प्रशासनिक नाम

(D) तिरहुत — राजा-साधुक संग स्त्री, शिष्य आ लोकक स्मृति पढ़नाइ

६३. विदेह समानान्तर इतिहासक दृष्टिसँ 'तिरहुत' पर ध्यान देबाक कारण की अछि?

(A) कारण ई खुलल शास्त्रार्थ आ विद्वत् परीक्षणक मंच कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(B) कारण ई जनकसभामे निर्भीक दार्शनिक प्रश्न उठेनिहार विदुषी कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(C) कारण ई सीता-कथा आ उर्वरता-बोधक लोकभाव कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(D) कारण ई मिथिला क्षेत्रक ऐतिहासिक-प्रशासनिक नाम कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि।

६४. 'तिरहुत' विषयमे कोन कथन सही अछि?

(A) 'तिरहुत' कैँ सीता-कथा आ उर्वरता-बोधक लोकभाव सँ जोड़ल जाइत अछि।

(B) 'तिरहुत' कैँ मिथिलाक प्राचीन राजकीय आ सांस्कृतिक पहचान सँ जोड़ल जाइत अछि।

(C) 'तिरहुत' कैँ मिथिला क्षेत्रक ऐतिहासिक-प्रशासनिक नाम सँ जोड़ल जाइत अछि।

(D) 'तिरहुत' कैँ सीता-जनक परम्पराक तीर्थ आ सांस्कृतिक स्थल सँ जोड़ल जाइत अछि।

६५. जँ विद्यार्थी 'तिरहुत'क नोट बनबैत अछि, तखन मुख्य निष्कर्ष कोन राखय?

(A) विद्यार्थी 'तिरहुत' पढ़ैत समय देह-आसक्ति सँ ऊपर ज्ञान आ धर्मक संकेत कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(B) विद्यार्थी 'तिरहुत' पढ़ैत समय मिथिला क्षेत्रक ऐतिहासिक-प्रशासनिक नाम पर ध्यान देत।

(C) विद्यार्थी 'तिरहुत' पढ़ैत समय कोहबर, गीत आ जनक-सीता स्मृतिसँ जुड़ल संस्था कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(D) विद्यार्थी 'तिरहुत' पढ़ैत समय धरती-संस्कार, नारी-धैर्य आ मिथिला-गौरवक प्रतीक कैँ मुख्य तथ्य मानत।

६६. मिथिलाक इतिहासमे 'कृषि-संस्कार' कैँ मुख्यतः कोन बातसँ जोड़ल जाइत अछि?

(A) माटि, हल, बीज आ लोकजीवनक आधार

(B) सीता-जनक परम्पराक तीर्थ आ सांस्कृतिक स्थल

(C) राजा-साधुक संग स्त्री, शिष्य आ लोकक स्मृति पढ़नाइ

(D) जनकसभामे निर्भीक दार्शनिक प्रश्न उठेनिहार विदुषी

६७. नीचाँ देल जोड़ीमे 'कृषि-संस्कार' सम्बन्धी सही जोड़ी कोन अछि?

(A) कृषि-संस्कार — जनकक राजधानी आ विद्या-धर्मक केन्द्र

(B) कृषि-संस्कार — राजा-साधुक संग स्त्री, शिष्य आ लोकक स्मृति पढ़नाइ

(C) कृषि-संस्कार — माटि, हल, बीज आ लोकजीवनक आधार

(D) कृषि-संस्कार — खुलल शास्त्रार्थ आ विद्वत् परीक्षणक मंच

६८. विदेह समानान्तर इतिहासक दृष्टिसँ 'कृषि-संस्कार' पर ध्यान देबाक कारण की अछि?

(A) कारण ई जनकसभामे निर्भीक दार्शनिक प्रश्न उठेनिहार विदुषी कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(B) कारण ई दार्शनिक-राजा आ विद्वत् सभाक संरक्षक कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(C) कारण ई राजा-साधुक संग स्त्री, शिष्य आ लोकक स्मृति पढ़नाइ कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(D) कारण ई माटि, हल, बीज आ लोकजीवनक आधार कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि।

६९. 'कृषि-संस्कार' विषयमे कोन कथन सही अछि?

(A) 'कृषि-संस्कार' कैँ लोकस्मृतिमे बचल इतिहासक मौखिक रूप सँ जोड़ल जाइत अछि।

(B) 'कृषि-संस्कार' कैँ माटि, हल, बीज आ लोकजीवनक आधार सँ जोड़ल जाइत अछि।

(C) 'कृषि-संस्कार' कैँ जनक-याज्ञवल्क्य संवादक प्रमुख स्रोत सँ जोड़ल जाइत अछि।

(D) 'कृषि-संस्कार' कैँ मिथिलाक प्राचीन राजकीय आ सांस्कृतिक पहचान सँ जोड़ल जाइत अछि।

७०. जँ विद्यार्थी 'कृषि-संस्कार'क नोट बनबैत अछि, तखन मुख्य निष्कर्ष कोन राखय?

(A) विद्यार्थी 'कृषि-संस्कार' पढ़ैत समय दार्शनिक-राजा आ विद्वत् सभाक संरक्षक कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(B) विद्यार्थी 'कृषि-संस्कार' पढ़ैत समय कोहबर, गीत आ जनक-सीता स्मृतिसँ जुड़ल संस्था कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(C) विद्यार्थी 'कृषि-संस्कार' पढ़ैत समय माटि, हल, बीज आ लोकजीवनक आधार पर ध्यान देत।

(D) विद्यार्थी 'कृषि-संस्कार' पढ़ैत समय सीता-स्वयंवर, विवाह आ मर्यादाक सांस्कृतिक स्मृति कैँ मुख्य तथ्य मानत।

७१. मिथिलाक इतिहासमे 'धरती-स्मृति' कैँ मुख्यतः कोन बातसँ जोड़ल जाइत अछि?

(A) सीता-जनक परम्पराक तीर्थ आ सांस्कृतिक स्थल

(B) खुलल शास्त्रार्थ आ विद्वत् परीक्षणक मंच

(C) धनसँ ऊपर आत्मज्ञानक खोज

(D) सीता-कथा आ उर्वरता-बोधक लोकभाव

७२. नीचाँ देल जोड़ीमे 'धरती-स्मृति' सम्बन्धी सही जोड़ी कोन अछि?

(A) धरती-स्मृति — जनकक राजधानी आ विद्या-धर्मक केन्द्र

(B) धरती-स्मृति — सीता-कथा आ उर्वरता-बोधक लोकभाव

(C) धरती-स्मृति — धनसँ ऊपर आत्मज्ञानक खोज

(D) धरती-स्मृति — राजा-साधुक संग स्त्री, शिष्य आ लोकक स्मृति पढ़नाइ

७३. विदेह समानान्तर इतिहासक दृष्टिसँ 'धरती-स्मृति' पर ध्यान देबाक कारण की अछि?

(A) कारण ई धरती-संस्कार, नारी-धैर्य आ मिथिला-गौरवक प्रतीक कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(B) कारण ई आत्मविद्या आ तर्कपूर्ण उपनिषदिक संवाद कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(C) कारण ई देह-आसक्ति सँ ऊपर ज्ञान आ धर्मक संकेत कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(D) कारण ई सीता-कथा आ उर्वरता-बोधक लोकभाव कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि।

७४. 'धरती-स्मृति' विषयमे कोन कथन सही अछि?

(A) 'धरती-स्मृति' कैँ धरती-संस्कार, नारी-धैर्य आ मिथिला-गौरवक प्रतीक सँ जोड़ल जाइत अछि।

(B) 'धरती-स्मृति' कैँ धनसँ ऊपर आत्मज्ञानक खोज सँ जोड़ल जाइत अछि।

(C) 'धरती-स्मृति' कैँ राजा-साधुक संग स्त्री, शिष्य आ लोकक स्मृति पढ़नाइ सँ जोड़ल जाइत अछि।

(D) 'धरती-स्मृति' कैँ सीता-कथा आ उर्वरता-बोधक लोकभाव सँ जोड़ल जाइत अछि।

७५. जँ विद्यार्थी 'धरती-स्मृति'क नोट बनबैत अछि, तखन मुख्य निष्कर्ष कोन राखय?

(A) विद्यार्थी 'धरती-स्मृति' पढ़ैत समय धनसँ ऊपर आत्मज्ञानक खोज कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(B) विद्यार्थी 'धरती-स्मृति' पढ़ैत समय धरती-संस्कार, नारी-धैर्य आ मिथिला-गौरवक प्रतीक कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(C) विद्यार्थी 'धरती-स्मृति' पढ़ैत समय सीता-कथा आ उर्वरता-बोधक लोकभाव पर ध्यान देत।

(D) विद्यार्थी 'धरती-स्मृति' पढ़ैत समय जनक-याज्ञवल्क्य संवादक प्रमुख स्रोत कैँ मुख्य तथ्य मानत।

७६. मिथिलाक इतिहासमे 'विदेही आदर्श' कैँ मुख्यतः कोन बातसँ जोड़ल जाइत अछि?

(A) राजा-साधुक संग स्त्री, शिष्य आ लोकक स्मृति पढ़नाइ

(B) जनकक राजधानी आ विद्या-धर्मक केन्द्र

(C) श्रुति, स्मृति, अनुष्ठान आ तत्त्व-विचारक अनुशासन

(D) देह-आसक्ति सँ ऊपर ज्ञान आ धर्मक संकेत

७७. नीचाँ देल जोड़ीमे 'विदेही आदर्श' सम्बन्धी सही जोड़ी कोन अछि?

(A) विदेही आदर्श — लोकस्मृतिमे बचल इतिहासक मौखिक रूप

(B) विदेही आदर्श — देह-आसक्ति सँ ऊपर ज्ञान आ धर्मक संकेत

(C) विदेही आदर्श — दार्शनिक-राजा आ विद्वत् सभाक संरक्षक

(D) विदेही आदर्श — सीता-जनक परम्पराक तीर्थ आ सांस्कृतिक स्थल

७८. विदेह समानान्तर इतिहासक दृष्टिसँ 'विदेही आदर्श' पर ध्यान देबाक कारण की अछि?

(A) कारण ई मिथिला क्षेत्रक ऐतिहासिक-प्रशासनिक नाम कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(B) कारण ई देह-आसक्ति सँ ऊपर ज्ञान आ धर्मक संकेत कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि।

(C) कारण ई जनकसभामे निर्भीक दार्शनिक प्रश्न उठेनिहार विदुषी कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(D) कारण ई जनक-याज्ञवल्क्य संवादक प्रमुख स्रोत कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

७९. 'विदेही आदर्श' विषयमे कोन कथन सही अछि?

(A) 'विदेही आदर्श' कैँ माटि, हल, बीज आ लोकजीवनक आधार सँ जोड़ल जाइत अछि।

(B) 'विदेही आदर्श' कैँ जनकक राजधानी आ विद्या-धर्मक केन्द्र सँ जोड़ल जाइत अछि।

(C) 'विदेही आदर्श' कैँ सीता-जनक परम्पराक तीर्थ आ सांस्कृतिक स्थल सँ जोड़ल जाइत अछि।

(D) 'विदेही आदर्श' कैँ देह-आसक्ति सँ ऊपर ज्ञान आ धर्मक संकेत सँ जोड़ल जाइत अछि।

८०. जँ विद्यार्थी 'विदेही आदर्श'क नोट बनबैत अछि, तखन मुख्य निष्कर्ष कोन राखय?

(A) विद्यार्थी 'विदेही आदर्श' पढ़ैत समय सीता-स्वयंवर, विवाह आ मर्यादाक सांस्कृतिक स्मृति कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(B) विद्यार्थी 'विदेही आदर्श' पढ़ैत समय खुलल शास्त्रार्थ आ विद्वत् परीक्षणक मंच कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(C) विद्यार्थी 'विदेही आदर्श' पढ़ैत समय जनकसभामे निर्भीक दार्शनिक प्रश्न उठेनिहार विदुषी कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(D) विद्यार्थी 'विदेही आदर्श' पढ़ैत समय देह-आसक्ति सँ ऊपर ज्ञान आ धर्मक संकेत पर ध्यान देत।

८१. मिथिलाक इतिहासमे 'विवाह-संस्कार' कैँ मुख्यतः कोन बातसँ जोड़ल जाइत अछि?

(A) जनकक राजधानी आ विद्या-धर्मक केन्द्र

(B) सीता-स्वयंवर, विवाह आ मर्यादाक सांस्कृतिक स्मृति

(C) कोहबर, गीत आ जनक-सीता स्मृतिसँ जुड़ल संस्था

(D) श्रुति, स्मृति, अनुष्ठान आ तत्त्व-विचारक अनुशासन

८२. नीचाँ देल जोड़ीमे 'विवाह-संस्कार' सम्बन्धी सही जोड़ी कोन अछि?

(A) विवाह-संस्कार — आत्मविद्या आ तर्कपूर्ण उपनिषदिक संवाद

(B) विवाह-संस्कार — कोहबर, गीत आ जनक-सीता स्मृतिसँ जुड़ल संस्था

(C) विवाह-संस्कार — दार्शनिक-राजा आ विद्वत् सभाक संरक्षक

(D) विवाह-संस्कार — राजा-साधुक संग स्त्री, शिष्य आ लोकक स्मृति पढ़नाइ

८३. विदेह समानान्तर इतिहासक दृष्टिसँ 'विवाह-संस्कार' पर ध्यान देबाक कारण की अछि?

(A) कारण ई जनक-याज्ञवल्क्य संवादक प्रमुख स्रोत कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(B) कारण ई कोहबर, गीत आ जनक-सीता स्मृतिसँ जुड़ल संस्था कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि।

(C) कारण ई मिथिला क्षेत्रक ऐतिहासिक-प्रशासनिक नाम कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(D) कारण ई जनकक राजधानी आ विद्या-धर्मक केन्द्र कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

८४. 'विवाह-संस्कार' विषयमे कोन कथन सही अछि?

(A) 'विवाह-संस्कार' कैँ धरती-संस्कार, नारी-धैर्य आ मिथिला-गौरवक प्रतीक सँ जोड़ल जाइत अछि।

(B) 'विवाह-संस्कार' कैँ कोहबर, गीत आ जनक-सीता स्मृतिसँ जुड़ल संस्था सँ जोड़ल जाइत अछि।

(C) 'विवाह-संस्कार' कैँ सीता-जनक परम्पराक तीर्थ आ सांस्कृतिक स्थल सँ जोड़ल जाइत अछि।

(D) 'विवाह-संस्कार' कैँ मिथिलाक प्राचीन राजकीय आ सांस्कृतिक पहचान सँ जोड़ल जाइत अछि।

८५. जँ विद्यार्थी 'विवाह-संस्कार'क नोट बनबैत अछि, तखन मुख्य निष्कर्ष कोन राखय?

(A) विद्यार्थी 'विवाह-संस्कार' पढ़ैत समय धनसँ ऊपर आत्मज्ञानक खोज कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(B) विद्यार्थी 'विवाह-संस्कार' पढ़ैत समय सीता-स्वयंवर, विवाह आ मर्यादाक सांस्कृतिक स्मृति कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(C) विद्यार्थी 'विवाह-संस्कार' पढ़ैत समय जनकक राजधानी आ विद्या-धर्मक केन्द्र कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(D) विद्यार्थी 'विवाह-संस्कार' पढ़ैत समय कोहबर, गीत आ जनक-सीता स्मृतिसँ जुड़ल संस्था पर ध्यान देत।

८६. मिथिलाक इतिहासमे 'वैदिक शिक्षा' कैँ मुख्यतः कोन बातसँ जोड़ल जाइत अछि?

(A) मिथिला क्षेत्रक ऐतिहासिक-प्रशासनिक नाम

(B) लोकस्मृतिमे बचल इतिहासक मौखिक रूप

(C) श्रुति, स्मृति, अनुष्ठान आ तत्त्व-विचारक अनुशासन

(D) जनकसभामे निर्भीक दार्शनिक प्रश्न उठेनिहार विदुषी

८७. नीचाँ देल जोड़ीमे 'वैदिक शिक्षा' सम्बन्धी सही जोड़ी कोन अछि?

(A) वैदिक शिक्षा — देह-आसक्ति सँ ऊपर ज्ञान आ धर्मक संकेत

(B) वैदिक शिक्षा — जनकसभामे निर्भीक दार्शनिक प्रश्न उठेनिहार विदुषी

(C) वैदिक शिक्षा — प्रश्न-उत्तरद्वारा विचार-परीक्षणक पद्धति

(D) वैदिक शिक्षा — श्रुति, स्मृति, अनुष्ठान आ तत्त्व-विचारक अनुशासन

८८. विदेह समानान्तर इतिहासक दृष्टिसँ 'वैदिक शिक्षा' पर ध्यान देबाक कारण की अछि?

(A) कारण ई मिथिलाक प्राचीन राजकीय आ सांस्कृतिक पहचान कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(B) कारण ई खुलल शास्त्रार्थ आ विद्वत् परीक्षणक मंच कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(C) कारण ई श्रुति, स्मृति, अनुष्ठान आ तत्त्व-विचारक अनुशासन कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि।

(D) कारण ई जनकसभामे निर्भीक दार्शनिक प्रश्न उठेनिहार विदुषी कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

८९. ‘वैदिक शिक्षा’ विषयमे कोन कथन सही अछि?

(A) ‘वैदिक शिक्षा’ कैँ आत्मविद्या आ तर्कपूर्ण उपनिषदिक संवाद सँ जोड़ल जाइत अछि।

(B) ‘वैदिक शिक्षा’ कैँ सीता-स्वयंवर, विवाह आ मर्यादाक सांस्कृतिक स्मृति सँ जोड़ल जाइत अछि।

(C) ‘वैदिक शिक्षा’ कैँ श्रुति, स्मृति, अनुष्ठान आ तत्त्व-विचारक अनुशासन सँ जोड़ल जाइत अछि।

(D) ‘वैदिक शिक्षा’ कैँ माटि, हल, बीज आ लोकजीवनक आधार सँ जोड़ल जाइत अछि।

९०. जँ विद्यार्थी ‘वैदिक शिक्षा’क नोट बनबैत अछि, तखन मुख्य निष्कर्ष कोन राखय?

(A) विद्यार्थी ‘वैदिक शिक्षा’ पढ़ैत समय श्रुति, स्मृति, अनुष्ठान आ तत्त्व-विचारक अनुशासन पर ध्यान देत।

(B) विद्यार्थी ‘वैदिक शिक्षा’ पढ़ैत समय जनकक राजधानी आ विद्या-धर्मक केन्द्र कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(C) विद्यार्थी ‘वैदिक शिक्षा’ पढ़ैत समय सीता-जनक परम्पराक तीर्थ आ सांस्कृतिक स्थल कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(D) विद्यार्थी ‘वैदिक शिक्षा’ पढ़ैत समय धरती-संस्कार, नारी-धैर्य आ मिथिला-गौरवक प्रतीक कैँ मुख्य तथ्य मानत।

९१. मिथिलाक इतिहासमे ‘जनश्रुति’ कैँ मुख्यतः कोन बातसँ जोड़ल जाइत अछि?

(A) जनकसभामे निर्भीक दार्शनिक प्रश्न उठेनिहार विदुषी

(B) देह-आसक्ति सँ ऊपर ज्ञान आ धर्मक संकेत

(C) लोकस्मृतिमे बचल इतिहासक मौखिक रूप

(D) धनसँ ऊपर आत्मज्ञानक खोज

९२. नीचाँ देल जोड़ीमे ‘जनश्रुति’ सम्बन्धी सही जोड़ी कोन अछि?

(A) जनश्रुति — प्रश्न-उत्तरद्वारा विचार-परीक्षणक पद्धति

(B) जनश्रुति — माटि, हल, बीज आ लोकजीवनक आधार

(C) जनश्रुति — लोकस्मृतिमे बचल इतिहासक मौखिक रूप

(D) जनश्रुति — दार्शनिक-राजा आ विद्वत् सभाक संरक्षक

९३. विदेह समानान्तर इतिहासक दृष्टिसँ ‘जनश्रुति’ पर ध्यान देबाक कारण की अछि?

(A) कारण ई सीता-स्वयंवर, विवाह आ मर्यादाक सांस्कृतिक स्मृति कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(B) कारण ई धनसँ ऊपर आत्मज्ञानक खोज कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(C) कारण ई मिथिलाक प्राचीन राजकीय आ सांस्कृतिक पहचान कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(D) कारण ई लोकस्मृतिमे बचल इतिहासक मौखिक रूप कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि।

९४. ‘जनश्रुति’ विषयमे कोन कथन सही अछि?

(A) ‘जनश्रुति’ कैँ लोकस्मृतिमे बचल इतिहासक मौखिक रूप सँ जोड़ल जाइत अछि।

(B) ‘जनश्रुति’ कैँ धरती-संस्कार, नारी-धैर्य आ मिथिला-गौरवक प्रतीक सँ जोड़ल जाइत अछि।

(C) ‘जनश्रुति’ कैँ प्रश्न-उत्तरद्वारा विचार-परीक्षणक पद्धति सँ जोड़ल जाइत अछि।

(D) ‘जनश्रुति’ कैँ खुलल शास्त्रार्थ आ विद्वत् परीक्षणक मंच सँ जोड़ल जाइत अछि।

९५. जँ विद्यार्थी ‘जनश्रुति’क नोट बनबैत अछि, तखन मुख्य निष्कर्ष कोन राखय?

(A) विद्यार्थी ‘जनश्रुति’ पढ़ैत समय धरती-संस्कार, नारी-धैर्य आ मिथिला-गौरवक प्रतीक कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(B) विद्यार्थी ‘जनश्रुति’ पढ़ैत समय लोकस्मृतिमे बचल इतिहासक मौखिक रूप पर ध्यान देत।

(C) विद्यार्थी ‘जनश्रुति’ पढ़ैत समय श्रुति, स्मृति, अनुष्ठान आ तत्त्व-विचारक अनुशासन कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(D) विद्यार्थी ‘जनश्रुति’ पढ़ैत समय जनकक राजधानी आ विद्या-धर्मक केन्द्र कैँ मुख्य तथ्य मानत।

९६. मिथिलाक इतिहासमे ‘समानान्तर दृष्टि’ कैँ मुख्यतः कोन बातसँ जोड़ल जाइत अछि?

(A) लोकस्मृतिमे बचल इतिहासक मौखिक रूप

(B) खुलल शास्त्रार्थ आ विद्वत् परीक्षणक मंच

(C) राजा-साधुक संग स्त्री, शिष्य आ लोकक स्मृति पढ़नाइ

(D) सीता-स्वयंवर, विवाह आ मर्यादाक सांस्कृतिक स्मृति

९७. नीचाँ देल जोड़ीमे 'समानान्तर दृष्टि' सम्बन्धी सही जोड़ी कोन अछि?

(A) समानान्तर दृष्टि — राजा-साधुक संग स्त्री, शिष्य आ लोकक स्मृति पढ़नाइ

(B) समानान्तर दृष्टि — मिथिलाक प्राचीन राजकीय आ सांस्कृतिक पहचान

(C) समानान्तर दृष्टि — धनसँ ऊपर आत्मज्ञानक खोज

(D) समानान्तर दृष्टि — जनकसभामे निर्भीक दार्शनिक प्रश्न उठेनिहार विदुषी

९८. विदेह समानान्तर इतिहासक दृष्टिसँ 'समानान्तर दृष्टि' पर ध्यान देबाक कारण की अछि?

(A) कारण ई धरती-संस्कार, नारी-धैर्य आ मिथिला-गौरवक प्रतीक कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(B) कारण ई कोहबर, गीत आ जनक-सीता स्मृतिसँ जुड़ल संस्था कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(C) कारण ई राजा-साधुक संग स्त्री, शिष्य आ लोकक स्मृति पढ़नाइ कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि।

(D) कारण ई श्रुति, स्मृति, अनुष्ठान आ तत्त्व-विचारक अनुशासन कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

९९. 'समानान्तर दृष्टि' विषयमे कोन कथन सही अछि?

(A) 'समानान्तर दृष्टि' कैँ राजा-साधुक संग स्त्री, शिष्य आ लोकक स्मृति पढ़नाइ सँ जोड़ल जाइत अछि।

(B) 'समानान्तर दृष्टि' कैँ देह-आसक्ति सँ ऊपर ज्ञान आ धर्मक संकेत सँ जोड़ल जाइत अछि।

(C) 'समानान्तर दृष्टि' कैँ सीता-जनक परम्पराक तीर्थ आ सांस्कृतिक स्थल सँ जोड़ल जाइत अछि।

(D) 'समानान्तर दृष्टि' कैँ जनकसभामे निर्भीक दार्शनिक प्रश्न उठेनिहार विदुषी सँ जोड़ल जाइत अछि।

१००. जँ विद्यार्थी 'समानान्तर दृष्टि'क नोट बनबैत अछि, तखन मुख्य निष्कर्ष कोन राखय?

(A) विद्यार्थी 'समानान्तर दृष्टि' पढ़ैत समय मिथिलाक प्राचीन राजकीय आ सांस्कृतिक पहचान कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(B) विद्यार्थी 'समानान्तर दृष्टि' पढ़ैत समय खुलल शास्त्रार्थ आ विद्वत् परीक्षणक मंच कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(C) विद्यार्थी 'समानान्तर दृष्टि' पढ़ैत समय राजा-साधुक संग स्त्री, शिष्य आ लोकक स्मृति पढ़नाइ पर ध्यान देत।

(D) विद्यार्थी 'समानान्तर दृष्टि' पढ़ैत समय सीता-कथा आ उर्वरता-बोधक लोकभाव कैँ मुख्य तथ्य मानत।

१०१. मिथिलाक इतिहासमे 'कर्नाट वंश' कैँ मुख्यतः कोन बातसँ जोड़ल जाइत अछि?

(A) मध्यकालीन मिथिलाक राजनीतिक पुनर्गठन

(B) शासनकैँ न्याय, दान आ संरक्षणसँ जोड़निहार आदर्श

(C) वंश-विवरण राखनिहार पारम्परिक अधिकारी

(D) विद्यापति-संबद्ध ओइनीवार शासक

१०२. नीचाँ देल जोड़ीमे 'कर्नाट वंश' सम्बन्धी सही जोड़ी कोन अछि?

(A) कर्नाट वंश — भूमि-अधिकार आ ग्रामीण सत्ता-संतुलनक व्यवस्था

(B) कर्नाट वंश — स्थानीय निर्णय आ लोक-सहमतिक ग्रामीण संस्था

(C) कर्नाट वंश — मध्यकालीन मिथिलाक राजनीतिक पुनर्गठन

(D) कर्नाट वंश — सत्ता, धर्म आ स्मृति केर सार्वजनिक लेख

१०३. विदेह समानान्तर इतिहासक दृष्टिसँ 'कर्नाट वंश' पर ध्यान देबाक कारण की अछि?

(A) कारण ई औपनिवेशिक आ आधुनिक कालक प्रमुख जमीन्दारी-राजकीय केन्द्र कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(B) कारण ई मध्यकालीन मिथिलाक राजनीतिक पुनर्गठन कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि।

(C) कारण ई कर्नाट शक्तिक दुर्गीय राजधानी-परम्परा कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(D) कारण ई विद्यापति-परम्पराक दरबारी-सांस्कृतिक स्मृति कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

१०४. 'कर्नाट वंश' विषयमे कोन कथन सही अछि?

(A) 'कर्नाट वंश' कैँ परिवार-कुलक स्मृति आ सामाजिक पहचानक लेखा सँ जोड़ल जाइत अछि।

(B) 'कर्नाट वंश' कैँ वंश-विवरण राखनिहार पारम्परिक अधिकारी सँ जोड़ल जाइत अछि।

(C) 'कर्नाट वंश' कैँ मध्यकालीन मिथिलाक राजनीतिक पुनर्गठन सँ जोड़ल जाइत अछि।

(D) 'कर्नाट वंश' कैँ दान, भूमि-अधिकार आ राजाज्ञाक लिखित प्रमाण सँ जोड़ल जाइत अछि।

१०५. जँ विद्यार्थी ‘कर्नाट वंश’क नोट बनबैत अछि, तखन मुख्य निष्कर्ष कोन राखय?

(A) विद्यार्थी ‘कर्नाट वंश’ पढ़ैत समय मध्यकालीन मिथिलाक राजनीतिक पुनर्गठन पर ध्यान देत।

(B) विद्यार्थी ‘कर्नाट वंश’ पढ़ैत समय दान, भूमि-अधिकार आ राजाज्ञाक लिखित प्रमाण कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(C) विद्यार्थी ‘कर्नाट वंश’ पढ़ैत समय कर्नाट शक्तिक दुर्गीय राजधानी-परम्परा कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(D) विद्यार्थी ‘कर्नाट वंश’ पढ़ैत समय विद्यापति-परम्पराक दरबारी-सांस्कृतिक स्मृति कैँ मुख्य तथ्य मानत।

१०६. मिथिलाक इतिहासमे ‘नान्यदेव’ कैँ मुख्यतः कोन बातसँ जोड़ल जाइत अछि?

(A) वंश-विवरण राखनिहार पारम्परिक अधिकारी

(B) कर्नाट सत्ता सँ जुड़ल प्रमुख आरम्भिक शासक

(C) औपनिवेशिक आ आधुनिक कालक प्रमुख जमीन्दारी-राजकीय केन्द्र

(D) व्यापार, सत्ता आ आर्थिक पहुँचक पुरातात्त्विक संकेत

१०७. नीचाँ देल जोड़ीमे ‘नान्यदेव’ सम्बन्धी सही जोड़ी कोन अछि?

(A) नान्यदेव — वंश-विवरण राखनिहार पारम्परिक अधिकारी

(B) नान्यदेव — शासनकेँ न्याय, दान आ संरक्षणसँ जोड़निहार आदर्श

(C) नान्यदेव — भारत-नेपाल बीचक सांस्कृतिक निरन्तरता

(D) नान्यदेव — कर्नाट सत्ता सँ जुड़ल प्रमुख आरम्भिक शासक

१०८. विदेह समानान्तर इतिहासक दृष्टिसँ ‘नान्यदेव’ पर ध्यान देबाक कारण की अछि?

(A) कारण ई दान, भूमि-अधिकार आ राजाज्ञाक लिखित प्रमाण कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(B) कारण ई कर्नाट सत्ता सँ जुड़ल प्रमुख आरम्भिक शासक कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि।

(C) कारण ई मध्यकालीन मिथिलाक राजनीतिक पुनर्गठन कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(D) कारण ई स्थानीय निर्णय आ लोक-सहमतिक ग्रामीण संस्था कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

१०९. ‘नान्यदेव’ विषयमे कोन कथन सही अछि?

(A) ‘नान्यदेव’ कैँ सत्ता, धर्म आ स्मृति केर सार्वजनिक लेख सँ जोड़ल जाइत अछि।

(B) ‘नान्यदेव’ कैँ स्थानीय निर्णय आ लोक-सहमतिक ग्रामीण संस्था सँ जोड़ल जाइत अछि।

(C) ‘नान्यदेव’ कैँ कर्नाट सत्ता सँ जुड़ल प्रमुख आरम्भिक शासक सँ जोड़ल जाइत अछि।

(D) ‘नान्यदेव’ कैँ दान, भूमि-अधिकार आ राजाज्ञाक लिखित प्रमाण सँ जोड़ल जाइत अछि।

११०. जँ विद्यार्थी ‘नान्यदेव’क नोट बनबैत अछि, तखन मुख्य निष्कर्ष कोन राखय?

(A) विद्यार्थी ‘नान्यदेव’ पढ़ैत समय कर्नाट सत्ता सँ जुड़ल प्रमुख आरम्भिक शासक पर ध्यान देत।

(B) विद्यार्थी ‘नान्यदेव’ पढ़ैत समय सत्ता, धर्म आ स्मृति केर सार्वजनिक लेख कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(C) विद्यार्थी ‘नान्यदेव’ पढ़ैत समय स्थानीय निर्णय आ लोक-सहमतिक ग्रामीण संस्था कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(D) विद्यार्थी ‘नान्यदेव’ पढ़ैत समय विद्यापति-परम्पराक दरबारी-सांस्कृतिक स्मृति कैँ मुख्य तथ्य मानत।

१११. मिथिलाक इतिहासमे ‘सिमरौनगढ़’ कैँ मुख्यतः कोन बातसँ जोड़ल जाइत अछि?

(A) भूमि-अधिकार आ ग्रामीण सत्ता-संतुलनक व्यवस्था

(B) राजसत्ता, किसान आ जमीन्दारक आर्थिक सम्बन्ध

(C) कर्नाट शक्तिक दुर्गीय राजधानी-परम्परा

(D) भारत-नेपाल बीचक सांस्कृतिक निरन्तरता

११२. नीचाँ देल जोड़ीमे ‘सिमरौनगढ़’ सम्बन्धी सही जोड़ी कोन अछि?

(A) सिमरौनगढ़ — दान, भूमि-अधिकार आ राजाज्ञाक लिखित प्रमाण

(B) सिमरौनगढ़ — राजस्व, न्याय आ प्रशासनक स्थानीय केन्द्र

(C) सिमरौनगढ़ — कर्नाट शक्तिक दुर्गीय राजधानी-परम्परा

(D) सिमरौनगढ़ — विद्यापति-संबद्ध ओइनीवार शासक

११३. विदेह समानान्तर इतिहासक दृष्टिसँ ‘सिमरौनगढ़’ पर ध्यान देबाक कारण की अछि?

(A) कारण ई वंश-विवरण राखनिहार पारम्परिक अधिकारी कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(B) कारण ई परिवार-कुलक स्मृति आ सामाजिक पहचानक लेखा कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(C) कारण ई राजस्व, न्याय आ प्रशासनक स्थानीय केन्द्र कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(D) कारण ई कर्नाट शक्तिक दुर्गीय राजधानी-परम्परा कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि।

११४. ‘सिमरौनगढ़’ विषयमे कोन कथन सही अछि?

(A) ‘सिमरौनगढ़’ कैँ वंश-विवरण राखनिहार पारम्परिक अधिकारी सँ जोड़ल जाइत अछि।

(B) ‘सिमरौनगढ़’ कैँ भारत-नेपाल बीचक सांस्कृतिक निरन्तरता सँ जोड़ल जाइत अछि।

(C) ‘सिमरौनगढ़’ कैँ कर्नाट शक्तिक दुर्गीय राजधानी-परम्परा सँ जोड़ल जाइत अछि।

(D) ‘सिमरौनगढ़’ कैँ विद्यापति-कालीन दरबारी आ साहित्यिक संरक्षण सँ जोड़ल जाइत अछि।

११५. जँ विद्यार्थी ‘सिमरौनगढ़’क नोट बनबैत अछि, तखन मुख्य निष्कर्ष कोन राखय?

(A) विद्यार्थी ‘सिमरौनगढ़’ पढ़ैत समय विद्यापति-परम्पराक दरबारी-सांस्कृतिक स्मृति कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(B) विद्यार्थी ‘सिमरौनगढ़’ पढ़ैत समय भूमि-अधिकार आ ग्रामीण सत्ता-संतुलनक व्यवस्था कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(C) विद्यार्थी ‘सिमरौनगढ़’ पढ़ैत समय सत्ता, धर्म आ स्मृति केर सार्वजनिक लेख कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(D) विद्यार्थी ‘सिमरौनगढ़’ पढ़ैत समय कर्नाट शक्तिक दुर्गीय राजधानी-परम्परा पर ध्यान देत।

११६. मिथिलाक इतिहासमे ‘ओइनीवार वंश’ कैँ मुख्यतः कोन बातसँ जोड़ल जाइत अछि?

(A) राजस्व, न्याय आ प्रशासनक स्थानीय केन्द्र

(B) औपनिवेशिक आ आधुनिक कालक प्रमुख जमीन्दारी-राजकीय केन्द्र

(C) विद्यापति-कालीन दरबारी आ साहित्यिक संरक्षण

(D) विद्यापति-परम्पराक दरबारी-सांस्कृतिक स्मृति

११७. नीचाँ देल जोड़ीमे ‘ओइनीवार वंश’ सम्बन्धी सही जोड़ी कोन अछि?

(A) ओइनीवार वंश — विद्यापति-संबद्ध ओइनीवार शासक

(B) ओइनीवार वंश — राजस्व, न्याय आ प्रशासनक स्थानीय केन्द्र

(C) ओइनीवार वंश — भारत-नेपाल बीचक सांस्कृतिक निरन्तरता

(D) ओइनीवार वंश — विद्यापति-कालीन दरबारी आ साहित्यिक संरक्षण

११८. विदेह समानान्तर इतिहासक दृष्टिसँ ‘ओइनीवार वंश’ पर ध्यान देबाक कारण की अछि?

(A) कारण ई विद्यापति-संबद्ध ओइनीवार शासक कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(B) कारण ई विद्यापति-कालीन दरबारी आ साहित्यिक संरक्षण कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि।

(C) कारण ई दान, भूमि-अधिकार आ राजाज्ञाक लिखित प्रमाण कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(D) कारण ई स्थानीय निर्णय आ लोक-सहमतिक ग्रामीण संस्था कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

११९. ‘ओइनीवार वंश’ विषयमे कोन कथन सही अछि?

(A) ‘ओइनीवार वंश’ कैँ परिवार-कुलक स्मृति आ सामाजिक पहचानक लेखा सँ जोड़ल जाइत अछि।

(B) ‘ओइनीवार वंश’ कैँ औपनिवेशिक आ आधुनिक कालक प्रमुख जमीन्दारी-राजकीय केन्द्र सँ जोड़ल जाइत अछि।

(C) ‘ओइनीवार वंश’ कैँ विद्यापति-कालीन दरबारी आ साहित्यिक संरक्षण सँ जोड़ल जाइत अछि।

(D) ‘ओइनीवार वंश’ कैँ कर्नाट सत्ता सँ जुड़ल प्रमुख आरम्भिक शासक सँ जोड़ल जाइत अछि।

१२०. जँ विद्यार्थी ‘ओइनीवार वंश’क नोट बनबैत अछि, तखन मुख्य निष्कर्ष कोन राखय?

(A) विद्यार्थी ‘ओइनीवार वंश’ पढ़ैत समय शासनकैँ न्याय, दान आ संरक्षणसँ जोड़निहार आदर्श कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(B) विद्यार्थी ‘ओइनीवार वंश’ पढ़ैत समय कर्नाट सत्ता सँ जुड़ल प्रमुख आरम्भिक शासक कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(C) विद्यार्थी ‘ओइनीवार वंश’ पढ़ैत समय विद्यापति-कालीन दरबारी आ साहित्यिक संरक्षण पर ध्यान देत।

(D) विद्यार्थी ‘ओइनीवार वंश’ पढ़ैत समय राजस्व, न्याय आ प्रशासनक स्थानीय केन्द्र कैँ मुख्य तथ्य मानत।

१२१. मिथिलाक इतिहासमे ‘शिवसिंह’ कैँ मुख्यतः कोन बातसँ जोड़ल जाइत अछि?

(A) भूमि-अधिकार आ ग्रामीण सत्ता-संतुलनक व्यवस्था

(B) विद्यापति-संबद्ध ओइनीवार शासक

(C) परिवार-कुलक स्मृति आ सामाजिक पहचानक लेखा

(D) विद्यापति-परम्पराक दरबारी-सांस्कृतिक स्मृति

१२२. नीचाँ देल जोड़ीमे ‘शिवसिंह’ सम्बन्धी सही जोड़ी कोन अछि?

(A) शिवसिंह — विद्यापति-संबद्ध ओइनीवार शासक

(B) शिवसिंह — विद्यापति-परम्पराक दरबारी-सांस्कृतिक स्मृति

(C) शिवसिंह — दान, भूमि-अधिकार आ राजाज्ञाक लिखित प्रमाण

(D) शिवसिंह — मिथिला क्षेत्रक राजस्व आ शासन-संबंधी ऐतिहासिक ढाँचा

१२३. विदेह समानान्तर इतिहासक दृष्टिसँ ‘शिवसिंह’ पर ध्यान देबाक कारण की अछि?

(A) कारण ई विद्यापति-संबद्ध ओइनीवार शासक कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि।

(B) कारण ई शासनकैँ न्याय, दान आ संरक्षणसँ जोड़निहार आदर्श कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(C) कारण ई स्थानीय निर्णय आ लोक-सहमतिक ग्रामीण संस्था कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(D) कारण ई भारत-नेपाल बीचक सांस्कृतिक निरन्तरता कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

१२४. ‘शिवसिंह’ विषयमे कोन कथन सही अछि?

(A) ‘शिवसिंह’ कैँ विद्यापति-संबद्ध ओइनीवार शासक सँ जोड़ल जाइत अछि।

(B) ‘शिवसिंह’ कैँ शासनकैँ न्याय, दान आ संरक्षणसँ जोड़निहार आदर्श सँ जोड़ल जाइत अछि।

(C) ‘शिवसिंह’ कैँ औपनिवेशिक आ आधुनिक कालक प्रमुख जमीन्दारी-राजकीय केन्द्र सँ जोड़ल जाइत अछि।

(D) ‘शिवसिंह’ कैँ मिथिला क्षेत्रक राजस्व आ शासन-संबंधी ऐतिहासिक ढाँचा सँ जोड़ल जाइत अछि।

१२५. जँ विद्यार्थी ‘शिवसिंह’क नोट बनबैत अछि, तखन मुख्य निष्कर्ष कोन राखय?

(A) विद्यार्थी ‘शिवसिंह’ पढ़ैत समय विद्यापति-संबद्ध ओइनीवार शासक पर ध्यान देत।

(B) विद्यार्थी ‘शिवसिंह’ पढ़ैत समय वंशावली आ वैवाहिक नियमनक पारम्परिक लेखा कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(C) विद्यार्थी ‘शिवसिंह’ पढ़ैत समय शासनकैँ न्याय, दान आ संरक्षणसँ जोड़निहार आदर्श कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(D) विद्यार्थी ‘शिवसिंह’ पढ़ैत समय कर्नाट सत्ता सँ जुड़ल प्रमुख आरम्भिक शासक कैँ मुख्य तथ्य मानत।

१२६. मिथिलाक इतिहासमे ‘लखिमा देवी’ कैँ मुख्यतः कोन बातसँ जोड़ल जाइत अछि?

(A) मध्यकालीन मिथिलाक राजनीतिक पुनर्गठन

(B) विद्यापति-परम्पराक दरबारी-सांस्कृतिक स्मृति

(C) भारत-नेपाल बीचक सांस्कृतिक निरन्तरता

(D) सत्ता, धर्म आ स्मृति केर सार्वजनिक लेख

१२७. नीचाँ देल जोड़ीमे ‘लखिमा देवी’ सम्बन्धी सही जोड़ी कोन अछि?

(A) लखिमा देवी — राजसत्ता, किसान आ जमीन्दारक आर्थिक सम्बन्ध

(B) लखिमा देवी — विद्यापति-परम्पराक दरबारी-सांस्कृतिक स्मृति

(C) लखिमा देवी — स्थानीय निर्णय आ लोक-सहमतिक ग्रामीण संस्था

(D) लखिमा देवी — व्यापार, सत्ता आ आर्थिक पहुँचक पुरातात्त्विक संकेत

१२८. विदेह समानान्तर इतिहासक दृष्टिसँ ‘लखिमा देवी’ पर ध्यान देबाक कारण की अछि?

(A) कारण ई विद्यापति-परम्पराक दरबारी-सांस्कृतिक स्मृति कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि।

(B) कारण ई भारत-नेपाल बीचक सांस्कृतिक निरन्तरता कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(C) कारण ई कर्नाट शक्तिक दुर्गीय राजधानी-परम्परा कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(D) कारण ई शासनकैँ न्याय, दान आ संरक्षणसँ जोड़निहार आदर्श कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

१२९. ‘लखिमा देवी’ विषयमे कोन कथन सही अछि?

(A) ‘लखिमा देवी’ कैँ शासनकैँ न्याय, दान आ संरक्षणसँ जोड़निहार आदर्श सँ जोड़ल जाइत अछि।

(B) ‘लखिमा देवी’ कैँ मध्यकालीन मिथिलाक राजनीतिक पुनर्गठन सँ जोड़ल जाइत अछि।

(C) ‘लखिमा देवी’ कैँ विद्यापति-परम्पराक दरबारी-सांस्कृतिक स्मृति सँ जोड़ल जाइत अछि।

(D) ‘लखिमा देवी’ कैँ भूमि-अधिकार आ ग्रामीण सत्ता-संतुलनक व्यवस्था सँ जोड़ल जाइत अछि।

१३०. जँ विद्यार्थी ‘लखिमा देवी’क नोट बनबैत अछि, तखन मुख्य निष्कर्ष कोन राखय?

(A) विद्यार्थी ‘लखिमा देवी’ पढ़ैत समय विद्यापति-परम्पराक दरबारी-सांस्कृतिक स्मृति पर ध्यान देत।

(B) विद्यार्थी ‘लखिमा देवी’ पढ़ैत समय विद्यापति-कालीन दरबारी आ साहित्यिक संरक्षण कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(C) विद्यार्थी ‘लखिमा देवी’ पढ़ैत समय विद्यापति-संबद्ध ओइनीवार शासक कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(D) विद्यार्थी ‘लखिमा देवी’ पढ़ैत समय स्थानीय निर्णय आ लोक-सहमतिक ग्रामीण संस्था कैँ मुख्य तथ्य मानत।

१३१. मिथिलाक इतिहासमे ‘तिरहुत प्रशासन’ कैँ मुख्यतः कोन बातसँ जोड़ल जाइत अछि?

(A) विद्यापति-कालीन दरबारी आ साहित्यिक संरक्षण

(B) मिथिला क्षेत्रक राजस्व आ शासन-संबंधी ऐतिहासिक ढाँचा

(C) वंश-विवरण राखनिहार पारम्परिक अधिकारी

(D) भूमि-अधिकार आ ग्रामीण सत्ता-संतुलनक व्यवस्था

१३२. नीचाँ देल जोड़ीमे ‘तिरहुत प्रशासन’ सम्बन्धी सही जोड़ी कोन अछि?

(A) तिरहुत प्रशासन — मिथिला क्षेत्रक राजस्व आ शासन-संबंधी ऐतिहासिक ढाँचा

(B) तिरहुत प्रशासन — भारत-नेपाल बीचक सांस्कृतिक निरन्तरता

(C) तिरहुत प्रशासन — विद्यापति-परम्पराक दरबारी-सांस्कृतिक स्मृति

(D) तिरहुत प्रशासन — विद्यापति-संबद्ध ओइनीवार शासक

१३३. विदेह समानान्तर इतिहासक दृष्टिसँ ‘तिरहुत प्रशासन’ पर ध्यान देबाक कारण की अछि?

(A) कारण ई कर्नाट शक्तिक दुर्गीय राजधानी-परम्परा कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(B) कारण ई परिवार-कुलक स्मृति आ सामाजिक पहचानक लेखा कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(C) कारण ई कर्नाट सत्ता सँ जुड़ल प्रमुख आरम्भिक शासक कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(D) कारण ई मिथिला क्षेत्रक राजस्व आ शासन-संबंधी ऐतिहासिक ढाँचा कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि।

१३४. ‘तिरहुत प्रशासन’ विषयमे कोन कथन सही अछि?

(A) ‘तिरहुत प्रशासन’ कैँ राजस्व, न्याय आ प्रशासनक स्थानीय केन्द्र सँ जोड़ल जाइत अछि।

(B) ‘तिरहुत प्रशासन’ कैँ औपनिवेशिक आ आधुनिक कालक प्रमुख जमीन्दारी-राजकीय केन्द्र सँ जोड़ल जाइत अछि।

(C) ‘तिरहुत प्रशासन’ कैँ कर्नाट सत्ता सँ जुड़ल प्रमुख आरम्भिक शासक सँ जोड़ल जाइत अछि।

(D) ‘तिरहुत प्रशासन’ कैँ मिथिला क्षेत्रक राजस्व आ शासन-संबंधी ऐतिहासिक ढाँचा सँ जोड़ल जाइत अछि।

१३५. जँ विद्यार्थी ‘तिरहुत प्रशासन’क नोट बनबैत अछि, तखन मुख्य निष्कर्ष कोन राखय?

(A) विद्यार्थी ‘तिरहुत प्रशासन’ पढ़ैत समय वंशावली आ वैवाहिक नियमनक पारम्परिक लेखा कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(B) विद्यार्थी ‘तिरहुत प्रशासन’ पढ़ैत समय मिथिला क्षेत्रक राजस्व आ शासन-संबंधी ऐतिहासिक ढाँचा पर ध्यान देत।

(C) विद्यार्थी ‘तिरहुत प्रशासन’ पढ़ैत समय परिवार-कुलक स्मृति आ सामाजिक पहचानक लेखा कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(D) विद्यार्थी ‘तिरहुत प्रशासन’ पढ़ैत समय विद्यापति-संबद्ध ओइनीवार शासक कैँ मुख्य तथ्य मानत।

१३६. मिथिलाक इतिहासमे ‘दरभंगा राज’ कैँ मुख्यतः कोन बातसँ जोड़ल जाइत अछि?

(A) परिवार-कुलक स्मृति आ सामाजिक पहचानक लेखा

(B) औपनिवेशिक आ आधुनिक कालक प्रमुख जमीन्दारी-राजकीय केन्द्र

(C) विद्यापति-संबद्ध ओइनीवार शासक

(D) भूमि-अधिकार आ ग्रामीण सत्ता-संतुलनक व्यवस्था

१३७. नीचाँ देल जोड़ीमे 'दरभंगा राज' सम्बन्धी सही जोड़ी कोन अछि?

(A) दरभंगा राज — दान, भूमि-अधिकार आ राजाज्ञाक लिखित प्रमाण

(B) दरभंगा राज — औपनिवेशिक आ आधुनिक कालक प्रमुख जमीन्दारी-राजकीय केन्द्र

(C) दरभंगा राज — भूमि-अधिकार आ ग्रामीण सत्ता-संतुलनक व्यवस्था

(D) दरभंगा राज — राजसत्ता, किसान आ जमीन्दारक आर्थिक सम्बन्ध

१३८. विदेह समानान्तर इतिहासक दृष्टिसँ 'दरभंगा राज' पर ध्यान देबाक कारण की अछि?

(A) कारण ई व्यापार, सत्ता आ आर्थिक पहुँचक पुरातात्त्विक संकेत कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(B) कारण ई औपनिवेशिक आ आधुनिक कालक प्रमुख जमीन्दारी-राजकीय केन्द्र कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि।

(C) कारण ई विद्यापति-कालीन दरबारी आ साहित्यिक संरक्षण कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(D) कारण ई वंश-विवरण राखनिहार पारम्परिक अधिकारी कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

१३९. 'दरभंगा राज' विषयमे कोन कथन सही अछि?

(A) 'दरभंगा राज' कैँ औपनिवेशिक आ आधुनिक कालक प्रमुख जमीन्दारी-राजकीय केन्द्र सँ जोड़ल जाइत अछि।

(B) 'दरभंगा राज' कैँ भूमि-अधिकार आ ग्रामीण सत्ता-संतुलनक व्यवस्था सँ जोड़ल जाइत अछि।

(C) 'दरभंगा राज' कैँ मध्यकालीन मिथिलाक राजनीतिक पुनर्गठन सँ जोड़ल जाइत अछि।

(D) 'दरभंगा राज' कैँ मिथिला क्षेत्रक राजस्व आ शासन-संबंधी ऐतिहासिक ढाँचा सँ जोड़ल जाइत अछि।

१४०. जँ विद्यार्थी 'दरभंगा राज'क नोट बनबैत अछि, तखन मुख्य निष्कर्ष कोन राखय?

(A) विद्यार्थी 'दरभंगा राज' पढ़ैत समय मिथिला क्षेत्रक राजस्व आ शासन-संबंधी ऐतिहासिक ढाँचा कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(B) विद्यार्थी 'दरभंगा राज' पढ़ैत समय भारत-नेपाल बीचक सांस्कृतिक निरन्तरता कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(C) विद्यार्थी 'दरभंगा राज' पढ़ैत समय विद्यापति-कालीन दरबारी आ साहित्यिक संरक्षण कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(D) विद्यार्थी 'दरभंगा राज' पढ़ैत समय औपनिवेशिक आ आधुनिक कालक प्रमुख जमीन्दारी-राजकीय केन्द्र पर ध्यान देत।

१४१. मिथिलाक इतिहासमे 'कचहरी' कैँ मुख्यतः कोन बातसँ जोड़ल जाइत अछि?

(A) राजस्व, न्याय आ प्रशासनक स्थानीय केन्द्र

(B) परिवार-कुलक स्मृति आ सामाजिक पहचानक लेखा

(C) औपनिवेशिक आ आधुनिक कालक प्रमुख जमीन्दारी-राजकीय केन्द्र

(D) व्यापार, सत्ता आ आर्थिक पहुँचक पुरातात्त्विक संकेत

१४२. नीचाँ देल जोड़ीमे 'कचहरी' सम्बन्धी सही जोड़ी कोन अछि?

(A) कचहरी — मध्यकालीन मिथिलाक राजनीतिक पुनर्गठन

(B) कचहरी — राजस्व, न्याय आ प्रशासनक स्थानीय केन्द्र

(C) कचहरी — वंश-विवरण राखनिहार पारम्परिक अधिकारी

(D) कचहरी — दान, भूमि-अधिकार आ राजाज्ञाक लिखित प्रमाण

१४३. विदेह समानान्तर इतिहासक दृष्टिसँ 'कचहरी' पर ध्यान देबाक कारण की अछि?

(A) कारण ई राजस्व, न्याय आ प्रशासनक स्थानीय केन्द्र कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि।

(B) कारण ई सत्ता, धर्म आ स्मृति केर सार्वजनिक लेख कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(C) कारण ई मिथिला क्षेत्रक राजस्व आ शासन-संबंधी ऐतिहासिक ढाँचा कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(D) कारण ई मध्यकालीन मिथिलाक राजनीतिक पुनर्गठन कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

१४४. 'कचहरी' विषयमे कोन कथन सही अछि?

(A) 'कचहरी' कैँ राजसत्ता, किसान आ जमीन्दारक आर्थिक सम्बन्ध सँ जोड़ल जाइत अछि।

(B) 'कचहरी' कैँ राजस्व, न्याय आ प्रशासनक स्थानीय केन्द्र सँ जोड़ल जाइत अछि।

(C) 'कचहरी' कैँ विद्यापति-परम्पराक दरबारी-सांस्कृतिक स्मृति सँ जोड़ल जाइत अछि।

(D) 'कचहरी' कैँ विद्यापति-संबद्ध ओइनीवार शासक सँ जोड़ल जाइत अछि।

१४५. जँ विद्यार्थी 'कचहरी'क नोट बनबैत अछि, तखन मुख्य निष्कर्ष कोन राखय?

(A) विद्यार्थी 'कचहरी' पढ़ैत समय कर्नाट सत्ता सँ जुड़ल प्रमुख आरम्भिक शासक कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(B) विद्यार्थी 'कचहरी' पढ़ैत समय मध्यकालीन मिथिलाक राजनीतिक पुनर्गठन कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(C) विद्यार्थी 'कचहरी' पढ़ैत समय राजस्व, न्याय आ प्रशासनक स्थानीय केन्द्र पर ध्यान देत।

(D) विद्यार्थी 'कचहरी' पढ़ैत समय भूमि-अधिकार आ ग्रामीण सत्ता-संतुलनक व्यवस्था कैँ मुख्य तथ्य मानत।

१४६. मिथिलाक इतिहासमे 'जमीन्दारी' कैँ मुख्यतः कोन बातसँ जोड़ल जाइत अछि?

(A) राजस्व, न्याय आ प्रशासनक स्थानीय केन्द्र

(B) व्यापार, सत्ता आ आर्थिक पहुँचक पुरातात्त्विक संकेत

(C) भूमि-अधिकार आ ग्रामीण सत्ता-संतुलनक व्यवस्था

(D) मध्यकालीन मिथिलाक राजनीतिक पुनर्गठन

१४७. नीचाँ देल जोड़ीमे 'जमीन्दारी' सम्बन्धी सही जोड़ी कोन अछि?

(A) जमीन्दारी — विद्यापति-परम्पराक दरबारी-सांस्कृतिक स्मृति

(B) जमीन्दारी — व्यापार, सत्ता आ आर्थिक पहुँचक पुरातात्त्विक संकेत

(C) जमीन्दारी — भूमि-अधिकार आ ग्रामीण सत्ता-संतुलनक व्यवस्था

(D) जमीन्दारी — मिथिला क्षेत्रक राजस्व आ शासन-संबंधी ऐतिहासिक ढाँचा

१४८. विदेह समानान्तर इतिहासक दृष्टिसँ 'जमीन्दारी' पर ध्यान देबाक कारण की अछि?

(A) कारण ई विद्यापति-संबद्ध ओइनीवार शासक कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(B) कारण ई औपनिवेशिक आ आधुनिक कालक प्रमुख जमीन्दारी-राजकीय केन्द्र कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(C) कारण ई भूमि-अधिकार आ ग्रामीण सत्ता-संतुलनक व्यवस्था कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि।

(D) कारण ई वंश-विवरण राखनिहार पारम्परिक अधिकारी कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

१४९. 'जमीन्दारी' विषयमे कोन कथन सही अछि?

(A) 'जमीन्दारी' कैँ राजस्व, न्याय आ प्रशासनक स्थानीय केन्द्र सँ जोड़ल जाइत अछि।

(B) 'जमीन्दारी' कैँ भूमि-अधिकार आ ग्रामीण सत्ता-संतुलनक व्यवस्था सँ जोड़ल जाइत अछि।

(C) 'जमीन्दारी' कैँ राजसत्ता, किसान आ जमीन्दारक आर्थिक सम्बन्ध सँ जोड़ल जाइत अछि।

(D) 'जमीन्दारी' कैँ दान, भूमि-अधिकार आ राजाज्ञाक लिखित प्रमाण सँ जोड़ल जाइत अछि।

१५०. जँ विद्यार्थी 'जमीन्दारी'क नोट बनबैत अछि, तखन मुख्य निष्कर्ष कोन राखय?

(A) विद्यार्थी 'जमीन्दारी' पढ़ैत समय सत्ता, धर्म आ स्मृति केर सार्वजनिक लेख कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(B) विद्यार्थी 'जमीन्दारी' पढ़ैत समय शासनकैँ न्याय, दान आ संरक्षणसँ जोड़निहार आदर्श कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(C) विद्यार्थी 'जमीन्दारी' पढ़ैत समय भूमि-अधिकार आ ग्रामीण सत्ता-संतुलनक व्यवस्था पर ध्यान देत।

(D) विद्यार्थी 'जमीन्दारी' पढ़ैत समय वंशावली आ वैवाहिक नियमनक पारम्परिक लेखा कैँ मुख्य तथ्य मानत।

१५१. मिथिलाक इतिहासमे 'भूमि-राजस्व' कैँ मुख्यतः कोन बातसँ जोड़ल जाइत अछि?

(A) दान, भूमि-अधिकार आ राजाज्ञाक लिखित प्रमाण

(B) राजसत्ता, किसान आ जमीन्दारक आर्थिक सम्बन्ध

(C) कर्नाट सत्ता सँ जुड़ल प्रमुख आरम्भिक शासक

(D) वंश-विवरण राखनिहार पारम्परिक अधिकारी

१५२. नीचाँ देल जोड़ीमे 'भूमि-राजस्व' सम्बन्धी सही जोड़ी कोन अछि?

(A) भूमि-राजस्व — भारत-नेपाल बीचक सांस्कृतिक निरन्तरता

(B) भूमि-राजस्व — राजसत्ता, किसान आ जमीन्दारक आर्थिक सम्बन्ध

(C) भूमि-राजस्व — विद्यापति-कालीन दरबारी आ साहित्यिक संरक्षण

(D) भूमि-राजस्व — मध्यकालीन मिथिलाक राजनीतिक पुनर्गठन

१५३. विदेह समानान्तर इतिहासक दृष्टिसँ 'भूमि-राजस्व' पर ध्यान देबाक कारण की अछि?

(A) कारण ई परिवार-कुलक स्मृति आ सामाजिक पहचानक लेखा कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(B) कारण ई विद्यापति-कालीन दरबारी आ साहित्यिक संरक्षण कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(C) कारण ई राजसत्ता, किसान आ जमीन्दारक आर्थिक सम्बन्ध कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि।

(D) कारण ई कर्नाट सत्ता सँ जुड़ल प्रमुख आरम्भिक शासक कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

१५४. 'भूमि-राजस्व' विषयमे कोन कथन सही अछि?

(A) 'भूमि-राजस्व' कैँ राजस्व, न्याय आ प्रशासनक स्थानीय केन्द्र सँ जोड़ल जाइत अछि।

(B) 'भूमि-राजस्व' कैँ भारत-नेपाल बीचक सांस्कृतिक निरन्तरता सँ जोड़ल जाइत अछि।

(C) 'भूमि-राजस्व' कैँ व्यापार, सत्ता आ आर्थिक पहुँचक पुरातात्त्विक संकेत सँ जोड़ल जाइत अछि।

(D) 'भूमि-राजस्व' कैँ राजसत्ता, किसान आ जमीन्दारक आर्थिक सम्बन्ध सँ जोड़ल जाइत अछि।

१५५. जँ विद्यार्थी 'भूमि-राजस्व'क नोट बनबैत अछि, तखन मुख्य निष्कर्ष कोन राखय?

(A) विद्यार्थी 'भूमि-राजस्व' पढ़ैत समय राजसत्ता, किसान आ जमीन्दारक आर्थिक सम्बन्ध पर ध्यान देत।

(B) विद्यार्थी 'भूमि-राजस्व' पढ़ैत समय मध्यकालीन मिथिलाक राजनीतिक पुनर्गठन कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(C) विद्यार्थी 'भूमि-राजस्व' पढ़ैत समय व्यापार, सत्ता आ आर्थिक पहुँचक पुरातात्त्विक संकेत कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(D) विद्यार्थी 'भूमि-राजस्व' पढ़ैत समय मिथिला क्षेत्रक राजस्व आ शासन-संबंधी ऐतिहासिक ढाँचा कैँ मुख्य तथ्य मानत।

१५६. मिथिलाक इतिहासमे 'पञ्जी व्यवस्था' कैँ मुख्यतः कोन बातसँ जोड़ल जाइत अछि?

(A) वंशावली आ वैवाहिक नियमनक पारम्परिक लेखा

(B) शासनकैँ न्याय, दान आ संरक्षणसँ जोड़निहार आदर्श

(C) मध्यकालीन मिथिलाक राजनीतिक पुनर्गठन

(D) भारत-नेपाल बीचक सांस्कृतिक निरन्तरता

१५७. नीचाँ देल जोड़ीमे 'पञ्जी व्यवस्था' सम्बन्धी सही जोड़ी कोन अछि?

(A) पञ्जी व्यवस्था — वंशावली आ वैवाहिक नियमनक पारम्परिक लेखा

(B) पञ्जी व्यवस्था — राजस्व, न्याय आ प्रशासनक स्थानीय केन्द्र

(C) पञ्जी व्यवस्था — विद्यापति-संबद्ध ओइनीवार शासक

(D) पञ्जी व्यवस्था — कर्नाट शक्तिक दुर्गीय राजधानी-परम्परा

१५८. विदेह समानान्तर इतिहासक दृष्टिसँ 'पञ्जी व्यवस्था' पर ध्यान देबाक कारण की अछि?

(A) कारण ई वंशावली आ वैवाहिक नियमनक पारम्परिक लेखा कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि।

(B) कारण ई दान, भूमि-अधिकार आ राजाज्ञाक लिखित प्रमाण कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(C) कारण ई भारत-नेपाल बीचक सांस्कृतिक निरन्तरता कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(D) कारण ई विद्यापति-कालीन दरबारी आ साहित्यिक संरक्षण कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

१५९. 'पञ्जी व्यवस्था' विषयमे कोन कथन सही अछि?

(A) 'पञ्जी व्यवस्था' कैँ विद्यापति-कालीन दरबारी आ साहित्यिक संरक्षण सँ जोड़ल जाइत अछि।

(B) 'पञ्जी व्यवस्था' कैँ परिवार-कुलक स्मृति आ सामाजिक पहचानक लेखा सँ जोड़ल जाइत अछि।

(C) 'पञ्जी व्यवस्था' कैँ भारत-नेपाल बीचक सांस्कृतिक निरन्तरता सँ जोड़ल जाइत अछि।

(D) 'पञ्जी व्यवस्था' कैँ वंशावली आ वैवाहिक नियमनक पारम्परिक लेखा सँ जोड़ल जाइत अछि।

१६०. जँ विद्यार्थी 'पञ्जी व्यवस्था'क नोट बनबैत अछि, तखन मुख्य निष्कर्ष कोन राखय?

(A) विद्यार्थी 'पञ्जी व्यवस्था' पढ़ैत समय दान, भूमि-अधिकार आ राजाज्ञाक लिखित प्रमाण कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(B) विद्यार्थी 'पञ्जी व्यवस्था' पढ़ैत समय वंशावली आ वैवाहिक नियमनक पारम्परिक लेखा पर ध्यान देत।

(C) विद्यार्थी 'पञ्जी व्यवस्था' पढ़ैत समय कर्नाट शक्तिक दुर्गीय राजधानी-परम्परा कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(D) विद्यार्थी 'पञ्जी व्यवस्था' पढ़ैत समय विद्यापति-परम्पराक दरबारी-सांस्कृतिक स्मृति कैँ मुख्य तथ्य मानत।

१६१. मिथिलाक इतिहासमे 'पञ्जीकार' कैँ मुख्यतः कोन बातसँ जोड़ल जाइत अछि?

(A) परिवार-कुलक स्मृति आ सामाजिक पहचानक लेखा

(B) शासनकेँ न्याय, दान आ संरक्षणसँ जोड़निहार आदर्श

(C) वंश-विवरण राखनिहार पारम्परिक अधिकारी

(D) भूमि-अधिकार आ ग्रामीण सत्ता-संतुलनक व्यवस्था

१६२. नीचाँ देल जोड़ीमे 'पञ्जीकार' सम्बन्धी सही जोड़ी कोन अछि?

(A) पञ्जीकार — राजसत्ता, किसान आ जमीन्दारक आर्थिक सम्बन्ध

(B) पञ्जीकार — विद्यापति-कालीन दरबारी आ साहित्यिक संरक्षण

(C) पञ्जीकार — व्यापार, सत्ता आ आर्थिक पहुँचक पुरातात्त्विक संकेत

(D) पञ्जीकार — वंश-विवरण राखनिहार पारम्परिक अधिकारी

१६३. विदेह समानान्तर इतिहासक दृष्टिसँ 'पञ्जीकार' पर ध्यान देबाक कारण की अछि?

(A) कारण ई कर्नाट सत्ता सँ जुड़ल प्रमुख आरम्भिक शासक कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(B) कारण ई वंश-विवरण राखनिहार पारम्परिक अधिकारी कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि।

(C) कारण ई व्यापार, सत्ता आ आर्थिक पहुँचक पुरातात्त्विक संकेत कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(D) कारण ई विद्यापति-परम्पराक दरबारी-सांस्कृतिक स्मृति कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

१६४. 'पञ्जीकार' विषयमे कोन कथन सही अछि?

(A) 'पञ्जीकार' कैँ कर्नाट सत्ता सँ जुड़ल प्रमुख आरम्भिक शासक सँ जोड़ल जाइत अछि।

(B) 'पञ्जीकार' कैँ वंश-विवरण राखनिहार पारम्परिक अधिकारी सँ जोड़ल जाइत अछि।

(C) 'पञ्जीकार' कैँ कर्नाट शक्तिक दुर्गीय राजधानी-परम्परा सँ जोड़ल जाइत अछि।

(D) 'पञ्जीकार' कैँ राजस्व, न्याय आ प्रशासनक स्थानीय केन्द्र सँ जोड़ल जाइत अछि।

१६५. जँ विद्यार्थी 'पञ्जीकार'क नोट बनबैत अछि, तखन मुख्य निष्कर्ष कोन राखय?

(A) विद्यार्थी 'पञ्जीकार' पढ़ैत समय मिथिला क्षेत्रक राजस्व आ शासन-संबंधी ऐतिहासिक ढाँचा कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(B) विद्यार्थी 'पञ्जीकार' पढ़ैत समय सत्ता, धर्म आ स्मृति केर सार्वजनिक लेख कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(C) विद्यार्थी 'पञ्जीकार' पढ़ैत समय वंश-विवरण राखनिहार पारम्परिक अधिकारी पर ध्यान देत।

(D) विद्यार्थी 'पञ्जीकार' पढ़ैत समय स्थानीय निर्णय आ लोक-सहमतिक ग्रामीण संस्था कैँ मुख्य तथ्य मानत।

१६६. मिथिलाक इतिहासमे 'ताम्रपत्र' कैँ मुख्यतः कोन बातसँ जोड़ल जाइत अछि?

(A) राजस्व, न्याय आ प्रशासनक स्थानीय केन्द्र

(B) मिथिला क्षेत्रक राजस्व आ शासन-संबंधी ऐतिहासिक ढाँचा

(C) व्यापार, सत्ता आ आर्थिक पहुँचक पुरातात्त्विक संकेत

(D) दान, भूमि-अधिकार आ राजाज्ञाक लिखित प्रमाण

१६७. नीचाँ देल जोड़ीमे 'ताम्रपत्र' सम्बन्धी सही जोड़ी कोन अछि?

(A) ताम्रपत्र — कर्नाट शक्तिक दुर्गीय राजधानी-परम्परा

(B) ताम्रपत्र — परिवार-कुलक स्मृति आ सामाजिक पहचानक लेखा

(C) ताम्रपत्र — मिथिला क्षेत्रक राजस्व आ शासन-संबंधी ऐतिहासिक ढाँचा

(D) ताम्रपत्र — दान, भूमि-अधिकार आ राजाज्ञाक लिखित प्रमाण

१६८. विदेह समानान्तर इतिहासक दृष्टिसँ 'ताम्रपत्र' पर ध्यान देबाक कारण की अछि?

(A) कारण ई परिवार-कुलक स्मृति आ सामाजिक पहचानक लेखा कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(B) कारण ई विद्यापति-कालीन दरबारी आ साहित्यिक संरक्षण कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(C) कारण ई दान, भूमि-अधिकार आ राजाज्ञाक लिखित प्रमाण कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि।

(D) कारण ई सत्ता, धर्म आ स्मृति केर सार्वजनिक लेख कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

१६९. ‘ताम्रपत्र’ विषयमे कोन कथन सही अछि?

(A) ‘ताम्रपत्र’ कैँ दान, भूमि-अधिकार आ राजाज्ञाक लिखित प्रमाण सँ जोड़ल जाइत अछि।

(B) ‘ताम्रपत्र’ कैँ शासनकैँ न्याय, दान आ संरक्षणसँ जोड़निहार आदर्श सँ जोड़ल जाइत अछि।

(C) ‘ताम्रपत्र’ कैँ विद्यापति-कालीन दरबारी आ साहित्यिक संरक्षण सँ जोड़ल जाइत अछि।

(D) ‘ताम्रपत्र’ कैँ औपनिवेशिक आ आधुनिक कालक प्रमुख जमीन्दारी-राजकीय केन्द्र सँ जोड़ल जाइत अछि।

१७०. जँ विद्यार्थी ‘ताम्रपत्र’क नोट बनबैत अछि, तखन मुख्य निष्कर्ष कोन राखय?

(A) विद्यार्थी ‘ताम्रपत्र’ पढ़ैत समय स्थानीय निर्णय आ लोक-सहमतिक ग्रामीण संस्था कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(B) विद्यार्थी ‘ताम्रपत्र’ पढ़ैत समय विद्यापति-कालीन दरबारी आ साहित्यिक संरक्षण कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(C) विद्यार्थी ‘ताम्रपत्र’ पढ़ैत समय दान, भूमि-अधिकार आ राजाज्ञाक लिखित प्रमाण पर ध्यान देत।

(D) विद्यार्थी ‘ताम्रपत्र’ पढ़ैत समय विद्यापति-संबद्ध ओइनीवार शासक कैँ मुख्य तथ्य मानत।

१७१. मिथिलाक इतिहासमे ‘शिलालेख’ कैँ मुख्यतः कोन बातसँ जोड़ल जाइत अछि?

(A) सत्ता, धर्म आ स्मृति केर सार्वजनिक लेख

(B) स्थानीय निर्णय आ लोक-सहमतिक ग्रामीण संस्था

(C) भारत-नेपाल बीचक सांस्कृतिक निरन्तरता

(D) कर्नाट शक्तिक दुर्गीय राजधानी-परम्परा

१७२. नीचाँ देल जोड़ीमे ‘शिलालेख’ सम्बन्धी सही जोड़ी कोन अछि?

(A) शिलालेख — दान, भूमि-अधिकार आ राजाज्ञाक लिखित प्रमाण

(B) शिलालेख — वंशावली आ वैवाहिक नियमनक पारम्परिक लेखा

(C) शिलालेख — कर्नाट सत्ता सँ जुड़ल प्रमुख आरम्भिक शासक

(D) शिलालेख — सत्ता, धर्म आ स्मृति केर सार्वजनिक लेख

१७३. विदेह समानान्तर इतिहासक दृष्टिसँ ‘शिलालेख’ पर ध्यान देबाक कारण की अछि?

(A) कारण ई सत्ता, धर्म आ स्मृति केर सार्वजनिक लेख कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि।

(B) कारण ई विद्यापति-परम्पराक दरबारी-सांस्कृतिक स्मृति कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(C) कारण ई भारत-नेपाल बीचक सांस्कृतिक निरन्तरता कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(D) कारण ई भूमि-अधिकार आ ग्रामीण सत्ता-संतुलनक व्यवस्था कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

१७४. ‘शिलालेख’ विषयमे कोन कथन सही अछि?

(A) ‘शिलालेख’ कैँ भारत-नेपाल बीचक सांस्कृतिक निरन्तरता सँ जोड़ल जाइत अछि।

(B) ‘शिलालेख’ कैँ विद्यापति-परम्पराक दरबारी-सांस्कृतिक स्मृति सँ जोड़ल जाइत अछि।

(C) ‘शिलालेख’ कैँ व्यापार, सत्ता आ आर्थिक पहुँचक पुरातात्त्विक संकेत सँ जोड़ल जाइत अछि।

(D) ‘शिलालेख’ कैँ सत्ता, धर्म आ स्मृति केर सार्वजनिक लेख सँ जोड़ल जाइत अछि।

१७५. जँ विद्यार्थी ‘शिलालेख’क नोट बनबैत अछि, तखन मुख्य निष्कर्ष कोन राखय?

(A) विद्यार्थी ‘शिलालेख’ पढ़ैत समय भारत-नेपाल बीचक सांस्कृतिक निरन्तरता कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(B) विद्यार्थी ‘शिलालेख’ पढ़ैत समय स्थानीय निर्णय आ लोक-सहमतिक ग्रामीण संस्था कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(C) विद्यार्थी ‘शिलालेख’ पढ़ैत समय सत्ता, धर्म आ स्मृति केर सार्वजनिक लेख पर ध्यान देत।

(D) विद्यार्थी ‘शिलालेख’ पढ़ैत समय कर्नाट सत्ता सँ जुड़ल प्रमुख आरम्भिक शासक कैँ मुख्य तथ्य मानत।

१७६. मिथिलाक इतिहासमे ‘मुद्रा-साक्ष्य’ कैँ मुख्यतः कोन बातसँ जोड़ल जाइत अछि?

(A) वंशावली आ वैवाहिक नियमनक पारम्परिक लेखा

(B) सत्ता, धर्म आ स्मृति केर सार्वजनिक लेख

(C) विद्यापति-परम्पराक दरबारी-सांस्कृतिक स्मृति

(D) व्यापार, सत्ता आ आर्थिक पहुँचक पुरातात्त्विक संकेत

१७७. नीचाँ देल जोड़ीमे 'मुद्रा-साक्ष्य' सम्बन्धी सही जोड़ी कोन अछि?

(A) मुद्रा-साक्ष्य — मध्यकालीन मिथिलाक राजनीतिक पुनर्गठन

(B) मुद्रा-साक्ष्य — मिथिला क्षेत्रक राजस्व आ शासन-संबंधी ऐतिहासिक ढाँचा

(C) मुद्रा-साक्ष्य — व्यापार, सत्ता आ आर्थिक पहुँचक पुरातात्त्विक संकेत

(D) मुद्रा-साक्ष्य — दान, भूमि-अधिकार आ राजाज्ञाक लिखित प्रमाण

१७८. विदेह समानान्तर इतिहासक दृष्टिसँ 'मुद्रा-साक्ष्य' पर ध्यान देबाक कारण की अछि?

(A) कारण ई परिवार-कुलक स्मृति आ सामाजिक पहचानक लेखा कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(B) कारण ई व्यापार, सत्ता आ आर्थिक पहुँचक पुरातात्त्विक संकेत कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि।

(C) कारण ई विद्यापति-संबद्ध ओइनीवार शासक कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(D) कारण ई राजस्व, न्याय आ प्रशासनक स्थानीय केन्द्र कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

१७९. 'मुद्रा-साक्ष्य' विषयमे कोन कथन सही अछि?

(A) 'मुद्रा-साक्ष्य' कैँ कर्नाट सत्ता सँ जुड़ल प्रमुख आरम्भिक शासक सँ जोड़ल जाइत अछि।

(B) 'मुद्रा-साक्ष्य' कैँ कर्नाट शक्तिक दुर्गीय राजधानी-परम्परा सँ जोड़ल जाइत अछि।

(C) 'मुद्रा-साक्ष्य' कैँ व्यापार, सत्ता आ आर्थिक पहुँचक पुरातात्त्विक संकेत सँ जोड़ल जाइत अछि।

(D) 'मुद्रा-साक्ष्य' कैँ विद्यापति-संबद्ध ओइनीवार शासक सँ जोड़ल जाइत अछि।

१८०. जँ विद्यार्थी 'मुद्रा-साक्ष्य'क नोट बनबैत अछि, तखन मुख्य निष्कर्ष कोन राखय?

(A) विद्यार्थी 'मुद्रा-साक्ष्य' पढ़ैत समय विद्यापति-संबद्ध ओइनीवार शासक कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(B) विद्यार्थी 'मुद्रा-साक्ष्य' पढ़ैत समय कर्नाट सत्ता सँ जुड़ल प्रमुख आरम्भिक शासक कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(C) विद्यार्थी 'मुद्रा-साक्ष्य' पढ़ैत समय व्यापार, सत्ता आ आर्थिक पहुँचक पुरातात्त्विक संकेत पर ध्यान देत।

(D) विद्यार्थी 'मुद्रा-साक्ष्य' पढ़ैत समय स्थानीय निर्णय आ लोक-सहमतिक ग्रामीण संस्था कैँ मुख्य तथ्य मानत।

१८१. मिथिलाक इतिहासमे 'गाम-सभा' कैँ मुख्यतः कोन बातसँ जोड़ल जाइत अछि?

(A) स्थानीय निर्णय आ लोक-सहमतिक ग्रामीण संस्था

(B) परिवार-कुलक स्मृति आ सामाजिक पहचानक लेखा

(C) भारत-नेपाल बीचक सांस्कृतिक निरन्तरता

(D) सत्ता, धर्म आ स्मृति केर सार्वजनिक लेख

१८२. नीचाँ देल जोड़ीमे 'गाम-सभा' सम्बन्धी सही जोड़ी कोन अछि?

(A) गाम-सभा — कर्नाट शक्तिक दुर्गीय राजधानी-परम्परा

(B) गाम-सभा — मध्यकालीन मिथिलाक राजनीतिक पुनर्गठन

(C) गाम-सभा — स्थानीय निर्णय आ लोक-सहमतिक ग्रामीण संस्था

(D) गाम-सभा — वंशावली आ वैवाहिक नियमनक पारम्परिक लेखा

१८३. विदेह समानान्तर इतिहासक दृष्टिसँ 'गाम-सभा' पर ध्यान देबाक कारण की अछि?

(A) कारण ई स्थानीय निर्णय आ लोक-सहमतिक ग्रामीण संस्था कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि।

(B) कारण ई कर्नाट शक्तिक दुर्गीय राजधानी-परम्परा कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(C) कारण ई दान, भूमि-अधिकार आ राजाज्ञाक लिखित प्रमाण कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(D) कारण ई राजस्व, न्याय आ प्रशासनक स्थानीय केन्द्र कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

१८४. 'गाम-सभा' विषयमे कोन कथन सही अछि?

(A) 'गाम-सभा' कैँ कर्नाट सत्ता सँ जुड़ल प्रमुख आरम्भिक शासक सँ जोड़ल जाइत अछि।

(B) 'गाम-सभा' कैँ स्थानीय निर्णय आ लोक-सहमतिक ग्रामीण संस्था सँ जोड़ल जाइत अछि।

(C) 'गाम-सभा' कैँ विद्यापति-संबद्ध ओइनीवार शासक सँ जोड़ल जाइत अछि।

(D) 'गाम-सभा' कैँ मिथिला क्षेत्रक राजस्व आ शासन-संबंधी ऐतिहासिक ढाँचा सँ जोड़ल जाइत अछि।

१८५. जँ विद्यार्थी ‘गाम-सभा’क नोट बनबैत अछि, तखन मुख्य निष्कर्ष कोन राखय?

(A) विद्यार्थी ‘गाम-सभा’ पढ़ैत समय दान, भूमि-अधिकार आ राजाज्ञाक लिखित प्रमाण केँ मुख्य तथ्य मानत।

(B) विद्यार्थी ‘गाम-सभा’ पढ़ैत समय मिथिला क्षेत्रक राजस्व आ शासन-संबंधी ऐतिहासिक ढाँचा केँ मुख्य तथ्य मानत।

(C) विद्यार्थी ‘गाम-सभा’ पढ़ैत समय वंश-विवरण राखनिहार पारम्परिक अधिकारी केँ मुख्य तथ्य मानत।

(D) विद्यार्थी ‘गाम-सभा’ पढ़ैत समय स्थानीय निर्णय आ लोक-सहमतिक ग्रामीण संस्था पर ध्यान देत।

१८६. मिथिलाक इतिहासमे ‘सीमाभूमि’ केँ मुख्यतः कोन बातसँ जोड़ल जाइत अछि?

(A) भारत-नेपाल बीचक सांस्कृतिक निरन्तरता

(B) दान, भूमि-अधिकार आ राजाज्ञाक लिखित प्रमाण

(C) भूमि-अधिकार आ ग्रामीण सत्ता-संतुलनक व्यवस्था

(D) वंश-विवरण राखनिहार पारम्परिक अधिकारी

१८७. नीचाँ देल जोड़ीमे ‘सीमाभूमि’ सम्बन्धी सही जोड़ी कोन अछि?

(A) सीमाभूमि — कर्नाट सत्ता सँ जुड़ल प्रमुख आरम्भिक शासक

(B) सीमाभूमि — मिथिला क्षेत्रक राजस्व आ शासन-संबंधी ऐतिहासिक ढाँचा

(C) सीमाभूमि — व्यापार, सत्ता आ आर्थिक पहुँचक पुरातात्त्विक संकेत

(D) सीमाभूमि — भारत-नेपाल बीचक सांस्कृतिक निरन्तरता

१८८. विदेह समानान्तर इतिहासक दृष्टिसँ ‘सीमाभूमि’ पर ध्यान देबाक कारण की अछि?

(A) कारण ई औपनिवेशिक आ आधुनिक कालक प्रमुख जमीन्दारी-राजकीय केन्द्र केँ मात्र दोहरबैत अछि।

(B) कारण ई वंशावली आ वैवाहिक नियमनक पारम्परिक लेखा केँ मात्र दोहरबैत अछि।

(C) कारण ई राजस्व, न्याय आ प्रशासनक स्थानीय केन्द्र केँ मात्र दोहरबैत अछि।

(D) कारण ई भारत-नेपाल बीचक सांस्कृतिक निरन्तरता केँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि।

१८९. ‘सीमाभूमि’ विषयमे कोन कथन सही अछि?

(A) ‘सीमाभूमि’ केँ व्यापार, सत्ता आ आर्थिक पहुँचक पुरातात्त्विक संकेत सँ जोड़ल जाइत अछि।

(B) ‘सीमाभूमि’ केँ वंशावली आ वैवाहिक नियमनक पारम्परिक लेखा सँ जोड़ल जाइत अछि।

(C) ‘सीमाभूमि’ केँ मध्यकालीन मिथिलाक राजनीतिक पुनर्गठन सँ जोड़ल जाइत अछि।

(D) ‘सीमाभूमि’ केँ भारत-नेपाल बीचक सांस्कृतिक निरन्तरता सँ जोड़ल जाइत अछि।

१९०. जँ विद्यार्थी ‘सीमाभूमि’क नोट बनबैत अछि, तखन मुख्य निष्कर्ष कोन राखय?

(A) विद्यार्थी ‘सीमाभूमि’ पढ़ैत समय औपनिवेशिक आ आधुनिक कालक प्रमुख जमीन्दारी-राजकीय केन्द्र केँ मुख्य तथ्य मानत।

(B) विद्यार्थी ‘सीमाभूमि’ पढ़ैत समय विद्यापति-कालीन दरबारी आ साहित्यिक संरक्षण केँ मुख्य तथ्य मानत।

(C) विद्यार्थी ‘सीमाभूमि’ पढ़ैत समय भारत-नेपाल बीचक सांस्कृतिक निरन्तरता पर ध्यान देत।

(D) विद्यार्थी ‘सीमाभूमि’ पढ़ैत समय व्यापार, सत्ता आ आर्थिक पहुँचक पुरातात्त्विक संकेत केँ मुख्य तथ्य मानत।

१९१. मिथिलाक इतिहासमे ‘वंशावली’ केँ मुख्यतः कोन बातसँ जोड़ल जाइत अछि?

(A) परिवार-कुलक स्मृति आ सामाजिक पहचानक लेखा

(B) भारत-नेपाल बीचक सांस्कृतिक निरन्तरता

(C) वंश-विवरण राखनिहार पारम्परिक अधिकारी

(D) व्यापार, सत्ता आ आर्थिक पहुँचक पुरातात्त्विक संकेत

१९२. नीचाँ देल जोड़ीमे ‘वंशावली’ सम्बन्धी सही जोड़ी कोन अछि?

(A) वंशावली — कर्नाट सत्ता सँ जुड़ल प्रमुख आरम्भिक शासक

(B) वंशावली — सत्ता, धर्म आ स्मृति केर सार्वजनिक लेख

(C) वंशावली — राजस्व, न्याय आ प्रशासनक स्थानीय केन्द्र

(D) वंशावली — परिवार-कुलक स्मृति आ सामाजिक पहचानक लेखा

१९३. विदेह समानान्तर इतिहासक दृष्टिसँ ‘वंशावली’ पर ध्यान देबाक कारण की अछि?

(A) कारण ई शासनकेँ न्याय, दान आ संरक्षणसँ जोड़निहार आदर्श केँ मात्र दोहरबैत अछि।

(B) कारण ई औपनिवेशिक आ आधुनिक कालक प्रमुख जमीन्दारी-राजकीय केन्द्र केँ मात्र दोहरबैत अछि।

(C) कारण ई परिवार-कुलक स्मृति आ सामाजिक पहचानक लेखा केँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि।

(D) कारण ई विद्यापति-परम्पराक दरबारी-सांस्कृतिक स्मृति केँ मात्र दोहरबैत अछि।

१९४. ‘वंशावली’ विषयमे कोन कथन सही अछि?

(A) ‘वंशावली’ केँ शासनकेँ न्याय, दान आ संरक्षणसँ जोड़निहार आदर्श सँ जोड़ल जाइत अछि।

(B) ‘वंशावली’ केँ वंशावली आ वैवाहिक नियमनक पारम्परिक लेखा सँ जोड़ल जाइत अछि।

(C) ‘वंशावली’ केँ कर्नाट शक्तिक दुर्गीय राजधानी-परम्परा सँ जोड़ल जाइत अछि।

(D) ‘वंशावली’ केँ परिवार-कुलक स्मृति आ सामाजिक पहचानक लेखा सँ जोड़ल जाइत अछि।

१९५. जँ विद्यार्थी ‘वंशावली’क नोट बनबैत अछि, तखन मुख्य निष्कर्ष कोन राखय?

(A) विद्यार्थी ‘वंशावली’ पढ़ैत समय भारत-नेपाल बीचक सांस्कृतिक निरन्तरता केँ मुख्य तथ्य मानत।

(B) विद्यार्थी ‘वंशावली’ पढ़ैत समय सत्ता, धर्म आ स्मृति केर सार्वजनिक लेख केँ मुख्य तथ्य मानत।

(C) विद्यार्थी ‘वंशावली’ पढ़ैत समय राजसत्ता, किसान आ जमीन्दारक आर्थिक सम्बन्ध केँ मुख्य तथ्य मानत।

(D) विद्यार्थी ‘वंशावली’ पढ़ैत समय परिवार-कुलक स्मृति आ सामाजिक पहचानक लेखा पर ध्यान देत।

१९६. मिथिलाक इतिहासमे ‘राजधर्म’ केँ मुख्यतः कोन बातसँ जोड़ल जाइत अछि?

(A) राजस्व, न्याय आ प्रशासनक स्थानीय केन्द्र

(B) शासनकेँ न्याय, दान आ संरक्षणसँ जोड़निहार आदर्श

(C) मिथिला क्षेत्रक राजस्व आ शासन-संबंधी ऐतिहासिक ढाँचा

(D) औपनिवेशिक आ आधुनिक कालक प्रमुख जमीन्दारी-राजकीय केन्द्र

१९७. नीचाँ देल जोड़ीमे ‘राजधर्म’ सम्बन्धी सही जोड़ी कोन अछि?

(A) राजधर्म — मध्यकालीन मिथिलाक राजनीतिक पुनर्गठन

(B) राजधर्म — कर्नाट सत्ता सँ जुड़ल प्रमुख आरम्भिक शासक

(C) राजधर्म — विद्यापति-कालीन दरबारी आ साहित्यिक संरक्षण

(D) राजधर्म — शासनकेँ न्याय, दान आ संरक्षणसँ जोड़निहार आदर्श

१९८. विदेह समानान्तर इतिहासक दृष्टिसँ ‘राजधर्म’ पर ध्यान देबाक कारण की अछि?

(A) कारण ई विद्यापति-परम्पराक दरबारी-सांस्कृतिक स्मृति केँ मात्र दोहरबैत अछि।

(B) कारण ई वंश-विवरण राखनिहार पारम्परिक अधिकारी केँ मात्र दोहरबैत अछि।

(C) कारण ई शासनकेँ न्याय, दान आ संरक्षणसँ जोड़निहार आदर्श केँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि।

(D) कारण ई मध्यकालीन मिथिलाक राजनीतिक पुनर्गठन केँ मात्र दोहरबैत अछि।

१९९. ‘राजधर्म’ विषयमे कोन कथन सही अछि?

(A) ‘राजधर्म’ केँ राजस्व, न्याय आ प्रशासनक स्थानीय केन्द्र सँ जोड़ल जाइत अछि।

(B) ‘राजधर्म’ केँ व्यापार, सत्ता आ आर्थिक पहुँचक पुरातात्त्विक संकेत सँ जोड़ल जाइत अछि।

(C) ‘राजधर्म’ केँ मिथिला क्षेत्रक राजस्व आ शासन-संबंधी ऐतिहासिक ढाँचा सँ जोड़ल जाइत अछि।

(D) ‘राजधर्म’ केँ शासनकेँ न्याय, दान आ संरक्षणसँ जोड़निहार आदर्श सँ जोड़ल जाइत अछि।

२००. जँ विद्यार्थी ‘राजधर्म’क नोट बनबैत अछि, तखन मुख्य निष्कर्ष कोन राखय?

(A) विद्यार्थी ‘राजधर्म’ पढ़ैत समय राजस्व, न्याय आ प्रशासनक स्थानीय केन्द्र केँ मुख्य तथ्य मानत।

(B) विद्यार्थी ‘राजधर्म’ पढ़ैत समय शासनकेँ न्याय, दान आ संरक्षणसँ जोड़निहार आदर्श पर ध्यान देत।

(C) विद्यार्थी ‘राजधर्म’ पढ़ैत समय राजसत्ता, किसान आ जमीन्दारक आर्थिक सम्बन्ध केँ मुख्य तथ्य मानत।

(D) विद्यार्थी ‘राजधर्म’ पढ़ैत समय सत्ता, धर्म आ स्मृति केर सार्वजनिक लेख केँ मुख्य तथ्य मानत।

२०१. मिथिलाक इतिहासमे ‘नव्य-न्याय’ कैँ मुख्यतः कोन बातसँ जोड़ल जाइत अछि?

(A) ज्ञानक सत्यता बुझबाक साधन

(B) दार्शनिक संवादमे स्त्री-बौद्धिक उपस्थिति

(C) सूक्ष्म तर्क, भाषा-विवेचन आ प्रमाण-मीमांसा

(D) गुरु-शिष्य निकटताक पारम्परिक अध्ययन

२०२. नीचाँ देल जोड़ीमे ‘नव्य-न्याय’ सम्बन्धी सही जोड़ी कोन अछि?

(A) नव्य-न्याय — अनेक दर्शन पर टीका लिखनिहार व्यापक आचार्य

(B) नव्य-न्याय — खेती, मौसम, औषधि, गीत आ अनुभवसँ बनल विद्या

(C) नव्य-न्याय — सूक्ष्म तर्क, भाषा-विवेचन आ प्रमाण-मीमांसा

(D) नव्य-न्याय — तर्कशिक्षाक पारम्परिक संस्थान

२०३. विदेह समानान्तर इतिहासक दृष्टिसँ ‘नव्य-न्याय’ पर ध्यान देबाक कारण की अछि?

(A) कारण ई तर्कशिक्षाक पारम्परिक संस्थान कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(B) कारण ई विश्वसनीय वचन वा शास्त्रद्वारा प्राप्त ज्ञान कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(C) कारण ई हस्तलिखित ग्रन्थ आ ज्ञान-संरक्षणक प्रमाण कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(D) कारण ई सूक्ष्म तर्क, भाषा-विवेचन आ प्रमाण-मीमांसा कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि।

२०४. ‘नव्य-न्याय’ विषयमे कोन कथन सही अछि?

(A) ‘नव्य-न्याय’ कैँ कर्म, वाक्य आ वेद-विधानक विवेचन सँ जोड़ल जाइत अछि।

(B) ‘नव्य-न्याय’ कैँ विश्वसनीय वचन वा शास्त्रद्वारा प्राप्त ज्ञान सँ जोड़ल जाइत अछि।

(C) ‘नव्य-न्याय’ कैँ सूक्ष्म तर्क, भाषा-विवेचन आ प्रमाण-मीमांसा सँ जोड़ल जाइत अछि।

(D) ‘नव्य-न्याय’ कैँ अनुभव वा इन्द्रियसँ प्राप्त ज्ञान सँ जोड़ल जाइत अछि।

२०५. जँ विद्यार्थी ‘नव्य-न्याय’क नोट बनबैत अछि, तखन मुख्य निष्कर्ष कोन राखय?

(A) विद्यार्थी ‘नव्य-न्याय’ पढ़ैत समय लक्षण वा कारणसँ निष्कर्ष निकालबाक पद्धति कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(B) विद्यार्थी ‘नव्य-न्याय’ पढ़ैत समय ज्ञानक सत्यता बुझबाक साधन कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(C) विद्यार्थी ‘नव्य-न्याय’ पढ़ैत समय गुरु-शिष्य निकटताक पारम्परिक अध्ययन कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(D) विद्यार्थी ‘नव्य-न्याय’ पढ़ैत समय सूक्ष्म तर्क, भाषा-विवेचन आ प्रमाण-मीमांसा पर ध्यान देत।

२०६. मिथिलाक इतिहासमे ‘गङ्गेश उपाध्याय’ कैँ मुख्यतः कोन बातसँ जोड़ल जाइत अछि?

(A) अनुभव वा इन्द्रियसँ प्राप्त ज्ञान

(B) दार्शनिक संवादमे स्त्री-बौद्धिक उपस्थिति

(C) तत्त्वचिन्तामणि कर्ता आ नव्य-न्यायक प्रवर्तक

(D) लक्षण वा कारणसँ निष्कर्ष निकालबाक पद्धति

२०७. नीचाँ देल जोड़ीमे ‘गङ्गेश उपाध्याय’ सम्बन्धी सही जोड़ी कोन अछि?

(A) गङ्गेश उपाध्याय — तत्त्वचिन्तामणि कर्ता आ नव्य-न्यायक प्रवर्तक

(B) गङ्गेश उपाध्याय — गुरु-शिष्य निकटताक पारम्परिक अध्ययन

(C) गङ्गेश उपाध्याय — अनुभव वा इन्द्रियसँ प्राप्त ज्ञान

(D) गङ्गेश उपाध्याय — कर्म, वाक्य आ वेद-विधानक विवेचन

२०८. विदेह समानान्तर इतिहासक दृष्टिसँ ‘गङ्गेश उपाध्याय’ पर ध्यान देबाक कारण की अछि?

(A) कारण ई तत्त्वचिन्तामणि कर्ता आ नव्य-न्यायक प्रवर्तक कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि।

(B) कारण ई गुरु-शिष्य निकटताक पारम्परिक अध्ययन कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(C) कारण ई दार्शनिक संवादमे स्त्री-बौद्धिक उपस्थिति कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(D) कारण ई प्रमाण-विचार पर आधारित मौलिक न्याय-ग्रन्थ कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

२०९. ‘गङ्गेश उपाध्याय’ विषयमे कोन कथन सही अछि?

(A) ‘गङ्गेश उपाध्याय’ कैँ हस्तलिखित ग्रन्थ आ ज्ञान-संरक्षणक प्रमाण सँ जोड़ल जाइत अछि।

(B) ‘गङ्गेश उपाध्याय’ कैँ तत्त्वचिन्तामणि कर्ता आ नव्य-न्यायक प्रवर्तक सँ जोड़ल जाइत अछि।

(C) ‘गङ्गेश उपाध्याय’ कैँ गार्गी, मैत्रेयी, भारतीसँ चिन्हित नारी ज्ञान-परम्परा सँ जोड़ल जाइत अछि।

(D) ‘गङ्गेश उपाध्याय’ कैँ ज्ञानक सत्यता बुझबाक साधन सँ जोड़ल जाइत अछि।

२१०. जँ विद्यार्थी ‘गङ्गेश उपाध्याय’क नोट बनबैत अछि, तखन मुख्य निष्कर्ष कोन राखय?

(A) विद्यार्थी ‘गङ्गेश उपाध्याय’ पढ़ैत समय हस्तलिखित ग्रन्थ आ ज्ञान-संरक्षणक प्रमाण कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(B) विद्यार्थी ‘गङ्गेश उपाध्याय’ पढ़ैत समय लक्षण वा कारणसँ निष्कर्ष निकालबाक पद्धति कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(C) विद्यार्थी ‘गङ्गेश उपाध्याय’ पढ़ैत समय तत्त्वचिन्तामणि कर्ता आ नव्य-न्यायक प्रवर्तक पर ध्यान देत।

(D) विद्यार्थी ‘गङ्गेश उपाध्याय’ पढ़ैत समय भाषाक नियम, रूप आ अर्थ-सूक्ष्मता केर अध्ययन कैँ मुख्य तथ्य मानत।

२११. मिथिलाक इतिहासमे ‘तत्त्वचिन्तामणि’ कैँ मुख्यतः कोन बातसँ जोड़ल जाइत अछि?

(A) अनुभव वा इन्द्रियसँ प्राप्त ज्ञान

(B) प्रमाण-विचार पर आधारित मौलिक न्याय-ग्रन्थ

(C) तर्कशिक्षाक पारम्परिक संस्थान

(D) ईश्वरवाद, तर्क आ न्याय-विवेचनक दार्शनिक

२१२. नीचाँ देल जोड़ीमे ‘तत्त्वचिन्तामणि’ सम्बन्धी सही जोड़ी कोन अछि?

(A) तत्त्वचिन्तामणि — प्रमाण-विचार पर आधारित मौलिक न्याय-ग्रन्थ

(B) तत्त्वचिन्तामणि — तर्कशिक्षाक पारम्परिक संस्थान

(C) तत्त्वचिन्तामणि — तत्त्वचिन्तामणि कर्ता आ नव्य-न्यायक प्रवर्तक

(D) तत्त्वचिन्तामणि — सूक्ष्म तर्क, भाषा-विवेचन आ प्रमाण-मीमांसा

२१३. विदेह समानान्तर इतिहासक दृष्टिसँ ‘तत्त्वचिन्तामणि’ पर ध्यान देबाक कारण की अछि?

(A) कारण ई प्रमाण-विचार पर आधारित मौलिक न्याय-ग्रन्थ कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि।

(B) कारण ई अनुभव वा इन्द्रियसँ प्राप्त ज्ञान कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(C) कारण ई तत्त्वचिन्तामणि कर्ता आ नव्य-न्यायक प्रवर्तक कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(D) कारण ई गार्गी, मैत्रेयी, भारतीसँ चिन्हित नारी ज्ञान-परम्परा कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

२१४. ‘तत्त्वचिन्तामणि’ विषयमे कोन कथन सही अछि?

(A) ‘तत्त्वचिन्तामणि’ कैँ विश्वसनीय वचन वा शास्त्रद्वारा प्राप्त ज्ञान सँ जोड़ल जाइत अछि।

(B) ‘तत्त्वचिन्तामणि’ कैँ अनुभव वा इन्द्रियसँ प्राप्त ज्ञान सँ जोड़ल जाइत अछि।

(C) ‘तत्त्वचिन्तामणि’ कैँ प्रमाण-विचार पर आधारित मौलिक न्याय-ग्रन्थ सँ जोड़ल जाइत अछि।

(D) ‘तत्त्वचिन्तामणि’ कैँ गुरु-शिष्य निकटताक पारम्परिक अध्ययन सँ जोड़ल जाइत अछि।

२१५. जँ विद्यार्थी ‘तत्त्वचिन्तामणि’क नोट बनबैत अछि, तखन मुख्य निष्कर्ष कोन राखय?

(A) विद्यार्थी ‘तत्त्वचिन्तामणि’ पढ़ैत समय गार्गी, मैत्रेयी, भारतीसँ चिन्हित नारी ज्ञान-परम्परा कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(B) विद्यार्थी ‘तत्त्वचिन्तामणि’ पढ़ैत समय प्रमाण-विचार पर आधारित मौलिक न्याय-ग्रन्थ पर ध्यान देत।

(C) विद्यार्थी ‘तत्त्वचिन्तामणि’ पढ़ैत समय सूक्ष्म तर्क, भाषा-विवेचन आ प्रमाण-मीमांसा कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(D) विद्यार्थी ‘तत्त्वचिन्तामणि’ पढ़ैत समय भाषाक नियम, रूप आ अर्थ-सूक्ष्मता केर अध्ययन कैँ मुख्य तथ्य मानत।

२१६. मिथिलाक इतिहासमे ‘उदयनाचार्य’ कैँ मुख्यतः कोन बातसँ जोड़ल जाइत अछि?

(A) भाषाक नियम, रूप आ अर्थ-सूक्ष्मता केर अध्ययन

(B) विश्वसनीय वचन वा शास्त्रद्वारा प्राप्त ज्ञान

(C) ईश्वरवाद, तर्क आ न्याय-विवेचनक दार्शनिक

(D) गार्गी, मैत्रेयी, भारतीसँ चिन्हित नारी ज्ञान-परम्परा

२१७. नीचाँ देल जोड़ीमे 'उदयनाचार्य' सम्बन्धी सही जोड़ी कोन अछि?

(A) उदयनाचार्य — ईश्वरवाद, तर्क आ न्याय-विवेचनक दार्शनिक

(B) उदयनाचार्य — पूर्वग्रन्थ पर व्याख्या आ बहसक क्रम

(C) उदयनाचार्य — अनेक दर्शन पर टीका लिखनिहार व्यापक आचार्य

(D) उदयनाचार्य — मीमांसा-वेदान्त शास्त्रार्थक प्रसिद्ध आचार्य

२१८. विदेह समानान्तर इतिहासक दृष्टिसँ 'उदयनाचार्य' पर ध्यान देबाक कारण की अछि?

(A) कारण ई ईश्वरवाद, तर्क आ न्याय-विवेचनक दार्शनिक कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि।

(B) कारण ई मीमांसा-वेदान्त शास्त्रार्थक प्रसिद्ध आचार्य कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(C) कारण ई ब्रह्म, आत्मा आ मुक्तिक तत्त्वचिन्तन कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(D) कारण ई विश्वसनीय वचन वा शास्त्रद्वारा प्राप्त ज्ञान कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

२१९. 'उदयनाचार्य' विषयमे कोन कथन सही अछि?

(A) 'उदयनाचार्य' कैँ ईश्वरवाद, तर्क आ न्याय-विवेचनक दार्शनिक सँ जोड़ल जाइत अछि।

(B) 'उदयनाचार्य' कैँ अनेक दर्शन पर टीका लिखनिहार व्यापक आचार्य सँ जोड़ल जाइत अछि।

(C) 'उदयनाचार्य' कैँ प्रमाण-विचार पर आधारित मौलिक न्याय-ग्रन्थ सँ जोड़ल जाइत अछि।

(D) 'उदयनाचार्य' कैँ ब्रह्म, आत्मा आ मुक्तिक तत्त्वचिन्तन सँ जोड़ल जाइत अछि।

२२०. जँ विद्यार्थी 'उदयनाचार्य'क नोट बनबैत अछि, तखन मुख्य निष्कर्ष कोन राखय?

(A) विद्यार्थी 'उदयनाचार्य' पढ़ैत समय ब्रह्म, आत्मा आ मुक्तिक तत्त्वचिन्तन कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(B) विद्यार्थी 'उदयनाचार्य' पढ़ैत समय भाषाक नियम, रूप आ अर्थ-सूक्ष्मता केर अध्ययन कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(C) विद्यार्थी 'उदयनाचार्य' पढ़ैत समय ईश्वरवाद, तर्क आ न्याय-विवेचनक दार्शनिक पर ध्यान देत।

(D) विद्यार्थी 'उदयनाचार्य' पढ़ैत समय गार्गी, मैत्रेयी, भारतीसँ चिन्हित नारी ज्ञान-परम्परा कैँ मुख्य तथ्य मानत।

२२१. मिथिलाक इतिहासमे 'वाचस्पति मिश्र' कैँ मुख्यतः कोन बातसँ जोड़ल जाइत अछि?

(A) हस्तलिखित ग्रन्थ आ ज्ञान-संरक्षणक प्रमाण

(B) गार्गी, मैत्रेयी, भारतीसँ चिन्हित नारी ज्ञान-परम्परा

(C) दार्शनिक संवादमे स्त्री-बौद्धिक उपस्थिति

(D) अनेक दर्शन पर टीका लिखनिहार व्यापक आचार्य

२२२. नीचाँ देल जोड़ीमे 'वाचस्पति मिश्र' सम्बन्धी सही जोड़ी कोन अछि?

(A) वाचस्पति मिश्र — खेती, मौसम, औषधि, गीत आ अनुभवसँ बनल विद्या

(B) वाचस्पति मिश्र — अनेक दर्शन पर टीका लिखनिहार व्यापक आचार्य

(C) वाचस्पति मिश्र — तर्कशिक्षाक पारम्परिक संस्थान

(D) वाचस्पति मिश्र — ज्ञानक सत्यता बुझबाक साधन

२२३. विदेह समानान्तर इतिहासक दृष्टिसँ 'वाचस्पति मिश्र' पर ध्यान देबाक कारण की अछि?

(A) कारण ई कर्म, वाक्य आ वेद-विधानक विवेचन कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(B) कारण ई अनेक दर्शन पर टीका लिखनिहार व्यापक आचार्य कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि।

(C) कारण ई सूक्ष्म तर्क, भाषा-विवेचन आ प्रमाण-मीमांसा कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(D) कारण ई हस्तलिखित ग्रन्थ आ ज्ञान-संरक्षणक प्रमाण कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

२२४. 'वाचस्पति मिश्र' विषयमे कोन कथन सही अछि?

(A) 'वाचस्पति मिश्र' कैँ अनुभव वा इन्द्रियसँ प्राप्त ज्ञान सँ जोड़ल जाइत अछि।

(B) 'वाचस्पति मिश्र' कैँ अनेक दर्शन पर टीका लिखनिहार व्यापक आचार्य सँ जोड़ल जाइत अछि।

(C) 'वाचस्पति मिश्र' कैँ कर्म, वाक्य आ वेद-विधानक विवेचन सँ जोड़ल जाइत अछि।

(D) 'वाचस्पति मिश्र' कैँ पूर्वग्रन्थ पर व्याख्या आ बहसक क्रम सँ जोड़ल जाइत अछि।

२२५. जँ विद्यार्थी 'वाचस्पति मिश्र'क नोट बनबैत अछि, तखन मुख्य निष्कर्ष कोन राखय?

(A) विद्यार्थी 'वाचस्पति मिश्र' पढ़ैत समय दार्शनिक संवादमे स्त्री-बौद्धिक उपस्थिति कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(B) विद्यार्थी 'वाचस्पति मिश्र' पढ़ैत समय गार्गी, मैत्रेयी, भारतीसँ चिन्हित नारी ज्ञान-परम्परा कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(C) विद्यार्थी 'वाचस्पति मिश्र' पढ़ैत समय अनेक दर्शन पर टीका लिखनिहार व्यापक आचार्य पर ध्यान देत।

(D) विद्यार्थी 'वाचस्पति मिश्र' पढ़ैत समय भाषाक नियम, रूप आ अर्थ-सूक्ष्मता केर अध्ययन कैँ मुख्य तथ्य मानत।

२२६. मिथिलाक इतिहासमे 'मण्डन मिश्र' कैँ मुख्यतः कोन बातसँ जोड़ल जाइत अछि?

(A) मीमांसा-वेदान्त शास्त्रार्थक प्रसिद्ध आचार्य

(B) ब्रह्म, आत्मा आ मुक्तिक तत्त्वचिन्तन

(C) तत्त्वचिन्तामणि कर्ता आ नव्य-न्यायक प्रवर्तक

(D) ज्ञानक सत्यता बुझबाक साधन

२२७. नीचाँ देल जोड़ीमे 'मण्डन मिश्र' सम्बन्धी सही जोड़ी कोन अछि?

(A) मण्डन मिश्र — हस्तलिखित ग्रन्थ आ ज्ञान-संरक्षणक प्रमाण

(B) मण्डन मिश्र — मीमांसा-वेदान्त शास्त्रार्थक प्रसिद्ध आचार्य

(C) मण्डन मिश्र — गार्गी, मैत्रेयी, भारतीसँ चिन्हित नारी ज्ञान-परम्परा

(D) मण्डन मिश्र — गुरु-शिष्य निकटताक पारम्परिक अध्ययन

२२८. विदेह समानान्तर इतिहासक दृष्टिसँ 'मण्डन मिश्र' पर ध्यान देबाक कारण की अछि?

(A) कारण ई मीमांसा-वेदान्त शास्त्रार्थक प्रसिद्ध आचार्य कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि।

(B) कारण ई अनेक दर्शन पर टीका लिखनिहार व्यापक आचार्य कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(C) कारण ई दार्शनिक संवादमे स्त्री-बौद्धिक उपस्थिति कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(D) कारण ई सूक्ष्म तर्क, भाषा-विवेचन आ प्रमाण-मीमांसा कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

२२९. 'मण्डन मिश्र' विषयमे कोन कथन सही अछि?

(A) 'मण्डन मिश्र' कैँ पूर्वग्रन्थ पर व्याख्या आ बहसक क्रम सँ जोड़ल जाइत अछि।

(B) 'मण्डन मिश्र' कैँ ब्रह्म, आत्मा आ मुक्तिक तत्त्वचिन्तन सँ जोड़ल जाइत अछि।

(C) 'मण्डन मिश्र' कैँ प्रमाण-विचार पर आधारित मौलिक न्याय-ग्रन्थ सँ जोड़ल जाइत अछि।

(D) 'मण्डन मिश्र' कैँ मीमांसा-वेदान्त शास्त्रार्थक प्रसिद्ध आचार्य सँ जोड़ल जाइत अछि।

२३०. जँ विद्यार्थी 'मण्डन मिश्र'क नोट बनबैत अछि, तखन मुख्य निष्कर्ष कोन राखय?

(A) विद्यार्थी 'मण्डन मिश्र' पढ़ैत समय मीमांसा-वेदान्त शास्त्रार्थक प्रसिद्ध आचार्य पर ध्यान देत।

(B) विद्यार्थी 'मण्डन मिश्र' पढ़ैत समय विश्वसनीय वचन वा शास्त्रद्वारा प्राप्त ज्ञान कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(C) विद्यार्थी 'मण्डन मिश्र' पढ़ैत समय ब्रह्म, आत्मा आ मुक्तिक तत्त्वचिन्तन कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(D) विद्यार्थी 'मण्डन मिश्र' पढ़ैत समय तर्कशिक्षाक पारम्परिक संस्थान कैँ मुख्य तथ्य मानत।

२३१. मिथिलाक इतिहासमे 'भारती' कैँ मुख्यतः कोन बातसँ जोड़ल जाइत अछि?

(A) भाषाक नियम, रूप आ अर्थ-सूक्ष्मता केर अध्ययन

(B) ईश्वरवाद, तर्क आ न्याय-विवेचनक दार्शनिक

(C) दार्शनिक संवादमे स्त्री-बौद्धिक उपस्थिति

(D) गार्गी, मैत्रेयी, भारतीसँ चिन्हित नारी ज्ञान-परम्परा

२३२. नीचाँ देल जोड़ीमे 'भारती' सम्बन्धी सही जोड़ी कोन अछि?

(A) भारती — दार्शनिक संवादमे स्त्री-बौद्धिक उपस्थिति

(B) भारती — प्रमाण-विचार पर आधारित मौलिक न्याय-ग्रन्थ

(C) भारती — लक्षण वा कारणसँ निष्कर्ष निकालबाक पद्धति

(D) भारती — खेती, मौसम, औषधि, गीत आ अनुभवसँ बनल विद्या

२३३. विदेह समानान्तर इतिहासक दृष्टिसँ 'भारती' पर ध्यान देबाक कारण की अछि?

(A) कारण ई कर्म, वाक्य आ वेद-विधानक विवेचन कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(B) कारण ई तत्त्वचिन्तामणि कर्ता आ नव्य-न्यायक प्रवर्तक कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(C) कारण ई तर्कशिक्षाक पारम्परिक संस्थान कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(D) कारण ई दार्शनिक संवादमे स्त्री-बौद्धिक उपस्थिति कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि।

२३४. 'भारती' विषयमे कोन कथन सही अछि?

(A) 'भारती' कैँ गार्गी, मैत्रेयी, भारतीसँ चिन्हित नारी ज्ञान-परम्परा सँ जोड़ल जाइत अछि।

(B) 'भारती' कैँ दार्शनिक संवादमे स्त्री-बौद्धिक उपस्थिति सँ जोड़ल जाइत अछि।

(C) 'भारती' कैँ कर्म, वाक्य आ वेद-विधानक विवेचन सँ जोड़ल जाइत अछि।

(D) 'भारती' कैँ खेती, मौसम, औषधि, गीत आ अनुभवसँ बनल विद्या सँ जोड़ल जाइत अछि।

२३५. जँ विद्यार्थी 'भारती'क नोट बनबैत अछि, तखन मुख्य निष्कर्ष कोन राखय?

(A) विद्यार्थी 'भारती' पढ़ैत समय दार्शनिक संवादमे स्त्री-बौद्धिक उपस्थिति पर ध्यान देत।

(B) विद्यार्थी 'भारती' पढ़ैत समय पूर्वग्रन्थ पर व्याख्या आ बहसक क्रम कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(C) विद्यार्थी 'भारती' पढ़ैत समय गुरु-शिष्य निकटताक पारम्परिक अध्ययन कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(D) विद्यार्थी 'भारती' पढ़ैत समय खेती, मौसम, औषधि, गीत आ अनुभवसँ बनल विद्या कैँ मुख्य तथ्य मानत।

२३६. मिथिलाक इतिहासमे 'मीमांसा' कैँ मुख्यतः कोन बातसँ जोड़ल जाइत अछि?

(A) हस्तलिखित ग्रन्थ आ ज्ञान-संरक्षणक प्रमाण

(B) दार्शनिक संवादमे स्त्री-बौद्धिक उपस्थिति

(C) गार्गी, मैत्रेयी, भारतीसँ चिन्हित नारी ज्ञान-परम्परा

(D) कर्म, वाक्य आ वेद-विधानक विवेचन

२३७. नीचाँ देल जोड़ीमे 'मीमांसा' सम्बन्धी सही जोड़ी कोन अछि?

(A) मीमांसा — तर्कशिक्षाक पारम्परिक संस्थान

(B) मीमांसा — भाषाक नियम, रूप आ अर्थ-सूक्ष्मता केर अध्ययन

(C) मीमांसा — कर्म, वाक्य आ वेद-विधानक विवेचन

(D) मीमांसा — तत्त्वचिन्तामणि कर्ता आ नव्य-न्यायक प्रवर्तक

२३८. विदेह समानान्तर इतिहासक दृष्टिसँ 'मीमांसा' पर ध्यान देबाक कारण की अछि?

(A) कारण ई तत्त्वचिन्तामणि कर्ता आ नव्य-न्यायक प्रवर्तक कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(B) कारण ई गुरु-शिष्य निकटताक पारम्परिक अध्ययन कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(C) कारण ई कर्म, वाक्य आ वेद-विधानक विवेचन कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि।

(D) कारण ई गार्गी, मैत्रेयी, भारतीसँ चिन्हित नारी ज्ञान-परम्परा कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

२३९. 'मीमांसा' विषयमे कोन कथन सही अछि?

(A) 'मीमांसा' कैँ कर्म, वाक्य आ वेद-विधानक विवेचन सँ जोड़ल जाइत अछि।

(B) 'मीमांसा' कैँ खेती, मौसम, औषधि, गीत आ अनुभवसँ बनल विद्या सँ जोड़ल जाइत अछि।

(C) 'मीमांसा' कैँ गुरु-शिष्य निकटताक पारम्परिक अध्ययन सँ जोड़ल जाइत अछि।

(D) 'मीमांसा' कैँ तत्त्वचिन्तामणि कर्ता आ नव्य-न्यायक प्रवर्तक सँ जोड़ल जाइत अछि।

२४०. जँ विद्यार्थी 'मीमांसा'क नोट बनबैत अछि, तखन मुख्य निष्कर्ष कोन राखय?

(A) विद्यार्थी 'मीमांसा' पढ़ैत समय गुरु-शिष्य निकटताक पारम्परिक अध्ययन कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(B) विद्यार्थी 'मीमांसा' पढ़ैत समय हस्तलिखित ग्रन्थ आ ज्ञान-संरक्षणक प्रमाण कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(C) विद्यार्थी 'मीमांसा' पढ़ैत समय मीमांसा-वेदान्त शास्त्रार्थक प्रसिद्ध आचार्य कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(D) विद्यार्थी 'मीमांसा' पढ़ैत समय कर्म, वाक्य आ वेद-विधानक विवेचन पर ध्यान देत।

२४१. मिथिलाक इतिहासमे 'वेदान्त' कैँ मुख्यतः कोन बातसँ जोड़ल जाइत अछि?

(A) ब्रह्म, आत्मा आ मुक्तिक तत्त्वचिन्तन

(B) कर्म, वाक्य आ वेद-विधानक विवेचन

(C) तर्कशिक्षाक पारम्परिक संस्थान

(D) विश्वसनीय वचन वा शास्त्रद्वारा प्राप्त ज्ञान

२४२. नीचाँ देल जोड़ीमे 'वेदान्त' सम्बन्धी सही जोड़ी कोन अछि?

(A) वेदान्त — हस्तलिखित ग्रन्थ आ ज्ञान-संरक्षणक प्रमाण

(B) वेदान्त — गार्गी, मैत्रेयी, भारतीसँ चिन्हित नारी ज्ञान-परम्परा

(C) वेदान्त — ब्रह्म, आत्मा आ मुक्तिक तत्त्वचिन्तन

(D) वेदान्त — मीमांसा-वेदान्त शास्त्रार्थक प्रसिद्ध आचार्य

२४३. विदेह समानान्तर इतिहासक दृष्टिसँ 'वेदान्त' पर ध्यान देबाक कारण की अछि?

(A) कारण ई तर्कशिक्षाक पारम्परिक संस्थान कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(B) कारण ई ब्रह्म, आत्मा आ मुक्तिक तत्त्वचिन्तन कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि।

(C) कारण ई खेती, मौसम, औषधि, गीत आ अनुभवसँ बनल विद्या कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(D) कारण ई विश्वसनीय वचन वा शास्त्रद्वारा प्राप्त ज्ञान कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

२४४. 'वेदान्त' विषयमे कोन कथन सही अछि?

(A) 'वेदान्त' कैँ मीमांसा-वेदान्त शास्त्रार्थक प्रसिद्ध आचार्य सँ जोड़ल जाइत अछि।

(B) 'वेदान्त' कैँ ब्रह्म, आत्मा आ मुक्तिक तत्त्वचिन्तन सँ जोड़ल जाइत अछि।

(C) 'वेदान्त' कैँ अनेक दर्शन पर टीका लिखनिहार व्यापक आचार्य सँ जोड़ल जाइत अछि।

(D) 'वेदान्त' कैँ तर्कशिक्षाक पारम्परिक संस्थान सँ जोड़ल जाइत अछि।

२४५. जँ विद्यार्थी 'वेदान्त'क नोट बनबैत अछि, तखन मुख्य निष्कर्ष कोन राखय?

(A) विद्यार्थी 'वेदान्त' पढ़ैत समय हस्तलिखित ग्रन्थ आ ज्ञान-संरक्षणक प्रमाण कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(B) विद्यार्थी 'वेदान्त' पढ़ैत समय ज्ञानक सत्यता बुझबाक साधन कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(C) विद्यार्थी 'वेदान्त' पढ़ैत समय ब्रह्म, आत्मा आ मुक्तिक तत्त्वचिन्तन पर ध्यान देत।

(D) विद्यार्थी 'वेदान्त' पढ़ैत समय ईश्वरवाद, तर्क आ न्याय-विवेचनक दार्शनिक कैँ मुख्य तथ्य मानत।

२४६. मिथिलाक इतिहासमे 'व्याकरण' कैँ मुख्यतः कोन बातसँ जोड़ल जाइत अछि?

(A) भाषाक नियम, रूप आ अर्थ-सूक्ष्मता केर अध्ययन

(B) मीमांसा-वेदान्त शास्त्रार्थक प्रसिद्ध आचार्य

(C) लक्षण वा कारणसँ निष्कर्ष निकालबाक पद्धति

(D) पूर्वग्रन्थ पर व्याख्या आ बहसक क्रम

२४७. नीचाँ देल जोड़ीमे 'व्याकरण' सम्बन्धी सही जोड़ी कोन अछि?

(A) व्याकरण — ईश्वरवाद, तर्क आ न्याय-विवेचनक दार्शनिक

(B) व्याकरण — भाषाक नियम, रूप आ अर्थ-सूक्ष्मता केर अध्ययन

(C) व्याकरण — मीमांसा-वेदान्त शास्त्रार्थक प्रसिद्ध आचार्य

(D) व्याकरण — गुरु-शिष्य निकटताक पारम्परिक अध्ययन

२४८. विदेह समानान्तर इतिहासक दृष्टिसँ 'व्याकरण' पर ध्यान देबाक कारण की अछि?

(A) कारण ई भाषाक नियम, रूप आ अर्थ-सूक्ष्मता केर अध्ययन कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि।

(B) कारण ई ईश्वरवाद, तर्क आ न्याय-विवेचनक दार्शनिक कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(C) कारण ई हस्तलिखित ग्रन्थ आ ज्ञान-संरक्षणक प्रमाण कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(D) कारण ई विश्वसनीय वचन वा शास्त्रद्वारा प्राप्त ज्ञान कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

२४९. ‘व्याकरण’ विषयमे कोन कथन सही अछि?

(A) ‘व्याकरण’ कैँ गार्गी, मैत्रेयी, भारतीसँ चिन्हित नारी ज्ञान-परम्परा सँ जोड़ल जाइत अछि।

(B) ‘व्याकरण’ कैँ पूर्वग्रन्थ पर व्याख्या आ बहसक क्रम सँ जोड़ल जाइत अछि।

(C) ‘व्याकरण’ कैँ भाषाक नियम, रूप आ अर्थ-सूक्ष्मता केर अध्ययन सँ जोड़ल जाइत अछि।

(D) ‘व्याकरण’ कैँ ईश्वरवाद, तर्क आ न्याय-विवेचनक दार्शनिक सँ जोड़ल जाइत अछि।

२५०. जँ विद्यार्थी ‘व्याकरण’क नोट बनबैत अछि, तखन मुख्य निष्कर्ष कोन राखय?

(A) विद्यार्थी ‘व्याकरण’ पढ़ैत समय लक्षण वा कारणसँ निष्कर्ष निकालबाक पद्धति कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(B) विद्यार्थी ‘व्याकरण’ पढ़ैत समय भाषाक नियम, रूप आ अर्थ-सूक्ष्मता केर अध्ययन पर ध्यान देत।

(C) विद्यार्थी ‘व्याकरण’ पढ़ैत समय विश्वसनीय वचन वा शास्त्रद्वारा प्राप्त ज्ञान कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(D) विद्यार्थी ‘व्याकरण’ पढ़ैत समय तर्कशिक्षाक पारम्परिक संस्थान कैँ मुख्य तथ्य मानत।

२५१. मिथिलाक इतिहासमे ‘न्याय-पाठशाला’ कैँ मुख्यतः कोन बातसँ जोड़ल जाइत अछि?

(A) तर्कशिक्षाक पारम्परिक संस्थान

(B) भाषाक नियम, रूप आ अर्थ-सूक्ष्मता केर अध्ययन

(C) विश्वसनीय वचन वा शास्त्रद्वारा प्राप्त ज्ञान

(D) तत्त्वचिन्तामणि कर्ता आ नव्य-न्यायक प्रवर्तक

२५२. नीचाँ देल जोड़ीमे ‘न्याय-पाठशाला’ सम्बन्धी सही जोड़ी कोन अछि?

(A) न्याय-पाठशाला — हस्तलिखित ग्रन्थ आ ज्ञान-संरक्षणक प्रमाण

(B) न्याय-पाठशाला — तर्कशिक्षाक पारम्परिक संस्थान

(C) न्याय-पाठशाला — मीमांसा-वेदान्त शास्त्रार्थक प्रसिद्ध आचार्य

(D) न्याय-पाठशाला — अनेक दर्शन पर टीका लिखनिहार व्यापक आचार्य

२५३. विदेह समानान्तर इतिहासक दृष्टिसँ ‘न्याय-पाठशाला’ पर ध्यान देबाक कारण की अछि?

(A) कारण ई तर्कशिक्षाक पारम्परिक संस्थान कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि।

(B) कारण ई ईश्वरवाद, तर्क आ न्याय-विवेचनक दार्शनिक कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(C) कारण ई ज्ञानक सत्यता बुझबाक साधन कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(D) कारण ई कर्म, वाक्य आ वेद-विधानक विवेचन कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

२५४. ‘न्याय-पाठशाला’ विषयमे कोन कथन सही अछि?

(A) ‘न्याय-पाठशाला’ कैँ तत्त्वचिन्तामणि कर्ता आ नव्य-न्यायक प्रवर्तक सँ जोड़ल जाइत अछि।

(B) ‘न्याय-पाठशाला’ कैँ तर्कशिक्षाक पारम्परिक संस्थान सँ जोड़ल जाइत अछि।

(C) ‘न्याय-पाठशाला’ कैँ भाषाक नियम, रूप आ अर्थ-सूक्ष्मता केर अध्ययन सँ जोड़ल जाइत अछि।

(D) ‘न्याय-पाठशाला’ कैँ कर्म, वाक्य आ वेद-विधानक विवेचन सँ जोड़ल जाइत अछि।

२५५. जँ विद्यार्थी ‘न्याय-पाठशाला’क नोट बनबैत अछि, तखन मुख्य निष्कर्ष कोन राखय?

(A) विद्यार्थी ‘न्याय-पाठशाला’ पढ़ैत समय ब्रह्म, आत्मा आ मुक्तिक तत्त्वचिन्तन कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(B) विद्यार्थी ‘न्याय-पाठशाला’ पढ़ैत समय तर्कशिक्षाक पारम्परिक संस्थान पर ध्यान देत।

(C) विद्यार्थी ‘न्याय-पाठशाला’ पढ़ैत समय गार्गी, मैत्रेयी, भारतीसँ चिन्हित नारी ज्ञान-परम्परा कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(D) विद्यार्थी ‘न्याय-पाठशाला’ पढ़ैत समय दार्शनिक संवादमे स्त्री-बौद्धिक उपस्थिति कैँ मुख्य तथ्य मानत।

२५६. मिथिलाक इतिहासमे ‘टोला-शिक्षा’ कैँ मुख्यतः कोन बातसँ जोड़ल जाइत अछि?

(A) ज्ञानक सत्यता बुझबाक साधन

(B) तर्कशिक्षाक पारम्परिक संस्थान

(C) गुरु-शिष्य निकटताक पारम्परिक अध्ययन

(D) लक्षण वा कारणसँ निष्कर्ष निकालबाक पद्धति

२५७. नीचाँ देल जोड़ीमे 'टोला-शिक्षा' सम्बन्धी सही जोड़ी कोन अछि?

(A) टोला-शिक्षा — ब्रह्म, आत्मा आ मुक्तिक तत्त्वचिन्तन

(B) टोला-शिक्षा — गुरु-शिष्य निकटताक पारम्परिक अध्ययन

(C) टोला-शिक्षा — विश्वसनीय वचन वा शास्त्रद्वारा प्राप्त ज्ञान

(D) टोला-शिक्षा — लक्षण वा कारणसँ निष्कर्ष निकालबाक पद्धति

२५८. विदेह समानान्तर इतिहासक दृष्टिसँ 'टोला-शिक्षा' पर ध्यान देबाक कारण की अछि?

(A) कारण ई अनेक दर्शन पर टीका लिखनिहार व्यापक आचार्य केँ मात्र दोहरबैत अछि।

(B) कारण ई भाषाक नियम, रूप आ अर्थ-सूक्ष्मता केर अध्ययन केँ मात्र दोहरबैत अछि।

(C) कारण ई हस्तलिखित ग्रन्थ आ ज्ञान-संरक्षणक प्रमाण केँ मात्र दोहरबैत अछि।

(D) कारण ई गुरु-शिष्य निकटताक पारम्परिक अध्ययन केँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि।

२५९. 'टोला-शिक्षा' विषयमे कोन कथन सही अछि?

(A) 'टोला-शिक्षा' केँ अनेक दर्शन पर टीका लिखनिहार व्यापक आचार्य सँ जोड़ल जाइत अछि।

(B) 'टोला-शिक्षा' केँ गुरु-शिष्य निकटताक पारम्परिक अध्ययन सँ जोड़ल जाइत अछि।

(C) 'टोला-शिक्षा' केँ ईश्वरवाद, तर्क आ न्याय-विवेचनक दार्शनिक सँ जोड़ल जाइत अछि।

(D) 'टोला-शिक्षा' केँ हस्तलिखित ग्रन्थ आ ज्ञान-संरक्षणक प्रमाण सँ जोड़ल जाइत अछि।

२६०. जँ विद्यार्थी 'टोला-शिक्षा'क नोट बनबैत अछि, तखन मुख्य निष्कर्ष कोन राखय?

(A) विद्यार्थी 'टोला-शिक्षा' पढ़ैत समय खेती, मौसम, औषधि, गीत आ अनुभवसँ बनल विद्या केँ मुख्य तथ्य मानत।

(B) विद्यार्थी 'टोला-शिक्षा' पढ़ैत समय गार्गी, मैत्रेयी, भारतीसँ चिन्हित नारी ज्ञान-परम्परा केँ मुख्य तथ्य मानत।

(C) विद्यार्थी 'टोला-शिक्षा' पढ़ैत समय गुरु-शिष्य निकटताक पारम्परिक अध्ययन पर ध्यान देत।

(D) विद्यार्थी 'टोला-शिक्षा' पढ़ैत समय ज्ञानक सत्यता बुझबाक साधन केँ मुख्य तथ्य मानत।

२६१. मिथिलाक इतिहासमे 'पाण्डुलिपि' केँ मुख्यतः कोन बातसँ जोड़ल जाइत अछि?

(A) मीमांसा-वेदान्त शास्त्रार्थक प्रसिद्ध आचार्य

(B) प्रमाण-विचार पर आधारित मौलिक न्याय-ग्रन्थ

(C) तर्कशिक्षाक पारम्परिक संस्थान

(D) हस्तलिखित ग्रन्थ आ ज्ञान-संरक्षणक प्रमाण

२६२. नीचाँ देल जोड़ीमे 'पाण्डुलिपि' सम्बन्धी सही जोड़ी कोन अछि?

(A) पाण्डुलिपि — हस्तलिखित ग्रन्थ आ ज्ञान-संरक्षणक प्रमाण

(B) पाण्डुलिपि — प्रमाण-विचार पर आधारित मौलिक न्याय-ग्रन्थ

(C) पाण्डुलिपि — ज्ञानक सत्यता बुझबाक साधन

(D) पाण्डुलिपि — पूर्वग्रन्थ पर व्याख्या आ बहसक क्रम

२६३. विदेह समानान्तर इतिहासक दृष्टिसँ 'पाण्डुलिपि' पर ध्यान देबाक कारण की अछि?

(A) कारण ई गार्गी, मैत्रेयी, भारतीसँ चिन्हित नारी ज्ञान-परम्परा केँ मात्र दोहरबैत अछि।

(B) कारण ई हस्तलिखित ग्रन्थ आ ज्ञान-संरक्षणक प्रमाण केँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि।

(C) कारण ई सूक्ष्म तर्क, भाषा-विवेचन आ प्रमाण-मीमांसा केँ मात्र दोहरबैत अछि।

(D) कारण ई अनेक दर्शन पर टीका लिखनिहार व्यापक आचार्य केँ मात्र दोहरबैत अछि।

२६४. 'पाण्डुलिपि' विषयमे कोन कथन सही अछि?

(A) 'पाण्डुलिपि' केँ ईश्वरवाद, तर्क आ न्याय-विवेचनक दार्शनिक सँ जोड़ल जाइत अछि।

(B) 'पाण्डुलिपि' केँ भाषाक नियम, रूप आ अर्थ-सूक्ष्मता केर अध्ययन सँ जोड़ल जाइत अछि।

(C) 'पाण्डुलिपि' केँ हस्तलिखित ग्रन्थ आ ज्ञान-संरक्षणक प्रमाण सँ जोड़ल जाइत अछि।

(D) 'पाण्डुलिपि' केँ विश्वसनीय वचन वा शास्त्रद्वारा प्राप्त ज्ञान सँ जोड़ल जाइत अछि।

२६५. जँ विद्यार्थी 'पाण्डुलिपि'क नोट बनबैत अछि, तखन मुख्य निष्कर्ष कोन राखय?

(A) विद्यार्थी 'पाण्डुलिपि' पढ़ैत समय सूक्ष्म तर्क, भाषा-विवेचन आ प्रमाण-मीमांसा कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(B) विद्यार्थी 'पाण्डुलिपि' पढ़ैत समय ईश्वरवाद, तर्क आ न्याय-विवेचनक दार्शनिक कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(C) विद्यार्थी 'पाण्डुलिपि' पढ़ैत समय खेती, मौसम, औषधि, गीत आ अनुभवसँ बनल विद्या कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(D) विद्यार्थी 'पाण्डुलिपि' पढ़ैत समय हस्तलिखित ग्रन्थ आ ज्ञान-संरक्षणक प्रमाण पर ध्यान देत।

२६६. मिथिलाक इतिहासमे 'टीका-परम्परा' कैँ मुख्यतः कोन बातसँ जोड़ल जाइत अछि?

(A) पूर्वग्रन्थ पर व्याख्या आ बहसक क्रम

(B) गुरु-शिष्य निकटताक पारम्परिक अध्ययन

(C) ब्रह्म, आत्मा आ मुक्तिक तत्त्वचिन्तन

(D) गार्गी, मैत्रेयी, भारतीसँ चिन्हित नारी ज्ञान-परम्परा

२६७. नीचाँ देल जोड़ीमे 'टीका-परम्परा' सम्बन्धी सही जोड़ी कोन अछि?

(A) टीका-परम्परा — मीमांसा-वेदान्त शास्त्रार्थक प्रसिद्ध आचार्य

(B) टीका-परम्परा — गुरु-शिष्य निकटताक पारम्परिक अध्ययन

(C) टीका-परम्परा — पूर्वग्रन्थ पर व्याख्या आ बहसक क्रम

(D) टीका-परम्परा — गार्गी, मैत्रेयी, भारतीसँ चिन्हित नारी ज्ञान-परम्परा

२६८. विदेह समानान्तर इतिहासक दृष्टिसँ 'टीका-परम्परा' पर ध्यान देबाक कारण की अछि?

(A) कारण ई मीमांसा-वेदान्त शास्त्रार्थक प्रसिद्ध आचार्य कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(B) कारण ई गार्गी, मैत्रेयी, भारतीसँ चिन्हित नारी ज्ञान-परम्परा कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(C) कारण ई पूर्वग्रन्थ पर व्याख्या आ बहसक क्रम कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि।

(D) कारण ई तत्त्वचिन्तामणि कर्ता आ नव्य-न्यायक प्रवर्तक कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

२६९. 'टीका-परम्परा' विषयमे कोन कथन सही अछि?

(A) 'टीका-परम्परा' कैँ अनुभव वा इन्द्रियसँ प्राप्त ज्ञान सँ जोड़ल जाइत अछि।

(B) 'टीका-परम्परा' कैँ भाषाक नियम, रूप आ अर्थ-सूक्ष्मता केर अध्ययन सँ जोड़ल जाइत अछि।

(C) 'टीका-परम्परा' कैँ पूर्वग्रन्थ पर व्याख्या आ बहसक क्रम सँ जोड़ल जाइत अछि।

(D) 'टीका-परम्परा' कैँ तत्त्वचिन्तामणि कर्ता आ नव्य-न्यायक प्रवर्तक सँ जोड़ल जाइत अछि।

२७०. जँ विद्यार्थी 'टीका-परम्परा'क नोट बनबैत अछि, तखन मुख्य निष्कर्ष कोन राखय?

(A) विद्यार्थी 'टीका-परम्परा' पढ़ैत समय हस्तलिखित ग्रन्थ आ ज्ञान-संरक्षणक प्रमाण कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(B) विद्यार्थी 'टीका-परम्परा' पढ़ैत समय ज्ञानक सत्यता बुझबाक साधन कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(C) विद्यार्थी 'टीका-परम्परा' पढ़ैत समय पूर्वग्रन्थ पर व्याख्या आ बहसक क्रम पर ध्यान देत।

(D) विद्यार्थी 'टीका-परम्परा' पढ़ैत समय सूक्ष्म तर्क, भाषा-विवेचन आ प्रमाण-मीमांसा कैँ मुख्य तथ्य मानत।

२७१. मिथिलाक इतिहासमे 'प्रमाण' कैँ मुख्यतः कोन बातसँ जोड़ल जाइत अछि?

(A) अनुभव वा इन्द्रियसँ प्राप्त ज्ञान

(B) खेती, मौसम, औषधि, गीत आ अनुभवसँ बनल विद्या

(C) कर्म, वाक्य आ वेद-विधानक विवेचन

(D) ज्ञानक सत्यता बुझबाक साधन

२७२. नीचाँ देल जोड़ीमे 'प्रमाण' सम्बन्धी सही जोड़ी कोन अछि?

(A) प्रमाण — सूक्ष्म तर्क, भाषा-विवेचन आ प्रमाण-मीमांसा

(B) प्रमाण — ज्ञानक सत्यता बुझबाक साधन

(C) प्रमाण — लक्षण वा कारणसँ निष्कर्ष निकालबाक पद्धति

(D) प्रमाण — पूर्वग्रन्थ पर व्याख्या आ बहसक क्रम

२७३. विदेह समानान्तर इतिहासक दृष्टिसँ 'प्रमाण' पर ध्यान देबाक कारण की अछि?

(A) कारण ई ज्ञानक सत्यता बुझबाक साधन कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि।

(B) कारण ई मीमांसा-वेदान्त शास्त्रार्थक प्रसिद्ध आचार्य कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(C) कारण ई गार्गी, मैत्रेयी, भारतीसँ चिन्हित नारी ज्ञान-परम्परा कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(D) कारण ई पूर्वग्रन्थ पर व्याख्या आ बहसक क्रम कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

२७४. 'प्रमाण' विषयमे कोन कथन सही अछि?

(A) 'प्रमाण' कैँ ज्ञानक सत्यता बुझबाक साधन सँ जोड़ल जाइत अछि।

(B) 'प्रमाण' कैँ अनुभव वा इन्द्रियसँ प्राप्त ज्ञान सँ जोड़ल जाइत अछि।

(C) 'प्रमाण' कैँ मीमांसा-वेदान्त शास्त्रार्थक प्रसिद्ध आचार्य सँ जोड़ल जाइत अछि।

(D) 'प्रमाण' कैँ गुरु-शिष्य निकटताक पारम्परिक अध्ययन सँ जोड़ल जाइत अछि।

२७५. जँ विद्यार्थी 'प्रमाण'क नोट बनबैत अछि, तखन मुख्य निष्कर्ष कोन राखय?

(A) विद्यार्थी 'प्रमाण' पढ़ैत समय ज्ञानक सत्यता बुझबाक साधन पर ध्यान देत।

(B) विद्यार्थी 'प्रमाण' पढ़ैत समय गुरु-शिष्य निकटताक पारम्परिक अध्ययन कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(C) विद्यार्थी 'प्रमाण' पढ़ैत समय भाषाक नियम, रूप आ अर्थ-सूक्ष्मता केर अध्ययन कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(D) विद्यार्थी 'प्रमाण' पढ़ैत समय सूक्ष्म तर्क, भाषा-विवेचन आ प्रमाण-मीमांसा कैँ मुख्य तथ्य मानत।

२७६. मिथिलाक इतिहासमे 'अनुमान' कैँ मुख्यतः कोन बातसँ जोड़ल जाइत अछि?

(A) लक्षण वा कारणसँ निष्कर्ष निकालबाक पद्धति

(B) ईश्वरवाद, तर्क आ न्याय-विवेचनक दार्शनिक

(C) हस्तलिखित ग्रन्थ आ ज्ञान-संरक्षणक प्रमाण

(D) कर्म, वाक्य आ वेद-विधानक विवेचन

२७७. नीचाँ देल जोड़ीमे 'अनुमान' सम्बन्धी सही जोड़ी कोन अछि?

(A) अनुमान — लक्षण वा कारणसँ निष्कर्ष निकालबाक पद्धति

(B) अनुमान — गुरु-शिष्य निकटताक पारम्परिक अध्ययन

(C) अनुमान — ईश्वरवाद, तर्क आ न्याय-विवेचनक दार्शनिक

(D) अनुमान — हस्तलिखित ग्रन्थ आ ज्ञान-संरक्षणक प्रमाण

२७८. विदेह समानान्तर इतिहासक दृष्टिसँ 'अनुमान' पर ध्यान देबाक कारण की अछि?

(A) कारण ई अनेक दर्शन पर टीका लिखनिहार व्यापक आचार्य कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(B) कारण ई लक्षण वा कारणसँ निष्कर्ष निकालबाक पद्धति कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि।

(C) कारण ई गार्गी, मैत्रेयी, भारतीसँ चिन्हित नारी ज्ञान-परम्परा कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(D) कारण ई मीमांसा-वेदान्त शास्त्रार्थक प्रसिद्ध आचार्य कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

२७९. 'अनुमान' विषयमे कोन कथन सही अछि?

(A) 'अनुमान' कैँ प्रमाण-विचार पर आधारित मौलिक न्याय-ग्रन्थ सँ जोड़ल जाइत अछि।

(B) 'अनुमान' कैँ तत्त्वचिन्तामणि कर्ता आ नव्य-न्यायक प्रवर्तक सँ जोड़ल जाइत अछि।

(C) 'अनुमान' कैँ मीमांसा-वेदान्त शास्त्रार्थक प्रसिद्ध आचार्य सँ जोड़ल जाइत अछि।

(D) 'अनुमान' कैँ लक्षण वा कारणसँ निष्कर्ष निकालबाक पद्धति सँ जोड़ल जाइत अछि।

२८०. जँ विद्यार्थी 'अनुमान'क नोट बनबैत अछि, तखन मुख्य निष्कर्ष कोन राखय?

(A) विद्यार्थी 'अनुमान' पढ़ैत समय लक्षण वा कारणसँ निष्कर्ष निकालबाक पद्धति पर ध्यान देत।

(B) विद्यार्थी 'अनुमान' पढ़ैत समय भाषाक नियम, रूप आ अर्थ-सूक्ष्मता केर अध्ययन कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(C) विद्यार्थी 'अनुमान' पढ़ैत समय हस्तलिखित ग्रन्थ आ ज्ञान-संरक्षणक प्रमाण कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(D) विद्यार्थी 'अनुमान' पढ़ैत समय विश्वसनीय वचन वा शास्त्रद्वारा प्राप्त ज्ञान कैँ मुख्य तथ्य मानत।

२८१. मिथिलाक इतिहासमे ‘प्रत्यक्ष’ कैँ मुख्यतः कोन बातसँ जोड़ल जाइत अछि?

(A) हस्तलिखित ग्रन्थ आ ज्ञान-संरक्षणक प्रमाण

(B) विश्वसनीय वचन वा शास्त्रद्वारा प्राप्त ज्ञान

(C) अनुभव वा इन्द्रियसँ प्राप्त ज्ञान

(D) मीमांसा-वेदान्त शास्त्रार्थक प्रसिद्ध आचार्य

२८२. नीचाँ देल जोड़ीमे ‘प्रत्यक्ष’ सम्बन्धी सही जोड़ी कोन अछि?

(A) प्रत्यक्ष — मीमांसा-वेदान्त शास्त्रार्थक प्रसिद्ध आचार्य

(B) प्रत्यक्ष — अनुभव वा इन्द्रियसँ प्राप्त ज्ञान

(C) प्रत्यक्ष — गार्गी, मैत्रेयी, भारतीसँ चिन्हित नारी ज्ञान-परम्परा

(D) प्रत्यक्ष — दार्शनिक संवादमे स्त्री-बौद्धिक उपस्थिति

२८३. विदेह समानान्तर इतिहासक दृष्टिसँ ‘प्रत्यक्ष’ पर ध्यान देबाक कारण की अछि?

(A) कारण ई खेती, मौसम, औषधि, गीत आ अनुभवसँ बनल विद्या कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(B) कारण ई पूर्वग्रन्थ पर व्याख्या आ बहसक क्रम कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(C) कारण ई गुरु-शिष्य निकटताक पारम्परिक अध्ययन कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(D) कारण ई अनुभव वा इन्द्रियसँ प्राप्त ज्ञान कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि।

२८४. ‘प्रत्यक्ष’ विषयमे कोन कथन सही अछि?

(A) ‘प्रत्यक्ष’ कैँ अनुभव वा इन्द्रियसँ प्राप्त ज्ञान सँ जोड़ल जाइत अछि।

(B) ‘प्रत्यक्ष’ कैँ अनेक दर्शन पर टीका लिखनिहार व्यापक आचार्य सँ जोड़ल जाइत अछि।

(C) ‘प्रत्यक्ष’ कैँ ब्रह्म, आत्मा आ मुक्तिक तत्त्वचिन्तन सँ जोड़ल जाइत अछि।

(D) ‘प्रत्यक्ष’ कैँ गुरु-शिष्य निकटताक पारम्परिक अध्ययन सँ जोड़ल जाइत अछि।

२८५. जँ विद्यार्थी ‘प्रत्यक्ष’क नोट बनबैत अछि, तखन मुख्य निष्कर्ष कोन राखय?

(A) विद्यार्थी ‘प्रत्यक्ष’ पढ़ैत समय ईश्वरवाद, तर्क आ न्याय-विवेचनक दार्शनिक कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(B) विद्यार्थी ‘प्रत्यक्ष’ पढ़ैत समय अनुभव वा इन्द्रियसँ प्राप्त ज्ञान पर ध्यान देत।

(C) विद्यार्थी ‘प्रत्यक्ष’ पढ़ैत समय तर्कशिक्षाक पारम्परिक संस्थान कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(D) विद्यार्थी ‘प्रत्यक्ष’ पढ़ैत समय कर्म, वाक्य आ वेद-विधानक विवेचन कैँ मुख्य तथ्य मानत।

२८६. मिथिलाक इतिहासमे ‘शब्द-प्रमाण’ कैँ मुख्यतः कोन बातसँ जोड़ल जाइत अछि?

(A) ईश्वरवाद, तर्क आ न्याय-विवेचनक दार्शनिक

(B) प्रमाण-विचार पर आधारित मौलिक न्याय-ग्रन्थ

(C) विश्वसनीय वचन वा शास्त्रद्वारा प्राप्त ज्ञान

(D) तत्त्वचिन्तामणि कर्ता आ नव्य-न्यायक प्रवर्तक

२८७. नीचाँ देल जोड़ीमे ‘शब्द-प्रमाण’ सम्बन्धी सही जोड़ी कोन अछि?

(A) शब्द-प्रमाण — विश्वसनीय वचन वा शास्त्रद्वारा प्राप्त ज्ञान

(B) शब्द-प्रमाण — अनेक दर्शन पर टीका लिखनिहार व्यापक आचार्य

(C) शब्द-प्रमाण — हस्तलिखित ग्रन्थ आ ज्ञान-संरक्षणक प्रमाण

(D) शब्द-प्रमाण — खेती, मौसम, औषधि, गीत आ अनुभवसँ बनल विद्या

२८८. विदेह समानान्तर इतिहासक दृष्टिसँ ‘शब्द-प्रमाण’ पर ध्यान देबाक कारण की अछि?

(A) कारण ई हस्तलिखित ग्रन्थ आ ज्ञान-संरक्षणक प्रमाण कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(B) कारण ई ज्ञानक सत्यता बुझबाक साधन कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(C) कारण ई विश्वसनीय वचन वा शास्त्रद्वारा प्राप्त ज्ञान कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि।

(D) कारण ई अनुभव वा इन्द्रियसँ प्राप्त ज्ञान कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

२८९. ‘शब्द-प्रमाण’ विषयमे कोन कथन सही अछि?

(A) ‘शब्द-प्रमाण’ कैँ दार्शनिक संवादमे स्त्री-बौद्धिक उपस्थिति सँ जोड़ल जाइत अछि।

(B) ‘शब्द-प्रमाण’ कैँ अनुभव वा इन्द्रियसँ प्राप्त ज्ञान सँ जोड़ल जाइत अछि।

(C) ‘शब्द-प्रमाण’ कैँ विश्वसनीय वचन वा शास्त्रद्वारा प्राप्त ज्ञान सँ जोड़ल जाइत अछि।

(D) ‘शब्द-प्रमाण’ कैँ ईश्वरवाद, तर्क आ न्याय-विवेचनक दार्शनिक सँ जोड़ल जाइत अछि।

२९०. जँ विद्यार्थी ‘शब्द-प्रमाण’क नोट बनबैत अछि, तखन मुख्य निष्कर्ष कोन राखय?

(A) विद्यार्थी ‘शब्द-प्रमाण’ पढ़ैत समय भाषाक नियम, रूप आ अर्थ-सूक्ष्मता केर अध्ययन कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(B) विद्यार्थी ‘शब्द-प्रमाण’ पढ़ैत समय हस्तलिखित ग्रन्थ आ ज्ञान-संरक्षणक प्रमाण कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(C) विद्यार्थी ‘शब्द-प्रमाण’ पढ़ैत समय प्रमाण-विचार पर आधारित मौलिक न्याय-ग्रन्थ कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(D) विद्यार्थी ‘शब्द-प्रमाण’ पढ़ैत समय विश्वसनीय वचन वा शास्त्रद्वारा प्राप्त ज्ञान पर ध्यान देत।

२९१. मिथिलाक इतिहासमे ‘लोक-ज्ञान’ कैँ मुख्यतः कोन बातसँ जोड़ल जाइत अछि?

(A) तर्कशिक्षाक पारम्परिक संस्थान

(B) सूक्ष्म तर्क, भाषा-विवेचन आ प्रमाण-मीमांसा

(C) खेती, मौसम, औषधि, गीत आ अनुभवसँ बनल विद्या

(D) दार्शनिक संवादमे स्त्री-बौद्धिक उपस्थिति

२९२. नीचाँ देल जोड़ीमे ‘लोक-ज्ञान’ सम्बन्धी सही जोड़ी कोन अछि?

(A) लोक-ज्ञान — पूर्वग्रन्थ पर व्याख्या आ बहसक क्रम

(B) लोक-ज्ञान — खेती, मौसम, औषधि, गीत आ अनुभवसँ बनल विद्या

(C) लोक-ज्ञान — अनेक दर्शन पर टीका लिखनिहार व्यापक आचार्य

(D) लोक-ज्ञान — दार्शनिक संवादमे स्त्री-बौद्धिक उपस्थिति

२९३. विदेह समानान्तर इतिहासक दृष्टिसँ ‘लोक-ज्ञान’ पर ध्यान देबाक कारण की अछि?

(A) कारण ई अनुभव वा इन्द्रियसँ प्राप्त ज्ञान कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(B) कारण ई खेती, मौसम, औषधि, गीत आ अनुभवसँ बनल विद्या कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि।

(C) कारण ई प्रमाण-विचार पर आधारित मौलिक न्याय-ग्रन्थ कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(D) कारण ई लक्षण वा कारणसँ निष्कर्ष निकालबाक पद्धति कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

२९४. ‘लोक-ज्ञान’ विषयमे कोन कथन सही अछि?

(A) ‘लोक-ज्ञान’ कैँ खेती, मौसम, औषधि, गीत आ अनुभवसँ बनल विद्या सँ जोड़ल जाइत अछि।

(B) ‘लोक-ज्ञान’ कैँ ज्ञानक सत्यता बुझबाक साधन सँ जोड़ल जाइत अछि।

(C) ‘लोक-ज्ञान’ कैँ ईश्वरवाद, तर्क आ न्याय-विवेचनक दार्शनिक सँ जोड़ल जाइत अछि।

(D) ‘लोक-ज्ञान’ कैँ तर्कशिक्षाक पारम्परिक संस्थान सँ जोड़ल जाइत अछि।

२९५. जँ विद्यार्थी ‘लोक-ज्ञान’क नोट बनबैत अछि, तखन मुख्य निष्कर्ष कोन राखय?

(A) विद्यार्थी ‘लोक-ज्ञान’ पढ़ैत समय गुरु-शिष्य निकटताक पारम्परिक अध्ययन कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(B) विद्यार्थी ‘लोक-ज्ञान’ पढ़ैत समय खेती, मौसम, औषधि, गीत आ अनुभवसँ बनल विद्या पर ध्यान देत।

(C) विद्यार्थी ‘लोक-ज्ञान’ पढ़ैत समय तर्कशिक्षाक पारम्परिक संस्थान कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(D) विद्यार्थी ‘लोक-ज्ञान’ पढ़ैत समय ज्ञानक सत्यता बुझबाक साधन कैँ मुख्य तथ्य मानत।

२९६. मिथिलाक इतिहासमे ‘स्त्री-विद्या’ कैँ मुख्यतः कोन बातसँ जोड़ल जाइत अछि?

(A) तर्कशिक्षाक पारम्परिक संस्थान

(B) लक्षण वा कारणसँ निष्कर्ष निकालबाक पद्धति

(C) गार्गी, मैत्रेयी, भारतीसँ चिन्हित नारी ज्ञान-परम्परा

(D) कर्म, वाक्य आ वेद-विधानक विवेचन

२९७. नीचाँ देल जोड़ीमे 'स्त्री-विद्या' सम्बन्धी सही जोड़ी कोन अछि?

(A) स्त्री-विद्या — गार्गी, मैत्रेयी, भारतीसँ चिन्हित नारी ज्ञान-परम्परा

(B) स्त्री-विद्या — दार्शनिक संवादमे स्त्री-बौद्धिक उपस्थिति

(C) स्त्री-विद्या — गुरु-शिष्य निकटताक पारम्परिक अध्ययन

(D) स्त्री-विद्या — विश्वसनीय वचन वा शास्त्रद्वारा प्राप्त ज्ञान

२९८. विदेह समानान्तर इतिहासक दृष्टिसँ 'स्त्री-विद्या' पर ध्यान देबाक कारण की अछि?

(A) कारण ई तत्त्वचिन्तामणि कर्ता आ नव्य-न्यायक प्रवर्तक कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(B) कारण ई ईश्वरवाद, तर्क आ न्याय-विवेचनक दार्शनिक कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(C) कारण ई खेती, मौसम, औषधि, गीत आ अनुभवसँ बनल विद्या कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(D) कारण ई गार्गी, मैत्रेयी, भारतीसँ चिन्हित नारी ज्ञान-परम्परा कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि।

२९९. 'स्त्री-विद्या' विषयमे कोन कथन सही अछि?

(A) 'स्त्री-विद्या' कैँ ब्रह्म, आत्मा आ मुक्तिक तत्त्वचिन्तन सँ जोड़ल जाइत अछि।

(B) 'स्त्री-विद्या' कैँ सूक्ष्म तर्क, भाषा-विवेचन आ प्रमाण-मीमांसा सँ जोड़ल जाइत अछि।

(C) 'स्त्री-विद्या' कैँ गार्गी, मैत्रेयी, भारतीसँ चिन्हित नारी ज्ञान-परम्परा सँ जोड़ल जाइत अछि।

(D) 'स्त्री-विद्या' कैँ कर्म, वाक्य आ वेद-विधानक विवेचन सँ जोड़ल जाइत अछि।

३००. जँ विद्यार्थी 'स्त्री-विद्या'क नोट बनबैत अछि, तखन मुख्य निष्कर्ष कोन राखय?

(A) विद्यार्थी 'स्त्री-विद्या' पढ़ैत समय खेती, मौसम, औषधि, गीत आ अनुभवसँ बनल विद्या कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(B) विद्यार्थी 'स्त्री-विद्या' पढ़ैत समय दार्शनिक संवादमे स्त्री-बौद्धिक उपस्थिति कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(C) विद्यार्थी 'स्त्री-विद्या' पढ़ैत समय गार्गी, मैत्रेयी, भारतीसँ चिन्हित नारी ज्ञान-परम्परा पर ध्यान देत।

(D) विद्यार्थी 'स्त्री-विद्या' पढ़ैत समय हस्तलिखित ग्रन्थ आ ज्ञान-संरक्षणक प्रमाण कैँ मुख्य तथ्य मानत।

३०१. मिथिलाक इतिहासमे 'मैथिली' कैँ मुख्यतः कोन बातसँ जोड़ल जाइत अछि?

(A) कविता, कथा, नाटक, निबन्ध आ आलोचनाक परिष्कृत रूप

(B) मिथिलाक मातृभाषा आ साहित्यिक अभिव्यक्ति

(C) स्वाभाविक, मुहावरादार आ स्थानीय अभिव्यक्ति

(D) पुरान आ नूतन भाषा-रूपक बीचक सेतु

३०२. नीचाँ देल जोड़ीमे 'मैथिली' सम्बन्धी सही जोड़ी कोन अछि?

(A) मैथिली — स्वाभाविक, मुहावरादार आ स्थानीय अभिव्यक्ति

(B) मैथिली — बच्चाक आरम्भिक शिक्षा अपन भाषामे करबाक विचार

(C) मैथिली — मिथिलाक मातृभाषा आ साहित्यिक अभिव्यक्ति

(D) मैथिली — मिथिलाक्षरक दोसर प्रचलित नाम

३०३. विदेह समानान्तर इतिहासक दृष्टिसँ 'मैथिली' पर ध्यान देबाक कारण की अछि?

(A) कारण ई मैथिली साहित्यक राष्ट्रीय संस्थागत स्वीकृति कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(B) कारण ई पुरान गद्य आ समाज-वर्णनक महत्त्वपूर्ण लेखक कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(C) कारण ई मिथिलाक मातृभाषा आ साहित्यिक अभिव्यक्ति कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि।

(D) कारण ई मिथिलाक्षरक दोसर प्रचलित नाम कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

३०४. 'मैथिली' विषयमे कोन कथन सही अछि?

(A) 'मैथिली' कैँ भारतीय संविधानमे मैथिलीक मान्यता केर पड़ाव सँ जोड़ल जाइत अछि।

(B) 'मैथिली' कैँ पुरान आ नूतन भाषा-रूपक बीचक सेतु सँ जोड़ल जाइत अछि।

(C) 'मैथिली' कैँ शब्द, अर्थ आ प्रयोगक संग्रह सँ जोड़ल जाइत अछि।

(D) 'मैथिली' कैँ मिथिलाक मातृभाषा आ साहित्यिक अभिव्यक्ति सँ जोड़ल जाइत अछि।

३०५. जँ विद्यार्थी 'मैथिली'क नोट बनबैत अछि, तखन मुख्य निष्कर्ष कोन राखय?

(A) विद्यार्थी 'मैथिली' पढ़ैत समय गाम-घर, गीत, कथा आ व्यवहारमे जीवित भाषा कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(B) विद्यार्थी 'मैथिली' पढ़ैत समय मैथिलीकैँ अधिकार, शिक्षा आ प्रशासनमे स्थान देबाक चेतना कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(C) विद्यार्थी 'मैथिली' पढ़ैत समय मिथिलाक मातृभाषा आ साहित्यिक अभिव्यक्ति पर ध्यान देत।

(D) विद्यार्थी 'मैथिली' पढ़ैत समय भारत आ नेपाल दुनूमे पसरल भाषिक संसार कैँ मुख्य तथ्य मानत।

३०६. मिथिलाक इतिहासमे 'मिथिलाक्षर' कैँ मुख्यतः कोन बातसँ जोड़ल जाइत अछि?

(A) भारतीय संविधानमे मैथिलीक मान्यता केर पड़ाव

(B) कविता, कथा, नाटक, निबन्ध आ आलोचनाक परिष्कृत रूप

(C) मैथिली लेखनक पारम्परिक लिपि

(D) प्राकृतोत्तर भाषा-रूप, जाहिसँ पूर्वी भाषासभ विकसित भेल

३०७. नीचाँ देल जोड़ीमे 'मिथिलाक्षर' सम्बन्धी सही जोड़ी कोन अछि?

(A) मिथिलाक्षर — पुरान गद्य आ समाज-वर्णनक महत्त्वपूर्ण लेखक

(B) मिथिलाक्षर — मैथिली लेखनक पारम्परिक लिपि

(C) मिथिलाक्षर — मिथिलाक मातृभाषा आ साहित्यिक अभिव्यक्ति

(D) मिथिलाक्षर — भाषाक नियम आ रूपक व्यवस्थित प्रस्तुति

३०८. विदेह समानान्तर इतिहासक दृष्टिसँ 'मिथिलाक्षर' पर ध्यान देबाक कारण की अछि?

(A) कारण ई प्राकृतोत्तर भाषा-रूप, जाहिसँ पूर्वी भाषासभ विकसित भेल कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(B) कारण ई मैथिली लेखनक पारम्परिक लिपि कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि।

(C) कारण ई आधुनिक मैथिली प्रकाशनमे व्यापक प्रयुक्त लिपि कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(D) कारण ई पुरान गद्य आ समाज-वर्णनक महत्त्वपूर्ण लेखक कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

३०९. 'मिथिलाक्षर' विषयमे कोन कथन सही अछि?

(A) 'मिथिलाक्षर' कैँ पुरान गद्य आ समाज-वर्णनक महत्त्वपूर्ण लेखक सँ जोड़ल जाइत अछि।

(B) 'मिथिलाक्षर' कैँ मैथिली लेखनक पारम्परिक लिपि सँ जोड़ल जाइत अछि।

(C) 'मिथिलाक्षर' कैँ कविता, कथा, नाटक, निबन्ध आ आलोचनाक परिष्कृत रूप सँ जोड़ल जाइत अछि।

(D) 'मिथिलाक्षर' कैँ स्वाभाविक, मुहावरादार आ स्थानीय अभिव्यक्ति सँ जोड़ल जाइत अछि।

३१०. जँ विद्यार्थी 'मिथिलाक्षर'क नोट बनबैत अछि, तखन मुख्य निष्कर्ष कोन राखय?

(A) विद्यार्थी 'मिथिलाक्षर' पढ़ैत समय प्राकृतोत्तर भाषा-रूप, जाहिसँ पूर्वी भाषासभ विकसित भेल कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(B) विद्यार्थी 'मिथिलाक्षर' पढ़ैत समय मिथिलाक्षरक दोसर प्रचलित नाम कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(C) विद्यार्थी 'मिथिलाक्षर' पढ़ैत समय मैथिली लेखनक पारम्परिक लिपि पर ध्यान देत।

(D) विद्यार्थी 'मिथिलाक्षर' पढ़ैत समय स्वाभाविक, मुहावरादार आ स्थानीय अभिव्यक्ति कैँ मुख्य तथ्य मानत।

३११. मिथिलाक इतिहासमे 'तिरहुता' कैँ मुख्यतः कोन बातसँ जोड़ल जाइत अछि?

(A) गाम-घर, गीत, कथा आ व्यवहारमे जीवित भाषा

(B) शब्द, अर्थ आ प्रयोगक संग्रह

(C) स्वाभाविक, मुहावरादार आ स्थानीय अभिव्यक्ति

(D) मिथिलाक्षरक दोसर प्रचलित नाम

३१२. नीचाँ देल जोड़ीमे 'तिरहुता' सम्बन्धी सही जोड़ी कोन अछि?

(A) तिरहुता — प्राकृतोत्तर भाषा-रूप, जाहिसँ पूर्वी भाषासभ विकसित भेल

(B) तिरहुता — मैथिलीकैँ काव्य-भाषा रूपैँ प्रतिष्ठा देनिहार धारा

(C) तिरहुता — मिथिलाक्षरक दोसर प्रचलित नाम

(D) तिरहुता — शब्द, अर्थ आ प्रयोगक संग्रह

३१३. विदेह समानान्तर इतिहासक दृष्टिसँ 'तिरहुता' पर ध्यान देबाक कारण की अछि?

(A) कारण ई मिथिलाक्षरक दोसर प्रचलित नाम कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि।

(B) कारण ई बच्चाक आरम्भिक शिक्षा अपन भाषामे करबाक विचार कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(C) कारण ई गाम-घर, गीत, कथा आ व्यवहारमे जीवित भाषा कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(D) कारण ई मैथिली साहित्यक राष्ट्रीय संस्थागत स्वीकृति कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

३१४. 'तिरहुता' विषयमे कोन कथन सही अछि?

(A) 'तिरहुता' कैँ भारत आ नेपाल दुनूमे पसरल भाषिक संसार सँ जोड़ल जाइत अछि।

(B) 'तिरहुता' कैँ मिथिलाक्षरक दोसर प्रचलित नाम सँ जोड़ल जाइत अछि।

(C) 'तिरहुता' कैँ वेब, ई-पत्रिका, ध्वनि-चित्र आ सामाजिक माध्यममे मैथिली सँ जोड़ल जाइत अछि।

(D) 'तिरहुता' कैँ बच्चाक आरम्भिक शिक्षा अपन भाषामे करबाक विचार सँ जोड़ल जाइत अछि।

३१५. जँ विद्यार्थी 'तिरहुता'क नोट बनबैत अछि, तखन मुख्य निष्कर्ष कोन राखय?

(A) विद्यार्थी 'तिरहुता' पढ़ैत समय मिथिलाक्षरक दोसर प्रचलित नाम पर ध्यान देत।

(B) विद्यार्थी 'तिरहुता' पढ़ैत समय गाम-घर, गीत, कथा आ व्यवहारमे जीवित भाषा कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(C) विद्यार्थी 'तिरहुता' पढ़ैत समय पुरान आ नूतन भाषा-रूपक बीचक सेतु कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(D) विद्यार्थी 'तिरहुता' पढ़ैत समय वेब, ई-पत्रिका, ध्वनि-चित्र आ सामाजिक माध्यममे मैथिली कैँ मुख्य तथ्य मानत।

३१६. मिथिलाक इतिहासमे 'देवनागरी' कैँ मुख्यतः कोन बातसँ जोड़ल जाइत अछि?

(A) मिथिलाक मातृभाषा आ साहित्यिक अभिव्यक्ति

(B) शब्द, अर्थ आ प्रयोगक संग्रह

(C) भारत आ नेपाल दुनूमे पसरल भाषिक संसार

(D) आधुनिक मैथिली प्रकाशनमे व्यापक प्रयुक्त लिपि

३१७. नीचाँ देल जोड़ीमे 'देवनागरी' सम्बन्धी सही जोड़ी कोन अछि?

(A) देवनागरी — पुरान आ नूतन भाषा-रूपक बीचक सेतु

(B) देवनागरी — भाषाक नियम आ रूपक व्यवस्थित प्रस्तुति

(C) देवनागरी — आधुनिक मैथिली प्रकाशनमे व्यापक प्रयुक्त लिपि

(D) देवनागरी — गाम-घर, गीत, कथा आ व्यवहारमे जीवित भाषा

३१८. विदेह समानान्तर इतिहासक दृष्टिसँ 'देवनागरी' पर ध्यान देबाक कारण की अछि?

(A) कारण ई स्वाभाविक, मुहावरादार आ स्थानीय अभिव्यक्ति कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(B) कारण ई भारतीय संविधानमे मैथिलीक मान्यता केर पड़ाव कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(C) कारण ई मैथिलीकैँ अधिकार, शिक्षा आ प्रशासनमे स्थान देबाक चेतना कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(D) कारण ई आधुनिक मैथिली प्रकाशनमे व्यापक प्रयुक्त लिपि कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि।

३१९. 'देवनागरी' विषयमे कोन कथन सही अछि?

(A) 'देवनागरी' कैँ आधुनिक मैथिली प्रकाशनमे व्यापक प्रयुक्त लिपि सँ जोड़ल जाइत अछि।

(B) 'देवनागरी' कैँ स्वाभाविक, मुहावरादार आ स्थानीय अभिव्यक्ति सँ जोड़ल जाइत अछि।

(C) 'देवनागरी' कैँ गाम-घर, गीत, कथा आ व्यवहारमे जीवित भाषा सँ जोड़ल जाइत अछि।

(D) 'देवनागरी' कैँ समाज-वर्णन आ गद्य-कौशलक ऐतिहासिक ग्रन्थ सँ जोड़ल जाइत अछि।

३२०. जँ विद्यार्थी 'देवनागरी'क नोट बनबैत अछि, तखन मुख्य निष्कर्ष कोन राखय?

(A) विद्यार्थी 'देवनागरी' पढ़ैत समय समाज-वर्णन आ गद्य-कौशलक ऐतिहासिक ग्रन्थ कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(B) विद्यार्थी 'देवनागरी' पढ़ैत समय मैथिली साहित्यक राष्ट्रीय संस्थागत स्वीकृति कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(C) विद्यार्थी 'देवनागरी' पढ़ैत समय भारत आ नेपाल दुनूमे पसरल भाषिक संसार कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(D) विद्यार्थी 'देवनागरी' पढ़ैत समय आधुनिक मैथिली प्रकाशनमे व्यापक प्रयुक्त लिपि पर ध्यान देत।

३२१. मिथिलाक इतिहासमे ‘अवहट्ट’ कैँ मुख्यतः कोन बातसँ जोड़ल जाइत अछि?

(A) शब्द, अर्थ आ प्रयोगक संग्रह

(B) भाषाक नियम आ रूपक व्यवस्थित प्रस्तुति

(C) प्राकृतोत्तर भाषा-रूप, जाहिसँ पूर्वी भाषासभ विकसित भेल

(D) पुरान आ नूतन भाषा-रूपक बीचक सेतु

३२२. नीचाँ देल जोड़ीमे ‘अवहट्ट’ सम्बन्धी सही जोड़ी कोन अछि?

(A) अवहट्ट — भारत आ नेपाल दुनूमे पसरल भाषिक संसार

(B) अवहट्ट — पुरान आ नूतन भाषा-रूपक बीचक सेतु

(C) अवहट्ट — शब्द, अर्थ आ प्रयोगक संग्रह

(D) अवहट्ट — भारतीय संविधानमे मैथिलीक मान्यता केर पड़ाव

३२३. विदेह समानान्तर इतिहासक दृष्टिसँ ‘अवहट्ट’ पर ध्यान देबाक कारण की अछि?

(A) कारण ई मैथिली लेखनक पारम्परिक लिपि कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(B) कारण ई भारत आ नेपाल दुनूमे पसरल भाषिक संसार कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(C) कारण ई प्राकृतोत्तर भाषा-रूप, जाहिसँ पूर्वी भाषासभ विकसित भेल कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(D) कारण ई पुरान आ नूतन भाषा-रूपक बीचक सेतु कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि।

३२४. ‘अवहट्ट’ विषयमे कोन कथन सही अछि?

(A) ‘अवहट्ट’ कैँ भारत आ नेपाल दुनूमे पसरल भाषिक संसार सँ जोड़ल जाइत अछि।

(B) ‘अवहट्ट’ कैँ मिथिलाक्षरक दोसर प्रचलित नाम सँ जोड़ल जाइत अछि।

(C) ‘अवहट्ट’ कैँ पुरान आ नूतन भाषा-रूपक बीचक सेतु सँ जोड़ल जाइत अछि।

(D) ‘अवहट्ट’ कैँ मैथिलीकैँ अधिकार, शिक्षा आ प्रशासनमे स्थान देबाक चेतना सँ जोड़ल जाइत अछि।

३२५. जँ विद्यार्थी ‘अवहट्ट’क नोट बनबैत अछि, तखन मुख्य निष्कर्ष कोन राखय?

(A) विद्यार्थी ‘अवहट्ट’ पढ़ैत समय पुरान आ नूतन भाषा-रूपक बीचक सेतु पर ध्यान देत।

(B) विद्यार्थी ‘अवहट्ट’ पढ़ैत समय भारत आ नेपाल दुनूमे पसरल भाषिक संसार कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(C) विद्यार्थी ‘अवहट्ट’ पढ़ैत समय शब्द, अर्थ आ प्रयोगक संग्रह कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(D) विद्यार्थी ‘अवहट्ट’ पढ़ैत समय आधुनिक मैथिली प्रकाशनमे व्यापक प्रयुक्त लिपि कैँ मुख्य तथ्य मानत।

३२६. मिथिलाक इतिहासमे ‘अपभ्रंश’ कैँ मुख्यतः कोन बातसँ जोड़ल जाइत अछि?

(A) आधुनिक मैथिली प्रकाशनमे व्यापक प्रयुक्त लिपि

(B) बच्चाक आरम्भिक शिक्षा अपन भाषामे करबाक विचार

(C) पुरान गद्य आ समाज-वर्णनक महत्त्वपूर्ण लेखक

(D) प्राकृतोत्तर भाषा-रूप, जाहिसँ पूर्वी भाषासभ विकसित भेल

३२७. नीचाँ देल जोड़ीमे ‘अपभ्रंश’ सम्बन्धी सही जोड़ी कोन अछि?

(A) अपभ्रंश — प्राकृतोत्तर भाषा-रूप, जाहिसँ पूर्वी भाषासभ विकसित भेल

(B) अपभ्रंश — पुरान आ नूतन भाषा-रूपक बीचक सेतु

(C) अपभ्रंश — मैथिली लेखनक पारम्परिक लिपि

(D) अपभ्रंश — स्वाभाविक, मुहावरादार आ स्थानीय अभिव्यक्ति

३२८. विदेह समानान्तर इतिहासक दृष्टिसँ ‘अपभ्रंश’ पर ध्यान देबाक कारण की अछि?

(A) कारण ई कविता, कथा, नाटक, निबन्ध आ आलोचनाक परिष्कृत रूप कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(B) कारण ई प्राकृतोत्तर भाषा-रूप, जाहिसँ पूर्वी भाषासभ विकसित भेल कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि।

(C) कारण ई भाषाक नियम आ रूपक व्यवस्थित प्रस्तुति कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(D) कारण ई आधुनिक मैथिली प्रकाशनमे व्यापक प्रयुक्त लिपि कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

३२९. ‘अपभ्रंश’ विषयमे कोन कथन सही अछि?

(A) ‘अपभ्रंश’ कैं वेब, ई-पत्रिका, ध्वनि-चित्र आ सामाजिक माध्यममे मैथिली सँ जोड़ल जाइत अछि।

(B) ‘अपभ्रंश’ कैं मैथिलीकैं अधिकार, शिक्षा आ प्रशासनमे स्थान देबाक चेतना सँ जोड़ल जाइत अछि।

(C) ‘अपभ्रंश’ कैं प्राकृतोत्तर भाषा-रूप, जाहिसँ पूर्वी भाषासभ विकसित भेल सँ जोड़ल जाइत अछि।

(D) ‘अपभ्रंश’ कैं भारत आ नेपाल दुनूमे पसरल भाषिक संसार सँ जोड़ल जाइत अछि।

३३०. जँ विद्यार्थी ‘अपभ्रंश’क नोट बनबैत अछि, तखन मुख्य निष्कर्ष कोन राखय?

(A) विद्यार्थी ‘अपभ्रंश’ पढ़ैत समय पुरान गद्य आ समाज-वर्णनक महत्त्वपूर्ण लेखक कैं मुख्य तथ्य मानत।

(B) विद्यार्थी ‘अपभ्रंश’ पढ़ैत समय समाज-वर्णन आ गद्य-कौशलक ऐतिहासिक ग्रन्थ कैं मुख्य तथ्य मानत।

(C) विद्यार्थी ‘अपभ्रंश’ पढ़ैत समय मिथिलाक्षरक दोसर प्रचलित नाम कैं मुख्य तथ्य मानत।

(D) विद्यार्थी ‘अपभ्रंश’ पढ़ैत समय प्राकृतोत्तर भाषा-रूप, जाहिसँ पूर्वी भाषासभ विकसित भेल पर ध्यान देत।

३३१. मिथिलाक इतिहासमे ‘लोक-मैथिली’ कैं मुख्यतः कोन बातसँ जोड़ल जाइत अछि?

(A) मिथिलाक्षरक दोसर प्रचलित नाम

(B) गाम-घर, गीत, कथा आ व्यवहारमे जीवित भाषा

(C) शब्द, अर्थ आ प्रयोगक संग्रह

(D) प्राकृतोत्तर भाषा-रूप, जाहिसँ पूर्वी भाषासभ विकसित भेल

३३२. नीचाँ देल जोड़ीमे ‘लोक-मैथिली’ सम्बन्धी सही जोड़ी कोन अछि?

(A) लोक-मैथिली — बच्चाक आरम्भिक शिक्षा अपन भाषामे करबाक विचार

(B) लोक-मैथिली — मिथिलाक्षरक दोसर प्रचलित नाम

(C) लोक-मैथिली — स्वाभाविक, मुहावरादार आ स्थानीय अभिव्यक्ति

(D) लोक-मैथिली — गाम-घर, गीत, कथा आ व्यवहारमे जीवित भाषा

३३३. विदेह समानान्तर इतिहासक दृष्टिसँ ‘लोक-मैथिली’ पर ध्यान देबाक कारण की अछि?

(A) कारण ई पुरान आ नूतन भाषा-रूपक बीचक सेतु कैं मात्र दोहरबैत अछि।

(B) कारण ई गाम-घर, गीत, कथा आ व्यवहारमे जीवित भाषा कैं मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि।

(C) कारण ई भारतीय संविधानमे मैथिलीक मान्यता केर पड़ाव कैं मात्र दोहरबैत अछि।

(D) कारण ई बच्चाक आरम्भिक शिक्षा अपन भाषामे करबाक विचार कैं मात्र दोहरबैत अछि।

३३४. ‘लोक-मैथिली’ विषयमे कोन कथन सही अछि?

(A) ‘लोक-मैथिली’ कैं पुरान गद्य आ समाज-वर्णनक महत्त्वपूर्ण लेखक सँ जोड़ल जाइत अछि।

(B) ‘लोक-मैथिली’ कैं स्वाभाविक, मुहावरादार आ स्थानीय अभिव्यक्ति सँ जोड़ल जाइत अछि।

(C) ‘लोक-मैथिली’ कैं भारत आ नेपाल दुनूमे पसरल भाषिक संसार सँ जोड़ल जाइत अछि।

(D) ‘लोक-मैथिली’ कैं गाम-घर, गीत, कथा आ व्यवहारमे जीवित भाषा सँ जोड़ल जाइत अछि।

३३५. जँ विद्यार्थी ‘लोक-मैथिली’क नोट बनबैत अछि, तखन मुख्य निष्कर्ष कोन राखय?

(A) विद्यार्थी ‘लोक-मैथिली’ पढ़ैत समय भाषाक नियम आ रूपक व्यवस्थित प्रस्तुति कैं मुख्य तथ्य मानत।

(B) विद्यार्थी ‘लोक-मैथिली’ पढ़ैत समय मैथिलीकैं अधिकार, शिक्षा आ प्रशासनमे स्थान देबाक चेतना कैं मुख्य तथ्य मानत।

(C) विद्यार्थी ‘लोक-मैथिली’ पढ़ैत समय गाम-घर, गीत, कथा आ व्यवहारमे जीवित भाषा पर ध्यान देत।

(D) विद्यार्थी ‘लोक-मैथिली’ पढ़ैत समय मिथिलाक मातृभाषा आ साहित्यिक अभिव्यक्ति कैं मुख्य तथ्य मानत।

३३६. मिथिलाक इतिहासमे ‘साहित्यिक मैथिली’ कैं मुख्यतः कोन बातसँ जोड़ल जाइत अछि?

(A) प्राकृतोत्तर भाषा-रूप, जाहिसँ पूर्वी भाषासभ विकसित भेल

(B) मिथिलाक मातृभाषा आ साहित्यिक अभिव्यक्ति

(C) भारत आ नेपाल दुनूमे पसरल भाषिक संसार

(D) कविता, कथा, नाटक, निबन्ध आ आलोचनाक परिष्कृत रूप

३३७. नीचाँ देल जोड़ीमे 'साहित्यिक मैथिली' सम्बन्धी सही जोड़ी कोन अछि?

(A) साहित्यिक मैथिली — गाम-घर, गीत, कथा आ व्यवहारमे जीवित भाषा

(B) साहित्यिक मैथिली — कविता, कथा, नाटक, निबन्ध आ आलोचनाक परिष्कृत रूप

(C) साहित्यिक मैथिली — आधुनिक मैथिली प्रकाशनमे व्यापक प्रयुक्त लिपि

(D) साहित्यिक मैथिली — वेब, ई-पत्रिका, ध्वनि-चित्र आ सामाजिक माध्यममे मैथिली

३३८. विदेह समानान्तर इतिहासक दृष्टिसँ 'साहित्यिक मैथिली' पर ध्यान देबाक कारण की अछि?

(A) कारण ई पुरान गद्य आ समाज-वर्णनक महत्त्वपूर्ण लेखक केँ मात्र दोहरबैत अछि।

(B) कारण ई कविता, कथा, नाटक, निबन्ध आ आलोचनाक परिष्कृत रूप केँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि।

(C) कारण ई मैथिली साहित्यक राष्ट्रीय संस्थागत स्वीकृति केँ मात्र दोहरबैत अछि।

(D) कारण ई मिथिलाक मातृभाषा आ साहित्यिक अभिव्यक्ति केँ मात्र दोहरबैत अछि।

३३९. 'साहित्यिक मैथिली' विषयमे कोन कथन सही अछि?

(A) 'साहित्यिक मैथिली' केँ मैथिली साहित्यक राष्ट्रीय संस्थागत स्वीकृति सँ जोड़ल जाइत अछि।

(B) 'साहित्यिक मैथिली' केँ प्राकृतोत्तर भाषा-रूप, जाहिसँ पूर्वी भाषासभ विकसित भेल सँ जोड़ल जाइत अछि।

(C) 'साहित्यिक मैथिली' केँ कविता, कथा, नाटक, निबन्ध आ आलोचनाक परिष्कृत रूप सँ जोड़ल जाइत अछि।

(D) 'साहित्यिक मैथिली' केँ भारत आ नेपाल दुनूमे पसरल भाषिक संसार सँ जोड़ल जाइत अछि।

३४०. जँ विद्यार्थी 'साहित्यिक मैथिली'क नोट बनबैत अछि, तखन मुख्य निष्कर्ष कोन राखय?

(A) विद्यार्थी 'साहित्यिक मैथिली' पढ़ैत समय समाज-वर्णन आ गद्य-कौशलक ऐतिहासिक ग्रन्थ केँ मुख्य तथ्य मानत।

(B) विद्यार्थी 'साहित्यिक मैथिली' पढ़ैत समय कविता, कथा, नाटक, निबन्ध आ आलोचनाक परिष्कृत रूप पर ध्यान देत।

(C) विद्यार्थी 'साहित्यिक मैथिली' पढ़ैत समय मैथिली साहित्यक राष्ट्रीय संस्थागत स्वीकृति केँ मुख्य तथ्य मानत।

(D) विद्यार्थी 'साहित्यिक मैथिली' पढ़ैत समय मिथिलाक मातृभाषा आ साहित्यिक अभिव्यक्ति केँ मुख्य तथ्य मानत।

३४१. मिथिलाक इतिहासमे 'विद्यापति भाषा' केँ मुख्यतः कोन बातसँ जोड़ल जाइत अछि?

(A) गाम-घर, गीत, कथा आ व्यवहारमे जीवित भाषा

(B) मैथिली साहित्यक राष्ट्रीय संस्थागत स्वीकृति

(C) मैथिलीकेँ काव्य-भाषा रूपेँ प्रतिष्ठा देनिहार धारा

(D) बच्चाक आरम्भिक शिक्षा अपन भाषामे करबाक विचार

३४२. नीचाँ देल जोड़ीमे 'विद्यापति भाषा' सम्बन्धी सही जोड़ी कोन अछि?

(A) विद्यापति भाषा — मैथिलीकेँ काव्य-भाषा रूपेँ प्रतिष्ठा देनिहार धारा

(B) विद्यापति भाषा — भारत आ नेपाल दुनूमे पसरल भाषिक संसार

(C) विद्यापति भाषा — मैथिली लेखनक पारम्परिक लिपि

(D) विद्यापति भाषा — वेब, ई-पत्रिका, ध्वनि-चित्र आ सामाजिक माध्यममे मैथिली

३४३. विदेह समानान्तर इतिहासक दृष्टिसँ 'विद्यापति भाषा' पर ध्यान देबाक कारण की अछि?

(A) कारण ई पुरान आ नूतन भाषा-रूपक बीचक सेतु केँ मात्र दोहरबैत अछि।

(B) कारण ई मैथिलीकेँ काव्य-भाषा रूपेँ प्रतिष्ठा देनिहार धारा केँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि।

(C) कारण ई बच्चाक आरम्भिक शिक्षा अपन भाषामे करबाक विचार केँ मात्र दोहरबैत अछि।

(D) कारण ई शब्द, अर्थ आ प्रयोगक संग्रह केँ मात्र दोहरबैत अछि।

३४४. 'विद्यापति भाषा' विषयमे कोन कथन सही अछि?

(A) 'विद्यापति भाषा' केँ गाम-घर, गीत, कथा आ व्यवहारमे जीवित भाषा सँ जोड़ल जाइत अछि।

(B) 'विद्यापति भाषा' केँ प्राकृतोत्तर भाषा-रूप, जाहिसँ पूर्वी भाषासभ विकसित भेल सँ जोड़ल जाइत अछि।

(C) 'विद्यापति भाषा' केँ मैथिलीकेँ काव्य-भाषा रूपेँ प्रतिष्ठा देनिहार धारा सँ जोड़ल जाइत अछि।

(D) 'विद्यापति भाषा' केँ भारतीय संविधानमे मैथिलीक मान्यता केर पड़ाव सँ जोड़ल जाइत अछि।

३४५. जँ विद्यार्थी 'विद्यापति भाषा'क नोट बनबैत अछि, तखन मुख्य निष्कर्ष कोन राखय?

(A) विद्यार्थी 'विद्यापति भाषा' पढ़ैत समय पुरान आ नूतन भाषा-रूपक बीचक सेतु कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(B) विद्यार्थी 'विद्यापति भाषा' पढ़ैत समय मैथिलीकैँ काव्य-भाषा रूपेँ प्रतिष्ठा देनिहार धारा पर ध्यान देत।

(C) विद्यार्थी 'विद्यापति भाषा' पढ़ैत समय आधुनिक मैथिली प्रकाशनमे व्यापक प्रयुक्त लिपि कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(D) विद्यार्थी 'विद्यापति भाषा' पढ़ैत समय मिथिलाक मातृभाषा आ साहित्यिक अभिव्यक्ति कैँ मुख्य तथ्य मानत।

३४६. मिथिलाक इतिहासमे 'ज्योतिरीश्वर' कैँ मुख्यतः कोन बातसँ जोड़ल जाइत अछि?

(A) मैथिलीकैँ अधिकार, शिक्षा आ प्रशासनमे स्थान देबाक चेतना

(B) भारतीय संविधानमे मैथिलीक मान्यता केर पड़ाव

(C) पुरान गद्य आ समाज-वर्णनक महत्त्वपूर्ण लेखक

(D) भाषाक नियम आ रूपक व्यवस्थित प्रस्तुति

३४७. नीचाँ देल जोड़ीमे 'ज्योतिरीश्वर' सम्बन्धी सही जोड़ी कोन अछि?

(A) ज्योतिरीश्वर — पुरान गद्य आ समाज-वर्णनक महत्त्वपूर्ण लेखक

(B) ज्योतिरीश्वर — भाषाक नियम आ रूपक व्यवस्थित प्रस्तुति

(C) ज्योतिरीश्वर — कविता, कथा, नाटक, निबन्ध आ आलोचनाक परिष्कृत रूप

(D) ज्योतिरीश्वर — मैथिलीकैँ काव्य-भाषा रूपेँ प्रतिष्ठा देनिहार धारा

३४८. विदेह समानान्तर इतिहासक दृष्टिसँ 'ज्योतिरीश्वर' पर ध्यान देबाक कारण की अछि?

(A) कारण ई पुरान गद्य आ समाज-वर्णनक महत्त्वपूर्ण लेखक कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि।

(B) कारण ई गाम-घर, गीत, कथा आ व्यवहारमे जीवित भाषा कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(C) कारण ई समाज-वर्णन आ गद्य-कौशलक ऐतिहासिक ग्रन्थ कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(D) कारण ई भाषाक नियम आ रूपक व्यवस्थित प्रस्तुति कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

३४९. 'ज्योतिरीश्वर' विषयमे कोन कथन सही अछि?

(A) 'ज्योतिरीश्वर' कैँ पुरान गद्य आ समाज-वर्णनक महत्त्वपूर्ण लेखक सँ जोड़ल जाइत अछि।

(B) 'ज्योतिरीश्वर' कैँ प्राकृतोत्तर भाषा-रूप, जाहिसँ पूर्वी भाषासभ विकसित भेल सँ जोड़ल जाइत अछि।

(C) 'ज्योतिरीश्वर' कैँ मैथिली साहित्यक राष्ट्रीय संस्थागत स्वीकृति सँ जोड़ल जाइत अछि।

(D) 'ज्योतिरीश्वर' कैँ पुरान आ नूतन भाषा-रूपक बीचक सेतु सँ जोड़ल जाइत अछि।

३५०. जँ विद्यार्थी 'ज्योतिरीश्वर'क नोट बनबैत अछि, तखन मुख्य निष्कर्ष कोन राखय?

(A) विद्यार्थी 'ज्योतिरीश्वर' पढ़ैत समय पुरान गद्य आ समाज-वर्णनक महत्त्वपूर्ण लेखक पर ध्यान देत।

(B) विद्यार्थी 'ज्योतिरीश्वर' पढ़ैत समय स्वाभाविक, मुहावरादार आ स्थानीय अभिव्यक्ति कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(C) विद्यार्थी 'ज्योतिरीश्वर' पढ़ैत समय मिथिलाक मातृभाषा आ साहित्यिक अभिव्यक्ति कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(D) विद्यार्थी 'ज्योतिरीश्वर' पढ़ैत समय मैथिलीकैँ अधिकार, शिक्षा आ प्रशासनमे स्थान देबाक चेतना कैँ मुख्य तथ्य मानत।

३५१. मिथिलाक इतिहासमे 'वर्णरत्नाकर' कैँ मुख्यतः कोन बातसँ जोड़ल जाइत अछि?

(A) प्राकृतोत्तर भाषा-रूप, जाहिसँ पूर्वी भाषासभ विकसित भेल

(B) समाज-वर्णन आ गद्य-कौशलक ऐतिहासिक ग्रन्थ

(C) स्वाभाविक, मुहावरादार आ स्थानीय अभिव्यक्ति

(D) पुरान गद्य आ समाज-वर्णनक महत्त्वपूर्ण लेखक

३५२. नीचाँ देल जोड़ीमे 'वर्णरत्नाकर' सम्बन्धी सही जोड़ी कोन अछि?

(A) वर्णरत्नाकर — पुरान आ नूतन भाषा-रूपक बीचक सेतु

(B) वर्णरत्नाकर — वेब, ई-पत्रिका, ध्वनि-चित्र आ सामाजिक माध्यममे मैथिली

(C) वर्णरत्नाकर — मैथिलीकैँ अधिकार, शिक्षा आ प्रशासनमे स्थान देबाक चेतना

(D) वर्णरत्नाकर — समाज-वर्णन आ गद्य-कौशलक ऐतिहासिक ग्रन्थ

३५३. विदेह समानान्तर इतिहासक दृष्टिसँ 'वर्णरत्नाकर' पर ध्यान देबाक कारण की अछि?

(A) कारण ई मिथिलाक्षरक दोसर प्रचलित नाम कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(B) कारण ई प्राकृतोत्तर भाषा-रूप, जाहिसँ पूर्वी भाषासभ विकसित भेल कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(C) कारण ई समाज-वर्णन आ गद्य-कौशलक ऐतिहासिक ग्रन्थ कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि।

(D) कारण ई स्वाभाविक, मुहावरादार आ स्थानीय अभिव्यक्ति कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

३५४. 'वर्णरत्नाकर' विषयमे कोन कथन सही अछि?

(A) 'वर्णरत्नाकर' कैँ समाज-वर्णन आ गद्य-कौशलक ऐतिहासिक ग्रन्थ सँ जोड़ल जाइत अछि।

(B) 'वर्णरत्नाकर' कैँ गाम-घर, गीत, कथा आ व्यवहारमे जीवित भाषा सँ जोड़ल जाइत अछि।

(C) 'वर्णरत्नाकर' कैँ वेब, ई-पत्रिका, ध्वनि-चित्र आ सामाजिक माध्यममे मैथिली सँ जोड़ल जाइत अछि।

(D) 'वर्णरत्नाकर' कैँ मैथिलीकेँ काव्य-भाषा रूपेँ प्रतिष्ठा देनिहार धारा सँ जोड़ल जाइत अछि।

३५५. जँ विद्यार्थी 'वर्णरत्नाकर'क नोट बनबैत अछि, तखन मुख्य निष्कर्ष कोन राखय?

(A) विद्यार्थी 'वर्णरत्नाकर' पढ़ैत समय प्राकृतोत्तर भाषा-रूप, जाहिसँ पूर्वी भाषासभ विकसित भेल कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(B) विद्यार्थी 'वर्णरत्नाकर' पढ़ैत समय स्वाभाविक, मुहावरादार आ स्थानीय अभिव्यक्ति कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(C) विद्यार्थी 'वर्णरत्नाकर' पढ़ैत समय समाज-वर्णन आ गद्य-कौशलक ऐतिहासिक ग्रन्थ पर ध्यान देत।

(D) विद्यार्थी 'वर्णरत्नाकर' पढ़ैत समय भाषाक नियम आ रूपक व्यवस्थित प्रस्तुति कैँ मुख्य तथ्य मानत।

३५६. मिथिलाक इतिहासमे 'भाषा-सम्मान' कैँ मुख्यतः कोन बातसँ जोड़ल जाइत अछि?

(A) मैथिलीकेँ अधिकार, शिक्षा आ प्रशासनमे स्थान देबाक चेतना

(B) मैथिलीकेँ काव्य-भाषा रूपेँ प्रतिष्ठा देनिहार धारा

(C) भारत आ नेपाल दुनूमे पसरल भाषिक संसार

(D) स्वाभाविक, मुहावरादार आ स्थानीय अभिव्यक्ति

३५७. नीचाँ देल जोड़ीमे 'भाषा-सम्मान' सम्बन्धी सही जोड़ी कोन अछि?

(A) भाषा-सम्मान — पुरान आ नूतन भाषा-रूपक बीचक सेतु

(B) भाषा-सम्मान — मैथिलीकेँ अधिकार, शिक्षा आ प्रशासनमे स्थान देबाक चेतना

(C) भाषा-सम्मान — स्वाभाविक, मुहावरादार आ स्थानीय अभिव्यक्ति

(D) भाषा-सम्मान — प्राकृतोत्तर भाषा-रूप, जाहिसँ पूर्वी भाषासभ विकसित भेल

३५८. विदेह समानान्तर इतिहासक दृष्टिसँ 'भाषा-सम्मान' पर ध्यान देबाक कारण की अछि?

(A) कारण ई बच्चाक आरम्भिक शिक्षा अपन भाषामे करबाक विचार कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(B) कारण ई मैथिलीकेँ अधिकार, शिक्षा आ प्रशासनमे स्थान देबाक चेतना कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि।

(C) कारण ई मैथिली साहित्यक राष्ट्रीय संस्थागत स्वीकृति कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(D) कारण ई प्राकृतोत्तर भाषा-रूप, जाहिसँ पूर्वी भाषासभ विकसित भेल कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

३५९. 'भाषा-सम्मान' विषयमे कोन कथन सही अछि?

(A) 'भाषा-सम्मान' कैँ मैथिलीकेँ अधिकार, शिक्षा आ प्रशासनमे स्थान देबाक चेतना सँ जोड़ल जाइत अछि।

(B) 'भाषा-सम्मान' कैँ मिथिलाक्षरक दोसर प्रचलित नाम सँ जोड़ल जाइत अछि।

(C) 'भाषा-सम्मान' कैँ स्वाभाविक, मुहावरादार आ स्थानीय अभिव्यक्ति सँ जोड़ल जाइत अछि।

(D) 'भाषा-सम्मान' कैँ मैथिली लेखनक पारम्परिक लिपि सँ जोड़ल जाइत अछि।

३६०. जँ विद्यार्थी 'भाषा-सम्मान'क नोट बनबैत अछि, तखन मुख्य निष्कर्ष कोन राखय?

(A) विद्यार्थी 'भाषा-सम्मान' पढ़ैत समय मिथिलाक्षरक दोसर प्रचलित नाम कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(B) विद्यार्थी 'भाषा-सम्मान' पढ़ैत समय भारतीय संविधानमे मैथिलीक मान्यता केर पड़ाव कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(C) विद्यार्थी 'भाषा-सम्मान' पढ़ैत समय मैथिली साहित्यक राष्ट्रीय संस्थागत स्वीकृति कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(D) विद्यार्थी 'भाषा-सम्मान' पढ़ैत समय मैथिलीकेँ अधिकार, शिक्षा आ प्रशासनमे स्थान देबाक चेतना पर ध्यान देत।

३६१. मिथिलाक इतिहासमे ‘अष्टम अनुसूची’ कैँ मुख्यतः कोन बातसँ जोड़ल जाइत अछि?

(A) प्राकृतोत्तर भाषा-रूप, जाहिसँ पूर्वी भाषासभ विकसित भेल

(B) भारतीय संविधानमे मैथिलीक मान्यता केर पड़ाव

(C) मैथिलीकेँ काव्य-भाषा रूपेँ प्रतिष्ठा देनिहार धारा

(D) मिथिलाक मातृभाषा आ साहित्यिक अभिव्यक्ति

३६२. नीचाँ देल जोड़ीमे ‘अष्टम अनुसूची’ सम्बन्धी सही जोड़ी कोन अछि?

(A) अष्टम अनुसूची — भारत आ नेपाल दुनूमे पसरल भाषिक संसार

(B) अष्टम अनुसूची — भारतीय संविधानमे मैथिलीक मान्यता केर पड़ाव

(C) अष्टम अनुसूची — मैथिलीकेँ अधिकार, शिक्षा आ प्रशासनमे स्थान देबाक चेतना

(D) अष्टम अनुसूची — स्वाभाविक, मुहावरादार आ स्थानीय अभिव्यक्ति

३६३. विदेह समानान्तर इतिहासक दृष्टिसँ ‘अष्टम अनुसूची’ पर ध्यान देबाक कारण की अछि?

(A) कारण ई वेब, ई-पत्रिका, ध्वनि-चित्र आ सामाजिक माध्यममे मैथिली कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(B) कारण ई मैथिलीकेँ अधिकार, शिक्षा आ प्रशासनमे स्थान देबाक चेतना कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(C) कारण ई प्राकृतोत्तर भाषा-रूप, जाहिसँ पूर्वी भाषासभ विकसित भेल कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(D) कारण ई भारतीय संविधानमे मैथिलीक मान्यता केर पड़ाव कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि।

३६४. ‘अष्टम अनुसूची’ विषयमे कोन कथन सही अछि?

(A) ‘अष्टम अनुसूची’ कैँ कविता, कथा, नाटक, निबन्ध आ आलोचनाक परिष्कृत रूप सँ जोड़ल जाइत अछि।

(B) ‘अष्टम अनुसूची’ कैँ मिथिलाक्षरक दोसर प्रचलित नाम सँ जोड़ल जाइत अछि।

(C) ‘अष्टम अनुसूची’ कैँ भारतीय संविधानमे मैथिलीक मान्यता केर पड़ाव सँ जोड़ल जाइत अछि।

(D) ‘अष्टम अनुसूची’ कैँ मैथिलीकेँ अधिकार, शिक्षा आ प्रशासनमे स्थान देबाक चेतना सँ जोड़ल जाइत अछि।

३६५. जँ विद्यार्थी ‘अष्टम अनुसूची’क नोट बनबैत अछि, तखन मुख्य निष्कर्ष कोन राखय?

(A) विद्यार्थी ‘अष्टम अनुसूची’ पढ़ैत समय वेब, ई-पत्रिका, ध्वनि-चित्र आ सामाजिक माध्यममे मैथिली कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(B) विद्यार्थी ‘अष्टम अनुसूची’ पढ़ैत समय भारतीय संविधानमे मैथिलीक मान्यता केर पड़ाव पर ध्यान देत।

(C) विद्यार्थी ‘अष्टम अनुसूची’ पढ़ैत समय समाज-वर्णन आ गद्य-कौशलक ऐतिहासिक ग्रन्थ कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(D) विद्यार्थी ‘अष्टम अनुसूची’ पढ़ैत समय कविता, कथा, नाटक, निबन्ध आ आलोचनाक परिष्कृत रूप कैँ मुख्य तथ्य मानत।

३६६. मिथिलाक इतिहासमे ‘साहित्य अकादेमी मान्यता’ कैँ मुख्यतः कोन बातसँ जोड़ल जाइत अछि?

(A) मैथिली साहित्यक राष्ट्रीय संस्थागत स्वीकृति

(B) पुरान गद्य आ समाज-वर्णनक महत्त्वपूर्ण लेखक

(C) मैथिलीकेँ काव्य-भाषा रूपेँ प्रतिष्ठा देनिहार धारा

(D) समाज-वर्णन आ गद्य-कौशलक ऐतिहासिक ग्रन्थ

३६७. नीचाँ देल जोड़ीमे ‘साहित्य अकादेमी मान्यता’ सम्बन्धी सही जोड़ी कोन अछि?

(A) साहित्य अकादेमी मान्यता — बच्चाक आरम्भिक शिक्षा अपन भाषामे करबाक विचार

(B) साहित्य अकादेमी मान्यता — समाज-वर्णन आ गद्य-कौशलक ऐतिहासिक ग्रन्थ

(C) साहित्य अकादेमी मान्यता — कविता, कथा, नाटक, निबन्ध आ आलोचनाक परिष्कृत रूप

(D) साहित्य अकादेमी मान्यता — मैथिली साहित्यक राष्ट्रीय संस्थागत स्वीकृति

३६८. विदेह समानान्तर इतिहासक दृष्टिसँ ‘साहित्य अकादेमी मान्यता’ पर ध्यान देबाक कारण की अछि?

(A) कारण ई वेब, ई-पत्रिका, ध्वनि-चित्र आ सामाजिक माध्यममे मैथिली कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(B) कारण ई मैथिली लेखनक पारम्परिक लिपि कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(C) कारण ई मैथिली साहित्यक राष्ट्रीय संस्थागत स्वीकृति कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि।

(D) कारण ई मिथिलाक मातृभाषा आ साहित्यिक अभिव्यक्ति कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

३६९. ‘साहित्य अकादेमी मान्यता’ विषयमे कोन कथन सही अछि?

(A) ‘साहित्य अकादेमी मान्यता’ कैँ कविता, कथा, नाटक, निबन्ध आ आलोचनाक परिष्कृत रूप सँ जोड़ल जाइत अछि।

(B) ‘साहित्य अकादेमी मान्यता’ कैँ प्राकृतोत्तर भाषा-रूप, जाहिसँ पूर्वी भाषासभ विकसित भेल सँ जोड़ल जाइत अछि।

(C) ‘साहित्य अकादेमी मान्यता’ कैँ मैथिली साहित्यक राष्ट्रीय संस्थागत स्वीकृति सँ जोड़ल जाइत अछि।

(D) ‘साहित्य अकादेमी मान्यता’ कैँ स्वाभाविक, मुहावरादार आ स्थानीय अभिव्यक्ति सँ जोड़ल जाइत अछि।

३७०. जँ विद्यार्थी ‘साहित्य अकादेमी मान्यता’क नोट बनबैत अछि, तखन मुख्य निष्कर्ष कोन राखय?

(A) विद्यार्थी ‘साहित्य अकादेमी मान्यता’ पढ़ैत समय मैथिली साहित्यक राष्ट्रीय संस्थागत स्वीकृति पर ध्यान देत।

(B) विद्यार्थी ‘साहित्य अकादेमी मान्यता’ पढ़ैत समय आधुनिक मैथिली प्रकाशनमे व्यापक प्रयुक्त लिपि कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(C) विद्यार्थी ‘साहित्य अकादेमी मान्यता’ पढ़ैत समय भारत आ नेपाल दुनूमे पसरल भाषिक संसार कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(D) विद्यार्थी ‘साहित्य अकादेमी मान्यता’ पढ़ैत समय गाम-घर, गीत, कथा आ व्यवहारमे जीवित भाषा कैँ मुख्य तथ्य मानत।

३७१. मिथिलाक इतिहासमे ‘मातृभाषा शिक्षा’ कैँ मुख्यतः कोन बातसँ जोड़ल जाइत अछि?

(A) भाषाक नियम आ रूपक व्यवस्थित प्रस्तुति

(B) बच्चाक आरम्भिक शिक्षा अपन भाषामे करबाक विचार

(C) प्राकृतोत्तर भाषा-रूप, जाहिसँ पूर्वी भाषासभ विकसित भेल

(D) भारत आ नेपाल दुनूमे पसरल भाषिक संसार

३७२. नीचाँ देल जोड़ीमे ‘मातृभाषा शिक्षा’ सम्बन्धी सही जोड़ी कोन अछि?

(A) मातृभाषा शिक्षा — भारतीय संविधानमे मैथिलीक मान्यता केर पड़ाव

(B) मातृभाषा शिक्षा — पुरान गद्य आ समाज-वर्णनक महत्त्वपूर्ण लेखक

(C) मातृभाषा शिक्षा — मैथिलीकेँ अधिकार, शिक्षा आ प्रशासनमे स्थान देबाक चेतना

(D) मातृभाषा शिक्षा — बच्चाक आरम्भिक शिक्षा अपन भाषामे करबाक विचार

३७३. विदेह समानान्तर इतिहासक दृष्टिसँ ‘मातृभाषा शिक्षा’ पर ध्यान देबाक कारण की अछि?

(A) कारण ई बच्चाक आरम्भिक शिक्षा अपन भाषामे करबाक विचार कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि।

(B) कारण ई पुरान आ नूतन भाषा-रूपक बीचक सेतु कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(C) कारण ई मैथिली लेखनक पारम्परिक लिपि कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(D) कारण ई भारत आ नेपाल दुनूमे पसरल भाषिक संसार कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

३७४. ‘मातृभाषा शिक्षा’ विषयमे कोन कथन सही अछि?

(A) ‘मातृभाषा शिक्षा’ कैँ बच्चाक आरम्भिक शिक्षा अपन भाषामे करबाक विचार सँ जोड़ल जाइत अछि।

(B) ‘मातृभाषा शिक्षा’ कैँ आधुनिक मैथिली प्रकाशनमे व्यापक प्रयुक्त लिपि सँ जोड़ल जाइत अछि।

(C) ‘मातृभाषा शिक्षा’ कैँ पुरान आ नूतन भाषा-रूपक बीचक सेतु सँ जोड़ल जाइत अछि।

(D) ‘मातृभाषा शिक्षा’ कैँ मैथिली लेखनक पारम्परिक लिपि सँ जोड़ल जाइत अछि।

३७५. जँ विद्यार्थी ‘मातृभाषा शिक्षा’क नोट बनबैत अछि, तखन मुख्य निष्कर्ष कोन राखय?

(A) विद्यार्थी ‘मातृभाषा शिक्षा’ पढ़ैत समय आधुनिक मैथिली प्रकाशनमे व्यापक प्रयुक्त लिपि कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(B) विद्यार्थी ‘मातृभाषा शिक्षा’ पढ़ैत समय शब्द, अर्थ आ प्रयोगक संग्रह कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(C) विद्यार्थी ‘मातृभाषा शिक्षा’ पढ़ैत समय बच्चाक आरम्भिक शिक्षा अपन भाषामे करबाक विचार पर ध्यान देत।

(D) विद्यार्थी ‘मातृभाषा शिक्षा’ पढ़ैत समय मैथिली लेखनक पारम्परिक लिपि कैँ मुख्य तथ्य मानत।

३७६. मिथिलाक इतिहासमे ‘सीमापार मैथिली’ कैँ मुख्यतः कोन बातसँ जोड़ल जाइत अछि?

(A) मैथिलीकेँ काव्य-भाषा रूपेँ प्रतिष्ठा देनिहार धारा

(B) भारत आ नेपाल दुनूमे पसरल भाषिक संसार

(C) वेब, ई-पत्रिका, ध्वनि-चित्र आ सामाजिक माध्यममे मैथिली

(D) मैथिलीकेँ अधिकार, शिक्षा आ प्रशासनमे स्थान देबाक चेतना

३७७. नीचाँ देल जोड़ीमे 'सीमापार मैथिली' सम्बन्धी सही जोड़ी कोन अछि?

(A) सीमापार मैथिली — भाषाक नियम आ रूपक व्यवस्थित प्रस्तुति

(B) सीमापार मैथिली — स्वाभाविक, मुहावरादार आ स्थानीय अभिव्यक्ति

(C) सीमापार मैथिली — शब्द, अर्थ आ प्रयोगक संग्रह

(D) सीमापार मैथिली — भारत आ नेपाल दुनूमे पसरल भाषिक संसार

३७८. विदेह समानान्तर इतिहासक दृष्टिसँ 'सीमापार मैथिली' पर ध्यान देबाक कारण की अछि?

(A) कारण ई पुरान गद्य आ समाज-वर्णनक महत्त्वपूर्ण लेखक कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(B) कारण ई भारत आ नेपाल दुनूमे पसरल भाषिक संसार कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि।

(C) कारण ई भाषाक नियम आ रूपक व्यवस्थित प्रस्तुति कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(D) कारण ई प्राकृतोत्तर भाषा-रूप, जाहिसँ पूर्वी भाषासभ विकसित भेल कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

३७९. 'सीमापार मैथिली' विषयमे कोन कथन सही अछि?

(A) 'सीमापार मैथिली' कैँ समाज-वर्णन आ गद्य-कौशलक ऐतिहासिक ग्रन्थ सँ जोड़ल जाइत अछि।

(B) 'सीमापार मैथिली' कैँ भारत आ नेपाल दुनूमे पसरल भाषिक संसार सँ जोड़ल जाइत अछि।

(C) 'सीमापार मैथिली' कैँ गाम-घर, गीत, कथा आ व्यवहारमे जीवित भाषा सँ जोड़ल जाइत अछि।

(D) 'सीमापार मैथिली' कैँ मैथिलीकैँ अधिकार, शिक्षा आ प्रशासनमे स्थान देबाक चेतना सँ जोड़ल जाइत अछि।

३८०. जँ विद्यार्थी 'सीमापार मैथिली'क नोट बनबैत अछि, तखन मुख्य निष्कर्ष कोन राखय?

(A) विद्यार्थी 'सीमापार मैथिली' पढ़ैत समय बच्चाक आरम्भिक शिक्षा अपन भाषामे करबाक विचार कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(B) विद्यार्थी 'सीमापार मैथिली' पढ़ैत समय पुरान गद्य आ समाज-वर्णनक महत्त्वपूर्ण लेखक कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(C) विद्यार्थी 'सीमापार मैथिली' पढ़ैत समय आधुनिक मैथिली प्रकाशनमे व्यापक प्रयुक्त लिपि कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(D) विद्यार्थी 'सीमापार मैथिली' पढ़ैत समय भारत आ नेपाल दुनूमे पसरल भाषिक संसार पर ध्यान देत।

३८१. मिथिलाक इतिहासमे 'शब्दकोश' कैँ मुख्यतः कोन बातसँ जोड़ल जाइत अछि?

(A) शब्द, अर्थ आ प्रयोगक संग्रह

(B) स्वाभाविक, मुहावरादार आ स्थानीय अभिव्यक्ति

(C) मैथिलीकैँ काव्य-भाषा रूपेँ प्रतिष्ठा देनिहार धारा

(D) भाषाक नियम आ रूपक व्यवस्थित प्रस्तुति

३८२. नीचाँ देल जोड़ीमे 'शब्दकोश' सम्बन्धी सही जोड़ी कोन अछि?

(A) शब्दकोश — शब्द, अर्थ आ प्रयोगक संग्रह

(B) शब्दकोश — भाषाक नियम आ रूपक व्यवस्थित प्रस्तुति

(C) शब्दकोश — मैथिली साहित्यक राष्ट्रीय संस्थागत स्वीकृति

(D) शब्दकोश — गाम-घर, गीत, कथा आ व्यवहारमे जीवित भाषा

३८३. विदेह समानान्तर इतिहासक दृष्टिसँ 'शब्दकोश' पर ध्यान देबाक कारण की अछि?

(A) कारण ई गाम-घर, गीत, कथा आ व्यवहारमे जीवित भाषा कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(B) कारण ई मिथिलाक्षरक दोसर प्रचलित नाम कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(C) कारण ई मैथिली लेखनक पारम्परिक लिपि कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(D) कारण ई शब्द, अर्थ आ प्रयोगक संग्रह कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि।

३८४. 'शब्दकोश' विषयमे कोन कथन सही अछि?

(A) 'शब्दकोश' कैँ मिथिलाक्षरक दोसर प्रचलित नाम सँ जोड़ल जाइत अछि।

(B) 'शब्दकोश' कैँ गाम-घर, गीत, कथा आ व्यवहारमे जीवित भाषा सँ जोड़ल जाइत अछि।

(C) 'शब्दकोश' कैँ प्राकृतोत्तर भाषा-रूप, जाहिसँ पूर्वी भाषासभ विकसित भेल सँ जोड़ल जाइत अछि।

(D) 'शब्दकोश' कैँ शब्द, अर्थ आ प्रयोगक संग्रह सँ जोड़ल जाइत अछि।

३८५. जँ विद्यार्थी 'शब्दकोश'क नोट बनबैत अछि, तखन मुख्य निष्कर्ष कोन राखय?

(A) विद्यार्थी 'शब्दकोश' पढ़ैत समय भारत आ नेपाल दुनूमे पसरल भाषिक संसार कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(B) विद्यार्थी 'शब्दकोश' पढ़ैत समय मैथिली लेखनक पारम्परिक लिपि कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(C) विद्यार्थी 'शब्दकोश' पढ़ैत समय शब्द, अर्थ आ प्रयोगक संग्रह पर ध्यान देत।

(D) विद्यार्थी 'शब्दकोश' पढ़ैत समय मैथिली साहित्यक राष्ट्रीय संस्थागत स्वीकृति कैँ मुख्य तथ्य मानत।

३८६. मिथिलाक इतिहासमे 'व्याकरण' कैँ मुख्यतः कोन बातसँ जोड़ल जाइत अछि?

(A) कविता, कथा, नाटक, निबन्ध आ आलोचनाक परिष्कृत रूप

(B) मैथिलीकेँ काव्य-भाषा रूपेँ प्रतिष्ठा देनिहार धारा

(C) प्राकृतोत्तर भाषा-रूप, जाहिसँ पूर्वी भाषासभ विकसित भेल

(D) भाषाक नियम आ रूपक व्यवस्थित प्रस्तुति

३८७. नीचाँ देल जोड़ीमे 'व्याकरण' सम्बन्धी सही जोड़ी कोन अछि?

(A) व्याकरण — समाज-वर्णन आ गद्य-कौशलक ऐतिहासिक ग्रन्थ

(B) व्याकरण — स्वाभाविक, मुहावरादार आ स्थानीय अभिव्यक्ति

(C) व्याकरण — भाषाक नियम आ रूपक व्यवस्थित प्रस्तुति

(D) व्याकरण — बच्चाक आरम्भिक शिक्षा अपन भाषामे करबाक विचार

३८८. विदेह समानान्तर इतिहासक दृष्टिसँ 'व्याकरण' पर ध्यान देबाक कारण की अछि?

(A) कारण ई पुरान आ नूतन भाषा-रूपक बीचक सेतु कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(B) कारण ई भाषाक नियम आ रूपक व्यवस्थित प्रस्तुति कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि।

(C) कारण ई शब्द, अर्थ आ प्रयोगक संग्रह कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(D) कारण ई आधुनिक मैथिली प्रकाशनमे व्यापक प्रयुक्त लिपि कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

३८९. 'व्याकरण' विषयमे कोन कथन सही अछि?

(A) 'व्याकरण' कैँ आधुनिक मैथिली प्रकाशनमे व्यापक प्रयुक्त लिपि सँ जोड़ल जाइत अछि।

(B) 'व्याकरण' कैँ भाषाक नियम आ रूपक व्यवस्थित प्रस्तुति सँ जोड़ल जाइत अछि।

(C) 'व्याकरण' कैँ पुरान गद्य आ समाज-वर्णनक महत्त्वपूर्ण लेखक सँ जोड़ल जाइत अछि।

(D) 'व्याकरण' कैँ मिथिलाक्षरक दोसर प्रचलित नाम सँ जोड़ल जाइत अछि।

३९०. जँ विद्यार्थी 'व्याकरण'क नोट बनबैत अछि, तखन मुख्य निष्कर्ष कोन राखय?

(A) विद्यार्थी 'व्याकरण' पढ़ैत समय शब्द, अर्थ आ प्रयोगक संग्रह कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(B) विद्यार्थी 'व्याकरण' पढ़ैत समय भाषाक नियम आ रूपक व्यवस्थित प्रस्तुति पर ध्यान देत।

(C) विद्यार्थी 'व्याकरण' पढ़ैत समय भारत आ नेपाल दुनूमे पसरल भाषिक संसार कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(D) विद्यार्थी 'व्याकरण' पढ़ैत समय बच्चाक आरम्भिक शिक्षा अपन भाषामे करबाक विचार कैँ मुख्य तथ्य मानत।

३९१. मिथिलाक इतिहासमे 'डिजिटल मैथिली' कैँ मुख्यतः कोन बातसँ जोड़ल जाइत अछि?

(A) भारतीय संविधानमे मैथिलीक मान्यता केर पड़ाव

(B) वेब, ई-पत्रिका, ध्वनि-चित्र आ सामाजिक माध्यममे मैथिली

(C) गाम-घर, गीत, कथा आ व्यवहारमे जीवित भाषा

(D) पुरान गद्य आ समाज-वर्णनक महत्त्वपूर्ण लेखक

३९२. नीचाँ देल जोड़ीमे 'डिजिटल मैथिली' सम्बन्धी सही जोड़ी कोन अछि?

(A) डिजिटल मैथिली — वेब, ई-पत्रिका, ध्वनि-चित्र आ सामाजिक माध्यममे मैथिली

(B) डिजिटल मैथिली — भाषाक नियम आ रूपक व्यवस्थित प्रस्तुति

(C) डिजिटल मैथिली — प्राकृतोत्तर भाषा-रूप, जाहिसँ पूर्वी भाषासभ विकसित भेल

(D) डिजिटल मैथिली — बच्चाक आरम्भिक शिक्षा अपन भाषामे करबाक विचार

३९३. विदेह समानान्तर इतिहासक दृष्टिसँ 'डिजिटल मैथिली' पर ध्यान देबाक कारण की अछि?

(A) कारण ई मैथिली लेखनक पारम्परिक लिपि कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(B) कारण ई वेब, ई-पत्रिका, ध्वनि-चित्र आ सामाजिक माध्यममे मैथिली कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि।

(C) कारण ई स्वाभाविक, मुहावरादार आ स्थानीय अभिव्यक्ति कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(D) कारण ई पुरान गद्य आ समाज-वर्णनक महत्त्वपूर्ण लेखक कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

३९४. 'डिजिटल मैथिली' विषयमे कोन कथन सही अछि?

(A) 'डिजिटल मैथिली' कैँ आधुनिक मैथिली प्रकाशनमे व्यापक प्रयुक्त लिपि सँ जोड़ल जाइत अछि।

(B) 'डिजिटल मैथिली' कैँ स्वाभाविक, मुहावरादार आ स्थानीय अभिव्यक्ति सँ जोड़ल जाइत अछि।

(C) 'डिजिटल मैथिली' कैँ वेब, ई-पत्रिका, ध्वनि-चित्र आ सामाजिक माध्यममे मैथिली सँ जोड़ल जाइत अछि।

(D) 'डिजिटल मैथिली' कैँ कविता, कथा, नाटक, निबन्ध आ आलोचनाक परिष्कृत रूप सँ जोड़ल जाइत अछि।

३९५. जँ विद्यार्थी 'डिजिटल मैथिली'क नोट बनबैत अछि, तखन मुख्य निष्कर्ष कोन राखय?

(A) विद्यार्थी 'डिजिटल मैथिली' पढ़ैत समय मैथिलीकैँ अधिकार, शिक्षा आ प्रशासनमे स्थान देबाक चेतना कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(B) विद्यार्थी 'डिजिटल मैथिली' पढ़ैत समय समाज-वर्णन आ गद्य-कौशलक ऐतिहासिक ग्रन्थ कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(C) विद्यार्थी 'डिजिटल मैथिली' पढ़ैत समय मैथिलीकैँ काव्य-भाषा रूपेँ प्रतिष्ठा देनिहार धारा कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(D) विद्यार्थी 'डिजिटल मैथिली' पढ़ैत समय वेब, ई-पत्रिका, ध्वनि-चित्र आ सामाजिक माध्यममे मैथिली पर ध्यान देत।

३९६. मिथिलाक इतिहासमे 'शुद्ध मैथिली' कैँ मुख्यतः कोन बातसँ जोड़ल जाइत अछि?

(A) स्वाभाविक, मुहावरादार आ स्थानीय अभिव्यक्ति

(B) मैथिली साहित्यक राष्ट्रीय संस्थागत स्वीकृति

(C) आधुनिक मैथिली प्रकाशनमे व्यापक प्रयुक्त लिपि

(D) कविता, कथा, नाटक, निबन्ध आ आलोचनाक परिष्कृत रूप

३९७. नीचाँ देल जोड़ीमे 'शुद्ध मैथिली' सम्बन्धी सही जोड़ी कोन अछि?

(A) शुद्ध मैथिली — बच्चाक आरम्भिक शिक्षा अपन भाषामे करबाक विचार

(B) शुद्ध मैथिली — स्वाभाविक, मुहावरादार आ स्थानीय अभिव्यक्ति

(C) शुद्ध मैथिली — मिथिलाक्षरक दोसर प्रचलित नाम

(D) शुद्ध मैथिली — भारत आ नेपाल दुनूमे पसरल भाषिक संसार

३९८. विदेह समानान्तर इतिहासक दृष्टिसँ 'शुद्ध मैथिली' पर ध्यान देबाक कारण की अछि?

(A) कारण ई स्वाभाविक, मुहावरादार आ स्थानीय अभिव्यक्ति कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि।

(B) कारण ई गाम-घर, गीत, कथा आ व्यवहारमे जीवित भाषा कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(C) कारण ई बच्चाक आरम्भिक शिक्षा अपन भाषामे करबाक विचार कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(D) कारण ई मैथिली लेखनक पारम्परिक लिपि कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

३९९. 'शुद्ध मैथिली' विषयमे कोन कथन सही अछि?

(A) 'शुद्ध मैथिली' कैँ गाम-घर, गीत, कथा आ व्यवहारमे जीवित भाषा सँ जोड़ल जाइत अछि।

(B) 'शुद्ध मैथिली' कैँ आधुनिक मैथिली प्रकाशनमे व्यापक प्रयुक्त लिपि सँ जोड़ल जाइत अछि।

(C) 'शुद्ध मैथिली' कैँ बच्चाक आरम्भिक शिक्षा अपन भाषामे करबाक विचार सँ जोड़ल जाइत अछि।

(D) 'शुद्ध मैथिली' कैँ स्वाभाविक, मुहावरादार आ स्थानीय अभिव्यक्ति सँ जोड़ल जाइत अछि।

४००. जँ विद्यार्थी 'शुद्ध मैथिली'क नोट बनबैत अछि, तखन मुख्य निष्कर्ष कोन राखय?

(A) विद्यार्थी 'शुद्ध मैथिली' पढ़ैत समय गाम-घर, गीत, कथा आ व्यवहारमे जीवित भाषा कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(B) विद्यार्थी 'शुद्ध मैथिली' पढ़ैत समय भारतीय संविधानमे मैथिलीक मान्यता केर पड़ाव कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(C) विद्यार्थी 'शुद्ध मैथिली' पढ़ैत समय शब्द, अर्थ आ प्रयोगक संग्रह कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(D) विद्यार्थी 'शुद्ध मैथिली' पढ़ैत समय स्वाभाविक, मुहावरादार आ स्थानीय अभिव्यक्ति पर ध्यान देत।

४०१. मिथिलाक इतिहासमे ‘विद्यापति’ कैँ मुख्यतः कोन बातसँ जोड़ल जाइत अछि?

(A) मैथिली नवजागरणक साहित्यिक धारा सँ जुड़ल लेखक

(B) आधुनिक मैथिली पुनर्जागरणक स्मरणीय लेखक

(C) मैथिली पदावली आ संस्कृत कृतिसँ प्रतिष्ठित महान कवि

(D) व्यंग्य, समाज-समीक्षा आ आधुनिक गद्यक प्रभावशाली लेखक

४०२. नीचाँ देल जोड़ीमे ‘विद्यापति’ सम्बन्धी सही जोड़ी कोन अछि?

(A) विद्यापति — आधुनिक मैथिली पुनर्जागरणक स्मरणीय लेखक

(B) विद्यापति — मैथिली पदावली आ संस्कृत कृतिसँ प्रतिष्ठित महान कवि

(C) विद्यापति — हाशियाक समुदायसभक कथा, गीत आ संघर्ष

(D) विद्यापति — राजकीय प्रशस्ति आ दरबारी स्मृतिसँ जुड़ल कृति

४०३. विदेह समानान्तर इतिहासक दृष्टिसँ ‘विद्यापति’ पर ध्यान देबाक कारण की अछि?

(A) कारण ई मैथिली रचना, शोध आ संग्रहक डिजिटल मंच कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(B) कारण ई मैथिली पदावली आ संस्कृत कृतिसँ प्रतिष्ठित महान कवि कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि।

(C) कारण ई एक लेखक, विषय वा विधा पर केन्द्रित अध्ययन कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(D) कारण ई साहित्यक अर्थ, मूल्य आ इतिहासक परीक्षण कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

४०४. ‘विद्यापति’ विषयमे कोन कथन सही अछि?

(A) ‘विद्यापति’ कैँ मैथिली नवजागरणक साहित्यिक धारा सँ जुड़ल लेखक सँ जोड़ल जाइत अछि।

(B) ‘विद्यापति’ कैँ व्यक्ति-स्मृतिद्वारा समय आ समाजक चित्र सँ जोड़ल जाइत अछि।

(C) ‘विद्यापति’ कैँ मैथिली पदावली आ संस्कृत कृतिसँ प्रतिष्ठित महान कवि सँ जोड़ल जाइत अछि।

(D) ‘विद्यापति’ कैँ दरबारक संग लोक, स्त्री, दलित, प्रवासी आ डिजिटल स्वर कैँ पढ़नाइ सँ जोड़ल जाइत अछि।

४०५. जँ विद्यार्थी ‘विद्यापति’क नोट बनबैत अछि, तखन मुख्य निष्कर्ष कोन राखय?

(A) विद्यार्थी ‘विद्यापति’ पढ़ैत समय नारी अनुभव, प्रतिरोध आ स्मृतिक साहित्यिक स्वर कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(B) विद्यार्थी ‘विद्यापति’ पढ़ैत समय आधुनिक मैथिली पुनर्जागरणक स्मरणीय लेखक कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(C) विद्यार्थी ‘विद्यापति’ पढ़ैत समय व्यंग्य, समाज-समीक्षा आ आधुनिक गद्यक प्रभावशाली लेखक कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(D) विद्यार्थी ‘विद्यापति’ पढ़ैत समय मैथिली पदावली आ संस्कृत कृतिसँ प्रतिष्ठित महान कवि पर ध्यान देत।

४०६. मिथिलाक इतिहासमे ‘कीर्तिलता’ कैँ मुख्यतः कोन बातसँ जोड़ल जाइत अछि?

(A) मैथिली नवजागरणक साहित्यिक धारा सँ जुड़ल लेखक

(B) नारी अनुभव, प्रतिरोध आ स्मृतिक साहित्यिक स्वर

(C) एक लेखक, विषय वा विधा पर केन्द्रित अध्ययन

(D) विद्यापतिक ऐतिहासिक-प्रशस्तिपरक काव्य

४०७. नीचाँ देल जोड़ीमे ‘कीर्तिलता’ सम्बन्धी सही जोड़ी कोन अछि?

(A) कीर्तिलता — नारी अनुभव, प्रतिरोध आ स्मृतिक साहित्यिक स्वर

(B) कीर्तिलता — मैथिली रचना, शोध आ संग्रहक डिजिटल मंच

(C) कीर्तिलता — गीत-प्रधान मैथिली नाट्य परम्परा

(D) कीर्तिलता — विद्यापतिक ऐतिहासिक-प्रशस्तिपरक काव्य

४०८. विदेह समानान्तर इतिहासक दृष्टिसँ ‘कीर्तिलता’ पर ध्यान देबाक कारण की अछि?

(A) कारण ई विद्यापतिक ऐतिहासिक-प्रशस्तिपरक काव्य कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि।

(B) कारण ई नारी अनुभव, प्रतिरोध आ स्मृतिक साहित्यिक स्वर कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(C) कारण ई हाशियाक समुदायसभक कथा, गीत आ संघर्ष कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(D) कारण ई कीर्तनिया नाटकक पुरान परम्परा सँ जुड़ल नाम कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

४०९. 'कीर्तिलता' विषयमे कोन कथन सही अछि?

(A) 'कीर्तिलता' कैं विद्यापतिक ऐतिहासिक-प्रशस्तिपरक काव्य सँ जोड़ल जाइत अछि।

(B) 'कीर्तिलता' कैं नारी अनुभव, प्रतिरोध आ स्मृतिक साहित्यिक स्वर सँ जोड़ल जाइत अछि।

(C) 'कीर्तिलता' कैं व्यक्ति-स्मृतिद्वारा समय आ समाजक चित्र सँ जोड़ल जाइत अछि।

(D) 'कीर्तिलता' कैं आधुनिक मैथिली नवजागरणक प्रमुख कवि सँ जोड़ल जाइत अछि।

४१०. जँ विद्यार्थी 'कीर्तिलता'क नोट बनबैत अछि, तखन मुख्य निष्कर्ष कोन राखय?

(A) विद्यार्थी 'कीर्तिलता' पढ़ैत समय साहित्यक अर्थ, मूल्य आ इतिहासक परीक्षण कैं मुख्य तथ्य मानत।

(B) विद्यार्थी 'कीर्तिलता' पढ़ैत समय विद्यापतिक ऐतिहासिक-प्रशस्तिपरक काव्य पर ध्यान देत।

(C) विद्यार्थी 'कीर्तिलता' पढ़ैत समय एक लेखक, विषय वा विधा पर केन्द्रित अध्ययन कैं मुख्य तथ्य मानत।

(D) विद्यार्थी 'कीर्तिलता' पढ़ैत समय कीर्तनिया नाटकक पुरान परम्परा सँ जुड़ल नाम कैं मुख्य तथ्य मानत।

४११. मिथिलाक इतिहासमे 'कीर्तिपताका' कैं मुख्यतः कोन बातसँ जोड़ल जाइत अछि?

(A) गीत-प्रधान मैथिली नाट्य परम्परा

(B) साहित्यक अर्थ, मूल्य आ इतिहासक परीक्षण

(C) विद्यापतिक ऐतिहासिक-प्रशस्तिपरक काव्य

(D) राजकीय प्रशस्ति आ दरबारी स्मृतिसँ जुड़ल कृति

४१२. नीचाँ देल जोड़ीमे 'कीर्तिपताका' सम्बन्धी सही जोड़ी कोन अछि?

(A) कीर्तिपताका — राजकीय प्रशस्ति आ दरबारी स्मृतिसँ जुड़ल कृति

(B) कीर्तिपताका — मैथिली पदावली आ संस्कृत कृतिसँ प्रतिष्ठित महान कवि

(C) कीर्तिपताका — मैथिली नवजागरणक साहित्यिक धारा सँ जुड़ल लेखक

(D) कीर्तिपताका — नारी अनुभव, प्रतिरोध आ स्मृतिक साहित्यिक स्वर

४१३. विदेह समानान्तर इतिहासक दृष्टिसँ 'कीर्तिपताका' पर ध्यान देबाक कारण की अछि?

(A) कारण ई हास्य-व्यंग्यद्वारा समाजक आलोचना कैं मात्र दोहरबैत अछि।

(B) कारण ई व्यक्ति-स्मृतिद्वारा समय आ समाजक चित्र कैं मात्र दोहरबैत अछि।

(C) कारण ई राजकीय प्रशस्ति आ दरबारी स्मृतिसँ जुड़ल कृति कैं मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि।

(D) कारण ई मैथिली पदावली आ संस्कृत कृतिसँ प्रतिष्ठित महान कवि कैं मात्र दोहरबैत अछि।

४१४. 'कीर्तिपताका' विषयमे कोन कथन सही अछि?

(A) 'कीर्तिपताका' कैं व्यक्ति-स्मृतिद्वारा समय आ समाजक चित्र सँ जोड़ल जाइत अछि।

(B) 'कीर्तिपताका' कैं हाशियाक समुदायसभक कथा, गीत आ संघर्ष सँ जोड़ल जाइत अछि।

(C) 'कीर्तिपताका' कैं नारी अनुभव, प्रतिरोध आ स्मृतिक साहित्यिक स्वर सँ जोड़ल जाइत अछि।

(D) 'कीर्तिपताका' कैं राजकीय प्रशस्ति आ दरबारी स्मृतिसँ जुड़ल कृति सँ जोड़ल जाइत अछि।

४१५. जँ विद्यार्थी 'कीर्तिपताका'क नोट बनबैत अछि, तखन मुख्य निष्कर्ष कोन राखय?

(A) विद्यार्थी 'कीर्तिपताका' पढ़ैत समय रचना, बहस आ नूतन लेखक कैं मंच कैं मुख्य तथ्य मानत।

(B) विद्यार्थी 'कीर्तिपताका' पढ़ैत समय राजकीय प्रशस्ति आ दरबारी स्मृतिसँ जुड़ल कृति पर ध्यान देत।

(C) विद्यार्थी 'कीर्तिपताका' पढ़ैत समय बच्चाक भाषा, कल्पना आ संस्कारक रचना-क्षेत्र कैं मुख्य तथ्य मानत।

(D) विद्यार्थी 'कीर्तिपताका' पढ़ैत समय हास्य-व्यंग्यद्वारा समाजक आलोचना कैं मुख्य तथ्य मानत।

४१६. मिथिलाक इतिहासमे 'पदावली' कैं मुख्यतः कोन बातसँ जोड़ल जाइत अछि?

(A) व्यंग्य, समाज-समीक्षा आ आधुनिक गद्यक प्रभावशाली लेखक

(B) राजकीय प्रशस्ति आ दरबारी स्मृतिसँ जुड़ल कृति

(C) भक्ति, श्रृंगार आ लोकलय सँ युक्त गीतिकाव्य

(D) रचना, बहस आ नूतन लेखक कैं मंच

४१७. नीचाँ देल जोड़ीमे 'पदावली' सम्बन्धी सही जोड़ी कोन अछि?

(A) पदावली — भक्ति, श्रृंगार आ लोकलय सँ युक्त गीतिकाव्य

(B) पदावली — राजकीय प्रशस्ति आ दरबारी स्मृतिसँ जुड़ल कृति

(C) पदावली — रचना, बहस आ नूतन लेखक कैँ मंच

(D) पदावली — मैथिली रचना, शोध आ संग्रहक डिजिटल मंच

४१८. विदेह समानान्तर इतिहासक दृष्टिसँ 'पदावली' पर ध्यान देबाक कारण की अछि?

(A) कारण ई भक्ति, श्रृंगार आ लोकलय सँ युक्त गीतिकाव्य कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि।

(B) कारण ई व्यक्ति-स्मृतिद्वारा समय आ समाजक चित्र कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(C) कारण ई मैथिली रचना, शोध आ संग्रहक डिजिटल मंच कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(D) कारण ई राजकीय प्रशस्ति आ दरबारी स्मृतिसँ जुड़ल कृति कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

४१९. 'पदावली' विषयमे कोन कथन सही अछि?

(A) 'पदावली' कैँ मैथिली रचना, शोध आ संग्रहक डिजिटल मंच सँ जोड़ल जाइत अछि।

(B) 'पदावली' कैँ दरबारक संग लोक, स्त्री, दलित, प्रवासी आ डिजिटल स्वर कैँ पढ़नाइ सँ जोड़ल जाइत अछि।

(C) 'पदावली' कैँ रचना, बहस आ नूतन लेखक कैँ मंच सँ जोड़ल जाइत अछि।

(D) 'पदावली' कैँ भक्ति, श्रृंगार आ लोकलय सँ युक्त गीतिकाव्य सँ जोड़ल जाइत अछि।

४२०. जँ विद्यार्थी 'पदावली'क नोट बनबैत अछि, तखन मुख्य निष्कर्ष कोन राखय?

(A) विद्यार्थी 'पदावली' पढ़ैत समय आधुनिक मैथिली नवजागरणक प्रमुख कवि कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(B) विद्यार्थी 'पदावली' पढ़ैत समय आधुनिक मैथिली पुनर्जागरणक स्मरणीय लेखक कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(C) विद्यार्थी 'पदावली' पढ़ैत समय राजकीय प्रशस्ति आ दरबारी स्मृतिसँ जुड़ल कृति कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(D) विद्यार्थी 'पदावली' पढ़ैत समय भक्ति, श्रृंगार आ लोकलय सँ युक्त गीतिकाव्य पर ध्यान देत।

४२१. मिथिलाक इतिहासमे 'उमापति उपाध्याय' कैँ मुख्यतः कोन बातसँ जोड़ल जाइत अछि?

(A) मैथिली नवजागरणक साहित्यिक धारा सँ जुड़ल लेखक

(B) गीत-प्रधान मैथिली नाट्य परम्परा

(C) कीर्तनिया नाटकक पुरान परम्परा सँ जुड़ल नाम

(D) मैथिली रचना, शोध आ संग्रहक डिजिटल मंच

४२२. नीचाँ देल जोड़ीमे 'उमापति उपाध्याय' सम्बन्धी सही जोड़ी कोन अछि?

(A) उमापति उपाध्याय — नारी अनुभव, प्रतिरोध आ स्मृतिक साहित्यिक स्वर

(B) उमापति उपाध्याय — बच्चाक भाषा, कल्पना आ संस्कारक रचना-क्षेत्र

(C) उमापति उपाध्याय — आधुनिक मैथिली नवजागरणक प्रमुख कवि

(D) उमापति उपाध्याय — कीर्तनिया नाटकक पुरान परम्परा सँ जुड़ल नाम

४२३. विदेह समानान्तर इतिहासक दृष्टिसँ 'उमापति उपाध्याय' पर ध्यान देबाक कारण की अछि?

(A) कारण ई मैथिली पदावली आ संस्कृत कृतिसँ प्रतिष्ठित महान कवि कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(B) कारण ई कीर्तनिया नाटकक पुरान परम्परा सँ जुड़ल नाम कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि।

(C) कारण ई मैथिली रचना, शोध आ संग्रहक डिजिटल मंच कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(D) कारण ई आधुनिक मैथिली पुनर्जागरणक स्मरणीय लेखक कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

४२४. 'उमापति उपाध्याय' विषयमे कोन कथन सही अछि?

(A) 'उमापति उपाध्याय' कैँ कीर्तनिया नाटकक पुरान परम्परा सँ जुड़ल नाम सँ जोड़ल जाइत अछि।

(B) 'उमापति उपाध्याय' कैँ विद्यापतिक ऐतिहासिक-प्रशस्तिपरक काव्य सँ जोड़ल जाइत अछि।

(C) 'उमापति उपाध्याय' कैँ साहित्यक अर्थ, मूल्य आ इतिहासक परीक्षण सँ जोड़ल जाइत अछि।

(D) 'उमापति उपाध्याय' कैँ हाशियाक समुदायसभक कथा, गीत आ संघर्ष सँ जोड़ल जाइत अछि।

४२५. जँ विद्यार्थी 'उमापति उपाध्याय'क नोट बनबैत अछि, तखन मुख्य निष्कर्ष कोन राखय?

(A) विद्यार्थी 'उमापति उपाध्याय' पढ़ैत समय मैथिली नवजागरणक साहित्यिक धारा सँ जुड़ल लेखक कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(B) विद्यार्थी 'उमापति उपाध्याय' पढ़ैत समय नारी अनुभव, प्रतिरोध आ स्मृतिक साहित्यिक स्वर कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(C) विद्यार्थी 'उमापति उपाध्याय' पढ़ैत समय कीर्तनिया नाटकक पुरान परम्परा सँ जुड़ल नाम पर ध्यान देत।

(D) विद्यार्थी 'उमापति उपाध्याय' पढ़ैत समय व्यक्ति-स्मृतिद्वारा समय आ समाजक चित्र कैँ मुख्य तथ्य मानत।

४२६. मिथिलाक इतिहासमे 'कीर्तनिया नाटक' कैँ मुख्यतः कोन बातसँ जोड़ल जाइत अछि?

(A) एक लेखक, विषय वा विधा पर केन्द्रित अध्ययन

(B) गीत-प्रधान मैथिली नाट्य परम्परा

(C) कीर्तनिया नाटकक पुरान परम्परा सँ जुड़ल नाम

(D) व्यक्ति-स्मृतिद्वारा समय आ समाजक चित्र

४२७. नीचाँ देल जोड़ीमे 'कीर्तनिया नाटक' सम्बन्धी सही जोड़ी कोन अछि?

(A) कीर्तनिया नाटक — विद्यापतिक ऐतिहासिक-प्रशस्तिपरक काव्य

(B) कीर्तनिया नाटक — रचना, बहस आ नूतन लेखक कैँ मंच

(C) कीर्तनिया नाटक — राजकीय प्रशस्ति आ दरबारी स्मृतिसँ जुड़ल कृति

(D) कीर्तनिया नाटक — गीत-प्रधान मैथिली नाट्य परम्परा

४२८. विदेह समानान्तर इतिहासक दृष्टिसँ 'कीर्तनिया नाटक' पर ध्यान देबाक कारण की अछि?

(A) कारण ई एक लेखक, विषय वा विधा पर केन्द्रित अध्ययन कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(B) कारण ई गीत-प्रधान मैथिली नाट्य परम्परा कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि।

(C) कारण ई मैथिली नवजागरणक साहित्यिक धारा सँ जुड़ल लेखक कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(D) कारण ई भक्ति, श्रृंगार आ लोकलय सँ युक्त गीतिकाव्य कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

४२९. 'कीर्तनिया नाटक' विषयमे कोन कथन सही अछि?

(A) 'कीर्तनिया नाटक' कैँ विद्यापतिक ऐतिहासिक-प्रशस्तिपरक काव्य सँ जोड़ल जाइत अछि।

(B) 'कीर्तनिया नाटक' कैँ गीत-प्रधान मैथिली नाट्य परम्परा सँ जोड़ल जाइत अछि।

(C) 'कीर्तनिया नाटक' कैँ आधुनिक मैथिली पुनर्जागरणक स्मरणीय लेखक सँ जोड़ल जाइत अछि।

(D) 'कीर्तनिया नाटक' कैँ हास्य-व्यंग्यद्वारा समाजक आलोचना सँ जोड़ल जाइत अछि।

४३०. जँ विद्यार्थी 'कीर्तनिया नाटक'क नोट बनबैत अछि, तखन मुख्य निष्कर्ष कोन राखय?

(A) विद्यार्थी 'कीर्तनिया नाटक' पढ़ैत समय भक्ति, श्रृंगार आ लोकलय सँ युक्त गीतिकाव्य कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(B) विद्यार्थी 'कीर्तनिया नाटक' पढ़ैत समय बच्चाक भाषा, कल्पना आ संस्कारक रचना-क्षेत्र कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(C) विद्यार्थी 'कीर्तनिया नाटक' पढ़ैत समय रचना, बहस आ नूतन लेखक कैँ मंच कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(D) विद्यार्थी 'कीर्तनिया नाटक' पढ़ैत समय गीत-प्रधान मैथिली नाट्य परम्परा पर ध्यान देत।

४३१. मिथिलाक इतिहासमे 'चन्दा झा' कैँ मुख्यतः कोन बातसँ जोड़ल जाइत अछि?

(A) व्यंग्य, समाज-समीक्षा आ आधुनिक गद्यक प्रभावशाली लेखक

(B) विद्यापतिक ऐतिहासिक-प्रशस्तिपरक काव्य

(C) आधुनिक मैथिली नवजागरणक प्रमुख कवि

(D) हाशियाक समुदायसभक कथा, गीत आ संघर्ष

४३२. नीचाँ देल जोड़ीमे 'चन्दा झा' सम्बन्धी सही जोड़ी कोन अछि?

(A) चन्दा झा — हाशियाक समुदायसभक कथा, गीत आ संघर्ष

(B) चन्दा झा — विद्यापतिक ऐतिहासिक-प्रशस्तिपरक काव्य

(C) चन्दा झा — आधुनिक मैथिली नवजागरणक प्रमुख कवि

(D) चन्दा झा — व्यंग्य, समाज-समीक्षा आ आधुनिक गद्यक प्रभावशाली लेखक

४३३. विदेह समानान्तर इतिहासक दृष्टिसँ 'चन्दा झा' पर ध्यान देबाक कारण की अछि?

(A) कारण ई आधुनिक मैथिली नवजागरणक प्रमुख कवि कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि।

(B) कारण ई व्यक्ति-स्मृतिद्वारा समय आ समाजक चित्र कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(C) कारण ई विद्यापतिक ऐतिहासिक-प्रशस्तिपरक काव्य कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(D) कारण ई एक लेखक, विषय वा विधा पर केन्द्रित अध्ययन कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

४३४. 'चन्दा झा' विषयमे कोन कथन सही अछि?

(A) 'चन्दा झा' कैँ गीत-प्रधान मैथिली नाट्य परम्परा सँ जोड़ल जाइत अछि।

(B) 'चन्दा झा' कैँ एक लेखक, विषय वा विधा पर केन्द्रित अध्ययन सँ जोड़ल जाइत अछि।

(C) 'चन्दा झा' कैँ आधुनिक मैथिली नवजागरणक प्रमुख कवि सँ जोड़ल जाइत अछि।

(D) 'चन्दा झा' कैँ बच्चाक भाषा, कल्पना आ संस्कारक रचना-क्षेत्र सँ जोड़ल जाइत अछि।

४३५. जँ विद्यार्थी 'चन्दा झा'क नोट बनबैत अछि, तखन मुख्य निष्कर्ष कोन राखय?

(A) विद्यार्थी 'चन्दा झा' पढ़ैत समय आधुनिक मैथिली नवजागरणक प्रमुख कवि पर ध्यान देत।

(B) विद्यार्थी 'चन्दा झा' पढ़ैत समय व्यक्ति-स्मृतिद्वारा समय आ समाजक चित्र कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(C) विद्यार्थी 'चन्दा झा' पढ़ैत समय हाशियाक समुदायसभक कथा, गीत आ संघर्ष कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(D) विद्यार्थी 'चन्दा झा' पढ़ैत समय मैथिली पदावली आ संस्कृत कृतिसँ प्रतिष्ठित महान कवि कैँ मुख्य तथ्य मानत।

४३६. मिथिलाक इतिहासमे 'रघुनन्दन दास' कैँ मुख्यतः कोन बातसँ जोड़ल जाइत अछि?

(A) आधुनिक मैथिली पुनर्जागरणक स्मरणीय लेखक

(B) राजकीय प्रशस्ति आ दरबारी स्मृतिसँ जुड़ल कृति

(C) मैथिली नवजागरणक साहित्यिक धारा सँ जुड़ल लेखक

(D) साहित्यक अर्थ, मूल्य आ इतिहासक परीक्षण

४३७. नीचाँ देल जोड़ीमे 'रघुनन्दन दास' सम्बन्धी सही जोड़ी कोन अछि?

(A) रघुनन्दन दास — मैथिली नवजागरणक साहित्यिक धारा सँ जुड़ल लेखक

(B) रघुनन्दन दास — राजकीय प्रशस्ति आ दरबारी स्मृतिसँ जुड़ल कृति

(C) रघुनन्दन दास — साहित्यक अर्थ, मूल्य आ इतिहासक परीक्षण

(D) रघुनन्दन दास — हास्य-व्यंग्यद्वारा समाजक आलोचना

४३८. विदेह समानान्तर इतिहासक दृष्टिसँ 'रघुनन्दन दास' पर ध्यान देबाक कारण की अछि?

(A) कारण ई आधुनिक मैथिली पुनर्जागरणक स्मरणीय लेखक कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(B) कारण ई मैथिली नवजागरणक साहित्यिक धारा सँ जुड़ल लेखक कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि।

(C) कारण ई दरबारक संग लोक, स्त्री, दलित, प्रवासी आ डिजिटल स्वर कैँ पढ़नाइ कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(D) कारण ई व्यंग्य, समाज-समीक्षा आ आधुनिक गद्यक प्रभावशाली लेखक कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

४३९. 'रघुनन्दन दास' विषयमे कोन कथन सही अछि?

(A) 'रघुनन्दन दास' कैँ दरबारक संग लोक, स्त्री, दलित, प्रवासी आ डिजिटल स्वर कैँ पढ़नाइ सँ जोड़ल जाइत अछि।

(B) 'रघुनन्दन दास' कैँ मैथिली नवजागरणक साहित्यिक धारा सँ जुड़ल लेखक सँ जोड़ल जाइत अछि।

(C) 'रघुनन्दन दास' कैँ रचना, बहस आ नूतन लेखक कैँ मंच सँ जोड़ल जाइत अछि।

(D) 'रघुनन्दन दास' कैँ हाशियाक समुदायसभक कथा, गीत आ संघर्ष सँ जोड़ल जाइत अछि।

४४०. जँ विद्यार्थी 'रघुनन्दन दास'क नोट बनबैत अछि, तखन मुख्य निष्कर्ष कोन राखय?

(A) विद्यार्थी 'रघुनन्दन दास' पढ़ैत समय मैथिली नवजागरणक साहित्यिक धारा सँ जुड़ल लेखक पर ध्यान देत।

(B) विद्यार्थी 'रघुनन्दन दास' पढ़ैत समय गीत-प्रधान मैथिली नाट्य परम्परा कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(C) विद्यार्थी 'रघुनन्दन दास' पढ़ैत समय एक लेखक, विषय वा विधा पर केन्द्रित अध्ययन कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(D) विद्यार्थी 'रघुनन्दन दास' पढ़ैत समय बच्चाक भाषा, कल्पना आ संस्कारक रचना-क्षेत्र कैँ मुख्य तथ्य मानत।

४४१. मिथिलाक इतिहासमे 'लाल दास' कैँ मुख्यतः कोन बातसँ जोड़ल जाइत अछि?

(A) विद्यापतिक ऐतिहासिक-प्रशस्तिपरक काव्य

(B) आधुनिक मैथिली पुनर्जागरणक स्मरणीय लेखक

(C) साहित्यक अर्थ, मूल्य आ इतिहासक परीक्षण

(D) राजकीय प्रशस्ति आ दरबारी स्मृतिसँ जुड़ल कृति

४४२. नीचाँ देल जोड़ीमे 'लाल दास' सम्बन्धी सही जोड़ी कोन अछि?

(A) लाल दास — व्यंग्य, समाज-समीक्षा आ आधुनिक गद्यक प्रभावशाली लेखक

(B) लाल दास — साहित्यक अर्थ, मूल्य आ इतिहासक परीक्षण

(C) लाल दास — आधुनिक मैथिली पुनर्जागरणक स्मरणीय लेखक

(D) लाल दास — राजकीय प्रशस्ति आ दरबारी स्मृतिसँ जुड़ल कृति

४४३. विदेह समानान्तर इतिहासक दृष्टिसँ 'लाल दास' पर ध्यान देबाक कारण की अछि?

(A) कारण ई व्यंग्य, समाज-समीक्षा आ आधुनिक गद्यक प्रभावशाली लेखक कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(B) कारण ई आधुनिक मैथिली पुनर्जागरणक स्मरणीय लेखक कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि।

(C) कारण ई गीत-प्रधान मैथिली नाट्य परम्परा कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(D) कारण ई बच्चाक भाषा, कल्पना आ संस्कारक रचना-क्षेत्र कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

४४४. 'लाल दास' विषयमे कोन कथन सही अछि?

(A) 'लाल दास' कैँ आधुनिक मैथिली पुनर्जागरणक स्मरणीय लेखक सँ जोड़ल जाइत अछि।

(B) 'लाल दास' कैँ एक लेखक, विषय वा विधा पर केन्द्रित अध्ययन सँ जोड़ल जाइत अछि।

(C) 'लाल दास' कैँ राजकीय प्रशस्ति आ दरबारी स्मृतिसँ जुड़ल कृति सँ जोड़ल जाइत अछि।

(D) 'लाल दास' कैँ साहित्यक अर्थ, मूल्य आ इतिहासक परीक्षण सँ जोड़ल जाइत अछि।

४४५. जँ विद्यार्थी 'लाल दास'क नोट बनबैत अछि, तखन मुख्य निष्कर्ष कोन राखय?

(A) विद्यार्थी 'लाल दास' पढ़ैत समय व्यक्ति-स्मृतिद्वारा समय आ समाजक चित्र कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(B) विद्यार्थी 'लाल दास' पढ़ैत समय दरबारक संग लोक, स्त्री, दलित, प्रवासी आ डिजिटल स्वर कैँ पढ़नाइ कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(C) विद्यार्थी 'लाल दास' पढ़ैत समय आधुनिक मैथिली पुनर्जागरणक स्मरणीय लेखक पर ध्यान देत।

(D) विद्यार्थी 'लाल दास' पढ़ैत समय हाशियाक समुदायसभक कथा, गीत आ संघर्ष कैँ मुख्य तथ्य मानत।

४४६. मिथिलाक इतिहासमे 'हरिमोहन झा' कैँ मुख्यतः कोन बातसँ जोड़ल जाइत अछि?

(A) भक्ति, श्रृंगार आ लोकलय सँ युक्त गीतिकाव्य

(B) दरबारक संग लोक, स्त्री, दलित, प्रवासी आ डिजिटल स्वर कैँ पढ़नाइ

(C) व्यंग्य, समाज-समीक्षा आ आधुनिक गद्यक प्रभावशाली लेखक

(D) मैथिली नवजागरणक साहित्यिक धारा सँ जुड़ल लेखक

४४७. नीचाँ देल जोड़ीमे 'हरिमोहन झा' सम्बन्धी सही जोड़ी कोन अछि?

(A) हरिमोहन झा — कीर्तनिया नाटकक पुरान परम्परा सँ जुड़ल नाम

(B) हरिमोहन झा — नारी अनुभव, प्रतिरोध आ स्मृतिक साहित्यिक स्वर

(C) हरिमोहन झा — व्यंग्य, समाज-समीक्षा आ आधुनिक गद्यक प्रभावशाली लेखक

(D) हरिमोहन झा — मैथिली नवजागरणक साहित्यिक धारा सँ जुड़ल लेखक

४४८. विदेह समानान्तर इतिहासक दृष्टिसँ 'हरिमोहन झा' पर ध्यान देबाक कारण की अछि?

(A) कारण ई व्यंग्य, समाज-समीक्षा आ आधुनिक गद्यक प्रभावशाली लेखक कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि।

(B) कारण ई हाशियाक समुदायसभक कथा, गीत आ संघर्ष कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(C) कारण ई विद्यापतिक ऐतिहासिक-प्रशस्तिपरक काव्य कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(D) कारण ई राजकीय प्रशस्ति आ दरबारी स्मृतिसँ जुड़ल कृति कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

४४९. ‘हरिमोहन झा’ विषयमे कोन कथन सही अछि?

(A) ‘हरिमोहन झा’ कैँ मैथिली रचना, शोध आ संग्रहक डिजिटल मंच सँ जोड़ल जाइत अछि।

(B) ‘हरिमोहन झा’ कैँ व्यंग्य, समाज-समीक्षा आ आधुनिक गद्यक प्रभावशाली लेखक सँ जोड़ल जाइत अछि।

(C) ‘हरिमोहन झा’ कैँ आधुनिक मैथिली नवजागरणक प्रमुख कवि सँ जोड़ल जाइत अछि।

(D) ‘हरिमोहन झा’ कैँ आधुनिक मैथिली पुनर्जागरणक स्मरणीय लेखक सँ जोड़ल जाइत अछि।

४५०. जँ विद्यार्थी ‘हरिमोहन झा’क नोट बनबैत अछि, तखन मुख्य निष्कर्ष कोन राखय?

(A) विद्यार्थी ‘हरिमोहन झा’ पढ़ैत समय व्यंग्य, समाज-समीक्षा आ आधुनिक गद्यक प्रभावशाली लेखक पर ध्यान देत।

(B) विद्यार्थी ‘हरिमोहन झा’ पढ़ैत समय साहित्यक अर्थ, मूल्य आ इतिहासक परीक्षण कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(C) विद्यार्थी ‘हरिमोहन झा’ पढ़ैत समय बच्चाक भाषा, कल्पना आ संस्कारक रचना-क्षेत्र कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(D) विद्यार्थी ‘हरिमोहन झा’ पढ़ैत समय कीर्तनिया नाटकक पुरान परम्परा सँ जुड़ल नाम कैँ मुख्य तथ्य मानत।

४५१. मिथिलाक इतिहासमे ‘खट्टर काकाक तरंग’ कैँ मुख्यतः कोन बातसँ जोड़ल जाइत अछि?

(A) आधुनिक मैथिली पुनर्जागरणक स्मरणीय लेखक

(B) हास्य-व्यंग्यद्वारा समाजक आलोचना

(C) भक्ति, श्रृंगार आ लोकलय सँ युक्त गीतिकाव्य

(D) मैथिली रचना, शोध आ संग्रहक डिजिटल मंच

४५२. नीचाँ देल जोड़ीमे ‘खट्टर काकाक तरंग’ सम्बन्धी सही जोड़ी कोन अछि?

(A) खट्टर काकाक तरंग — विद्यापतिक ऐतिहासिक-प्रशस्तिपरक काव्य

(B) खट्टर काकाक तरंग — मैथिली पदावली आ संस्कृत कृतिसँ प्रतिष्ठित महान कवि

(C) खट्टर काकाक तरंग — हास्य-व्यंग्यद्वारा समाजक आलोचना

(D) खट्टर काकाक तरंग — हाशियाक समुदायसभक कथा, गीत आ संघर्ष

४५३. विदेह समानान्तर इतिहासक दृष्टिसँ ‘खट्टर काकाक तरंग’ पर ध्यान देबाक कारण की अछि?

(A) कारण ई विद्यापतिक ऐतिहासिक-प्रशस्तिपरक काव्य कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(B) कारण ई मैथिली पदावली आ संस्कृत कृतिसँ प्रतिष्ठित महान कवि कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(C) कारण ई हास्य-व्यंग्यद्वारा समाजक आलोचना कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि।

(D) कारण ई नारी अनुभव, प्रतिरोध आ स्मृतिक साहित्यिक स्वर कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

४५४. ‘खट्टर काकाक तरंग’ विषयमे कोन कथन सही अछि?

(A) ‘खट्टर काकाक तरंग’ कैँ हास्य-व्यंग्यद्वारा समाजक आलोचना सँ जोड़ल जाइत अछि।

(B) ‘खट्टर काकाक तरंग’ कैँ व्यंग्य, समाज-समीक्षा आ आधुनिक गद्यक प्रभावशाली लेखक सँ जोड़ल जाइत अछि।

(C) ‘खट्टर काकाक तरंग’ कैँ दरबारक संग लोक, स्त्री, दलित, प्रवासी आ डिजिटल स्वर कैँ पढ़नाइ सँ जोड़ल जाइत अछि।

(D) ‘खट्टर काकाक तरंग’ कैँ कीर्तनिया नाटकक पुरान परम्परा सँ जुड़ल नाम सँ जोड़ल जाइत अछि।

४५५. जँ विद्यार्थी ‘खट्टर काकाक तरंग’क नोट बनबैत अछि, तखन मुख्य निष्कर्ष कोन राखय?

(A) विद्यार्थी ‘खट्टर काकाक तरंग’ पढ़ैत समय कीर्तनिया नाटकक पुरान परम्परा सँ जुड़ल नाम कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(B) विद्यार्थी ‘खट्टर काकाक तरंग’ पढ़ैत समय हास्य-व्यंग्यद्वारा समाजक आलोचना पर ध्यान देत।

(C) विद्यार्थी ‘खट्टर काकाक तरंग’ पढ़ैत समय नारी अनुभव, प्रतिरोध आ स्मृतिक साहित्यिक स्वर कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(D) विद्यार्थी ‘खट्टर काकाक तरंग’ पढ़ैत समय रचना, बहस आ नूतन लेखक कैँ मंच कैँ मुख्य तथ्य मानत।

४५६. मिथिलाक इतिहासमे ‘बाल साहित्य’ कैँ मुख्यतः कोन बातसँ जोड़ल जाइत अछि?

(A) बच्चाक भाषा, कल्पना आ संस्कारक रचना-क्षेत्र

(B) व्यंग्य, समाज-समीक्षा आ आधुनिक गद्यक प्रभावशाली लेखक

(C) आधुनिक मैथिली पुनर्जागरणक स्मरणीय लेखक

(D) भक्ति, श्रृंगार आ लोकलय सँ युक्त गीतिकाव्य

४५७. नीचाँ देल जोड़ीमे 'बाल साहित्य' सम्बन्धी सही जोड़ी कोन अछि?

(A) बाल साहित्य — आधुनिक मैथिली पुनर्जागरणक स्मरणीय लेखक

(B) बाल साहित्य — दरबारक संग लोक, स्त्री, दलित, प्रवासी आ डिजिटल स्वर कैँ पढ़नाइ

(C) बाल साहित्य — बच्चाक भाषा, कल्पना आ संस्कारक रचना-क्षेत्र

(D) बाल साहित्य — भक्ति, श्रृंगार आ लोकलय सँ युक्त गीतिकाव्य

४५८. विदेह समानान्तर इतिहासक दृष्टिसँ 'बाल साहित्य' पर ध्यान देबाक कारण की अछि?

(A) कारण ई आधुनिक मैथिली पुनर्जागरणक स्मरणीय लेखक कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(B) कारण ई मैथिली पदावली आ संस्कृत कृतिसँ प्रतिष्ठित महान कवि कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(C) कारण ई बच्चाक भाषा, कल्पना आ संस्कारक रचना-क्षेत्र कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि।

(D) कारण ई व्यक्ति-स्मृतिद्वारा समय आ समाजक चित्र कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

४५९. 'बाल साहित्य' विषयमे कोन कथन सही अछि?

(A) 'बाल साहित्य' कैँ बच्चाक भाषा, कल्पना आ संस्कारक रचना-क्षेत्र सँ जोड़ल जाइत अछि।

(B) 'बाल साहित्य' कैँ मैथिली नवजागरणक साहित्यिक धारा सँ जुड़ल लेखक सँ जोड़ल जाइत अछि।

(C) 'बाल साहित्य' कैँ आधुनिक मैथिली पुनर्जागरणक स्मरणीय लेखक सँ जोड़ल जाइत अछि।

(D) 'बाल साहित्य' कैँ राजकीय प्रशस्ति आ दरबारी स्मृतिसँ जुड़ल कृति सँ जोड़ल जाइत अछि।

४६०. जँ विद्यार्थी 'बाल साहित्य'क नोट बनबैत अछि, तखन मुख्य निष्कर्ष कोन राखय?

(A) विद्यार्थी 'बाल साहित्य' पढ़ैत समय बच्चाक भाषा, कल्पना आ संस्कारक रचना-क्षेत्र पर ध्यान देत।

(B) विद्यार्थी 'बाल साहित्य' पढ़ैत समय मैथिली पदावली आ संस्कृत कृतिसँ प्रतिष्ठित महान कवि कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(C) विद्यार्थी 'बाल साहित्य' पढ़ैत समय गीत-प्रधान मैथिली नाट्य परम्परा कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(D) विद्यार्थी 'बाल साहित्य' पढ़ैत समय दरबारक संग लोक, स्त्री, दलित, प्रवासी आ डिजिटल स्वर कैँ पढ़नाइ कैँ मुख्य तथ्य मानत।

४६१. मिथिलाक इतिहासमे 'स्त्री लेखन' कैँ मुख्यतः कोन बातसँ जोड़ल जाइत अछि?

(A) नारी अनुभव, प्रतिरोध आ स्मृतिक साहित्यिक स्वर

(B) व्यंग्य, समाज-समीक्षा आ आधुनिक गद्यक प्रभावशाली लेखक

(C) मैथिली नवजागरणक साहित्यिक धारा सँ जुड़ल लेखक

(D) कीर्तनिया नाटकक पुरान परम्परा सँ जुड़ल नाम

४६२. नीचाँ देल जोड़ीमे 'स्त्री लेखन' सम्बन्धी सही जोड़ी कोन अछि?

(A) स्त्री लेखन — कीर्तनिया नाटकक पुरान परम्परा सँ जुड़ल नाम

(B) स्त्री लेखन — गीत-प्रधान मैथिली नाट्य परम्परा

(C) स्त्री लेखन — बच्चाक भाषा, कल्पना आ संस्कारक रचना-क्षेत्र

(D) स्त्री लेखन — नारी अनुभव, प्रतिरोध आ स्मृतिक साहित्यिक स्वर

४६३. विदेह समानान्तर इतिहासक दृष्टिसँ 'स्त्री लेखन' पर ध्यान देबाक कारण की अछि?

(A) कारण ई बच्चाक भाषा, कल्पना आ संस्कारक रचना-क्षेत्र कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(B) कारण ई नारी अनुभव, प्रतिरोध आ स्मृतिक साहित्यिक स्वर कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि।

(C) कारण ई साहित्यक अर्थ, मूल्य आ इतिहासक परीक्षण कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(D) कारण ई हाशियाक समुदायसभक कथा, गीत आ संघर्ष कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

४६४. 'स्त्री लेखन' विषयमे कोन कथन सही अछि?

(A) 'स्त्री लेखन' कैँ दरबारक संग लोक, स्त्री, दलित, प्रवासी आ डिजिटल स्वर कैँ पढ़नाइ सँ जोड़ल जाइत अछि।

(B) 'स्त्री लेखन' कैँ व्यंग्य, समाज-समीक्षा आ आधुनिक गद्यक प्रभावशाली लेखक सँ जोड़ल जाइत अछि।

(C) 'स्त्री लेखन' कैँ आधुनिक मैथिली पुनर्जागरणक स्मरणीय लेखक सँ जोड़ल जाइत अछि।

(D) 'स्त्री लेखन' कैँ नारी अनुभव, प्रतिरोध आ स्मृतिक साहित्यिक स्वर सँ जोड़ल जाइत अछि।

४६५. जँ विद्यार्थी 'स्त्री लेखन'क नोट बनबैत अछि, तखन मुख्य निष्कर्ष कोन राखय?

(A) विद्यार्थी 'स्त्री लेखन' पढ़ैत समय एक लेखक, विषय वा विधा पर केन्द्रित अध्ययन कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(B) विद्यार्थी 'स्त्री लेखन' पढ़ैत समय आधुनिक मैथिली पुनर्जागरणक स्मरणीय लेखक कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(C) विद्यार्थी 'स्त्री लेखन' पढ़ैत समय नारी अनुभव, प्रतिरोध आ स्मृतिक साहित्यिक स्वर पर ध्यान देत।

(D) विद्यार्थी 'स्त्री लेखन' पढ़ैत समय गीत-प्रधान मैथिली नाट्य परम्परा कैँ मुख्य तथ्य मानत।

४६६. मिथिलाक इतिहासमे 'दलित-लोक स्वर' कैँ मुख्यतः कोन बातसँ जोड़ल जाइत अछि?

(A) हास्य-व्यंग्यद्वारा समाजक आलोचना

(B) साहित्यक अर्थ, मूल्य आ इतिहासक परीक्षण

(C) गीत-प्रधान मैथिली नाट्य परम्परा

(D) हाशियाक समुदायसभक कथा, गीत आ संघर्ष

४६७. नीचाँ देल जोड़ीमे 'दलित-लोक स्वर' सम्बन्धी सही जोड़ी कोन अछि?

(A) दलित-लोक स्वर — हाशियाक समुदायसभक कथा, गीत आ संघर्ष

(B) दलित-लोक स्वर — राजकीय प्रशस्ति आ दरबारी स्मृतिसँ जुड़ल कृति

(C) दलित-लोक स्वर — भक्ति, श्रृंगार आ लोकलय सँ युक्त गीतिकाव्य

(D) दलित-लोक स्वर — व्यंग्य, समाज-समीक्षा आ आधुनिक गद्यक प्रभावशाली लेखक

४६८. विदेह समानान्तर इतिहासक दृष्टिसँ 'दलित-लोक स्वर' पर ध्यान देबाक कारण की अछि?

(A) कारण ई मैथिली पदावली आ संस्कृत कृतिसँ प्रतिष्ठित महान कवि कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(B) कारण ई एक लेखक, विषय वा विधा पर केन्द्रित अध्ययन कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(C) कारण ई हाशियाक समुदायसभक कथा, गीत आ संघर्ष कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि।

(D) कारण ई कीर्तनिया नाटकक पुरान परम्परा सँ जुड़ल नाम कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

४६९. 'दलित-लोक स्वर' विषयमे कोन कथन सही अछि?

(A) 'दलित-लोक स्वर' कैँ रचना, बहस आ नूतन लेखक कैँ मंच सँ जोड़ल जाइत अछि।

(B) 'दलित-लोक स्वर' कैँ विद्यापतिक ऐतिहासिक-प्रशस्तिपरक काव्य सँ जोड़ल जाइत अछि।

(C) 'दलित-लोक स्वर' कैँ हाशियाक समुदायसभक कथा, गीत आ संघर्ष सँ जोड़ल जाइत अछि।

(D) 'दलित-लोक स्वर' कैँ हास्य-व्यंग्यद्वारा समाजक आलोचना सँ जोड़ल जाइत अछि।

४७०. जँ विद्यार्थी 'दलित-लोक स्वर'क नोट बनबैत अछि, तखन मुख्य निष्कर्ष कोन राखय?

(A) विद्यार्थी 'दलित-लोक स्वर' पढ़ैत समय राजकीय प्रशस्ति आ दरबारी स्मृतिसँ जुड़ल कृति कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(B) विद्यार्थी 'दलित-लोक स्वर' पढ़ैत समय हाशियाक समुदायसभक कथा, गीत आ संघर्ष पर ध्यान देत।

(C) विद्यार्थी 'दलित-लोक स्वर' पढ़ैत समय विद्यापतिक ऐतिहासिक-प्रशस्तिपरक काव्य कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(D) विद्यार्थी 'दलित-लोक स्वर' पढ़ैत समय रचना, बहस आ नूतन लेखक कैँ मंच कैँ मुख्य तथ्य मानत।

४७१. मिथिलाक इतिहासमे 'आलोचना' कैँ मुख्यतः कोन बातसँ जोड़ल जाइत अछि?

(A) कीर्तनिया नाटकक पुरान परम्परा सँ जुड़ल नाम

(B) रचना, बहस आ नूतन लेखक कैँ मंच

(C) गीत-प्रधान मैथिली नाट्य परम्परा

(D) साहित्यक अर्थ, मूल्य आ इतिहासक परीक्षण

४७२. नीचाँ देल जोड़ीमे 'आलोचना' सम्बन्धी सही जोड़ी कोन अछि?

(A) आलोचना — रचना, बहस आ नूतन लेखक कैँ मंच

(B) आलोचना — मैथिली रचना, शोध आ संग्रहक डिजिटल मंच

(C) आलोचना — साहित्यक अर्थ, मूल्य आ इतिहासक परीक्षण

(D) आलोचना — आधुनिक मैथिली नवजागरणक प्रमुख कवि

४७३. विदेह समानान्तर इतिहासक दृष्टिसँ 'आलोचना' पर ध्यान देबाक कारण की अछि?

(A) कारण ई रचना, बहस आ नूतन लेखक कैँ मंच कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(B) कारण ई साहित्यक अर्थ, मूल्य आ इतिहासक परीक्षण कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि।

(C) कारण ई कीर्तनिया नाटकक पुरान परम्परा सँ जुड़ल नाम कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(D) कारण ई व्यंग्य, समाज-समीक्षा आ आधुनिक गद्यक प्रभावशाली लेखक कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

४७४. 'आलोचना' विषयमे कोन कथन सही अछि?

(A) 'आलोचना' कैँ साहित्यक अर्थ, मूल्य आ इतिहासक परीक्षण सँ जोड़ल जाइत अछि।

(B) 'आलोचना' कैँ व्यंग्य, समाज-समीक्षा आ आधुनिक गद्यक प्रभावशाली लेखक सँ जोड़ल जाइत अछि।

(C) 'आलोचना' कैँ हाशियाक समुदायसभक कथा, गीत आ संघर्ष सँ जोड़ल जाइत अछि।

(D) 'आलोचना' कैँ गीत-प्रधान मैथिली नाट्य परम्परा सँ जोड़ल जाइत अछि।

४७५. जँ विद्यार्थी 'आलोचना'क नोट बनबैत अछि, तखन मुख्य निष्कर्ष कोन राखय?

(A) विद्यार्थी 'आलोचना' पढ़ैत समय साहित्यक अर्थ, मूल्य आ इतिहासक परीक्षण पर ध्यान देत।

(B) विद्यार्थी 'आलोचना' पढ़ैत समय मैथिली नवजागरणक साहित्यिक धारा सँ जुड़ल लेखक कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(C) विद्यार्थी 'आलोचना' पढ़ैत समय बच्चाक भाषा, कल्पना आ संस्कारक रचना-क्षेत्र कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(D) विद्यार्थी 'आलोचना' पढ़ैत समय व्यक्ति-स्मृतिद्वारा समय आ समाजक चित्र कैँ मुख्य तथ्य मानत।

४७६. मिथिलाक इतिहासमे 'संस्मरण' कैँ मुख्यतः कोन बातसँ जोड़ल जाइत अछि?

(A) व्यक्ति-स्मृतिद्वारा समय आ समाजक चित्र

(B) एक लेखक, विषय वा विधा पर केन्द्रित अध्ययन

(C) रचना, बहस आ नूतन लेखक कैँ मंच

(D) साहित्यक अर्थ, मूल्य आ इतिहासक परीक्षण

४७७. नीचाँ देल जोड़ीमे 'संस्मरण' सम्बन्धी सही जोड़ी कोन अछि?

(A) संस्मरण — आधुनिक मैथिली नवजागरणक प्रमुख कवि

(B) संस्मरण — राजकीय प्रशस्ति आ दरबारी स्मृतिसँ जुड़ल कृति

(C) संस्मरण — व्यक्ति-स्मृतिद्वारा समय आ समाजक चित्र

(D) संस्मरण — गीत-प्रधान मैथिली नाट्य परम्परा

४७८. विदेह समानान्तर इतिहासक दृष्टिसँ 'संस्मरण' पर ध्यान देबाक कारण की अछि?

(A) कारण ई व्यक्ति-स्मृतिद्वारा समय आ समाजक चित्र कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि।

(B) कारण ई हास्य-व्यंग्यद्वारा समाजक आलोचना कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(C) कारण ई कीर्तनिया नाटकक पुरान परम्परा सँ जुड़ल नाम कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(D) कारण ई एक लेखक, विषय वा विधा पर केन्द्रित अध्ययन कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

४७९. 'संस्मरण' विषयमे कोन कथन सही अछि?

(A) 'संस्मरण' कैँ नारी अनुभव, प्रतिरोध आ स्मृतिक साहित्यिक स्वर सँ जोड़ल जाइत अछि।

(B) 'संस्मरण' कैँ मैथिली रचना, शोध आ संग्रहक डिजिटल मंच सँ जोड़ल जाइत अछि।

(C) 'संस्मरण' कैँ विद्यापतिक ऐतिहासिक-प्रशस्तिपरक काव्य सँ जोड़ल जाइत अछि।

(D) 'संस्मरण' कैँ व्यक्ति-स्मृतिद्वारा समय आ समाजक चित्र सँ जोड़ल जाइत अछि।

४८०. जँ विद्यार्थी 'संस्मरण'क नोट बनबैत अछि, तखन मुख्य निष्कर्ष कोन राखय?

(A) विद्यार्थी 'संस्मरण' पढ़ैत समय दरबारक संग लोक, स्त्री, दलित, प्रवासी आ डिजिटल स्वर कैँ पढ़नाइ कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(B) विद्यार्थी 'संस्मरण' पढ़ैत समय मैथिली नवजागरणक साहित्यिक धारा सँ जुड़ल लेखक कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(C) विद्यार्थी 'संस्मरण' पढ़ैत समय व्यक्ति-स्मृतिद्वारा समय आ समाजक चित्र पर ध्यान देत।

(D) विद्यार्थी 'संस्मरण' पढ़ैत समय विद्यापतिक ऐतिहासिक-प्रशस्तिपरक काव्य कैँ मुख्य तथ्य मानत।

४८१. मिथिलाक इतिहासमे 'पत्रिका-परम्परा' कैँ मुख्यतः कोन बातसँ जोड़ल जाइत अछि?

(A) रचना, बहस आ नूतन लेखक कैँ मंच

(B) व्यक्ति-स्मृतिद्वारा समय आ समाजक चित्र

(C) हाशियाक समुदायसभक कथा, गीत आ संघर्ष

(D) मैथिली नवजागरणक साहित्यिक धारा सँ जुड़ल लेखक

४८२. नीचाँ देल जोड़ीमे 'पत्रिका-परम्परा' सम्बन्धी सही जोड़ी कोन अछि?

(A) पत्रिका-परम्परा — दरबारक संग लोक, स्त्री, दलित, प्रवासी आ डिजिटल स्वर कैँ पढ़नाइ

(B) पत्रिका-परम्परा — रचना, बहस आ नूतन लेखक कैँ मंच

(C) पत्रिका-परम्परा — एक लेखक, विषय वा विधा पर केन्द्रित अध्ययन

(D) पत्रिका-परम्परा — मैथिली रचना, शोध आ संग्रहक डिजिटल मंच

४८३. विदेह समानान्तर इतिहासक दृष्टिसँ 'पत्रिका-परम्परा' पर ध्यान देबाक कारण की अछि?

(A) कारण ई भक्ति, श्रृंगार आ लोकलय सँ युक्त गीतिकाव्य कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(B) कारण ई आधुनिक मैथिली नवजागरणक प्रमुख कवि कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(C) कारण ई रचना, बहस आ नूतन लेखक कैँ मंच कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि।

(D) कारण ई राजकीय प्रशस्ति आ दरबारी स्मृतिसँ जुड़ल कृति कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

४८४. 'पत्रिका-परम्परा' विषयमे कोन कथन सही अछि?

(A) 'पत्रिका-परम्परा' कैँ व्यक्ति-स्मृतिद्वारा समय आ समाजक चित्र सँ जोड़ल जाइत अछि।

(B) 'पत्रिका-परम्परा' कैँ रचना, बहस आ नूतन लेखक कैँ मंच सँ जोड़ल जाइत अछि।

(C) 'पत्रिका-परम्परा' कैँ कीर्तनिया नाटकक पुरान परम्परा सँ जुड़ल नाम सँ जोड़ल जाइत अछि।

(D) 'पत्रिका-परम्परा' कैँ आधुनिक मैथिली पुनर्जागरणक स्मरणीय लेखक सँ जोड़ल जाइत अछि।

४८५. जँ विद्यार्थी 'पत्रिका-परम्परा'क नोट बनबैत अछि, तखन मुख्य निष्कर्ष कोन राखय?

(A) विद्यार्थी 'पत्रिका-परम्परा' पढ़ैत समय मैथिली नवजागरणक साहित्यिक धारा सँ जुड़ल लेखक कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(B) विद्यार्थी 'पत्रिका-परम्परा' पढ़ैत समय गीत-प्रधान मैथिली नाट्य परम्परा कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(C) विद्यार्थी 'पत्रिका-परम्परा' पढ़ैत समय रचना, बहस आ नूतन लेखक कैँ मंच पर ध्यान देत।

(D) विद्यार्थी 'पत्रिका-परम्परा' पढ़ैत समय आधुनिक मैथिली पुनर्जागरणक स्मरणीय लेखक कैँ मुख्य तथ्य मानत।

४८६. मिथिलाक इतिहासमे 'विदेह ई-पत्रिका' कैँ मुख्यतः कोन बातसँ जोड़ल जाइत अछि?

(A) मैथिली रचना, शोध आ संग्रहक डिजिटल मंच

(B) हास्य-व्यंग्यद्वारा समाजक आलोचना

(C) एक लेखक, विषय वा विधा पर केन्द्रित अध्ययन

(D) राजकीय प्रशस्ति आ दरबारी स्मृतिसँ जुड़ल कृति

४८७. नीचाँ देल जोड़ीमे 'विदेह ई-पत्रिका' सम्बन्धी सही जोड़ी कोन अछि?

(A) विदेह ई-पत्रिका — बच्चाक भाषा, कल्पना आ संस्कारक रचना-क्षेत्र

(B) विदेह ई-पत्रिका — मैथिली रचना, शोध आ संग्रहक डिजिटल मंच

(C) विदेह ई-पत्रिका — साहित्यक अर्थ, मूल्य आ इतिहासक परीक्षण

(D) विदेह ई-पत्रिका — आधुनिक मैथिली पुनर्जागरणक स्मरणीय लेखक

४८८. विदेह समानान्तर इतिहासक दृष्टिसँ 'विदेह ई-पत्रिका' पर ध्यान देबाक कारण की अछि?

(A) कारण ई मैथिली रचना, शोध आ संग्रहक डिजिटल मंच कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि।

(B) कारण ई एक लेखक, विषय वा विधा पर केन्द्रित अध्ययन कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(C) कारण ई दरबारक संग लोक, स्त्री, दलित, प्रवासी आ डिजिटल स्वर कैँ पढ़नाइ कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(D) कारण ई गीत-प्रधान मैथिली नाट्य परम्परा कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

४८९. 'विदेह ई-पत्रिका' विषयमे कोन कथन सही अछि?

(A) 'विदेह ई-पत्रिका' कैँ साहित्यक अर्थ, मूल्य आ इतिहासक परीक्षण सँ जोड़ल जाइत अछि।

(B) 'विदेह ई-पत्रिका' कैँ दरबारक संग लोक, स्त्री, दलित, प्रवासी आ डिजिटल स्वर कैँ पढ़नाइ सँ जोड़ल जाइत अछि।

(C) 'विदेह ई-पत्रिका' कैँ मैथिली रचना, शोध आ संग्रहक डिजिटल मंच सँ जोड़ल जाइत अछि।

(D) 'विदेह ई-पत्रिका' कैँ रचना, बहस आ नूतन लेखक कैँ मंच सँ जोड़ल जाइत अछि।

४९०. जँ विद्यार्थी 'विदेह ई-पत्रिका'क नोट बनबैत अछि, तखन मुख्य निष्कर्ष कोन राखय?

(A) विद्यार्थी 'विदेह ई-पत्रिका' पढ़ैत समय बच्चाक भाषा, कल्पना आ संस्कारक रचना-क्षेत्र कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(B) विद्यार्थी 'विदेह ई-पत्रिका' पढ़ैत समय मैथिली रचना, शोध आ संग्रहक डिजिटल मंच पर ध्यान देत।

(C) विद्यार्थी 'विदेह ई-पत्रिका' पढ़ैत समय एक लेखक, विषय वा विधा पर केन्द्रित अध्ययन कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(D) विद्यार्थी 'विदेह ई-पत्रिका' पढ़ैत समय व्यंग्य, समाज-समीक्षा आ आधुनिक गद्यक प्रभावशाली लेखक कैँ मुख्य तथ्य मानत।

४९१. मिथिलाक इतिहासमे 'विशेषांक' कैँ मुख्यतः कोन बातसँ जोड़ल जाइत अछि?

(A) आधुनिक मैथिली पुनर्जागरणक स्मरणीय लेखक

(B) मैथिली पदावली आ संस्कृत कृतिसँ प्रतिष्ठित महान कवि

(C) एक लेखक, विषय वा विधा पर केन्द्रित अध्ययन

(D) मैथिली नवजागरणक साहित्यिक धारा सँ जुड़ल लेखक

४९२. नीचाँ देल जोड़ीमे 'विशेषांक' सम्बन्धी सही जोड़ी कोन अछि?

(A) विशेषांक — रचना, बहस आ नूतन लेखक कैँ मंच

(B) विशेषांक — गीत-प्रधान मैथिली नाट्य परम्परा

(C) विशेषांक — एक लेखक, विषय वा विधा पर केन्द्रित अध्ययन

(D) विशेषांक — साहित्यक अर्थ, मूल्य आ इतिहासक परीक्षण

४९३. विदेह समानान्तर इतिहासक दृष्टिसँ 'विशेषांक' पर ध्यान देबाक कारण की अछि?

(A) कारण ई आधुनिक मैथिली नवजागरणक प्रमुख कवि कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(B) कारण ई एक लेखक, विषय वा विधा पर केन्द्रित अध्ययन कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि।

(C) कारण ई हाशियाक समुदायसभक कथा, गीत आ संघर्ष कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(D) कारण ई मैथिली रचना, शोध आ संग्रहक डिजिटल मंच कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

४९४. 'विशेषांक' विषयमे कोन कथन सही अछि?

(A) 'विशेषांक' कैँ एक लेखक, विषय वा विधा पर केन्द्रित अध्ययन सँ जोड़ल जाइत अछि।

(B) 'विशेषांक' कैँ आधुनिक मैथिली नवजागरणक प्रमुख कवि सँ जोड़ल जाइत अछि।

(C) 'विशेषांक' कैँ दरबारक संग लोक, स्त्री, दलित, प्रवासी आ डिजिटल स्वर कैँ पढ़नाइ सँ जोड़ल जाइत अछि।

(D) 'विशेषांक' कैँ नारी अनुभव, प्रतिरोध आ स्मृतिक साहित्यिक स्वर सँ जोड़ल जाइत अछि।

४९५. जँ विद्यार्थी 'विशेषांक'क नोट बनबैत अछि, तखन मुख्य निष्कर्ष कोन राखय?

(A) विद्यार्थी 'विशेषांक' पढ़ैत समय कीर्तनिया नाटकक पुरान परम्परा सँ जुड़ल नाम कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(B) विद्यार्थी 'विशेषांक' पढ़ैत समय एक लेखक, विषय वा विधा पर केन्द्रित अध्ययन पर ध्यान देत।

(C) विद्यार्थी 'विशेषांक' पढ़ैत समय राजकीय प्रशस्ति आ दरबारी स्मृतिसँ जुड़ल कृति कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(D) विद्यार्थी 'विशेषांक' पढ़ैत समय विद्यापतिक ऐतिहासिक-प्रशस्तिपरक काव्य कैँ मुख्य तथ्य मानत।

४९६. मिथिलाक इतिहासमे 'समानान्तर साहित्य-दृष्टि' कैँ मुख्यतः कोन बातसँ जोड़ल जाइत अछि?

(A) दरबारक संग लोक, स्त्री, दलित, प्रवासी आ डिजिटल स्वर कैँ पढ़नाइ

(B) मैथिली पदावली आ संस्कृत कृतिसँ प्रतिष्ठित महान कवि

(C) आधुनिक मैथिली नवजागरणक प्रमुख कवि

(D) व्यंग्य, समाज-समीक्षा आ आधुनिक गद्यक प्रभावशाली लेखक

४९७. नीचाँ देल जोड़ीमे 'समानान्तर साहित्य-दृष्टि' सम्बन्धी सही जोड़ी कोन अछि?

(A) समानान्तर साहित्य-दृष्टि — गीत-प्रधान मैथिली नाट्य परम्परा

(B) समानान्तर साहित्य-दृष्टि — नारी अनुभव, प्रतिरोध आ स्मृतिक साहित्यिक स्वर

(C) समानान्तर साहित्य-दृष्टि — भक्ति, श्रृंगार आ लोकलय सँ युक्त गीतिकाव्य

(D) समानान्तर साहित्य-दृष्टि — दरबारक संग लोक, स्त्री, दलित, प्रवासी आ डिजिटल स्वर कैँ पढ़नाइ

४९८. विदेह समानान्तर इतिहासक दृष्टिसँ 'समानान्तर साहित्य-दृष्टि' पर ध्यान देबाक कारण की अछि?

(A) कारण ई हास्य-व्यंग्यद्वारा समाजक आलोचना कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(B) कारण ई विद्यापतिक ऐतिहासिक-प्रशस्तिपरक काव्य कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(C) कारण ई दरबारक संग लोक, स्त्री, दलित, प्रवासी आ डिजिटल स्वर कैँ पढ़नाइ कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि।

(D) कारण ई कीर्तनिया नाटकक पुरान परम्परा सँ जुड़ल नाम कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

४९९. 'समानान्तर साहित्य-दृष्टि' विषयमे कोन कथन सही अछि?

(A) 'समानान्तर साहित्य-दृष्टि' कैँ दरबारक संग लोक, स्त्री, दलित, प्रवासी आ डिजिटल स्वर कैँ पढ़नाइ सँ जोड़ल जाइत अछि।

(B) 'समानान्तर साहित्य-दृष्टि' कैँ आधुनिक मैथिली नवजागरणक प्रमुख कवि सँ जोड़ल जाइत अछि।

(C) 'समानान्तर साहित्य-दृष्टि' कैँ आधुनिक मैथिली पुनर्जागरणक स्मरणीय लेखक सँ जोड़ल जाइत अछि।

(D) 'समानान्तर साहित्य-दृष्टि' कैँ व्यंग्य, समाज-समीक्षा आ आधुनिक गद्यक प्रभावशाली लेखक सँ जोड़ल जाइत अछि।

५००. जँ विद्यार्थी 'समानान्तर साहित्य-दृष्टि'क नोट बनबैत अछि, तखन मुख्य निष्कर्ष कोन राखय?

(A) विद्यार्थी 'समानान्तर साहित्य-दृष्टि' पढ़ैत समय बच्चाक भाषा, कल्पना आ संस्कारक रचना-क्षेत्र कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(B) विद्यार्थी 'समानान्तर साहित्य-दृष्टि' पढ़ैत समय रचना, बहस आ नूतन लेखक कैँ मंच कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(C) विद्यार्थी 'समानान्तर साहित्य-दृष्टि' पढ़ैत समय दरबारक संग लोक, स्त्री, दलित, प्रवासी आ डिजिटल स्वर कैँ पढ़नाइ पर ध्यान देत।

(D) विद्यार्थी 'समानान्तर साहित्य-दृष्टि' पढ़ैत समय मैथिली रचना, शोध आ संग्रहक डिजिटल मंच कैँ मुख्य तथ्य मानत।

५०१. मिथिलाक इतिहासमे 'समा-चकेवा' कैँ मुख्यतः कोन बातसँ जोड़ल जाइत अछि?

(A) ग्रामीण अर्थव्यवस्था आ सांस्कृतिक मिलनक स्थल

(B) नवविवाहित स्त्री, नाग-कथा आ सावन संस्कार

(C) लोकनायक, न्याय आ जनसमुदायक आस्था

(D) भाइ-बहिन, पक्षी-रूपक आ स्त्री-लोकगीतक पबनी

५०२. नीचाँ देल जोड़ीमे 'समा-चकेवा' सम्बन्धी सही जोड़ी कोन अछि?

(A) समा-चकेवा — विवाहक विभिन्न क्रममे गाओल गीत

(B) समा-चकेवा — विवाहक कलात्मक-आनुष्ठानिक कक्ष

(C) समा-चकेवा — सन्तान-कल्याण लेल मातृव्रत

(D) समा-चकेवा — भाइ-बहिन, पक्षी-रूपक आ स्त्री-लोकगीतक पबनी

५०३. विदेह समानान्तर इतिहासक दृष्टिसँ 'समा-चकेवा' पर ध्यान देबाक कारण की अछि?

(A) कारण ई घर-आँगनमे पीढ़ी-दर-पीढ़ी चलैत अनुभवक गीत कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(B) कारण ई गामक सामूहिक भय, आशा आ संरक्षणक प्रतीक कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(C) कारण ई भाइ-बहिन, पक्षी-रूपक आ स्त्री-लोकगीतक पबनी कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि।

(D) कारण ई चावल-पिठारसँ बनल पूजापर्वक भूमिचित्र कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

५०४. 'समा-चकेवा' विषयमे कोन कथन सही अछि?

(A) 'समा-चकेवा' कैँ भाइ-बहिन, पक्षी-रूपक आ स्त्री-लोकगीतक पबनी सँ जोड़ल जाइत अछि।

(B) 'समा-चकेवा' कैँ नवविवाहित स्त्री, नाग-कथा आ सावन संस्कार सँ जोड़ल जाइत अछि।

(C) 'समा-चकेवा' कैँ जन्म-समारोहक लोकगीत सँ जोड़ल जाइत अछि।

(D) 'समा-चकेवा' कैँ सन्तान-कल्याण लेल मातृव्रत सँ जोड़ल जाइत अछि।

५०५. जँ विद्यार्थी 'समा-चकेवा'क नोट बनबैत अछि, तखन मुख्य निष्कर्ष कोन राखय?

(A) विद्यार्थी 'समा-चकेवा' पढ़ैत समय नागकथा, दाम्पत्य निष्ठा आ स्त्री-शक्ति कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(B) विद्यार्थी 'समा-चकेवा' पढ़ैत समय वर्षा, विरह आ स्त्रीस्वरक गीत कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(C) विद्यार्थी 'समा-चकेवा' पढ़ैत समय विवाहक विभिन्न क्रममे गाओल गीत कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(D) विद्यार्थी 'समा-चकेवा' पढ़ैत समय भाइ-बहिन, पक्षी-रूपक आ स्त्री-लोकगीतक पबनी पर ध्यान देत।

५०६. मिथिलाक इतिहासमे 'मधुश्रावणी' कैँ मुख्यतः कोन बातसँ जोड़ल जाइत अछि?

(A) गामक सामूहिक भय, आशा आ संरक्षणक प्रतीक

(B) नागकथा, दाम्पत्य निष्ठा आ स्त्री-शक्ति

(C) वीर-गाथा आ लोकनायक पर आधारित दीर्घ गायन

(D) नवविवाहित स्त्री, नाग-कथा आ सावन संस्कार

५०७. नीचाँ देल जोड़ीमे 'मधुश्रावणी' सम्बन्धी सही जोड़ी कोन अछि?

(A) मधुश्रावणी — बातचीत, निर्णय, गीत आ समाचारक ग्रामीण स्थान

(B) मधुश्रावणी — नवविवाहित स्त्री, नाग-कथा आ सावन संस्कार

(C) मधुश्रावणी — नागकथा, दाम्पत्य निष्ठा आ स्त्री-शक्ति

(D) मधुश्रावणी — वीर-गाथा आ लोकनायक पर आधारित दीर्घ गायन

५०८. विदेह समानान्तर इतिहासक दृष्टिसँ 'मधुश्रावणी' पर ध्यान देबाक कारण की अछि?

(A) कारण ई नवविवाहित स्त्री, नाग-कथा आ सावन संस्कार कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि।

(B) कारण ई घर-आँगनमे पीढ़ी-दर-पीढ़ी चलैत अनुभवक गीत कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(C) कारण ई विदाईक करुण गीत कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(D) कारण ई सन्तान-कल्याण लेल मातृव्रत कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

५०९. 'मधुश्रावणी' विषयमे कोन कथन सही अछि?

(A) 'मधुश्रावणी' कैँ बातचीत, निर्णय, गीत आ समाचारक ग्रामीण स्थान सँ जोड़ल जाइत अछि।

(B) 'मधुश्रावणी' कैँ भाइ-बहिन, पक्षी-रूपक आ स्त्री-लोकगीतक पबनी सँ जोड़ल जाइत अछि।

(C) 'मधुश्रावणी' कैँ नवविवाहित स्त्री, नाग-कथा आ सावन संस्कार सँ जोड़ल जाइत अछि।

(D) 'मधुश्रावणी' कैँ मैथिल सम्मान आ पहचानक सिरपोश सँ जोड़ल जाइत अछि।

५१०. जँ विद्यार्थी 'मधुश्रावणी'क नोट बनबैत अछि, तखन मुख्य निष्कर्ष कोन राखय?

(A) विद्यार्थी 'मधुश्रावणी' पढ़ैत समय गामक सामूहिक भय, आशा आ संरक्षणक प्रतीक कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(B) विद्यार्थी 'मधुश्रावणी' पढ़ैत समय नवविवाहित स्त्री, नाग-कथा आ सावन संस्कार पर ध्यान देत।

(C) विद्यार्थी 'मधुश्रावणी' पढ़ैत समय सूर्योपासना, जल, अनुशासन आ सामूहिक आस्था कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(D) विद्यार्थी 'मधुश्रावणी' पढ़ैत समय लोकनायक, न्याय आ जनसमुदायक आस्था कैँ मुख्य तथ्य मानत।

५११. मिथिलाक इतिहासमे 'छठ' कैँ मुख्यतः कोन बातसँ जोड़ल जाइत अछि?

(A) मैथिल सम्मान आ पहचानक सिरपोश

(B) घर-आँगनमे पीढ़ी-दर-पीढ़ी चलैत अनुभवक गीत

(C) सूर्योपासना, जल, अनुशासन आ सामूहिक आस्था

(D) विवाहक विभिन्न क्रममे गाओल गीत

५१२. नीचाँ देल जोड़ीमे 'छठ' सम्बन्धी सही जोड़ी कोन अछि?

(A) छठ — भाइ-बहिन, पक्षी-रूपक आ स्त्री-लोकगीतक पबनी

(B) छठ — सूर्योपासना, जल, अनुशासन आ सामूहिक आस्था

(C) छठ — वीर-गाथा आ लोकनायक पर आधारित दीर्घ गायन

(D) छठ — वर्षा, विरह आ स्त्रीस्वरक गीत

५१३. विदेह समानान्तर इतिहासक दृष्टिसँ ‘छठ’ पर ध्यान देबाक कारण की अछि?

(A) कारण ई जन्म-समारोहक लोकगीत कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(B) कारण ई सन्तान-कल्याण लेल मातृव्रत कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(C) कारण ई वर्षा, विरह आ स्त्रीस्वरक गीत कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(D) कारण ई सूर्योपासना, जल, अनुशासन आ सामूहिक आस्था कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि।

५१४. ‘छठ’ विषयमे कोन कथन सही अछि?

(A) ‘छठ’ कैँ भाइ-बहिन, पक्षी-रूपक आ स्त्री-लोकगीतक पबनी सँ जोड़ल जाइत अछि।

(B) ‘छठ’ कैँ घर-आँगनमे पीढ़ी-दर-पीढ़ी चलैत अनुभवक गीत सँ जोड़ल जाइत अछि।

(C) ‘छठ’ कैँ सूर्योपासना, जल, अनुशासन आ सामूहिक आस्था सँ जोड़ल जाइत अछि।

(D) ‘छठ’ कैँ जन्म-समारोहक लोकगीत सँ जोड़ल जाइत अछि।

५१५. जँ विद्यार्थी ‘छठ’क नोट बनबैत अछि, तखन मुख्य निष्कर्ष कोन राखय?

(A) विद्यार्थी ‘छठ’ पढ़ैत समय सूर्योपासना, जल, अनुशासन आ सामूहिक आस्था पर ध्यान देत।

(B) विद्यार्थी ‘छठ’ पढ़ैत समय लोकनायक, न्याय आ जनसमुदायक आस्था कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(C) विद्यार्थी ‘छठ’ पढ़ैत समय श्रम, प्रतिरोध आ वंचित समुदाय केर लोकस्मृति कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(D) विद्यार्थी ‘छठ’ पढ़ैत समय गामक सामूहिक भय, आशा आ संरक्षणक प्रतीक कैँ मुख्य तथ्य मानत।

५१६. मिथिलाक इतिहासमे ‘जितिया’ कैँ मुख्यतः कोन बातसँ जोड़ल जाइत अछि?

(A) विवाहक विभिन्न क्रममे गाओल गीत

(B) गामक सामूहिक भय, आशा आ संरक्षणक प्रतीक

(C) सन्तान-कल्याण लेल मातृव्रत

(D) वर्षा, विरह आ स्त्रीस्वरक गीत

५१७. नीचाँ देल जोड़ीमे ‘जितिया’ सम्बन्धी सही जोड़ी कोन अछि?

(A) जितिया — श्रम, प्रतिरोध आ वंचित समुदाय केर लोकस्मृति

(B) जितिया — वर्षा, विरह आ स्त्रीस्वरक गीत

(C) जितिया — सन्तान-कल्याण लेल मातृव्रत

(D) जितिया — गामक सामूहिक भय, आशा आ संरक्षणक प्रतीक

५१८. विदेह समानान्तर इतिहासक दृष्टिसँ ‘जितिया’ पर ध्यान देबाक कारण की अछि?

(A) कारण ई सन्तान-कल्याण लेल मातृव्रत कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि।

(B) कारण ई बातचीत, निर्णय, गीत आ समाचारक ग्रामीण स्थान कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(C) कारण ई घर-आँगनमे पीढ़ी-दर-पीढ़ी चलैत अनुभवक गीत कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(D) कारण ई ग्रामीण अर्थव्यवस्था आ सांस्कृतिक मिलनक स्थल कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

५१९. ‘जितिया’ विषयमे कोन कथन सही अछि?

(A) ‘जितिया’ कैँ मैथिल सम्मान आ पहचानक सिरपोश सँ जोड़ल जाइत अछि।

(B) ‘जितिया’ कैँ वीर-गाथा आ लोकनायक पर आधारित दीर्घ गायन सँ जोड़ल जाइत अछि।

(C) ‘जितिया’ कैँ विदाईक करुण गीत सँ जोड़ल जाइत अछि।

(D) ‘जितिया’ कैँ सन्तान-कल्याण लेल मातृव्रत सँ जोड़ल जाइत अछि।

५२०. जँ विद्यार्थी ‘जितिया’क नोट बनबैत अछि, तखन मुख्य निष्कर्ष कोन राखय?

(A) विद्यार्थी ‘जितिया’ पढ़ैत समय घर-आँगनमे पीढ़ी-दर-पीढ़ी चलैत अनुभवक गीत कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(B) विद्यार्थी ‘जितिया’ पढ़ैत समय बातचीत, निर्णय, गीत आ समाचारक ग्रामीण स्थान कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(C) विद्यार्थी ‘जितिया’ पढ़ैत समय सन्तान-कल्याण लेल मातृव्रत पर ध्यान देत।

(D) विद्यार्थी ‘जितिया’ पढ़ैत समय वीर-गाथा आ लोकनायक पर आधारित दीर्घ गायन कैँ मुख्य तथ्य मानत।

५२१. मिथिलाक इतिहासमे ‘कोहबर’ कैँ मुख्यतः कोन बातसँ जोड़ल जाइत अछि?

(A) चावल-पिठारसँ बनल पूजापर्वक भूमिचित्र

(B) सन्तान-कल्याण लेल मातृव्रत

(C) नागकथा, दाम्पत्य निष्ठा आ स्त्री-शक्ति

(D) विवाहक कलात्मक-आनुष्ठानिक कक्ष

५२२. नीचाँ देल जोड़ीमे ‘कोहबर’ सम्बन्धी सही जोड़ी कोन अछि?

(A) कोहबर — श्रम, प्रतिरोध आ वंचित समुदाय केर लोकस्मृति

(B) कोहबर — विवाहक कलात्मक-आनुष्ठानिक कक्ष

(C) कोहबर — वीर-गाथा आ लोकनायक पर आधारित दीर्घ गायन

(D) कोहबर — मैथिल सम्मान आ पहचानक सिरपोश

५२३. विदेह समानान्तर इतिहासक दृष्टिसँ ‘कोहबर’ पर ध्यान देबाक कारण की अछि?

(A) कारण ई गामक सामूहिक भय, आशा आ संरक्षणक प्रतीक कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(B) कारण ई विवाहक कलात्मक-आनुष्ठानिक कक्ष कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि।

(C) कारण ई देवी-आस्था, स्त्री-नृत्य आ लोक-अभिनय कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(D) कारण ई सूर्योपासना, जल, अनुशासन आ सामूहिक आस्था कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

५२४. ‘कोहबर’ विषयमे कोन कथन सही अछि?

(A) ‘कोहबर’ कैँ विवाहक कलात्मक-आनुष्ठानिक कक्ष सँ जोड़ल जाइत अछि।

(B) ‘कोहबर’ कैँ विवाहक विभिन्न क्रममे गाओल गीत सँ जोड़ल जाइत अछि।

(C) ‘कोहबर’ कैँ चावल-पिठारसँ बनल पूजापर्वक भूमिचित्र सँ जोड़ल जाइत अछि।

(D) ‘कोहबर’ कैँ वर्षा, विरह आ स्त्रीस्वरक गीत सँ जोड़ल जाइत अछि।

५२५. जँ विद्यार्थी ‘कोहबर’क नोट बनबैत अछि, तखन मुख्य निष्कर्ष कोन राखय?

(A) विद्यार्थी ‘कोहबर’ पढ़ैत समय सन्तान-कल्याण लेल मातृव्रत कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(B) विद्यार्थी ‘कोहबर’ पढ़ैत समय विवाहक कलात्मक-आनुष्ठानिक कक्ष पर ध्यान देत।

(C) विद्यार्थी ‘कोहबर’ पढ़ैत समय सूर्योपासना, जल, अनुशासन आ सामूहिक आस्था कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(D) विद्यार्थी ‘कोहबर’ पढ़ैत समय नागकथा, दाम्पत्य निष्ठा आ स्त्री-शक्ति कैँ मुख्य तथ्य मानत।

५२६. मिथिलाक इतिहासमे ‘अरिपन’ कैँ मुख्यतः कोन बातसँ जोड़ल जाइत अछि?

(A) मैथिल सम्मान आ पहचानक सिरपोश

(B) चावल-पिठारसँ बनल पूजापर्वक भूमिचित्र

(C) बातचीत, निर्णय, गीत आ समाचारक ग्रामीण स्थान

(D) घर-आँगनमे पीढ़ी-दर-पीढ़ी चलैत अनुभवक गीत

५२७. नीचाँ देल जोड़ीमे ‘अरिपन’ सम्बन्धी सही जोड़ी कोन अछि?

(A) अरिपन — सूर्योपासना, जल, अनुशासन आ सामूहिक आस्था

(B) अरिपन — देवी-आस्था, स्त्री-नृत्य आ लोक-अभिनय

(C) अरिपन — चावल-पिठारसँ बनल पूजापर्वक भूमिचित्र

(D) अरिपन — वर्षा, विरह आ स्त्रीस्वरक गीत

५२८. विदेह समानान्तर इतिहासक दृष्टिसँ ‘अरिपन’ पर ध्यान देबाक कारण की अछि?

(A) कारण ई सन्तान-कल्याण लेल मातृव्रत कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(B) कारण ई सूर्योपासना, जल, अनुशासन आ सामूहिक आस्था कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(C) कारण ई बातचीत, निर्णय, गीत आ समाचारक ग्रामीण स्थान कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(D) कारण ई चावल-पिठारसँ बनल पूजापर्वक भूमिचित्र कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि।

५२९. ‘अरिपन’ विषयमे कोन कथन सही अछि?

(A) ‘अरिपन’ कैँ गामक सामूहिक भय, आशा आ संरक्षणक प्रतीक सँ जोड़ल जाइत अछि।

(B) ‘अरिपन’ कैँ बातचीत, निर्णय, गीत आ समाचारक ग्रामीण स्थान सँ जोड़ल जाइत अछि।

(C) ‘अरिपन’ कैँ चावल-पिठारसँ बनल पूजापर्वक भूमिचित्र सँ जोड़ल जाइत अछि।

(D) ‘अरिपन’ कैँ नागकथा, दाम्पत्य निष्ठा आ स्त्री-शक्ति सँ जोड़ल जाइत अछि।

५३०. जँ विद्यार्थी ‘अरिपन’क नोट बनबैत अछि, तखन मुख्य निष्कर्ष कोन राखय?

(A) विद्यार्थी ‘अरिपन’ पढ़ैत समय गामक सामूहिक भय, आशा आ संरक्षणक प्रतीक कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(B) विद्यार्थी ‘अरिपन’ पढ़ैत समय घर-आँगनमे पीढ़ी-दर-पीढ़ी चलैत अनुभवक गीत कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(C) विद्यार्थी ‘अरिपन’ पढ़ैत समय चावल-पिठारसँ बनल पूजापर्वक भूमिचित्र पर ध्यान देत।

(D) विद्यार्थी ‘अरिपन’ पढ़ैत समय लोकनायक, न्याय आ जनसमुदायक आस्था कैँ मुख्य तथ्य मानत।

५३१. मिथिलाक इतिहासमे ‘सोहर’ कैँ मुख्यतः कोन बातसँ जोड़ल जाइत अछि?

(A) विवाहक विभिन्न क्रममे गाओल गीत

(B) भाइ-बहिन, पक्षी-रूपक आ स्त्री-लोकगीतक पबनी

(C) नागकथा, दाम्पत्य निष्ठा आ स्त्री-शक्ति

(D) जन्म-समारोहक लोकगीत

५३२. नीचाँ देल जोड़ीमे ‘सोहर’ सम्बन्धी सही जोड़ी कोन अछि?

(A) सोहर — नवविवाहित स्त्री, नाग-कथा आ सावन संस्कार

(B) सोहर — भाइ-बहिन, पक्षी-रूपक आ स्त्री-लोकगीतक पबनी

(C) सोहर — देवी-आस्था, स्त्री-नृत्य आ लोक-अभिनय

(D) सोहर — जन्म-समारोहक लोकगीत

५३३. विदेह समानान्तर इतिहासक दृष्टिसँ ‘सोहर’ पर ध्यान देबाक कारण की अछि?

(A) कारण ई विदाईक करुण गीत कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(B) कारण ई श्रम, प्रतिरोध आ वंचित समुदाय केर लोकस्मृति कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(C) कारण ई चावल-पिठारसँ बनल पूजापर्वक भूमिचित्र कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(D) कारण ई जन्म-समारोहक लोकगीत कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि।

५३४. ‘सोहर’ विषयमे कोन कथन सही अछि?

(A) ‘सोहर’ कैँ सन्तान-कल्याण लेल मातृव्रत सँ जोड़ल जाइत अछि।

(B) ‘सोहर’ कैँ चावल-पिठारसँ बनल पूजापर्वक भूमिचित्र सँ जोड़ल जाइत अछि।

(C) ‘सोहर’ कैँ ग्रामीण अर्थव्यवस्था आ सांस्कृतिक मिलनक स्थल सँ जोड़ल जाइत अछि।

(D) ‘सोहर’ कैँ जन्म-समारोहक लोकगीत सँ जोड़ल जाइत अछि।

५३५. जँ विद्यार्थी ‘सोहर’क नोट बनबैत अछि, तखन मुख्य निष्कर्ष कोन राखय?

(A) विद्यार्थी ‘सोहर’ पढ़ैत समय जन्म-समारोहक लोकगीत पर ध्यान देत।

(B) विद्यार्थी ‘सोहर’ पढ़ैत समय चावल-पिठारसँ बनल पूजापर्वक भूमिचित्र कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(C) विद्यार्थी ‘सोहर’ पढ़ैत समय भाइ-बहिन, पक्षी-रूपक आ स्त्री-लोकगीतक पबनी कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(D) विद्यार्थी ‘सोहर’ पढ़ैत समय ग्रामीण अर्थव्यवस्था आ सांस्कृतिक मिलनक स्थल कैँ मुख्य तथ्य मानत।

५३६. मिथिलाक इतिहासमे ‘समदाउन’ कैँ मुख्यतः कोन बातसँ जोड़ल जाइत अछि?

(A) सन्तान-कल्याण लेल मातृव्रत

(B) विदाईक करुण गीत

(C) विवाहक कलात्मक-आनुष्ठानिक कक्ष

(D) ग्रामीण अर्थव्यवस्था आ सांस्कृतिक मिलनक स्थल

५३७. नीचाँ देल जोड़ीमे 'समदाउन' सम्बन्धी सही जोड़ी कोन अछि?

(A) समदाउन — विदाईक करुण गीत

(B) समदाउन — बातचीत, निर्णय, गीत आ समाचारक ग्रामीण स्थान

(C) समदाउन — सन्तान-कल्याण लेल मातृव्रत

(D) समदाउन — ग्रामीण अर्थव्यवस्था आ सांस्कृतिक मिलनक स्थल

५३८. विदेह समानान्तर इतिहासक दृष्टिसँ 'समदाउन' पर ध्यान देबाक कारण की अछि?

(A) कारण ई बातचीत, निर्णय, गीत आ समाचारक ग्रामीण स्थान कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(B) कारण ई वीर-गाथा आ लोकनायक पर आधारित दीर्घ गायन कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(C) कारण ई चावल-पिठारसँ बनल पूजापर्वक भूमिचित्र कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(D) कारण ई विदाईक करुण गीत कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि।

५३९. 'समदाउन' विषयमे कोन कथन सही अछि?

(A) 'समदाउन' कैँ चावल-पिठारसँ बनल पूजापर्वक भूमिचित्र सँ जोड़ल जाइत अछि।

(B) 'समदाउन' कैँ नागकथा, दाम्पत्य निष्ठा आ स्त्री-शक्ति सँ जोड़ल जाइत अछि।

(C) 'समदाउन' कैँ वर्षा, विरह आ स्त्रीस्वरक गीत सँ जोड़ल जाइत अछि।

(D) 'समदाउन' कैँ विदाईक करुण गीत सँ जोड़ल जाइत अछि।

५४०. जँ विद्यार्थी 'समदाउन'क नोट बनबैत अछि, तखन मुख्य निष्कर्ष कोन राखय?

(A) विद्यार्थी 'समदाउन' पढ़ैत समय विदाईक करुण गीत पर ध्यान देत।

(B) विद्यार्थी 'समदाउन' पढ़ैत समय विवाहक विभिन्न क्रममे गाओल गीत कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(C) विद्यार्थी 'समदाउन' पढ़ैत समय नागकथा, दाम्पत्य निष्ठा आ स्त्री-शक्ति कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(D) विद्यार्थी 'समदाउन' पढ़ैत समय मैथिल सम्मान आ पहचानक सिरपोश कैँ मुख्य तथ्य मानत।

५४१. मिथिलाक इतिहासमे 'लग्नगीत' कैँ मुख्यतः कोन बातसँ जोड़ल जाइत अछि?

(A) वर्षा, विरह आ स्त्रीस्वरक गीत

(B) विदाईक करुण गीत

(C) सन्तान-कल्याण लेल मातृव्रत

(D) विवाहक विभिन्न क्रममे गाओल गीत

५४२. नीचाँ देल जोड़ीमे 'लग्नगीत' सम्बन्धी सही जोड़ी कोन अछि?

(A) लग्नगीत — मैथिल सम्मान आ पहचानक सिरपोश

(B) लग्नगीत — बातचीत, निर्णय, गीत आ समाचारक ग्रामीण स्थान

(C) लग्नगीत — विवाहक विभिन्न क्रममे गाओल गीत

(D) लग्नगीत — विवाहक कलात्मक-आनुष्ठानिक कक्ष

५४३. विदेह समानान्तर इतिहासक दृष्टिसँ 'लग्नगीत' पर ध्यान देबाक कारण की अछि?

(A) कारण ई लोकनायक, न्याय आ जनसमुदायक आस्था कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(B) कारण ई भाइ-बहिन, पक्षी-रूपक आ स्त्री-लोकगीतक पबनी कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(C) कारण ई विवाहक विभिन्न क्रममे गाओल गीत कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि।

(D) कारण ई सूर्योपासना, जल, अनुशासन आ सामूहिक आस्था कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

५४४. 'लग्नगीत' विषयमे कोन कथन सही अछि?

(A) 'लग्नगीत' कैँ विवाहक विभिन्न क्रममे गाओल गीत सँ जोड़ल जाइत अछि।

(B) 'लग्नगीत' कैँ मैथिल सम्मान आ पहचानक सिरपोश सँ जोड़ल जाइत अछि।

(C) 'लग्नगीत' कैँ गामक सामूहिक भय, आशा आ संरक्षणक प्रतीक सँ जोड़ल जाइत अछि।

(D) 'लग्नगीत' कैँ विदाईक करुण गीत सँ जोड़ल जाइत अछि।

५४५. जँ विद्यार्थी 'लग्नगीत'क नोट बनबैत अछि, तखन मुख्य निष्कर्ष कोन राखय?

(A) विद्यार्थी 'लग्नगीत' पढ़ैत समय सन्तान-कल्याण लेल मातृव्रत कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(B) विद्यार्थी 'लग्नगीत' पढ़ैत समय विवाहक विभिन्न क्रममे गाओल गीत पर ध्यान देत।

(C) विद्यार्थी 'लग्नगीत' पढ़ैत समय लोकनायक, न्याय आ जनसमुदायक आस्था कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(D) विद्यार्थी 'लग्नगीत' पढ़ैत समय नागकथा, दाम्पत्य निष्ठा आ स्त्री-शक्ति कैँ मुख्य तथ्य मानत।

५४६. मिथिलाक इतिहासमे 'कजरी' कैँ मुख्यतः कोन बातसँ जोड़ल जाइत अछि?

(A) नागकथा, दाम्पत्य निष्ठा आ स्त्री-शक्ति

(B) नवविवाहित स्त्री, नाग-कथा आ सावन संस्कार

(C) वर्षा, विरह आ स्त्रीस्वरक गीत

(D) विवाहक कलात्मक-आनुष्ठानिक कक्ष

५४७. नीचाँ देल जोड़ीमे 'कजरी' सम्बन्धी सही जोड़ी कोन अछि?

(A) कजरी — सूर्योपासना, जल, अनुशासन आ सामूहिक आस्था

(B) कजरी — वर्षा, विरह आ स्त्रीस्वरक गीत

(C) कजरी — भाइ-बहिन, पक्षी-रूपक आ स्त्री-लोकगीतक पबनी

(D) कजरी — देवी-आस्था, स्त्री-नृत्य आ लोक-अभिनय

५४८. विदेह समानान्तर इतिहासक दृष्टिसँ 'कजरी' पर ध्यान देबाक कारण की अछि?

(A) कारण ई लोकनायक, न्याय आ जनसमुदायक आस्था कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(B) कारण ई श्रम, प्रतिरोध आ वंचित समुदाय केर लोकस्मृति कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(C) कारण ई बातचीत, निर्णय, गीत आ समाचारक ग्रामीण स्थान कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(D) कारण ई वर्षा, विरह आ स्त्रीस्वरक गीत कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि।

५४९. 'कजरी' विषयमे कोन कथन सही अछि?

(A) 'कजरी' कैँ श्रम, प्रतिरोध आ वंचित समुदाय केर लोकस्मृति सँ जोड़ल जाइत अछि।

(B) 'कजरी' कैँ वर्षा, विरह आ स्त्रीस्वरक गीत सँ जोड़ल जाइत अछि।

(C) 'कजरी' कैँ ग्रामीण अर्थव्यवस्था आ सांस्कृतिक मिलनक स्थल सँ जोड़ल जाइत अछि।

(D) 'कजरी' कैँ सन्तान-कल्याण लेल मातृव्रत सँ जोड़ल जाइत अछि।

५५०. जँ विद्यार्थी 'कजरी'क नोट बनबैत अछि, तखन मुख्य निष्कर्ष कोन राखय?

(A) विद्यार्थी 'कजरी' पढ़ैत समय वर्षा, विरह आ स्त्रीस्वरक गीत पर ध्यान देत।

(B) विद्यार्थी 'कजरी' पढ़ैत समय विवाहक कलात्मक-आनुष्ठानिक कक्ष कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(C) विद्यार्थी 'कजरी' पढ़ैत समय देवी-आस्था, स्त्री-नृत्य आ लोक-अभिनय कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(D) विद्यार्थी 'कजरी' पढ़ैत समय श्रम, प्रतिरोध आ वंचित समुदाय केर लोकस्मृति कैँ मुख्य तथ्य मानत।

५५१. मिथिलाक इतिहासमे 'झिझिया' कैँ मुख्यतः कोन बातसँ जोड़ल जाइत अछि?

(A) देवी-आस्था, स्त्री-नृत्य आ लोक-अभिनय

(B) भाइ-बहिन, पक्षी-रूपक आ स्त्री-लोकगीतक पबनी

(C) सन्तान-कल्याण लेल मातृव्रत

(D) विवाहक कलात्मक-आनुष्ठानिक कक्ष

५५२. नीचाँ देल जोड़ीमे 'झिझिया' सम्बन्धी सही जोड़ी कोन अछि?

(A) झिझिया — नवविवाहित स्त्री, नाग-कथा आ सावन संस्कार

(B) झिझिया — देवी-आस्था, स्त्री-नृत्य आ लोक-अभिनय

(C) झिझिया — सूर्योपासना, जल, अनुशासन आ सामूहिक आस्था

(D) झिझिया — ग्रामीण अर्थव्यवस्था आ सांस्कृतिक मिलनक स्थल

५५३. विदेह समानान्तर इतिहासक दृष्टिसँ 'झिझिया' पर ध्यान देबाक कारण की अछि?

(A) कारण ई गामक सामूहिक भय, आशा आ संरक्षणक प्रतीक कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(B) कारण ई बातचीत, निर्णय, गीत आ समाचारक ग्रामीण स्थान कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(C) कारण ई चावल-पिठारसँ बनल पूजापर्वक भूमिचित्र कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(D) कारण ई देवी-आस्था, स्त्री-नृत्य आ लोक-अभिनय कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि।

५५४. 'झिझिया' विषयमे कोन कथन सही अछि?

(A) 'झिझिया' कैँ देवी-आस्था, स्त्री-नृत्य आ लोक-अभिनय सँ जोड़ल जाइत अछि।

(B) 'झिझिया' कैँ विवाहक कलात्मक-आनुष्ठानिक कक्ष सँ जोड़ल जाइत अछि।

(C) 'झिझिया' कैँ वीर-गाथा आ लोकनायक पर आधारित दीर्घ गायन सँ जोड़ल जाइत अछि।

(D) 'झिझिया' कैँ सन्तान-कल्याण लेल मातृव्रत सँ जोड़ल जाइत अछि।

५५५. जँ विद्यार्थी 'झिझिया'क नोट बनबैत अछि, तखन मुख्य निष्कर्ष कोन राखय?

(A) विद्यार्थी 'झिझिया' पढ़ैत समय चावल-पिठारसँ बनल पूजापर्वक भूमिचित्र कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(B) विद्यार्थी 'झिझिया' पढ़ैत समय जन्म-समारोहक लोकगीत कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(C) विद्यार्थी 'झिझिया' पढ़ैत समय ग्रामीण अर्थव्यवस्था आ सांस्कृतिक मिलनक स्थल कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(D) विद्यार्थी 'झिझिया' पढ़ैत समय देवी-आस्था, स्त्री-नृत्य आ लोक-अभिनय पर ध्यान देत।

५५६. मिथिलाक इतिहासमे 'लोरिक गीत' कैँ मुख्यतः कोन बातसँ जोड़ल जाइत अछि?

(A) वीर-गाथा आ लोकनायक पर आधारित दीर्घ गायन

(B) विदाईक करुण गीत

(C) नवविवाहित स्त्री, नाग-कथा आ सावन संस्कार

(D) श्रम, प्रतिरोध आ वंचित समुदाय केर लोकस्मृति

५५७. नीचाँ देल जोड़ीमे 'लोरिक गीत' सम्बन्धी सही जोड़ी कोन अछि?

(A) लोरिक गीत — जन्म-समारोहक लोकगीत

(B) लोरिक गीत — नवविवाहित स्त्री, नाग-कथा आ सावन संस्कार

(C) लोरिक गीत — वीर-गाथा आ लोकनायक पर आधारित दीर्घ गायन

(D) लोरिक गीत — देवी-आस्था, स्त्री-नृत्य आ लोक-अभिनय

५५८. विदेह समानान्तर इतिहासक दृष्टिसँ 'लोरिक गीत' पर ध्यान देबाक कारण की अछि?

(A) कारण ई जन्म-समारोहक लोकगीत कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(B) कारण ई लोकनायक, न्याय आ जनसमुदायक आस्था कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(C) कारण ई नवविवाहित स्त्री, नाग-कथा आ सावन संस्कार कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(D) कारण ई वीर-गाथा आ लोकनायक पर आधारित दीर्घ गायन कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि।

५५९. 'लोरिक गीत' विषयमे कोन कथन सही अछि?

(A) 'लोरिक गीत' कैँ गामक सामूहिक भय, आशा आ संरक्षणक प्रतीक सँ जोड़ल जाइत अछि।

(B) 'लोरिक गीत' कैँ वीर-गाथा आ लोकनायक पर आधारित दीर्घ गायन सँ जोड़ल जाइत अछि।

(C) 'लोरिक गीत' कैँ विवाहक कलात्मक-आनुष्ठानिक कक्ष सँ जोड़ल जाइत अछि।

(D) 'लोरिक गीत' कैँ सूर्योपासना, जल, अनुशासन आ सामूहिक आस्था सँ जोड़ल जाइत अछि।

५६०. जँ विद्यार्थी 'लोरिक गीत'क नोट बनबैत अछि, तखन मुख्य निष्कर्ष कोन राखय?

(A) विद्यार्थी 'लोरिक गीत' पढ़ैत समय भाइ-बहिन, पक्षी-रूपक आ स्त्री-लोकगीतक पबनी कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(B) विद्यार्थी 'लोरिक गीत' पढ़ैत समय वीर-गाथा आ लोकनायक पर आधारित दीर्घ गायन पर ध्यान देत।

(C) विद्यार्थी 'लोरिक गीत' पढ़ैत समय जन्म-समारोहक लोकगीत कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(D) विद्यार्थी 'लोरिक गीत' पढ़ैत समय बातचीत, निर्णय, गीत आ समाचारक ग्रामीण स्थान कैँ मुख्य तथ्य मानत।

५६१. मिथिलाक इतिहासमे ‘सलहेस’ कैँ मुख्यतः कोन बातसँ जोड़ल जाइत अछि?

(A) देवी-आस्था, स्त्री-नृत्य आ लोक-अभिनय

(B) श्रम, प्रतिरोध आ वंचित समुदाय केर लोकस्मृति

(C) मैथिल सम्मान आ पहचानक सिरपोश

(D) लोकनायक, न्याय आ जनसमुदायक आस्था

५६२. नीचाँ देल जोड़ीमे ‘सलहेस’ सम्बन्धी सही जोड़ी कोन अछि?

(A) सलहेस — लोकनायक, न्याय आ जनसमुदायक आस्था

(B) सलहेस — वीर-गाथा आ लोकनायक पर आधारित दीर्घ गायन

(C) सलहेस — विवाहक विभिन्न क्रममे गाओल गीत

(D) सलहेस — विदाईक करुण गीत

५६३. विदेह समानान्तर इतिहासक दृष्टिसँ ‘सलहेस’ पर ध्यान देबाक कारण की अछि?

(A) कारण ई मैथिल सम्मान आ पहचानक सिरपोश कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(B) कारण ई ग्रामीण अर्थव्यवस्था आ सांस्कृतिक मिलनक स्थल कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(C) कारण ई नवविवाहित स्त्री, नाग-कथा आ सावन संस्कार कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(D) कारण ई लोकनायक, न्याय आ जनसमुदायक आस्था कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि।

५६४. ‘सलहेस’ विषयमे कोन कथन सही अछि?

(A) ‘सलहेस’ कैँ वीर-गाथा आ लोकनायक पर आधारित दीर्घ गायन सँ जोड़ल जाइत अछि।

(B) ‘सलहेस’ कैँ सन्तान-कल्याण लेल मातृव्रत सँ जोड़ल जाइत अछि।

(C) ‘सलहेस’ कैँ लोकनायक, न्याय आ जनसमुदायक आस्था सँ जोड़ल जाइत अछि।

(D) ‘सलहेस’ कैँ नागकथा, दाम्पत्य निष्ठा आ स्त्री-शक्ति सँ जोड़ल जाइत अछि।

५६५. जँ विद्यार्थी ‘सलहेस’क नोट बनबैत अछि, तखन मुख्य निष्कर्ष कोन राखय?

(A) विद्यार्थी ‘सलहेस’ पढ़ैत समय विवाहक विभिन्न क्रममे गाओल गीत कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(B) विद्यार्थी ‘सलहेस’ पढ़ैत समय श्रम, प्रतिरोध आ वंचित समुदाय केर लोकस्मृति कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(C) विद्यार्थी ‘सलहेस’ पढ़ैत समय लोकनायक, न्याय आ जनसमुदायक आस्था पर ध्यान देत।

(D) विद्यार्थी ‘सलहेस’ पढ़ैत समय विवाहक कलात्मक-आनुष्ठानिक कक्ष कैँ मुख्य तथ्य मानत।

५६६. मिथिलाक इतिहासमे ‘दीना-भद्री’ कैँ मुख्यतः कोन बातसँ जोड़ल जाइत अछि?

(A) श्रम, प्रतिरोध आ वंचित समुदाय केर लोकस्मृति

(B) भाइ-बहिन, पक्षी-रूपक आ स्त्री-लोकगीतक पबनी

(C) बातचीत, निर्णय, गीत आ समाचारक ग्रामीण स्थान

(D) घर-आँगनमे पीढ़ी-दर-पीढ़ी चलैत अनुभवक गीत

५६७. नीचाँ देल जोड़ीमे ‘दीना-भद्री’ सम्बन्धी सही जोड़ी कोन अछि?

(A) दीना-भद्री — श्रम, प्रतिरोध आ वंचित समुदाय केर लोकस्मृति

(B) दीना-भद्री — सूर्योपासना, जल, अनुशासन आ सामूहिक आस्था

(C) दीना-भद्री — लोकनायक, न्याय आ जनसमुदायक आस्था

(D) दीना-भद्री — घर-आँगनमे पीढ़ी-दर-पीढ़ी चलैत अनुभवक गीत

५६८. विदेह समानान्तर इतिहासक दृष्टिसँ ‘दीना-भद्री’ पर ध्यान देबाक कारण की अछि?

(A) कारण ई भाइ-बहिन, पक्षी-रूपक आ स्त्री-लोकगीतक पबनी कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(B) कारण ई सन्तान-कल्याण लेल मातृव्रत कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(C) कारण ई विवाहक कलात्मक-आनुष्ठानिक कक्ष कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(D) कारण ई श्रम, प्रतिरोध आ वंचित समुदाय केर लोकस्मृति कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि।

५६९. ‘दीना-भद्री’ विषयमे कोन कथन सही अछि?

(A) ‘दीना-भद्री’ कैँ सन्तान-कल्याण लेल मातृव्रत सँ जोड़ल जाइत अछि।

(B) ‘दीना-भद्री’ कैँ श्रम, प्रतिरोध आ वंचित समुदाय केर लोकस्मृति सँ जोड़ल जाइत अछि।

(C) ‘दीना-भद्री’ कैँ गामक सामूहिक भय, आशा आ संरक्षणक प्रतीक सँ जोड़ल जाइत अछि।

(D) ‘दीना-भद्री’ कैँ जन्म-समारोहक लोकगीत सँ जोड़ल जाइत अछि।

५७०. जँ विद्यार्थी ‘दीना-भद्री’क नोट बनबैत अछि, तखन मुख्य निष्कर्ष कोन राखय?

(A) विद्यार्थी ‘दीना-भद्री’ पढ़ैत समय वीर-गाथा आ लोकनायक पर आधारित दीर्घ गायन कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(B) विद्यार्थी ‘दीना-भद्री’ पढ़ैत समय श्रम, प्रतिरोध आ वंचित समुदाय केर लोकस्मृति पर ध्यान देत।

(C) विद्यार्थी ‘दीना-भद्री’ पढ़ैत समय ग्रामीण अर्थव्यवस्था आ सांस्कृतिक मिलनक स्थल कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(D) विद्यार्थी ‘दीना-भद्री’ पढ़ैत समय लोकनायक, न्याय आ जनसमुदायक आस्था कैँ मुख्य तथ्य मानत।

५७१. मिथिलाक इतिहासमे ‘बिहुला’ कैँ मुख्यतः कोन बातसँ जोड़ल जाइत अछि?

(A) देवी-आस्था, स्त्री-नृत्य आ लोक-अभिनय

(B) श्रम, प्रतिरोध आ वंचित समुदाय केर लोकस्मृति

(C) नागकथा, दाम्पत्य निष्ठा आ स्त्री-शक्ति

(D) जन्म-समारोहक लोकगीत

५७२. नीचाँ देल जोड़ीमे ‘बिहुला’ सम्बन्धी सही जोड़ी कोन अछि?

(A) बिहुला — विवाहक विभिन्न क्रममे गाओल गीत

(B) बिहुला — नागकथा, दाम्पत्य निष्ठा आ स्त्री-शक्ति

(C) बिहुला — विवाहक कलात्मक-आनुष्ठानिक कक्ष

(D) बिहुला — चावल-पिठारसँ बनल पूजापर्वक भूमिचित्र

५७३. विदेह समानान्तर इतिहासक दृष्टिसँ ‘बिहुला’ पर ध्यान देबाक कारण की अछि?

(A) कारण ई भाइ-बहिन, पक्षी-रूपक आ स्त्री-लोकगीतक पबनी कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(B) कारण ई लोकनायक, न्याय आ जनसमुदायक आस्था कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(C) कारण ई नागकथा, दाम्पत्य निष्ठा आ स्त्री-शक्ति कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि।

(D) कारण ई ग्रामीण अर्थव्यवस्था आ सांस्कृतिक मिलनक स्थल कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

५७४. ‘बिहुला’ विषयमे कोन कथन सही अछि?

(A) ‘बिहुला’ कैँ जन्म-समारोहक लोकगीत सँ जोड़ल जाइत अछि।

(B) ‘बिहुला’ कैँ विवाहक विभिन्न क्रममे गाओल गीत सँ जोड़ल जाइत अछि।

(C) ‘बिहुला’ कैँ नागकथा, दाम्पत्य निष्ठा आ स्त्री-शक्ति सँ जोड़ल जाइत अछि।

(D) ‘बिहुला’ कैँ सूर्योपासना, जल, अनुशासन आ सामूहिक आस्था सँ जोड़ल जाइत अछि।

५७५. जँ विद्यार्थी ‘बिहुला’क नोट बनबैत अछि, तखन मुख्य निष्कर्ष कोन राखय?

(A) विद्यार्थी ‘बिहुला’ पढ़ैत समय नागकथा, दाम्पत्य निष्ठा आ स्त्री-शक्ति पर ध्यान देत।

(B) विद्यार्थी ‘बिहुला’ पढ़ैत समय गामक सामूहिक भय, आशा आ संरक्षणक प्रतीक कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(C) विद्यार्थी ‘बिहुला’ पढ़ैत समय विवाहक कलात्मक-आनुष्ठानिक कक्ष कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(D) विद्यार्थी ‘बिहुला’ पढ़ैत समय विवाहक विभिन्न क्रममे गाओल गीत कैँ मुख्य तथ्य मानत।

५७६. मिथिलाक इतिहासमे ‘लोकदेवता’ कैँ मुख्यतः कोन बातसँ जोड़ल जाइत अछि?

(A) वीर-गाथा आ लोकनायक पर आधारित दीर्घ गायन

(B) सन्तान-कल्याण लेल मातृव्रत

(C) भाइ-बहिन, पक्षी-रूपक आ स्त्री-लोकगीतक पबनी

(D) गामक सामूहिक भय, आशा आ संरक्षणक प्रतीक

५७७. नीचाँ देल जोड़ीमे 'लोकदेवता' सम्बन्धी सही जोड़ी कोन अछि?

(A) लोकदेवता — गामक सामूहिक भय, आशा आ संरक्षणक प्रतीक

(B) लोकदेवता — वीर-गाथा आ लोकनायक पर आधारित दीर्घ गायन

(C) लोकदेवता — भाइ-बहिन, पक्षी-रूपक आ स्त्री-लोकगीतक पबनी

(D) लोकदेवता — विवाहक विभिन्न क्रममे गाओल गीत

५७८. विदेह समानान्तर इतिहासक दृष्टिसँ 'लोकदेवता' पर ध्यान देबाक कारण की अछि?

(A) कारण ई देवी-आस्था, स्त्री-नृत्य आ लोक-अभिनय कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(B) कारण ई गामक सामूहिक भय, आशा आ संरक्षणक प्रतीक कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि।

(C) कारण ई सन्तान-कल्याण लेल मातृव्रत कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(D) कारण ई लोकनायक, न्याय आ जनसमुदायक आस्था कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

५७९. 'लोकदेवता' विषयमे कोन कथन सही अछि?

(A) 'लोकदेवता' कैँ गामक सामूहिक भय, आशा आ संरक्षणक प्रतीक सँ जोड़ल जाइत अछि।

(B) 'लोकदेवता' कैँ विवाहक कलात्मक-आनुष्ठानिक कक्ष सँ जोड़ल जाइत अछि।

(C) 'लोकदेवता' कैँ मैथिल सम्मान आ पहचानक सिरपोश सँ जोड़ल जाइत अछि।

(D) 'लोकदेवता' कैँ सन्तान-कल्याण लेल मातृव्रत सँ जोड़ल जाइत अछि।

५८०. जँ विद्यार्थी 'लोकदेवता'क नोट बनबैत अछि, तखन मुख्य निष्कर्ष कोन राखय?

(A) विद्यार्थी 'लोकदेवता' पढ़ैत समय वीर-गाथा आ लोकनायक पर आधारित दीर्घ गायन कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(B) विद्यार्थी 'लोकदेवता' पढ़ैत समय मैथिल सम्मान आ पहचानक सिरपोश कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(C) विद्यार्थी 'लोकदेवता' पढ़ैत समय विदाईक करुण गीत कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(D) विद्यार्थी 'लोकदेवता' पढ़ैत समय गामक सामूहिक भय, आशा आ संरक्षणक प्रतीक पर ध्यान देत।

५८१. मिथिलाक इतिहासमे 'पाग' कैँ मुख्यतः कोन बातसँ जोड़ल जाइत अछि?

(A) नवविवाहित स्त्री, नाग-कथा आ सावन संस्कार

(B) भाइ-बहिन, पक्षी-रूपक आ स्त्री-लोकगीतक पबनी

(C) देवी-आस्था, स्त्री-नृत्य आ लोक-अभिनय

(D) मैथिल सम्मान आ पहचानक सिरपोश

५८२. नीचाँ देल जोड़ीमे 'पाग' सम्बन्धी सही जोड़ी कोन अछि?

(A) पाग — जन्म-समारोहक लोकगीत

(B) पाग — श्रम, प्रतिरोध आ वंचित समुदाय केर लोकस्मृति

(C) पाग — मैथिल सम्मान आ पहचानक सिरपोश

(D) पाग — नवविवाहित स्त्री, नाग-कथा आ सावन संस्कार

५८३. विदेह समानान्तर इतिहासक दृष्टिसँ 'पाग' पर ध्यान देबाक कारण की अछि?

(A) कारण ई जन्म-समारोहक लोकगीत कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(B) कारण ई सन्तान-कल्याण लेल मातृव्रत कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(C) कारण ई मैथिल सम्मान आ पहचानक सिरपोश कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि।

(D) कारण ई वर्षा, विरह आ स्त्रीस्वरक गीत कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

५८४. 'पाग' विषयमे कोन कथन सही अछि?

(A) 'पाग' कैँ विदाईक करुण गीत सँ जोड़ल जाइत अछि।

(B) 'पाग' कैँ नागकथा, दाम्पत्य निष्ठा आ स्त्री-शक्ति सँ जोड़ल जाइत अछि।

(C) 'पाग' कैँ मैथिल सम्मान आ पहचानक सिरपोश सँ जोड़ल जाइत अछि।

(D) 'पाग' कैँ भाइ-बहिन, पक्षी-रूपक आ स्त्री-लोकगीतक पबनी सँ जोड़ल जाइत अछि।

५८५. जँ विद्यार्थी 'पाग'क नोट बनबैत अछि, तखन मुख्य निष्कर्ष कोन राखय?

(A) विद्यार्थी 'पाग' पढ़ैत समय घर-आँगनमे पीढ़ी-दर-पीढ़ी चलैत अनुभवक गीत कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(B) विद्यार्थी 'पाग' पढ़ैत समय विदाईक करुण गीत कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(C) विद्यार्थी 'पाग' पढ़ैत समय बातचीत, निर्णय, गीत आ समाचारक ग्रामीण स्थान कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(D) विद्यार्थी 'पाग' पढ़ैत समय मैथिल सम्मान आ पहचानक सिरपोश पर ध्यान देत।

५८६. मिथिलाक इतिहासमे 'स्त्रीगीत' कैँ मुख्यतः कोन बातसँ जोड़ल जाइत अछि?

(A) वर्षा, विरह आ स्त्रीस्वरक गीत

(B) वीर-गाथा आ लोकनायक पर आधारित दीर्घ गायन

(C) बातचीत, निर्णय, गीत आ समाचारक ग्रामीण स्थान

(D) घर-आँगनमे पीढ़ी-दर-पीढ़ी चलैत अनुभवक गीत

५८७. नीचाँ देल जोड़ीमे 'स्त्रीगीत' सम्बन्धी सही जोड़ी कोन अछि?

(A) स्त्रीगीत — गामक सामूहिक भय, आशा आ संरक्षणक प्रतीक

(B) स्त्रीगीत — भाइ-बहिन, पक्षी-रूपक आ स्त्री-लोकगीतक पबनी

(C) स्त्रीगीत — श्रम, प्रतिरोध आ वंचित समुदाय केर लोकस्मृति

(D) स्त्रीगीत — घर-आँगनमे पीढ़ी-दर-पीढ़ी चलैत अनुभवक गीत

५८८. विदेह समानान्तर इतिहासक दृष्टिसँ 'स्त्रीगीत' पर ध्यान देबाक कारण की अछि?

(A) कारण ई श्रम, प्रतिरोध आ वंचित समुदाय केर लोकस्मृति कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(B) कारण ई सूर्योपासना, जल, अनुशासन आ सामूहिक आस्था कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(C) कारण ई घर-आँगनमे पीढ़ी-दर-पीढ़ी चलैत अनुभवक गीत कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि।

(D) कारण ई बातचीत, निर्णय, गीत आ समाचारक ग्रामीण स्थान कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

५८९. 'स्त्रीगीत' विषयमे कोन कथन सही अछि?

(A) 'स्त्रीगीत' कैँ मैथिल सम्मान आ पहचानक सिरपोश सँ जोड़ल जाइत अछि।

(B) 'स्त्रीगीत' कैँ सन्तान-कल्याण लेल मातृव्रत सँ जोड़ल जाइत अछि।

(C) 'स्त्रीगीत' कैँ जन्म-समारोहक लोकगीत सँ जोड़ल जाइत अछि।

(D) 'स्त्रीगीत' कैँ घर-आँगनमे पीढ़ी-दर-पीढ़ी चलैत अनुभवक गीत सँ जोड़ल जाइत अछि।

५९०. जँ विद्यार्थी 'स्त्रीगीत'क नोट बनबैत अछि, तखन मुख्य निष्कर्ष कोन राखय?

(A) विद्यार्थी 'स्त्रीगीत' पढ़ैत समय घर-आँगनमे पीढ़ी-दर-पीढ़ी चलैत अनुभवक गीत पर ध्यान देत।

(B) विद्यार्थी 'स्त्रीगीत' पढ़ैत समय ग्रामीण अर्थव्यवस्था आ सांस्कृतिक मिलनक स्थल कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(C) विद्यार्थी 'स्त्रीगीत' पढ़ैत समय श्रम, प्रतिरोध आ वंचित समुदाय केर लोकस्मृति कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(D) विद्यार्थी 'स्त्रीगीत' पढ़ैत समय वर्षा, विरह आ स्त्रीस्वरक गीत कैँ मुख्य तथ्य मानत।

५९१. मिथिलाक इतिहासमे 'चौपाल' कैँ मुख्यतः कोन बातसँ जोड़ल जाइत अछि?

(A) विवाहक कलात्मक-आनुष्ठानिक कक्ष

(B) बातचीत, निर्णय, गीत आ समाचारक ग्रामीण स्थान

(C) नवविवाहित स्त्री, नाग-कथा आ सावन संस्कार

(D) नागकथा, दाम्पत्य निष्ठा आ स्त्री-शक्ति

५९२. नीचाँ देल जोड़ीमे 'चौपाल' सम्बन्धी सही जोड़ी कोन अछि?

(A) चौपाल — विवाहक विभिन्न क्रममे गाओल गीत

(B) चौपाल — जन्म-समारोहक लोकगीत

(C) चौपाल — नवविवाहित स्त्री, नाग-कथा आ सावन संस्कार

(D) चौपाल — बातचीत, निर्णय, गीत आ समाचारक ग्रामीण स्थान

५९३. विदेह समानान्तर इतिहासक दृष्टिसँ ‘चौपाल’ पर ध्यान देबाक कारण की अछि?

(A) कारण ई जन्म-समारोहक लोकगीत कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(B) कारण ई बातचीत, निर्णय, गीत आ समाचारक ग्रामीण स्थान कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि।

(C) कारण ई भाइ-बहिन, पक्षी-रूपक आ स्त्री-लोकगीतक पबनी कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(D) कारण ई नागकथा, दाम्पत्य निष्ठा आ स्त्री-शक्ति कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

५९४. ‘चौपाल’ विषयमे कोन कथन सही अछि?

(A) ‘चौपाल’ कैँ श्रम, प्रतिरोध आ वंचित समुदाय केर लोकस्मृति सँ जोड़ल जाइत अछि।

(B) ‘चौपाल’ कैँ बातचीत, निर्णय, गीत आ समाचारक ग्रामीण स्थान सँ जोड़ल जाइत अछि।

(C) ‘चौपाल’ कैँ सूर्योपासना, जल, अनुशासन आ सामूहिक आस्था सँ जोड़ल जाइत अछि।

(D) ‘चौपाल’ कैँ लोकनायक, न्याय आ जनसमुदायक आस्था सँ जोड़ल जाइत अछि।

५९५. जँ विद्यार्थी ‘चौपाल’क नोट बनबैत अछि, तखन मुख्य निष्कर्ष कोन राखय?

(A) विद्यार्थी ‘चौपाल’ पढ़ैत समय श्रम, प्रतिरोध आ वंचित समुदाय केर लोकस्मृति कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(B) विद्यार्थी ‘चौपाल’ पढ़ैत समय ग्रामीण अर्थव्यवस्था आ सांस्कृतिक मिलनक स्थल कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(C) विद्यार्थी ‘चौपाल’ पढ़ैत समय विदाईक करुण गीत कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(D) विद्यार्थी ‘चौपाल’ पढ़ैत समय बातचीत, निर्णय, गीत आ समाचारक ग्रामीण स्थान पर ध्यान देत।

५९६. मिथिलाक इतिहासमे ‘हाट-बजार’ कैँ मुख्यतः कोन बातसँ जोड़ल जाइत अछि?

(A) मैथिल सम्मान आ पहचानक सिरपोश

(B) लोकनायक, न्याय आ जनसमुदायक आस्था

(C) घर-आँगनमे पीढ़ी-दर-पीढ़ी चलैत अनुभवक गीत

(D) ग्रामीण अर्थव्यवस्था आ सांस्कृतिक मिलनक स्थल

५९७. नीचाँ देल जोड़ीमे ‘हाट-बजार’ सम्बन्धी सही जोड़ी कोन अछि?

(A) हाट-बजार — भाइ-बहिन, पक्षी-रूपक आ स्त्री-लोकगीतक पबनी

(B) हाट-बजार — जन्म-समारोहक लोकगीत

(C) हाट-बजार — विदाईक करुण गीत

(D) हाट-बजार — ग्रामीण अर्थव्यवस्था आ सांस्कृतिक मिलनक स्थल

५९८. विदेह समानान्तर इतिहासक दृष्टिसँ ‘हाट-बजार’ पर ध्यान देबाक कारण की अछि?

(A) कारण ई मैथिल सम्मान आ पहचानक सिरपोश कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(B) कारण ई श्रम, प्रतिरोध आ वंचित समुदाय केर लोकस्मृति कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(C) कारण ई ग्रामीण अर्थव्यवस्था आ सांस्कृतिक मिलनक स्थल कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि।

(D) कारण ई बातचीत, निर्णय, गीत आ समाचारक ग्रामीण स्थान कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

५९९. ‘हाट-बजार’ विषयमे कोन कथन सही अछि?

(A) ‘हाट-बजार’ कैँ नवविवाहित स्त्री, नाग-कथा आ सावन संस्कार सँ जोड़ल जाइत अछि।

(B) ‘हाट-बजार’ कैँ ग्रामीण अर्थव्यवस्था आ सांस्कृतिक मिलनक स्थल सँ जोड़ल जाइत अछि।

(C) ‘हाट-बजार’ कैँ विदाईक करुण गीत सँ जोड़ल जाइत अछि।

(D) ‘हाट-बजार’ कैँ नागकथा, दाम्पत्य निष्ठा आ स्त्री-शक्ति सँ जोड़ल जाइत अछि।

६००. जँ विद्यार्थी ‘हाट-बजार’क नोट बनबैत अछि, तखन मुख्य निष्कर्ष कोन राखय?

(A) विद्यार्थी ‘हाट-बजार’ पढ़ैत समय गामक सामूहिक भय, आशा आ संरक्षणक प्रतीक कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(B) विद्यार्थी ‘हाट-बजार’ पढ़ैत समय ग्रामीण अर्थव्यवस्था आ सांस्कृतिक मिलनक स्थल पर ध्यान देत।

(C) विद्यार्थी ‘हाट-बजार’ पढ़ैत समय चावल-पिठारसँ बनल पूजापर्वक भूमिचित्र कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(D) विद्यार्थी ‘हाट-बजार’ पढ़ैत समय विवाहक विभिन्न क्रममे गाओल गीत कैँ मुख्य तथ्य मानत।

६०१. मिथिलाक इतिहासमे ‘कोसी’ कैँ मुख्यतः कोन बातसँ जोड़ल जाइत अछि?

(A) बरसाती जलधरि आ कृषि-चराईक क्षेत्र

(B) बाढ़, धारा-परिवर्तन आ उत्तर मिथिलाक जीवन-संघर्ष

(C) जल, बाढ़ आ धार्मिक-सांस्कृतिक भूगोलक नदी

(D) नदी-संस्कृति, सिंचाइ आ बाढ़क स्रोत

६०२. नीचाँ देल जोड़ीमे ‘कोसी’ सम्बन्धी सही जोड़ी कोन अछि?

(A) कोसी — उत्तर बिहारक बागानी आ बाजारक महत्त्वपूर्ण फल

(B) कोसी — नदी-संस्कृति, सिंचाइ आ बाढ़क स्रोत

(C) कोसी — नदी-पोखरि, भोजन आ जीविका संसाधन

(D) कोसी — बाढ़, धारा-परिवर्तन आ उत्तर मिथिलाक जीवन-संघर्ष

६०३. विदेह समानान्तर इतिहासक दृष्टिसँ ‘कोसी’ पर ध्यान देबाक कारण की अछि?

(A) कारण ई बगैचा, ऋतु आ अतिथि-सत्कारक फल कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(B) कारण ई बाढ़, धारा-परिवर्तन आ उत्तर मिथिलाक जीवन-संघर्ष कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि।

(C) कारण ई बाहर कमायब आ गाममे धन पठायबक प्रवृत्ति कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(D) कारण ई भुट्टा, चूड़ा आ मिश्रित खेतीसँ जुड़ल फसल कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

६०४. ‘कोसी’ विषयमे कोन कथन सही अछि?

(A) ‘कोसी’ कैँ बाढ़, धारा-परिवर्तन आ उत्तर मिथिलाक जीवन-संघर्ष सँ जोड़ल जाइत अछि।

(B) ‘कोसी’ कैँ जल-संग्रह, मखान, माछ, स्नान आ पूजा-केंद्र सँ जोड़ल जाइत अछि।

(C) ‘कोसी’ कैँ विनाश आ उर्वरता दुनू अनबाक प्राकृतिक घटना सँ जोड़ल जाइत अछि।

(D) ‘कोसी’ कैँ नदी-पोखरि, भोजन आ जीविका संसाधन सँ जोड़ल जाइत अछि।

६०५. जँ विद्यार्थी ‘कोसी’क नोट बनबैत अछि, तखन मुख्य निष्कर्ष कोन राखय?

(A) विद्यार्थी ‘कोसी’ पढ़ैत समय स्थानीय नदी-स्मृति आ बाढ़-परिवेश कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(B) विद्यार्थी ‘कोसी’ पढ़ैत समय बाढ़, धारा-परिवर्तन आ उत्तर मिथिलाक जीवन-संघर्ष पर ध्यान देत।

(C) विद्यार्थी ‘कोसी’ पढ़ैत समय उत्तर बिहारक बागानी आ बाजारक महत्त्वपूर्ण फल कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(D) विद्यार्थी ‘कोसी’ पढ़ैत समय बगैचा, ऋतु आ अतिथि-सत्कारक फल कैँ मुख्य तथ्य मानत।

६०६. मिथिलाक इतिहासमे ‘कमला’ कैँ मुख्यतः कोन बातसँ जोड़ल जाइत अछि?

(A) नदी-संस्कृति, सिंचाइ आ बाढ़क स्रोत

(B) नम क्षेत्रक नकदी फसल आ श्रम-साधन

(C) बाढ़, धारा-परिवर्तन आ उत्तर मिथिलाक जीवन-संघर्ष

(D) नदी-पोखरि, भोजन आ जीविका संसाधन

६०७. नीचाँ देल जोड़ीमे ‘कमला’ सम्बन्धी सही जोड़ी कोन अछि?

(A) कमला — विनाश आ उर्वरता दुनू अनबाक प्राकृतिक घटना

(B) कमला — जल, बाढ़ आ धार्मिक-सांस्कृतिक भूगोलक नदी

(C) कमला — नदी-संस्कृति, सिंचाइ आ बाढ़क स्रोत

(D) कमला — नदीक धारा सँ खेत-घर हरपाएब

६०८. विदेह समानान्तर इतिहासक दृष्टिसँ ‘कमला’ पर ध्यान देबाक कारण की अछि?

(A) कारण ई नदी-संस्कृति, सिंचाइ आ बाढ़क स्रोत कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि।

(B) कारण ई विनाश आ उर्वरता दुनू अनबाक प्राकृतिक घटना कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(C) कारण ई बरसाती जलधरि आ कृषि-चराईक क्षेत्र कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(D) कारण ई उत्तर बिहारक बागानी आ बाजारक महत्त्वपूर्ण फल कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

६०९. ‘कमला’ विषयमे कोन कथन सही अछि?

(A) ‘कमला’ कैँ बाढ़, धारा-परिवर्तन आ उत्तर मिथिलाक जीवन-संघर्ष सँ जोड़ल जाइत अछि।

(B) ‘कमला’ कैँ बाहर कमायब आ गाममे धन पठायबक प्रवृत्ति सँ जोड़ल जाइत अछि।

(C) ‘कमला’ कैँ नदी-संस्कृति, सिंचाइ आ बाढ़क स्रोत सँ जोड़ल जाइत अछि।

(D) ‘कमला’ कैँ मिथिलाक मुख्य अन्न आ कृषि-संस्कृतिक आधार सँ जोड़ल जाइत अछि।

६१०. जँ विद्यार्थी ‘कमला’क नोट बनबैत अछि, तखन मुख्य निष्कर्ष कोन राखय?

(A) विद्यार्थी ‘कमला’ पढ़ैत समय उत्तर बिहारक बागानी आ बाजारक महत्त्वपूर्ण फल कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(B) विद्यार्थी ‘कमला’ पढ़ैत समय रोजगार लेल गाम छोड़बाक प्रक्रिया कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(C) विद्यार्थी ‘कमला’ पढ़ैत समय नदी-संस्कृति, सिंचाइ आ बाढ़क स्रोत पर ध्यान देत।

(D) विद्यार्थी ‘कमला’ पढ़ैत समय रबी फसिल आ ग्रामीण अर्थजीवनक अन्न कैँ मुख्य तथ्य मानत।

६११. मिथिलाक इतिहासमे ‘बागमती’ कैँ मुख्यतः कोन बातसँ जोड़ल जाइत अछि?

(A) नम क्षेत्रक नकदी फसल आ श्रम-साधन

(B) स्थानीय नदी-स्मृति आ बाढ़-परिवेश

(C) जल, बाढ़ आ धार्मिक-सांस्कृतिक भूगोलक नदी

(D) मिथिलाक मुख्य अन्न आ कृषि-संस्कृतिक आधार

६१२. नीचाँ देल जोड़ीमे ‘बागमती’ सम्बन्धी सही जोड़ी कोन अछि?

(A) बागमती — उत्तर बिहारक नदी-व्यवस्था आ कृषि सँ जुड़ल धारा

(B) बागमती — भुट्टा, चूड़ा आ मिश्रित खेतीसँ जुड़ल फसल

(C) बागमती — जल, बाढ़ आ धार्मिक-सांस्कृतिक भूगोलक नदी

(D) बागमती — रोजगार लेल गाम छोड़बाक प्रक्रिया

६१३. विदेह समानान्तर इतिहासक दृष्टिसँ ‘बागमती’ पर ध्यान देबाक कारण की अछि?

(A) कारण ई जल, बाढ़ आ धार्मिक-सांस्कृतिक भूगोलक नदी कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि।

(B) कारण ई नदी-संस्कृति, सिंचाइ आ बाढ़क स्रोत कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(C) कारण ई उत्तर बिहारक बागानी आ बाजारक महत्त्वपूर्ण फल कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(D) कारण ई नम क्षेत्रक नकदी फसल आ श्रम-साधन कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

६१४. ‘बागमती’ विषयमे कोन कथन सही अछि?

(A) ‘बागमती’ कैँ जल, बाढ़ आ धार्मिक-सांस्कृतिक भूगोलक नदी सँ जोड़ल जाइत अछि।

(B) ‘बागमती’ कैँ रबी फसिल आ ग्रामीण अर्थजीवनक अन्न सँ जोड़ल जाइत अछि।

(C) ‘बागमती’ कैँ विनाश आ उर्वरता दुनू अनबाक प्राकृतिक घटना सँ जोड़ल जाइत अछि।

(D) ‘बागमती’ कैँ नदीक धारा सँ खेत-घर हरपाएब सँ जोड़ल जाइत अछि।

६१५. जँ विद्यार्थी ‘बागमती’क नोट बनबैत अछि, तखन मुख्य निष्कर्ष कोन राखय?

(A) विद्यार्थी ‘बागमती’ पढ़ैत समय जल, बाढ़ आ धार्मिक-सांस्कृतिक भूगोलक नदी पर ध्यान देत।

(B) विद्यार्थी ‘बागमती’ पढ़ैत समय जल-संग्रह, मखान, माछ, स्नान आ पूजा-केंद्र कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(C) विद्यार्थी ‘बागमती’ पढ़ैत समय भुट्टा, चूड़ा आ मिश्रित खेतीसँ जुड़ल फसल कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(D) विद्यार्थी ‘बागमती’ पढ़ैत समय बाढ़, धारा-परिवर्तन आ उत्तर मिथिलाक जीवन-संघर्ष कैँ मुख्य तथ्य मानत।

६१६. मिथिलाक इतिहासमे ‘गंडक’ कैँ मुख्यतः कोन बातसँ जोड़ल जाइत अछि?

(A) जल-संग्रह, मखान, माछ, स्नान आ पूजा-केंद्र

(B) भुट्टा, चूड़ा आ मिश्रित खेतीसँ जुड़ल फसल

(C) विनाश आ उर्वरता दुनू अनबाक प्राकृतिक घटना

(D) उत्तर बिहारक नदी-व्यवस्था आ कृषि सँ जुड़ल धारा

६१७. नीचाँ देल जोड़ीमे 'गंडक' सम्बन्धी सही जोड़ी कोन अछि?

(A) गंडक — बाढ़, धारा-परिवर्तन आ उत्तर मिथिलाक जीवन-संघर्ष

(B) गंडक — रबी फसिल आ ग्रामीण अर्थजीवनक अन्न

(C) गंडक — उत्तर बिहारक नदी-व्यवस्था आ कृषि सँ जुड़ल धारा

(D) गंडक — पोखरि-आधारित जलकृषि आ विशिष्ट उत्पाद

६१८. विदेह समानान्तर इतिहासक दृष्टिसँ 'गंडक' पर ध्यान देबाक कारण की अछि?

(A) कारण ई उत्तर बिहारक बागानी आ बाजारक महत्त्वपूर्ण फल कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(B) कारण ई उत्तर बिहारक नदी-व्यवस्था आ कृषि सँ जुड़ल धारा कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि।

(C) कारण ई नदी-संस्कृति, सिंचाइ आ बाढ़क स्रोत कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(D) कारण ई पोखरि-आधारित जलकृषि आ विशिष्ट उत्पाद कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

६१९. 'गंडक' विषयमे कोन कथन सही अछि?

(A) 'गंडक' कैँ बाढ़, धारा-परिवर्तन आ उत्तर मिथिलाक जीवन-संघर्ष सँ जोड़ल जाइत अछि।

(B) 'गंडक' कैँ उत्तर बिहारक बागानी आ बाजारक महत्त्वपूर्ण फल सँ जोड़ल जाइत अछि।

(C) 'गंडक' कैँ उत्तर बिहारक नदी-व्यवस्था आ कृषि सँ जुड़ल धारा सँ जोड़ल जाइत अछि।

(D) 'गंडक' कैँ नदी-पोखरि, भोजन आ जीविका संसाधन सँ जोड़ल जाइत अछि।

६२०. जँ विद्यार्थी 'गंडक'क नोट बनबैत अछि, तखन मुख्य निष्कर्ष कोन राखय?

(A) विद्यार्थी 'गंडक' पढ़ैत समय नम क्षेत्रक नकदी फसल आ श्रम-साधन कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(B) विद्यार्थी 'गंडक' पढ़ैत समय जल, बाढ़ आ धार्मिक-सांस्कृतिक भूगोलक नदी कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(C) विद्यार्थी 'गंडक' पढ़ैत समय जल-संग्रह, मखान, माछ, स्नान आ पूजा-केंद्र कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(D) विद्यार्थी 'गंडक' पढ़ैत समय उत्तर बिहारक नदी-व्यवस्था आ कृषि सँ जुड़ल धारा पर ध्यान देत।

६२१. मिथिलाक इतिहासमे 'बलान' कैँ मुख्यतः कोन बातसँ जोड़ल जाइत अछि?

(A) नदीक धारा सँ खेत-घर हरपाएब

(B) नदी-पोखरि, भोजन आ जीविका संसाधन

(C) बरसाती जलधरि आ कृषि-चराईक क्षेत्र

(D) स्थानीय नदी-स्मृति आ बाढ़-परिवेश

६२२. नीचाँ देल जोड़ीमे 'बलान' सम्बन्धी सही जोड़ी कोन अछि?

(A) बलान — स्थानीय नदी-स्मृति आ बाढ़-परिवेश

(B) बलान — जल-संग्रह, मखान, माछ, स्नान आ पूजा-केंद्र

(C) बलान — बरसाती जलधरि आ कृषि-चराईक क्षेत्र

(D) बलान — विनाश आ उर्वरता दुनू अनबाक प्राकृतिक घटना

६२३. विदेह समानान्तर इतिहासक दृष्टिसँ 'बलान' पर ध्यान देबाक कारण की अछि?

(A) कारण ई स्थानीय नदी-स्मृति आ बाढ़-परिवेश कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि।

(B) कारण ई बगैचा, ऋतु आ अतिथि-सत्कारक फल कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(C) कारण ई नम क्षेत्रक नकदी फसल आ श्रम-साधन कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(D) कारण ई तेल, पीयर फूल आ रबी खेतीक छवि कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

६२४. 'बलान' विषयमे कोन कथन सही अछि?

(A) 'बलान' कैँ उत्तर बिहारक नदी-व्यवस्था आ कृषि सँ जुड़ल धारा सँ जोड़ल जाइत अछि।

(B) 'बलान' कैँ बाढ़, धारा-परिवर्तन आ उत्तर मिथिलाक जीवन-संघर्ष सँ जोड़ल जाइत अछि।

(C) 'बलान' कैँ नदी-संस्कृति, सिंचाइ आ बाढ़क स्रोत सँ जोड़ल जाइत अछि।

(D) 'बलान' कैँ स्थानीय नदी-स्मृति आ बाढ़-परिवेश सँ जोड़ल जाइत अछि।

६२५. जँ विद्यार्थी ‘बलान’क नोट बनबैत अछि, तखन मुख्य निष्कर्ष कोन राखय?

(A) विद्यार्थी ‘बलान’ पढ़ैत समय स्थानीय नदी-स्मृति आ बाढ़-परिवेश पर ध्यान देत।

(B) विद्यार्थी ‘बलान’ पढ़ैत समय तेल, पीयर फूल आ रबी खेतीक छवि केँ मुख्य तथ्य मानत।

(C) विद्यार्थी ‘बलान’ पढ़ैत समय बरसाती जलधरि आ कृषि-चराईक क्षेत्र केँ मुख्य तथ्य मानत।

(D) विद्यार्थी ‘बलान’ पढ़ैत समय पोखरि-आधारित जलकृषि आ विशिष्ट उत्पाद केँ मुख्य तथ्य मानत।

६२६. मिथिलाक इतिहासमे ‘धान’ केँ मुख्यतः कोन बातसँ जोड़ल जाइत अछि?

(A) नम क्षेत्रक नकदी फसल आ श्रम-साधन

(B) मिथिलाक मुख्य अन्न आ कृषि-संस्कृतिक आधार

(C) पोखरि-आधारित जलकृषि आ विशिष्ट उत्पाद

(D) तेल, पीयर फूल आ रबी खेतीक छवि

६२७. नीचाँ देल जोड़ीमे ‘धान’ सम्बन्धी सही जोड़ी कोन अछि?

(A) धान — उत्तर बिहारक नदी-व्यवस्था आ कृषि सँ जुड़ल धारा

(B) धान — मिथिलाक मुख्य अन्न आ कृषि-संस्कृतिक आधार

(C) धान — रबी फसिल आ ग्रामीण अर्थजीवनक अन्न

(D) धान — विनाश आ उर्वरता दुनू अनबाक प्राकृतिक घटना

६२८. विदेह समानान्तर इतिहासक दृष्टिसँ ‘धान’ पर ध्यान देबाक कारण की अछि?

(A) कारण ई मिथिलाक मुख्य अन्न आ कृषि-संस्कृतिक आधार केँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि।

(B) कारण ई जल-संग्रह, मखान, माछ, स्नान आ पूजा-केंद्र केँ मात्र दोहरबैत अछि।

(C) कारण ई बाढ़, धारा-परिवर्तन आ उत्तर मिथिलाक जीवन-संघर्ष केँ मात्र दोहरबैत अछि।

(D) कारण ई बाहर कमायब आ गाममे धन पठायबक प्रवृत्ति केँ मात्र दोहरबैत अछि।

६२९. ‘धान’ विषयमे कोन कथन सही अछि?

(A) ‘धान’ केँ रबी फसिल आ ग्रामीण अर्थजीवनक अन्न सँ जोड़ल जाइत अछि।

(B) ‘धान’ केँ मिथिलाक मुख्य अन्न आ कृषि-संस्कृतिक आधार सँ जोड़ल जाइत अछि।

(C) ‘धान’ केँ नदी-पोखरि, भोजन आ जीविका संसाधन सँ जोड़ल जाइत अछि।

(D) ‘धान’ केँ बगैचा, ऋतु आ अतिथि-सत्कारक फल सँ जोड़ल जाइत अछि।

६३०. जँ विद्यार्थी ‘धान’क नोट बनबैत अछि, तखन मुख्य निष्कर्ष कोन राखय?

(A) विद्यार्थी ‘धान’ पढ़ैत समय उत्तर बिहारक बागानी आ बाजारक महत्त्वपूर्ण फल केँ मुख्य तथ्य मानत।

(B) विद्यार्थी ‘धान’ पढ़ैत समय मिथिलाक मुख्य अन्न आ कृषि-संस्कृतिक आधार पर ध्यान देत।

(C) विद्यार्थी ‘धान’ पढ़ैत समय नदी-पोखरि, भोजन आ जीविका संसाधन केँ मुख्य तथ्य मानत।

(D) विद्यार्थी ‘धान’ पढ़ैत समय तेल, पीयर फूल आ रबी खेतीक छवि केँ मुख्य तथ्य मानत।

६३१. मिथिलाक इतिहासमे ‘गहूँ’ केँ मुख्यतः कोन बातसँ जोड़ल जाइत अछि?

(A) मिथिलाक मुख्य अन्न आ कृषि-संस्कृतिक आधार

(B) उत्तर बिहारक नदी-व्यवस्था आ कृषि सँ जुड़ल धारा

(C) रबी फसिल आ ग्रामीण अर्थजीवनक अन्न

(D) तेल, पीयर फूल आ रबी खेतीक छवि

६३२. नीचाँ देल जोड़ीमे ‘गहूँ’ सम्बन्धी सही जोड़ी कोन अछि?

(A) गहूँ — बाहर कमायब आ गाममे धन पठायबक प्रवृत्ति

(B) गहूँ — उत्तर बिहारक बागानी आ बाजारक महत्त्वपूर्ण फल

(C) गहूँ — रबी फसिल आ ग्रामीण अर्थजीवनक अन्न

(D) गहूँ — नदीक धारा सँ खेत-घर हरपाएब

६३३. विदेह समानान्तर इतिहासक दृष्टिसँ ‘गहूँ’ पर ध्यान देबाक कारण की अछि?

(A) कारण ई तेल, पीयर फूल आ रबी खेतीक छवि कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(B) कारण ई रोजगार लेल गाम छोड़बाक प्रक्रिया कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(C) कारण ई रबी फसिल आ ग्रामीण अर्थजीवनक अन्न कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि।

(D) कारण ई बरसाती जलधरि आ कृषि-चराईक क्षेत्र कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

६३४. ‘गहूँ’ विषयमे कोन कथन सही अछि?

(A) ‘गहूँ’ कैँ रबी फसिल आ ग्रामीण अर्थजीवनक अन्न सँ जोड़ल जाइत अछि।

(B) ‘गहूँ’ कैँ बाढ़, धारा-परिवर्तन आ उत्तर मिथिलाक जीवन-संघर्ष सँ जोड़ल जाइत अछि।

(C) ‘गहूँ’ कैँ भुट्टा, चूड़ा आ मिश्रित खेतीसँ जुड़ल फसल सँ जोड़ल जाइत अछि।

(D) ‘गहूँ’ कैँ बाहर कमायब आ गाममे धन पठायबक प्रवृत्ति सँ जोड़ल जाइत अछि।

६३५. जँ विद्यार्थी ‘गहूँ’क नोट बनबैत अछि, तखन मुख्य निष्कर्ष कोन राखय?

(A) विद्यार्थी ‘गहूँ’ पढ़ैत समय रबी फसिल आ ग्रामीण अर्थजीवनक अन्न पर ध्यान देत।

(B) विद्यार्थी ‘गहूँ’ पढ़ैत समय भुट्टा, चूड़ा आ मिश्रित खेतीसँ जुड़ल फसल कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(C) विद्यार्थी ‘गहूँ’ पढ़ैत समय तेल, पीयर फूल आ रबी खेतीक छवि कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(D) विद्यार्थी ‘गहूँ’ पढ़ैत समय नदी-पोखरि, भोजन आ जीविका संसाधन कैँ मुख्य तथ्य मानत।

६३६. मिथिलाक इतिहासमे ‘मक्का’ कैँ मुख्यतः कोन बातसँ जोड़ल जाइत अछि?

(A) स्थानीय नदी-स्मृति आ बाढ़-परिवेश

(B) मिथिलाक मुख्य अन्न आ कृषि-संस्कृतिक आधार

(C) भुट्टा, चूड़ा आ मिश्रित खेतीसँ जुड़ल फसल

(D) जल-संग्रह, मखान, माछ, स्नान आ पूजा-केंद्र

६३७. नीचाँ देल जोड़ीमे ‘मक्का’ सम्बन्धी सही जोड़ी कोन अछि?

(A) मक्का — नदीक धारा सँ खेत-घर हरपाएब

(B) मक्का — नदी-पोखरि, भोजन आ जीविका संसाधन

(C) मक्का — भुट्टा, चूड़ा आ मिश्रित खेतीसँ जुड़ल फसल

(D) मक्का — जल, बाढ़ आ धार्मिक-सांस्कृतिक भूगोलक नदी

६३८. विदेह समानान्तर इतिहासक दृष्टिसँ ‘मक्का’ पर ध्यान देबाक कारण की अछि?

(A) कारण ई भुट्टा, चूड़ा आ मिश्रित खेतीसँ जुड़ल फसल कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि।

(B) कारण ई उत्तर बिहारक नदी-व्यवस्था आ कृषि सँ जुड़ल धारा कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(C) कारण ई नम क्षेत्रक नकदी फसल आ श्रम-साधन कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(D) कारण ई बगैचा, ऋतु आ अतिथि-सत्कारक फल कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

६३९. ‘मक्का’ विषयमे कोन कथन सही अछि?

(A) ‘मक्का’ कैँ उत्तर बिहारक नदी-व्यवस्था आ कृषि सँ जुड़ल धारा सँ जोड़ल जाइत अछि।

(B) ‘मक्का’ कैँ विनाश आ उर्वरता दुनू अनबाक प्राकृतिक घटना सँ जोड़ल जाइत अछि।

(C) ‘मक्का’ कैँ भुट्टा, चूड़ा आ मिश्रित खेतीसँ जुड़ल फसल सँ जोड़ल जाइत अछि।

(D) ‘मक्का’ कैँ नदीक धारा सँ खेत-घर हरपाएब सँ जोड़ल जाइत अछि।

६४०. जँ विद्यार्थी ‘मक्का’क नोट बनबैत अछि, तखन मुख्य निष्कर्ष कोन राखय?

(A) विद्यार्थी ‘मक्का’ पढ़ैत समय भुट्टा, चूड़ा आ मिश्रित खेतीसँ जुड़ल फसल पर ध्यान देत।

(B) विद्यार्थी ‘मक्का’ पढ़ैत समय बगैचा, ऋतु आ अतिथि-सत्कारक फल कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(C) विद्यार्थी ‘मक्का’ पढ़ैत समय जल-संग्रह, मखान, माछ, स्नान आ पूजा-केंद्र कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(D) विद्यार्थी ‘मक्का’ पढ़ैत समय जल, बाढ़ आ धार्मिक-सांस्कृतिक भूगोलक नदी कैँ मुख्य तथ्य मानत।

६४१. मिथिलाक इतिहासमे ‘मखान’ कैँ मुख्यतः कोन बातसँ जोड़ल जाइत अछि?

(A) रोजगार लेल गाम छोड़बाक प्रक्रिया

(B) पोखरि-आधारित जलकृषि आ विशिष्ट उत्पाद

(C) रबी फसिल आ ग्रामीण अर्थजीवनक अन्न

(D) बाढ़, धारा-परिवर्तन आ उत्तर मिथिलाक जीवन-संघर्ष

६४२. नीचाँ देल जोड़ीमे ‘मखान’ सम्बन्धी सही जोड़ी कोन अछि?

(A) मखान — बाढ़, धारा-परिवर्तन आ उत्तर मिथिलाक जीवन-संघर्ष

(B) मखान — पोखरि-आधारित जलकृषि आ विशिष्ट उत्पाद

(C) मखान — नदी-संस्कृति, सिंचाइ आ बाढ़क स्रोत

(D) मखान — उत्तर बिहारक नदी-व्यवस्था आ कृषि सँ जुड़ल धारा

६४३. विदेह समानान्तर इतिहासक दृष्टिसँ ‘मखान’ पर ध्यान देबाक कारण की अछि?

(A) कारण ई बरसाती जलधरि आ कृषि-चराईक क्षेत्र कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(B) कारण ई मिथिलाक मुख्य अन्न आ कृषि-संस्कृतिक आधार कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(C) कारण ई पोखरि-आधारित जलकृषि आ विशिष्ट उत्पाद कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि।

(D) कारण ई स्थानीय नदी-स्मृति आ बाढ़-परिवेश कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

६४४. ‘मखान’ विषयमे कोन कथन सही अछि?

(A) ‘मखान’ कैँ स्थानीय नदी-स्मृति आ बाढ़-परिवेश सँ जोड़ल जाइत अछि।

(B) ‘मखान’ कैँ पोखरि-आधारित जलकृषि आ विशिष्ट उत्पाद सँ जोड़ल जाइत अछि।

(C) ‘मखान’ कैँ नम क्षेत्रक नकदी फसल आ श्रम-साधन सँ जोड़ल जाइत अछि।

(D) ‘मखान’ कैँ रबी फसिल आ ग्रामीण अर्थजीवनक अन्न सँ जोड़ल जाइत अछि।

६४५. जँ विद्यार्थी ‘मखान’क नोट बनबैत अछि, तखन मुख्य निष्कर्ष कोन राखय?

(A) विद्यार्थी ‘मखान’ पढ़ैत समय पोखरि-आधारित जलकृषि आ विशिष्ट उत्पाद पर ध्यान देत।

(B) विद्यार्थी ‘मखान’ पढ़ैत समय उत्तर बिहारक बागानी आ बाजारक महत्त्वपूर्ण फल कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(C) विद्यार्थी ‘मखान’ पढ़ैत समय बाहर कमायब आ गाममे धन पठायबक प्रवृत्ति कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(D) विद्यार्थी ‘मखान’ पढ़ैत समय विनाश आ उर्वरता दुनू अनबाक प्राकृतिक घटना कैँ मुख्य तथ्य मानत।

६४६. मिथिलाक इतिहासमे ‘आम’ कैँ मुख्यतः कोन बातसँ जोड़ल जाइत अछि?

(A) स्थानीय नदी-स्मृति आ बाढ़-परिवेश

(B) उत्तर बिहारक नदी-व्यवस्था आ कृषि सँ जुड़ल धारा

(C) बगैचा, ऋतु आ अतिथि-सत्कारक फल

(D) नदीक धारा सँ खेत-घर हरपाएब

६४७. नीचाँ देल जोड़ीमे ‘आम’ सम्बन्धी सही जोड़ी कोन अछि?

(A) आम — जल, बाढ़ आ धार्मिक-सांस्कृतिक भूगोलक नदी

(B) आम — विनाश आ उर्वरता दुनू अनबाक प्राकृतिक घटना

(C) आम — नम क्षेत्रक नकदी फसल आ श्रम-साधन

(D) आम — बगैचा, ऋतु आ अतिथि-सत्कारक फल

६४८. विदेह समानान्तर इतिहासक दृष्टिसँ ‘आम’ पर ध्यान देबाक कारण की अछि?

(A) कारण ई जल, बाढ़ आ धार्मिक-सांस्कृतिक भूगोलक नदी कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(B) कारण ई नदी-संस्कृति, सिंचाइ आ बाढ़क स्रोत कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(C) कारण ई जल-संग्रह, मखान, माछ, स्नान आ पूजा-केंद्र कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(D) कारण ई बगैचा, ऋतु आ अतिथि-सत्कारक फल कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि।

६४९. ‘आम’ विषयमे कोन कथन सही अछि?

(A) ‘आम’ कैँ भुट्टा, चूड़ा आ मिश्रित खेतीसँ जुड़ल फसल सँ जोड़ल जाइत अछि।

(B) ‘आम’ कैँ रबी फसिल आ ग्रामीण अर्थजीवनक अन्न सँ जोड़ल जाइत अछि।

(C) ‘आम’ कैँ बगैचा, ऋतु आ अतिथि-सत्कारक फल सँ जोड़ल जाइत अछि।

(D) ‘आम’ कैँ बाढ़, धारा-परिवर्तन आ उत्तर मिथिलाक जीवन-संघर्ष सँ जोड़ल जाइत अछि।

६५०. जँ विद्यार्थी ‘आम’क नोट बनबैत अछि, तखन मुख्य निष्कर्ष कोन राखय?

(A) विद्यार्थी ‘आम’ पढ़ैत समय नदीक धारा सँ खेत-घर हरपाएब कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(B) विद्यार्थी ‘आम’ पढ़ैत समय स्थानीय नदी-स्मृति आ बाढ़-परिवेश कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(C) विद्यार्थी ‘आम’ पढ़ैत समय बाहर कमायब आ गाममे धन पठायबक प्रवृत्ति कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(D) विद्यार्थी ‘आम’ पढ़ैत समय बगैचा, ऋतु आ अतिथि-सत्कारक फल पर ध्यान देत।

६५१. मिथिलाक इतिहासमे ‘लीची’ कैँ मुख्यतः कोन बातसँ जोड़ल जाइत अछि?

(A) बाढ़, धारा-परिवर्तन आ उत्तर मिथिलाक जीवन-संघर्ष

(B) उत्तर बिहारक बागानी आ बाजारक महत्त्वपूर्ण फल

(C) भुट्टा, चूड़ा आ मिश्रित खेतीसँ जुड़ल फसल

(D) नदी-पोखरि, भोजन आ जीविका संसाधन

६५२. नीचाँ देल जोड़ीमे ‘लीची’ सम्बन्धी सही जोड़ी कोन अछि?

(A) लीची — उत्तर बिहारक बागानी आ बाजारक महत्त्वपूर्ण फल

(B) लीची — नदीक धारा सँ खेत-घर हरपाएब

(C) लीची — जल-संग्रह, मखान, माछ, स्नान आ पूजा-केंद्र

(D) लीची — विनाश आ उर्वरता दुनू अनबाक प्राकृतिक घटना

६५३. विदेह समानान्तर इतिहासक दृष्टिसँ ‘लीची’ पर ध्यान देबाक कारण की अछि?

(A) कारण ई उत्तर बिहारक बागानी आ बाजारक महत्त्वपूर्ण फल कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि।

(B) कारण ई विनाश आ उर्वरता दुनू अनबाक प्राकृतिक घटना कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(C) कारण ई नम क्षेत्रक नकदी फसल आ श्रम-साधन कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(D) कारण ई तेल, पीयर फूल आ रबी खेतीक छवि कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

६५४. ‘लीची’ विषयमे कोन कथन सही अछि?

(A) ‘लीची’ कैँ भुट्टा, चूड़ा आ मिश्रित खेतीसँ जुड़ल फसल सँ जोड़ल जाइत अछि।

(B) ‘लीची’ कैँ बगैचा, ऋतु आ अतिथि-सत्कारक फल सँ जोड़ल जाइत अछि।

(C) ‘लीची’ कैँ उत्तर बिहारक बागानी आ बाजारक महत्त्वपूर्ण फल सँ जोड़ल जाइत अछि।

(D) ‘लीची’ कैँ नम क्षेत्रक नकदी फसल आ श्रम-साधन सँ जोड़ल जाइत अछि।

६५५. जँ विद्यार्थी ‘लीची’क नोट बनबैत अछि, तखन मुख्य निष्कर्ष कोन राखय?

(A) विद्यार्थी ‘लीची’ पढ़ैत समय मिथिलाक मुख्य अन्न आ कृषि-संस्कृतिक आधार कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(B) विद्यार्थी ‘लीची’ पढ़ैत समय उत्तर बिहारक बागानी आ बाजारक महत्त्वपूर्ण फल पर ध्यान देत।

(C) विद्यार्थी ‘लीची’ पढ़ैत समय उत्तर बिहारक नदी-व्यवस्था आ कृषि सँ जुड़ल धारा कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(D) विद्यार्थी ‘लीची’ पढ़ैत समय भुट्टा, चूड़ा आ मिश्रित खेतीसँ जुड़ल फसल कैँ मुख्य तथ्य मानत।

६५६. मिथिलाक इतिहासमे ‘सरसों’ कैँ मुख्यतः कोन बातसँ जोड़ल जाइत अछि?

(A) रबी फसिल आ ग्रामीण अर्थजीवनक अन्न

(B) जल-संग्रह, मखान, माछ, स्नान आ पूजा-केंद्र

(C) उत्तर बिहारक नदी-व्यवस्था आ कृषि सँ जुड़ल धारा

(D) तेल, पीयर फूल आ रबी खेतीक छवि

६५७. नीचाँ देल जोड़ीमे 'सरसों' सम्बन्धी सही जोड़ी कोन अछि?

(A) सरसों — पोखरि-आधारित जलकृषि आ विशिष्ट उत्पाद

(B) सरसों — बगैचा, ऋतु आ अतिथि-सत्कारक फल

(C) सरसों — तेल, पीयर फूल आ रबी खेतीक छवि

(D) सरसों — नम क्षेत्रक नकदी फसल आ श्रम-साधन

६५८. विदेह समानान्तर इतिहासक दृष्टिसँ 'सरसों' पर ध्यान देबाक कारण की अछि?

(A) कारण ई स्थानीय नदी-स्मृति आ बाढ़-परिवेश कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(B) कारण ई रोजगार लेल गाम छोड़बाक प्रक्रिया कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(C) कारण ई तेल, पीयर फूल आ रबी खेतीक छवि कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि।

(D) कारण ई नदी-संस्कृति, सिंचाइ आ बाढ़क स्रोत कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

६५९. 'सरसों' विषयमे कोन कथन सही अछि?

(A) 'सरसों' कैँ तेल, पीयर फूल आ रबी खेतीक छवि सँ जोड़ल जाइत अछि।

(B) 'सरसों' कैँ मिथिलाक मुख्य अन्न आ कृषि-संस्कृतिक आधार सँ जोड़ल जाइत अछि।

(C) 'सरसों' कैँ जल, बाढ़ आ धार्मिक-सांस्कृतिक भूगोलक नदी सँ जोड़ल जाइत अछि।

(D) 'सरसों' कैँ बगैचा, ऋतु आ अतिथि-सत्कारक फल सँ जोड़ल जाइत अछि।

६६०. जँ विद्यार्थी 'सरसों'क नोट बनबैत अछि, तखन मुख्य निष्कर्ष कोन राखय?

(A) विद्यार्थी 'सरसों' पढ़ैत समय पोखरि-आधारित जलकृषि आ विशिष्ट उत्पाद कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(B) विद्यार्थी 'सरसों' पढ़ैत समय तेल, पीयर फूल आ रबी खेतीक छवि पर ध्यान देत।

(C) विद्यार्थी 'सरसों' पढ़ैत समय नदीक धारा सँ खेत-घर हरपाएब कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(D) विद्यार्थी 'सरसों' पढ़ैत समय बाहर कमायब आ गाममे धन पठायबक प्रवृत्ति कैँ मुख्य तथ्य मानत।

६६१. मिथिलाक इतिहासमे 'जूट' कैँ मुख्यतः कोन बातसँ जोड़ल जाइत अछि?

(A) उत्तर बिहारक बागानी आ बाजारक महत्त्वपूर्ण फल

(B) नदी-पोखरि, भोजन आ जीविका संसाधन

(C) नम क्षेत्रक नकदी फसल आ श्रम-साधन

(D) बाहर कमायब आ गाममे धन पठायबक प्रवृत्ति

६६२. नीचाँ देल जोड़ीमे 'जूट' सम्बन्धी सही जोड़ी कोन अछि?

(A) जूट — मिथिलाक मुख्य अन्न आ कृषि-संस्कृतिक आधार

(B) जूट — रोजगार लेल गाम छोड़बाक प्रक्रिया

(C) जूट — पोखरि-आधारित जलकृषि आ विशिष्ट उत्पाद

(D) जूट — नम क्षेत्रक नकदी फसल आ श्रम-साधन

६६३. विदेह समानान्तर इतिहासक दृष्टिसँ 'जूट' पर ध्यान देबाक कारण की अछि?

(A) कारण ई नम क्षेत्रक नकदी फसल आ श्रम-साधन कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि।

(B) कारण ई मिथिलाक मुख्य अन्न आ कृषि-संस्कृतिक आधार कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(C) कारण ई पोखरि-आधारित जलकृषि आ विशिष्ट उत्पाद कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(D) कारण ई भुट्टा, चूड़ा आ मिश्रित खेतीसँ जुड़ल फसल कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

६६४. 'जूट' विषयमे कोन कथन सही अछि?

(A) 'जूट' कैँ नदीक धारा सँ खेत-घर हरपाएब सँ जोड़ल जाइत अछि।

(B) 'जूट' कैँ बाढ़, धारा-परिवर्तन आ उत्तर मिथिलाक जीवन-संघर्ष सँ जोड़ल जाइत अछि।

(C) 'जूट' कैँ नम क्षेत्रक नकदी फसल आ श्रम-साधन सँ जोड़ल जाइत अछि।

(D) 'जूट' कैँ नदी-संस्कृति, सिंचाइ आ बाढ़क स्रोत सँ जोड़ल जाइत अछि।

६६५. जँ विद्यार्थी 'जूट'क नोट बनबैत अछि, तखन मुख्य निष्कर्ष कोन राखय?

(A) विद्यार्थी 'जूट' पढ़ैत समय भुट्टा, चूड़ा आ मिश्रित खेतीसँ जुड़ल फसल कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(B) विद्यार्थी 'जूट' पढ़ैत समय जल, बाढ़ आ धार्मिक-सांस्कृतिक भूगोलक नदी कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(C) विद्यार्थी 'जूट' पढ़ैत समय नम क्षेत्रक नकदी फसल आ श्रम-साधन पर ध्यान देत।

(D) विद्यार्थी 'जूट' पढ़ैत समय रबी फसिल आ ग्रामीण अर्थजीवनक अन्न कैँ मुख्य तथ्य मानत।

६६६. मिथिलाक इतिहासमे 'माछ' कैँ मुख्यतः कोन बातसँ जोड़ल जाइत अछि?

(A) भुट्टा, चूड़ा आ मिश्रित खेतीसँ जुड़ल फसल

(B) नदी-पोखरि, भोजन आ जीविका संसाधन

(C) रोजगार लेल गाम छोड़बाक प्रक्रिया

(D) बगैचा, ऋतु आ अतिथि-सत्कारक फल

६६७. नीचाँ देल जोड़ीमे 'माछ' सम्बन्धी सही जोड़ी कोन अछि?

(A) माछ — भुट्टा, चूड़ा आ मिश्रित खेतीसँ जुड़ल फसल

(B) माछ — बगैचा, ऋतु आ अतिथि-सत्कारक फल

(C) माछ — नदी-पोखरि, भोजन आ जीविका संसाधन

(D) माछ — विनाश आ उर्वरता दुनू अनबाक प्राकृतिक घटना

६६८. विदेह समानान्तर इतिहासक दृष्टिसँ 'माछ' पर ध्यान देबाक कारण की अछि?

(A) कारण ई नदी-पोखरि, भोजन आ जीविका संसाधन कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि।

(B) कारण ई बाढ़, धारा-परिवर्तन आ उत्तर मिथिलाक जीवन-संघर्ष कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(C) कारण ई जल-संग्रह, मखान, माछ, स्नान आ पूजा-केंद्र कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(D) कारण ई मिथिलाक मुख्य अन्न आ कृषि-संस्कृतिक आधार कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

६६९. 'माछ' विषयमे कोन कथन सही अछि?

(A) 'माछ' कैँ नदी-पोखरि, भोजन आ जीविका संसाधन सँ जोड़ल जाइत अछि।

(B) 'माछ' कैँ तेल, पीयर फूल आ रबी खेतीक छवि सँ जोड़ल जाइत अछि।

(C) 'माछ' कैँ भुट्टा, चूड़ा आ मिश्रित खेतीसँ जुड़ल फसल सँ जोड़ल जाइत अछि।

(D) 'माछ' कैँ रबी फसिल आ ग्रामीण अर्थजीवनक अन्न सँ जोड़ल जाइत अछि।

६७०. जँ विद्यार्थी 'माछ'क नोट बनबैत अछि, तखन मुख्य निष्कर्ष कोन राखय?

(A) विद्यार्थी 'माछ' पढ़ैत समय नम क्षेत्रक नकदी फसल आ श्रम-साधन कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(B) विद्यार्थी 'माछ' पढ़ैत समय स्थानीय नदी-स्मृति आ बाढ़-परिवेश कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(C) विद्यार्थी 'माछ' पढ़ैत समय बरसाती जलधरि आ कृषि-चराईक क्षेत्र कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(D) विद्यार्थी 'माछ' पढ़ैत समय नदी-पोखरि, भोजन आ जीविका संसाधन पर ध्यान देत।

६७१. मिथिलाक इतिहासमे 'पोखरि' कैँ मुख्यतः कोन बातसँ जोड़ल जाइत अछि?

(A) भुट्टा, चूड़ा आ मिश्रित खेतीसँ जुड़ल फसल

(B) मिथिलाक मुख्य अन्न आ कृषि-संस्कृतिक आधार

(C) नदीक धारा सँ खेत-घर हरपाएब

(D) जल-संग्रह, मखान, माछ, स्नान आ पूजा-केंद्र

६७२. नीचाँ देल जोड़ीमे 'पोखरि' सम्बन्धी सही जोड़ी कोन अछि?

(A) पोखरि — नदी-पोखरि, भोजन आ जीविका संसाधन

(B) पोखरि — पोखरि-आधारित जलकृषि आ विशिष्ट उत्पाद

(C) पोखरि — बगैचा, ऋतु आ अतिथि-सत्कारक फल

(D) पोखरि — जल-संग्रह, मखान, माछ, स्नान आ पूजा-केंद्र

६७३. विदेह समानान्तर इतिहासक दृष्टिसँ ‘पोखरि’ पर ध्यान देबाक कारण की अछि?

(A) कारण ई जल-संग्रह, मखान, माछ, स्नान आ पूजा-केंद्र कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि।

(B) कारण ई मिथिलाक मुख्य अन्न आ कृषि-संस्कृतिक आधार कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(C) कारण ई नदी-संस्कृति, सिंचाइ आ बाढ़क स्रोत कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(D) कारण ई नदी-पोखरि, भोजन आ जीविका संसाधन कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

६७४. ‘पोखरि’ विषयमे कोन कथन सही अछि?

(A) ‘पोखरि’ कैँ बगैचा, ऋतु आ अतिथि-सत्कारक फल सँ जोड़ल जाइत अछि।

(B) ‘पोखरि’ कैँ स्थानीय नदी-स्मृति आ बाढ़-परिवेश सँ जोड़ल जाइत अछि।

(C) ‘पोखरि’ कैँ जल-संग्रह, मखान, माछ, स्नान आ पूजा-केंद्र सँ जोड़ल जाइत अछि।

(D) ‘पोखरि’ कैँ रोजगार लेल गाम छोड़बाक प्रक्रिया सँ जोड़ल जाइत अछि।

६७५. जँ विद्यार्थी ‘पोखरि’क नोट बनबैत अछि, तखन मुख्य निष्कर्ष कोन राखय?

(A) विद्यार्थी ‘पोखरि’ पढ़ैत समय जल-संग्रह, मखान, माछ, स्नान आ पूजा-केंद्र पर ध्यान देत।

(B) विद्यार्थी ‘पोखरि’ पढ़ैत समय रोजगार लेल गाम छोड़बाक प्रक्रिया कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(C) विद्यार्थी ‘पोखरि’ पढ़ैत समय भुट्टा, चूड़ा आ मिश्रित खेतीसँ जुड़ल फसल कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(D) विद्यार्थी ‘पोखरि’ पढ़ैत समय नम क्षेत्रक नकदी फसल आ श्रम-साधन कैँ मुख्य तथ्य मानत।

६७६. मिथिलाक इतिहासमे ‘चौर’ कैँ मुख्यतः कोन बातसँ जोड़ल जाइत अछि?

(A) स्थानीय नदी-स्मृति आ बाढ़-परिवेश

(B) तेल, पीयर फूल आ रबी खेतीक छवि

(C) बरसाती जलधरि आ कृषि-चराईक क्षेत्र

(D) बगैचा, ऋतु आ अतिथि-सत्कारक फल

६७७. नीचाँ देल जोड़ीमे ‘चौर’ सम्बन्धी सही जोड़ी कोन अछि?

(A) चौर — तेल, पीयर फूल आ रबी खेतीक छवि

(B) चौर — पोखरि-आधारित जलकृषि आ विशिष्ट उत्पाद

(C) चौर — रबी फसिल आ ग्रामीण अर्थजीवनक अन्न

(D) चौर — बरसाती जलधरि आ कृषि-चराईक क्षेत्र

६७८. विदेह समानान्तर इतिहासक दृष्टिसँ ‘चौर’ पर ध्यान देबाक कारण की अछि?

(A) कारण ई भुट्टा, चूड़ा आ मिश्रित खेतीसँ जुड़ल फसल कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(B) कारण ई उत्तर बिहारक बागानी आ बाजारक महत्त्वपूर्ण फल कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(C) कारण ई उत्तर बिहारक नदी-व्यवस्था आ कृषि सँ जुड़ल धारा कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(D) कारण ई बरसाती जलधरि आ कृषि-चराईक क्षेत्र कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि।

६७९. ‘चौर’ विषयमे कोन कथन सही अछि?

(A) ‘चौर’ कैँ बाढ़, धारा-परिवर्तन आ उत्तर मिथिलाक जीवन-संघर्ष सँ जोड़ल जाइत अछि।

(B) ‘चौर’ कैँ बरसाती जलधरि आ कृषि-चराईक क्षेत्र सँ जोड़ल जाइत अछि।

(C) ‘चौर’ कैँ नदी-पोखरि, भोजन आ जीविका संसाधन सँ जोड़ल जाइत अछि।

(D) ‘चौर’ कैँ स्थानीय नदी-स्मृति आ बाढ़-परिवेश सँ जोड़ल जाइत अछि।

६८०. जँ विद्यार्थी ‘चौर’क नोट बनबैत अछि, तखन मुख्य निष्कर्ष कोन राखय?

(A) विद्यार्थी ‘चौर’ पढ़ैत समय रोजगार लेल गाम छोड़बाक प्रक्रिया कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(B) विद्यार्थी ‘चौर’ पढ़ैत समय रबी फसिल आ ग्रामीण अर्थजीवनक अन्न कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(C) विद्यार्थी ‘चौर’ पढ़ैत समय तेल, पीयर फूल आ रबी खेतीक छवि कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(D) विद्यार्थी ‘चौर’ पढ़ैत समय बरसाती जलधरि आ कृषि-चराईक क्षेत्र पर ध्यान देत।

६८१. मिथिलाक इतिहासमे ‘बाढ़’ कैँ मुख्यतः कोन बातसँ जोड़ल जाइत अछि?

(A) बाहर कमायब आ गाममे धन पठायबक प्रवृत्ति

(B) बगैचा, ऋतु आ अतिथि-सत्कारक फल

(C) विनाश आ उर्वरता दुनू अनबाक प्राकृतिक घटना

(D) पोखरि-आधारित जलकृषि आ विशिष्ट उत्पाद

६८२. नीचाँ देल जोड़ीमे ‘बाढ़’ सम्बन्धी सही जोड़ी कोन अछि?

(A) बाढ़ — बाहर कमायब आ गाममे धन पठायबक प्रवृत्ति

(B) बाढ़ — बाढ़, धारा-परिवर्तन आ उत्तर मिथिलाक जीवन-संघर्ष

(C) बाढ़ — विनाश आ उर्वरता दुनू अनबाक प्राकृतिक घटना

(D) बाढ़ — भुट्टा, चूड़ा आ मिश्रित खेतीसँ जुड़ल फसल

६८३. विदेह समानान्तर इतिहासक दृष्टिसँ ‘बाढ़’ पर ध्यान देबाक कारण की अछि?

(A) कारण ई पोखरि-आधारित जलकृषि आ विशिष्ट उत्पाद कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(B) कारण ई विनाश आ उर्वरता दुनू अनबाक प्राकृतिक घटना कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि।

(C) कारण ई स्थानीय नदी-स्मृति आ बाढ़-परिवेश कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(D) कारण ई रोजगार लेल गाम छोड़बाक प्रक्रिया कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

६८४. ‘बाढ़’ विषयमे कोन कथन सही अछि?

(A) ‘बाढ़’ कैँ बरसाती जलधरि आ कृषि-चराईक क्षेत्र सँ जोड़ल जाइत अछि।

(B) ‘बाढ़’ कैँ रोजगार लेल गाम छोड़बाक प्रक्रिया सँ जोड़ल जाइत अछि।

(C) ‘बाढ़’ कैँ जल, बाढ़ आ धार्मिक-सांस्कृतिक भूगोलक नदी सँ जोड़ल जाइत अछि।

(D) ‘बाढ़’ कैँ विनाश आ उर्वरता दुनू अनबाक प्राकृतिक घटना सँ जोड़ल जाइत अछि।

६८५. जँ विद्यार्थी ‘बाढ़’क नोट बनबैत अछि, तखन मुख्य निष्कर्ष कोन राखय?

(A) विद्यार्थी ‘बाढ़’ पढ़ैत समय मिथिलाक मुख्य अन्न आ कृषि-संस्कृतिक आधार कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(B) विद्यार्थी ‘बाढ़’ पढ़ैत समय पोखरि-आधारित जलकृषि आ विशिष्ट उत्पाद कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(C) विद्यार्थी ‘बाढ़’ पढ़ैत समय विनाश आ उर्वरता दुनू अनबाक प्राकृतिक घटना पर ध्यान देत।

(D) विद्यार्थी ‘बाढ़’ पढ़ैत समय रबी फसिल आ ग्रामीण अर्थजीवनक अन्न कैँ मुख्य तथ्य मानत।

६८६. मिथिलाक इतिहासमे ‘कटाव’ कैँ मुख्यतः कोन बातसँ जोड़ल जाइत अछि?

(A) स्थानीय नदी-स्मृति आ बाढ़-परिवेश

(B) उत्तर बिहारक नदी-व्यवस्था आ कृषि सँ जुड़ल धारा

(C) तेल, पीयर फूल आ रबी खेतीक छवि

(D) नदीक धारा सँ खेत-घर हरपाएब

६८७. नीचाँ देल जोड़ीमे ‘कटाव’ सम्बन्धी सही जोड़ी कोन अछि?

(A) कटाव — नदीक धारा सँ खेत-घर हरपाएब

(B) कटाव — भुट्टा, चूड़ा आ मिश्रित खेतीसँ जुड़ल फसल

(C) कटाव — विनाश आ उर्वरता दुनू अनबाक प्राकृतिक घटना

(D) कटाव — उत्तर बिहारक नदी-व्यवस्था आ कृषि सँ जुड़ल धारा

६८८. विदेह समानान्तर इतिहासक दृष्टिसँ ‘कटाव’ पर ध्यान देबाक कारण की अछि?

(A) कारण ई उत्तर बिहारक नदी-व्यवस्था आ कृषि सँ जुड़ल धारा कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(B) कारण ई बगैचा, ऋतु आ अतिथि-सत्कारक फल कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(C) कारण ई नदीक धारा सँ खेत-घर हरपाएब कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि।

(D) कारण ई उत्तर बिहारक बागानी आ बाजारक महत्त्वपूर्ण फल कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

६८९. ‘कटाव’ विषयमे कोन कथन सही अछि?

(A) ‘कटाव’ कैँ जल, बाढ़ आ धार्मिक-सांस्कृतिक भूगोलक नदी सँ जोड़ल जाइत अछि।

(B) ‘कटाव’ कैँ नदीक धारा सँ खेत-घर हरपाएब सँ जोड़ल जाइत अछि।

(C) ‘कटाव’ कैँ स्थानीय नदी-स्मृति आ बाढ़-परिवेश सँ जोड़ल जाइत अछि।

(D) ‘कटाव’ कैँ जल-संग्रह, मखान, माछ, स्नान आ पूजा-केंद्र सँ जोड़ल जाइत अछि।

६९०. जँ विद्यार्थी ‘कटाव’क नोट बनबैत अछि, तखन मुख्य निष्कर्ष कोन राखय?

(A) विद्यार्थी ‘कटाव’ पढ़ैत समय नदीक धारा सँ खेत-घर हरपाएब पर ध्यान देत।

(B) विद्यार्थी ‘कटाव’ पढ़ैत समय बगैचा, ऋतु आ अतिथि-सत्कारक फल कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(C) विद्यार्थी ‘कटाव’ पढ़ैत समय पोखरि-आधारित जलकृषि आ विशिष्ट उत्पाद कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(D) विद्यार्थी ‘कटाव’ पढ़ैत समय विनाश आ उर्वरता दुनू अनबाक प्राकृतिक घटना कैँ मुख्य तथ्य मानत।

६९१. मिथिलाक इतिहासमे ‘पलायन’ कैँ मुख्यतः कोन बातसँ जोड़ल जाइत अछि?

(A) रबी फसिल आ ग्रामीण अर्थजीवनक अन्न

(B) रोजगार लेल गाम छोड़बाक प्रक्रिया

(C) बगैचा, ऋतु आ अतिथि-सत्कारक फल

(D) बाहर कमायब आ गाममे धन पठायबक प्रवृत्ति

६९२. नीचाँ देल जोड़ीमे ‘पलायन’ सम्बन्धी सही जोड़ी कोन अछि?

(A) पलायन — भुट्टा, चूड़ा आ मिश्रित खेतीसँ जुड़ल फसल

(B) पलायन — बाढ़, धारा-परिवर्तन आ उत्तर मिथिलाक जीवन-संघर्ष

(C) पलायन — रोजगार लेल गाम छोड़बाक प्रक्रिया

(D) पलायन — तेल, पीयर फूल आ रबी खेतीक छवि

६९३. विदेह समानान्तर इतिहासक दृष्टिसँ ‘पलायन’ पर ध्यान देबाक कारण की अछि?

(A) कारण ई नदी-पोखरि, भोजन आ जीविका संसाधन कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(B) कारण ई तेल, पीयर फूल आ रबी खेतीक छवि कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(C) कारण ई रोजगार लेल गाम छोड़बाक प्रक्रिया कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि।

(D) कारण ई बाहर कमायब आ गाममे धन पठायबक प्रवृत्ति कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

६९४. ‘पलायन’ विषयमे कोन कथन सही अछि?

(A) ‘पलायन’ कैँ बगैचा, ऋतु आ अतिथि-सत्कारक फल सँ जोड़ल जाइत अछि।

(B) ‘पलायन’ कैँ तेल, पीयर फूल आ रबी खेतीक छवि सँ जोड़ल जाइत अछि।

(C) ‘पलायन’ कैँ जल-संग्रह, मखान, माछ, स्नान आ पूजा-केंद्र सँ जोड़ल जाइत अछि।

(D) ‘पलायन’ कैँ रोजगार लेल गाम छोड़बाक प्रक्रिया सँ जोड़ल जाइत अछि।

६९५. जँ विद्यार्थी ‘पलायन’क नोट बनबैत अछि, तखन मुख्य निष्कर्ष कोन राखय?

(A) विद्यार्थी ‘पलायन’ पढ़ैत समय उत्तर बिहारक बागानी आ बाजारक महत्त्वपूर्ण फल कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(B) विद्यार्थी ‘पलायन’ पढ़ैत समय नदी-संस्कृति, सिंचाइ आ बाढ़क स्रोत कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(C) विद्यार्थी ‘पलायन’ पढ़ैत समय जल-संग्रह, मखान, माछ, स्नान आ पूजा-केंद्र कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(D) विद्यार्थी ‘पलायन’ पढ़ैत समय रोजगार लेल गाम छोड़बाक प्रक्रिया पर ध्यान देत।

६९६. मिथिलाक इतिहासमे ‘प्रवासी धन’ कैँ मुख्यतः कोन बातसँ जोड़ल जाइत अछि?

(A) बाहर कमायब आ गाममे धन पठायबक प्रवृत्ति

(B) उत्तर बिहारक नदी-व्यवस्था आ कृषि सँ जुड़ल धारा

(C) उत्तर बिहारक बागानी आ बाजारक महत्त्वपूर्ण फल

(D) नदी-पोखरि, भोजन आ जीविका संसाधन

६९७. नीचाँ देल जोड़ीमे 'प्रवासी धन' सम्बन्धी सही जोड़ी कोन अछि?

(A) प्रवासी धन — बाहर कमायब आ गाममे धन पठायबक प्रवृत्ति

(B) प्रवासी धन — नदीक धारा सँ खेत-घर हरपाएब

(C) प्रवासी धन — विनाश आ उर्वरता दुनू अनबाक प्राकृतिक घटना

(D) प्रवासी धन — नदी-पोखरि, भोजन आ जीविका संसाधन

६९८. विदेह समानान्तर इतिहासक दृष्टिसँ 'प्रवासी धन' पर ध्यान देबाक कारण की अछि?

(A) कारण ई स्थानीय नदी-स्मृति आ बाढ़-परिवेश कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(B) कारण ई जल, बाढ़ आ धार्मिक-सांस्कृतिक भूगोलक नदी कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(C) कारण ई मिथिलाक मुख्य अन्न आ कृषि-संस्कृतिक आधार कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(D) कारण ई बाहर कमायब आ गाममे धन पठायबक प्रवृत्ति कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि।

६९९. 'प्रवासी धन' विषयमे कोन कथन सही अछि?

(A) 'प्रवासी धन' कैँ नदी-संस्कृति, सिंचाइ आ बाढ़क स्रोत सँ जोड़ल जाइत अछि।

(B) 'प्रवासी धन' कैँ नदीक धारा सँ खेत-घर हरपाएब सँ जोड़ल जाइत अछि।

(C) 'प्रवासी धन' कैँ बाहर कमायब आ गाममे धन पठायबक प्रवृत्ति सँ जोड़ल जाइत अछि।

(D) 'प्रवासी धन' कैँ रोजगार लेल गाम छोड़बाक प्रक्रिया सँ जोड़ल जाइत अछि।

७००. जँ विद्यार्थी 'प्रवासी धन'क नोट बनबैत अछि, तखन मुख्य निष्कर्ष कोन राखय?

(A) विद्यार्थी 'प्रवासी धन' पढ़ैत समय तेल, पीयर फूल आ रबी खेतीक छवि कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(B) विद्यार्थी 'प्रवासी धन' पढ़ैत समय नदी-पोखरि, भोजन आ जीविका संसाधन कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(C) विद्यार्थी 'प्रवासी धन' पढ़ैत समय उत्तर बिहारक नदी-व्यवस्था आ कृषि सँ जुड़ल धारा कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(D) विद्यार्थी 'प्रवासी धन' पढ़ैत समय बाहर कमायब आ गाममे धन पठायबक प्रवृत्ति पर ध्यान देत।

७०१. मिथिलाक इतिहासमे 'मिथिला चित्रकला' कैँ मुख्यतः कोन बातसँ जोड़ल जाइत अछि?

(A) देवाल, अरिपन, कोहबर आ लोक-रंगक चित्र परम्परा

(B) जल, समृद्धि आ जीवनधाराक संकेत

(C) सोहर, समदाउन, नचारी, महेशवाणी आ पबनी गीत

(D) पवित्रता, उर्वरता आ सौन्दर्यक चिह्न

७०२. नीचाँ देल जोड़ीमे 'मिथिला चित्रकला' सम्बन्धी सही जोड़ी कोन अछि?

(A) मिथिला चित्रकला — देवाल, अरिपन, कोहबर आ लोक-रंगक चित्र परम्परा

(B) मिथिला चित्रकला — शिव-भक्तिक मैथिल गीतधारा

(C) मिथिला चित्रकला — रंग-भराव आ देवकथात्मक विषयक पद्धति

(D) मिथिला चित्रकला — जल, समृद्धि आ जीवनधाराक संकेत

७०३. विदेह समानान्तर इतिहासक दृष्टिसँ 'मिथिला चित्रकला' पर ध्यान देबाक कारण की अछि?

(A) कारण ई विवाह, उर्वरता आ मंगलक प्रतीक-संपन्न चित्र कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(B) कारण ई सामूहिक गायन, भक्ति आ कथा-प्रसंग कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(C) कारण ई देवाल, अरिपन, कोहबर आ लोक-रंगक चित्र परम्परा कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि।

(D) कारण ई घर-आँगनमे बनल चित्र, गीत आ अनुष्ठानक सृजन कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

७०४. 'मिथिला चित्रकला' विषयमे कोन कथन सही अछि?

(A) 'मिथिला चित्रकला' कैँ जल, समृद्धि आ जीवनधाराक संकेत सँ जोड़ल जाइत अछि।

(B) 'मिथिला चित्रकला' कैँ रंग-भराव आ देवकथात्मक विषयक पद्धति सँ जोड़ल जाइत अछि।

(C) 'मिथिला चित्रकला' कैँ देवाल, अरिपन, कोहबर आ लोक-रंगक चित्र परम्परा सँ जोड़ल जाइत अछि।

(D) 'मिथिला चित्रकला' कैँ पवित्रता, उर्वरता आ सौन्दर्यक चिह्न सँ जोड़ल जाइत अछि।

७०५. जँ विद्यार्थी 'मिथिला चित्रकला'क नोट बनबैत अछि, तखन मुख्य निष्कर्ष कोन राखय?

(A) विद्यार्थी 'मिथिला चित्रकला' पढ़ैत समय सूक्ष्म रेखा आ कम रंगक संयमित चित्रण कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(B) विद्यार्थी 'मिथिला चित्रकला' पढ़ैत समय देवाल, अरिपन, कोहबर आ लोक-रंगक चित्र परम्परा पर ध्यान देत।

(C) विद्यार्थी 'मिथिला चित्रकला' पढ़ैत समय सामूहिक गायन, भक्ति आ कथा-प्रसंग कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(D) विद्यार्थी 'मिथिला चित्रकला' पढ़ैत समय गीत, संवाद आ मंचक मैथिल परम्परा कैँ मुख्य तथ्य मानत।

७०६. मिथिलाक इतिहासमे 'मधुबनी चित्रकला' कैँ मुख्यतः कोन बातसँ जोड़ल जाइत अछि?

(A) शिव-केंद्रित भक्ति-गीत परम्परा

(B) विवाह, उर्वरता आ मंगलक प्रतीक-संपन्न चित्र

(C) मिथिला चित्रकलाक आधुनिक प्रसिद्ध नाम

(D) जल, समृद्धि आ जीवनधाराक संकेत

७०७. नीचाँ देल जोड़ीमे 'मधुबनी चित्रकला' सम्बन्धी सही जोड़ी कोन अछि?

(A) मधुबनी चित्रकला — मिथिला चित्रकलाक आधुनिक प्रसिद्ध नाम

(B) मधुबनी चित्रकला — पवित्रता, उर्वरता आ सौन्दर्यक चिह्न

(C) मधुबनी चित्रकला — ढोलक, मृदंग, झाल आ बांसुरीक ध्वनि-साधन

(D) मधुबनी चित्रकला — नाटकमे कथा-संयोजक आ दर्शक-मार्गदर्शक पात्र

७०८. विदेह समानान्तर इतिहासक दृष्टिसँ 'मधुबनी चित्रकला' पर ध्यान देबाक कारण की अछि?

(A) कारण ई सोहर, समदाउन, नचारी, महेशवाणी आ पबनी गीत कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(B) कारण ई मैथिली रंगमंच आ लोकनाट्यक आधुनिक मंचीय उत्सव कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(C) कारण ई भक्ति आ श्रृंगारक मधुर काव्य-संगीत कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(D) कारण ई मिथिला चित्रकलाक आधुनिक प्रसिद्ध नाम कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि।

७०९. 'मधुबनी चित्रकला' विषयमे कोन कथन सही अछि?

(A) 'मधुबनी चित्रकला' कैँ मैथिली रंगमंच आ लोकनाट्यक आधुनिक मंचीय उत्सव सँ जोड़ल जाइत अछि।

(B) 'मधुबनी चित्रकला' कैँ नाटकमे कथा-संयोजक आ दर्शक-मार्गदर्शक पात्र सँ जोड़ल जाइत अछि।

(C) 'मधुबनी चित्रकला' कैँ मिथिला चित्रकलाक आधुनिक प्रसिद्ध नाम सँ जोड़ल जाइत अछि।

(D) 'मधुबनी चित्रकला' कैँ सोहर, समदाउन, नचारी, महेशवाणी आ पबनी गीत सँ जोड़ल जाइत अछि।

७१०. जँ विद्यार्थी 'मधुबनी चित्रकला'क नोट बनबैत अछि, तखन मुख्य निष्कर्ष कोन राखय?

(A) विद्यार्थी 'मधुबनी चित्रकला' पढ़ैत समय ढोलक, मृदंग, झाल आ बांसुरीक ध्वनि-साधन कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(B) विद्यार्थी 'मधुबनी चित्रकला' पढ़ैत समय मिथिला चित्रकलाक आधुनिक प्रसिद्ध नाम पर ध्यान देत।

(C) विद्यार्थी 'मधुबनी चित्रकला' पढ़ैत समय शरीर-चिह्न आ रेखात्मक लोकस्मृति सँ प्रेरित शैली कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(D) विद्यार्थी 'मधुबनी चित्रकला' पढ़ैत समय उर्वरता, रक्षा आ लोककथा सँ जुड़ल विषय कैँ मुख्य तथ्य मानत।

७११. मिथिलाक इतिहासमे 'कोहबर चित्र' कैँ मुख्यतः कोन बातसँ जोड़ल जाइत अछि?

(A) विवाह, उर्वरता आ मंगलक प्रतीक-संपन्न चित्र

(B) ढोलक, मृदंग, झाल आ बांसुरीक ध्वनि-साधन

(C) जल, समृद्धि आ जीवनधाराक संकेत

(D) देवाल, अरिपन, कोहबर आ लोक-रंगक चित्र परम्परा

७१२. नीचाँ देल जोड़ीमे 'कोहबर चित्र' सम्बन्धी सही जोड़ी कोन अछि?

(A) कोहबर चित्र — ढोलक, मृदंग, झाल आ बांसुरीक ध्वनि-साधन

(B) कोहबर चित्र — विवाह, उर्वरता आ मंगलक प्रतीक-संपन्न चित्र

(C) कोहबर चित्र — सूक्ष्म रेखा आ कम रंगक संयमित चित्रण

(D) कोहबर चित्र — जल, समृद्धि आ जीवनधाराक संकेत

७१३. विदेह समानान्तर इतिहासक दृष्टिसँ 'कोहबर चित्र' पर ध्यान देबाक कारण की अछि?

(A) कारण ई विवाह, उर्वरता आ मंगलक प्रतीक-संपन्न चित्र कैं मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि।

(B) कारण ई जल, समृद्धि आ जीवनधाराक संकेत कैं मात्र दोहरबैत अछि।

(C) कारण ई शिव-केंद्रित भक्ति-गीत परम्परा कैं मात्र दोहरबैत अछि।

(D) कारण ई मिथिला चित्रकलाक आधुनिक प्रसिद्ध नाम कैं मात्र दोहरबैत अछि।

७१४. 'कोहबर चित्र' विषयमे कोन कथन सही अछि?

(A) 'कोहबर चित्र' कैं पवित्रता, उर्वरता आ सौन्दर्यक चिह्न सँ जोड़ल जाइत अछि।

(B) 'कोहबर चित्र' कैं उर्वरता, रक्षा आ लोककथा सँ जुड़ल विषय सँ जोड़ल जाइत अछि।

(C) 'कोहबर चित्र' कैं विवाह, उर्वरता आ मंगलक प्रतीक-संपन्न चित्र सँ जोड़ल जाइत अछि।

(D) 'कोहबर चित्र' कैं सोहर, समदाउन, नचारी, महेशवाणी आ पबनी गीत सँ जोड़ल जाइत अछि।

७१५. जँ विद्यार्थी 'कोहबर चित्र'क नोट बनबैत अछि, तखन मुख्य निष्कर्ष कोन राखय?

(A) विद्यार्थी 'कोहबर चित्र' पढ़ैत समय जल, समृद्धि आ जीवनधाराक संकेत कैं मुख्य तथ्य मानत।

(B) विद्यार्थी 'कोहबर चित्र' पढ़ैत समय भक्ति आ श्रृंगारक मधुर काव्य-संगीत कैं मुख्य तथ्य मानत।

(C) विद्यार्थी 'कोहबर चित्र' पढ़ैत समय विवाह, उर्वरता आ मंगलक प्रतीक-संपन्न चित्र पर ध्यान देत।

(D) विद्यार्थी 'कोहबर चित्र' पढ़ैत समय नाटकमे कथा-संयोजक आ दर्शक-मार्गदर्शक पात्र कैं मुख्य तथ्य मानत।

७१६. मिथिलाक इतिहासमे 'गोदना शैली' कैं मुख्यतः कोन बातसँ जोड़ल जाइत अछि?

(A) शरीर-चिह्न आ रेखात्मक लोकस्मृति सँ प्रेरित शैली

(B) मिथिला चित्रकलाक आधुनिक प्रसिद्ध नाम

(C) घर-आँगनमे बनल चित्र, गीत आ अनुष्ठानक सृजन

(D) नाटकमे कथा-संयोजक आ दर्शक-मार्गदर्शक पात्र

७१७. नीचाँ देल जोड़ीमे 'गोदना शैली' सम्बन्धी सही जोड़ी कोन अछि?

(A) गोदना शैली — देवाल, अरिपन, कोहबर आ लोक-रंगक चित्र परम्परा

(B) गोदना शैली — शरीर-चिह्न आ रेखात्मक लोकस्मृति सँ प्रेरित शैली

(C) गोदना शैली — सामूहिक गायन, भक्ति आ कथा-प्रसंग

(D) गोदना शैली — शिव-भक्तिक मैथिल गीतधारा

७१८. विदेह समानान्तर इतिहासक दृष्टिसँ 'गोदना शैली' पर ध्यान देबाक कारण की अछि?

(A) कारण ई देवाल, अरिपन, कोहबर आ लोक-रंगक चित्र परम्परा कैं मात्र दोहरबैत अछि।

(B) कारण ई सूक्ष्म रेखा आ कम रंगक संयमित चित्रण कैं मात्र दोहरबैत अछि।

(C) कारण ई शरीर-चिह्न आ रेखात्मक लोकस्मृति सँ प्रेरित शैली कैं मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि।

(D) कारण ई सोहर, समदाउन, नचारी, महेशवाणी आ पबनी गीत कैं मात्र दोहरबैत अछि।

७१९. 'गोदना शैली' विषयमे कोन कथन सही अछि?

(A) 'गोदना शैली' कैं गीत, संवाद आ मंचक मैथिल परम्परा सँ जोड़ल जाइत अछि।

(B) 'गोदना शैली' कैं शरीर-चिह्न आ रेखात्मक लोकस्मृति सँ प्रेरित शैली सँ जोड़ल जाइत अछि।

(C) 'गोदना शैली' कैं रंग-भराव आ देवकथात्मक विषयक पद्धति सँ जोड़ल जाइत अछि।

(D) 'गोदना शैली' कैं गामक उत्सव, अभिनय आ देहभाषाक कलात्मक रूप सँ जोड़ल जाइत अछि।

७२०. जँ विद्यार्थी 'गोदना शैली'क नोट बनबैत अछि, तखन मुख्य निष्कर्ष कोन राखय?

(A) विद्यार्थी 'गोदना शैली' पढ़ैत समय मैथिली रंगमंच आ लोकनाट्यक आधुनिक मंचीय उत्सव कैं मुख्य तथ्य मानत।

(B) विद्यार्थी 'गोदना शैली' पढ़ैत समय ढोलक, मृदंग, झाल आ बांसुरीक ध्वनि-साधन कैं मुख्य तथ्य मानत।

(C) विद्यार्थी 'गोदना शैली' पढ़ैत समय नाटकमे कथा-संयोजक आ दर्शक-मार्गदर्शक पात्र कैं मुख्य तथ्य मानत।

(D) विद्यार्थी 'गोदना शैली' पढ़ैत समय शरीर-चिह्न आ रेखात्मक लोकस्मृति सँ प्रेरित शैली पर ध्यान देत।

७२१. मिथिलाक इतिहासमे ‘भरनी शैली’ कैं मुख्यतः कोन बातसँ जोड़ल जाइत अछि?

(A) ढोलक, मृदंग, झाल आ बांसुरीक ध्वनि-साधन

(B) देवाल, अरिपन, कोहबर आ लोक-रंगक चित्र परम्परा

(C) रंग-भराव आ देवकथात्मक विषयक पद्धति

(D) सोहर, समदाउन, नचारी, महेशवाणी आ पबनी गीत

७२२. नीचाँ देल जोड़ीमे ‘भरनी शैली’ सम्बन्धी सही जोड़ी कोन अछि?

(A) भरनी शैली — सामूहिक गायन, भक्ति आ कथा-प्रसंग

(B) भरनी शैली — रंग-भराव आ देवकथात्मक विषयक पद्धति

(C) भरनी शैली — घर-आँगनमे बनल चित्र, गीत आ अनुष्ठानक सृजन

(D) भरनी शैली — जल, समृद्धि आ जीवनधाराक संकेत

७२३. विदेह समानान्तर इतिहासक दृष्टिसँ ‘भरनी शैली’ पर ध्यान देबाक कारण की अछि?

(A) कारण ई सूक्ष्म रेखा आ कम रंगक संयमित चित्रण कैं मात्र दोहरबैत अछि।

(B) कारण ई शिव-भक्तिक मैथिल गीतधारा कैं मात्र दोहरबैत अछि।

(C) कारण ई गामक उत्सव, अभिनय आ देहभाषाक कलात्मक रूप कैं मात्र दोहरबैत अछि।

(D) कारण ई रंग-भराव आ देवकथात्मक विषयक पद्धति कैं मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि।

७२४. ‘भरनी शैली’ विषयमे कोन कथन सही अछि?

(A) ‘भरनी शैली’ कैं घर-आँगनमे बनल चित्र, गीत आ अनुष्ठानक सृजन सँ जोड़ल जाइत अछि।

(B) ‘भरनी शैली’ कैं भक्ति आ श्रृंगारक मधुर काव्य-संगीत सँ जोड़ल जाइत अछि।

(C) ‘भरनी शैली’ कैं रंग-भराव आ देवकथात्मक विषयक पद्धति सँ जोड़ल जाइत अछि।

(D) ‘भरनी शैली’ कैं नाटकमे कथा-संयोजक आ दर्शक-मार्गदर्शक पात्र सँ जोड़ल जाइत अछि।

७२५. जँ विद्यार्थी ‘भरनी शैली’क नोट बनबैत अछि, तखन मुख्य निष्कर्ष कोन राखय?

(A) विद्यार्थी ‘भरनी शैली’ पढ़ैत समय भक्ति आ श्रृंगारक मधुर काव्य-संगीत कैं मुख्य तथ्य मानत।

(B) विद्यार्थी ‘भरनी शैली’ पढ़ैत समय सूक्ष्म रेखा आ कम रंगक संयमित चित्रण कैं मुख्य तथ्य मानत।

(C) विद्यार्थी ‘भरनी शैली’ पढ़ैत समय शिव-केंद्रित भक्ति-गीत परम्परा कैं मुख्य तथ्य मानत।

(D) विद्यार्थी ‘भरनी शैली’ पढ़ैत समय रंग-भराव आ देवकथात्मक विषयक पद्धति पर ध्यान देत।

७२६. मिथिलाक इतिहासमे ‘कचनी शैली’ कैं मुख्यतः कोन बातसँ जोड़ल जाइत अछि?

(A) घर-आँगनमे बनल चित्र, गीत आ अनुष्ठानक सृजन

(B) सूक्ष्म रेखा आ कम रंगक संयमित चित्रण

(C) नाटकमे कथा-संयोजक आ दर्शक-मार्गदर्शक पात्र

(D) मिथिला चित्रकलाक आधुनिक प्रसिद्ध नाम

७२७. नीचाँ देल जोड़ीमे ‘कचनी शैली’ सम्बन्धी सही जोड़ी कोन अछि?

(A) कचनी शैली — उर्वरता, रक्षा आ लोककथा सँ जुड़ल विषय

(B) कचनी शैली — सूक्ष्म रेखा आ कम रंगक संयमित चित्रण

(C) कचनी शैली — नाटकमे कथा-संयोजक आ दर्शक-मार्गदर्शक पात्र

(D) कचनी शैली — घर-आँगनमे बनल चित्र, गीत आ अनुष्ठानक सृजन

७२८. विदेह समानान्तर इतिहासक दृष्टिसँ ‘कचनी शैली’ पर ध्यान देबाक कारण की अछि?

(A) कारण ई शिव-भक्तिक मैथिल गीतधारा कैं मात्र दोहरबैत अछि।

(B) कारण ई गीत, संवाद आ मंचक मैथिल परम्परा कैं मात्र दोहरबैत अछि।

(C) कारण ई सूक्ष्म रेखा आ कम रंगक संयमित चित्रण कैं मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि।

(D) कारण ई रंग-भराव आ देवकथात्मक विषयक पद्धति कैं मात्र दोहरबैत अछि।

७२९. ‘कचनी शैली’ विषयमे कोन कथन सही अछि?

(A) ‘कचनी शैली’ कैँ रंग-भराव आ देवकथात्मक विषयक पद्धति सँ जोड़ल जाइत अछि।

(B) ‘कचनी शैली’ कैँ देवाल, अरिपन, कोहबर आ लोक-रंगक चित्र परम्परा सँ जोड़ल जाइत अछि।

(C) ‘कचनी शैली’ कैँ सूक्ष्म रेखा आ कम रंगक संयमित चित्रण सँ जोड़ल जाइत अछि।

(D) ‘कचनी शैली’ कैँ नाटकमे कथा-संयोजक आ दर्शक-मार्गदर्शक पात्र सँ जोड़ल जाइत अछि।

७३०. जँ विद्यार्थी ‘कचनी शैली’क नोट बनबैत अछि, तखन मुख्य निष्कर्ष कोन राखय?

(A) विद्यार्थी ‘कचनी शैली’ पढ़ैत समय शरीर-चिह्न आ रेखात्मक लोकस्मृति सँ प्रेरित शैली कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(B) विद्यार्थी ‘कचनी शैली’ पढ़ैत समय विवाह, उर्वरता आ मंगलक प्रतीक-संपन्न चित्र कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(C) विद्यार्थी ‘कचनी शैली’ पढ़ैत समय सूक्ष्म रेखा आ कम रंगक संयमित चित्रण पर ध्यान देत।

(D) विद्यार्थी ‘कचनी शैली’ पढ़ैत समय भक्ति आ श्रृंगारक मधुर काव्य-संगीत कैँ मुख्य तथ्य मानत।

७३१. मिथिलाक इतिहासमे ‘नाग-प्रतीक’ कैँ मुख्यतः कोन बातसँ जोड़ल जाइत अछि?

(A) उर्वरता, रक्षा आ लोककथा सँ जुड़ल विषय

(B) रंग-भराव आ देवकथात्मक विषयक पद्धति

(C) देवाल, अरिपन, कोहबर आ लोक-रंगक चित्र परम्परा

(D) गामक उत्सव, अभिनय आ देहभाषाक कलात्मक रूप

७३२. नीचाँ देल जोड़ीमे ‘नाग-प्रतीक’ सम्बन्धी सही जोड़ी कोन अछि?

(A) नाग-प्रतीक — शिव-केंद्रित भक्ति-गीत परम्परा

(B) नाग-प्रतीक — उर्वरता, रक्षा आ लोककथा सँ जुड़ल विषय

(C) नाग-प्रतीक — शरीर-चिह्न आ रेखात्मक लोकस्मृति सँ प्रेरित शैली

(D) नाग-प्रतीक — रंग-भराव आ देवकथात्मक विषयक पद्धति

७३३. विदेह समानान्तर इतिहासक दृष्टिसँ ‘नाग-प्रतीक’ पर ध्यान देबाक कारण की अछि?

(A) कारण ई घर-आँगनमे बनल चित्र, गीत आ अनुष्ठानक सृजन कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(B) कारण ई उर्वरता, रक्षा आ लोककथा सँ जुड़ल विषय कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि।

(C) कारण ई विवाह, उर्वरता आ मंगलक प्रतीक-संपन्न चित्र कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(D) कारण ई रंग-भराव आ देवकथात्मक विषयक पद्धति कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

७३४. ‘नाग-प्रतीक’ विषयमे कोन कथन सही अछि?

(A) ‘नाग-प्रतीक’ कैँ उर्वरता, रक्षा आ लोककथा सँ जुड़ल विषय सँ जोड़ल जाइत अछि।

(B) ‘नाग-प्रतीक’ कैँ सोहर, समदाउन, नचारी, महेशवाणी आ पबनी गीत सँ जोड़ल जाइत अछि।

(C) ‘नाग-प्रतीक’ कैँ विवाह, उर्वरता आ मंगलक प्रतीक-संपन्न चित्र सँ जोड़ल जाइत अछि।

(D) ‘नाग-प्रतीक’ कैँ शिव-केंद्रित भक्ति-गीत परम्परा सँ जोड़ल जाइत अछि।

७३५. जँ विद्यार्थी ‘नाग-प्रतीक’क नोट बनबैत अछि, तखन मुख्य निष्कर्ष कोन राखय?

(A) विद्यार्थी ‘नाग-प्रतीक’ पढ़ैत समय गीत, संवाद आ मंचक मैथिल परम्परा कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(B) विद्यार्थी ‘नाग-प्रतीक’ पढ़ैत समय शिव-केंद्रित भक्ति-गीत परम्परा कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(C) विद्यार्थी ‘नाग-प्रतीक’ पढ़ैत समय पवित्रता, उर्वरता आ सौन्दर्यक चिह्न कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(D) विद्यार्थी ‘नाग-प्रतीक’ पढ़ैत समय उर्वरता, रक्षा आ लोककथा सँ जुड़ल विषय पर ध्यान देत।

७३६. मिथिलाक इतिहासमे ‘मछली-प्रतीक’ कैँ मुख्यतः कोन बातसँ जोड़ल जाइत अछि?

(A) जल, समृद्धि आ जीवनधाराक संकेत

(B) सामूहिक गायन, भक्ति आ कथा-प्रसंग

(C) सूक्ष्म रेखा आ कम रंगक संयमित चित्रण

(D) शरीर-चिह्न आ रेखात्मक लोकस्मृति सँ प्रेरित शैली

७३७. नीचाँ देल जोड़ीमे 'मछली-प्रतीक' सम्बन्धी सही जोड़ी कोन अछि?

(A) मछली-प्रतीक — जल, समृद्धि आ जीवनधाराक संकेत

(B) मछली-प्रतीक — सूक्ष्म रेखा आ कम रंगक संयमित चित्रण

(C) मछली-प्रतीक — गीत, संवाद आ मंचक मैथिल परम्परा

(D) मछली-प्रतीक — विवाह, उर्वरता आ मंगलक प्रतीक-संपन्न चित्र

७३८. विदेह समानान्तर इतिहासक दृष्टिसँ 'मछली-प्रतीक' पर ध्यान देबाक कारण की अछि?

(A) कारण ई जल, समृद्धि आ जीवनधाराक संकेत कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि।

(B) कारण ई शिव-केंद्रित भक्ति-गीत परम्परा कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(C) कारण ई नाटकमे कथा-संयोजक आ दर्शक-मार्गदर्शक पात्र कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(D) कारण ई मैथिली रंगमंच आ लोकनाट्यक आधुनिक मंचीय उत्सव कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

७३९. 'मछली-प्रतीक' विषयमे कोन कथन सही अछि?

(A) 'मछली-प्रतीक' कैँ सोहर, समदाउन, नचारी, महेशवाणी आ पबनी गीत सँ जोड़ल जाइत अछि।

(B) 'मछली-प्रतीक' कैँ पवित्रता, उर्वरता आ सौन्दर्यक चिह्न सँ जोड़ल जाइत अछि।

(C) 'मछली-प्रतीक' कैँ जल, समृद्धि आ जीवनधाराक संकेत सँ जोड़ल जाइत अछि।

(D) 'मछली-प्रतीक' कैँ देवाल, अरिपन, कोहबर आ लोक-रंगक चित्र परम्परा सँ जोड़ल जाइत अछि।

७४०. जँ विद्यार्थी 'मछली-प्रतीक'क नोट बनबैत अछि, तखन मुख्य निष्कर्ष कोन राखय?

(A) विद्यार्थी 'मछली-प्रतीक' पढ़ैत समय ढोलक, मृदंग, झाल आ बांसुरीक ध्वनि-साधन कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(B) विद्यार्थी 'मछली-प्रतीक' पढ़ैत समय जल, समृद्धि आ जीवनधाराक संकेत पर ध्यान देत।

(C) विद्यार्थी 'मछली-प्रतीक' पढ़ैत समय उर्वरता, रक्षा आ लोककथा सँ जुड़ल विषय कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(D) विद्यार्थी 'मछली-प्रतीक' पढ़ैत समय मैथिली रंगमंच आ लोकनाट्यक आधुनिक मंचीय उत्सव कैँ मुख्य तथ्य मानत।

७४१. मिथिलाक इतिहासमे 'कमल-प्रतीक' कैँ मुख्यतः कोन बातसँ जोड़ल जाइत अछि?

(A) पवित्रता, उर्वरता आ सौन्दर्यक चिह्न

(B) मैथिली रंगमंच आ लोकनाट्यक आधुनिक मंचीय उत्सव

(C) गामक उत्सव, अभिनय आ देहभाषाक कलात्मक रूप

(D) रंग-भराव आ देवकथात्मक विषयक पद्धति

७४२. नीचाँ देल जोड़ीमे 'कमल-प्रतीक' सम्बन्धी सही जोड़ी कोन अछि?

(A) कमल-प्रतीक — भक्ति आ श्रृंगारक मधुर काव्य-संगीत

(B) कमल-प्रतीक — मिथिला चित्रकलाक आधुनिक प्रसिद्ध नाम

(C) कमल-प्रतीक — सूक्ष्म रेखा आ कम रंगक संयमित चित्रण

(D) कमल-प्रतीक — पवित्रता, उर्वरता आ सौन्दर्यक चिह्न

७४३. विदेह समानान्तर इतिहासक दृष्टिसँ 'कमल-प्रतीक' पर ध्यान देबाक कारण की अछि?

(A) कारण ई भक्ति आ श्रृंगारक मधुर काव्य-संगीत कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(B) कारण ई शरीर-चिह्न आ रेखात्मक लोकस्मृति सँ प्रेरित शैली कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(C) कारण ई मिथिला चित्रकलाक आधुनिक प्रसिद्ध नाम कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(D) कारण ई पवित्रता, उर्वरता आ सौन्दर्यक चिह्न कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि।

७४४. 'कमल-प्रतीक' विषयमे कोन कथन सही अछि?

(A) 'कमल-प्रतीक' कैँ सूक्ष्म रेखा आ कम रंगक संयमित चित्रण सँ जोड़ल जाइत अछि।

(B) 'कमल-प्रतीक' कैँ ढोलक, मृदंग, झाल आ बांसुरीक ध्वनि-साधन सँ जोड़ल जाइत अछि।

(C) 'कमल-प्रतीक' कैँ पवित्रता, उर्वरता आ सौन्दर्यक चिह्न सँ जोड़ल जाइत अछि।

(D) 'कमल-प्रतीक' कैँ मैथिली रंगमंच आ लोकनाट्यक आधुनिक मंचीय उत्सव सँ जोड़ल जाइत अछि।

७४५. जँ विद्यार्थी ‘कमल-प्रतीक’क नोट बनबैत अछि, तखन मुख्य निष्कर्ष कोन राखय?

(A) विद्यार्थी ‘कमल-प्रतीक’ पढ़ैत समय भक्ति आ श्रृंगारक मधुर काव्य-संगीत कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(B) विद्यार्थी ‘कमल-प्रतीक’ पढ़ैत समय पवित्रता, उर्वरता आ सौन्दर्यक चिह्न पर ध्यान देत।

(C) विद्यार्थी ‘कमल-प्रतीक’ पढ़ैत समय शिव-केंद्रित भक्ति-गीत परम्परा कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(D) विद्यार्थी ‘कमल-प्रतीक’ पढ़ैत समय नाटकमे कथा-संयोजक आ दर्शक-मार्गदर्शक पात्र कैँ मुख्य तथ्य मानत।

७४६. मिथिलाक इतिहासमे ‘लोकसंगीत’ कैँ मुख्यतः कोन बातसँ जोड़ल जाइत अछि?

(A) सोहर, समदाउन, नचारी, महेशवाणी आ पबनी गीत

(B) रंग-भराव आ देवकथात्मक विषयक पद्धति

(C) गीत, संवाद आ मंचक मैथिल परम्परा

(D) पवित्रता, उर्वरता आ सौन्दर्यक चिह्न

७४७. नीचाँ देल जोड़ीमे ‘लोकसंगीत’ सम्बन्धी सही जोड़ी कोन अछि?

(A) लोकसंगीत — घर-आँगनमे बनल चित्र, गीत आ अनुष्ठानक सृजन

(B) लोकसंगीत — पवित्रता, उर्वरता आ सौन्दर्यक चिह्न

(C) लोकसंगीत — मिथिला चित्रकलाक आधुनिक प्रसिद्ध नाम

(D) लोकसंगीत — सोहर, समदाउन, नचारी, महेशवाणी आ पबनी गीत

७४८. विदेह समानान्तर इतिहासक दृष्टिसँ ‘लोकसंगीत’ पर ध्यान देबाक कारण की अछि?

(A) कारण ई घर-आँगनमे बनल चित्र, गीत आ अनुष्ठानक सृजन कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(B) कारण ई सोहर, समदाउन, नचारी, महेशवाणी आ पबनी गीत कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि।

(C) कारण ई शिव-भक्तिक मैथिल गीतधारा कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(D) कारण ई गीत, संवाद आ मंचक मैथिल परम्परा कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

७४९. ‘लोकसंगीत’ विषयमे कोन कथन सही अछि?

(A) ‘लोकसंगीत’ कैँ गामक उत्सव, अभिनय आ देहभाषाक कलात्मक रूप सँ जोड़ल जाइत अछि।

(B) ‘लोकसंगीत’ कैँ सामूहिक गायन, भक्ति आ कथा-प्रसंग सँ जोड़ल जाइत अछि।

(C) ‘लोकसंगीत’ कैँ सोहर, समदाउन, नचारी, महेशवाणी आ पबनी गीत सँ जोड़ल जाइत अछि।

(D) ‘लोकसंगीत’ कैँ गीत, संवाद आ मंचक मैथिल परम्परा सँ जोड़ल जाइत अछि।

७५०. जँ विद्यार्थी ‘लोकसंगीत’क नोट बनबैत अछि, तखन मुख्य निष्कर्ष कोन राखय?

(A) विद्यार्थी ‘लोकसंगीत’ पढ़ैत समय सोहर, समदाउन, नचारी, महेशवाणी आ पबनी गीत पर ध्यान देत।

(B) विद्यार्थी ‘लोकसंगीत’ पढ़ैत समय नाटकमे कथा-संयोजक आ दर्शक-मार्गदर्शक पात्र कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(C) विद्यार्थी ‘लोकसंगीत’ पढ़ैत समय शिव-केंद्रित भक्ति-गीत परम्परा कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(D) विद्यार्थी ‘लोकसंगीत’ पढ़ैत समय शिव-भक्तिक मैथिल गीतधारा कैँ मुख्य तथ्य मानत।

७५१. मिथिलाक इतिहासमे ‘नचारी’ कैँ मुख्यतः कोन बातसँ जोड़ल जाइत अछि?

(A) सामूहिक गायन, भक्ति आ कथा-प्रसंग

(B) गीत, संवाद आ मंचक मैथिल परम्परा

(C) शिव-भक्तिक मैथिल गीतधारा

(D) मिथिला चित्रकलाक आधुनिक प्रसिद्ध नाम

७५२. नीचाँ देल जोड़ीमे ‘नचारी’ सम्बन्धी सही जोड़ी कोन अछि?

(A) नचारी — गामक उत्सव, अभिनय आ देहभाषाक कलात्मक रूप

(B) नचारी — शिव-भक्तिक मैथिल गीतधारा

(C) नचारी — शरीर-चिह्न आ रेखात्मक लोकस्मृति सँ प्रेरित शैली

(D) नचारी — सामूहिक गायन, भक्ति आ कथा-प्रसंग

७५३. विदेह समानान्तर इतिहासक दृष्टिसँ ‘नचारी’ पर ध्यान देबाक कारण की अछि?

(A) कारण ई शिव-भक्तिक मैथिल गीतधारा कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि।

(B) कारण ई मिथिला चित्रकलाक आधुनिक प्रसिद्ध नाम कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(C) कारण ई पवित्रता, उर्वरता आ सौन्दर्यक चिह्न कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(D) कारण ई ढोलक, मृदंग, झाल आ बांसुरीक ध्वनि-साधन कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

७५४. ‘नचारी’ विषयमे कोन कथन सही अछि?

(A) ‘नचारी’ कैँ पवित्रता, उर्वरता आ सौन्दर्यक चिह्न सँ जोड़ल जाइत अछि।

(B) ‘नचारी’ कैँ मैथिली रंगमंच आ लोकनाट्यक आधुनिक मंचीय उत्सव सँ जोड़ल जाइत अछि।

(C) ‘नचारी’ कैँ सूक्ष्म रेखा आ कम रंगक संयमित चित्रण सँ जोड़ल जाइत अछि।

(D) ‘नचारी’ कैँ शिव-भक्तिक मैथिल गीतधारा सँ जोड़ल जाइत अछि।

७५५. जँ विद्यार्थी ‘नचारी’क नोट बनबैत अछि, तखन मुख्य निष्कर्ष कोन राखय?

(A) विद्यार्थी ‘नचारी’ पढ़ैत समय मिथिला चित्रकलाक आधुनिक प्रसिद्ध नाम कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(B) विद्यार्थी ‘नचारी’ पढ़ैत समय गीत, संवाद आ मंचक मैथिल परम्परा कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(C) विद्यार्थी ‘नचारी’ पढ़ैत समय रंग-भराव आ देवकथात्मक विषयक पद्धति कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(D) विद्यार्थी ‘नचारी’ पढ़ैत समय शिव-भक्तिक मैथिल गीतधारा पर ध्यान देत।

७५६. मिथिलाक इतिहासमे ‘महेशवाणी’ कैँ मुख्यतः कोन बातसँ जोड़ल जाइत अछि?

(A) सूक्ष्म रेखा आ कम रंगक संयमित चित्रण

(B) गीत, संवाद आ मंचक मैथिल परम्परा

(C) सोहर, समदाउन, नचारी, महेशवाणी आ पबनी गीत

(D) शिव-केंद्रित भक्ति-गीत परम्परा

७५७. नीचाँ देल जोड़ीमे ‘महेशवाणी’ सम्बन्धी सही जोड़ी कोन अछि?

(A) महेशवाणी — ढोलक, मृदंग, झाल आ बांसुरीक ध्वनि-साधन

(B) महेशवाणी — शिव-केंद्रित भक्ति-गीत परम्परा

(C) महेशवाणी — रंग-भराव आ देवकथात्मक विषयक पद्धति

(D) महेशवाणी — भक्ति आ श्रृंगारक मधुर काव्य-संगीत

७५८. विदेह समानान्तर इतिहासक दृष्टिसँ ‘महेशवाणी’ पर ध्यान देबाक कारण की अछि?

(A) कारण ई शिव-केंद्रित भक्ति-गीत परम्परा कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि।

(B) कारण ई जल, समृद्धि आ जीवनधाराक संकेत कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(C) कारण ई पवित्रता, उर्वरता आ सौन्दर्यक चिह्न कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(D) कारण ई शिव-भक्तिक मैथिल गीतधारा कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

७५९. ‘महेशवाणी’ विषयमे कोन कथन सही अछि?

(A) ‘महेशवाणी’ कैँ शरीर-चिह्न आ रेखात्मक लोकस्मृति सँ प्रेरित शैली सँ जोड़ल जाइत अछि।

(B) ‘महेशवाणी’ कैँ शिव-भक्तिक मैथिल गीतधारा सँ जोड़ल जाइत अछि।

(C) ‘महेशवाणी’ कैँ शिव-केंद्रित भक्ति-गीत परम्परा सँ जोड़ल जाइत अछि।

(D) ‘महेशवाणी’ कैँ विवाह, उर्वरता आ मंगलक प्रतीक-संपन्न चित्र सँ जोड़ल जाइत अछि।

७६०. जँ विद्यार्थी ‘महेशवाणी’क नोट बनबैत अछि, तखन मुख्य निष्कर्ष कोन राखय?

(A) विद्यार्थी ‘महेशवाणी’ पढ़ैत समय शिव-केंद्रित भक्ति-गीत परम्परा पर ध्यान देत।

(B) विद्यार्थी ‘महेशवाणी’ पढ़ैत समय शरीर-चिह्न आ रेखात्मक लोकस्मृति सँ प्रेरित शैली कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(C) विद्यार्थी ‘महेशवाणी’ पढ़ैत समय भक्ति आ श्रृंगारक मधुर काव्य-संगीत कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(D) विद्यार्थी ‘महेशवाणी’ पढ़ैत समय गामक उत्सव, अभिनय आ देहभाषाक कलात्मक रूप कैँ मुख्य तथ्य मानत।

७६१. मिथिलाक इतिहासमे 'विद्यापति गीत' कैँ मुख्यतः कोन बातसँ जोड़ल जाइत अछि?

(A) ढोलक, मृदंग, झाल आ बांसुरीक ध्वनि-साधन

(B) सामूहिक गायन, भक्ति आ कथा-प्रसंग

(C) भक्ति आ श्रृंगारक मधुर काव्य-संगीत

(D) उर्वरता, रक्षा आ लोककथा सँ जुड़ल विषय

७६२. नीचाँ देल जोड़ीमे 'विद्यापति गीत' सम्बन्धी सही जोड़ी कोन अछि?

(A) विद्यापति गीत — भक्ति आ श्रृंगारक मधुर काव्य-संगीत

(B) विद्यापति गीत — शिव-भक्तिक मैथिल गीतधारा

(C) विद्यापति गीत — शरीर-चिह्न आ रेखात्मक लोकस्मृति सँ प्रेरित शैली

(D) विद्यापति गीत — गीत, संवाद आ मंचक मैथिल परम्परा

७६३. विदेह समानान्तर इतिहासक दृष्टिसँ 'विद्यापति गीत' पर ध्यान देबाक कारण की अछि?

(A) कारण ई शिव-केंद्रित भक्ति-गीत परम्परा कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(B) कारण ई रंग-भराव आ देवकथात्मक विषयक पद्धति कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(C) कारण ई उर्वरता, रक्षा आ लोककथा सँ जुड़ल विषय कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(D) कारण ई भक्ति आ श्रृंगारक मधुर काव्य-संगीत कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि।

७६४. 'विद्यापति गीत' विषयमे कोन कथन सही अछि?

(A) 'विद्यापति गीत' कैँ शिव-केंद्रित भक्ति-गीत परम्परा सँ जोड़ल जाइत अछि।

(B) 'विद्यापति गीत' कैँ देवाल, अरिपन, कोहबर आ लोक-रंगक चित्र परम्परा सँ जोड़ल जाइत अछि।

(C) 'विद्यापति गीत' कैँ विवाह, उर्वरता आ मंगलक प्रतीक-संपन्न चित्र सँ जोड़ल जाइत अछि।

(D) 'विद्यापति गीत' कैँ भक्ति आ श्रृंगारक मधुर काव्य-संगीत सँ जोड़ल जाइत अछि।

७६५. जँ विद्यार्थी 'विद्यापति गीत'क नोट बनबैत अछि, तखन मुख्य निष्कर्ष कोन राखय?

(A) विद्यार्थी 'विद्यापति गीत' पढ़ैत समय भक्ति आ श्रृंगारक मधुर काव्य-संगीत पर ध्यान देत।

(B) विद्यार्थी 'विद्यापति गीत' पढ़ैत समय सोहर, समदाउन, नचारी, महेशवाणी आ पबनी गीत कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(C) विद्यार्थी 'विद्यापति गीत' पढ़ैत समय मिथिला चित्रकलाक आधुनिक प्रसिद्ध नाम कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(D) विद्यार्थी 'विद्यापति गीत' पढ़ैत समय जल, समृद्धि आ जीवनधाराक संकेत कैँ मुख्य तथ्य मानत।

७६६. मिथिलाक इतिहासमे 'कीर्तन' कैँ मुख्यतः कोन बातसँ जोड़ल जाइत अछि?

(A) पवित्रता, उर्वरता आ सौन्दर्यक चिह्न

(B) सामूहिक गायन, भक्ति आ कथा-प्रसंग

(C) शिव-केंद्रित भक्ति-गीत परम्परा

(D) सोहर, समदाउन, नचारी, महेशवाणी आ पबनी गीत

७६७. नीचाँ देल जोड़ीमे 'कीर्तन' सम्बन्धी सही जोड़ी कोन अछि?

(A) कीर्तन — मैथिली रंगमंच आ लोकनाट्यक आधुनिक मंचीय उत्सव

(B) कीर्तन — सामूहिक गायन, भक्ति आ कथा-प्रसंग

(C) कीर्तन — शिव-केंद्रित भक्ति-गीत परम्परा

(D) कीर्तन — शिव-भक्तिक मैथिल गीतधारा

७६८. विदेह समानान्तर इतिहासक दृष्टिसँ 'कीर्तन' पर ध्यान देबाक कारण की अछि?

(A) कारण ई गामक उत्सव, अभिनय आ देहभाषाक कलात्मक रूप कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(B) कारण ई सामूहिक गायन, भक्ति आ कथा-प्रसंग कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि।

(C) कारण ई गीत, संवाद आ मंचक मैथिल परम्परा कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(D) कारण ई मैथिली रंगमंच आ लोकनाट्यक आधुनिक मंचीय उत्सव कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

७६९. ‘कीर्तन’ विषयमे कोन कथन सही अछि?

(A) ‘कीर्तन’ कैं शरीर-चिह्न आ रेखात्मक लोकस्मृति सँ प्रेरित शैली सँ जोड़ल जाइत अछि।

(B) ‘कीर्तन’ कैं सामूहिक गायन, भक्ति आ कथा-प्रसंग सँ जोड़ल जाइत अछि।

(C) ‘कीर्तन’ कैं मिथिला चित्रकलाक आधुनिक प्रसिद्ध नाम सँ जोड़ल जाइत अछि।

(D) ‘कीर्तन’ कैं सूक्ष्म रेखा आ कम रंगक संयमित चित्रण सँ जोड़ल जाइत अछि।

७७०. जँ विद्यार्थी ‘कीर्तन’क नोट बनबैत अछि, तखन मुख्य निष्कर्ष कोन राखय?

(A) विद्यार्थी ‘कीर्तन’ पढ़ैत समय सोहर, समदाउन, नचारी, महेशवाणी आ पबनी गीत कैं मुख्य तथ्य मानत।

(B) विद्यार्थी ‘कीर्तन’ पढ़ैत समय गामक उत्सव, अभिनय आ देहभाषाक कलात्मक रूप कैं मुख्य तथ्य मानत।

(C) विद्यार्थी ‘कीर्तन’ पढ़ैत समय सामूहिक गायन, भक्ति आ कथा-प्रसंग पर ध्यान देत।

(D) विद्यार्थी ‘कीर्तन’ पढ़ैत समय गीत, संवाद आ मंचक मैथिल परम्परा कैं मुख्य तथ्य मानत।

७७१. मिथिलाक इतिहासमे ‘कीर्तनिया नाटक’ कैं मुख्यतः कोन बातसँ जोड़ल जाइत अछि?

(A) नाटकमे कथा-संयोजक आ दर्शक-मार्गदर्शक पात्र

(B) ढोलक, मृदंग, झाल आ बांसुरीक ध्वनि-साधन

(C) घर-आँगनमे बनल चित्र, गीत आ अनुष्ठानक सृजन

(D) गीत, संवाद आ मंचक मैथिल परम्परा

७७२. नीचाँ देल जोड़ीमे ‘कीर्तनिया नाटक’ सम्बन्धी सही जोड़ी कोन अछि?

(A) कीर्तनिया नाटक — शरीर-चिह्न आ रेखात्मक लोकस्मृति सँ प्रेरित शैली

(B) कीर्तनिया नाटक — भक्ति आ श्रृंगारक मधुर काव्य-संगीत

(C) कीर्तनिया नाटक — गीत, संवाद आ मंचक मैथिल परम्परा

(D) कीर्तनिया नाटक — ढोलक, मृदंग, झाल आ बांसुरीक ध्वनि-साधन

७७३. विदेह समानान्तर इतिहासक दृष्टिसँ ‘कीर्तनिया नाटक’ पर ध्यान देबाक कारण की अछि?

(A) कारण ई मैथिली रंगमंच आ लोकनाट्यक आधुनिक मंचीय उत्सव कैं मात्र दोहरबैत अछि।

(B) कारण ई सूक्ष्म रेखा आ कम रंगक संयमित चित्रण कैं मात्र दोहरबैत अछि।

(C) कारण ई गीत, संवाद आ मंचक मैथिल परम्परा कैं मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि।

(D) कारण ई सामूहिक गायन, भक्ति आ कथा-प्रसंग कैं मात्र दोहरबैत अछि।

७७४. ‘कीर्तनिया नाटक’ विषयमे कोन कथन सही अछि?

(A) ‘कीर्तनिया नाटक’ कैं उर्वरता, रक्षा आ लोककथा सँ जुड़ल विषय सँ जोड़ल जाइत अछि।

(B) ‘कीर्तनिया नाटक’ कैं गीत, संवाद आ मंचक मैथिल परम्परा सँ जोड़ल जाइत अछि।

(C) ‘कीर्तनिया नाटक’ कैं घर-आँगनमे बनल चित्र, गीत आ अनुष्ठानक सृजन सँ जोड़ल जाइत अछि।

(D) ‘कीर्तनिया नाटक’ कैं भक्ति आ श्रृंगारक मधुर काव्य-संगीत सँ जोड़ल जाइत अछि।

७७५. जँ विद्यार्थी ‘कीर्तनिया नाटक’क नोट बनबैत अछि, तखन मुख्य निष्कर्ष कोन राखय?

(A) विद्यार्थी ‘कीर्तनिया नाटक’ पढ़ैत समय गीत, संवाद आ मंचक मैथिल परम्परा पर ध्यान देत।

(B) विद्यार्थी ‘कीर्तनिया नाटक’ पढ़ैत समय घर-आँगनमे बनल चित्र, गीत आ अनुष्ठानक सृजन कैं मुख्य तथ्य मानत।

(C) विद्यार्थी ‘कीर्तनिया नाटक’ पढ़ैत समय सोहर, समदाउन, नचारी, महेशवाणी आ पबनी गीत कैं मुख्य तथ्य मानत।

(D) विद्यार्थी ‘कीर्तनिया नाटक’ पढ़ैत समय मैथिली रंगमंच आ लोकनाट्यक आधुनिक मंचीय उत्सव कैं मुख्य तथ्य मानत।

७७६. मिथिलाक इतिहासमे ‘लोकनाच’ कैं मुख्यतः कोन बातसँ जोड़ल जाइत अछि?

(A) गामक उत्सव, अभिनय आ देहभाषाक कलात्मक रूप

(B) सामूहिक गायन, भक्ति आ कथा-प्रसंग

(C) ढोलक, मृदंग, झाल आ बांसुरीक ध्वनि-साधन

(D) शिव-केंद्रित भक्ति-गीत परम्परा

७७७. नीचाँ देल जोड़ीमे 'लोकनाच' सम्बन्धी सही जोड़ी कोन अछि?

(A) लोकनाच — गामक उत्सव, अभिनय आ देहभाषाक कलात्मक रूप

(B) लोकनाच — सूक्ष्म रेखा आ कम रंगक संयमित चित्रण

(C) लोकनाच — गीत, संवाद आ मंचक मैथिल परम्परा

(D) लोकनाच — रंग-भराव आ देवकथात्मक विषयक पद्धति

७७८. विदेह समानान्तर इतिहासक दृष्टिसँ 'लोकनाच' पर ध्यान देबाक कारण की अछि?

(A) कारण ई मिथिला चित्रकलाक आधुनिक प्रसिद्ध नाम केँ मात्र दोहरबैत अछि।

(B) कारण ई उर्वरता, रक्षा आ लोककथा सँ जुड़ल विषय केँ मात्र दोहरबैत अछि।

(C) कारण ई गामक उत्सव, अभिनय आ देहभाषाक कलात्मक रूप केँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि।

(D) कारण ई सूक्ष्म रेखा आ कम रंगक संयमित चित्रण केँ मात्र दोहरबैत अछि।

७७९. 'लोकनाच' विषयमे कोन कथन सही अछि?

(A) 'लोकनाच' केँ भक्ति आ श्रृंगारक मधुर काव्य-संगीत सँ जोड़ल जाइत अछि।

(B) 'लोकनाच' केँ सूक्ष्म रेखा आ कम रंगक संयमित चित्रण सँ जोड़ल जाइत अछि।

(C) 'लोकनाच' केँ गामक उत्सव, अभिनय आ देहभाषाक कलात्मक रूप सँ जोड़ल जाइत अछि।

(D) 'लोकनाच' केँ मिथिला चित्रकलाक आधुनिक प्रसिद्ध नाम सँ जोड़ल जाइत अछि।

७८०. जँ विद्यार्थी 'लोकनाच'क नोट बनबैत अछि, तखन मुख्य निष्कर्ष कोन राखय?

(A) विद्यार्थी 'लोकनाच' पढ़ैत समय शिव-भक्तिक मैथिल गीतधारा केँ मुख्य तथ्य मानत।

(B) विद्यार्थी 'लोकनाच' पढ़ैत समय शरीर-चिह्न आ रेखात्मक लोकस्मृति सँ प्रेरित शैली केँ मुख्य तथ्य मानत।

(C) विद्यार्थी 'लोकनाच' पढ़ैत समय गामक उत्सव, अभिनय आ देहभाषाक कलात्मक रूप पर ध्यान देत।

(D) विद्यार्थी 'लोकनाच' पढ़ैत समय घर-आँगनमे बनल चित्र, गीत आ अनुष्ठानक सृजन केँ मुख्य तथ्य मानत।

७८१. मिथिलाक इतिहासमे 'विदेह नाट्य उत्सव' केँ मुख्यतः कोन बातसँ जोड़ल जाइत अछि?

(A) उर्वरता, रक्षा आ लोककथा सँ जुड़ल विषय

(B) गीत, संवाद आ मंचक मैथिल परम्परा

(C) ढोलक, मृदंग, झाल आ बांसुरीक ध्वनि-साधन

(D) मैथिली रंगमंच आ लोकनाट्यक आधुनिक मंचीय उत्सव

७८२. नीचाँ देल जोड़ीमे 'विदेह नाट्य उत्सव' सम्बन्धी सही जोड़ी कोन अछि?

(A) विदेह नाट्य उत्सव — सामूहिक गायन, भक्ति आ कथा-प्रसंग

(B) विदेह नाट्य उत्सव — रंग-भराव आ देवकथात्मक विषयक पद्धति

(C) विदेह नाट्य उत्सव — भक्ति आ श्रृंगारक मधुर काव्य-संगीत

(D) विदेह नाट्य उत्सव — मैथिली रंगमंच आ लोकनाट्यक आधुनिक मंचीय उत्सव

७८३. विदेह समानान्तर इतिहासक दृष्टिसँ 'विदेह नाट्य उत्सव' पर ध्यान देबाक कारण की अछि?

(A) कारण ई शिव-केंद्रित भक्ति-गीत परम्परा केँ मात्र दोहरबैत अछि।

(B) कारण ई मैथिली रंगमंच आ लोकनाट्यक आधुनिक मंचीय उत्सव केँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि।

(C) कारण ई नाटकमे कथा-संयोजक आ दर्शक-मार्गदर्शक पात्र केँ मात्र दोहरबैत अछि।

(D) कारण ई सूक्ष्म रेखा आ कम रंगक संयमित चित्रण केँ मात्र दोहरबैत अछि।

७८४. 'विदेह नाट्य उत्सव' विषयमे कोन कथन सही अछि?

(A) 'विदेह नाट्य उत्सव' केँ शिव-भक्तिक मैथिल गीतधारा सँ जोड़ल जाइत अछि।

(B) 'विदेह नाट्य उत्सव' केँ सामूहिक गायन, भक्ति आ कथा-प्रसंग सँ जोड़ल जाइत अछि।

(C) 'विदेह नाट्य उत्सव' केँ मैथिली रंगमंच आ लोकनाट्यक आधुनिक मंचीय उत्सव सँ जोड़ल जाइत अछि।

(D) 'विदेह नाट्य उत्सव' केँ सूक्ष्म रेखा आ कम रंगक संयमित चित्रण सँ जोड़ल जाइत अछि।

७८५. जँ विद्यार्थी 'विदेह नाट्य उत्सव'क नोट बनबैत अछि, तखन मुख्य निष्कर्ष कोन राखय?

(A) विद्यार्थी 'विदेह नाट्य उत्सव' पढ़ैत समय मैथिली रंगमंच आ लोकनाट्यक आधुनिक मंचीय उत्सव पर ध्यान देत।

(B) विद्यार्थी 'विदेह नाट्य उत्सव' पढ़ैत समय सामूहिक गायन, भक्ति आ कथा-प्रसंग कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(C) विद्यार्थी 'विदेह नाट्य उत्सव' पढ़ैत समय रंग-भराव आ देवकथात्मक विषयक पद्धति कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(D) विद्यार्थी 'विदेह नाट्य उत्सव' पढ़ैत समय विवाह, उर्वरता आ मंगलक प्रतीक-संपन्न चित्र कैँ मुख्य तथ्य मानत।

७८६. मिथिलाक इतिहासमे 'सूत्रधार' कैँ मुख्यतः कोन बातसँ जोड़ल जाइत अछि?

(A) नाटकमे कथा-संयोजक आ दर्शक-मार्गदर्शक पात्र

(B) विवाह, उर्वरता आ मंगलक प्रतीक-संपन्न चित्र

(C) घर-आँगनमे बनल चित्र, गीत आ अनुष्ठानक सृजन

(D) ढोलक, मृदंग, झाल आ बांसुरीक ध्वनि-साधन

७८७. नीचाँ देल जोड़ीमे 'सूत्रधार' सम्बन्धी सही जोड़ी कोन अछि?

(A) सूत्रधार — नाटकमे कथा-संयोजक आ दर्शक-मार्गदर्शक पात्र

(B) सूत्रधार — घर-आँगनमे बनल चित्र, गीत आ अनुष्ठानक सृजन

(C) सूत्रधार — मैथिली रंगमंच आ लोकनाट्यक आधुनिक मंचीय उत्सव

(D) सूत्रधार — शरीर-चिह्न आ रेखात्मक लोकस्मृति सँ प्रेरित शैली

७८८. विदेह समानान्तर इतिहासक दृष्टिसँ 'सूत्रधार' पर ध्यान देबाक कारण की अछि?

(A) कारण ई जल, समृद्धि आ जीवनधाराक संकेत कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(B) कारण ई मैथिली रंगमंच आ लोकनाट्यक आधुनिक मंचीय उत्सव कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(C) कारण ई नाटकमे कथा-संयोजक आ दर्शक-मार्गदर्शक पात्र कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि।

(D) कारण ई सोहर, समदाउन, नचारी, महेशवाणी आ पबनी गीत कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

७८९. 'सूत्रधार' विषयमे कोन कथन सही अछि?

(A) 'सूत्रधार' कैँ नाटकमे कथा-संयोजक आ दर्शक-मार्गदर्शक पात्र सँ जोड़ल जाइत अछि।

(B) 'सूत्रधार' कैँ मैथिली रंगमंच आ लोकनाट्यक आधुनिक मंचीय उत्सव सँ जोड़ल जाइत अछि।

(C) 'सूत्रधार' कैँ शरीर-चिह्न आ रेखात्मक लोकस्मृति सँ प्रेरित शैली सँ जोड़ल जाइत अछि।

(D) 'सूत्रधार' कैँ पवित्रता, उर्वरता आ सौन्दर्यक चिह्न सँ जोड़ल जाइत अछि।

७९०. जँ विद्यार्थी 'सूत्रधार'क नोट बनबैत अछि, तखन मुख्य निष्कर्ष कोन राखय?

(A) विद्यार्थी 'सूत्रधार' पढ़ैत समय मिथिला चित्रकलाक आधुनिक प्रसिद्ध नाम कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(B) विद्यार्थी 'सूत्रधार' पढ़ैत समय शरीर-चिह्न आ रेखात्मक लोकस्मृति सँ प्रेरित शैली कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(C) विद्यार्थी 'सूत्रधार' पढ़ैत समय नाटकमे कथा-संयोजक आ दर्शक-मार्गदर्शक पात्र पर ध्यान देत।

(D) विद्यार्थी 'सूत्रधार' पढ़ैत समय जल, समृद्धि आ जीवनधाराक संकेत कैँ मुख्य तथ्य मानत।

७९१. मिथिलाक इतिहासमे 'लोकवाद्य' कैँ मुख्यतः कोन बातसँ जोड़ल जाइत अछि?

(A) सूक्ष्म रेखा आ कम रंगक संयमित चित्रण

(B) ढोलक, मृदंग, झाल आ बांसुरीक ध्वनि-साधन

(C) मिथिला चित्रकलाक आधुनिक प्रसिद्ध नाम

(D) रंग-भराव आ देवकथात्मक विषयक पद्धति

७९२. नीचाँ देल जोड़ीमे 'लोकवाद्य' सम्बन्धी सही जोड़ी कोन अछि?

(A) लोकवाद्य — ढोलक, मृदंग, झाल आ बांसुरीक ध्वनि-साधन

(B) लोकवाद्य — विवाह, उर्वरता आ मंगलक प्रतीक-संपन्न चित्र

(C) लोकवाद्य — मिथिला चित्रकलाक आधुनिक प्रसिद्ध नाम

(D) लोकवाद्य — सूक्ष्म रेखा आ कम रंगक संयमित चित्रण

७९३. विदेह समानान्तर इतिहासक दृष्टिसँ 'लोकवाद्य' पर ध्यान देबाक कारण की अछि?

(A) कारण ई ढोलक, मृदंग, झाल आ बांसुरीक ध्वनि-साधन कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि।

(B) कारण ई शरीर-चिह्न आ रेखात्मक लोकस्मृति सँ प्रेरित शैली कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(C) कारण ई शिव-भक्तिक मैथिल गीतधारा कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(D) कारण ई शिव-केंद्रित भक्ति-गीत परम्परा कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

७९४. 'लोकवाद्य' विषयमे कोन कथन सही अछि?

(A) 'लोकवाद्य' कैँ पवित्रता, उर्वरता आ सौन्दर्यक चिह्न सँ जोड़ल जाइत अछि।

(B) 'लोकवाद्य' कैँ गामक उत्सव, अभिनय आ देहभाषाक कलात्मक रूप सँ जोड़ल जाइत अछि।

(C) 'लोकवाद्य' कैँ सूक्ष्म रेखा आ कम रंगक संयमित चित्रण सँ जोड़ल जाइत अछि।

(D) 'लोकवाद्य' कैँ ढोलक, मृदंग, झाल आ बांसुरीक ध्वनि-साधन सँ जोड़ल जाइत अछि।

७९५. जँ विद्यार्थी 'लोकवाद्य'क नोट बनबैत अछि, तखन मुख्य निष्कर्ष कोन राखय?

(A) विद्यार्थी 'लोकवाद्य' पढ़ैत समय ढोलक, मृदंग, झाल आ बांसुरीक ध्वनि-साधन पर ध्यान देत।

(B) विद्यार्थी 'लोकवाद्य' पढ़ैत समय मैथिली रंगमंच आ लोकनाट्यक आधुनिक मंचीय उत्सव कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(C) विद्यार्थी 'लोकवाद्य' पढ़ैत समय भक्ति आ श्रृंगारक मधुर काव्य-संगीत कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(D) विद्यार्थी 'लोकवाद्य' पढ़ैत समय रंग-भराव आ देवकथात्मक विषयक पद्धति कैँ मुख्य तथ्य मानत।

७९६. मिथिलाक इतिहासमे 'स्त्री-कला' कैँ मुख्यतः कोन बातसँ जोड़ल जाइत अछि?

(A) घर-आँगनमे बनल चित्र, गीत आ अनुष्ठानक सृजन

(B) ढोलक, मृदंग, झाल आ बांसुरीक ध्वनि-साधन

(C) पवित्रता, उर्वरता आ सौन्दर्यक चिह्न

(D) विवाह, उर्वरता आ मंगलक प्रतीक-संपन्न चित्र

७९७. नीचाँ देल जोड़ीमे 'स्त्री-कला' सम्बन्धी सही जोड़ी कोन अछि?

(A) स्त्री-कला — ढोलक, मृदंग, झाल आ बांसुरीक ध्वनि-साधन

(B) स्त्री-कला — देवाल, अरिपन, कोहबर आ लोक-रंगक चित्र परम्परा

(C) स्त्री-कला — गीत, संवाद आ मंचक मैथिल परम्परा

(D) स्त्री-कला — घर-आँगनमे बनल चित्र, गीत आ अनुष्ठानक सृजन

७९८. विदेह समानान्तर इतिहासक दृष्टिसँ 'स्त्री-कला' पर ध्यान देबाक कारण की अछि?

(A) कारण ई पवित्रता, उर्वरता आ सौन्दर्यक चिह्न कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(B) कारण ई घर-आँगनमे बनल चित्र, गीत आ अनुष्ठानक सृजन कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि।

(C) कारण ई ढोलक, मृदंग, झाल आ बांसुरीक ध्वनि-साधन कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(D) कारण ई गीत, संवाद आ मंचक मैथिल परम्परा कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

७९९. 'स्त्री-कला' विषयमे कोन कथन सही अछि?

(A) 'स्त्री-कला' कैँ मैथिली रंगमंच आ लोकनाट्यक आधुनिक मंचीय उत्सव सँ जोड़ल जाइत अछि।

(B) 'स्त्री-कला' कैँ शरीर-चिह्न आ रेखात्मक लोकस्मृति सँ प्रेरित शैली सँ जोड़ल जाइत अछि।

(C) 'स्त्री-कला' कैँ घर-आँगनमे बनल चित्र, गीत आ अनुष्ठानक सृजन सँ जोड़ल जाइत अछि।

(D) 'स्त्री-कला' कैँ देवाल, अरिपन, कोहबर आ लोक-रंगक चित्र परम्परा सँ जोड़ल जाइत अछि।

८००. जँ विद्यार्थी 'स्त्री-कला'क नोट बनबैत अछि, तखन मुख्य निष्कर्ष कोन राखय?

(A) विद्यार्थी 'स्त्री-कला' पढ़ैत समय सामूहिक गायन, भक्ति आ कथा-प्रसंग कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(B) विद्यार्थी 'स्त्री-कला' पढ़ैत समय घर-आँगनमे बनल चित्र, गीत आ अनुष्ठानक सृजन पर ध्यान देत।

(C) विद्यार्थी 'स्त्री-कला' पढ़ैत समय गीत, संवाद आ मंचक मैथिल परम्परा कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(D) विद्यार्थी 'स्त्री-कला' पढ़ैत समय रंग-भराव आ देवकथात्मक विषयक पद्धति कैँ मुख्य तथ्य मानत।

८०१. मिथिलाक इतिहासमे 'मैथिली आन्दोलन' कैँ मुख्यतः कोन बातसँ जोड़ल जाइत अछि?

(A) शिक्षा, पुनरावृत्ति आ जनसहभागिता केर डिजिटल साधन

(B) ग्रन्थ, लेखक, स्रोत आ विषयक व्यवस्थित अनुक्रमणिका

(C) भाषा, शिक्षा, प्रशासन आ सांस्कृतिक अधिकारक संघर्ष

(D) मिथिलाक्षर आ देवनागरीक संगणकीय प्रयोग

८०२. नीचाँ देल जोड़ीमे 'मैथिली आन्दोलन' सम्बन्धी सही जोड़ी कोन अछि?

(A) मैथिली आन्दोलन — गीत, साक्षात्कार, नाटक आ पाठक ध्वनि-दृश्य अभिलेख

(B) मैथिली आन्दोलन — भाषा, शिक्षा, प्रशासन आ सांस्कृतिक अधिकारक संघर्ष

(C) मैथिली आन्दोलन — क्षेत्रीय उच्च शिक्षा आ मैथिली अध्ययनसँ जुड़ल संस्थान

(D) मैथिली आन्दोलन — वेब पर प्रकाशित साहित्यिक-सांस्कृतिक पत्रिका

८०३. विदेह समानान्तर इतिहासक दृष्टिसँ 'मैथिली आन्दोलन' पर ध्यान देबाक कारण की अछि?

(A) कारण ई डिजिटल रूपमे पढ़ल जायवला पोथी कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(B) कारण ई गीत, साक्षात्कार, नाटक आ पाठक ध्वनि-दृश्य अभिलेख कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(C) कारण ई स्त्री अनुभवक वेब-आधारित प्रकाशन कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(D) कारण ई भाषा, शिक्षा, प्रशासन आ सांस्कृतिक अधिकारक संघर्ष कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि।

८०४. 'मैथिली आन्दोलन' विषयमे कोन कथन सही अछि?

(A) 'मैथिली आन्दोलन' कैँ डिजिटल समाचार, आलोचना आ सार्वजनिक बहसक माध्यम सँ जोड़ल जाइत अछि।

(B) 'मैथिली आन्दोलन' कैँ मिथिलाक्षर आ देवनागरीक संगणकीय प्रयोग सँ जोड़ल जाइत अछि।

(C) 'मैथिली आन्दोलन' कैँ पुरान अंक, ग्रन्थ, ध्वनि, चित्र आ दस्तावेजक संग्रह सँ जोड़ल जाइत अछि।

(D) 'मैथिली आन्दोलन' कैँ भाषा, शिक्षा, प्रशासन आ सांस्कृतिक अधिकारक संघर्ष सँ जोड़ल जाइत अछि।

८०५. जँ विद्यार्थी 'मैथिली आन्दोलन'क नोट बनबैत अछि, तखन मुख्य निष्कर्ष कोन राखय?

(A) विद्यार्थी 'मैथिली आन्दोलन' पढ़ैत समय पुरान अंक, ग्रन्थ, ध्वनि, चित्र आ दस्तावेजक संग्रह कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(B) विद्यार्थी 'मैथिली आन्दोलन' पढ़ैत समय प्रथम मैथिली पाक्षिक ई-पत्रिका रूपेँ प्रसिद्ध डिजिटल मंच कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(C) विद्यार्थी 'मैथिली आन्दोलन' पढ़ैत समय भाषा, शिक्षा, प्रशासन आ सांस्कृतिक अधिकारक संघर्ष पर ध्यान देत।

(D) विद्यार्थी 'मैथिली आन्दोलन' पढ़ैत समय हाशियाक समुदायक स्वयं-प्रकाशन आ स्मृति-संग्रह कैँ मुख्य तथ्य मानत।

८०६. मिथिलाक इतिहासमे 'साहित्य अकादेमी' कैँ मुख्यतः कोन बातसँ जोड़ल जाइत अछि?

(A) हाशियाक समुदायक स्वयं-प्रकाशन आ स्मृति-संग्रह

(B) राष्ट्रीय साहित्यिक संस्था आ मान्यता केर मंच

(C) मिथिलाक्षर आ देवनागरीक संगणकीय प्रयोग

(D) प्रथम मैथिली पाक्षिक ई-पत्रिका रूपेँ प्रसिद्ध डिजिटल मंच

८०७. नीचाँ देल जोड़ीमे 'साहित्य अकादेमी' सम्बन्धी सही जोड़ी कोन अछि?

(A) साहित्य अकादेमी — दृश्य-माध्यममे भाषा, नाटक आ सांस्कृतिक प्रस्तुति

(B) साहित्य अकादेमी — राष्ट्रीय साहित्यिक संस्था आ मान्यता केर मंच

(C) साहित्य अकादेमी — गीत, साक्षात्कार, नाटक आ पाठक ध्वनि-दृश्य अभिलेख

(D) साहित्य अकादेमी — डिजिटल रूपमे पढ़ल जायवला पोथी

८०८. विदेह समानान्तर इतिहासक दृष्टिसँ 'साहित्य अकादेमी' पर ध्यान देबाक कारण की अछि?

(A) कारण ई राष्ट्रीय साहित्यिक संस्था आ मान्यता केर मंच कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि।

(B) कारण ई मैथिलीकैँ संवैधानिक मान्यता देबाक संघर्ष कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(C) कारण ई डिजिटल समाचार, आलोचना आ सार्वजनिक बहसक माध्यम कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(D) कारण ई ग्रन्थ, लेखक, स्रोत आ विषयक व्यवस्थित अनुक्रमणिका कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

८०९. 'साहित्य अकादेमी' विषयमे कोन कथन सही अछि?

(A) 'साहित्य अकादेमी' कैँ मिथिला बाहरक मैथिल लोकक संगठन आ रचनात्मक मंच सँ जोड़ल जाइत अछि।

(B) 'साहित्य अकादेमी' कैँ हाशियाक समुदायक स्वयं-प्रकाशन आ स्मृति-संग्रह सँ जोड़ल जाइत अछि।

(C) 'साहित्य अकादेमी' कैँ क्षेत्रीय उच्च शिक्षा आ मैथिली अध्ययनसँ जुड़ल संस्थान सँ जोड़ल जाइत अछि।

(D) 'साहित्य अकादेमी' कैँ राष्ट्रीय साहित्यिक संस्था आ मान्यता केर मंच सँ जोड़ल जाइत अछि।

८१०. जँ विद्यार्थी 'साहित्य अकादेमी'क नोट बनबैत अछि, तखन मुख्य निष्कर्ष कोन राखय?

(A) विद्यार्थी 'साहित्य अकादेमी' पढ़ैत समय राष्ट्रीय साहित्यिक संस्था आ मान्यता केर मंच पर ध्यान देत।

(B) विद्यार्थी 'साहित्य अकादेमी' पढ़ैत समय वेब पर प्रकाशित साहित्यिक-सांस्कृतिक पत्रिका कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(C) विद्यार्थी 'साहित्य अकादेमी' पढ़ैत समय गीत, साक्षात्कार, नाटक आ पाठक ध्वनि-दृश्य अभिलेख कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(D) विद्यार्थी 'साहित्य अकादेमी' पढ़ैत समय मिथिलाक्षर आ देवनागरीक संगणकीय प्रयोग कैँ मुख्य तथ्य मानत।

८११. मिथिलाक इतिहासमे 'अष्टम अनुसूची आन्दोलन' कैँ मुख्यतः कोन बातसँ जोड़ल जाइत अछि?

(A) मैथिलीकैँ संवैधानिक मान्यता देबाक संघर्ष

(B) गीत, साक्षात्कार, नाटक आ पाठक ध्वनि-दृश्य अभिलेख

(C) प्रथम मैथिली पाक्षिक ई-पत्रिका रूपेँ प्रसिद्ध डिजिटल मंच

(D) मैथिली भाषा-साहित्यक औपचारिक पाठ्यक्रम आ शोध

८१२. नीचाँ देल जोड़ीमे 'अष्टम अनुसूची आन्दोलन' सम्बन्धी सही जोड़ी कोन अछि?

(A) अष्टम अनुसूची आन्दोलन — डिजिटल समाचार, आलोचना आ सार्वजनिक बहसक माध्यम

(B) अष्टम अनुसूची आन्दोलन — ध्वनि-माध्यमद्वारा गीत, नाटक आ समाचारक प्रसार

(C) अष्टम अनुसूची आन्दोलन — मैथिलीकैँ संवैधानिक मान्यता देबाक संघर्ष

(D) अष्टम अनुसूची आन्दोलन — वेब पर प्रकाशित साहित्यिक-सांस्कृतिक पत्रिका

८१३. विदेह समानान्तर इतिहासक दृष्टिसँ 'अष्टम अनुसूची आन्दोलन' पर ध्यान देबाक कारण की अछि?

(A) कारण ई भाषा-प्रचार, बहस आ त्वरित पाठक-संपर्क कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(B) कारण ई राष्ट्रीय साहित्यिक संस्था आ मान्यता केर मंच कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(C) कारण ई पुरान अंक, ग्रन्थ, ध्वनि, चित्र आ दस्तावेजक संग्रह कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(D) कारण ई मैथिलीकैँ संवैधानिक मान्यता देबाक संघर्ष कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि।

८१४. 'अष्टम अनुसूची आन्दोलन' विषयमे कोन कथन सही अछि?

(A) 'अष्टम अनुसूची आन्दोलन' कैँ दृश्य-माध्यममे भाषा, नाटक आ सांस्कृतिक प्रस्तुति सँ जोड़ल जाइत अछि।

(B) 'अष्टम अनुसूची आन्दोलन' कैँ डिजिटल समाचार, आलोचना आ सार्वजनिक बहसक माध्यम सँ जोड़ल जाइत अछि।

(C) 'अष्टम अनुसूची आन्दोलन' कैँ मैथिलीकैँ संवैधानिक मान्यता देबाक संघर्ष सँ जोड़ल जाइत अछि।

(D) 'अष्टम अनुसूची आन्दोलन' कैँ ध्वनि-माध्यमद्वारा गीत, नाटक आ समाचारक प्रसार सँ जोड़ल जाइत अछि।

८१५. जँ विद्यार्थी 'अष्टम अनुसूची आन्दोलन'क नोट बनबैत अछि, तखन मुख्य निष्कर्ष कोन राखय?

(A) विद्यार्थी 'अष्टम अनुसूची आन्दोलन' पढ़ैत समय मैथिली भाषा-साहित्यक औपचारिक पाठ्यक्रम आ शोध कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(B) विद्यार्थी 'अष्टम अनुसूची आन्दोलन' पढ़ैत समय मिथिलाक्षर आ देवनागरीक संगणकीय प्रयोग कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(C) विद्यार्थी 'अष्टम अनुसूची आन्दोलन' पढ़ैत समय ध्वनि-माध्यमद्वारा गीत, नाटक आ समाचारक प्रसार कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(D) विद्यार्थी 'अष्टम अनुसूची आन्दोलन' पढ़ैत समय मैथिलीकैँ संवैधानिक मान्यता देबाक संघर्ष पर ध्यान देत।

८१६. मिथिलाक इतिहासमे 'विश्वविद्यालयीय अध्ययन' कैँ मुख्यतः कोन बातसँ जोड़ल जाइत अछि?

(A) मैथिली भाषा-साहित्यक औपचारिक पाठ्यक्रम आ शोध

(B) मिथिला बाहरक मैथिल लोकक संगठन आ रचनात्मक मंच

(C) हाशियाक समुदायक स्वयं-प्रकाशन आ स्मृति-संग्रह

(D) ग्रन्थ, लेखक, स्रोत आ विषयक व्यवस्थित अनुक्रमणिका

८१७. नीचाँ देल जोड़ीमे 'विश्वविद्यालयीय अध्ययन' सम्बन्धी सही जोड़ी कोन अछि?

(A) विश्वविद्यालयीय अध्ययन — क्षेत्रीय उच्च शिक्षा आ मैथिली अध्ययनसँ जुड़ल संस्थान

(B) विश्वविद्यालयीय अध्ययन — गीत, साक्षात्कार, नाटक आ पाठक ध्वनि-दृश्य अभिलेख

(C) विश्वविद्यालयीय अध्ययन — मैथिली भाषा-साहित्यक औपचारिक पाठ्यक्रम आ शोध

(D) विश्वविद्यालयीय अध्ययन — हाशियाक समुदायक स्वयं-प्रकाशन आ स्मृति-संग्रह

८१८. विदेह समानान्तर इतिहासक दृष्टिसँ 'विश्वविद्यालयीय अध्ययन' पर ध्यान देबाक कारण की अछि?

(A) कारण ई हाशियाक समुदायक स्वयं-प्रकाशन आ स्मृति-संग्रह कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(B) कारण ई ध्वनि-माध्यमद्वारा गीत, नाटक आ समाचारक प्रसार कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(C) कारण ई मैथिली भाषा-साहित्यक औपचारिक पाठ्यक्रम आ शोध कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि।

(D) कारण ई क्षेत्रीय उच्च शिक्षा आ मैथिली अध्ययनसँ जुड़ल संस्थान कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

८१९. 'विश्वविद्यालयीय अध्ययन' विषयमे कोन कथन सही अछि?

(A) 'विश्वविद्यालयीय अध्ययन' कैँ मैथिली भाषा-साहित्यक औपचारिक पाठ्यक्रम आ शोध सँ जोड़ल जाइत अछि।

(B) 'विश्वविद्यालयीय अध्ययन' कैँ भाषा-प्रचार, बहस आ त्वरित पाठक-संपर्क सँ जोड़ल जाइत अछि।

(C) 'विश्वविद्यालयीय अध्ययन' कैँ डिजिटल रूपमे पढ़ल जायवला पोथी सँ जोड़ल जाइत अछि।

(D) 'विश्वविद्यालयीय अध्ययन' कैँ भाषा, शिक्षा, प्रशासन आ सांस्कृतिक अधिकारक संघर्ष सँ जोड़ल जाइत अछि।

८२०. जँ विद्यार्थी 'विश्वविद्यालयीय अध्ययन'क नोट बनबैत अछि, तखन मुख्य निष्कर्ष कोन राखय?

(A) विद्यार्थी 'विश्वविद्यालयीय अध्ययन' पढ़ैत समय भाषा, शिक्षा, प्रशासन आ सांस्कृतिक अधिकारक संघर्ष कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(B) विद्यार्थी 'विश्वविद्यालयीय अध्ययन' पढ़ैत समय प्रथम मैथिली पाक्षिक ई-पत्रिका रूपेँ प्रसिद्ध डिजिटल मंच कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(C) विद्यार्थी 'विश्वविद्यालयीय अध्ययन' पढ़ैत समय मैथिली भाषा-साहित्यक औपचारिक पाठ्यक्रम आ शोध पर ध्यान देत।

(D) विद्यार्थी 'विश्वविद्यालयीय अध्ययन' पढ़ैत समय राष्ट्रीय साहित्यिक संस्था आ मान्यता केर मंच कैँ मुख्य तथ्य मानत।

८२१. मिथिलाक इतिहासमे 'मिथिला विश्वविद्यालय' कैँ मुख्यतः कोन बातसँ जोड़ल जाइत अछि?

(A) स्त्री अनुभवक वेब-आधारित प्रकाशन

(B) मिथिला बाहरक मैथिल लोकक संगठन आ रचनात्मक मंच

(C) प्रथम मैथिली पाक्षिक ई-पत्रिका रूपेँ प्रसिद्ध डिजिटल मंच

(D) क्षेत्रीय उच्च शिक्षा आ मैथिली अध्ययनसँ जुड़ल संस्थान

८२२. नीचाँ देल जोड़ीमे 'मिथिला विश्वविद्यालय' सम्बन्धी सही जोड़ी कोन अछि?

(A) मिथिला विश्वविद्यालय — भाषा-प्रचार, बहस आ त्वरित पाठक-संपर्क

(B) मिथिला विश्वविद्यालय — मैथिली भाषा-साहित्यक औपचारिक पाठ्यक्रम आ शोध

(C) मिथिला विश्वविद्यालय — क्षेत्रीय उच्च शिक्षा आ मैथिली अध्ययनसँ जुड़ल संस्थान

(D) मिथिला विश्वविद्यालय — प्रथम मैथिली पाक्षिक ई-पत्रिका रूपेँ प्रसिद्ध डिजिटल मंच

८२३. विदेह समानान्तर इतिहासक दृष्टिसँ 'मिथिला विश्वविद्यालय' पर ध्यान देबाक कारण की अछि?

(A) कारण ई क्षेत्रीय उच्च शिक्षा आ मैथिली अध्ययनसँ जुड़ल संस्थान कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि।

(B) कारण ई स्त्री अनुभवक वेब-आधारित प्रकाशन कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(C) कारण ई मिथिलाक्षर आ देवनागरीक संगणकीय प्रयोग कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(D) कारण ई पुरान अंक, ग्रन्थ, ध्वनि, चित्र आ दस्तावेजक संग्रह कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

८२४. 'मिथिला विश्वविद्यालय' विषयमे कोन कथन सही अछि?

(A) 'मिथिला विश्वविद्यालय' कैँ क्षेत्रीय उच्च शिक्षा आ मैथिली अध्ययनसँ जुड़ल संस्थान सँ जोड़ल जाइत अछि।

(B) 'मिथिला विश्वविद्यालय' कैँ मिथिलाक्षर आ देवनागरीक संगणकीय प्रयोग सँ जोड़ल जाइत अछि।

(C) 'मिथिला विश्वविद्यालय' कैँ ध्वनि-माध्यमद्वारा गीत, नाटक आ समाचारक प्रसार सँ जोड़ल जाइत अछि।

(D) 'मिथिला विश्वविद्यालय' कैँ मैथिलीकैँ संवैधानिक मान्यता देबाक संघर्ष सँ जोड़ल जाइत अछि।

८२५. जँ विद्यार्थी 'मिथिला विश्वविद्यालय'क नोट बनबैत अछि, तखन मुख्य निष्कर्ष कोन राखय?

(A) विद्यार्थी 'मिथिला विश्वविद्यालय' पढ़ैत समय मिथिला बाहरक मैथिल लोकक संगठन आ रचनात्मक मंच कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(B) विद्यार्थी 'मिथिला विश्वविद्यालय' पढ़ैत समय क्षेत्रीय उच्च शिक्षा आ मैथिली अध्ययनसँ जुड़ल संस्थान पर ध्यान देत।

(C) विद्यार्थी 'मिथिला विश्वविद्यालय' पढ़ैत समय दृश्य-माध्यममे भाषा, नाटक आ सांस्कृतिक प्रस्तुति कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(D) विद्यार्थी 'मिथिला विश्वविद्यालय' पढ़ैत समय डिजिटल समाचार, आलोचना आ सार्वजनिक बहसक माध्यम कैँ मुख्य तथ्य मानत।

८२६. मिथिलाक इतिहासमे 'रेडियो मैथिली' कैँ मुख्यतः कोन बातसँ जोड़ल जाइत अछि?

(A) डिजिटल रूपमे पढ़ल जायवला पोथी

(B) दृश्य-माध्यममे भाषा, नाटक आ सांस्कृतिक प्रस्तुति

(C) मिथिलाक्षर आ देवनागरीक संगणकीय प्रयोग

(D) ध्वनि-माध्यमद्वारा गीत, नाटक आ समाचारक प्रसार

८२७. नीचाँ देल जोड़ीमे 'रेडियो मैथिली' सम्बन्धी सही जोड़ी कोन अछि?

(A) रेडियो मैथिली — ध्वनि-माध्यमद्वारा गीत, नाटक आ समाचारक प्रसार

(B) रेडियो मैथिली — पुरान अंक, ग्रन्थ, ध्वनि, चित्र आ दस्तावेजक संग्रह

(C) रेडियो मैथिली — गीत, साक्षात्कार, नाटक आ पाठक ध्वनि-दृश्य अभिलेख

(D) रेडियो मैथिली — ग्रन्थ, लेखक, स्रोत आ विषयक व्यवस्थित अनुक्रमणिका

८२८. विदेह समानान्तर इतिहासक दृष्टिसँ 'रेडियो मैथिली' पर ध्यान देबाक कारण की अछि?

(A) कारण ई ध्वनि-माध्यमद्वारा गीत, नाटक आ समाचारक प्रसार कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि।

(B) कारण ई राष्ट्रीय साहित्यिक संस्था आ मान्यता केर मंच कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(C) कारण ई मिथिलाक्षर आ देवनागरीक संगणकीय प्रयोग कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(D) कारण ई डिजिटल रूपमे पढ़ल जायवला पोथी कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

८२९. 'रेडियो मैथिली' विषयमे कोन कथन सही अछि?

(A) 'रेडियो मैथिली' कैँ शिक्षा, पुनरावृत्ति आ जनसहभागिता केर डिजिटल साधन सँ जोड़ल जाइत अछि।

(B) 'रेडियो मैथिली' कैँ ध्वनि-माध्यमद्वारा गीत, नाटक आ समाचारक प्रसार सँ जोड़ल जाइत अछि।

(C) 'रेडियो मैथिली' कैँ डिजिटल रूपमे पढ़ल जायवला पोथी सँ जोड़ल जाइत अछि।

(D) 'रेडियो मैथिली' कैँ मिथिलाक्षर आ देवनागरीक संगणकीय प्रयोग सँ जोड़ल जाइत अछि।

८३०. जँ विद्यार्थी 'रेडियो मैथिली'क नोट बनबैत अछि, तखन मुख्य निष्कर्ष कोन राखय?

(A) विद्यार्थी 'रेडियो मैथिली' पढ़ैत समय ध्वनि-माध्यमद्वारा गीत, नाटक आ समाचारक प्रसार पर ध्यान देत।

(B) विद्यार्थी 'रेडियो मैथिली' पढ़ैत समय क्षेत्रीय उच्च शिक्षा आ मैथिली अध्ययनसँ जुड़ल संस्थान कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(C) विद्यार्थी 'रेडियो मैथिली' पढ़ैत समय स्त्री अनुभवक वेब-आधारित प्रकाशन कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(D) विद्यार्थी 'रेडियो मैथिली' पढ़ैत समय पुरान अंक, ग्रन्थ, ध्वनि, चित्र आ दस्तावेजक संग्रह कैँ मुख्य तथ्य मानत।

८३१. मिथिलाक इतिहासमे 'दूरदर्शन' कैँ मुख्यतः कोन बातसँ जोड़ल जाइत अछि?

(A) ग्रन्थ, लेखक, स्रोत आ विषयक व्यवस्थित अनुक्रमणिका

(B) प्रथम मैथिली पाक्षिक ई-पत्रिका रूपेँ प्रसिद्ध डिजिटल मंच

(C) मैथिलीकेँ संवैधानिक मान्यता देबाक संघर्ष

(D) दृश्य-माध्यममे भाषा, नाटक आ सांस्कृतिक प्रस्तुति

८३२. नीचाँ देल जोड़ीमे 'दूरदर्शन' सम्बन्धी सही जोड़ी कोन अछि?

(A) दूरदर्शन — मैथिलीकेँ संवैधानिक मान्यता देबाक संघर्ष

(B) दूरदर्शन — स्त्री अनुभवक वेब-आधारित प्रकाशन

(C) दूरदर्शन — हाशियाक समुदायक स्वयं-प्रकाशन आ स्मृति-संग्रह

(D) दूरदर्शन — दृश्य-माध्यममे भाषा, नाटक आ सांस्कृतिक प्रस्तुति

८३३. विदेह समानान्तर इतिहासक दृष्टिसँ 'दूरदर्शन' पर ध्यान देबाक कारण की अछि?

(A) कारण ई भाषा-प्रचार, बहस आ त्वरित पाठक-संपर्क कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(B) कारण ई दृश्य-माध्यममे भाषा, नाटक आ सांस्कृतिक प्रस्तुति कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि।

(C) कारण ई गीत, साक्षात्कार, नाटक आ पाठक ध्वनि-दृश्य अभिलेख कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(D) कारण ई प्रथम मैथिली पाक्षिक ई-पत्रिका रूपेँ प्रसिद्ध डिजिटल मंच कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

८३४. 'दूरदर्शन' विषयमे कोन कथन सही अछि?

(A) 'दूरदर्शन' कैँ प्रथम मैथिली पाक्षिक ई-पत्रिका रूपेँ प्रसिद्ध डिजिटल मंच सँ जोड़ल जाइत अछि।

(B) 'दूरदर्शन' कैँ भाषा-प्रचार, बहस आ त्वरित पाठक-संपर्क सँ जोड़ल जाइत अछि।

(C) 'दूरदर्शन' कैँ मिथिलाक्षर आ देवनागरीक संगणकीय प्रयोग सँ जोड़ल जाइत अछि।

(D) 'दूरदर्शन' कैँ दृश्य-माध्यममे भाषा, नाटक आ सांस्कृतिक प्रस्तुति सँ जोड़ल जाइत अछि।

८३५. जँ विद्यार्थी 'दूरदर्शन'क नोट बनबैत अछि, तखन मुख्य निष्कर्ष कोन राखय?

(A) विद्यार्थी 'दूरदर्शन' पढ़ैत समय भाषा-प्रचार, बहस आ त्वरित पाठक-संपर्क कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(B) विद्यार्थी 'दूरदर्शन' पढ़ैत समय क्षेत्रीय उच्च शिक्षा आ मैथिली अध्ययनसँ जुड़ल संस्थान कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(C) विद्यार्थी 'दूरदर्शन' पढ़ैत समय मैथिली भाषा-साहित्यक औपचारिक पाठ्यक्रम आ शोध कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(D) विद्यार्थी 'दूरदर्शन' पढ़ैत समय दृश्य-माध्यममे भाषा, नाटक आ सांस्कृतिक प्रस्तुति पर ध्यान देत।

८३६. मिथिलाक इतिहासमे 'ई-पत्रिका' कैँ मुख्यतः कोन बातसँ जोड़ल जाइत अछि?

(A) हाशियाक समुदायक स्वयं-प्रकाशन आ स्मृति-संग्रह

(B) वेब पर प्रकाशित साहित्यिक-सांस्कृतिक पत्रिका

(C) पुरान अंक, ग्रन्थ, ध्वनि, चित्र आ दस्तावेजक संग्रह

(D) प्रथम मैथिली पाक्षिक ई-पत्रिका रूपेँ प्रसिद्ध डिजिटल मंच

८३७. नीचाँ देल जोड़ीमे 'ई-पत्रिका' सम्बन्धी सही जोड़ी कोन अछि?

(A) ई-पत्रिका — वेब पर प्रकाशित साहित्यिक-सांस्कृतिक पत्रिका

(B) ई-पत्रिका — शिक्षा, पुनरावृत्ति आ जनसहभागिता केर डिजिटल साधन

(C) ई-पत्रिका — मिथिला बाहरक मैथिल लोकक संगठन आ रचनात्मक मंच

(D) ई-पत्रिका — पुरान अंक, ग्रन्थ, ध्वनि, चित्र आ दस्तावेजक संग्रह

८३८. विदेह समानान्तर इतिहासक दृष्टिसँ 'ई-पत्रिका' पर ध्यान देबाक कारण की अछि?

(A) कारण ई वेब पर प्रकाशित साहित्यिक-सांस्कृतिक पत्रिका कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि।

(B) कारण ई भाषा-प्रचार, बहस आ त्वरित पाठक-संपर्क कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(C) कारण ई राष्ट्रीय साहित्यिक संस्था आ मान्यता केर मंच कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(D) कारण ई डिजिटल समाचार, आलोचना आ सार्वजनिक बहसक माध्यम कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

८३९. 'ई-पत्रिका' विषयमे कोन कथन सही अछि?

(A) 'ई-पत्रिका' कैँ डिजिटल रूपमे पढ़ल जायवला पोथी सँ जोड़ल जाइत अछि।

(B) 'ई-पत्रिका' कैँ राष्ट्रीय साहित्यिक संस्था आ मान्यता केर मंच सँ जोड़ल जाइत अछि।

(C) 'ई-पत्रिका' कैँ मैथिलीकैँ संवैधानिक मान्यता देबाक संघर्ष सँ जोड़ल जाइत अछि।

(D) 'ई-पत्रिका' कैँ वेब पर प्रकाशित साहित्यिक-सांस्कृतिक पत्रिका सँ जोड़ल जाइत अछि।

८४०. जँ विद्यार्थी 'ई-पत्रिका'क नोट बनबैत अछि, तखन मुख्य निष्कर्ष कोन राखय?

(A) विद्यार्थी 'ई-पत्रिका' पढ़ैत समय वेब पर प्रकाशित साहित्यिक-सांस्कृतिक पत्रिका पर ध्यान देत।

(B) विद्यार्थी 'ई-पत्रिका' पढ़ैत समय स्त्री अनुभवक वेब-आधारित प्रकाशन कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(C) विद्यार्थी 'ई-पत्रिका' पढ़ैत समय क्षेत्रीय उच्च शिक्षा आ मैथिली अध्ययनसँ जुड़ल संस्थान कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(D) विद्यार्थी 'ई-पत्रिका' पढ़ैत समय राष्ट्रीय साहित्यिक संस्था आ मान्यता केर मंच कैँ मुख्य तथ्य मानत।

८४१. मिथिलाक इतिहासमे 'विदेह' कैँ मुख्यतः कोन बातसँ जोड़ल जाइत अछि?

(A) गीत, साक्षात्कार, नाटक आ पाठक ध्वनि-दृश्य अभिलेख

(B) भाषा-प्रचार, बहस आ त्वरित पाठक-संपर्क

(C) पुरान अंक, ग्रन्थ, ध्वनि, चित्र आ दस्तावेजक संग्रह

(D) प्रथम मैथिली पाक्षिक ई-पत्रिका रूपेँ प्रसिद्ध डिजिटल मंच

८४२. नीचाँ देल जोड़ीमे 'विदेह' सम्बन्धी सही जोड़ी कोन अछि?

(A) विदेह — भाषा, शिक्षा, प्रशासन आ सांस्कृतिक अधिकारक संघर्ष

(B) विदेह — प्रथम मैथिली पाक्षिक ई-पत्रिका रूपेँ प्रसिद्ध डिजिटल मंच

(C) विदेह — मिथिलाक्षर आ देवनागरीक संगणकीय प्रयोग

(D) विदेह — पुरान अंक, ग्रन्थ, ध्वनि, चित्र आ दस्तावेजक संग्रह

८४३. विदेह समानान्तर इतिहासक दृष्टिसँ 'विदेह' पर ध्यान देबाक कारण की अछि?

(A) कारण ई ध्वनि-माध्यमद्वारा गीत, नाटक आ समाचारक प्रसार कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(B) कारण ई स्त्री अनुभवक वेब-आधारित प्रकाशन कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(C) कारण ई मिथिला बाहरक मैथिल लोकक संगठन आ रचनात्मक मंच कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(D) कारण ई प्रथम मैथिली पाक्षिक ई-पत्रिका रूपेँ प्रसिद्ध डिजिटल मंच कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि।

८४४. 'विदेह' विषयमे कोन कथन सही अछि?

(A) 'विदेह' कैँ डिजिटल समाचार, आलोचना आ सार्वजनिक बहसक माध्यम सँ जोड़ल जाइत अछि।

(B) 'विदेह' कैँ मिथिला बाहरक मैथिल लोकक संगठन आ रचनात्मक मंच सँ जोड़ल जाइत अछि।

(C) 'विदेह' कैँ भाषा-प्रचार, बहस आ त्वरित पाठक-संपर्क सँ जोड़ल जाइत अछि।

(D) 'विदेह' कैँ प्रथम मैथिली पाक्षिक ई-पत्रिका रूपेँ प्रसिद्ध डिजिटल मंच सँ जोड़ल जाइत अछि।

८४५. जँ विद्यार्थी 'विदेह'क नोट बनबैत अछि, तखन मुख्य निष्कर्ष कोन राखय?

(A) विद्यार्थी 'विदेह' पढ़ैत समय शिक्षा, पुनरावृत्ति आ जनसहभागिता केर डिजिटल साधन कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(B) विद्यार्थी 'विदेह' पढ़ैत समय गीत, साक्षात्कार, नाटक आ पाठक ध्वनि-दृश्य अभिलेख कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(C) विद्यार्थी 'विदेह' पढ़ैत समय प्रथम मैथिली पाक्षिक ई-पत्रिका रूपेँ प्रसिद्ध डिजिटल मंच पर ध्यान देत।

(D) विद्यार्थी 'विदेह' पढ़ैत समय डिजिटल समाचार, आलोचना आ सार्वजनिक बहसक माध्यम कैँ मुख्य तथ्य मानत।

८४६. मिथिलाक इतिहासमे 'ऑडियो-वीडियो संग्रह' कैँ मुख्यतः कोन बातसँ जोड़ल जाइत अछि?

(A) मिथिला बाहरक मैथिल लोकक संगठन आ रचनात्मक मंच

(B) डिजिटल रूपमे पढ़ल जायवला पोथी

(C) वेब पर प्रकाशित साहित्यिक-सांस्कृतिक पत्रिका

(D) गीत, साक्षात्कार, नाटक आ पाठक ध्वनि-दृश्य अभिलेख

८४७. नीचाँ देल जोड़ीमे 'ऑडियो-वीडियो संग्रह' सम्बन्धी सही जोड़ी कोन अछि?

(A) ऑडियो-वीडियो संग्रह — भाषा-प्रचार, बहस आ त्वरित पाठक-संपर्क

(B) ऑडियो-वीडियो संग्रह — वेब पर प्रकाशित साहित्यिक-सांस्कृतिक पत्रिका

(C) ऑडियो-वीडियो संग्रह — मैथिली भाषा-साहित्यक औपचारिक पाठ्यक्रम आ शोध

(D) ऑडियो-वीडियो संग्रह — गीत, साक्षात्कार, नाटक आ पाठक ध्वनि-दृश्य अभिलेख

८४८. विदेह समानान्तर इतिहासक दृष्टिसँ 'ऑडियो-वीडियो संग्रह' पर ध्यान देबाक कारण की अछि?

(A) कारण ई मैथिलीकैँ संवैधानिक मान्यता देबाक संघर्ष कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(B) कारण ई हाशियाक समुदायक स्वयं-प्रकाशन आ स्मृति-संग्रह कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(C) कारण ई गीत, साक्षात्कार, नाटक आ पाठक ध्वनि-दृश्य अभिलेख कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि।

(D) कारण ई प्रथम मैथिली पाक्षिक ई-पत्रिका रूपेँ प्रसिद्ध डिजिटल मंच कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

८४९. 'ऑडियो-वीडियो संग्रह' विषयमे कोन कथन सही अछि?

(A) 'ऑडियो-वीडियो संग्रह' कैं गीत, साक्षात्कार, नाटक आ पाठक ध्वनि-दृश्य अभिलेख सँ जोड़ल जाइत अछि।

(B) 'ऑडियो-वीडियो संग्रह' कैं मैथिली भाषा-साहित्यक औपचारिक पाठ्यक्रम आ शोध सँ जोड़ल जाइत अछि।

(C) 'ऑडियो-वीडियो संग्रह' कैं स्त्री अनुभवक वेब-आधारित प्रकाशन सँ जोड़ल जाइत अछि।

(D) 'ऑडियो-वीडियो संग्रह' कैं मिथिलाक्षर आ देवनागरीक संगणकीय प्रयोग सँ जोड़ल जाइत अछि।

८५०. जँ विद्यार्थी 'ऑडियो-वीडियो संग्रह'क नोट बनबैत अछि, तखन मुख्य निष्कर्ष कोन राखय?

(A) विद्यार्थी 'ऑडियो-वीडियो संग्रह' पढ़ैत समय गीत, साक्षात्कार, नाटक आ पाठक ध्वनि-दृश्य अभिलेख पर ध्यान देत।

(B) विद्यार्थी 'ऑडियो-वीडियो संग्रह' पढ़ैत समय मिथिलाक्षर आ देवनागरीक संगणकीय प्रयोग कैं मुख्य तथ्य मानत।

(C) विद्यार्थी 'ऑडियो-वीडियो संग्रह' पढ़ैत समय डिजिटल रूपमे पढ़ल जायवला पोथी कैं मुख्य तथ्य मानत।

(D) विद्यार्थी 'ऑडियो-वीडियो संग्रह' पढ़ैत समय स्त्री अनुभवक वेब-आधारित प्रकाशन कैं मुख्य तथ्य मानत।

८५१. मिथिलाक इतिहासमे 'वेब पत्रकारिता' कैं मुख्यतः कोन बातसँ जोड़ल जाइत अछि?

(A) डिजिटल रूपमे पढ़ल जायवला पोथी

(B) दृश्य-माध्यममे भाषा, नाटक आ सांस्कृतिक प्रस्तुति

(C) ध्वनि-माध्यमद्वारा गीत, नाटक आ समाचारक प्रसार

(D) डिजिटल समाचार, आलोचना आ सार्वजनिक बहसक माध्यम

८५२. नीचाँ देल जोड़ीमे 'वेब पत्रकारिता' सम्बन्धी सही जोड़ी कोन अछि?

(A) वेब पत्रकारिता — वेब पर प्रकाशित साहित्यिक-सांस्कृतिक पत्रिका

(B) वेब पत्रकारिता — डिजिटल समाचार, आलोचना आ सार्वजनिक बहसक माध्यम

(C) वेब पत्रकारिता — मैथिली भाषा-साहित्यक औपचारिक पाठ्यक्रम आ शोध

(D) वेब पत्रकारिता — भाषा, शिक्षा, प्रशासन आ सांस्कृतिक अधिकारक संघर्ष

८५३. विदेह समानान्तर इतिहासक दृष्टिसँ 'वेब पत्रकारिता' पर ध्यान देबाक कारण की अछि?

(A) कारण ई डिजिटल रूपमे पढ़ल जायवला पोथी कैं मात्र दोहरबैत अछि।

(B) कारण ई गीत, साक्षात्कार, नाटक आ पाठक ध्वनि-दृश्य अभिलेख कैं मात्र दोहरबैत अछि।

(C) कारण ई पुरान अंक, ग्रन्थ, ध्वनि, चित्र आ दस्तावेजक संग्रह कैं मात्र दोहरबैत अछि।

(D) कारण ई डिजिटल समाचार, आलोचना आ सार्वजनिक बहसक माध्यम कैं मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि।

८५४. 'वेब पत्रकारिता' विषयमे कोन कथन सही अछि?

(A) 'वेब पत्रकारिता' कैं पुरान अंक, ग्रन्थ, ध्वनि, चित्र आ दस्तावेजक संग्रह सँ जोड़ल जाइत अछि।

(B) 'वेब पत्रकारिता' कैं डिजिटल समाचार, आलोचना आ सार्वजनिक बहसक माध्यम सँ जोड़ल जाइत अछि।

(C) 'वेब पत्रकारिता' कैं स्त्री अनुभवक वेब-आधारित प्रकाशन सँ जोड़ल जाइत अछि।

(D) 'वेब पत्रकारिता' कैं मिथिलाक्षर आ देवनागरीक संगणकीय प्रयोग सँ जोड़ल जाइत अछि।

८५५. जँ विद्यार्थी 'वेब पत्रकारिता'क नोट बनबैत अछि, तखन मुख्य निष्कर्ष कोन राखय?

(A) विद्यार्थी 'वेब पत्रकारिता' पढ़ैत समय भाषा, शिक्षा, प्रशासन आ सांस्कृतिक अधिकारक संघर्ष कैं मुख्य तथ्य मानत।

(B) विद्यार्थी 'वेब पत्रकारिता' पढ़ैत समय वेब पर प्रकाशित साहित्यिक-सांस्कृतिक पत्रिका कैं मुख्य तथ्य मानत।

(C) विद्यार्थी 'वेब पत्रकारिता' पढ़ैत समय दृश्य-माध्यममे भाषा, नाटक आ सांस्कृतिक प्रस्तुति कैं मुख्य तथ्य मानत।

(D) विद्यार्थी 'वेब पत्रकारिता' पढ़ैत समय डिजिटल समाचार, आलोचना आ सार्वजनिक बहसक माध्यम पर ध्यान देत।

८५६. मिथिलाक इतिहासमे 'सामाजिक माध्यम' कैं मुख्यतः कोन बातसँ जोड़ल जाइत अछि?

(A) मिथिला बाहरक मैथिल लोकक संगठन आ रचनात्मक मंच

(B) गीत, साक्षात्कार, नाटक आ पाठक ध्वनि-दृश्य अभिलेख

(C) भाषा-प्रचार, बहस आ त्वरित पाठक-संपर्क

(D) पुरान अंक, ग्रन्थ, ध्वनि, चित्र आ दस्तावेजक संग्रह

८५७. नीचाँ देल जोड़ीमे 'सामाजिक माध्यम' सम्बन्धी सही जोड़ी कोन अछि?

(A) सामाजिक माध्यम — शिक्षा, पुनरावृत्ति आ जनसहभागिता केर डिजिटल साधन

(B) सामाजिक माध्यम — डिजिटल रूपमे पढ़ल जायवला पोथी

(C) सामाजिक माध्यम — भाषा-प्रचार, बहस आ त्वरित पाठक-संपर्क

(D) सामाजिक माध्यम — मिथिला बाहरक मैथिल लोकक संगठन आ रचनात्मक मंच

८५८. विदेह समानान्तर इतिहासक दृष्टिसँ 'सामाजिक माध्यम' पर ध्यान देबाक कारण की अछि?

(A) कारण ई गीत, साक्षात्कार, नाटक आ पाठक ध्वनि-दृश्य अभिलेख कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(B) कारण ई भाषा-प्रचार, बहस आ त्वरित पाठक-संपर्क कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि।

(C) कारण ई डिजिटल रूपमे पढ़ल जायवला पोथी कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(D) कारण ई मैथिली भाषा-साहित्यक औपचारिक पाठ्यक्रम आ शोध कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

८५९. 'सामाजिक माध्यम' विषयमे कोन कथन सही अछि?

(A) 'सामाजिक माध्यम' कैँ वेब पर प्रकाशित साहित्यिक-सांस्कृतिक पत्रिका सँ जोड़ल जाइत अछि।

(B) 'सामाजिक माध्यम' कैँ मिथिला बाहरक मैथिल लोकक संगठन आ रचनात्मक मंच सँ जोड़ल जाइत अछि।

(C) 'सामाजिक माध्यम' कैँ भाषा-प्रचार, बहस आ त्वरित पाठक-संपर्क सँ जोड़ल जाइत अछि।

(D) 'सामाजिक माध्यम' कैँ मैथिली भाषा-साहित्यक औपचारिक पाठ्यक्रम आ शोध सँ जोड़ल जाइत अछि।

८६०. जँ विद्यार्थी 'सामाजिक माध्यम'क नोट बनबैत अछि, तखन मुख्य निष्कर्ष कोन राखय?

(A) विद्यार्थी 'सामाजिक माध्यम' पढ़ैत समय मैथिलीकेँ संवैधानिक मान्यता देबाक संघर्ष कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(B) विद्यार्थी 'सामाजिक माध्यम' पढ़ैत समय मिथिलाक्षर आ देवनागरीक संगणकीय प्रयोग कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(C) विद्यार्थी 'सामाजिक माध्यम' पढ़ैत समय गीत, साक्षात्कार, नाटक आ पाठक ध्वनि-दृश्य अभिलेख कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(D) विद्यार्थी 'सामाजिक माध्यम' पढ़ैत समय भाषा-प्रचार, बहस आ त्वरित पाठक-संपर्क पर ध्यान देत।

८६१. मिथिलाक इतिहासमे 'डिजिटल लिपि' कैँ मुख्यतः कोन बातसँ जोड़ल जाइत अछि?

(A) दृश्य-माध्यममे भाषा, नाटक आ सांस्कृतिक प्रस्तुति

(B) मिथिलाक्षर आ देवनागरीक संगणकीय प्रयोग

(C) गीत, साक्षात्कार, नाटक आ पाठक ध्वनि-दृश्य अभिलेख

(D) भाषा-प्रचार, बहस आ त्वरित पाठक-संपर्क

८६२. नीचाँ देल जोड़ीमे 'डिजिटल लिपि' सम्बन्धी सही जोड़ी कोन अछि?

(A) डिजिटल लिपि — डिजिटल रूपमे पढ़ल जायवला पोथी

(B) डिजिटल लिपि — मिथिलाक्षर आ देवनागरीक संगणकीय प्रयोग

(C) डिजिटल लिपि — गीत, साक्षात्कार, नाटक आ पाठक ध्वनि-दृश्य अभिलेख

(D) डिजिटल लिपि — ग्रन्थ, लेखक, स्रोत आ विषयक व्यवस्थित अनुक्रमणिका

८६३. विदेह समानान्तर इतिहासक दृष्टिसँ 'डिजिटल लिपि' पर ध्यान देबाक कारण की अछि?

(A) कारण ई डिजिटल समाचार, आलोचना आ सार्वजनिक बहसक माध्यम कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(B) कारण ई मैथिली भाषा-साहित्यक औपचारिक पाठ्यक्रम आ शोध कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(C) कारण ई दृश्य-माध्यममे भाषा, नाटक आ सांस्कृतिक प्रस्तुति कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(D) कारण ई मिथिलाक्षर आ देवनागरीक संगणकीय प्रयोग कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि।

८६४. 'डिजिटल लिपि' विषयमे कोन कथन सही अछि?

(A) 'डिजिटल लिपि' कैँ स्त्री अनुभवक वेब-आधारित प्रकाशन सँ जोड़ल जाइत अछि।

(B) 'डिजिटल लिपि' कैँ गीत, साक्षात्कार, नाटक आ पाठक ध्वनि-दृश्य अभिलेख सँ जोड़ल जाइत अछि।

(C) 'डिजिटल लिपि' कैँ मिथिलाक्षर आ देवनागरीक संगणकीय प्रयोग सँ जोड़ल जाइत अछि।

(D) 'डिजिटल लिपि' कैँ दृश्य-माध्यममे भाषा, नाटक आ सांस्कृतिक प्रस्तुति सँ जोड़ल जाइत अछि।

८६५. जँ विद्यार्थी 'डिजिटल लिपि'क नोट बनबैत अछि, तखन मुख्य निष्कर्ष कोन राखय?

(A) विद्यार्थी 'डिजिटल लिपि' पढ़ैत समय डिजिटल रूपमे पढ़ल जायवला पोथी कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(B) विद्यार्थी 'डिजिटल लिपि' पढ़ैत समय मिथिलाक्षर आ देवनागरीक संगणकीय प्रयोग पर ध्यान देत।

(C) विद्यार्थी 'डिजिटल लिपि' पढ़ैत समय शिक्षा, पुनरावृत्ति आ जनसहभागिता केर डिजिटल साधन कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(D) विद्यार्थी 'डिजिटल लिपि' पढ़ैत समय डिजिटल समाचार, आलोचना आ सार्वजनिक बहसक माध्यम कैँ मुख्य तथ्य मानत।

८६६. मिथिलाक इतिहासमे 'ई-पुस्तक' कैँ मुख्यतः कोन बातसँ जोड़ल जाइत अछि?

(A) शिक्षा, पुनरावृत्ति आ जनसहभागिता केर डिजिटल साधन

(B) पुरान अंक, ग्रन्थ, ध्वनि, चित्र आ दस्तावेजक संग्रह

(C) प्रथम मैथिली पाक्षिक ई-पत्रिका रूपेँ प्रसिद्ध डिजिटल मंच

(D) डिजिटल रूपमे पढ़ल जायवला पोथी

८६७. नीचाँ देल जोड़ीमे 'ई-पुस्तक' सम्बन्धी सही जोड़ी कोन अछि?

(A) ई-पुस्तक — डिजिटल रूपमे पढ़ल जायवला पोथी

(B) ई-पुस्तक — मैथिलीकेँ संवैधानिक मान्यता देबाक संघर्ष

(C) ई-पुस्तक — ग्रन्थ, लेखक, स्रोत आ विषयक व्यवस्थित अनुक्रमणिका

(D) ई-पुस्तक — शिक्षा, पुनरावृत्ति आ जनसहभागिता केर डिजिटल साधन

८६८. विदेह समानान्तर इतिहासक दृष्टिसँ 'ई-पुस्तक' पर ध्यान देबाक कारण की अछि?

(A) कारण ई मैथिलीकेँ संवैधानिक मान्यता देबाक संघर्ष कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(B) कारण ई मैथिली भाषा-साहित्यक औपचारिक पाठ्यक्रम आ शोध कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(C) कारण ई डिजिटल रूपमे पढ़ल जायवला पोथी कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि।

(D) कारण ई शिक्षा, पुनरावृत्ति आ जनसहभागिता केर डिजिटल साधन कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

८६९. 'ई-पुस्तक' विषयमे कोन कथन सही अछि?

(A) 'ई-पुस्तक' कैँ राष्ट्रीय साहित्यिक संस्था आ मान्यता केर मंच सँ जोड़ल जाइत अछि।

(B) 'ई-पुस्तक' कैँ ग्रन्थ, लेखक, स्रोत आ विषयक व्यवस्थित अनुक्रमणिका सँ जोड़ल जाइत अछि।

(C) 'ई-पुस्तक' कैँ डिजिटल रूपमे पढ़ल जायवला पोथी सँ जोड़ल जाइत अछि।

(D) 'ई-पुस्तक' कैँ भाषा, शिक्षा, प्रशासन आ सांस्कृतिक अधिकारक संघर्ष सँ जोड़ल जाइत अछि।

८७०. जँ विद्यार्थी 'ई-पुस्तक'क नोट बनबैत अछि, तखन मुख्य निष्कर्ष कोन राखय?

(A) विद्यार्थी 'ई-पुस्तक' पढ़ैत समय क्षेत्रीय उच्च शिक्षा आ मैथिली अध्ययनसँ जुड़ल संस्थान कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(B) विद्यार्थी 'ई-पुस्तक' पढ़ैत समय डिजिटल रूपमे पढ़ल जायवला पोथी पर ध्यान देत।

(C) विद्यार्थी 'ई-पुस्तक' पढ़ैत समय मिथिला बाहरक मैथिल लोकक संगठन आ रचनात्मक मंच कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(D) विद्यार्थी 'ई-पुस्तक' पढ़ैत समय ग्रन्थ, लेखक, स्रोत आ विषयक व्यवस्थित अनुक्रमणिका कैँ मुख्य तथ्य मानत।

८७१. मिथिलाक इतिहासमे 'ऑनलाइन क्विज' कैँ मुख्यतः कोन बातसँ जोड़ल जाइत अछि?

(A) स्त्री अनुभवक वेब-आधारित प्रकाशन

(B) पुरान अंक, ग्रन्थ, ध्वनि, चित्र आ दस्तावेजक संग्रह

(C) मिथिला बाहरक मैथिल लोकक संगठन आ रचनात्मक मंच

(D) शिक्षा, पुनरावृत्ति आ जनसहभागिता केर डिजिटल साधन

८७२. नीचाँ देल जोड़ीमे 'ऑनलाइन क्विज' सम्बन्धी सही जोड़ी कोन अछि?

(A) ऑनलाइन क्विज — मिथिलाक्षर आ देवनागरीक संगणकीय प्रयोग

(B) ऑनलाइन क्विज — शिक्षा, पुनरावृत्ति आ जनसहभागिता केर डिजिटल साधन

(C) ऑनलाइन क्विज — स्त्री अनुभवक वेब-आधारित प्रकाशन

(D) ऑनलाइन क्विज — मैथिलीकेँ संवैधानिक मान्यता देबाक संघर्ष

८७३. विदेह समानान्तर इतिहासक दृष्टिसँ 'ऑनलाइन क्विज' पर ध्यान देबाक कारण की अछि?

(A) कारण ई गीत, साक्षात्कार, नाटक आ पाठक ध्वनि-दृश्य अभिलेख कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(B) कारण ई शिक्षा, पुनरावृत्ति आ जनसहभागिता केर डिजिटल साधन कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि।

(C) कारण ई मिथिला बाहरक मैथिल लोकक संगठन आ रचनात्मक मंच कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(D) कारण ई स्त्री अनुभवक वेब-आधारित प्रकाशन कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

८७४. 'ऑनलाइन क्विज' विषयमे कोन कथन सही अछि?

(A) 'ऑनलाइन क्विज' कैँ मैथिलीकैँ संवैधानिक मान्यता देबाक संघर्ष सँ जोड़ल जाइत अछि।

(B) 'ऑनलाइन क्विज' कैँ शिक्षा, पुनरावृत्ति आ जनसहभागिता केर डिजिटल साधन सँ जोड़ल जाइत अछि।

(C) 'ऑनलाइन क्विज' कैँ दृश्य-माध्यममे भाषा, नाटक आ सांस्कृतिक प्रस्तुति सँ जोड़ल जाइत अछि।

(D) 'ऑनलाइन क्विज' कैँ मिथिलाक्षर आ देवनागरीक संगणकीय प्रयोग सँ जोड़ल जाइत अछि।

८७५. जँ विद्यार्थी 'ऑनलाइन क्विज'क नोट बनबैत अछि, तखन मुख्य निष्कर्ष कोन राखय?

(A) विद्यार्थी 'ऑनलाइन क्विज' पढ़ैत समय ग्रन्थ, लेखक, स्रोत आ विषयक व्यवस्थित अनुक्रमणिका कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(B) विद्यार्थी 'ऑनलाइन क्विज' पढ़ैत समय मैथिली भाषा-साहित्यक औपचारिक पाठ्यक्रम आ शोध कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(C) विद्यार्थी 'ऑनलाइन क्विज' पढ़ैत समय हाशियाक समुदायक स्वयं-प्रकाशन आ स्मृति-संग्रह कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(D) विद्यार्थी 'ऑनलाइन क्विज' पढ़ैत समय शिक्षा, पुनरावृत्ति आ जनसहभागिता केर डिजिटल साधन पर ध्यान देत।

८७६. मिथिलाक इतिहासमे 'डिजिटल अभिलेखागार' कैँ मुख्यतः कोन बातसँ जोड़ल जाइत अछि?

(A) डिजिटल समाचार, आलोचना आ सार्वजनिक बहसक माध्यम

(B) स्त्री अनुभवक वेब-आधारित प्रकाशन

(C) पुरान अंक, ग्रन्थ, ध्वनि, चित्र आ दस्तावेजक संग्रह

(D) ध्वनि-माध्यमद्वारा गीत, नाटक आ समाचारक प्रसार

८७७. नीचाँ देल जोड़ीमे 'डिजिटल अभिलेखागार' सम्बन्धी सही जोड़ी कोन अछि?

(A) डिजिटल अभिलेखागार — शिक्षा, पुनरावृत्ति आ जनसहभागिता केर डिजिटल साधन

(B) डिजिटल अभिलेखागार — पुरान अंक, ग्रन्थ, ध्वनि, चित्र आ दस्तावेजक संग्रह

(C) डिजिटल अभिलेखागार — स्त्री अनुभवक वेब-आधारित प्रकाशन

(D) डिजिटल अभिलेखागार — हाशियाक समुदायक स्वयं-प्रकाशन आ स्मृति-संग्रह

८७८. विदेह समानान्तर इतिहासक दृष्टिसँ 'डिजिटल अभिलेखागार' पर ध्यान देबाक कारण की अछि?

(A) कारण ई हाशियाक समुदायक स्वयं-प्रकाशन आ स्मृति-संग्रह कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(B) कारण ई ध्वनि-माध्यमद्वारा गीत, नाटक आ समाचारक प्रसार कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(C) कारण ई पुरान अंक, ग्रन्थ, ध्वनि, चित्र आ दस्तावेजक संग्रह कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि।

(D) कारण ई राष्ट्रीय साहित्यिक संस्था आ मान्यता केर मंच कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

८७९. 'डिजिटल अभिलेखागार' विषयमे कोन कथन सही अछि?

(A) 'डिजिटल अभिलेखागार' कैँ स्त्री अनुभवक वेब-आधारित प्रकाशन सँ जोड़ल जाइत अछि।

(B) 'डिजिटल अभिलेखागार' कैँ राष्ट्रीय साहित्यिक संस्था आ मान्यता केर मंच सँ जोड़ल जाइत अछि।

(C) 'डिजिटल अभिलेखागार' कैँ पुरान अंक, ग्रन्थ, ध्वनि, चित्र आ दस्तावेजक संग्रह सँ जोड़ल जाइत अछि।

(D) 'डिजिटल अभिलेखागार' कैँ मैथिलीकैँ संवैधानिक मान्यता देबाक संघर्ष सँ जोड़ल जाइत अछि।

८८०. जँ विद्यार्थी 'डिजिटल अभिलेखागार'क नोट बनबैत अछि, तखन मुख्य निष्कर्ष कोन राखय?

(A) विद्यार्थी 'डिजिटल अभिलेखागार' पढ़ैत समय दृश्य-माध्यममे भाषा, नाटक आ सांस्कृतिक प्रस्तुति कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(B) विद्यार्थी 'डिजिटल अभिलेखागार' पढ़ैत समय पुरान अंक, ग्रन्थ, ध्वनि, चित्र आ दस्तावेजक संग्रह पर ध्यान देत।

(C) विद्यार्थी 'डिजिटल अभिलेखागार' पढ़ैत समय मिथिला बाहरक मैथिल लोकक संगठन आ रचनात्मक मंच कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(D) विद्यार्थी 'डिजिटल अभिलेखागार' पढ़ैत समय डिजिटल समाचार, आलोचना आ सार्वजनिक बहसक माध्यम कैँ मुख्य तथ्य मानत।

८८१. मिथिलाक इतिहासमे 'प्रवासी मंच' कैँ मुख्यतः कोन बातसँ जोड़ल जाइत अछि?

(A) दृश्य-माध्यममे भाषा, नाटक आ सांस्कृतिक प्रस्तुति

(B) स्त्री अनुभवक वेब-आधारित प्रकाशन

(C) मिथिला बाहरक मैथिल लोकक संगठन आ रचनात्मक मंच

(D) मैथिली भाषा-साहित्यक औपचारिक पाठ्यक्रम आ शोध

८८२. नीचाँ देल जोड़ीमे 'प्रवासी मंच' सम्बन्धी सही जोड़ी कोन अछि?

(A) प्रवासी मंच — ध्वनि-माध्यमद्वारा गीत, नाटक आ समाचारक प्रसार

(B) प्रवासी मंच — मिथिला बाहरक मैथिल लोकक संगठन आ रचनात्मक मंच

(C) प्रवासी मंच — वेब पर प्रकाशित साहित्यिक-सांस्कृतिक पत्रिका

(D) प्रवासी मंच — मिथिलाक्षर आ देवनागरीक संगणकीय प्रयोग

८८३. विदेह समानान्तर इतिहासक दृष्टिसँ 'प्रवासी मंच' पर ध्यान देबाक कारण की अछि?

(A) कारण ई मिथिला बाहरक मैथिल लोकक संगठन आ रचनात्मक मंच कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि।

(B) कारण ई डिजिटल समाचार, आलोचना आ सार्वजनिक बहसक माध्यम कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(C) कारण ई स्त्री अनुभवक वेब-आधारित प्रकाशन कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(D) कारण ई मिथिलाक्षर आ देवनागरीक संगणकीय प्रयोग कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

८८४. 'प्रवासी मंच' विषयमे कोन कथन सही अछि?

(A) 'प्रवासी मंच' कैँ पुरान अंक, ग्रन्थ, ध्वनि, चित्र आ दस्तावेजक संग्रह सँ जोड़ल जाइत अछि।

(B) 'प्रवासी मंच' कैँ मिथिलाक्षर आ देवनागरीक संगणकीय प्रयोग सँ जोड़ल जाइत अछि।

(C) 'प्रवासी मंच' कैँ भाषा, शिक्षा, प्रशासन आ सांस्कृतिक अधिकारक संघर्ष सँ जोड़ल जाइत अछि।

(D) 'प्रवासी मंच' कैँ मिथिला बाहरक मैथिल लोकक संगठन आ रचनात्मक मंच सँ जोड़ल जाइत अछि।

८८५. जँ विद्यार्थी 'प्रवासी मंच'क नोट बनबैत अछि, तखन मुख्य निष्कर्ष कोन राखय?

(A) विद्यार्थी 'प्रवासी मंच' पढ़ैत समय मिथिला बाहरक मैथिल लोकक संगठन आ रचनात्मक मंच पर ध्यान देत।

(B) विद्यार्थी 'प्रवासी मंच' पढ़ैत समय शिक्षा, पुनरावृत्ति आ जनसहभागिता केर डिजिटल साधन कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(C) विद्यार्थी 'प्रवासी मंच' पढ़ैत समय मैथिली भाषा-साहित्यक औपचारिक पाठ्यक्रम आ शोध कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(D) विद्यार्थी 'प्रवासी मंच' पढ़ैत समय गीत, साक्षात्कार, नाटक आ पाठक ध्वनि-दृश्य अभिलेख कैँ मुख्य तथ्य मानत।

८८६. मिथिलाक इतिहासमे 'महिला डिजिटल लेखन' कैँ मुख्यतः कोन बातसँ जोड़ल जाइत अछि?

(A) डिजिटल रूपमे पढ़ल जायवला पोथी

(B) क्षेत्रीय उच्च शिक्षा आ मैथिली अध्ययनसँ जुड़ल संस्थान

(C) वेब पर प्रकाशित साहित्यिक-सांस्कृतिक पत्रिका

(D) स्त्री अनुभवक वेब-आधारित प्रकाशन

८८७. नीचाँ देल जोड़ीमे 'महिला डिजिटल लेखन' सम्बन्धी सही जोड़ी कोन अछि?

(A) महिला डिजिटल लेखन — प्रथम मैथिली पाक्षिक ई-पत्रिका रूपेँ प्रसिद्ध डिजिटल मंच

(B) महिला डिजिटल लेखन — मैथिली भाषा-साहित्यक औपचारिक पाठ्यक्रम आ शोध

(C) महिला डिजिटल लेखन — स्त्री अनुभवक वेब-आधारित प्रकाशन

(D) महिला डिजिटल लेखन — भाषा, शिक्षा, प्रशासन आ सांस्कृतिक अधिकारक संघर्ष

८८८. विदेह समानान्तर इतिहासक दृष्टिसँ 'महिला डिजिटल लेखन' पर ध्यान देबाक कारण की अछि?

(A) कारण ई वेब पर प्रकाशित साहित्यिक-सांस्कृतिक पत्रिका कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(B) कारण ई गीत, साक्षात्कार, नाटक आ पाठक ध्वनि-दृश्य अभिलेख कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(C) कारण ई मैथिली भाषा-साहित्यक औपचारिक पाठ्यक्रम आ शोध कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(D) कारण ई स्त्री अनुभवक वेब-आधारित प्रकाशन कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि।

८८९. ‘महिला डिजिटल लेखन’ विषयमे कोन कथन सही अछि?

(A) ‘महिला डिजिटल लेखन’ कैँ स्त्री अनुभवक वेब-आधारित प्रकाशन सँ जोड़ल जाइत अछि।

(B) ‘महिला डिजिटल लेखन’ कैँ दृश्य-माध्यममे भाषा, नाटक आ सांस्कृतिक प्रस्तुति सँ जोड़ल जाइत अछि।

(C) ‘महिला डिजिटल लेखन’ कैँ वेब पर प्रकाशित साहित्यिक-सांस्कृतिक पत्रिका सँ जोड़ल जाइत अछि।

(D) ‘महिला डिजिटल लेखन’ कैँ पुरान अंक, ग्रन्थ, ध्वनि, चित्र आ दस्तावेजक संग्रह सँ जोड़ल जाइत अछि।

८९०. जँ विद्यार्थी ‘महिला डिजिटल लेखन’क नोट बनबैत अछि, तखन मुख्य निष्कर्ष कोन राखय?

(A) विद्यार्थी ‘महिला डिजिटल लेखन’ पढ़ैत समय गीत, साक्षात्कार, नाटक आ पाठक ध्वनि-दृश्य अभिलेख कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(B) विद्यार्थी ‘महिला डिजिटल लेखन’ पढ़ैत समय भाषा-प्रचार, बहस आ त्वरित पाठक-संपर्क कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(C) विद्यार्थी ‘महिला डिजिटल लेखन’ पढ़ैत समय स्त्री अनुभवक वेब-आधारित प्रकाशन पर ध्यान देत।

(D) विद्यार्थी ‘महिला डिजिटल लेखन’ पढ़ैत समय मिथिलाक्षर आ देवनागरीक संगणकीय प्रयोग कैँ मुख्य तथ्य मानत।

८९१. मिथिलाक इतिहासमे ‘दलित डिजिटल स्वर’ कैँ मुख्यतः कोन बातसँ जोड़ल जाइत अछि?

(A) भाषा-प्रचार, बहस आ त्वरित पाठक-संपर्क

(B) मैथिली भाषा-साहित्यक औपचारिक पाठ्यक्रम आ शोध

(C) क्षेत्रीय उच्च शिक्षा आ मैथिली अध्ययनसँ जुड़ल संस्थान

(D) हाशियाक समुदायक स्वयं-प्रकाशन आ स्मृति-संग्रह

८९२. नीचाँ देल जोड़ीमे ‘दलित डिजिटल स्वर’ सम्बन्धी सही जोड़ी कोन अछि?

(A) दलित डिजिटल स्वर — पुरान अंक, ग्रन्थ, ध्वनि, चित्र आ दस्तावेजक संग्रह

(B) दलित डिजिटल स्वर — भाषा, शिक्षा, प्रशासन आ सांस्कृतिक अधिकारक संघर्ष

(C) दलित डिजिटल स्वर — हाशियाक समुदायक स्वयं-प्रकाशन आ स्मृति-संग्रह

(D) दलित डिजिटल स्वर — गीत, साक्षात्कार, नाटक आ पाठक ध्वनि-दृश्य अभिलेख

८९३. विदेह समानान्तर इतिहासक दृष्टिसँ ‘दलित डिजिटल स्वर’ पर ध्यान देबाक कारण की अछि?

(A) कारण ई मिथिलाक्षर आ देवनागरीक संगणकीय प्रयोग कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(B) कारण ई हाशियाक समुदायक स्वयं-प्रकाशन आ स्मृति-संग्रह कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि।

(C) कारण ई डिजिटल समाचार, आलोचना आ सार्वजनिक बहसक माध्यम कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(D) कारण ई मिथिला बाहरक मैथिल लोकक संगठन आ रचनात्मक मंच कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

८९४. ‘दलित डिजिटल स्वर’ विषयमे कोन कथन सही अछि?

(A) ‘दलित डिजिटल स्वर’ कैँ हाशियाक समुदायक स्वयं-प्रकाशन आ स्मृति-संग्रह सँ जोड़ल जाइत अछि।

(B) ‘दलित डिजिटल स्वर’ कैँ क्षेत्रीय उच्च शिक्षा आ मैथिली अध्ययनसँ जुड़ल संस्थान सँ जोड़ल जाइत अछि।

(C) ‘दलित डिजिटल स्वर’ कैँ डिजिटल समाचार, आलोचना आ सार्वजनिक बहसक माध्यम सँ जोड़ल जाइत अछि।

(D) ‘दलित डिजिटल स्वर’ कैँ मिथिलाक्षर आ देवनागरीक संगणकीय प्रयोग सँ जोड़ल जाइत अछि।

८९५. जँ विद्यार्थी ‘दलित डिजिटल स्वर’क नोट बनबैत अछि, तखन मुख्य निष्कर्ष कोन राखय?

(A) विद्यार्थी ‘दलित डिजिटल स्वर’ पढ़ैत समय मैथिलीकैँ संवैधानिक मान्यता देबाक संघर्ष कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(B) विद्यार्थी ‘दलित डिजिटल स्वर’ पढ़ैत समय डिजिटल रूपमे पढ़ल जायवला पोथी कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(C) विद्यार्थी ‘दलित डिजिटल स्वर’ पढ़ैत समय राष्ट्रीय साहित्यिक संस्था आ मान्यता केर मंच कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(D) विद्यार्थी ‘दलित डिजिटल स्वर’ पढ़ैत समय हाशियाक समुदायक स्वयं-प्रकाशन आ स्मृति-संग्रह पर ध्यान देत।

८९६. मिथिलाक इतिहासमे ‘शोध-सूची’ कैँ मुख्यतः कोन बातसँ जोड़ल जाइत अछि?

(A) डिजिटल समाचार, आलोचना आ सार्वजनिक बहसक माध्यम

(B) प्रथम मैथिली पाक्षिक ई-पत्रिका रूपेँ प्रसिद्ध डिजिटल मंच

(C) ग्रन्थ, लेखक, स्रोत आ विषयक व्यवस्थित अनुक्रमणिका

(D) भाषा, शिक्षा, प्रशासन आ सांस्कृतिक अधिकारक संघर्ष

८९७. नीचाँ देल जोड़ीमे 'शोध-सूची' सम्बन्धी सही जोड़ी कोन अछि?

(A) शोध-सूची — ध्वनि-माध्यमद्वारा गीत, नाटक आ समाचारक प्रसार

(B) शोध-सूची — डिजिटल समाचार, आलोचना आ सार्वजनिक बहसक माध्यम

(C) शोध-सूची — ग्रन्थ, लेखक, स्रोत आ विषयक व्यवस्थित अनुक्रमणिका

(D) शोध-सूची — डिजिटल रूपमे पढ़ल जायवला पोथी

८९८. विदेह समानान्तर इतिहासक दृष्टिसँ 'शोध-सूची' पर ध्यान देबाक कारण की अछि?

(A) कारण ई ध्वनि-माध्यमद्वारा गीत, नाटक आ समाचारक प्रसार कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(B) कारण ई ग्रन्थ, लेखक, स्रोत आ विषयक व्यवस्थित अनुक्रमणिका कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि।

(C) कारण ई भाषा-प्रचार, बहस आ त्वरित पाठक-संपर्क कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(D) कारण ई मिथिलाक्षर आ देवनागरीक संगणकीय प्रयोग कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

८९९. 'शोध-सूची' विषयमे कोन कथन सही अछि?

(A) 'शोध-सूची' कैँ क्षेत्रीय उच्च शिक्षा आ मैथिली अध्ययनसँ जुड़ल संस्थान सँ जोड़ल जाइत अछि।

(B) 'शोध-सूची' कैँ मिथिला बाहरक मैथिल लोकक संगठन आ रचनात्मक मंच सँ जोड़ल जाइत अछि।

(C) 'शोध-सूची' कैँ ग्रन्थ, लेखक, स्रोत आ विषयक व्यवस्थित अनुक्रमणिका सँ जोड़ल जाइत अछि।

(D) 'शोध-सूची' कैँ स्त्री अनुभवक वेब-आधारित प्रकाशन सँ जोड़ल जाइत अछि।

९००. जँ विद्यार्थी 'शोध-सूची'क नोट बनबैत अछि, तखन मुख्य निष्कर्ष कोन राखय?

(A) विद्यार्थी 'शोध-सूची' पढ़ैत समय ग्रन्थ, लेखक, स्रोत आ विषयक व्यवस्थित अनुक्रमणिका पर ध्यान देत।

(B) विद्यार्थी 'शोध-सूची' पढ़ैत समय डिजिटल समाचार, आलोचना आ सार्वजनिक बहसक माध्यम कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(C) विद्यार्थी 'शोध-सूची' पढ़ैत समय मिथिलाक्षर आ देवनागरीक संगणकीय प्रयोग कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(D) विद्यार्थी 'शोध-सूची' पढ़ैत समय हाशियाक समुदायक स्वयं-प्रकाशन आ स्मृति-संग्रह कैँ मुख्य तथ्य मानत।

९०१. मिथिलाक इतिहासमे 'समानान्तर इतिहास' कैँ मुख्यतः कोन बातसँ जोड़ल जाइत अछि?

(A) समाज जे कथा, गीत आ प्रतीक सँ अपन अतीत याद रखैत अछि

(B) गीत, कथा, कहावत आ स्मृतिद्वारा बचल सूचना

(C) मुख्यधारा इतिहासक बगलमे उपेक्षित स्रोत आ स्वरक अध्ययन

(D) राजा, दरबार, विजयोक्ति आ प्रशस्ति पर केन्द्रित इतिहास

९०२. नीचाँ देल जोड़ीमे 'समानान्तर इतिहास' सम्बन्धी सही जोड़ी कोन अछि?

(A) समानान्तर इतिहास — जकरा संस्थान वा आलोचना कम ध्यान देलक

(B) समानान्तर इतिहास — स्रोतक समय, लेखक, उद्देश्य आ सीमा जाँचब

(C) समानान्तर इतिहास — मुख्यधारा इतिहासक बगलमे उपेक्षित स्रोत आ स्वरक अध्ययन

(D) समानान्तर इतिहास — ग्रन्थ, लोकगीत, अभिलेख, स्थल आ जीवित स्मृति कैँ संग पढ़ब

९०३. विदेह समानान्तर इतिहासक दृष्टिसँ 'समानान्तर इतिहास' पर ध्यान देबाक कारण की अछि?

(A) कारण ई मुख्यधारा इतिहासक बगलमे उपेक्षित स्रोत आ स्वरक अध्ययन कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि।

(B) कारण ई नारी अनुभव, श्रम, गीत आ प्रतिरोध कैँ पढ़नाइ कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(C) कारण ई ग्रन्थ, लोकगीत, अभिलेख, स्थल आ जीवित स्मृति कैँ संग पढ़ब कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(D) कारण ई जाति, वर्ग, लिंग वा सत्ता कारण तथ्यक टेढ़ प्रस्तुति कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

९०४. 'समानान्तर इतिहास' विषयमे कोन कथन सही अछि?

(A) 'समानान्तर इतिहास' कैँ मुख्यधारा इतिहासक बगलमे उपेक्षित स्रोत आ स्वरक अध्ययन सँ जोड़ल जाइत अछि।

(B) 'समानान्तर इतिहास' कैँ मुहावरा, कहावत, लोकगीत आ पुरान शब्दमे बचल इतिहास सँ जोड़ल जाइत अछि।

(C) 'समानान्तर इतिहास' कैँ मिट्टी, मूर्ति, मुद्रा, स्थल आ अवशेष सँ जोड़ल जाइत अछि।

(D) 'समानान्तर इतिहास' कैँ राजा, पण्डित, लोक, स्त्री, दलित, किसान आ प्रवासी सभक साझा पाठ सँ जोड़ल जाइत अछि।

९०५. जँ विद्यार्थी 'समानान्तर इतिहास'क नोट बनबैत अछि, तखन मुख्य निष्कर्ष कोन राखय?

(A) विद्यार्थी 'समानान्तर इतिहास' पढ़ैत समय ग्रन्थ, लोकगीत, अभिलेख, स्थल आ जीवित स्मृति कैँ संग पढ़ब कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(B) विद्यार्थी 'समानान्तर इतिहास' पढ़ैत समय मुख्यधारा इतिहासक बगलमे उपेक्षित स्रोत आ स्वरक अध्ययन पर ध्यान देत।

(C) विद्यार्थी 'समानान्तर इतिहास' पढ़ैत समय जकरा संस्थान वा आलोचना कम ध्यान देलक कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(D) विद्यार्थी 'समानान्तर इतिहास' पढ़ैत समय रूढ़ि, अन्याय आ चुप्पी विरुद्ध सांस्कृतिक स्वर कैँ मुख्य तथ्य मानत।

९०६. मिथिलाक इतिहासमे 'दरबारी इतिहास' कैँ मुख्यतः कोन बातसँ जोड़ल जाइत अछि?

(A) राजा, दरबार, विजयोक्ति आ प्रशस्ति पर केन्द्रित इतिहास

(B) जकरा संस्थान वा आलोचना कम ध्यान देलक

(C) पुरस्कार, समिति, विश्वविद्यालय आ अकादेमीक शक्ति-संरचना

(D) जाति, वर्ग, लिंग वा सत्ता कारण तथ्यक टेढ़ प्रस्तुति

९०७. नीचाँ देल जोड़ीमे 'दरबारी इतिहास' सम्बन्धी सही जोड़ी कोन अछि?

(A) दरबारी इतिहास — एकहि घटना कैँ दोसर समुदाय वा लिंगक दृष्टिसँ पढ़ब

(B) दरबारी इतिहास — राजा, दरबार, विजयोक्ति आ प्रशस्ति पर केन्द्रित इतिहास

(C) दरबारी इतिहास — हाशियाक समुदायक वीर, पीड़ा, श्रम आ संस्कृति कैँ केन्द्रमे आननाइ

(D) दरबारी इतिहास — स्वीकृत श्रेष्ठ ग्रन्थ आ लेखकक सूची

९०८. विदेह समानान्तर इतिहासक दृष्टिसँ 'दरबारी इतिहास' पर ध्यान देबाक कारण की अछि?

(A) कारण ई राजा, दरबार, विजयोक्ति आ प्रशस्ति पर केन्द्रित इतिहास कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि।

(B) कारण ई मिट्टी, मूर्ति, मुद्रा, स्थल आ अवशेष कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(C) कारण ई स्वीकृत श्रेष्ठ ग्रन्थ आ लेखकक सूची कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(D) कारण ई गीत, कथा, कहावत आ स्मृतिद्वारा बचल सूचना कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

९०९. 'दरबारी इतिहास' विषयमे कोन कथन सही अछि?

(A) 'दरबारी इतिहास' कैँ नारी अनुभव, श्रम, गीत आ प्रतिरोध कैँ पढ़नाइ सँ जोड़ल जाइत अछि।

(B) 'दरबारी इतिहास' कैँ जकरा संस्थान वा आलोचना कम ध्यान देलक सँ जोड़ल जाइत अछि।

(C) 'दरबारी इतिहास' कैँ राजा, दरबार, विजयोक्ति आ प्रशस्ति पर केन्द्रित इतिहास सँ जोड़ल जाइत अछि।

(D) 'दरबारी इतिहास' कैँ पुरस्कार, समिति, विश्वविद्यालय आ अकादेमीक शक्ति-संरचना सँ जोड़ल जाइत अछि।

९१०. जँ विद्यार्थी 'दरबारी इतिहास'क नोट बनबैत अछि, तखन मुख्य निष्कर्ष कोन राखय?

(A) विद्यार्थी 'दरबारी इतिहास' पढ़ैत समय गाम, नदी, पोखरि, मन्दिर, स्थल आ रास्ताक याद कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(B) विद्यार्थी 'दरबारी इतिहास' पढ़ैत समय पुरस्कार, समिति, विश्वविद्यालय आ अकादेमीक शक्ति-संरचना कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(C) विद्यार्थी 'दरबारी इतिहास' पढ़ैत समय स्रोतक समय, लेखक, उद्देश्य आ सीमा जाँचब कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(D) विद्यार्थी 'दरबारी इतिहास' पढ़ैत समय राजा, दरबार, विजयोक्ति आ प्रशस्ति पर केन्द्रित इतिहास पर ध्यान देत।

९११. मिथिलाक इतिहासमे 'लोक-इतिहास' कैँ मुख्यतः कोन बातसँ जोड़ल जाइत अछि?

(A) राजा, पण्डित, लोक, स्त्री, दलित, किसान आ प्रवासी सभक साझा पाठ

(B) पुरस्कार, समिति, विश्वविद्यालय आ अकादेमीक शक्ति-संरचना

(C) ग्रन्थ, लोकगीत, अभिलेख, स्थल आ जीवित स्मृति कैँ संग पढ़ब

(D) गीत, कथा, रीति, स्मृति आ श्रमक अनुभवक इतिहास

९१२. नीचाँ देल जोड़ीमे 'लोक-इतिहास' सम्बन्धी सही जोड़ी कोन अछि?

(A) लोक-इतिहास — गीत, कथा, कहावत आ स्मृतिद्वारा बचल सूचना

(B) लोक-इतिहास — मिट्टी, मूर्ति, मुद्रा, स्थल आ अवशेष

(C) लोक-इतिहास — गीत, कथा, रीति, स्मृति आ श्रमक अनुभवक इतिहास

(D) लोक-इतिहास — स्रोतक समय, लेखक, उद्देश्य आ सीमा जाँचब

९१३. विदेह समानान्तर इतिहासक दृष्टिसँ 'लोक-इतिहास' पर ध्यान देबाक कारण की अछि?

(A) कारण ई स्वीकृत श्रेष्ठ ग्रन्थ आ लेखकक सूची कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(B) कारण ई गीत, कथा, रीति, स्मृति आ श्रमक अनुभवक इतिहास कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि।

(C) कारण ई गीत, कथा, कहावत आ स्मृतिद्वारा बचल सूचना कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(D) कारण ई जकरा संस्थान वा आलोचना कम ध्यान देलक कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

९१४. 'लोक-इतिहास' विषयमे कोन कथन सही अछि?

(A) 'लोक-इतिहास' कैँ पुरस्कार, समिति, विश्वविद्यालय आ अकादेमीक शक्ति-संरचना सँ जोड़ल जाइत अछि।

(B) 'लोक-इतिहास' कैँ गीत, कथा, रीति, स्मृति आ श्रमक अनुभवक इतिहास सँ जोड़ल जाइत अछि।

(C) 'लोक-इतिहास' कैँ मिट्टी, मूर्ति, मुद्रा, स्थल आ अवशेष सँ जोड़ल जाइत अछि।

(D) 'लोक-इतिहास' कैँ एकहि घटना कैँ दोसर समुदाय वा लिंगक दृष्टिसँ पढ़ब सँ जोड़ल जाइत अछि।

९१५. जँ विद्यार्थी 'लोक-इतिहास'क नोट बनबैत अछि, तखन मुख्य निष्कर्ष कोन राखय?

(A) विद्यार्थी 'लोक-इतिहास' पढ़ैत समय गीत, कथा, रीति, स्मृति आ श्रमक अनुभवक इतिहास पर ध्यान देत।

(B) विद्यार्थी 'लोक-इतिहास' पढ़ैत समय रूढ़ि, अन्याय आ चुप्पी विरुद्ध सांस्कृतिक स्वर कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(C) विद्यार्थी 'लोक-इतिहास' पढ़ैत समय राजा, पण्डित, लोक, स्त्री, दलित, किसान आ प्रवासी सभक साझा पाठ कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(D) विद्यार्थी 'लोक-इतिहास' पढ़ैत समय मिट्टी, मूर्ति, मुद्रा, स्थल आ अवशेष कैँ मुख्य तथ्य मानत।

९१६. मिथिलाक इतिहासमे 'स्त्री-दृष्टि' कैँ मुख्यतः कोन बातसँ जोड़ल जाइत अछि?

(A) एकहि घटना कैँ दोसर समुदाय वा लिंगक दृष्टिसँ पढ़ब

(B) नारी अनुभव, श्रम, गीत आ प्रतिरोध कैँ पढ़नाइ

(C) मुख्यधारा इतिहासक बगलमे उपेक्षित स्रोत आ स्वरक अध्ययन

(D) समाज जे कथा, गीत आ प्रतीक सँ अपन अतीत याद रखैत अछि

९१७. नीचाँ देल जोड़ीमे 'स्त्री-दृष्टि' सम्बन्धी सही जोड़ी कोन अछि?

(A) स्त्री-दृष्टि — नारी अनुभव, श्रम, गीत आ प्रतिरोध कैँ पढ़नाइ

(B) स्त्री-दृष्टि — गीत, कथा, कहावत आ स्मृतिद्वारा बचल सूचना

(C) स्त्री-दृष्टि — रूढ़ि, अन्याय आ चुप्पी विरुद्ध सांस्कृतिक स्वर

(D) स्त्री-दृष्टि — जकरा संस्थान वा आलोचना कम ध्यान देलक

९१८. विदेह समानान्तर इतिहासक दृष्टिसँ 'स्त्री-दृष्टि' पर ध्यान देबाक कारण की अछि?

(A) कारण ई समाज जे कथा, गीत आ प्रतीक सँ अपन अतीत याद रखैत अछि कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(B) कारण ई पुरस्कार, समिति, विश्वविद्यालय आ अकादेमीक शक्ति-संरचना कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(C) कारण ई राजा, पण्डित, लोक, स्त्री, दलित, किसान आ प्रवासी सभक साझा पाठ कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(D) कारण ई नारी अनुभव, श्रम, गीत आ प्रतिरोध कैँ पढ़नाइ कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि।

९१९. 'स्त्री-दृष्टि' विषयमे कोन कथन सही अछि?

(A) 'स्त्री-दृष्टि' कैँ समाज जे कथा, गीत आ प्रतीक सँ अपन अतीत याद रखैत अछि सँ जोड़ल जाइत अछि।

(B) 'स्त्री-दृष्टि' कैँ ग्रन्थ, लोकगीत, अभिलेख, स्थल आ जीवित स्मृति कैँ संग पढ़ब सँ जोड़ल जाइत अछि।

(C) 'स्त्री-दृष्टि' कैँ हाशियाक समुदायक वीर, पीड़ा, श्रम आ संस्कृति कैँ केन्द्रमे आननाइ सँ जोड़ल जाइत अछि।

(D) 'स्त्री-दृष्टि' कैँ नारी अनुभव, श्रम, गीत आ प्रतिरोध कैँ पढ़नाइ सँ जोड़ल जाइत अछि।

९२०. जँ विद्यार्थी 'स्त्री-दृष्टि'क नोट बनबैत अछि, तखन मुख्य निष्कर्ष कोन राखय?

(A) विद्यार्थी 'स्त्री-दृष्टि' पढ़ैत समय नारी अनुभव, श्रम, गीत आ प्रतिरोध कैँ पढ़नाइ पर ध्यान देत।

(B) विद्यार्थी 'स्त्री-दृष्टि' पढ़ैत समय मुख्यधारा इतिहासक बगलमे उपेक्षित स्रोत आ स्वरक अध्ययन कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(C) विद्यार्थी 'स्त्री-दृष्टि' पढ़ैत समय मिट्टी, मूर्ति, मुद्रा, स्थल आ अवशेष कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(D) विद्यार्थी 'स्त्री-दृष्टि' पढ़ैत समय गाम, नदी, पोखरि, मन्दिर, स्थल आ रास्ताक याद कैँ मुख्य तथ्य मानत।

९२१. मिथिलाक इतिहासमे 'दलित दृष्टि' कैँ मुख्यतः कोन बातसँ जोड़ल जाइत अछि?

(A) जकरा संस्थान वा आलोचना कम ध्यान देलक

(B) स्रोतक समय, लेखक, उद्देश्य आ सीमा जाँचब

(C) समाज जे कथा, गीत आ प्रतीक सँ अपन अतीत याद रखैत अछि

(D) हाशियाक समुदायक वीर, पीड़ा, श्रम आ संस्कृति कैँ केन्द्रमे आननाइ

९२२. नीचाँ देल जोड़ीमे 'दलित दृष्टि' सम्बन्धी सही जोड़ी कोन अछि?

(A) दलित दृष्टि — मिट्टी, मूर्ति, मुद्रा, स्थल आ अवशेष

(B) दलित दृष्टि — नारी अनुभव, श्रम, गीत आ प्रतिरोध कैँ पढ़नाइ

(C) दलित दृष्टि — मुहावरा, कहावत, लोकगीत आ पुरान शब्दमे बचल इतिहास

(D) दलित दृष्टि — हाशियाक समुदायक वीर, पीड़ा, श्रम आ संस्कृति कैँ केन्द्रमे आननाइ

९२३. विदेह समानान्तर इतिहासक दृष्टिसँ 'दलित दृष्टि' पर ध्यान देबाक कारण की अछि?

(A) कारण ई समाज जे कथा, गीत आ प्रतीक सँ अपन अतीत याद रखैत अछि कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(B) कारण ई जकरा संस्थान वा आलोचना कम ध्यान देलक कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(C) कारण ई ग्रन्थ, लोकगीत, अभिलेख, स्थल आ जीवित स्मृति कैँ संग पढ़ब कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(D) कारण ई हाशियाक समुदायक वीर, पीड़ा, श्रम आ संस्कृति कैँ केन्द्रमे आननाइ कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि।

९२४. 'दलित दृष्टि' विषयमे कोन कथन सही अछि?

(A) 'दलित दृष्टि' कैँ जाति, वर्ग, लिंग वा सत्ता कारण तथ्यक टेढ़ प्रस्तुति सँ जोड़ल जाइत अछि।

(B) 'दलित दृष्टि' कैँ हाशियाक समुदायक वीर, पीड़ा, श्रम आ संस्कृति कैँ केन्द्रमे आननाइ सँ जोड़ल जाइत अछि।

(C) 'दलित दृष्टि' कैँ गाम, नदी, पोखरि, मन्दिर, स्थल आ रास्ताक याद सँ जोड़ल जाइत अछि।

(D) 'दलित दृष्टि' कैँ रूढ़ि, अन्याय आ चुप्पी विरुद्ध सांस्कृतिक स्वर सँ जोड़ल जाइत अछि।

९२५. जँ विद्यार्थी 'दलित दृष्टि'क नोट बनबैत अछि, तखन मुख्य निष्कर्ष कोन राखय?

(A) विद्यार्थी 'दलित दृष्टि' पढ़ैत समय हाशियाक समुदायक वीर, पीड़ा, श्रम आ संस्कृति कैँ केन्द्रमे आननाइ पर ध्यान देत।

(B) विद्यार्थी 'दलित दृष्टि' पढ़ैत समय मिट्टी, मूर्ति, मुद्रा, स्थल आ अवशेष कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(C) विद्यार्थी 'दलित दृष्टि' पढ़ैत समय जाति, वर्ग, लिंग वा सत्ता कारण तथ्यक टेढ़ प्रस्तुति कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(D) विद्यार्थी 'दलित दृष्टि' पढ़ैत समय नारी अनुभव, श्रम, गीत आ प्रतिरोध कैँ पढ़नाइ कैँ मुख्य तथ्य मानत।

९२६. मिथिलाक इतिहासमे 'उपेक्षित साहित्य' कैँ मुख्यतः कोन बातसँ जोड़ल जाइत अछि?

(A) ग्रन्थ, लोकगीत, अभिलेख, स्थल आ जीवित स्मृति कैँ संग पढ़ब

(B) रूढ़ि, अन्याय आ चुप्पी विरुद्ध सांस्कृतिक स्वर

(C) एकहि घटना कैँ दोसर समुदाय वा लिंगक दृष्टिसँ पढ़ब

(D) जकरा संस्थान वा आलोचना कम ध्यान देलक

९२७. नीचाँ देल जोड़ीमे 'उपेक्षित साहित्य' सम्बन्धी सही जोड़ी कोन अछि?

(A) उपेक्षित साहित्य — एकहि घटना कैँ दोसर समुदाय वा लिंगक दृष्टिसँ पढ़ब

(B) उपेक्षित साहित्य — मुख्यधारा इतिहासक बगलमे उपेक्षित स्रोत आ स्वरक अध्ययन

(C) उपेक्षित साहित्य — स्रोतक समय, लेखक, उद्देश्य आ सीमा जाँचब

(D) उपेक्षित साहित्य — जकरा संस्थान वा आलोचना कम ध्यान देलक

९२८. विदेह समानान्तर इतिहासक दृष्टिसँ 'उपेक्षित साहित्य' पर ध्यान देबाक कारण की अछि?

(A) कारण ई जकरा संस्थान वा आलोचना कम ध्यान देलक कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि।

(B) कारण ई स्वीकृत श्रेष्ठ ग्रन्थ आ लेखकक सूची कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(C) कारण ई हाशियाक समुदायक वीर, पीड़ा, श्रम आ संस्कृति कैँ केन्द्रमे आननाइ कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(D) कारण ई स्रोतक समय, लेखक, उद्देश्य आ सीमा जाँचब कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

९२९. ‘उपेक्षित साहित्य’ विषयमे कोन कथन सही अछि?

(A) ‘उपेक्षित साहित्य’ कैं जकरा संस्थान वा आलोचना कम ध्यान देलक सँ जोड़ल जाइत अछि।

(B) ‘उपेक्षित साहित्य’ कैं गीत, कथा, कहावत आ स्मृतिद्वारा बचल सूचना सँ जोड़ल जाइत अछि।

(C) ‘उपेक्षित साहित्य’ कैं गीत, कथा, रीति, स्मृति आ श्रमक अनुभवक इतिहास सँ जोड़ल जाइत अछि।

(D) ‘उपेक्षित साहित्य’ कैं स्रोतक समय, लेखक, उद्देश्य आ सीमा जाँचब सँ जोड़ल जाइत अछि।

९३०. जँ विद्यार्थी ‘उपेक्षित साहित्य’क नोट बनबैत अछि, तखन मुख्य निष्कर्ष कोन राखय?

(A) विद्यार्थी ‘उपेक्षित साहित्य’ पढ़ैत समय नारी अनुभव, श्रम, गीत आ प्रतिरोध कैं पढ़नाइ कैं मुख्य तथ्य मानत।

(B) विद्यार्थी ‘उपेक्षित साहित्य’ पढ़ैत समय ग्रन्थ, पाण्डुलिपि, पत्र, अभिलेख आ दस्तावेज कैं मुख्य तथ्य मानत।

(C) विद्यार्थी ‘उपेक्षित साहित्य’ पढ़ैत समय हाशियाक समुदायक वीर, पीड़ा, श्रम आ संस्कृति कैं केन्द्रमे आननाइ कैं मुख्य तथ्य मानत।

(D) विद्यार्थी ‘उपेक्षित साहित्य’ पढ़ैत समय जकरा संस्थान वा आलोचना कम ध्यान देलक पर ध्यान देत।

९३१. मिथिलाक इतिहासमे ‘मौखिक स्रोत’ कैं मुख्यतः कोन बातसँ जोड़ल जाइत अछि?

(A) रूढ़ि, अन्याय आ चुप्पी विरुद्ध सांस्कृतिक स्वर

(B) जकरा संस्थान वा आलोचना कम ध्यान देलक

(C) गीत, कथा, कहावत आ स्मृतिद्वारा बचल सूचना

(D) स्रोतक समय, लेखक, उद्देश्य आ सीमा जाँचब

९३२. नीचाँ देल जोड़ीमे ‘मौखिक स्रोत’ सम्बन्धी सही जोड़ी कोन अछि?

(A) मौखिक स्रोत — गीत, कथा, कहावत आ स्मृतिद्वारा बचल सूचना

(B) मौखिक स्रोत — स्रोतक समय, लेखक, उद्देश्य आ सीमा जाँचब

(C) मौखिक स्रोत — ग्रन्थ, पाण्डुलिपि, पत्र, अभिलेख आ दस्तावेज

(D) मौखिक स्रोत — पुरस्कार, समिति, विश्वविद्यालय आ अकादेमीक शक्ति-संरचना

९३३. विदेह समानान्तर इतिहासक दृष्टिसँ ‘मौखिक स्रोत’ पर ध्यान देबाक कारण की अछि?

(A) कारण ई स्रोतक समय, लेखक, उद्देश्य आ सीमा जाँचब कैं मात्र दोहरबैत अछि।

(B) कारण ई राजा, दरबार, विजयोक्ति आ प्रशस्ति पर केन्द्रित इतिहास कैं मात्र दोहरबैत अछि।

(C) कारण ई नारी अनुभव, श्रम, गीत आ प्रतिरोध कैं पढ़नाइ कैं मात्र दोहरबैत अछि।

(D) कारण ई गीत, कथा, कहावत आ स्मृतिद्वारा बचल सूचना कैं मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि।

९३४. ‘मौखिक स्रोत’ विषयमे कोन कथन सही अछि?

(A) ‘मौखिक स्रोत’ कैं हाशियाक समुदायक वीर, पीड़ा, श्रम आ संस्कृति कैं केन्द्रमे आननाइ सँ जोड़ल जाइत अछि।

(B) ‘मौखिक स्रोत’ कैं रूढ़ि, अन्याय आ चुप्पी विरुद्ध सांस्कृतिक स्वर सँ जोड़ल जाइत अछि।

(C) ‘मौखिक स्रोत’ कैं गीत, कथा, रीति, स्मृति आ श्रमक अनुभवक इतिहास सँ जोड़ल जाइत अछि।

(D) ‘मौखिक स्रोत’ कैं गीत, कथा, कहावत आ स्मृतिद्वारा बचल सूचना सँ जोड़ल जाइत अछि।

९३५. जँ विद्यार्थी ‘मौखिक स्रोत’क नोट बनबैत अछि, तखन मुख्य निष्कर्ष कोन राखय?

(A) विद्यार्थी ‘मौखिक स्रोत’ पढ़ैत समय मिट्टी, मूर्ति, मुद्रा, स्थल आ अवशेष कैं मुख्य तथ्य मानत।

(B) विद्यार्थी ‘मौखिक स्रोत’ पढ़ैत समय ग्रन्थ, पाण्डुलिपि, पत्र, अभिलेख आ दस्तावेज कैं मुख्य तथ्य मानत।

(C) विद्यार्थी ‘मौखिक स्रोत’ पढ़ैत समय गीत, कथा, कहावत आ स्मृतिद्वारा बचल सूचना पर ध्यान देत।

(D) विद्यार्थी ‘मौखिक स्रोत’ पढ़ैत समय ग्रन्थ, लोकगीत, अभिलेख, स्थल आ जीवित स्मृति कैं संग पढ़ब कैं मुख्य तथ्य मानत।

९३६. मिथिलाक इतिहासमे ‘लिखित स्रोत’ कैं मुख्यतः कोन बातसँ जोड़ल जाइत अछि?

(A) एकहि घटना कैं दोसर समुदाय वा लिंगक दृष्टिसँ पढ़ब

(B) नारी अनुभव, श्रम, गीत आ प्रतिरोध कैं पढ़नाइ

(C) स्रोतक समय, लेखक, उद्देश्य आ सीमा जाँचब

(D) ग्रन्थ, पाण्डुलिपि, पत्र, अभिलेख आ दस्तावेज

९३७. नीचाँ देल जोड़ीमे 'लिखित स्रोत' सम्बन्धी सही जोड़ी कोन अछि?

(A) लिखित स्रोत — ग्रन्थ, पाण्डुलिपि, पत्र, अभिलेख आ दस्तावेज

(B) लिखित स्रोत — स्रोतक समय, लेखक, उद्देश्य आ सीमा जाँचब

(C) लिखित स्रोत — हाशियाक समुदायक वीर, पीड़ा, श्रम आ संस्कृति कैँ केन्द्रमे आननाइ

(D) लिखित स्रोत — राजा, पण्डित, लोक, स्त्री, दलित, किसान आ प्रवासी सभक साझा पाठ

९३८. विदेह समानान्तर इतिहासक दृष्टिसँ 'लिखित स्रोत' पर ध्यान देबाक कारण की अछि?

(A) कारण ई ग्रन्थ, पाण्डुलिपि, पत्र, अभिलेख आ दस्तावेज कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि।

(B) कारण ई पुरस्कार, समिति, विश्वविद्यालय आ अकादेमीक शक्ति-संरचना कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(C) कारण ई गाम, नदी, पोखरि, मन्दिर, स्थल आ रास्ताक याद कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(D) कारण ई रूढ़ि, अन्याय आ चुप्पी विरुद्ध सांस्कृतिक स्वर कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

९३९. 'लिखित स्रोत' विषयमे कोन कथन सही अछि?

(A) 'लिखित स्रोत' कैँ पुरस्कार, समिति, विश्वविद्यालय आ अकादेमीक शक्ति-संरचना सँ जोड़ल जाइत अछि।

(B) 'लिखित स्रोत' कैँ मुहावरा, कहावत, लोकगीत आ पुरान शब्दमे बचल इतिहास सँ जोड़ल जाइत अछि।

(C) 'लिखित स्रोत' कैँ समाज जे कथा, गीत आ प्रतीक सँ अपन अतीत याद रखैत अछि सँ जोड़ल जाइत अछि।

(D) 'लिखित स्रोत' कैँ ग्रन्थ, पाण्डुलिपि, पत्र, अभिलेख आ दस्तावेज सँ जोड़ल जाइत अछि।

९४०. जँ विद्यार्थी 'लिखित स्रोत'क नोट बनबैत अछि, तखन मुख्य निष्कर्ष कोन राखय?

(A) विद्यार्थी 'लिखित स्रोत' पढ़ैत समय ग्रन्थ, पाण्डुलिपि, पत्र, अभिलेख आ दस्तावेज पर ध्यान देत।

(B) विद्यार्थी 'लिखित स्रोत' पढ़ैत समय राजा, दरबार, विजयोक्ति आ प्रशस्ति पर केन्द्रित इतिहास कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(C) विद्यार्थी 'लिखित स्रोत' पढ़ैत समय मुख्यधारा इतिहासक बगलमे उपेक्षित स्रोत आ स्वरक अध्ययन कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(D) विद्यार्थी 'लिखित स्रोत' पढ़ैत समय मुहावरा, कहावत, लोकगीत आ पुरान शब्दमे बचल इतिहास कैँ मुख्य तथ्य मानत।

९४१. मिथिलाक इतिहासमे 'पुरातात्त्विक स्रोत' कैँ मुख्यतः कोन बातसँ जोड़ल जाइत अछि?

(A) पुरस्कार, समिति, विश्वविद्यालय आ अकादेमीक शक्ति-संरचना

(B) स्वीकृत श्रेष्ठ ग्रन्थ आ लेखकक सूची

(C) ग्रन्थ, लोकगीत, अभिलेख, स्थल आ जीवित स्मृति कैँ संग पढ़ब

(D) मिट्टी, मूर्ति, मुद्रा, स्थल आ अवशेष

९४२. नीचाँ देल जोड़ीमे 'पुरातात्त्विक स्रोत' सम्बन्धी सही जोड़ी कोन अछि?

(A) पुरातात्त्विक स्रोत — नारी अनुभव, श्रम, गीत आ प्रतिरोध कैँ पढ़नाइ

(B) पुरातात्त्विक स्रोत — मिट्टी, मूर्ति, मुद्रा, स्थल आ अवशेष

(C) पुरातात्त्विक स्रोत — पुरस्कार, समिति, विश्वविद्यालय आ अकादेमीक शक्ति-संरचना

(D) पुरातात्त्विक स्रोत — जाति, वर्ग, लिंग वा सत्ता कारण तथ्यक टेढ़ प्रस्तुति

९४३. विदेह समानान्तर इतिहासक दृष्टिसँ 'पुरातात्त्विक स्रोत' पर ध्यान देबाक कारण की अछि?

(A) कारण ई राजा, पण्डित, लोक, स्त्री, दलित, किसान आ प्रवासी सभक साझा पाठ कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(B) कारण ई मिट्टी, मूर्ति, मुद्रा, स्थल आ अवशेष कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि।

(C) कारण ई स्रोतक समय, लेखक, उद्देश्य आ सीमा जाँचब कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(D) कारण ई पुरस्कार, समिति, विश्वविद्यालय आ अकादेमीक शक्ति-संरचना कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

९४४. 'पुरातात्त्विक स्रोत' विषयमे कोन कथन सही अछि?

(A) 'पुरातात्त्विक स्रोत' कैँ गीत, कथा, कहावत आ स्मृतिद्वारा बचल सूचना सँ जोड़ल जाइत अछि।

(B) 'पुरातात्त्विक स्रोत' कैँ स्वीकृत श्रेष्ठ ग्रन्थ आ लेखकक सूची सँ जोड़ल जाइत अछि।

(C) 'पुरातात्त्विक स्रोत' कैँ मिट्टी, मूर्ति, मुद्रा, स्थल आ अवशेष सँ जोड़ल जाइत अछि।

(D) 'पुरातात्त्विक स्रोत' कैँ राजा, दरबार, विजयोक्ति आ प्रशस्ति पर केन्द्रित इतिहास सँ जोड़ल जाइत अछि।

९४५. जँ विद्यार्थी 'पुरातात्त्विक स्रोत'क नोट बनबैत अछि, तखन मुख्य निष्कर्ष कोन राखय?

(A) विद्यार्थी 'पुरातात्त्विक स्रोत' पढ़ैत समय मिट्टी, मूर्ति, मुद्रा, स्थल आ अवशेष पर ध्यान देत।

(B) विद्यार्थी 'पुरातात्त्विक स्रोत' पढ़ैत समय राजा, पण्डित, लोक, स्त्री, दलित, किसान आ प्रवासी सभक साझा पाठ कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(C) विद्यार्थी 'पुरातात्त्विक स्रोत' पढ़ैत समय एकहि घटना कैँ दोसर समुदाय वा लिंगक दृष्टिसँ पढ़ब कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(D) विद्यार्थी 'पुरातात्त्विक स्रोत' पढ़ैत समय हाशियाक समुदायक वीर, पीड़ा, श्रम आ संस्कृति कैँ केन्द्रमे आननाइ कैँ मुख्य तथ्य मानत।

९४६. मिथिलाक इतिहासमे 'स्रोत-समालोचना' कैँ मुख्यतः कोन बातसँ जोड़ल जाइत अछि?

(A) हाशियाक समुदायक वीर, पीड़ा, श्रम आ संस्कृति कैँ केन्द्रमे आननाइ

(B) जाति, वर्ग, लिंग वा सत्ता कारण तथ्यक टेढ़ प्रस्तुति

(C) एकहि घटना कैँ दोसर समुदाय वा लिंगक दृष्टिसँ पढ़ब

(D) स्रोतक समय, लेखक, उद्देश्य आ सीमा जाँचब

९४७. नीचाँ देल जोड़ीमे 'स्रोत-समालोचना' सम्बन्धी सही जोड़ी कोन अछि?

(A) स्रोत-समालोचना — राजा, दरबार, विजयोक्ति आ प्रशस्ति पर केन्द्रित इतिहास

(B) स्रोत-समालोचना — नारी अनुभव, श्रम, गीत आ प्रतिरोध कैँ पढ़नाइ

(C) स्रोत-समालोचना — स्रोतक समय, लेखक, उद्देश्य आ सीमा जाँचब

(D) स्रोत-समालोचना — मुहावरा, कहावत, लोकगीत आ पुरान शब्दमे बचल इतिहास

९४८. विदेह समानान्तर इतिहासक दृष्टिसँ 'स्रोत-समालोचना' पर ध्यान देबाक कारण की अछि?

(A) कारण ई एकहि घटना कैँ दोसर समुदाय वा लिंगक दृष्टिसँ पढ़ब कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(B) कारण ई गीत, कथा, रीति, स्मृति आ श्रमक अनुभवक इतिहास कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(C) कारण ई स्रोतक समय, लेखक, उद्देश्य आ सीमा जाँचब कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि।

(D) कारण ई जाति, वर्ग, लिंग वा सत्ता कारण तथ्यक टेढ़ प्रस्तुति कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

९४९. 'स्रोत-समालोचना' विषयमे कोन कथन सही अछि?

(A) 'स्रोत-समालोचना' कैँ गाम, नदी, पोखरि, मन्दिर, स्थल आ रास्ताक याद सँ जोड़ल जाइत अछि।

(B) 'स्रोत-समालोचना' कैँ मुख्यधारा इतिहासक बगलमे उपेक्षित स्रोत आ स्वरक अध्ययन सँ जोड़ल जाइत अछि।

(C) 'स्रोत-समालोचना' कैँ हाशियाक समुदायक वीर, पीड़ा, श्रम आ संस्कृति कैँ केन्द्रमे आननाइ सँ जोड़ल जाइत अछि।

(D) 'स्रोत-समालोचना' कैँ स्रोतक समय, लेखक, उद्देश्य आ सीमा जाँचब सँ जोड़ल जाइत अछि।

९५०. जँ विद्यार्थी 'स्रोत-समालोचना'क नोट बनबैत अछि, तखन मुख्य निष्कर्ष कोन राखय?

(A) विद्यार्थी 'स्रोत-समालोचना' पढ़ैत समय नारी अनुभव, श्रम, गीत आ प्रतिरोध कैँ पढ़नाइ कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(B) विद्यार्थी 'स्रोत-समालोचना' पढ़ैत समय स्रोतक समय, लेखक, उद्देश्य आ सीमा जाँचब पर ध्यान देत।

(C) विद्यार्थी 'स्रोत-समालोचना' पढ़ैत समय मुख्यधारा इतिहासक बगलमे उपेक्षित स्रोत आ स्वरक अध्ययन कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(D) विद्यार्थी 'स्रोत-समालोचना' पढ़ैत समय गाम, नदी, पोखरि, मन्दिर, स्थल आ रास्ताक याद कैँ मुख्य तथ्य मानत।

९५१. मिथिलाक इतिहासमे 'पक्षपात' कैँ मुख्यतः कोन बातसँ जोड़ल जाइत अछि?

(A) स्रोतक समय, लेखक, उद्देश्य आ सीमा जाँचब

(B) जाति, वर्ग, लिंग वा सत्ता कारण तथ्यक टेढ़ प्रस्तुति

(C) स्वीकृत श्रेष्ठ ग्रन्थ आ लेखकक सूची

(D) ग्रन्थ, पाण्डुलिपि, पत्र, अभिलेख आ दस्तावेज

९५२. नीचाँ देल जोड़ीमे 'पक्षपात' सम्बन्धी सही जोड़ी कोन अछि?

(A) पक्षपात — जाति, वर्ग, लिंग वा सत्ता कारण तथ्यक टेढ़ प्रस्तुति

(B) पक्षपात — गीत, कथा, कहावत आ स्मृतिद्वारा बचल सूचना

(C) पक्षपात — राजा, पण्डित, लोक, स्त्री, दलित, किसान आ प्रवासी सभक साझा पाठ

(D) पक्षपात — मिट्टी, मूर्ति, मुद्रा, स्थल आ अवशेष

९५३. विदेह समानान्तर इतिहासक दृष्टिसँ 'पक्षपात' पर ध्यान देबाक कारण की अछि?

(A) कारण ई जाति, वर्ग, लिंग वा सत्ता कारण तथ्यक टेढ़ प्रस्तुति कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि।

(B) कारण ई पुरस्कार, समिति, विश्वविद्यालय आ अकादेमीक शक्ति-संरचना कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(C) कारण ई गाम, नदी, पोखरि, मन्दिर, स्थल आ रास्ताक याद कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(D) कारण ई गीत, कथा, रीति, स्मृति आ श्रमक अनुभवक इतिहास कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

९५४. 'पक्षपात' विषयमे कोन कथन सही अछि?

(A) 'पक्षपात' कैँ मुख्यधारा इतिहासक बगलमे उपेक्षित स्रोत आ स्वरक अध्ययन सँ जोड़ल जाइत अछि।

(B) 'पक्षपात' कैँ जाति, वर्ग, लिंग वा सत्ता कारण तथ्यक टेढ़ प्रस्तुति सँ जोड़ल जाइत अछि।

(C) 'पक्षपात' कैँ रूढ़ि, अन्याय आ चुप्पी विरुद्ध सांस्कृतिक स्वर सँ जोड़ल जाइत अछि।

(D) 'पक्षपात' कैँ मिट्टी, मूर्ति, मुद्रा, स्थल आ अवशेष सँ जोड़ल जाइत अछि।

९५५. जँ विद्यार्थी 'पक्षपात'क नोट बनबैत अछि, तखन मुख्य निष्कर्ष कोन राखय?

(A) विद्यार्थी 'पक्षपात' पढ़ैत समय राजा, पण्डित, लोक, स्त्री, दलित, किसान आ प्रवासी सभक साझा पाठ कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(B) विद्यार्थी 'पक्षपात' पढ़ैत समय जाति, वर्ग, लिंग वा सत्ता कारण तथ्यक टेढ़ प्रस्तुति पर ध्यान देत।

(C) विद्यार्थी 'पक्षपात' पढ़ैत समय गीत, कथा, कहावत आ स्मृतिद्वारा बचल सूचना कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(D) विद्यार्थी 'पक्षपात' पढ़ैत समय गीत, कथा, रीति, स्मृति आ श्रमक अनुभवक इतिहास कैँ मुख्य तथ्य मानत।

९५६. मिथिलाक इतिहासमे 'संस्थान' कैँ मुख्यतः कोन बातसँ जोड़ल जाइत अछि?

(A) स्रोतक समय, लेखक, उद्देश्य आ सीमा जाँचब

(B) मुख्यधारा इतिहासक बगलमे उपेक्षित स्रोत आ स्वरक अध्ययन

(C) राजा, पण्डित, लोक, स्त्री, दलित, किसान आ प्रवासी सभक साझा पाठ

(D) पुरस्कार, समिति, विश्वविद्यालय आ अकादेमीक शक्ति-संरचना

९५७. नीचाँ देल जोड़ीमे 'संस्थान' सम्बन्धी सही जोड़ी कोन अछि?

(A) संस्थान — गीत, कथा, कहावत आ स्मृतिद्वारा बचल सूचना

(B) संस्थान — हाशियाक समुदायक वीर, पीड़ा, श्रम आ संस्कृति कैँ केन्द्रमे आननाइ

(C) संस्थान — राजा, दरबार, विजयोक्ति आ प्रशस्ति पर केन्द्रित इतिहास

(D) संस्थान — पुरस्कार, समिति, विश्वविद्यालय आ अकादेमीक शक्ति-संरचना

९५८. विदेह समानान्तर इतिहासक दृष्टिसँ 'संस्थान' पर ध्यान देबाक कारण की अछि?

(A) कारण ई गीत, कथा, रीति, स्मृति आ श्रमक अनुभवक इतिहास कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(B) कारण ई पुरस्कार, समिति, विश्वविद्यालय आ अकादेमीक शक्ति-संरचना कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि।

(C) कारण ई नारी अनुभव, श्रम, गीत आ प्रतिरोध कैँ पढ़नाइ कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(D) कारण ई मुख्यधारा इतिहासक बगलमे उपेक्षित स्रोत आ स्वरक अध्ययन कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

९५९. 'संस्थान' विषयमे कोन कथन सही अछि?

(A) 'संस्थान' कैँ ग्रन्थ, लोकगीत, अभिलेख, स्थल आ जीवित स्मृति कैँ संग पढ़ब सँ जोड़ल जाइत अछि।

(B) 'संस्थान' कैँ पुरस्कार, समिति, विश्वविद्यालय आ अकादेमीक शक्ति-संरचना सँ जोड़ल जाइत अछि।

(C) 'संस्थान' कैँ रूढ़ि, अन्याय आ चुप्पी विरुद्ध सांस्कृतिक स्वर सँ जोड़ल जाइत अछि।

(D) 'संस्थान' कैँ एकहि घटना कैँ दोसर समुदाय वा लिंगक दृष्टिसँ पढ़ब सँ जोड़ल जाइत अछि।

९६०. जँ विद्यार्थी 'संस्थान'क नोट बनबैत अछि, तखन मुख्य निष्कर्ष कोन राखय?

(A) विद्यार्थी 'संस्थान' पढ़ैत समय गीत, कथा, रीति, स्मृति आ श्रमक अनुभवक इतिहास कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(B) विद्यार्थी 'संस्थान' पढ़ैत समय गाम, नदी, पोखरि, मन्दिर, स्थल आ रास्ताक याद कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(C) विद्यार्थी 'संस्थान' पढ़ैत समय राजा, पण्डित, लोक, स्त्री, दलित, किसान आ प्रवासी सभक साझा पाठ कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(D) विद्यार्थी 'संस्थान' पढ़ैत समय पुरस्कार, समिति, विश्वविद्यालय आ अकादेमीक शक्ति-संरचना पर ध्यान देत।

९६१. मिथिलाक इतिहासमे ‘कैनन’ कैँ मुख्यतः कोन बातसँ जोड़ल जाइत अछि?

(A) रूढ़ि, अन्याय आ चुप्पी विरुद्ध सांस्कृतिक स्वर

(B) गाम, नदी, पोखरि, मन्दिर, स्थल आ रास्ताक याद

(C) स्वीकृत श्रेष्ठ ग्रन्थ आ लेखकक सूची

(D) हाशियाक समुदायक वीर, पीड़ा, श्रम आ संस्कृति कैँ केन्द्रमे आननाइ

९६२. नीचाँ देल जोड़ीमे ‘कैनन’ सम्बन्धी सही जोड़ी कोन अछि?

(A) कैनन — मिट्टी, मूर्ति, मुद्रा, स्थल आ अवशेष

(B) कैनन — स्वीकृत श्रेष्ठ ग्रन्थ आ लेखकक सूची

(C) कैनन — ग्रन्थ, पाण्डुलिपि, पत्र, अभिलेख आ दस्तावेज

(D) कैनन — ग्रन्थ, लोकगीत, अभिलेख, स्थल आ जीवित स्मृति कैँ संग पढ़ब

९६३. विदेह समानान्तर इतिहासक दृष्टिसँ ‘कैनन’ पर ध्यान देबाक कारण की अछि?

(A) कारण ई जकरा संस्थान वा आलोचना कम ध्यान देलक कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(B) कारण ई हाशियाक समुदायक वीर, पीड़ा, श्रम आ संस्कृति कैँ केन्द्रमे आननाइ कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(C) कारण ई स्वीकृत श्रेष्ठ ग्रन्थ आ लेखकक सूची कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि।

(D) कारण ई ग्रन्थ, पाण्डुलिपि, पत्र, अभिलेख आ दस्तावेज कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

९६४. ‘कैनन’ विषयमे कोन कथन सही अछि?

(A) ‘कैनन’ कैँ हाशियाक समुदायक वीर, पीड़ा, श्रम आ संस्कृति कैँ केन्द्रमे आननाइ सँ जोड़ल जाइत अछि।

(B) ‘कैनन’ कैँ नारी अनुभव, श्रम, गीत आ प्रतिरोध कैँ पढ़नाइ सँ जोड़ल जाइत अछि।

(C) ‘कैनन’ कैँ पुरस्कार, समिति, विश्वविद्यालय आ अकादेमीक शक्ति-संरचना सँ जोड़ल जाइत अछि।

(D) ‘कैनन’ कैँ स्वीकृत श्रेष्ठ ग्रन्थ आ लेखकक सूची सँ जोड़ल जाइत अछि।

९६५. जँ विद्यार्थी ‘कैनन’क नोट बनबैत अछि, तखन मुख्य निष्कर्ष कोन राखय?

(A) विद्यार्थी ‘कैनन’ पढ़ैत समय गाम, नदी, पोखरि, मन्दिर, स्थल आ रास्ताक याद कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(B) विद्यार्थी ‘कैनन’ पढ़ैत समय ग्रन्थ, लोकगीत, अभिलेख, स्थल आ जीवित स्मृति कैँ संग पढ़ब कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(C) विद्यार्थी ‘कैनन’ पढ़ैत समय मुहावरा, कहावत, लोकगीत आ पुरान शब्दमे बचल इतिहास कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(D) विद्यार्थी ‘कैनन’ पढ़ैत समय स्वीकृत श्रेष्ठ ग्रन्थ आ लेखकक सूची पर ध्यान देत।

९६६. मिथिलाक इतिहासमे ‘प्रतिरोध’ कैँ मुख्यतः कोन बातसँ जोड़ल जाइत अछि?

(A) नारी अनुभव, श्रम, गीत आ प्रतिरोध कैँ पढ़नाइ

(B) रूढ़ि, अन्याय आ चुप्पी विरुद्ध सांस्कृतिक स्वर

(C) जकरा संस्थान वा आलोचना कम ध्यान देलक

(D) ग्रन्थ, पाण्डुलिपि, पत्र, अभिलेख आ दस्तावेज

९६७. नीचाँ देल जोड़ीमे ‘प्रतिरोध’ सम्बन्धी सही जोड़ी कोन अछि?

(A) प्रतिरोध — रूढ़ि, अन्याय आ चुप्पी विरुद्ध सांस्कृतिक स्वर

(B) प्रतिरोध — गीत, कथा, कहावत आ स्मृतिद्वारा बचल सूचना

(C) प्रतिरोध — जाति, वर्ग, लिंग वा सत्ता कारण तथ्यक टेढ़ प्रस्तुति

(D) प्रतिरोध — गीत, कथा, रीति, स्मृति आ श्रमक अनुभवक इतिहास

९६८. विदेह समानान्तर इतिहासक दृष्टिसँ ‘प्रतिरोध’ पर ध्यान देबाक कारण की अछि?

(A) कारण ई स्रोतक समय, लेखक, उद्देश्य आ सीमा जाँचब कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(B) कारण ई गीत, कथा, कहावत आ स्मृतिद्वारा बचल सूचना कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(C) कारण ई जकरा संस्थान वा आलोचना कम ध्यान देलक कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(D) कारण ई रूढ़ि, अन्याय आ चुप्पी विरुद्ध सांस्कृतिक स्वर कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि।

९६९. ‘प्रतिरोध’ विषयमे कोन कथन सही अछि?

(A) ‘प्रतिरोध’ कैँ जकरा संस्थान वा आलोचना कम ध्यान देलक सँ जोड़ल जाइत अछि।

(B) ‘प्रतिरोध’ कैँ हाशियाक समुदायक वीर, पीड़ा, श्रम आ संस्कृति कैँ केन्द्रमे आननाइ सँ जोड़ल जाइत अछि।

(C) ‘प्रतिरोध’ कैँ रूढ़ि, अन्याय आ चुप्पी विरुद्ध सांस्कृतिक स्वर सँ जोड़ल जाइत अछि।

(D) ‘प्रतिरोध’ कैँ मुख्यधारा इतिहासक बगलमे उपेक्षित स्रोत आ स्वरक अध्ययन सँ जोड़ल जाइत अछि।

९७०. जँ विद्यार्थी ‘प्रतिरोध’क नोट बनबैत अछि, तखन मुख्य निष्कर्ष कोन राखय?

(A) विद्यार्थी ‘प्रतिरोध’ पढ़ैत समय गीत, कथा, कहावत आ स्मृतिद्वारा बचल सूचना कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(B) विद्यार्थी ‘प्रतिरोध’ पढ़ैत समय ग्रन्थ, लोकगीत, अभिलेख, स्थल आ जीवित स्मृति कैँ संग पढ़ब कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(C) विद्यार्थी ‘प्रतिरोध’ पढ़ैत समय पुरस्कार, समिति, विश्वविद्यालय आ अकादेमीक शक्ति-संरचना कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(D) विद्यार्थी ‘प्रतिरोध’ पढ़ैत समय रूढ़ि, अन्याय आ चुप्पी विरुद्ध सांस्कृतिक स्वर पर ध्यान देत।

९७१. मिथिलाक इतिहासमे ‘सांस्कृतिक स्मृति’ कैँ मुख्यतः कोन बातसँ जोड़ल जाइत अछि?

(A) हाशियाक समुदायक वीर, पीड़ा, श्रम आ संस्कृति कैँ केन्द्रमे आननाइ

(B) पुरस्कार, समिति, विश्वविद्यालय आ अकादेमीक शक्ति-संरचना

(C) समाज जे कथा, गीत आ प्रतीक सँ अपन अतीत याद रखैत अछि

(D) राजा, दरबार, विजयोक्ति आ प्रशस्ति पर केन्द्रित इतिहास

९७२. नीचाँ देल जोड़ीमे ‘सांस्कृतिक स्मृति’ सम्बन्धी सही जोड़ी कोन अछि?

(A) सांस्कृतिक स्मृति — पुरस्कार, समिति, विश्वविद्यालय आ अकादेमीक शक्ति-संरचना

(B) सांस्कृतिक स्मृति — एकहि घटना कैँ दोसर समुदाय वा लिंगक दृष्टिसँ पढ़ब

(C) सांस्कृतिक स्मृति — समाज जे कथा, गीत आ प्रतीक सँ अपन अतीत याद रखैत अछि

(D) सांस्कृतिक स्मृति — गाम, नदी, पोखरि, मन्दिर, स्थल आ रास्ताक याद

९७३. विदेह समानान्तर इतिहासक दृष्टिसँ ‘सांस्कृतिक स्मृति’ पर ध्यान देबाक कारण की अछि?

(A) कारण ई मिट्टी, मूर्ति, मुद्रा, स्थल आ अवशेष कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(B) कारण ई राजा, पण्डित, लोक, स्त्री, दलित, किसान आ प्रवासी सभक साझा पाठ कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(C) कारण ई समाज जे कथा, गीत आ प्रतीक सँ अपन अतीत याद रखैत अछि कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि।

(D) कारण ई रूढ़ि, अन्याय आ चुप्पी विरुद्ध सांस्कृतिक स्वर कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

९७४. ‘सांस्कृतिक स्मृति’ विषयमे कोन कथन सही अछि?

(A) ‘सांस्कृतिक स्मृति’ कैँ समाज जे कथा, गीत आ प्रतीक सँ अपन अतीत याद रखैत अछि सँ जोड़ल जाइत अछि।

(B) ‘सांस्कृतिक स्मृति’ कैँ मिट्टी, मूर्ति, मुद्रा, स्थल आ अवशेष सँ जोड़ल जाइत अछि।

(C) ‘सांस्कृतिक स्मृति’ कैँ गीत, कथा, कहावत आ स्मृतिद्वारा बचल सूचना सँ जोड़ल जाइत अछि।

(D) ‘सांस्कृतिक स्मृति’ कैँ जकरा संस्थान वा आलोचना कम ध्यान देलक सँ जोड़ल जाइत अछि।

९७५. जँ विद्यार्थी ‘सांस्कृतिक स्मृति’क नोट बनबैत अछि, तखन मुख्य निष्कर्ष कोन राखय?

(A) विद्यार्थी ‘सांस्कृतिक स्मृति’ पढ़ैत समय रूढ़ि, अन्याय आ चुप्पी विरुद्ध सांस्कृतिक स्वर कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(B) विद्यार्थी ‘सांस्कृतिक स्मृति’ पढ़ैत समय पुरस्कार, समिति, विश्वविद्यालय आ अकादेमीक शक्ति-संरचना कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(C) विद्यार्थी ‘सांस्कृतिक स्मृति’ पढ़ैत समय समाज जे कथा, गीत आ प्रतीक सँ अपन अतीत याद रखैत अछि पर ध्यान देत।

(D) विद्यार्थी ‘सांस्कृतिक स्मृति’ पढ़ैत समय गीत, कथा, रीति, स्मृति आ श्रमक अनुभवक इतिहास कैँ मुख्य तथ्य मानत।

९७६. मिथिलाक इतिहासमे ‘भू-स्मृति’ कैँ मुख्यतः कोन बातसँ जोड़ल जाइत अछि?

(A) मुख्यधारा इतिहासक बगलमे उपेक्षित स्रोत आ स्वरक अध्ययन

(B) जाति, वर्ग, लिंग वा सत्ता कारण तथ्यक टेढ़ प्रस्तुति

(C) गाम, नदी, पोखरि, मन्दिर, स्थल आ रास्ताक याद

(D) स्रोतक समय, लेखक, उद्देश्य आ सीमा जाँचब

९७७. नीचाँ देल जोड़ीमे 'भू-स्मृति' सम्बन्धी सही जोड़ी कोन अछि?

(A) भू-स्मृति — राजा, दरबार, विजयोक्ति आ प्रशस्ति पर केन्द्रित इतिहास

(B) भू-स्मृति — गाम, नदी, पोखरि, मन्दिर, स्थल आ रास्ताक याद

(C) भू-स्मृति — जाति, वर्ग, लिंग वा सत्ता कारण तथ्यक टेढ़ प्रस्तुति

(D) भू-स्मृति — जकरा संस्थान वा आलोचना कम ध्यान देलक

९७८. विदेह समानान्तर इतिहासक दृष्टिसँ 'भू-स्मृति' पर ध्यान देबाक कारण की अछि?

(A) कारण ई गाम, नदी, पोखरि, मन्दिर, स्थल आ रास्ताक याद कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि।

(B) कारण ई स्वीकृत श्रेष्ठ ग्रन्थ आ लेखकक सूची कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(C) कारण ई ग्रन्थ, लोकगीत, अभिलेख, स्थल आ जीवित स्मृति कैँ संग पढ़ब कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(D) कारण ई स्रोतक समय, लेखक, उद्देश्य आ सीमा जाँचब कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

९७९. 'भू-स्मृति' विषयमे कोन कथन सही अछि?

(A) 'भू-स्मृति' कैँ जकरा संस्थान वा आलोचना कम ध्यान देलक सँ जोड़ल जाइत अछि।

(B) 'भू-स्मृति' कैँ मिट्टी, मूर्ति, मुद्रा, स्थल आ अवशेष सँ जोड़ल जाइत अछि।

(C) 'भू-स्मृति' कैँ गाम, नदी, पोखरि, मन्दिर, स्थल आ रास्ताक याद सँ जोड़ल जाइत अछि।

(D) 'भू-स्मृति' कैँ समाज जे कथा, गीत आ प्रतीक सँ अपन अतीत याद रखैत अछि सँ जोड़ल जाइत अछि।

९८०. जँ विद्यार्थी 'भू-स्मृति'क नोट बनबैत अछि, तखन मुख्य निष्कर्ष कोन राखय?

(A) विद्यार्थी 'भू-स्मृति' पढ़ैत समय स्वीकृत श्रेष्ठ ग्रन्थ आ लेखकक सूची कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(B) विद्यार्थी 'भू-स्मृति' पढ़ैत समय गाम, नदी, पोखरि, मन्दिर, स्थल आ रास्ताक याद पर ध्यान देत।

(C) विद्यार्थी 'भू-स्मृति' पढ़ैत समय पुरस्कार, समिति, विश्वविद्यालय आ अकादेमीक शक्ति-संरचना कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(D) विद्यार्थी 'भू-स्मृति' पढ़ैत समय एकहि घटना कैँ दोसर समुदाय वा लिंगक दृष्टिसँ पढ़ब कैँ मुख्य तथ्य मानत।

९८१. मिथिलाक इतिहासमे 'भाषिक स्मृति' कैँ मुख्यतः कोन बातसँ जोड़ल जाइत अछि?

(A) पुरस्कार, समिति, विश्वविद्यालय आ अकादेमीक शक्ति-संरचना

(B) जाति, वर्ग, लिंग वा सत्ता कारण तथ्यक टेढ़ प्रस्तुति

(C) मुहावरा, कहावत, लोकगीत आ पुरान शब्दमे बचल इतिहास

(D) समाज जे कथा, गीत आ प्रतीक सँ अपन अतीत याद रखैत अछि

९८२. नीचाँ देल जोड़ीमे 'भाषिक स्मृति' सम्बन्धी सही जोड़ी कोन अछि?

(A) भाषिक स्मृति — राजा, दरबार, विजयोक्ति आ प्रशस्ति पर केन्द्रित इतिहास

(B) भाषिक स्मृति — मिट्टी, मूर्ति, मुद्रा, स्थल आ अवशेष

(C) भाषिक स्मृति — मुहावरा, कहावत, लोकगीत आ पुरान शब्दमे बचल इतिहास

(D) भाषिक स्मृति — जाति, वर्ग, लिंग वा सत्ता कारण तथ्यक टेढ़ प्रस्तुति

९८३. विदेह समानान्तर इतिहासक दृष्टिसँ 'भाषिक स्मृति' पर ध्यान देबाक कारण की अछि?

(A) कारण ई गीत, कथा, रीति, स्मृति आ श्रमक अनुभवक इतिहास कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(B) कारण ई मुख्यधारा इतिहासक बगलमे उपेक्षित स्रोत आ स्वरक अध्ययन कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(C) कारण ई समाज जे कथा, गीत आ प्रतीक सँ अपन अतीत याद रखैत अछि कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(D) कारण ई मुहावरा, कहावत, लोकगीत आ पुरान शब्दमे बचल इतिहास कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि।

९८४. 'भाषिक स्मृति' विषयमे कोन कथन सही अछि?

(A) 'भाषिक स्मृति' कैँ मुहावरा, कहावत, लोकगीत आ पुरान शब्दमे बचल इतिहास सँ जोड़ल जाइत अछि।

(B) 'भाषिक स्मृति' कैँ रूढ़ि, अन्याय आ चुप्पी विरुद्ध सांस्कृतिक स्वर सँ जोड़ल जाइत अछि।

(C) 'भाषिक स्मृति' कैँ ग्रन्थ, पाण्डुलिपि, पत्र, अभिलेख आ दस्तावेज सँ जोड़ल जाइत अछि।

(D) 'भाषिक स्मृति' कैँ गीत, कथा, कहावत आ स्मृतिद्वारा बचल सूचना सँ जोड़ल जाइत अछि।

९८५. जँ विद्यार्थी 'भाषिक स्मृति'क नोट बनबैत अछि, तखन मुख्य निष्कर्ष कोन राखय?

(A) विद्यार्थी 'भाषिक स्मृति' पढ़ैत समय हाशियाक समुदायक वीर, पीड़ा, श्रम आ संस्कृति कैँ केन्द्रमे आननाइ कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(B) विद्यार्थी 'भाषिक स्मृति' पढ़ैत समय स्रोतक समय, लेखक, उद्देश्य आ सीमा जाँचब कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(C) विद्यार्थी 'भाषिक स्मृति' पढ़ैत समय मुहावरा, कहावत, लोकगीत आ पुरान शब्दमे बचल इतिहास पर ध्यान देत।

(D) विद्यार्थी 'भाषिक स्मृति' पढ़ैत समय नारी अनुभव, श्रम, गीत आ प्रतिरोध कैँ पढ़नाइ कैँ मुख्य तथ्य मानत।

९८६. मिथिलाक इतिहासमे 'वैकल्पिक पाठ' कैँ मुख्यतः कोन बातसँ जोड़ल जाइत अछि?

(A) एकहि घटना कैँ दोसर समुदाय वा लिंगक दृष्टिसँ पढ़ब

(B) गीत, कथा, रीति, स्मृति आ श्रमक अनुभवक इतिहास

(C) ग्रन्थ, लोकगीत, अभिलेख, स्थल आ जीवित स्मृति कैँ संग पढ़ब

(D) जाति, वर्ग, लिंग वा सत्ता कारण तथ्यक टेढ़ प्रस्तुति

९८७. नीचाँ देल जोड़ीमे 'वैकल्पिक पाठ' सम्बन्धी सही जोड़ी कोन अछि?

(A) वैकल्पिक पाठ — गाम, नदी, पोखरि, मन्दिर, स्थल आ रास्ताक याद

(B) वैकल्पिक पाठ — एकहि घटना कैँ दोसर समुदाय वा लिंगक दृष्टिसँ पढ़ब

(C) वैकल्पिक पाठ — रूढ़ि, अन्याय आ चुप्पी विरुद्ध सांस्कृतिक स्वर

(D) वैकल्पिक पाठ — जकरा संस्थान वा आलोचना कम ध्यान देलक

९८८. विदेह समानान्तर इतिहासक दृष्टिसँ 'वैकल्पिक पाठ' पर ध्यान देबाक कारण की अछि?

(A) कारण ई मुहावरा, कहावत, लोकगीत आ पुरान शब्दमे बचल इतिहास कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(B) कारण ई हाशियाक समुदायक वीर, पीड़ा, श्रम आ संस्कृति कैँ केन्द्रमे आननाइ कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(C) कारण ई स्वीकृत श्रेष्ठ ग्रन्थ आ लेखकक सूची कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(D) कारण ई एकहि घटना कैँ दोसर समुदाय वा लिंगक दृष्टिसँ पढ़ब कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि।

९८९. 'वैकल्पिक पाठ' विषयमे कोन कथन सही अछि?

(A) 'वैकल्पिक पाठ' कैँ राजा, पण्डित, लोक, स्त्री, दलित, किसान आ प्रवासी सभक साझा पाठ सँ जोड़ल जाइत अछि।

(B) 'वैकल्पिक पाठ' कैँ एकहि घटना कैँ दोसर समुदाय वा लिंगक दृष्टिसँ पढ़ब सँ जोड़ल जाइत अछि।

(C) 'वैकल्पिक पाठ' कैँ जाति, वर्ग, लिंग वा सत्ता कारण तथ्यक टेढ़ प्रस्तुति सँ जोड़ल जाइत अछि।

(D) 'वैकल्पिक पाठ' कैँ पुरस्कार, समिति, विश्वविद्यालय आ अकादेमीक शक्ति-संरचना सँ जोड़ल जाइत अछि।

९९०. जँ विद्यार्थी 'वैकल्पिक पाठ'क नोट बनबैत अछि, तखन मुख्य निष्कर्ष कोन राखय?

(A) विद्यार्थी 'वैकल्पिक पाठ' पढ़ैत समय एकहि घटना कैँ दोसर समुदाय वा लिंगक दृष्टिसँ पढ़ब पर ध्यान देत।

(B) विद्यार्थी 'वैकल्पिक पाठ' पढ़ैत समय रूढ़ि, अन्याय आ चुप्पी विरुद्ध सांस्कृतिक स्वर कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(C) विद्यार्थी 'वैकल्पिक पाठ' पढ़ैत समय राजा, दरबार, विजयोक्ति आ प्रशस्ति पर केन्द्रित इतिहास कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(D) विद्यार्थी 'वैकल्पिक पाठ' पढ़ैत समय मुहावरा, कहावत, लोकगीत आ पुरान शब्दमे बचल इतिहास कैँ मुख्य तथ्य मानत।

९९१. मिथिलाक इतिहासमे 'बहुस्रोत पद्धति' कैँ मुख्यतः कोन बातसँ जोड़ल जाइत अछि?

(A) ग्रन्थ, लोकगीत, अभिलेख, स्थल आ जीवित स्मृति कैँ संग पढ़ब

(B) जकरा संस्थान वा आलोचना कम ध्यान देलक

(C) एकहि घटना कैँ दोसर समुदाय वा लिंगक दृष्टिसँ पढ़ब

(D) पुरस्कार, समिति, विश्वविद्यालय आ अकादेमीक शक्ति-संरचना

९९२. नीचाँ देल जोड़ीमे 'बहुस्रोत पद्धति' सम्बन्धी सही जोड़ी कोन अछि?

(A) बहुस्रोत पद्धति — ग्रन्थ, लोकगीत, अभिलेख, स्थल आ जीवित स्मृति कैँ संग पढ़ब

(B) बहुस्रोत पद्धति — समाज जे कथा, गीत आ प्रतीक सँ अपन अतीत याद रखैत अछि

(C) बहुस्रोत पद्धति — हाशियाक समुदायक वीर, पीड़ा, श्रम आ संस्कृति कैँ केन्द्रमे आननाइ

(D) बहुस्रोत पद्धति — स्वीकृत श्रेष्ठ ग्रन्थ आ लेखकक सूची

९९३. विदेह समानान्तर इतिहासक दृष्टिसँ 'बहुस्रोत पद्धति' पर ध्यान देबाक कारण की अछि?

(A) कारण ई मिट्टी, मूर्ति, मुद्रा, स्थल आ अवशेष कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(B) कारण ई राजा, पण्डित, लोक, स्त्री, दलित, किसान आ प्रवासी सभक साझा पाठ कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(C) कारण ई समाज जे कथा, गीत आ प्रतीक सँ अपन अतीत याद रखैत अछि कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(D) कारण ई ग्रन्थ, लोकगीत, अभिलेख, स्थल आ जीवित स्मृति कैँ संग पढ़ब कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि।

९९४. 'बहुस्रोत पद्धति' विषयमे कोन कथन सही अछि?

(A) 'बहुस्रोत पद्धति' कैँ समाज जे कथा, गीत आ प्रतीक सँ अपन अतीत याद रखैत अछि सँ जोड़ल जाइत अछि।

(B) 'बहुस्रोत पद्धति' कैँ जाति, वर्ग, लिंग वा सत्ता कारण तथ्यक टेढ़ प्रस्तुति सँ जोड़ल जाइत अछि।

(C) 'बहुस्रोत पद्धति' कैँ गीत, कथा, कहावत आ स्मृतिद्वारा बचल सूचना सँ जोड़ल जाइत अछि।

(D) 'बहुस्रोत पद्धति' कैँ ग्रन्थ, लोकगीत, अभिलेख, स्थल आ जीवित स्मृति कैँ संग पढ़ब सँ जोड़ल जाइत अछि।

९९५. जँ विद्यार्थी 'बहुस्रोत पद्धति'क नोट बनबैत अछि, तखन मुख्य निष्कर्ष कोन राखय?

(A) विद्यार्थी 'बहुस्रोत पद्धति' पढ़ैत समय रूढ़ि, अन्याय आ चुप्पी विरुद्ध सांस्कृतिक स्वर कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(B) विद्यार्थी 'बहुस्रोत पद्धति' पढ़ैत समय ग्रन्थ, लोकगीत, अभिलेख, स्थल आ जीवित स्मृति कैँ संग पढ़ब पर ध्यान देत।

(C) विद्यार्थी 'बहुस्रोत पद्धति' पढ़ैत समय हाशियाक समुदायक वीर, पीड़ा, श्रम आ संस्कृति कैँ केन्द्रमे आननाइ कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(D) विद्यार्थी 'बहुस्रोत पद्धति' पढ़ैत समय मिट्टी, मूर्ति, मुद्रा, स्थल आ अवशेष कैँ मुख्य तथ्य मानत।

९९६. मिथिलाक इतिहासमे 'न्यायपूर्ण इतिहास' कैँ मुख्यतः कोन बातसँ जोड़ल जाइत अछि?

(A) जाति, वर्ग, लिंग वा सत्ता कारण तथ्यक टेढ़ प्रस्तुति

(B) राजा, दरबार, विजयोक्ति आ प्रशस्ति पर केन्द्रित इतिहास

(C) स्वीकृत श्रेष्ठ ग्रन्थ आ लेखकक सूची

(D) राजा, पण्डित, लोक, स्त्री, दलित, किसान आ प्रवासी सभक साझा पाठ

९९७. नीचाँ देल जोड़ीमे 'न्यायपूर्ण इतिहास' सम्बन्धी सही जोड़ी कोन अछि?

(A) न्यायपूर्ण इतिहास — नारी अनुभव, श्रम, गीत आ प्रतिरोध कैँ पढ़नाइ

(B) न्यायपूर्ण इतिहास — राजा, पण्डित, लोक, स्त्री, दलित, किसान आ प्रवासी सभक साझा पाठ

(C) न्यायपूर्ण इतिहास — हाशियाक समुदायक वीर, पीड़ा, श्रम आ संस्कृति कैँ केन्द्रमे आननाइ

(D) न्यायपूर्ण इतिहास — रूढ़ि, अन्याय आ चुप्पी विरुद्ध सांस्कृतिक स्वर

९९८. विदेह समानान्तर इतिहासक दृष्टिसँ 'न्यायपूर्ण इतिहास' पर ध्यान देबाक कारण की अछि?

(A) कारण ई नारी अनुभव, श्रम, गीत आ प्रतिरोध कैँ पढ़नाइ कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(B) कारण ई मिट्टी, मूर्ति, मुद्रा, स्थल आ अवशेष कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(C) कारण ई मुहावरा, कहावत, लोकगीत आ पुरान शब्दमे बचल इतिहास कैँ मात्र दोहरबैत अछि।

(D) कारण ई राजा, पण्डित, लोक, स्त्री, दलित, किसान आ प्रवासी सभक साझा पाठ कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि।

९९९. 'न्यायपूर्ण इतिहास' विषयमे कोन कथन सही अछि?

(A) 'न्यायपूर्ण इतिहास' कैँ जाति, वर्ग, लिंग वा सत्ता कारण तथ्यक टेढ़ प्रस्तुति सँ जोड़ल जाइत अछि।

(B) 'न्यायपूर्ण इतिहास' कैँ राजा, पण्डित, लोक, स्त्री, दलित, किसान आ प्रवासी सभक साझा पाठ सँ जोड़ल जाइत अछि।

(C) 'न्यायपूर्ण इतिहास' कैँ ग्रन्थ, पाण्डुलिपि, पत्र, अभिलेख आ दस्तावेज सँ जोड़ल जाइत अछि।

(D) 'न्यायपूर्ण इतिहास' कैँ गीत, कथा, रीति, स्मृति आ श्रमक अनुभवक इतिहास सँ जोड़ल जाइत अछि।

१०००. जँ विद्यार्थी 'न्यायपूर्ण इतिहास'क नोट बनबैत अछि, तखन मुख्य निष्कर्ष कोन राखय?

(A) विद्यार्थी 'न्यायपूर्ण इतिहास' पढ़ैत समय मिट्टी, मूर्ति, मुद्रा, स्थल आ अवशेष कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(B) विद्यार्थी 'न्यायपूर्ण इतिहास' पढ़ैत समय गीत, कथा, कहावत आ स्मृतिद्वारा बचल सूचना कैँ मुख्य तथ्य मानत।

(C) विद्यार्थी 'न्यायपूर्ण इतिहास' पढ़ैत समय राजा, पण्डित, लोक, स्त्री, दलित, किसान आ प्रवासी सभक साझा पाठ पर ध्यान देत।

(D) विद्यार्थी 'न्यायपूर्ण इतिहास' पढ़ैत समय जाति, वर्ग, लिंग वा सत्ता कारण तथ्यक टेढ़ प्रस्तुति कैँ मुख्य तथ्य मानत।

उत्तरमाला — अध्याय १ (उत्तर ओ व्याख्या / Answers & Explanations)

१. (C) मिथिलाक प्राचीन राजकीय आ सांस्कृतिक पहचान — विदेह नामसँ मिथिलाक आरम्भिक राज्य, जनक परम्परा आ ज्ञान-संस्कृति एक संग स्मरण होइत अछि।

२. (C) विदेह — मिथिलाक प्राचीन राजकीय आ सांस्कृतिक पहचान — विदेह नामसँ मिथिलाक आरम्भिक राज्य, जनक परम्परा आ ज्ञान-संस्कृति एक संग स्मरण होइत अछि।

३. (C) कारण ई मिथिलाक प्राचीन राजकीय आ सांस्कृतिक पहचान कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि। — विदेह नामसँ मिथिलाक आरम्भिक राज्य, जनक परम्परा आ ज्ञान-संस्कृति एक संग स्मरण होइत अछि।

४. (A) 'विदेह' कैँ मिथिलाक प्राचीन राजकीय आ सांस्कृतिक पहचान सँ जोड़ल जाइत अछि। — विदेह नामसँ मिथिलाक आरम्भिक राज्य, जनक परम्परा आ ज्ञान-संस्कृति एक संग स्मरण होइत अछि।

५. (C) विद्यार्थी 'विदेह' पढ़ैत समय मिथिलाक प्राचीन राजकीय आ सांस्कृतिक पहचान पर ध्यान देत। — विदेह नामसँ मिथिलाक आरम्भिक राज्य, जनक परम्परा आ ज्ञान-संस्कृति एक संग स्मरण होइत अछि।

६. (D) जनकक राजधानी आ विद्या-धर्मक केन्द्र — मिथिला प्राचीन कथा, उपनिषदिक विमर्श आ लोक-संस्कारक केन्द्र रूपमे देखल जाइत अछि।

७. (A) मिथिला — जनकक राजधानी आ विद्या-धर्मक केन्द्र — मिथिला प्राचीन कथा, उपनिषदिक विमर्श आ लोक-संस्कारक केन्द्र रूपमे देखल जाइत अछि।

८. (D) कारण ई जनकक राजधानी आ विद्या-धर्मक केन्द्र कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि। — मिथिला प्राचीन कथा, उपनिषदिक विमर्श आ लोक-संस्कारक केन्द्र रूपमे देखल जाइत अछि।

९. (D) 'मिथिला' कैँ जनकक राजधानी आ विद्या-धर्मक केन्द्र सँ जोड़ल जाइत अछि। — मिथिला प्राचीन कथा, उपनिषदिक विमर्श आ लोक-संस्कारक केन्द्र रूपमे देखल जाइत अछि।

१०. (A) विद्यार्थी 'मिथिला' पढ़ैत समय जनकक राजधानी आ विद्या-धर्मक केन्द्र पर ध्यान देत। — मिथिला प्राचीन कथा, उपनिषदिक विमर्श आ लोक-संस्कारक केन्द्र रूपमे देखल जाइत अछि।

११. (D) दार्शनिक-राजा आ विद्वत् सभाक संरक्षक — जनकक छवि राजसत्ता आ ज्ञान-साधनाक संगम रूपमे बनैत अछि।

१२. (C) राजा जनक — दार्शनिक-राजा आ विद्वत् सभाक संरक्षक — जनकक छवि राजसत्ता आ ज्ञान-साधनाक संगम रूपमे बनैत अछि।

१३. (A) कारण ई दार्शनिक-राजा आ विद्वत् सभाक संरक्षक कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि। — जनकक छवि राजसत्ता आ ज्ञान-साधनाक संगम रूपमे बनैत अछि।

१४. (C) 'राजा जनक' कैँ दार्शनिक-राजा आ विद्वत् सभाक संरक्षक सँ जोड़ल जाइत अछि। — जनकक छवि राजसत्ता आ ज्ञान-साधनाक संगम रूपमे बनैत अछि।

१५. (D) विद्यार्थी 'राजा जनक' पढ़ैत समय दार्शनिक-राजा आ विद्वत् सभाक संरक्षक पर ध्यान देत। — जनकक छवि राजसत्ता आ ज्ञान-साधनाक संगम रूपमे बनैत अछि।

१६. (D) धरती-संस्कार, नारी-धैर्य आ मिथिला-गौरवक प्रतीक — सीता मिथिलाक नारी-गौरव, सहनशीलता आ भूमिसँ सम्बन्धक सबसे सशक्त स्मृति छथि।

१७. (A) सीता — धरती-संस्कार, नारी-धैर्य आ मिथिला-गौरवक प्रतीक — सीता मिथिलाक नारी-गौरव, सहनशीलता आ भूमिसँ सम्बन्धक सबसे सशक्त स्मृति छथि।

१८. (A) कारण ई धरती-संस्कार, नारी-धैर्य आ मिथिला-गौरवक प्रतीक कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि। — सीता मिथिलाक नारी-गौरव, सहनशीलता आ भूमिसँ सम्बन्धक सबसे सशक्त स्मृति छथि।

१९. (C) 'सीता' कैँ धरती-संस्कार, नारी-धैर्य आ मिथिला-गौरवक प्रतीक सँ जोड़ल जाइत अछि। — सीता मिथिलाक नारी-गौरव, सहनशीलता आ भूमिसँ सम्बन्धक सबसे सशक्त स्मृति छथि।

२०. (A) विद्यार्थी 'सीता' पढ़ैत समय धरती-संस्कार, नारी-धैर्य आ मिथिला-गौरवक प्रतीक पर ध्यान देत। — सीता मिथिलाक नारी-गौरव, सहनशीलता आ भूमिसँ सम्बन्धक सबसे सशक्त स्मृति छथि।

२१. (C) आत्मविद्या आ तर्कपूर्ण उपनिषदिक संवाद — याज्ञवल्क्यक जनकसभाक संवाद मिथिलाक दार्शनिक प्रतिष्ठा बढ़बैत अछि।

२२. (D) याज्ञवल्क्य — आत्मविद्या आ तर्कपूर्ण उपनिषदिक संवाद — याज्ञवल्क्यक जनकसभाक संवाद मिथिलाक दार्शनिक प्रतिष्ठा बढ़बैत अछि।

२३. (C) कारण ई आत्मविद्या आ तर्कपूर्ण उपनिषदिक संवाद कैं मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि। — याज्ञवल्क्यक जनकसभाक संवाद मिथिलाक दार्शनिक प्रतिष्ठा बढ़बैत अछि।

२४. (C) 'याज्ञवल्क्य' कैं आत्मविद्या आ तर्कपूर्ण उपनिषदिक संवाद सँ जोड़ल जाइत अछि। — याज्ञवल्क्यक जनकसभाक संवाद मिथिलाक दार्शनिक प्रतिष्ठा बढ़बैत अछि।

२५. (A) विद्यार्थी 'याज्ञवल्क्य' पढ़ैत समय आत्मविद्या आ तर्कपूर्ण उपनिषदिक संवाद पर ध्यान देत। — याज्ञवल्क्यक जनकसभाक संवाद मिथिलाक दार्शनिक प्रतिष्ठा बढ़बैत अछि।

२६. (B) जनकसभामे निर्भीक दार्शनिक प्रश्न उठेनिहार विदुषी — गार्गी नारी-बौद्धिक परम्पराक उज्ज्वल उदाहरण छथि।

२७. (A) गार्गी — जनकसभामे निर्भीक दार्शनिक प्रश्न उठेनिहार विदुषी — गार्गी नारी-बौद्धिक परम्पराक उज्ज्वल उदाहरण छथि।

२८. (B) कारण ई जनकसभामे निर्भीक दार्शनिक प्रश्न उठेनिहार विदुषी कैं मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि। — गार्गी नारी-बौद्धिक परम्पराक उज्ज्वल उदाहरण छथि।

२९. (D) 'गार्गी' कैं जनकसभामे निर्भीक दार्शनिक प्रश्न उठेनिहार विदुषी सँ जोड़ल जाइत अछि। — गार्गी नारी-बौद्धिक परम्पराक उज्ज्वल उदाहरण छथि।

३०. (D) विद्यार्थी 'गार्गी' पढ़ैत समय जनकसभामे निर्भीक दार्शनिक प्रश्न उठेनिहार विदुषी पर ध्यान देत। — गार्गी नारी-बौद्धिक परम्पराक उज्ज्वल उदाहरण छथि।

३१. (D) धनसँ ऊपर आत्मज्ञानक खोज — मैत्रेयी ज्ञानक मूल्य धन-संपत्ति सँ ऊपर रखयवाली उपनिषदिक चेतना छथि।

३२. (B) मैत्रेयी — धनसँ ऊपर आत्मज्ञानक खोज — मैत्रेयी ज्ञानक मूल्य धन-संपत्ति सँ ऊपर रखयवाली उपनिषदिक चेतना छथि।

३३. (B) कारण ई धनसँ ऊपर आत्मज्ञानक खोज कैं मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि। — मैत्रेयी ज्ञानक मूल्य धन-संपत्ति सँ ऊपर रखयवाली उपनिषदिक चेतना छथि।

३४. (C) 'मैत्रेयी' कैं धनसँ ऊपर आत्मज्ञानक खोज सँ जोड़ल जाइत अछि। — मैत्रेयी ज्ञानक मूल्य धन-संपत्ति सँ ऊपर रखयवाली उपनिषदिक चेतना छथि।

३५. (D) विद्यार्थी 'मैत्रेयी' पढ़ैत समय धनसँ ऊपर आत्मज्ञानक खोज पर ध्यान देत। — मैत्रेयी ज्ञानक मूल्य धन-संपत्ति सँ ऊपर रखयवाली उपनिषदिक चेतना छथि।

३६. (A) खुलल शास्त्रार्थ आ विद्वत् परीक्षणक मंच — जनकसभा प्रश्न, प्रतिप्रश्न आ तर्कद्वारा सत्य-खोजक प्रतीक अछि।

३७. (B) जनकसभा — खुलल शास्त्रार्थ आ विद्वत् परीक्षणक मंच — जनकसभा प्रश्न, प्रतिप्रश्न आ तर्कद्वारा सत्य-खोजक प्रतीक अछि।

३८. (A) कारण ई खुलल शास्त्रार्थ आ विद्वत् परीक्षणक मंच कैं मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि। — जनकसभा प्रश्न, प्रतिप्रश्न आ तर्कद्वारा सत्य-खोजक प्रतीक अछि।

३९. (A) 'जनकसभा' कैं खुलल शास्त्रार्थ आ विद्वत् परीक्षणक मंच सँ जोड़ल जाइत अछि। — जनकसभा प्रश्न, प्रतिप्रश्न आ तर्कद्वारा सत्य-खोजक प्रतीक अछि।

४०. (B) विद्यार्थी 'जनकसभा' पढ़ैत समय खुलल शास्त्रार्थ आ विद्वत् परीक्षणक मंच पर ध्यान देत। — जनकसभा प्रश्न, प्रतिप्रश्न आ तर्कद्वारा सत्य-खोजक प्रतीक अछि।

४१. (C) जनक-याज्ञवल्क्य संवादक प्रमुख स्रोत — ई उपनिषद मिथिलाक प्राचीन दार्शनिक गौरवक महत्त्वपूर्ण आधार अछि।

४२. (D) बृहदारण्यक उपनिषद — जनक-याज्ञवल्क्य संवादक प्रमुख स्रोत — ई उपनिषद मिथिलाक प्राचीन दार्शनिक गौरवक महत्त्वपूर्ण आधार अछि।

४३. (A) कारण ई जनक-याज्ञवल्क्य संवादक प्रमुख स्रोत कैं मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि। — ई उपनिषद मिथिलाक प्राचीन दार्शनिक गौरवक महत्त्वपूर्ण आधार अछि।

४४. (C) 'बृहदारण्यक उपनिषद' कैं जनक-याज्ञवल्क्य संवादक प्रमुख स्रोत सँ जोड़ल जाइत अछि। — ई उपनिषद मिथिलाक प्राचीन दार्शनिक गौरवक महत्त्वपूर्ण आधार अछि।

४५. (D) विद्यार्थी 'बृहदारण्यक उपनिषद' पढ़ैत समय जनक-याज्ञवल्क्य संवादक प्रमुख स्रोत पर ध्यान देत। — ई उपनिषद मिथिलाक प्राचीन दार्शनिक गौरवक महत्त्वपूर्ण आधार अछि।

४६. (A) प्रश्न-उत्तरद्वारा विचार-परीक्षणक पद्धति — शास्त्रार्थ मिथिलाक तर्कशील विद्या-परम्पराक प्राण अछि।

४७. (D) शास्त्रार्थ — प्रश्न-उत्तरद्वारा विचार-परीक्षणक पद्धति — शास्त्रार्थ मिथिलाक तर्कशील विद्या-परम्पराक प्राण अछि।

४८. (B) कारण ई प्रश्न-उत्तरद्वारा विचार-परीक्षणक पद्धति कैं मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि। — शास्त्रार्थ मिथिलाक तर्कशील विद्या-परम्पराक प्राण अछि।

४९. (D) 'शास्त्रार्थ' कैं प्रश्न-उत्तरद्वारा विचार-परीक्षणक पद्धति सँ जोड़ल जाइत अछि। — शास्त्रार्थ मिथिलाक तर्कशील विद्या-परम्पराक प्राण अछि।

५०. (D) विद्यार्थी 'शास्त्रार्थ' पढ़ैत समय प्रश्न-उत्तरद्वारा विचार-परीक्षणक पद्धति पर ध्यान देत। — शास्त्रार्थ मिथिलाक तर्कशील विद्या-परम्पराक प्राण अछि।

५१. (C) सीता-स्वयंवर, विवाह आ मर्यादाक सांस्कृतिक स्मृति — रामायणमे मिथिला धर्म, प्रेम आ राजकीय मर्यादासँ जुड़ैत अछि।

५२. (D) रामायणक मिथिला — सीता-स्वयंवर, विवाह आ मर्यादाक सांस्कृतिक स्मृति — रामायणमे मिथिला धर्म, प्रेम आ राजकीय मर्यादासँ जुड़ैत अछि।

५३. (B) कारण ई सीता-स्वयंवर, विवाह आ मर्यादाक सांस्कृतिक स्मृति कैं मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि। — रामायणमे मिथिला धर्म, प्रेम आ राजकीय मर्यादासँ जुड़ैत अछि।

५४. (C) 'रामायणक मिथिला' कैं सीता-स्वयंवर, विवाह आ मर्यादाक सांस्कृतिक स्मृति सँ जोड़ल जाइत अछि। — रामायणमे मिथिला धर्म, प्रेम आ राजकीय मर्यादासँ जुड़ैत अछि।

५५. (D) विद्यार्थी 'रामायणक मिथिला' पढ़ैत समय सीता-स्वयंवर, विवाह आ मर्यादाक सांस्कृतिक स्मृति पर ध्यान देत। — रामायणमे मिथिला धर्म, प्रेम आ राजकीय मर्यादासँ जुड़ैत अछि।

५६. (A) सीता-जनक परम्पराक तीर्थ आ सांस्कृतिक स्थल — जनकपुर मिथिलाक सीमापार सांस्कृतिक भूगोलक प्रमुख केन्द्र अछि।

५७. (B) जनकपुर — सीता-जनक परम्पराक तीर्थ आ सांस्कृतिक स्थल — जनकपुर मिथिलाक सीमापार सांस्कृतिक भूगोलक प्रमुख केन्द्र अछि।

५८. (D) कारण ई सीता-जनक परम्पराक तीर्थ आ सांस्कृतिक स्थल कैं मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि। — जनकपुर मिथिलाक सीमापार सांस्कृतिक भूगोलक प्रमुख केन्द्र अछि।

५९. (B) 'जनकपुर' कैं सीता-जनक परम्पराक तीर्थ आ सांस्कृतिक स्थल सँ जोड़ल जाइत अछि। — जनकपुर मिथिलाक सीमापार सांस्कृतिक भूगोलक प्रमुख केन्द्र अछि।

६०. (C) विद्यार्थी 'जनकपुर' पढ़ैत समय सीता-जनक परम्पराक तीर्थ आ सांस्कृतिक स्थल पर ध्यान देत। — जनकपुर मिथिलाक सीमापार सांस्कृतिक भूगोलक प्रमुख केन्द्र अछि।

६१. (A) मिथिला क्षेत्रक ऐतिहासिक-प्रशासनिक नाम — तिरहुत शब्द मध्यकालीन आ आधुनिक दस्तावेजमे मिथिलाक पहिचान दैत अछि।

६२. (C) तिरहुत — मिथिला क्षेत्रक ऐतिहासिक-प्रशासनिक नाम — तिरहुत शब्द मध्यकालीन आ आधुनिक दस्तावेजमे मिथिलाक पहिचान दैत अछि।

६३. (D) कारण ई मिथिला क्षेत्रक ऐतिहासिक-प्रशासनिक नाम कैं मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि। — तिरहुत शब्द मध्यकालीन आ आधुनिक दस्तावेजमे मिथिलाक पहिचान दैत अछि।

६४. (C) 'तिरहुत' कैं मिथिला क्षेत्रक ऐतिहासिक-प्रशासनिक नाम सँ जोड़ल जाइत अछि। — तिरहुत शब्द मध्यकालीन आ आधुनिक दस्तावेजमे मिथिलाक पहिचान दैत अछि।

६५. (B) विद्यार्थी 'तिरहुत' पढ़ैत समय मिथिला क्षेत्रक ऐतिहासिक-प्रशासनिक नाम पर ध्यान देत। — तिरहुत शब्द मध्यकालीन आ आधुनिक दस्तावेजमे मिथिलाक पहिचान दैत अछि।

६६. (A) माटि, हल, बीज आ लोकजीवनक आधार — मिथिलाक इतिहास खेत-खरिहान, जल आ श्रमसँ अलग नहि बुझल जा सकैत अछि।

६७. (C) कृषि-संस्कार — माटि, हल, बीज आ लोकजीवनक आधार — मिथिलाक इतिहास खेत-खरिहान, जल आ श्रमसँ अलग नहि बुझल जा सकैत अछि।

६८. (D) कारण ई माटि, हल, बीज आ लोकजीवनक आधार कैं मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि। — मिथिलाक इतिहास खेत-खरिहान, जल आ श्रमसँ अलग नहि बुझल जा सकैत अछि।

६९. (B) 'कृषि-संस्कार' कैं माटि, हल, बीज आ लोकजीवनक आधार सँ जोड़ल जाइत अछि। — मिथिलाक इतिहास खेत-खरिहान, जल आ श्रमसँ अलग नहि बुझल जा सकैत अछि।

७०. (C) विद्यार्थी 'कृषि-संस्कार' पढ़ैत समय माटि, हल, बीज आ लोकजीवनक आधार पर ध्यान देत। — मिथिलाक इतिहास खेत-खरिहान, जल आ श्रमसँ अलग नहि बुझल जा सकैत अछि।

७१. (D) सीता-कथा आ उर्वरता-बोधक लोकभाव — धरती मिथिलाक मिथक, खेती आ स्त्री-संस्कार सभमे केन्द्रीय अछि।

७२. (B) धरती-स्मृति — सीता-कथा आ उर्वरता-बोधक लोकभाव — धरती मिथिलाक मिथक, खेती आ स्त्री-संस्कार सभमे केन्द्रीय अछि।

७३. (D) कारण ई सीता-कथा आ उर्वरता-बोधक लोकभाव कैं मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि। — धरती मिथिलाक मिथक, खेती आ स्त्री-संस्कार सभमे केन्द्रीय अछि।

७४. (D) 'धरती-स्मृति' कैं सीता-कथा आ उर्वरता-बोधक लोकभाव सँ जोड़ल जाइत अछि। — धरती मिथिलाक मिथक, खेती आ स्त्री-संस्कार सभमे केन्द्रीय अछि।

७५. (C) विद्यार्थी 'धरती-स्मृति' पढ़ैत समय सीता-कथा आ उर्वरता-बोधक लोकभाव पर ध्यान देत। — धरती मिथिलाक मिथक, खेती आ स्त्री-संस्कार सभमे केन्द्रीय अछि।

७६. (D) देह-आसक्ति सँ ऊपर ज्ञान आ धर्मक संकेत — विदेही भाव मिथिलाक दार्शनिक वैराग्य आ राजधर्मक मेल करबैत अछि।

७७. (B) विदेही आदर्श — देह-आसक्ति सँ ऊपर ज्ञान आ धर्मक संकेत — विदेही भाव मिथिलाक दार्शनिक वैराग्य आ राजधर्मक मेल करबैत अछि।

७८. (B) कारण ई देह-आसक्ति सँ ऊपर ज्ञान आ धर्मक संकेत कैं मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि। — विदेही भाव मिथिलाक दार्शनिक वैराग्य आ राजधर्मक मेल करबैत अछि।

७९. (D) 'विदेही आदर्श' कैं देह-आसक्ति सँ ऊपर ज्ञान आ धर्मक संकेत सँ जोड़ल जाइत अछि। — विदेही भाव मिथिलाक दार्शनिक वैराग्य आ राजधर्मक मेल करबैत अछि।

८०. (D) विद्यार्थी 'विदेही आदर्श' पढ़ैत समय देह-आसक्ति सँ ऊपर ज्ञान आ धर्मक संकेत पर ध्यान देत। — विदेही भाव मिथिलाक दार्शनिक वैराग्य आ राजधर्मक मेल करबैत अछि।

८१. (C) कोहबर, गीत आ जनक-सीता स्मृतिसँ जुड़ल संस्था — विवाह मिथिलाक सामाजिक, कलात्मक आ धार्मिक परम्पराक केन्द्र अछि।

८२. (B) विवाह-संस्कार — कोहबर, गीत आ जनक-सीता स्मृतिसँ जुड़ल संस्था — विवाह मिथिलाक सामाजिक, कलात्मक आ धार्मिक परम्पराक केन्द्र अछि।

८३. (B) कारण ई कोहबर, गीत आ जनक-सीता स्मृतिसँ जुड़ल संस्था कैं मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि। — विवाह मिथिलाक सामाजिक, कलात्मक आ धार्मिक परम्पराक केन्द्र अछि।

८४. (B) 'विवाह-संस्कार' कैं कोहबर, गीत आ जनक-सीता स्मृतिसँ जुड़ल संस्था सँ जोड़ल जाइत अछि। — विवाह मिथिलाक सामाजिक, कलात्मक आ धार्मिक परम्पराक केन्द्र अछि।

८५. (D) विद्यार्थी 'विवाह-संस्कार' पढ़ैत समय कोहबर, गीत आ जनक-सीता स्मृतिसँ जुड़ल संस्था पर ध्यान देत। — विवाह मिथिलाक सामाजिक, कलात्मक आ धार्मिक परम्पराक केन्द्र अछि।

८६. (C) श्रुति, स्मृति, अनुष्ठान आ तत्त्व-विचारक अनुशासन — वैदिक शिक्षा मिथिलाक आरम्भिक विद्या-संरचनाक आधार बनल।

८७. (D) वैदिक शिक्षा — श्रुति, स्मृति, अनुष्ठान आ तत्त्व-विचारक अनुशासन — वैदिक शिक्षा मिथिलाक आरम्भिक विद्या-संरचनाक आधार बनल।

८८. (C) कारण ई श्रुति, स्मृति, अनुष्ठान आ तत्त्व-विचारक अनुशासन कैं मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि। — वैदिक शिक्षा मिथिलाक आरम्भिक विद्या-संरचनाक आधार बनल।

८९. (C) 'वैदिक शिक्षा' कैं श्रुति, स्मृति, अनुष्ठान आ तत्त्व-विचारक अनुशासन सँ जोड़ल जाइत अछि। — वैदिक शिक्षा मिथिलाक आरम्भिक विद्या-संरचनाक आधार बनल।

९०. (A) विद्यार्थी 'वैदिक शिक्षा' पढ़ैत समय श्रुति, स्मृति, अनुष्ठान आ तत्त्व-विचारक अनुशासन पर ध्यान देत। — वैदिक शिक्षा मिथिलाक आरम्भिक विद्या-संरचनाक आधार बनल।

९१. (C) लोकस्मृतिमे बचल इतिहासक मौखिक रूप — जनश्रुति समानान्तर इतिहास लेल अनिवार्य स्रोत अछि, कारण बहुत बात लिखित ग्रन्थसँ बाहर बचैत अछि।

९२. (C) जनश्रुति — लोकस्मृतिमे बचल इतिहासक मौखिक रूप — जनश्रुति समानान्तर इतिहास लेल अनिवार्य स्रोत अछि, कारण बहुत बात लिखित ग्रन्थसँ बाहर बचैत अछि।

९३. (D) कारण ई लोकस्मृतिमे बचल इतिहासक मौखिक रूप कैं मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि। — जनश्रुति समानान्तर इतिहास लेल अनिवार्य स्रोत अछि, कारण बहुत बात लिखित ग्रन्थसँ बाहर बचैत अछि।

९४. (A) 'जनश्रुति' कैं लोकस्मृतिमे बचल इतिहासक मौखिक रूप सँ जोड़ल जाइत अछि। — जनश्रुति समानान्तर इतिहास लेल अनिवार्य स्रोत अछि, कारण बहुत बात लिखित ग्रन्थसँ बाहर बचैत अछि।

९५. (B) विद्यार्थी 'जनश्रुति' पढ़ैत समय लोकस्मृतिमे बचल इतिहासक मौखिक रूप पर ध्यान देत। — जनश्रुति समानान्तर इतिहास लेल अनिवार्य स्रोत अछि, कारण बहुत बात लिखित ग्रन्थसँ बाहर बचैत अछि।

९६. (C) राजा-साधुक संग स्त्री, शिष्य आ लोकक स्मृति पढ़नाइ — ई दृष्टि प्राचीन मिथिलाकेँ केवल दरबार नहि, समाजक अनेक आवाजसँ पढ़ैत अछि।

९७. (A) समानान्तर दृष्टि — राजा-साधुक संग स्त्री, शिष्य आ लोकक स्मृति पढ़नाइ — ई दृष्टि प्राचीन मिथिलाकेँ केवल दरबार नहि, समाजक अनेक आवाजसँ पढ़ैत अछि।

९८. (C) कारण ई राजा-साधुक संग स्त्री, शिष्य आ लोकक स्मृति पढ़नाइ केँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि। — ई दृष्टि प्राचीन मिथिलाकेँ केवल दरबार नहि, समाजक अनेक आवाजसँ पढ़ैत अछि।

९९. (A) 'समानान्तर दृष्टि' केँ राजा-साधुक संग स्त्री, शिष्य आ लोकक स्मृति पढ़नाइ सँ जोड़ल जाइत अछि। — ई दृष्टि प्राचीन मिथिलाकेँ केवल दरबार नहि, समाजक अनेक आवाजसँ पढ़ैत अछि।

१००. (C) विद्यार्थी 'समानान्तर दृष्टि' पढ़ैत समय राजा-साधुक संग स्त्री, शिष्य आ लोकक स्मृति पढ़नाइ पर ध्यान देत। — ई दृष्टि प्राचीन मिथिलाकेँ केवल दरबार नहि, समाजक अनेक आवाजसँ पढ़ैत अछि।

१०१. (A) मध्यकालीन मिथिलाक राजनीतिक पुनर्गठन — कर्नाट काल मिथिलाक राजकीय इतिहासमे नूतन शक्ति-संरचना बनबैत अछि।

१०२. (C) कर्नाट वंश — मध्यकालीन मिथिलाक राजनीतिक पुनर्गठन — कर्नाट काल मिथिलाक राजकीय इतिहासमे नूतन शक्ति-संरचना बनबैत अछि।

१०३. (B) कारण ई मध्यकालीन मिथिलाक राजनीतिक पुनर्गठन केँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि। — कर्नाट काल मिथिलाक राजकीय इतिहासमे नूतन शक्ति-संरचना बनबैत अछि।

१०४. (C) 'कर्नाट वंश' केँ मध्यकालीन मिथिलाक राजनीतिक पुनर्गठन सँ जोड़ल जाइत अछि। — कर्नाट काल मिथिलाक राजकीय इतिहासमे नूतन शक्ति-संरचना बनबैत अछि।

१०५. (A) विद्यार्थी 'कर्नाट वंश' पढ़ैत समय मध्यकालीन मिथिलाक राजनीतिक पुनर्गठन पर ध्यान देत। — कर्नाट काल मिथिलाक राजकीय इतिहासमे नूतन शक्ति-संरचना बनबैत अछि।

१०६. (B) कर्नाट सत्ता सँ जुड़ल प्रमुख आरम्भिक शासक — नान्यदेवक नाम मिथिलाक मध्यकालीन राज्य-निर्माणसँ जोड़ल जाइत अछि।

१०७. (D) नान्यदेव — कर्नाट सत्ता सँ जुड़ल प्रमुख आरम्भिक शासक — नान्यदेवक नाम मिथिलाक मध्यकालीन राज्य-निर्माणसँ जोड़ल जाइत अछि।

१०८. (B) कारण ई कर्नाट सत्ता सँ जुड़ल प्रमुख आरम्भिक शासक केँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि। — नान्यदेवक नाम मिथिलाक मध्यकालीन राज्य-निर्माणसँ जोड़ल जाइत अछि।

१०९. (C) 'नान्यदेव' केँ कर्नाट सत्ता सँ जुड़ल प्रमुख आरम्भिक शासक सँ जोड़ल जाइत अछि। — नान्यदेवक नाम मिथिलाक मध्यकालीन राज्य-निर्माणसँ जोड़ल जाइत अछि।

११०. (A) विद्यार्थी 'नान्यदेव' पढ़ैत समय कर्नाट सत्ता सँ जुड़ल प्रमुख आरम्भिक शासक पर ध्यान देत। — नान्यदेवक नाम मिथिलाक मध्यकालीन राज्य-निर्माणसँ जोड़ल जाइत अछि।

१११. (C) कर्नाट शक्तिक दुर्गीय राजधानी-परम्परा — सिमरौनगढ़ मिथिला-नेपाल सीमाक्षेत्रक महत्त्वपूर्ण ऐतिहासिक स्थल रहल।

११२. (C) सिमरौनगढ़ — कर्नाट शक्तिक दुर्गीय राजधानी-परम्परा — सिमरौनगढ़ मिथिला-नेपाल सीमाक्षेत्रक महत्त्वपूर्ण ऐतिहासिक स्थल रहल।

११३. (D) कारण ई कर्नाट शक्तिक दुर्गीय राजधानी-परम्परा केँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि। — सिमरौनगढ़ मिथिला-नेपाल सीमाक्षेत्रक महत्त्वपूर्ण ऐतिहासिक स्थल रहल।

११४. (C) 'सिमरौनगढ़' केँ कर्नाट शक्तिक दुर्गीय राजधानी-परम्परा सँ जोड़ल जाइत अछि। — सिमरौनगढ़ मिथिला-नेपाल सीमाक्षेत्रक महत्त्वपूर्ण ऐतिहासिक स्थल रहल।

११५. (D) विद्यार्थी 'सिमरौनगढ़' पढ़ैत समय कर्नाट शक्तिक दुर्गीय राजधानी-परम्परा पर ध्यान देत। — सिमरौनगढ़ मिथिला-नेपाल सीमाक्षेत्रक महत्त्वपूर्ण ऐतिहासिक स्थल रहल।

११६. (C) विद्यापति-कालीन दरबारी आ साहित्यिक संरक्षण — ओइनीवार काल मैथिली काव्य आ दरबारी संस्कृति लेल विशेष स्मरणीय अछि।

११७. (D) ओइनीवार वंश — विद्यापति-कालीन दरबारी आ साहित्यिक संरक्षण — ओइनीवार काल मैथिली काव्य आ दरबारी संस्कृति लेल विशेष स्मरणीय अछि।

११८. (B) कारण ई विद्यापति-कालीन दरबारी आ साहित्यिक संरक्षण केँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि। — ओइनीवार काल मैथिली काव्य आ दरबारी संस्कृति लेल विशेष स्मरणीय अछि।

११९. (C) ‘ओइनीवार वंश’ कैं विद्यापति-कालीन दरबारी आ साहित्यिक संरक्षण सँ जोड़ल जाइत अछि। — ओइनीवार काल मैथिली काव्य आ दरबारी संस्कृति लेल विशेष स्मरणीय अछि।

१२०. (C) विद्यार्थी ‘ओइनीवार वंश’ पढ़ैत समय विद्यापति-कालीन दरबारी आ साहित्यिक संरक्षण पर ध्यान देत। — ओइनीवार काल मैथिली काव्य आ दरबारी संस्कृति लेल विशेष स्मरणीय अछि।

१२१. (B) विद्यापति-संबद्ध ओइनीवार शासक — शिवसिंहक दरबार विद्यापति-साहित्यक स्मृतिसँ जुड़ल अछि।

१२२. (A) शिवसिंह — विद्यापति-संबद्ध ओइनीवार शासक — शिवसिंहक दरबार विद्यापति-साहित्यक स्मृतिसँ जुड़ल अछि।

१२३. (A) कारण ई विद्यापति-संबद्ध ओइनीवार शासक कैं मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि। — शिवसिंहक दरबार विद्यापति-साहित्यक स्मृतिसँ जुड़ल अछि।

१२४. (A) ‘शिवसिंह’ कैं विद्यापति-संबद्ध ओइनीवार शासक सँ जोड़ल जाइत अछि। — शिवसिंहक दरबार विद्यापति-साहित्यक स्मृतिसँ जुड़ल अछि।

१२५. (A) विद्यार्थी ‘शिवसिंह’ पढ़ैत समय विद्यापति-संबद्ध ओइनीवार शासक पर ध्यान देत। — शिवसिंहक दरबार विद्यापति-साहित्यक स्मृतिसँ जुड़ल अछि।

१२६. (B) विद्यापति-परम्पराक दरबारी-सांस्कृतिक स्मृति — लखिमा देवीक नाम मिथिला दरबारक साहित्यिक लोकस्मृतिमे देखल जाइत अछि।

१२७. (B) लखिमा देवी — विद्यापति-परम्पराक दरबारी-सांस्कृतिक स्मृति — लखिमा देवीक नाम मिथिला दरबारक साहित्यिक लोकस्मृतिमे देखल जाइत अछि।

१२८. (A) कारण ई विद्यापति-परम्पराक दरबारी-सांस्कृतिक स्मृति कैं मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि। — लखिमा देवीक नाम मिथिला दरबारक साहित्यिक लोकस्मृतिमे देखल जाइत अछि।

१२९. (C) ‘लखिमा देवी’ कैं विद्यापति-परम्पराक दरबारी-सांस्कृतिक स्मृति सँ जोड़ल जाइत अछि। — लखिमा देवीक नाम मिथिला दरबारक साहित्यिक लोकस्मृतिमे देखल जाइत अछि।

१३०. (A) विद्यार्थी ‘लखिमा देवी’ पढ़ैत समय विद्यापति-परम्पराक दरबारी-सांस्कृतिक स्मृति पर ध्यान देत। — लखिमा देवीक नाम मिथिला दरबारक साहित्यिक लोकस्मृतिमे देखल जाइत अछि।

१३१. (B) मिथिला क्षेत्रक राजस्व आ शासन-संबंधी ऐतिहासिक ढाँचा — तिरहुत नामसँ क्षेत्रक प्रशासनिक इतिहासक दस्तावेजी संकेत भेटैत अछि।

१३२. (A) तिरहुत प्रशासन — मिथिला क्षेत्रक राजस्व आ शासन-संबंधी ऐतिहासिक ढाँचा — तिरहुत नामसँ क्षेत्रक प्रशासनिक इतिहासक दस्तावेजी संकेत भेटैत अछि।

१३३. (D) कारण ई मिथिला क्षेत्रक राजस्व आ शासन-संबंधी ऐतिहासिक ढाँचा कैं मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि। — तिरहुत नामसँ क्षेत्रक प्रशासनिक इतिहासक दस्तावेजी संकेत भेटैत अछि।

१३४. (D) ‘तिरहुत प्रशासन’ कैं मिथिला क्षेत्रक राजस्व आ शासन-संबंधी ऐतिहासिक ढाँचा सँ जोड़ल जाइत अछि। — तिरहुत नामसँ क्षेत्रक प्रशासनिक इतिहासक दस्तावेजी संकेत भेटैत अछि।

१३५. (B) विद्यार्थी ‘तिरहुत प्रशासन’ पढ़ैत समय मिथिला क्षेत्रक राजस्व आ शासन-संबंधी ऐतिहासिक ढाँचा पर ध्यान देत। — तिरहुत नामसँ क्षेत्रक प्रशासनिक इतिहासक दस्तावेजी संकेत भेटैत अछि।

१३६. (B) औपनिवेशिक आ आधुनिक कालक प्रमुख जमीन्दारी-राजकीय केन्द्र — दरभंगा राज शिक्षा, संगीत, संस्कृत, मैथिली आ संस्थान-संरक्षणसँ जुड़ल रहल।

१३७. (B) दरभंगा राज — औपनिवेशिक आ आधुनिक कालक प्रमुख जमीन्दारी-राजकीय केन्द्र — दरभंगा राज शिक्षा, संगीत, संस्कृत, मैथिली आ संस्थान-संरक्षणसँ जुड़ल रहल।

१३८. (B) कारण ई औपनिवेशिक आ आधुनिक कालक प्रमुख जमीन्दारी-राजकीय केन्द्र कैं मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि। — दरभंगा राज शिक्षा, संगीत, संस्कृत, मैथिली आ संस्थान-संरक्षणसँ जुड़ल रहल।

१३९. (A) ‘दरभंगा राज’ कैं औपनिवेशिक आ आधुनिक कालक प्रमुख जमीन्दारी-राजकीय केन्द्र सँ जोड़ल जाइत अछि। — दरभंगा राज शिक्षा, संगीत, संस्कृत, मैथिली आ संस्थान-संरक्षणसँ जुड़ल रहल।

१४०. (D) विद्यार्थी ‘दरभंगा राज’ पढ़ैत समय औपनिवेशिक आ आधुनिक कालक प्रमुख जमीन्दारी-राजकीय केन्द्र पर ध्यान देत। — दरभंगा राज शिक्षा, संगीत, संस्कृत, मैथिली आ संस्थान-संरक्षणसँ जुड़ल रहल।

१४१. (A) राजस्व, न्याय आ प्रशासनक स्थानीय केन्द्र — कचहरी शासन आ ग्रामजीवन बीचक प्रत्यक्ष सम्पर्क बिन्दु छल।

१४२. (B) कचहरी — राजस्व, न्याय आ प्रशासनक स्थानीय केन्द्र — कचहरी शासन आ ग्रामजीवन बीचक प्रत्यक्ष सम्पर्क बिन्दु छल।

१४३. (A) कारण ई राजस्व, न्याय आ प्रशासनक स्थानीय केन्द्र कैं मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि। — कचहरी शासन आ ग्रामजीवन बीचक प्रत्यक्ष सम्पर्क बिन्दु छल।

१४४. (B) 'कचहरी' कैं राजस्व, न्याय आ प्रशासनक स्थानीय केन्द्र सँ जोड़ल जाइत अछि। — कचहरी शासन आ ग्रामजीवन बीचक प्रत्यक्ष सम्पर्क बिन्दु छल।

१४५. (C) विद्यार्थी 'कचहरी' पढ़ैत समय राजस्व, न्याय आ प्रशासनक स्थानीय केन्द्र पर ध्यान देत। — कचहरी शासन आ ग्रामजीवन बीचक प्रत्यक्ष सम्पर्क बिन्दु छल।

१४६. (C) भूमि-अधिकार आ ग्रामीण सत्ता-संतुलनक व्यवस्था — जमीन्दारी मिथिलाक समाजमे वर्ग, भूमि आ अधिकारक प्रश्न उठबैत अछि।

१४७. (C) जमीन्दारी — भूमि-अधिकार आ ग्रामीण सत्ता-संतुलनक व्यवस्था — जमीन्दारी मिथिलाक समाजमे वर्ग, भूमि आ अधिकारक प्रश्न उठबैत अछि।

१४८. (C) कारण ई भूमि-अधिकार आ ग्रामीण सत्ता-संतुलनक व्यवस्था कैं मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि। — जमीन्दारी मिथिलाक समाजमे वर्ग, भूमि आ अधिकारक प्रश्न उठबैत अछि।

१४९. (B) 'जमीन्दारी' कैं भूमि-अधिकार आ ग्रामीण सत्ता-संतुलनक व्यवस्था सँ जोड़ल जाइत अछि। — जमीन्दारी मिथिलाक समाजमे वर्ग, भूमि आ अधिकारक प्रश्न उठबैत अछि।

१५०. (C) विद्यार्थी 'जमीन्दारी' पढ़ैत समय भूमि-अधिकार आ ग्रामीण सत्ता-संतुलनक व्यवस्था पर ध्यान देत। — जमीन्दारी मिथिलाक समाजमे वर्ग, भूमि आ अधिकारक प्रश्न उठबैत अछि।

१५१. (B) राजसत्ता, किसान आ जमीन्दारक आर्थिक सम्बन्ध — भूमि-राजस्वक इतिहास किसानक जीवन-संघर्षसँ जुड़ल अछि।

१५२. (B) भूमि-राजस्व — राजसत्ता, किसान आ जमीन्दारक आर्थिक सम्बन्ध — भूमि-राजस्वक इतिहास किसानक जीवन-संघर्षसँ जुड़ल अछि।

१५३. (C) कारण ई राजसत्ता, किसान आ जमीन्दारक आर्थिक सम्बन्ध कैं मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि। — भूमि-राजस्वक इतिहास किसानक जीवन-संघर्षसँ जुड़ल अछि।

१५४. (D) 'भूमि-राजस्व' कैं राजसत्ता, किसान आ जमीन्दारक आर्थिक सम्बन्ध सँ जोड़ल जाइत अछि। — भूमि-राजस्वक इतिहास किसानक जीवन-संघर्षसँ जुड़ल अछि।

१५५. (A) विद्यार्थी 'भूमि-राजस्व' पढ़ैत समय राजसत्ता, किसान आ जमीन्दारक आर्थिक सम्बन्ध पर ध्यान देत। — भूमि-राजस्वक इतिहास किसानक जीवन-संघर्षसँ जुड़ल अछि।

१५६. (A) वंशावली आ वैवाहिक नियमनक पारम्परिक लेखा — पञ्जी मिथिलाक सामाजिक स्मृति आ जाति-संरचनाक महत्त्वपूर्ण स्रोत अछि।

१५७. (A) पञ्जी व्यवस्था — वंशावली आ वैवाहिक नियमनक पारम्परिक लेखा — पञ्जी मिथिलाक सामाजिक स्मृति आ जाति-संरचनाक महत्त्वपूर्ण स्रोत अछि।

१५८. (A) कारण ई वंशावली आ वैवाहिक नियमनक पारम्परिक लेखा कैं मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि। — पञ्जी मिथिलाक सामाजिक स्मृति आ जाति-संरचनाक महत्त्वपूर्ण स्रोत अछि।

१५९. (D) 'पञ्जी व्यवस्था' कैं वंशावली आ वैवाहिक नियमनक पारम्परिक लेखा सँ जोड़ल जाइत अछि। — पञ्जी मिथिलाक सामाजिक स्मृति आ जाति-संरचनाक महत्त्वपूर्ण स्रोत अछि।

१६०. (B) विद्यार्थी 'पञ्जी व्यवस्था' पढ़ैत समय वंशावली आ वैवाहिक नियमनक पारम्परिक लेखा पर ध्यान देत। — पञ्जी मिथिलाक सामाजिक स्मृति आ जाति-संरचनाक महत्त्वपूर्ण स्रोत अछि।

१६१. (C) वंश-विवरण राखनिहार पारम्परिक अधिकारी — पञ्जीकारक भूमिका विवाह-संस्कार आ कुल-स्मृति दुनूमे देखाइत अछि।

१६२. (D) पञ्जीकार — वंश-विवरण राखनिहार पारम्परिक अधिकारी — पञ्जीकारक भूमिका विवाह-संस्कार आ कुल-स्मृति दुनूमे देखाइत अछि।

१६३. (B) कारण ई वंश-विवरण राखनिहार पारम्परिक अधिकारी कैं मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि। — पञ्जीकारक भूमिका विवाह-संस्कार आ कुल-स्मृति दुनूमे देखाइत अछि।

१६४. (B) 'पञ्जीकार' कैं वंश-विवरण राखनिहार पारम्परिक अधिकारी सँ जोड़ल जाइत अछि। — पञ्जीकारक भूमिका विवाह-संस्कार आ कुल-स्मृति दुनूमे देखाइत अछि।

१६५. (C) विद्यार्थी 'पञ्जीकार' पढ़ैत समय वंश-विवरण राखनिहार पारम्परिक अधिकारी पर ध्यान देत। — पञ्जीकारक भूमिका विवाह-संस्कार आ कुल-स्मृति दुनूमे देखाइत अछि।

१६६. (D) दान, भूमि-अधिकार आ राजाज्ञाक लिखित प्रमाण — ताम्रपत्र इतिहास-लेखनमे ठोस अभिलेखीय स्रोत मानल जाइत अछि।

१६७. (D) ताम्रपत्र — दान, भूमि-अधिकार आ राजाज्ञाक लिखित प्रमाण — ताम्रपत्र इतिहास-लेखनमे ठोस अभिलेखीय स्रोत मानल जाइत अछि।

१६८. (C) कारण ई दान, भूमि-अधिकार आ राजाज्ञाक लिखित प्रमाण कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि। — ताम्रपत्र इतिहास-लेखनमे ठोस अभिलेखीय स्रोत मानल जाइत अछि।

१६९. (A) 'ताम्रपत्र' कैँ दान, भूमि-अधिकार आ राजाज्ञाक लिखित प्रमाण सँ जोड़ल जाइत अछि। — ताम्रपत्र इतिहास-लेखनमे ठोस अभिलेखीय स्रोत मानल जाइत अछि।

१७०. (C) विद्यार्थी 'ताम्रपत्र' पढ़ैत समय दान, भूमि-अधिकार आ राजाज्ञाक लिखित प्रमाण पर ध्यान देत। — ताम्रपत्र इतिहास-लेखनमे ठोस अभिलेखीय स्रोत मानल जाइत अछि।

१७१. (A) सत्ता, धर्म आ स्मृति केर सार्वजनिक लेख — शिलालेख समय, शासक आ सामाजिक संकेत सुरक्षित रखैत अछि।

१७२. (D) शिलालेख — सत्ता, धर्म आ स्मृति केर सार्वजनिक लेख — शिलालेख समय, शासक आ सामाजिक संकेत सुरक्षित रखैत अछि।

१७३. (A) कारण ई सत्ता, धर्म आ स्मृति केर सार्वजनिक लेख कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि। — शिलालेख समय, शासक आ सामाजिक संकेत सुरक्षित रखैत अछि।

१७४. (D) 'शिलालेख' कैँ सत्ता, धर्म आ स्मृति केर सार्वजनिक लेख सँ जोड़ल जाइत अछि। — शिलालेख समय, शासक आ सामाजिक संकेत सुरक्षित रखैत अछि।

१७५. (C) विद्यार्थी 'शिलालेख' पढ़ैत समय सत्ता, धर्म आ स्मृति केर सार्वजनिक लेख पर ध्यान देत। — शिलालेख समय, शासक आ सामाजिक संकेत सुरक्षित रखैत अछि।

१७६. (D) व्यापार, सत्ता आ आर्थिक पहुँचक पुरातात्त्विक संकेत — मुद्रा इतिहासमे राजकीय प्रभाव आ आर्थिक व्यवहारक प्रमाण दैत अछि।

१७७. (C) मुद्रा-साक्ष्य — व्यापार, सत्ता आ आर्थिक पहुँचक पुरातात्त्विक संकेत — मुद्रा इतिहासमे राजकीय प्रभाव आ आर्थिक व्यवहारक प्रमाण दैत अछि।

१७८. (B) कारण ई व्यापार, सत्ता आ आर्थिक पहुँचक पुरातात्त्विक संकेत कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि। — मुद्रा इतिहासमे राजकीय प्रभाव आ आर्थिक व्यवहारक प्रमाण दैत अछि।

१७९. (C) 'मुद्रा-साक्ष्य' कैँ व्यापार, सत्ता आ आर्थिक पहुँचक पुरातात्त्विक संकेत सँ जोड़ल जाइत अछि। — मुद्रा इतिहासमे राजकीय प्रभाव आ आर्थिक व्यवहारक प्रमाण दैत अछि।

१८०. (C) विद्यार्थी 'मुद्रा-साक्ष्य' पढ़ैत समय व्यापार, सत्ता आ आर्थिक पहुँचक पुरातात्त्विक संकेत पर ध्यान देत। — मुद्रा इतिहासमे राजकीय प्रभाव आ आर्थिक व्यवहारक प्रमाण दैत अछि।

१८१. (A) स्थानीय निर्णय आ लोक-सहमतिक ग्रामीण संस्था — गाम-सभा मिथिलाक लोक-स्वशासनक रूप देखबैत अछि।

१८२. (C) गाम-सभा — स्थानीय निर्णय आ लोक-सहमतिक ग्रामीण संस्था — गाम-सभा मिथिलाक लोक-स्वशासनक रूप देखबैत अछि।

१८३. (A) कारण ई स्थानीय निर्णय आ लोक-सहमतिक ग्रामीण संस्था कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि। — गाम-सभा मिथिलाक लोक-स्वशासनक रूप देखबैत अछि।

१८४. (B) 'गाम-सभा' कैँ स्थानीय निर्णय आ लोक-सहमतिक ग्रामीण संस्था सँ जोड़ल जाइत अछि। — गाम-सभा मिथिलाक लोक-स्वशासनक रूप देखबैत अछि।

१८५. (D) विद्यार्थी 'गाम-सभा' पढ़ैत समय स्थानीय निर्णय आ लोक-सहमतिक ग्रामीण संस्था पर ध्यान देत। — गाम-सभा मिथिलाक लोक-स्वशासनक रूप देखबैत अछि।

१८६. (A) भारत-नेपाल बीचक सांस्कृतिक निरन्तरता — मिथिला राजनीतिक सीमा सँ बड़ सांस्कृतिक भूगोल अछि।

१८७. (D) सीमाभूमि — भारत-नेपाल बीचक सांस्कृतिक निरन्तरता — मिथिला राजनीतिक सीमा सँ बड़ सांस्कृतिक भूगोल अछि।

१८८. (D) कारण ई भारत-नेपाल बीचक सांस्कृतिक निरन्तरता कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि। — मिथिला राजनीतिक सीमा सँ बड़ सांस्कृतिक भूगोल अछि।

१८९. (D) 'सीमाभूमि' कैँ भारत-नेपाल बीचक सांस्कृतिक निरन्तरता सँ जोड़ल जाइत अछि। — मिथिला राजनीतिक सीमा सँ बड़ सांस्कृतिक भूगोल अछि।

१९०. (C) विद्यार्थी 'सीमाभूमि' पढ़ैत समय भारत-नेपाल बीचक सांस्कृतिक निरन्तरता पर ध्यान देत। — मिथिला राजनीतिक सीमा सँ बड़ सांस्कृतिक भूगोल अछि।

१९१. (A) परिवार-कुलक स्मृति आ सामाजिक पहचानक लेखा — वंशावली उपयोगी स्रोत अछि, मुदा ओकर पक्षपात बुझि पढ़ब जरूरी अछि।

१९२. (D) वंशावली — परिवार-कुलक स्मृति आ सामाजिक पहचानक लेखा — वंशावली उपयोगी स्रोत अछि, मुदा ओकर पक्षपात बुझि पढ़ब जरूरी अछि।

१९३. (C) कारण ई परिवार-कुलक स्मृति आ सामाजिक पहचानक लेखा कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि। — वंशावली उपयोगी स्रोत अछि, मुदा ओकर पक्षपात बुझि पढ़ब जरूरी अछि।

१९४. (D) 'वंशावली' कैँ परिवार-कुलक स्मृति आ सामाजिक पहचानक लेखा सँ जोड़ल जाइत अछि। — वंशावली उपयोगी स्रोत अछि, मुदा ओकर पक्षपात बुझि पढ़ब जरूरी अछि।

१९५. (D) विद्यार्थी 'वंशावली' पढ़ैत समय परिवार-कुलक स्मृति आ सामाजिक पहचानक लेखा पर ध्यान देत। — वंशावली उपयोगी स्रोत अछि, मुदा ओकर पक्षपात बुझि पढ़ब जरूरी अछि।

१९६. (B) शासनकैँ न्याय, दान आ संरक्षणसँ जोड़निहार आदर्श — राजधर्मक आदर्श मिथिलाक राजकीय कल्पना आ आलोचना दुनू मे उपस्थित अछि।

१९७. (D) राजधर्म — शासनकैँ न्याय, दान आ संरक्षणसँ जोड़निहार आदर्श — राजधर्मक आदर्श मिथिलाक राजकीय कल्पना आ आलोचना दुनू मे उपस्थित अछि।

१९८. (C) कारण ई शासनकैँ न्याय, दान आ संरक्षणसँ जोड़निहार आदर्श कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि। — राजधर्मक आदर्श मिथिलाक राजकीय कल्पना आ आलोचना दुनू मे उपस्थित अछि।

१९९. (D) 'राजधर्म' कैँ शासनकैँ न्याय, दान आ संरक्षणसँ जोड़निहार आदर्श सँ जोड़ल जाइत अछि। — राजधर्मक आदर्श मिथिलाक राजकीय कल्पना आ आलोचना दुनू मे उपस्थित अछि।

२००. (B) विद्यार्थी 'राजधर्म' पढ़ैत समय शासनकैँ न्याय, दान आ संरक्षणसँ जोड़निहार आदर्श पर ध्यान देत। — राजधर्मक आदर्श मिथिलाक राजकीय कल्पना आ आलोचना दुनू मे उपस्थित अछि।

२०१. (C) सूक्ष्म तर्क, भाषा-विवेचन आ प्रमाण-मीमांसा — नव्य-न्याय मिथिलाक बौद्धिक प्रतिष्ठाक मुख्य आधार मानल जाइत अछि।

२०२. (C) नव्य-न्याय — सूक्ष्म तर्क, भाषा-विवेचन आ प्रमाण-मीमांसा — नव्य-न्याय मिथिलाक बौद्धिक प्रतिष्ठाक मुख्य आधार मानल जाइत अछि।

२०३. (D) कारण ई सूक्ष्म तर्क, भाषा-विवेचन आ प्रमाण-मीमांसा कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि। — नव्य-न्याय मिथिलाक बौद्धिक प्रतिष्ठाक मुख्य आधार मानल जाइत अछि।

२०४. (C) 'नव्य-न्याय' कैँ सूक्ष्म तर्क, भाषा-विवेचन आ प्रमाण-मीमांसा सँ जोड़ल जाइत अछि। — नव्य-न्याय मिथिलाक बौद्धिक प्रतिष्ठाक मुख्य आधार मानल जाइत अछि।

२०५. (D) विद्यार्थी 'नव्य-न्याय' पढ़ैत समय सूक्ष्म तर्क, भाषा-विवेचन आ प्रमाण-मीमांसा पर ध्यान देत। — नव्य-न्याय मिथिलाक बौद्धिक प्रतिष्ठाक मुख्य आधार मानल जाइत अछि।

२०६. (C) तत्त्वचिन्तामणि कर्ता आ नव्य-न्यायक प्रवर्तक — गङ्गेशक कृति भारतीय तर्कशास्त्रमे गहींर मोड़ देलक।

२०७. (A) गङ्गेश उपाध्याय — तत्त्वचिन्तामणि कर्ता आ नव्य-न्यायक प्रवर्तक — गङ्गेशक कृति भारतीय तर्कशास्त्रमे गहींर मोड़ देलक।

२०८. (A) कारण ई तत्त्वचिन्तामणि कर्ता आ नव्य-न्यायक प्रवर्तक कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि। — गङ्गेशक कृति भारतीय तर्कशास्त्रमे गहींर मोड़ देलक।

२०९. (B) 'गङ्गेश उपाध्याय' कैँ तत्त्वचिन्तामणि कर्ता आ नव्य-न्यायक प्रवर्तक सँ जोड़ल जाइत अछि। — गङ्गेशक कृति भारतीय तर्कशास्त्रमे गहींर मोड़ देलक।

२१०. (C) विद्यार्थी 'गङ्गेश उपाध्याय' पढ़ैत समय तत्त्वचिन्तामणि कर्ता आ नव्य-न्यायक प्रवर्तक पर ध्यान देत। — गङ्गेशक कृति भारतीय तर्कशास्त्रमे गहींर मोड़ देलक।

२११. (B) प्रमाण-विचार पर आधारित मौलिक न्याय-ग्रन्थ — तत्त्वचिन्तामणि मिथिला न्याय-परम्पराक धुरी अछि।

२१२. (A) तत्त्वचिन्तामणि — प्रमाण-विचार पर आधारित मौलिक न्याय-ग्रन्थ — तत्त्वचिन्तामणि मिथिला न्याय-परम्पराक धुरी अछि।

२१३. (A) कारण ई प्रमाण-विचार पर आधारित मौलिक न्याय-ग्रन्थ कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि। — तत्त्वचिन्तामणि मिथिला न्याय-परम्पराक धुरी अछि।

२१४. (C) 'तत्त्वचिन्तामणि' कैँ प्रमाण-विचार पर आधारित मौलिक न्याय-ग्रन्थ सँ जोड़ल जाइत अछि। — तत्त्वचिन्तामणि मिथिला न्याय-परम्पराक धुरी अछि।

२१५. (B) विद्यार्थी ‘तत्त्वचिन्तामणि’ पढ़ैत समय प्रमाण-विचार पर आधारित मौलिक न्याय-ग्रन्थ पर ध्यान देत। — तत्त्वचिन्तामणि मिथिला न्याय-परम्पराक धुरी अछि।

२१६. (C) ईश्वरवाद, तर्क आ न्याय-विवेचनक दार्शनिक — उदयनाचार्य मिथिलाक शास्त्रीय वाद-विवादक महत्त्वपूर्ण नाम छथि।

२१७. (A) उदयनाचार्य — ईश्वरवाद, तर्क आ न्याय-विवेचनक दार्शनिक — उदयनाचार्य मिथिलाक शास्त्रीय वाद-विवादक महत्त्वपूर्ण नाम छथि।

२१८. (A) कारण ई ईश्वरवाद, तर्क आ न्याय-विवेचनक दार्शनिक कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि। — उदयनाचार्य मिथिलाक शास्त्रीय वाद-विवादक महत्त्वपूर्ण नाम छथि।

२१९. (A) ‘उदयनाचार्य’ कैँ ईश्वरवाद, तर्क आ न्याय-विवेचनक दार्शनिक सँ जोड़ल जाइत अछि। — उदयनाचार्य मिथिलाक शास्त्रीय वाद-विवादक महत्त्वपूर्ण नाम छथि।

२२०. (C) विद्यार्थी ‘उदयनाचार्य’ पढ़ैत समय ईश्वरवाद, तर्क आ न्याय-विवेचनक दार्शनिक पर ध्यान देत। — उदयनाचार्य मिथिलाक शास्त्रीय वाद-विवादक महत्त्वपूर्ण नाम छथि।

२२१. (D) अनेक दर्शन पर टीका लिखनिहार व्यापक आचार्य — वाचस्पति मिश्रक कृतित्व बहुदर्शनी ज्ञानक सेतु अछि।

२२२. (B) वाचस्पति मिश्र — अनेक दर्शन पर टीका लिखनिहार व्यापक आचार्य — वाचस्पति मिश्रक कृतित्व बहुदर्शनी ज्ञानक सेतु अछि।

२२३. (B) कारण ई अनेक दर्शन पर टीका लिखनिहार व्यापक आचार्य कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि। — वाचस्पति मिश्रक कृतित्व बहुदर्शनी ज्ञानक सेतु अछि।

२२४. (B) ‘वाचस्पति मिश्र’ कैँ अनेक दर्शन पर टीका लिखनिहार व्यापक आचार्य सँ जोड़ल जाइत अछि। — वाचस्पति मिश्रक कृतित्व बहुदर्शनी ज्ञानक सेतु अछि।

२२५. (C) विद्यार्थी ‘वाचस्पति मिश्र’ पढ़ैत समय अनेक दर्शन पर टीका लिखनिहार व्यापक आचार्य पर ध्यान देत। — वाचस्पति मिश्रक कृतित्व बहुदर्शनी ज्ञानक सेतु अछि।

२२६. (A) मीमांसा-वेदान्त शास्त्रार्थक प्रसिद्ध आचार्य — मण्डन मिश्र मिथिलाक दार्शनिक संवाद-स्मृतिमे महत्त्वपूर्ण छथि।

२२७. (B) मण्डन मिश्र — मीमांसा-वेदान्त शास्त्रार्थक प्रसिद्ध आचार्य — मण्डन मिश्र मिथिलाक दार्शनिक संवाद-स्मृतिमे महत्त्वपूर्ण छथि।

२२८. (A) कारण ई मीमांसा-वेदान्त शास्त्रार्थक प्रसिद्ध आचार्य कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि। — मण्डन मिश्र मिथिलाक दार्शनिक संवाद-स्मृतिमे महत्त्वपूर्ण छथि।

२२९. (D) ‘मण्डन मिश्र’ कैँ मीमांसा-वेदान्त शास्त्रार्थक प्रसिद्ध आचार्य सँ जोड़ल जाइत अछि। — मण्डन मिश्र मिथिलाक दार्शनिक संवाद-स्मृतिमे महत्त्वपूर्ण छथि।

२३०. (A) विद्यार्थी ‘मण्डन मिश्र’ पढ़ैत समय मीमांसा-वेदान्त शास्त्रार्थक प्रसिद्ध आचार्य पर ध्यान देत। — मण्डन मिश्र मिथिलाक दार्शनिक संवाद-स्मृतिमे महत्त्वपूर्ण छथि।

२३१. (C) दार्शनिक संवादमे स्त्री-बौद्धिक उपस्थिति — भारतीक स्मृति शास्त्रार्थमे नारी-प्रतिभाक स्थान देखबैत अछि।

२३२. (A) भारती — दार्शनिक संवादमे स्त्री-बौद्धिक उपस्थिति — भारतीक स्मृति शास्त्रार्थमे नारी-प्रतिभाक स्थान देखबैत अछि।

२३३. (D) कारण ई दार्शनिक संवादमे स्त्री-बौद्धिक उपस्थिति कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि। — भारतीक स्मृति शास्त्रार्थमे नारी-प्रतिभाक स्थान देखबैत अछि।

२३४. (B) ‘भारती’ कैँ दार्शनिक संवादमे स्त्री-बौद्धिक उपस्थिति सँ जोड़ल जाइत अछि। — भारतीक स्मृति शास्त्रार्थमे नारी-प्रतिभाक स्थान देखबैत अछि।

२३५. (A) विद्यार्थी ‘भारती’ पढ़ैत समय दार्शनिक संवादमे स्त्री-बौद्धिक उपस्थिति पर ध्यान देत। — भारतीक स्मृति शास्त्रार्थमे नारी-प्रतिभाक स्थान देखबैत अछि।

२३६. (D) कर्म, वाक्य आ वेद-विधानक विवेचन — मिथिलाक शास्त्रीय जीवनमे मीमांसा अनुशासनक गहींर प्रभाव रहल।

२३७. (C) मीमांसा — कर्म, वाक्य आ वेद-विधानक विवेचन — मिथिलाक शास्त्रीय जीवनमे मीमांसा अनुशासनक गहींर प्रभाव रहल।

२३८. (C) कारण ई कर्म, वाक्य आ वेद-विधानक विवेचन कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि। — मिथिलाक शास्त्रीय जीवनमे मीमांसा अनुशासनक गहींर प्रभाव रहल।

२३९. (A) ‘मीमांसा’ कैँ कर्म, वाक्य आ वेद-विधानक विवेचन सँ जोड़ल जाइत अछि। — मिथिलाक शास्त्रीय जीवनमे मीमांसा अनुशासनक गहींर प्रभाव रहल।

२४०. (D) विद्यार्थी 'मीमांसा' पढ़ैत समय कर्म, वाक्य आ वेद-विधानक विवेचन पर ध्यान देत। — मिथिलाक शास्त्रीय जीवनमे मीमांसा अनुशासनक गहींर प्रभाव रहल।

२४१. (A) ब्रह्म, आत्मा आ मुक्तिक तत्त्वचिन्तन — वेदान्त मिथिलाक उपनिषदिक परम्परासँ जुड़ैत अछि।

२४२. (C) वेदान्त — ब्रह्म, आत्मा आ मुक्तिक तत्त्वचिन्तन — वेदान्त मिथिलाक उपनिषदिक परम्परासँ जुड़ैत अछि।

२४३. (B) कारण ई ब्रह्म, आत्मा आ मुक्तिक तत्त्वचिन्तन कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि। — वेदान्त मिथिलाक उपनिषदिक परम्परासँ जुड़ैत अछि।

२४४. (B) 'वेदान्त' कैँ ब्रह्म, आत्मा आ मुक्तिक तत्त्वचिन्तन सँ जोड़ल जाइत अछि। — वेदान्त मिथिलाक उपनिषदिक परम्परासँ जुड़ैत अछि।

२४५. (C) विद्यार्थी 'वेदान्त' पढ़ैत समय ब्रह्म, आत्मा आ मुक्तिक तत्त्वचिन्तन पर ध्यान देत। — वेदान्त मिथिलाक उपनिषदिक परम्परासँ जुड़ैत अछि।

२४६. (A) भाषाक नियम, रूप आ अर्थ-सूक्ष्मता केर अध्ययन — व्याकरण संस्कृत आ मैथिली दुनू अध्ययनक आधार अछि।

२४७. (B) व्याकरण — भाषाक नियम, रूप आ अर्थ-सूक्ष्मता केर अध्ययन — व्याकरण संस्कृत आ मैथिली दुनू अध्ययनक आधार अछि।

२४८. (A) कारण ई भाषाक नियम, रूप आ अर्थ-सूक्ष्मता केर अध्ययन कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि। — व्याकरण संस्कृत आ मैथिली दुनू अध्ययनक आधार अछि।

२४९. (C) 'व्याकरण' कैँ भाषाक नियम, रूप आ अर्थ-सूक्ष्मता केर अध्ययन सँ जोड़ल जाइत अछि। — व्याकरण संस्कृत आ मैथिली दुनू अध्ययनक आधार अछि।

२५०. (B) विद्यार्थी 'व्याकरण' पढ़ैत समय भाषाक नियम, रूप आ अर्थ-सूक्ष्मता केर अध्ययन पर ध्यान देत। — व्याकरण संस्कृत आ मैथिली दुनू अध्ययनक आधार अछि।

२५१. (A) तर्कशिक्षाक पारम्परिक संस्थान — न्याय-पाठशाला विद्वत्ता कैँ पीढ़ी-दर-पीढ़ी आगाँ बढ़बैत रहल।

२५२. (B) न्याय-पाठशाला — तर्कशिक्षाक पारम्परिक संस्थान — न्याय-पाठशाला विद्वत्ता कैँ पीढ़ी-दर-पीढ़ी आगाँ बढ़बैत रहल।

२५३. (A) कारण ई तर्कशिक्षाक पारम्परिक संस्थान कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि। — न्याय-पाठशाला विद्वत्ता कैँ पीढ़ी-दर-पीढ़ी आगाँ बढ़बैत रहल।

२५४. (B) 'न्याय-पाठशाला' कैँ तर्कशिक्षाक पारम्परिक संस्थान सँ जोड़ल जाइत अछि। — न्याय-पाठशाला विद्वत्ता कैँ पीढ़ी-दर-पीढ़ी आगाँ बढ़बैत रहल।

२५५. (B) विद्यार्थी 'न्याय-पाठशाला' पढ़ैत समय तर्कशिक्षाक पारम्परिक संस्थान पर ध्यान देत। — न्याय-पाठशाला विद्वत्ता कैँ पीढ़ी-दर-पीढ़ी आगाँ बढ़बैत रहल।

२५६. (C) गुरु-शिष्य निकटताक पारम्परिक अध्ययन — टोला पद्धति ग्रामीण परिवेश आ उच्च शास्त्रक मेल करबैत अछि।

२५७. (B) टोला-शिक्षा — गुरु-शिष्य निकटताक पारम्परिक अध्ययन — टोला पद्धति ग्रामीण परिवेश आ उच्च शास्त्रक मेल करबैत अछि।

२५८. (D) कारण ई गुरु-शिष्य निकटताक पारम्परिक अध्ययन कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि। — टोला पद्धति ग्रामीण परिवेश आ उच्च शास्त्रक मेल करबैत अछि।

२५९. (B) 'टोला-शिक्षा' कैँ गुरु-शिष्य निकटताक पारम्परिक अध्ययन सँ जोड़ल जाइत अछि। — टोला पद्धति ग्रामीण परिवेश आ उच्च शास्त्रक मेल करबैत अछि।

२६०. (C) विद्यार्थी 'टोला-शिक्षा' पढ़ैत समय गुरु-शिष्य निकटताक पारम्परिक अध्ययन पर ध्यान देत। — टोला पद्धति ग्रामीण परिवेश आ उच्च शास्त्रक मेल करबैत अछि।

२६१. (D) हस्तलिखित ग्रन्थ आ ज्ञान-संरक्षणक प्रमाण — पाण्डुलिपि मिथिलाक बौद्धिक इतिहासक ठोस सामग्री अछि।

२६२. (A) पाण्डुलिपि — हस्तलिखित ग्रन्थ आ ज्ञान-संरक्षणक प्रमाण — पाण्डुलिपि मिथिलाक बौद्धिक इतिहासक ठोस सामग्री अछि।

२६३. (B) कारण ई हस्तलिखित ग्रन्थ आ ज्ञान-संरक्षणक प्रमाण कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि। — पाण्डुलिपि मिथिलाक बौद्धिक इतिहासक ठोस सामग्री अछि।

२६४. (C) 'पाण्डुलिपि' कैँ हस्तलिखित ग्रन्थ आ ज्ञान-संरक्षणक प्रमाण सँ जोड़ल जाइत अछि। — पाण्डुलिपि मिथिलाक बौद्धिक इतिहासक ठोस सामग्री अछि।

२६५. (D) विद्यार्थी 'पाण्डुलिपि' पढ़ैत समय हस्तलिखित ग्रन्थ आ ज्ञान-संरक्षणक प्रमाण पर ध्यान देत। — पाण्डुलिपि मिथिलाक बौद्धिक इतिहासक ठोस सामग्री अछि।

२६६. (A) पूर्वग्रन्थ पर व्याख्या आ बहसक क्रम — टीका-परम्परा मिथिलाक विद्वत् संवादक निरन्तरता अछि।

२६७. (C) टीका-परम्परा — पूर्वग्रन्थ पर व्याख्या आ बहसक क्रम — टीका-परम्परा मिथिलाक विद्वत् संवादक निरन्तरता अछि।

२६८. (C) कारण ई पूर्वग्रन्थ पर व्याख्या आ बहसक क्रम कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि। — टीका-परम्परा मिथिलाक विद्वत् संवादक निरन्तरता अछि।

२६९. (C) 'टीका-परम्परा' कैँ पूर्वग्रन्थ पर व्याख्या आ बहसक क्रम सँ जोड़ल जाइत अछि। — टीका-परम्परा मिथिलाक विद्वत् संवादक निरन्तरता अछि।

२७०. (C) विद्यार्थी 'टीका-परम्परा' पढ़ैत समय पूर्वग्रन्थ पर व्याख्या आ बहसक क्रम पर ध्यान देत। — टीका-परम्परा मिथिलाक विद्वत् संवादक निरन्तरता अछि।

२७१. (D) ज्ञानक सत्यता बुझबाक साधन — न्याय दर्शनमे प्रमाण-विचार सबसे केन्द्रीय प्रश्न अछि।

२७२. (B) प्रमाण — ज्ञानक सत्यता बुझबाक साधन — न्याय दर्शनमे प्रमाण-विचार सबसे केन्द्रीय प्रश्न अछि।

२७३. (A) कारण ई ज्ञानक सत्यता बुझबाक साधन कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि। — न्याय दर्शनमे प्रमाण-विचार सबसे केन्द्रीय प्रश्न अछि।

२७४. (A) 'प्रमाण' कैँ ज्ञानक सत्यता बुझबाक साधन सँ जोड़ल जाइत अछि। — न्याय दर्शनमे प्रमाण-विचार सबसे केन्द्रीय प्रश्न अछि।

२७५. (A) विद्यार्थी 'प्रमाण' पढ़ैत समय ज्ञानक सत्यता बुझबाक साधन पर ध्यान देत। — न्याय दर्शनमे प्रमाण-विचार सबसे केन्द्रीय प्रश्न अछि।

२७६. (A) लक्षण वा कारणसँ निष्कर्ष निकालबाक पद्धति — अनुमान तर्क-शिक्षामे महत्त्वपूर्ण प्रमाण मानल जाइत अछि।

२७७. (A) अनुमान — लक्षण वा कारणसँ निष्कर्ष निकालबाक पद्धति — अनुमान तर्क-शिक्षामे महत्त्वपूर्ण प्रमाण मानल जाइत अछि।

२७८. (B) कारण ई लक्षण वा कारणसँ निष्कर्ष निकालबाक पद्धति कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि। — अनुमान तर्क-शिक्षामे महत्त्वपूर्ण प्रमाण मानल जाइत अछि।

२७९. (D) 'अनुमान' कैँ लक्षण वा कारणसँ निष्कर्ष निकालबाक पद्धति सँ जोड़ल जाइत अछि। — अनुमान तर्क-शिक्षामे महत्त्वपूर्ण प्रमाण मानल जाइत अछि।

२८०. (A) विद्यार्थी 'अनुमान' पढ़ैत समय लक्षण वा कारणसँ निष्कर्ष निकालबाक पद्धति पर ध्यान देत। — अनुमान तर्क-शिक्षामे महत्त्वपूर्ण प्रमाण मानल जाइत अछि।

२८१. (C) अनुभव वा इन्द्रियसँ प्राप्त ज्ञान — प्रत्यक्ष प्रमाण ज्ञानक प्रारम्भिक आधार रूपेँ विचारल जाइत अछि।

२८२. (B) प्रत्यक्ष — अनुभव वा इन्द्रियसँ प्राप्त ज्ञान — प्रत्यक्ष प्रमाण ज्ञानक प्रारम्भिक आधार रूपेँ विचारल जाइत अछि।

२८३. (D) कारण ई अनुभव वा इन्द्रियसँ प्राप्त ज्ञान कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि। — प्रत्यक्ष प्रमाण ज्ञानक प्रारम्भिक आधार रूपेँ विचारल जाइत अछि।

२८४. (A) 'प्रत्यक्ष' कैँ अनुभव वा इन्द्रियसँ प्राप्त ज्ञान सँ जोड़ल जाइत अछि। — प्रत्यक्ष प्रमाण ज्ञानक प्रारम्भिक आधार रूपेँ विचारल जाइत अछि।

२८५. (B) विद्यार्थी 'प्रत्यक्ष' पढ़ैत समय अनुभव वा इन्द्रियसँ प्राप्त ज्ञान पर ध्यान देत। — प्रत्यक्ष प्रमाण ज्ञानक प्रारम्भिक आधार रूपेँ विचारल जाइत अछि।

२८६. (C) विश्वसनीय वचन वा शास्त्रद्वारा प्राप्त ज्ञान — शब्द-प्रमाण वैदिक आ शास्त्रीय परम्परामे विशेष महत्त्व रखैत अछि।

२८७. (A) शब्द-प्रमाण — विश्वसनीय वचन वा शास्त्रद्वारा प्राप्त ज्ञान — शब्द-प्रमाण वैदिक आ शास्त्रीय परम्परामे विशेष महत्त्व रखैत अछि।

२८८. (C) कारण ई विश्वसनीय वचन वा शास्त्रद्वारा प्राप्त ज्ञान कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि। — शब्द-प्रमाण वैदिक आ शास्त्रीय परम्परामे विशेष महत्त्व रखैत अछि।

२८९. (C) 'शब्द-प्रमाण' कैँ विश्वसनीय वचन वा शास्त्रद्वारा प्राप्त ज्ञान सँ जोड़ल जाइत अछि। — शब्द-प्रमाण वैदिक आ शास्त्रीय परम्परामे विशेष महत्त्व रखैत अछि।

२९०. (D) विद्यार्थी 'शब्द-प्रमाण' पढ़ैत समय विश्वसनीय वचन वा शास्त्रद्वारा प्राप्त ज्ञान पर ध्यान देत। — शब्द-प्रमाण वैदिक आ शास्त्रीय परम्परामे विशेष महत्त्व रखैत अछि।

२९१. (C) खेती, मौसम, औषधि, गीत आ अनुभवसँ बनल विद्या — लोक-ज्ञान शास्त्रक बाहर रहितो जीवनोपयोगी आ ऐतिहासिक अछि।

२९२. (B) लोक-ज्ञान — खेती, मौसम, औषधि, गीत आ अनुभवसँ बनल विद्या — लोक-ज्ञान शास्त्रक बाहर रहितो जीवनोपयोगी आ ऐतिहासिक अछि।

२९३. (B) कारण ई खेती, मौसम, औषधि, गीत आ अनुभवसँ बनल विद्या कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि। — लोक-ज्ञान शास्त्रक बाहर रहितो जीवनोपयोगी आ ऐतिहासिक अछि।

२९४. (A) ‘लोक-ज्ञान’ कैं खेती, मौसम, औषधि, गीत आ अनुभवसँ बनल विद्या सँ जोड़ल जाइत अछि। — लोक-ज्ञान शास्त्रक बाहर रहितो जीवनोपयोगी आ ऐतिहासिक अछि।

२९५. (B) विद्यार्थी ‘लोक-ज्ञान’ पढ़ैत समय खेती, मौसम, औषधि, गीत आ अनुभवसँ बनल विद्या पर ध्यान देत। — लोक-ज्ञान शास्त्रक बाहर रहितो जीवनोपयोगी आ ऐतिहासिक अछि।

२९६. (C) गार्गी, मैत्रेयी, भारतीसँ चिन्हित नारी ज्ञान-परम्परा — समानान्तर इतिहास स्त्री-विद्याक हाशियाकरणकेँ चुनौती दैत अछि।

२९७. (A) स्त्री-विद्या — गार्गी, मैत्रेयी, भारतीसँ चिन्हित नारी ज्ञान-परम्परा — समानान्तर इतिहास स्त्री-विद्याक हाशियाकरणकेँ चुनौती दैत अछि।

२९८. (D) कारण ई गार्गी, मैत्रेयी, भारतीसँ चिन्हित नारी ज्ञान-परम्परा कैं मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि। — समानान्तर इतिहास स्त्री-विद्याक हाशियाकरणकेँ चुनौती दैत अछि।

२९९. (C) ‘स्त्री-विद्या’ कैं गार्गी, मैत्रेयी, भारतीसँ चिन्हित नारी ज्ञान-परम्परा सँ जोड़ल जाइत अछि। — समानान्तर इतिहास स्त्री-विद्याक हाशियाकरणकेँ चुनौती दैत अछि।

३००. (C) विद्यार्थी ‘स्त्री-विद्या’ पढ़ैत समय गार्गी, मैत्रेयी, भारतीसँ चिन्हित नारी ज्ञान-परम्परा पर ध्यान देत। — समानान्तर इतिहास स्त्री-विद्याक हाशियाकरणकेँ चुनौती दैत अछि।

३०१. (B) मिथिलाक मातृभाषा आ साहित्यिक अभिव्यक्ति — मैथिली लोकगीत, शास्त्र, कथा, नाटक आ आधुनिक डिजिटल मंच सभमे जीवित अछि।

३०२. (C) मैथिली — मिथिलाक मातृभाषा आ साहित्यिक अभिव्यक्ति — मैथिली लोकगीत, शास्त्र, कथा, नाटक आ आधुनिक डिजिटल मंच सभमे जीवित अछि।

३०३. (C) कारण ई मिथिलाक मातृभाषा आ साहित्यिक अभिव्यक्ति कैं मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि। — मैथिली लोकगीत, शास्त्र, कथा, नाटक आ आधुनिक डिजिटल मंच सभमे जीवित अछि।

३०४. (D) ‘मैथिली’ कैं मिथिलाक मातृभाषा आ साहित्यिक अभिव्यक्ति सँ जोड़ल जाइत अछि। — मैथिली लोकगीत, शास्त्र, कथा, नाटक आ आधुनिक डिजिटल मंच सभमे जीवित अछि।

३०५. (C) विद्यार्थी ‘मैथिली’ पढ़ैत समय मिथिलाक मातृभाषा आ साहित्यिक अभिव्यक्ति पर ध्यान देत। — मैथिली लोकगीत, शास्त्र, कथा, नाटक आ आधुनिक डिजिटल मंच सभमे जीवित अछि।

३०६. (C) मैथिली लेखनक पारम्परिक लिपि — मिथिलाक्षर पाण्डुलिपि आ सांस्कृतिक पहचानक महत्त्वपूर्ण चिह्न अछि।

३०७. (B) मिथिलाक्षर — मैथिली लेखनक पारम्परिक लिपि — मिथिलाक्षर पाण्डुलिपि आ सांस्कृतिक पहचानक महत्त्वपूर्ण चिह्न अछि।

३०८. (B) कारण ई मैथिली लेखनक पारम्परिक लिपि कैं मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि। — मिथिलाक्षर पाण्डुलिपि आ सांस्कृतिक पहचानक महत्त्वपूर्ण चिह्न अछि।

३०९. (B) ‘मिथिलाक्षर’ कैं मैथिली लेखनक पारम्परिक लिपि सँ जोड़ल जाइत अछि। — मिथिलाक्षर पाण्डुलिपि आ सांस्कृतिक पहचानक महत्त्वपूर्ण चिह्न अछि।

३१०. (C) विद्यार्थी ‘मिथिलाक्षर’ पढ़ैत समय मैथिली लेखनक पारम्परिक लिपि पर ध्यान देत। — मिथिलाक्षर पाण्डुलिपि आ सांस्कृतिक पहचानक महत्त्वपूर्ण चिह्न अछि।

३११. (D) मिथिलाक्षरक दोसर प्रचलित नाम — तिरहुता नाम तिरहुत क्षेत्रक लिपि-स्मृतिसँ जुड़ल अछि।

३१२. (C) तिरहुता — मिथिलाक्षरक दोसर प्रचलित नाम — तिरहुता नाम तिरहुत क्षेत्रक लिपि-स्मृतिसँ जुड़ल अछि।

३१३. (A) कारण ई मिथिलाक्षरक दोसर प्रचलित नाम कैं मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि। — तिरहुता नाम तिरहुत क्षेत्रक लिपि-स्मृतिसँ जुड़ल अछि।

३१४. (B) ‘तिरहुता’ कैं मिथिलाक्षरक दोसर प्रचलित नाम सँ जोड़ल जाइत अछि। — तिरहुता नाम तिरहुत क्षेत्रक लिपि-स्मृतिसँ जुड़ल अछि।

३१५. (A) विद्यार्थी ‘तिरहुता’ पढ़ैत समय मिथिलाक्षरक दोसर प्रचलित नाम पर ध्यान देत। — तिरहुता नाम तिरहुत क्षेत्रक लिपि-स्मृतिसँ जुड़ल अछि।

३१६. (D) आधुनिक मैथिली प्रकाशनमे व्यापक प्रयुक्त लिपि — देवनागरीसँ पाठक-विस्तार भेल, मुदा मिथिलाक्षर-संरक्षण सेहो जरूरी अछि।

३१७. (C) देवनागरी — आधुनिक मैथिली प्रकाशनमे व्यापक प्रयुक्त लिपि — देवनागरीसँ पाठक-विस्तार भेल, मुदा मिथिलाक्षर-संरक्षण सेहो जरूरी अछि।

३१८. (D) कारण ई आधुनिक मैथिली प्रकाशनमे व्यापक प्रयुक्त लिपि कैं मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि। — देवनागरीसँ पाठक-विस्तार भेल, मुदा मिथिलाक्षर-संरक्षण सेहो जरूरी अछि।

३१९. (A) ‘देवनागरी’ कैँ आधुनिक मैथिली प्रकाशनमे व्यापक प्रयुक्त लिपि सँ जोड़ल जाइत अछि। — देवनागरीसँ पाठक-विस्तार भेल, मुदा मिथिलाक्षर-संरक्षण सेहो जरूरी अछि।

३२०. (D) विद्यार्थी ‘देवनागरी’ पढ़ैत समय आधुनिक मैथिली प्रकाशनमे व्यापक प्रयुक्त लिपि पर ध्यान देत। — देवनागरीसँ पाठक-विस्तार भेल, मुदा मिथिलाक्षर-संरक्षण सेहो जरूरी अछि।

३२१. (D) पुरान आ नूतन भाषा-रूपक बीचक सेतु — अवहट्टसँ मैथिलीक साहित्यिक विकास बुझबाक सहायता भेटैत अछि।

३२२. (B) अवहट्ट — पुरान आ नूतन भाषा-रूपक बीचक सेतु — अवहट्टसँ मैथिलीक साहित्यिक विकास बुझबाक सहायता भेटैत अछि।

३२३. (D) कारण ई पुरान आ नूतन भाषा-रूपक बीचक सेतु कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि। — अवहट्टसँ मैथिलीक साहित्यिक विकास बुझबाक सहायता भेटैत अछि।

३२४. (C) ‘अवहट्ट’ कैँ पुरान आ नूतन भाषा-रूपक बीचक सेतु सँ जोड़ल जाइत अछि। — अवहट्टसँ मैथिलीक साहित्यिक विकास बुझबाक सहायता भेटैत अछि।

३२५. (A) विद्यार्थी ‘अवहट्ट’ पढ़ैत समय पुरान आ नूतन भाषा-रूपक बीचक सेतु पर ध्यान देत। — अवहट्टसँ मैथिलीक साहित्यिक विकास बुझबाक सहायता भेटैत अछि।

३२६. (D) प्राकृतोत्तर भाषा-रूप, जाहिसँ पूर्वी भाषासभ विकसित भेल — मैथिलीक भाषिक इतिहासमे अपभ्रंश एक महत्त्वपूर्ण कड़ी अछि।

३२७. (A) अपभ्रंश — प्राकृतोत्तर भाषा-रूप, जाहिसँ पूर्वी भाषासभ विकसित भेल — मैथिलीक भाषिक इतिहासमे अपभ्रंश एक महत्त्वपूर्ण कड़ी अछि।

३२८. (B) कारण ई प्राकृतोत्तर भाषा-रूप, जाहिसँ पूर्वी भाषासभ विकसित भेल कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि। — मैथिलीक भाषिक इतिहासमे अपभ्रंश एक महत्त्वपूर्ण कड़ी अछि।

३२९. (C) ‘अपभ्रंश’ कैँ प्राकृतोत्तर भाषा-रूप, जाहिसँ पूर्वी भाषासभ विकसित भेल सँ जोड़ल जाइत अछि। — मैथिलीक भाषिक इतिहासमे अपभ्रंश एक महत्त्वपूर्ण कड़ी अछि।

३३०. (D) विद्यार्थी ‘अपभ्रंश’ पढ़ैत समय प्राकृतोत्तर भाषा-रूप, जाहिसँ पूर्वी भाषासभ विकसित भेल पर ध्यान देत। — मैथिलीक भाषिक इतिहासमे अपभ्रंश एक महत्त्वपूर्ण कड़ी अछि।

३३१. (B) गाम-घर, गीत, कथा आ व्यवहारमे जीवित भाषा — लोक-मैथिली पुस्तकसँ बाहर भाषा कैँ जनजीवनमे टिकबैत अछि।

३३२. (D) लोक-मैथिली — गाम-घर, गीत, कथा आ व्यवहारमे जीवित भाषा — लोक-मैथिली पुस्तकसँ बाहर भाषा कैँ जनजीवनमे टिकबैत अछि।

३३३. (B) कारण ई गाम-घर, गीत, कथा आ व्यवहारमे जीवित भाषा कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि। — लोक-मैथिली पुस्तकसँ बाहर भाषा कैँ जनजीवनमे टिकबैत अछि।

३३४. (D) ‘लोक-मैथिली’ कैँ गाम-घर, गीत, कथा आ व्यवहारमे जीवित भाषा सँ जोड़ल जाइत अछि। — लोक-मैथिली पुस्तकसँ बाहर भाषा कैँ जनजीवनमे टिकबैत अछि।

३३५. (C) विद्यार्थी ‘लोक-मैथिली’ पढ़ैत समय गाम-घर, गीत, कथा आ व्यवहारमे जीवित भाषा पर ध्यान देत। — लोक-मैथिली पुस्तकसँ बाहर भाषा कैँ जनजीवनमे टिकबैत अछि।

३३६. (D) कविता, कथा, नाटक, निबन्ध आ आलोचनाक परिष्कृत रूप — साहित्यिक मैथिली लोकभाषाक ऊर्जाकेँ रचनामे बदलैत अछि।

३३७. (B) साहित्यिक मैथिली — कविता, कथा, नाटक, निबन्ध आ आलोचनाक परिष्कृत रूप — साहित्यिक मैथिली लोकभाषाक ऊर्जाकेँ रचनामे बदलैत अछि।

३३८. (B) कारण ई कविता, कथा, नाटक, निबन्ध आ आलोचनाक परिष्कृत रूप कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि। — साहित्यिक मैथिली लोकभाषाक ऊर्जाकेँ रचनामे बदलैत अछि।

३३९. (C) ‘साहित्यिक मैथिली’ कैँ कविता, कथा, नाटक, निबन्ध आ आलोचनाक परिष्कृत रूप सँ जोड़ल जाइत अछि। — साहित्यिक मैथिली लोकभाषाक ऊर्जाकेँ रचनामे बदलैत अछि।

३४०. (B) विद्यार्थी ‘साहित्यिक मैथिली’ पढ़ैत समय कविता, कथा, नाटक, निबन्ध आ आलोचनाक परिष्कृत रूप पर ध्यान देत। — साहित्यिक मैथिली लोकभाषाक ऊर्जाकेँ रचनामे बदलैत अछि।

३४१. (C) मैथिलीकेँ काव्य-भाषा रूपेँ प्रतिष्ठा देनिहार धारा — विद्यापतिक पद मैथिली साहित्यिक गरिमा बढ़बैत अछि।

३४२. (A) विद्यापति भाषा — मैथिलीकेँ काव्य-भाषा रूपेँ प्रतिष्ठा देनिहार धारा — विद्यापतिक पद मैथिली साहित्यिक गरिमा बढ़बैत अछि।

३४३. (B) कारण ई मैथिलीकेँ काव्य-भाषा रूपेँ प्रतिष्ठा देनिहार धारा केँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि। — विद्यापतिक पद मैथिली साहित्यिक गरिमा बढ़बैत अछि।

३४४. (C) 'विद्यापति भाषा' केँ मैथिलीकेँ काव्य-भाषा रूपेँ प्रतिष्ठा देनिहार धारा सँ जोड़ल जाइत अछि। — विद्यापतिक पद मैथिली साहित्यिक गरिमा बढ़बैत अछि।

३४५. (B) विद्यार्थी 'विद्यापति भाषा' पढ़ैत समय मैथिलीकेँ काव्य-भाषा रूपेँ प्रतिष्ठा देनिहार धारा पर ध्यान देत। — विद्यापतिक पद मैथिली साहित्यिक गरिमा बढ़बैत अछि।

३४६. (C) पुरान गद्य आ समाज-वर्णनक महत्त्वपूर्ण लेखक — ज्योतिरीश्वरक नाम मैथिली गद्यक आरम्भिक विकाससँ जुड़ल अछि।

३४७. (A) ज्योतिरीश्वर — पुरान गद्य आ समाज-वर्णनक महत्त्वपूर्ण लेखक — ज्योतिरीश्वरक नाम मैथिली गद्यक आरम्भिक विकाससँ जुड़ल अछि।

३४८. (A) कारण ई पुरान गद्य आ समाज-वर्णनक महत्त्वपूर्ण लेखक केँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि। — ज्योतिरीश्वरक नाम मैथिली गद्यक आरम्भिक विकाससँ जुड़ल अछि।

३४९. (A) 'ज्योतिरीश्वर' केँ पुरान गद्य आ समाज-वर्णनक महत्त्वपूर्ण लेखक सँ जोड़ल जाइत अछि। — ज्योतिरीश्वरक नाम मैथिली गद्यक आरम्भिक विकाससँ जुड़ल अछि।

३५०. (A) विद्यार्थी 'ज्योतिरीश्वर' पढ़ैत समय पुरान गद्य आ समाज-वर्णनक महत्त्वपूर्ण लेखक पर ध्यान देत। — ज्योतिरीश्वरक नाम मैथिली गद्यक आरम्भिक विकाससँ जुड़ल अछि।

३५१. (B) समाज-वर्णन आ गद्य-कौशलक ऐतिहासिक ग्रन्थ — वर्णरत्नाकर पुरान मैथिली गद्यक प्रमुख आधार अछि।

३५२. (D) वर्णरत्नाकर — समाज-वर्णन आ गद्य-कौशलक ऐतिहासिक ग्रन्थ — वर्णरत्नाकर पुरान मैथिली गद्यक प्रमुख आधार अछि।

३५३. (C) कारण ई समाज-वर्णन आ गद्य-कौशलक ऐतिहासिक ग्रन्थ केँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि। — वर्णरत्नाकर पुरान मैथिली गद्यक प्रमुख आधार अछि।

३५४. (A) 'वर्णरत्नाकर' केँ समाज-वर्णन आ गद्य-कौशलक ऐतिहासिक ग्रन्थ सँ जोड़ल जाइत अछि। — वर्णरत्नाकर पुरान मैथिली गद्यक प्रमुख आधार अछि।

३५५. (C) विद्यार्थी 'वर्णरत्नाकर' पढ़ैत समय समाज-वर्णन आ गद्य-कौशलक ऐतिहासिक ग्रन्थ पर ध्यान देत। — वर्णरत्नाकर पुरान मैथिली गद्यक प्रमुख आधार अछि।

३५६. (A) मैथिलीकेँ अधिकार, शिक्षा आ प्रशासनमे स्थान देबाक चेतना — भाषा-सम्मान आधुनिक मैथिल समाजक सांस्कृतिक संघर्ष अछि।

३५७. (B) भाषा-सम्मान — मैथिलीकेँ अधिकार, शिक्षा आ प्रशासनमे स्थान देबाक चेतना — भाषा-सम्मान आधुनिक मैथिल समाजक सांस्कृतिक संघर्ष अछि।

३५८. (B) कारण ई मैथिलीकेँ अधिकार, शिक्षा आ प्रशासनमे स्थान देबाक चेतना केँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि। — भाषा-सम्मान आधुनिक मैथिल समाजक सांस्कृतिक संघर्ष अछि।

३५९. (A) 'भाषा-सम्मान' केँ मैथिलीकेँ अधिकार, शिक्षा आ प्रशासनमे स्थान देबाक चेतना सँ जोड़ल जाइत अछि। — भाषा-सम्मान आधुनिक मैथिल समाजक सांस्कृतिक संघर्ष अछि।

३६०. (D) विद्यार्थी 'भाषा-सम्मान' पढ़ैत समय मैथिलीकेँ अधिकार, शिक्षा आ प्रशासनमे स्थान देबाक चेतना पर ध्यान देत। — भाषा-सम्मान आधुनिक मैथिल समाजक सांस्कृतिक संघर्ष अछि।

३६१. (B) भारतीय संविधानमे मैथिलीक मान्यता केर पड़ाव — अष्टम अनुसूचीमे प्रवेश मैथिली भाषा-अधिकारक ऐतिहासिक उपलब्धि अछि।

३६२. (B) अष्टम अनुसूची — भारतीय संविधानमे मैथिलीक मान्यता केर पड़ाव — अष्टम अनुसूचीमे प्रवेश मैथिली भाषा-अधिकारक ऐतिहासिक उपलब्धि अछि।

३६३. (D) कारण ई भारतीय संविधानमे मैथिलीक मान्यता केर पड़ाव केँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि। — अष्टम अनुसूचीमे प्रवेश मैथिली भाषा-अधिकारक ऐतिहासिक उपलब्धि अछि।

३६४. (C) 'अष्टम अनुसूची' केँ भारतीय संविधानमे मैथिलीक मान्यता केर पड़ाव सँ जोड़ल जाइत अछि। — अष्टम अनुसूचीमे प्रवेश मैथिली भाषा-अधिकारक ऐतिहासिक उपलब्धि अछि।

३६५. (B) विद्यार्थी 'अष्टम अनुसूची' पढ़ैत समय भारतीय संविधानमे मैथिलीक मान्यता केर पड़ाव पर ध्यान देत। — अष्टम अनुसूचीमे प्रवेश मैथिली भाषा-अधिकारक ऐतिहासिक उपलब्धि अछि।

३६६. (A) मैथिली साहित्यक राष्ट्रीय संस्थागत स्वीकृति — ई मान्यता महत्त्वपूर्ण अछि, मुदा समानान्तर इतिहास संस्थागत राजनीति सेहो देखैत अछि।

३६७. (D) साहित्य अकादेमी मान्यता — मैथिली साहित्यक राष्ट्रीय संस्थागत स्वीकृति — ई मान्यता महत्त्वपूर्ण अछि, मुदा समानान्तर इतिहास संस्थागत राजनीति सेहो देखैत अछि।

३६८. (C) कारण ई मैथिली साहित्यक राष्ट्रीय संस्थागत स्वीकृति कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि। — ई मान्यता महत्त्वपूर्ण अछि, मुदा समानान्तर इतिहास संस्थागत राजनीति सेहो देखैत अछि।

३६९. (C) 'साहित्य अकादेमी मान्यता' कैँ मैथिली साहित्यक राष्ट्रीय संस्थागत स्वीकृति सँ जोड़ल जाइत अछि। — ई मान्यता महत्त्वपूर्ण अछि, मुदा समानान्तर इतिहास संस्थागत राजनीति सेहो देखैत अछि।

३७०. (A) विद्यार्थी 'साहित्य अकादेमी मान्यता' पढ़ैत समय मैथिली साहित्यक राष्ट्रीय संस्थागत स्वीकृति पर ध्यान देत। — ई मान्यता महत्त्वपूर्ण अछि, मुदा समानान्तर इतिहास संस्थागत राजनीति सेहो देखैत अछि।

३७१. (B) बच्चाक आरम्भिक शिक्षा अपन भाषामे करबाक विचार — मातृभाषा शिक्षा समझ, आत्मविश्वास आ भाषा-संरक्षण लेल जरूरी अछि।

३७२. (D) मातृभाषा शिक्षा — बच्चाक आरम्भिक शिक्षा अपन भाषामे करबाक विचार — मातृभाषा शिक्षा समझ, आत्मविश्वास आ भाषा-संरक्षण लेल जरूरी अछि।

३७३. (A) कारण ई बच्चाक आरम्भिक शिक्षा अपन भाषामे करबाक विचार कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि। — मातृभाषा शिक्षा समझ, आत्मविश्वास आ भाषा-संरक्षण लेल जरूरी अछि।

३७४. (A) 'मातृभाषा शिक्षा' कैँ बच्चाक आरम्भिक शिक्षा अपन भाषामे करबाक विचार सँ जोड़ल जाइत अछि। — मातृभाषा शिक्षा समझ, आत्मविश्वास आ भाषा-संरक्षण लेल जरूरी अछि।

३७५. (C) विद्यार्थी 'मातृभाषा शिक्षा' पढ़ैत समय बच्चाक आरम्भिक शिक्षा अपन भाषामे करबाक विचार पर ध्यान देत। — मातृभाषा शिक्षा समझ, आत्मविश्वास आ भाषा-संरक्षण लेल जरूरी अछि।

३७६. (B) भारत आ नेपाल दुनूमे पसरल भाषिक संसार — सीमापार मैथिली राजनीतिक सीमा सँ बड़ सांस्कृतिक निरन्तरता देखबैत अछि।

३७७. (D) सीमापार मैथिली — भारत आ नेपाल दुनूमे पसरल भाषिक संसार — सीमापार मैथिली राजनीतिक सीमा सँ बड़ सांस्कृतिक निरन्तरता देखबैत अछि।

३७८. (B) कारण ई भारत आ नेपाल दुनूमे पसरल भाषिक संसार कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि। — सीमापार मैथिली राजनीतिक सीमा सँ बड़ सांस्कृतिक निरन्तरता देखबैत अछि।

३७९. (B) 'सीमापार मैथिली' कैँ भारत आ नेपाल दुनूमे पसरल भाषिक संसार सँ जोड़ल जाइत अछि। — सीमापार मैथिली राजनीतिक सीमा सँ बड़ सांस्कृतिक निरन्तरता देखबैत अछि।

३८०. (D) विद्यार्थी 'सीमापार मैथिली' पढ़ैत समय भारत आ नेपाल दुनूमे पसरल भाषिक संसार पर ध्यान देत। — सीमापार मैथिली राजनीतिक सीमा सँ बड़ सांस्कृतिक निरन्तरता देखबैत अछि।

३८१. (A) शब्द, अर्थ आ प्रयोगक संग्रह — शब्दकोश भाषा-संरक्षण आ अध्ययनक आधार अछि।

३८२. (A) शब्दकोश — शब्द, अर्थ आ प्रयोगक संग्रह — शब्दकोश भाषा-संरक्षण आ अध्ययनक आधार अछि।

३८३. (D) कारण ई शब्द, अर्थ आ प्रयोगक संग्रह कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि। — शब्दकोश भाषा-संरक्षण आ अध्ययनक आधार अछि।

३८४. (D) 'शब्दकोश' कैँ शब्द, अर्थ आ प्रयोगक संग्रह सँ जोड़ल जाइत अछि। — शब्दकोश भाषा-संरक्षण आ अध्ययनक आधार अछि।

३८५. (C) विद्यार्थी 'शब्दकोश' पढ़ैत समय शब्द, अर्थ आ प्रयोगक संग्रह पर ध्यान देत। — शब्दकोश भाषा-संरक्षण आ अध्ययनक आधार अछि।

३८६. (D) भाषाक नियम आ रूपक व्यवस्थित प्रस्तुति — व्याकरण पढ़नाइ-पढ़ेनाइ आ शोध दुनू लेल आवश्यक अछि।

३८७. (C) व्याकरण — भाषाक नियम आ रूपक व्यवस्थित प्रस्तुति — व्याकरण पढ़नाइ-पढ़ेनाइ आ शोध दुनू लेल आवश्यक अछि।

३८८. (B) कारण ई भाषाक नियम आ रूपक व्यवस्थित प्रस्तुति कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि। — व्याकरण पढ़नाइ-पढ़ेनाइ आ शोध दुनू लेल आवश्यक अछि।

३८९. (B) 'व्याकरण' कैँ भाषाक नियम आ रूपक व्यवस्थित प्रस्तुति सँ जोड़ल जाइत अछि। — व्याकरण पढ़नाइ-पढ़ेनाइ आ शोध दुनू लेल आवश्यक अछि।

३९०. (B) विद्यार्थी 'व्याकरण' पढ़ैत समय भाषाक नियम आ रूपक व्यवस्थित प्रस्तुति पर ध्यान देत। — व्याकरण पढ़नाइ-पढ़ेनाइ आ शोध दुनू लेल आवश्यक अछि।

३९१. (B) वेब, ई-पत्रिका, ध्वनि-चित्र आ सामाजिक माध्यममे मैथिली — डिजिटल माध्यम मैथिलीकेँ वैश्विक पहुँच दैत अछि।

३९२. (A) डिजिटल मैथिली — वेब, ई-पत्रिका, ध्वनि-चित्र आ सामाजिक माध्यममे मैथिली — डिजिटल माध्यम मैथिलीकेँ वैश्विक पहुँच दैत अछि।

३९३. (B) कारण ई वेब, ई-पत्रिका, ध्वनि-चित्र आ सामाजिक माध्यममे मैथिली केँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि। — डिजिटल माध्यम मैथिलीकेँ वैश्विक पहुँच दैत अछि।

३९४. (C) 'डिजिटल मैथिली' केँ वेब, ई-पत्रिका, ध्वनि-चित्र आ सामाजिक माध्यममे मैथिली सँ जोड़ल जाइत अछि। — डिजिटल माध्यम मैथिलीकेँ वैश्विक पहुँच दैत अछि।

३९५. (D) विद्यार्थी 'डिजिटल मैथिली' पढ़ैत समय वेब, ई-पत्रिका, ध्वनि-चित्र आ सामाजिक माध्यममे मैथिली पर ध्यान देत। — डिजिटल माध्यम मैथिलीकेँ वैश्विक पहुँच दैत अछि।

३९६. (A) स्वाभाविक, मुहावरादार आ स्थानीय अभिव्यक्ति — शुद्ध मैथिली कृत्रिम शब्द-भंडार नहि, जीवित भाषाक अपन देह अछि।

३९७. (B) शुद्ध मैथिली — स्वाभाविक, मुहावरादार आ स्थानीय अभिव्यक्ति — शुद्ध मैथिली कृत्रिम शब्द-भंडार नहि, जीवित भाषाक अपन देह अछि।

३९८. (A) कारण ई स्वाभाविक, मुहावरादार आ स्थानीय अभिव्यक्ति केँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि। — शुद्ध मैथिली कृत्रिम शब्द-भंडार नहि, जीवित भाषाक अपन देह अछि।

३९९. (D) 'शुद्ध मैथिली' केँ स्वाभाविक, मुहावरादार आ स्थानीय अभिव्यक्ति सँ जोड़ल जाइत अछि। — शुद्ध मैथिली कृत्रिम शब्द-भंडार नहि, जीवित भाषाक अपन देह अछि।

४००. (D) विद्यार्थी 'शुद्ध मैथिली' पढ़ैत समय स्वाभाविक, मुहावरादार आ स्थानीय अभिव्यक्ति पर ध्यान देत। — शुद्ध मैथिली कृत्रिम शब्द-भंडार नहि, जीवित भाषाक अपन देह अछि।

४०१. (C) मैथिली पदावली आ संस्कृत कृतिसँ प्रतिष्ठित महान कवि — विद्यापति मैथिली साहित्यक सबसे प्रसिद्ध आधारस्तम्भ छथि।

४०२. (B) विद्यापति — मैथिली पदावली आ संस्कृत कृतिसँ प्रतिष्ठित महान कवि — विद्यापति मैथिली साहित्यक सबसे प्रसिद्ध आधारस्तम्भ छथि।

४०३. (B) कारण ई मैथिली पदावली आ संस्कृत कृतिसँ प्रतिष्ठित महान कवि केँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि। — विद्यापति मैथिली साहित्यक सबसे प्रसिद्ध आधारस्तम्भ छथि।

४०४. (C) 'विद्यापति' केँ मैथिली पदावली आ संस्कृत कृतिसँ प्रतिष्ठित महान कवि सँ जोड़ल जाइत अछि। — विद्यापति मैथिली साहित्यक सबसे प्रसिद्ध आधारस्तम्भ छथि।

४०५. (D) विद्यार्थी 'विद्यापति' पढ़ैत समय मैथिली पदावली आ संस्कृत कृतिसँ प्रतिष्ठित महान कवि पर ध्यान देत। — विद्यापति मैथिली साहित्यक सबसे प्रसिद्ध आधारस्तम्भ छथि।

४०६. (D) विद्यापतिक ऐतिहासिक-प्रशस्तिपरक काव्य — कीर्तिलता दरबार, इतिहास आ काव्यक संगम देखबैत अछि।

४०७. (D) कीर्तिलता — विद्यापतिक ऐतिहासिक-प्रशस्तिपरक काव्य — कीर्तिलता दरबार, इतिहास आ काव्यक संगम देखबैत अछि।

४०८. (A) कारण ई विद्यापतिक ऐतिहासिक-प्रशस्तिपरक काव्य केँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि। — कीर्तिलता दरबार, इतिहास आ काव्यक संगम देखबैत अछि।

४०९. (A) 'कीर्तिलता' केँ विद्यापतिक ऐतिहासिक-प्रशस्तिपरक काव्य सँ जोड़ल जाइत अछि। — कीर्तिलता दरबार, इतिहास आ काव्यक संगम देखबैत अछि।

४१०. (B) विद्यार्थी 'कीर्तिलता' पढ़ैत समय विद्यापतिक ऐतिहासिक-प्रशस्तिपरक काव्य पर ध्यान देत। — कीर्तिलता दरबार, इतिहास आ काव्यक संगम देखबैत अछि।

४११. (D) राजकीय प्रशस्ति आ दरबारी स्मृतिसँ जुड़ल कृति — कीर्तिपताका मिथिलाक दरबारी काव्य-परम्पराक संकेत अछि।

४१२. (A) कीर्तिपताका — राजकीय प्रशस्ति आ दरबारी स्मृतिसँ जुड़ल कृति — कीर्तिपताका मिथिलाक दरबारी काव्य-परम्पराक संकेत अछि।

४१३. (C) कारण ई राजकीय प्रशस्ति आ दरबारी स्मृतिसँ जुड़ल कृति केँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि। — कीर्तिपताका मिथिलाक दरबारी काव्य-परम्पराक संकेत अछि।

४१४. (D) 'कीर्तिपताका' कैं राजकीय प्रशस्ति आ दरबारी स्मृतिसँ जुड़ल कृति सँ जोड़ल जाइत अछि। — कीर्तिपताका मिथिलाक दरबारी काव्य-परम्पराक संकेत अछि।

४१५. (B) विद्यार्थी 'कीर्तिपताका' पढ़ैत समय राजकीय प्रशस्ति आ दरबारी स्मृतिसँ जुड़ल कृति पर ध्यान देत। — कीर्तिपताका मिथिलाक दरबारी काव्य-परम्पराक संकेत अछि।

४१६. (C) भक्ति, श्रृंगार आ लोकलय सँ युक्त गीतिकाव्य — पदावली मैथिलीक काव्य-ध्वनि बहुत दूर धरि पहुँचेलक।

४१७. (A) पदावली — भक्ति, श्रृंगार आ लोकलय सँ युक्त गीतिकाव्य — पदावली मैथिलीक काव्य-ध्वनि बहुत दूर धरि पहुँचेलक।

४१८. (A) कारण ई भक्ति, श्रृंगार आ लोकलय सँ युक्त गीतिकाव्य कैं मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि। — पदावली मैथिलीक काव्य-ध्वनि बहुत दूर धरि पहुँचेलक।

४१९. (D) 'पदावली' कैं भक्ति, श्रृंगार आ लोकलय सँ युक्त गीतिकाव्य सँ जोड़ल जाइत अछि। — पदावली मैथिलीक काव्य-ध्वनि बहुत दूर धरि पहुँचेलक।

४२०. (D) विद्यार्थी 'पदावली' पढ़ैत समय भक्ति, श्रृंगार आ लोकलय सँ युक्त गीतिकाव्य पर ध्यान देत। — पदावली मैथिलीक काव्य-ध्वनि बहुत दूर धरि पहुँचेलक।

४२१. (C) कीर्तनिया नाटकक पुरान परम्परा सँ जुड़ल नाम — उमापति उपाध्याय मैथिली रंग-परम्पराक महत्त्वपूर्ण स्मृति छथि।

४२२. (D) उमापति उपाध्याय — कीर्तनिया नाटकक पुरान परम्परा सँ जुड़ल नाम — उमापति उपाध्याय मैथिली रंग-परम्पराक महत्त्वपूर्ण स्मृति छथि।

४२३. (B) कारण ई कीर्तनिया नाटकक पुरान परम्परा सँ जुड़ल नाम कैं मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि। — उमापति उपाध्याय मैथिली रंग-परम्पराक महत्त्वपूर्ण स्मृति छथि।

४२४. (A) 'उमापति उपाध्याय' कैं कीर्तनिया नाटकक पुरान परम्परा सँ जुड़ल नाम सँ जोड़ल जाइत अछि। — उमापति उपाध्याय मैथिली रंग-परम्पराक महत्त्वपूर्ण स्मृति छथि।

४२५. (C) विद्यार्थी 'उमापति उपाध्याय' पढ़ैत समय कीर्तनिया नाटकक पुरान परम्परा सँ जुड़ल नाम पर ध्यान देत। — उमापति उपाध्याय मैथिली रंग-परम्पराक महत्त्वपूर्ण स्मृति छथि।

४२६. (B) गीत-प्रधान मैथिली नाट्य परम्परा — कीर्तनिया नाटक मिथिला आ नेपालक सांस्कृतिक सेतु अछि।

४२७. (D) कीर्तनिया नाटक — गीत-प्रधान मैथिली नाट्य परम्परा — कीर्तनिया नाटक मिथिला आ नेपालक सांस्कृतिक सेतु अछि।

४२८. (B) कारण ई गीत-प्रधान मैथिली नाट्य परम्परा कैं मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि। — कीर्तनिया नाटक मिथिला आ नेपालक सांस्कृतिक सेतु अछि।

४२९. (B) 'कीर्तनिया नाटक' कैं गीत-प्रधान मैथिली नाट्य परम्परा सँ जोड़ल जाइत अछि। — कीर्तनिया नाटक मिथिला आ नेपालक सांस्कृतिक सेतु अछि।

४३०. (D) विद्यार्थी 'कीर्तनिया नाटक' पढ़ैत समय गीत-प्रधान मैथिली नाट्य परम्परा पर ध्यान देत। — कीर्तनिया नाटक मिथिला आ नेपालक सांस्कृतिक सेतु अछि।

४३१. (C) आधुनिक मैथिली नवजागरणक प्रमुख कवि — चन्दा झा आधुनिक मैथिली काव्य-चेतना मे महत्त्वपूर्ण छथि।

४३२. (C) चन्दा झा — आधुनिक मैथिली नवजागरणक प्रमुख कवि — चन्दा झा आधुनिक मैथिली काव्य-चेतना मे महत्त्वपूर्ण छथि।

४३३. (A) कारण ई आधुनिक मैथिली नवजागरणक प्रमुख कवि कैं मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि। — चन्दा झा आधुनिक मैथिली काव्य-चेतना मे महत्त्वपूर्ण छथि।

४३४. (C) 'चन्दा झा' कैं आधुनिक मैथिली नवजागरणक प्रमुख कवि सँ जोड़ल जाइत अछि। — चन्दा झा आधुनिक मैथिली काव्य-चेतना मे महत्त्वपूर्ण छथि।

४३५. (A) विद्यार्थी 'चन्दा झा' पढ़ैत समय आधुनिक मैथिली नवजागरणक प्रमुख कवि पर ध्यान देत। — चन्दा झा आधुनिक मैथिली काव्य-चेतना मे महत्त्वपूर्ण छथि।

४३६. (C) मैथिली नवजागरणक साहित्यिक धारा सँ जुड़ल लेखक — रघुनन्दन दास नवजागरणीय साहित्यक एक महत्त्वपूर्ण कड़ी छथि।

४३७. (A) रघुनन्दन दास — मैथिली नवजागरणक साहित्यिक धारा सँ जुड़ल लेखक — रघुनन्दन दास नवजागरणीय साहित्यक एक महत्त्वपूर्ण कड़ी छथि।

४३८. (B) कारण ई मैथिली नवजागरणक साहित्यिक धारा सँ जुड़ल लेखक कैं मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि। — रघुनन्दन दास नवजागरणीय साहित्यक एक महत्त्वपूर्ण कड़ी छथि।

४३९. (B) ‘रघुनन्दन दास’ कैं मैथिली नवजागरणक साहित्यिक धारा सँ जुड़ल लेखक सँ जोड़ल जाइत अछि। — रघुनन्दन दास नवजागरणीय साहित्यक एक महत्त्वपूर्ण कड़ी छथि।

४४०. (A) विद्यार्थी ‘रघुनन्दन दास’ पढ़ैत समय मैथिली नवजागरणक साहित्यिक धारा सँ जुड़ल लेखक पर ध्यान देत। — रघुनन्दन दास नवजागरणीय साहित्यक एक महत्त्वपूर्ण कड़ी छथि।

४४१. (B) आधुनिक मैथिली पुनर्जागरणक स्मरणीय लेखक — लाल दास नवजागरणक साहित्यिक त्रयी-स्मृतिमे गनल जाइत छथि।

४४२. (C) लाल दास — आधुनिक मैथिली पुनर्जागरणक स्मरणीय लेखक — लाल दास नवजागरणक साहित्यिक त्रयी-स्मृतिमे गनल जाइत छथि।

४४३. (B) कारण ई आधुनिक मैथिली पुनर्जागरणक स्मरणीय लेखक कैं मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि। — लाल दास नवजागरणक साहित्यिक त्रयी-स्मृतिमे गनल जाइत छथि।

४४४. (A) ‘लाल दास’ कैं आधुनिक मैथिली पुनर्जागरणक स्मरणीय लेखक सँ जोड़ल जाइत अछि। — लाल दास नवजागरणक साहित्यिक त्रयी-स्मृतिमे गनल जाइत छथि।

४४५. (C) विद्यार्थी ‘लाल दास’ पढ़ैत समय आधुनिक मैथिली पुनर्जागरणक स्मरणीय लेखक पर ध्यान देत। — लाल दास नवजागरणक साहित्यिक त्रयी-स्मृतिमे गनल जाइत छथि।

४४६. (C) व्यंग्य, समाज-समीक्षा आ आधुनिक गद्यक प्रभावशाली लेखक — हरिमोहन झा रूढ़ि पर तीक्ष्ण हास्य करैत समाजकेँ प्रश्न करैत छथि।

४४७. (C) हरिमोहन झा — व्यंग्य, समाज-समीक्षा आ आधुनिक गद्यक प्रभावशाली लेखक — हरिमोहन झा रूढ़ि पर तीक्ष्ण हास्य करैत समाजकेँ प्रश्न करैत छथि।

४४८. (A) कारण ई व्यंग्य, समाज-समीक्षा आ आधुनिक गद्यक प्रभावशाली लेखक कैं मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि। — हरिमोहन झा रूढ़ि पर तीक्ष्ण हास्य करैत समाजकेँ प्रश्न करैत छथि।

४४९. (B) ‘हरिमोहन झा’ कैं व्यंग्य, समाज-समीक्षा आ आधुनिक गद्यक प्रभावशाली लेखक सँ जोड़ल जाइत अछि। — हरिमोहन झा रूढ़ि पर तीक्ष्ण हास्य करैत समाजकेँ प्रश्न करैत छथि।

४५०. (A) विद्यार्थी ‘हरिमोहन झा’ पढ़ैत समय व्यंग्य, समाज-समीक्षा आ आधुनिक गद्यक प्रभावशाली लेखक पर ध्यान देत। — हरिमोहन झा रूढ़ि पर तीक्ष्ण हास्य करैत समाजकेँ प्रश्न करैत छथि।

४५१. (B) हास्य-व्यंग्यद्वारा समाजक आलोचना — ई कृति लोकप्रसिद्धि आ आलोचनात्मक चेतना दुनू कारण महत्त्वपूर्ण अछि।

४५२. (C) खट्टर काकाक तरंग — हास्य-व्यंग्यद्वारा समाजक आलोचना — ई कृति लोकप्रसिद्धि आ आलोचनात्मक चेतना दुनू कारण महत्त्वपूर्ण अछि।

४५३. (C) कारण ई हास्य-व्यंग्यद्वारा समाजक आलोचना कैं मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि। — ई कृति लोकप्रसिद्धि आ आलोचनात्मक चेतना दुनू कारण महत्त्वपूर्ण अछि।

४५४. (A) ‘खट्टर काकाक तरंग’ कैं हास्य-व्यंग्यद्वारा समाजक आलोचना सँ जोड़ल जाइत अछि। — ई कृति लोकप्रसिद्धि आ आलोचनात्मक चेतना दुनू कारण महत्त्वपूर्ण अछि।

४५५. (B) विद्यार्थी ‘खट्टर काकाक तरंग’ पढ़ैत समय हास्य-व्यंग्यद्वारा समाजक आलोचना पर ध्यान देत। — ई कृति लोकप्रसिद्धि आ आलोचनात्मक चेतना दुनू कारण महत्त्वपूर्ण अछि।

४५६. (A) बच्चाक भाषा, कल्पना आ संस्कारक रचना-क्षेत्र — बाल साहित्य भविष्यक पाठक आ भाषा-संस्कृति तैयार करैत अछि।

४५७. (C) बाल साहित्य — बच्चाक भाषा, कल्पना आ संस्कारक रचना-क्षेत्र — बाल साहित्य भविष्यक पाठक आ भाषा-संस्कृति तैयार करैत अछि।

४५८. (C) कारण ई बच्चाक भाषा, कल्पना आ संस्कारक रचना-क्षेत्र कैं मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि। — बाल साहित्य भविष्यक पाठक आ भाषा-संस्कृति तैयार करैत अछि।

४५९. (A) ‘बाल साहित्य’ कैं बच्चाक भाषा, कल्पना आ संस्कारक रचना-क्षेत्र सँ जोड़ल जाइत अछि। — बाल साहित्य भविष्यक पाठक आ भाषा-संस्कृति तैयार करैत अछि।

४६०. (A) विद्यार्थी ‘बाल साहित्य’ पढ़ैत समय बच्चाक भाषा, कल्पना आ संस्कारक रचना-क्षेत्र पर ध्यान देत। — बाल साहित्य भविष्यक पाठक आ भाषा-संस्कृति तैयार करैत अछि।

४६१. (A) नारी अनुभव, प्रतिरोध आ स्मृतिक साहित्यिक स्वर — स्त्री लेखन समानान्तर इतिहासमे केन्द्रित होयबाक चाही।

४६२. (D) स्त्री लेखन — नारी अनुभव, प्रतिरोध आ स्मृतिक साहित्यिक स्वर — स्त्री लेखन समानान्तर इतिहासमे केन्द्रित होयबाक चाही।

४६३. (B) कारण ई नारी अनुभव, प्रतिरोध आ स्मृतिक साहित्यिक स्वर कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि। — स्त्री लेखन समानान्तर इतिहासमे केन्द्रित होयबाक चाही।

४६४. (D) 'स्त्री लेखन' कैँ नारी अनुभव, प्रतिरोध आ स्मृतिक साहित्यिक स्वर सँ जोड़ल जाइत अछि। — स्त्री लेखन समानान्तर इतिहासमे केन्द्रित होयबाक चाही।

४६५. (C) विद्यार्थी 'स्त्री लेखन' पढ़ैत समय नारी अनुभव, प्रतिरोध आ स्मृतिक साहित्यिक स्वर पर ध्यान देत। — स्त्री लेखन समानान्तर इतिहासमे केन्द्रित होयबाक चाही।

४६६. (D) हाशियाक समुदायसभक कथा, गीत आ संघर्ष — ई स्वर बिना मैथिली साहित्यक इतिहास अधूरा रहैत अछि।

४६७. (A) दलित-लोक स्वर — हाशियाक समुदायसभक कथा, गीत आ संघर्ष — ई स्वर बिना मैथिली साहित्यक इतिहास अधूरा रहैत अछि।

४६८. (C) कारण ई हाशियाक समुदायसभक कथा, गीत आ संघर्ष कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि। — ई स्वर बिना मैथिली साहित्यक इतिहास अधूरा रहैत अछि।

४६९. (C) 'दलित-लोक स्वर' कैँ हाशियाक समुदायसभक कथा, गीत आ संघर्ष सँ जोड़ल जाइत अछि। — ई स्वर बिना मैथिली साहित्यक इतिहास अधूरा रहैत अछि।

४७०. (B) विद्यार्थी 'दलित-लोक स्वर' पढ़ैत समय हाशियाक समुदायसभक कथा, गीत आ संघर्ष पर ध्यान देत। — ई स्वर बिना मैथिली साहित्यक इतिहास अधूरा रहैत अछि।

४७१. (D) साहित्यक अर्थ, मूल्य आ इतिहासक परीक्षण — आलोचना साहित्यकेँ केवल प्रशंसा नहि, विचारक क्षेत्र बनबैत अछि।

४७२. (C) आलोचना — साहित्यक अर्थ, मूल्य आ इतिहासक परीक्षण — आलोचना साहित्यकेँ केवल प्रशंसा नहि, विचारक क्षेत्र बनबैत अछि।

४७३. (B) कारण ई साहित्यक अर्थ, मूल्य आ इतिहासक परीक्षण कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि। — आलोचना साहित्यकेँ केवल प्रशंसा नहि, विचारक क्षेत्र बनबैत अछि।

४७४. (A) 'आलोचना' कैँ साहित्यक अर्थ, मूल्य आ इतिहासक परीक्षण सँ जोड़ल जाइत अछि। — आलोचना साहित्यकेँ केवल प्रशंसा नहि, विचारक क्षेत्र बनबैत अछि।

४७५. (A) विद्यार्थी 'आलोचना' पढ़ैत समय साहित्यक अर्थ, मूल्य आ इतिहासक परीक्षण पर ध्यान देत। — आलोचना साहित्यकेँ केवल प्रशंसा नहि, विचारक क्षेत्र बनबैत अछि।

४७६. (A) व्यक्ति-स्मृतिद्वारा समय आ समाजक चित्र — संस्मरण व्यक्तिगत अनुभवकेँ सामूहिक इतिहास बनबैत अछि।

४७७. (C) संस्मरण — व्यक्ति-स्मृतिद्वारा समय आ समाजक चित्र — संस्मरण व्यक्तिगत अनुभवकेँ सामूहिक इतिहास बनबैत अछि।

४७८. (A) कारण ई व्यक्ति-स्मृतिद्वारा समय आ समाजक चित्र कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि। — संस्मरण व्यक्तिगत अनुभवकेँ सामूहिक इतिहास बनबैत अछि।

४७९. (D) 'संस्मरण' कैँ व्यक्ति-स्मृतिद्वारा समय आ समाजक चित्र सँ जोड़ल जाइत अछि। — संस्मरण व्यक्तिगत अनुभवकेँ सामूहिक इतिहास बनबैत अछि।

४८०. (C) विद्यार्थी 'संस्मरण' पढ़ैत समय व्यक्ति-स्मृतिद्वारा समय आ समाजक चित्र पर ध्यान देत। — संस्मरण व्यक्तिगत अनुभवकेँ सामूहिक इतिहास बनबैत अछि।

४८१. (A) रचना, बहस आ नूतन लेखक कैँ मंच — पत्रिका मैथिली नवचेतना आ सार्वजनिक वाद-विवाद लेल महत्त्वपूर्ण अछि।

४८२. (B) पत्रिका-परम्परा — रचना, बहस आ नूतन लेखक कैँ मंच — पत्रिका मैथिली नवचेतना आ सार्वजनिक वाद-विवाद लेल महत्त्वपूर्ण अछि।

४८३. (C) कारण ई रचना, बहस आ नूतन लेखक कैँ मंच कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि। — पत्रिका मैथिली नवचेतना आ सार्वजनिक वाद-विवाद लेल महत्त्वपूर्ण अछि।

४८४. (B) 'पत्रिका-परम्परा' कैँ रचना, बहस आ नूतन लेखक कैँ मंच सँ जोड़ल जाइत अछि। — पत्रिका मैथिली नवचेतना आ सार्वजनिक वाद-विवाद लेल महत्त्वपूर्ण अछि।

४८५. (C) विद्यार्थी 'पत्रिका-परम्परा' पढ़ैत समय रचना, बहस आ नूतन लेखक कैँ मंच पर ध्यान देत। — पत्रिका मैथिली नवचेतना आ सार्वजनिक वाद-विवाद लेल महत्त्वपूर्ण अछि।

४८६. (A) मैथिली रचना, शोध आ संग्रहक डिजिटल मंच — विदेह ई-पत्रिका मैथिलीकेँ वैश्विक डिजिटल पाठक दैत अछि।

४८७. (B) विदेह ई-पत्रिका — मैथिली रचना, शोध आ संग्रहक डिजिटल मंच — विदेह ई-पत्रिका मैथिलीकेँ वैश्विक डिजिटल पाठक दैत अछि।

४८८. (A) कारण ई मैथिली रचना, शोध आ संग्रहक डिजिटल मंच केँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि। — विदेह ई-पत्रिका मैथिलीकेँ वैश्विक डिजिटल पाठक दैत अछि।

४८९. (C) 'विदेह ई-पत्रिका' केँ मैथिली रचना, शोध आ संग्रहक डिजिटल मंच सँ जोड़ल जाइत अछि। — विदेह ई-पत्रिका मैथिलीकेँ वैश्विक डिजिटल पाठक दैत अछि।

४९०. (B) विद्यार्थी 'विदेह ई-पत्रिका' पढ़ैत समय मैथिली रचना, शोध आ संग्रहक डिजिटल मंच पर ध्यान देत। — विदेह ई-पत्रिका मैथिलीकेँ वैश्विक डिजिटल पाठक दैत अछि।

४९१. (C) एक लेखक, विषय वा विधा पर केन्द्रित अध्ययन — विशेषांक गहींर साहित्यिक मूल्यांकनक उपयोगी माध्यम अछि।

४९२. (C) विशेषांक — एक लेखक, विषय वा विधा पर केन्द्रित अध्ययन — विशेषांक गहींर साहित्यिक मूल्यांकनक उपयोगी माध्यम अछि।

४९३. (B) कारण ई एक लेखक, विषय वा विधा पर केन्द्रित अध्ययन केँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि। — विशेषांक गहींर साहित्यिक मूल्यांकनक उपयोगी माध्यम अछि।

४९४. (A) 'विशेषांक' केँ एक लेखक, विषय वा विधा पर केन्द्रित अध्ययन सँ जोड़ल जाइत अछि। — विशेषांक गहींर साहित्यिक मूल्यांकनक उपयोगी माध्यम अछि।

४९५. (B) विद्यार्थी 'विशेषांक' पढ़ैत समय एक लेखक, विषय वा विधा पर केन्द्रित अध्ययन पर ध्यान देत। — विशेषांक गहींर साहित्यिक मूल्यांकनक उपयोगी माध्यम अछि।

४९६. (A) दरबारक संग लोक, स्त्री, दलित, प्रवासी आ डिजिटल स्वर केँ पढ़नाइ — ई दृष्टि साहित्य-इतिहासकेँ अधिक न्यायपूर्ण आ व्यापक बनबैत अछि।

४९७. (D) समानान्तर साहित्य-दृष्टि — दरबारक संग लोक, स्त्री, दलित, प्रवासी आ डिजिटल स्वर केँ पढ़नाइ — ई दृष्टि साहित्य-इतिहासकेँ अधिक न्यायपूर्ण आ व्यापक बनबैत अछि।

४९८. (C) कारण ई दरबारक संग लोक, स्त्री, दलित, प्रवासी आ डिजिटल स्वर केँ पढ़नाइ केँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि। — ई दृष्टि साहित्य-इतिहासकेँ अधिक न्यायपूर्ण आ व्यापक बनबैत अछि।

४९९. (A) 'समानान्तर साहित्य-दृष्टि' केँ दरबारक संग लोक, स्त्री, दलित, प्रवासी आ डिजिटल स्वर केँ पढ़नाइ सँ जोड़ल जाइत अछि। — ई दृष्टि साहित्य-इतिहासकेँ अधिक न्यायपूर्ण आ व्यापक बनबैत अछि।

५००. (C) विद्यार्थी 'समानान्तर साहित्य-दृष्टि' पढ़ैत समय दरबारक संग लोक, स्त्री, दलित, प्रवासी आ डिजिटल स्वर केँ पढ़नाइ पर ध्यान देत। — ई दृष्टि साहित्य-इतिहासकेँ अधिक न्यायपूर्ण आ व्यापक बनबैत अछि।

५०१. (D) भाइ-बहिन, पक्षी-रूपक आ स्त्री-लोकगीतक पबनी — समा-चकेवा मिथिलाक स्त्री-लोकसृजनक सुन्दर रूप अछि।

५०२. (D) समा-चकेवा — भाइ-बहिन, पक्षी-रूपक आ स्त्री-लोकगीतक पबनी — समा-चकेवा मिथिलाक स्त्री-लोकसृजनक सुन्दर रूप अछि।

५०३. (C) कारण ई भाइ-बहिन, पक्षी-रूपक आ स्त्री-लोकगीतक पबनी केँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि। — समा-चकेवा मिथिलाक स्त्री-लोकसृजनक सुन्दर रूप अछि।

५०४. (A) 'समा-चकेवा' केँ भाइ-बहिन, पक्षी-रूपक आ स्त्री-लोकगीतक पबनी सँ जोड़ल जाइत अछि। — समा-चकेवा मिथिलाक स्त्री-लोकसृजनक सुन्दर रूप अछि।

५०५. (D) विद्यार्थी 'समा-चकेवा' पढ़ैत समय भाइ-बहिन, पक्षी-रूपक आ स्त्री-लोकगीतक पबनी पर ध्यान देत। — समा-चकेवा मिथिलाक स्त्री-लोकसृजनक सुन्दर रूप अछि।

५०६. (D) नवविवाहित स्त्री, नाग-कथा आ सावन संस्कार — मधुश्रावणी विवाहोत्तर स्त्री-जीवन आ लोककथा सँ जुड़ल अछि।

५०७. (B) मधुश्रावणी — नवविवाहित स्त्री, नाग-कथा आ सावन संस्कार — मधुश्रावणी विवाहोत्तर स्त्री-जीवन आ लोककथा सँ जुड़ल अछि।

५०८. (A) कारण ई नवविवाहित स्त्री, नाग-कथा आ सावन संस्कार केँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि। — मधुश्रावणी विवाहोत्तर स्त्री-जीवन आ लोककथा सँ जुड़ल अछि।

५०९. (C) 'मधुश्रावणी' केँ नवविवाहित स्त्री, नाग-कथा आ सावन संस्कार सँ जोड़ल जाइत अछि। — मधुश्रावणी विवाहोत्तर स्त्री-जीवन आ लोककथा सँ जुड़ल अछि।

५१०. (B) विद्यार्थी 'मधुश्रावणी' पढ़ैत समय नवविवाहित स्त्री, नाग-कथा आ सावन संस्कार पर ध्यान देत। — मधुश्रावणी विवाहोत्तर स्त्री-जीवन आ लोककथा सँ जुड़ल अछि।

५११. (C) सूर्योपासना, जल, अनुशासन आ सामूहिक आस्था — छठ मिथिला आ बिहारक लोकधर्ममे अत्यन्त महत्त्वपूर्ण पर्व अछि।

५१२. (B) छठ — सूर्योपासना, जल, अनुशासन आ सामूहिक आस्था — छठ मिथिला आ बिहारक लोकधर्ममे अत्यन्त महत्त्वपूर्ण पर्व अछि।

५१३. (D) कारण ई सूर्योपासना, जल, अनुशासन आ सामूहिक आस्था कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि। — छठ मिथिला आ बिहारक लोकधर्ममे अत्यन्त महत्त्वपूर्ण पर्व अछि।

५१४. (C) 'छठ' कैँ सूर्योपासना, जल, अनुशासन आ सामूहिक आस्था सँ जोड़ल जाइत अछि। — छठ मिथिला आ बिहारक लोकधर्ममे अत्यन्त महत्त्वपूर्ण पर्व अछि।

५१५. (A) विद्यार्थी 'छठ' पढ़ैत समय सूर्योपासना, जल, अनुशासन आ सामूहिक आस्था पर ध्यान देत। — छठ मिथिला आ बिहारक लोकधर्ममे अत्यन्त महत्त्वपूर्ण पर्व अछि।

५१६. (C) सन्तान-कल्याण लेल मातृव्रत — जितिया मातृत्व आ लोकविश्वासक गहींर पर्व अछि।

५१७. (C) जितिया — सन्तान-कल्याण लेल मातृव्रत — जितिया मातृत्व आ लोकविश्वासक गहींर पर्व अछि।

५१८. (A) कारण ई सन्तान-कल्याण लेल मातृव्रत कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि। — जितिया मातृत्व आ लोकविश्वासक गहींर पर्व अछि।

५१९. (D) 'जितिया' कैँ सन्तान-कल्याण लेल मातृव्रत सँ जोड़ल जाइत अछि। — जितिया मातृत्व आ लोकविश्वासक गहींर पर्व अछि।

५२०. (C) विद्यार्थी 'जितिया' पढ़ैत समय सन्तान-कल्याण लेल मातृव्रत पर ध्यान देत। — जितिया मातृत्व आ लोकविश्वासक गहींर पर्व अछि।

५२१. (D) विवाहक कलात्मक-आनुष्ठानिक कक्ष — कोहबरमे उर्वरता, दाम्पत्य आ मंगलक प्रतीक बनैत अछि।

५२२. (B) कोहबर — विवाहक कलात्मक-आनुष्ठानिक कक्ष — कोहबरमे उर्वरता, दाम्पत्य आ मंगलक प्रतीक बनैत अछि।

५२३. (B) कारण ई विवाहक कलात्मक-आनुष्ठानिक कक्ष कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि। — कोहबरमे उर्वरता, दाम्पत्य आ मंगलक प्रतीक बनैत अछि।

५२४. (A) 'कोहबर' कैँ विवाहक कलात्मक-आनुष्ठानिक कक्ष सँ जोड़ल जाइत अछि। — कोहबरमे उर्वरता, दाम्पत्य आ मंगलक प्रतीक बनैत अछि।

५२५. (B) विद्यार्थी 'कोहबर' पढ़ैत समय विवाहक कलात्मक-आनुष्ठानिक कक्ष पर ध्यान देत। — कोहबरमे उर्वरता, दाम्पत्य आ मंगलक प्रतीक बनैत अछि।

५२६. (B) चावल-पिठारसँ बनल पूजापर्वक भूमिचित्र — अरिपन घर-आँगन कैँ मंगल-चिह्नसँ सजाबैत अछि।

५२७. (C) अरिपन — चावल-पिठारसँ बनल पूजापर्वक भूमिचित्र — अरिपन घर-आँगन कैँ मंगल-चिह्नसँ सजाबैत अछि।

५२८. (D) कारण ई चावल-पिठारसँ बनल पूजापर्वक भूमिचित्र कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि। — अरिपन घर-आँगन कैँ मंगल-चिह्नसँ सजाबैत अछि।

५२९. (C) 'अरिपन' कैँ चावल-पिठारसँ बनल पूजापर्वक भूमिचित्र सँ जोड़ल जाइत अछि। — अरिपन घर-आँगन कैँ मंगल-चिह्नसँ सजाबैत अछि।

५३०. (C) विद्यार्थी 'अरिपन' पढ़ैत समय चावल-पिठारसँ बनल पूजापर्वक भूमिचित्र पर ध्यान देत। — अरिपन घर-आँगन कैँ मंगल-चिह्नसँ सजाबैत अछि।

५३१. (D) जन्म-समारोहक लोकगीत — सोहर नवजीवनक सामूहिक आनन्द व्यक्त करैत अछि।

५३२. (D) सोहर — जन्म-समारोहक लोकगीत — सोहर नवजीवनक सामूहिक आनन्द व्यक्त करैत अछि।

५३३. (D) कारण ई जन्म-समारोहक लोकगीत कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि। — सोहर नवजीवनक सामूहिक आनन्द व्यक्त करैत अछि।

५३४. (D) 'सोहर' कैँ जन्म-समारोहक लोकगीत सँ जोड़ल जाइत अछि। — सोहर नवजीवनक सामूहिक आनन्द व्यक्त करैत अछि।

५३५. (A) विद्यार्थी 'सोहर' पढ़ैत समय जन्म-समारोहक लोकगीत पर ध्यान देत। — सोहर नवजीवनक सामूहिक आनन्द व्यक्त करैत अछि।

५३६. (B) विदाईक करुण गीत — समदाउन विवाहक भावुक सामाजिक पक्ष देखबैत अछि।

५३७. (A) समदाउन — विदाईक करुण गीत — समदाउन विवाहक भावुक सामाजिक पक्ष देखबैत अछि।

५३८. (D) कारण ई विदाईक करुण गीत कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि। — समदाउन विवाहक भावुक सामाजिक पक्ष देखबैत अछि।

५३९. (D) 'समदाउन' कैँ विदाईक करुण गीत सँ जोड़ल जाइत अछि। — समदाउन विवाहक भावुक सामाजिक पक्ष देखबैत अछि।

५४०. (A) विद्यार्थी 'समदाउन' पढ़ैत समय विदाईक करुण गीत पर ध्यान देत। — समदाउन विवाहक भावुक सामाजिक पक्ष देखबैत अछि।

५४१. (D) विवाहक विभिन्न क्रममे गाओल गीत — लग्नगीत विवाह-संस्कारक मौखिक अभिलेख अछि।

५४२. (C) लग्नगीत — विवाहक विभिन्न क्रममे गाओल गीत — लग्नगीत विवाह-संस्कारक मौखिक अभिलेख अछि।

५४३. (C) कारण ई विवाहक विभिन्न क्रममे गाओल गीत कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि। — लग्नगीत विवाह-संस्कारक मौखिक अभिलेख अछि।

५४४. (A) 'लग्नगीत' कैँ विवाहक विभिन्न क्रममे गाओल गीत सँ जोड़ल जाइत अछि। — लग्नगीत विवाह-संस्कारक मौखिक अभिलेख अछि।

५४५. (B) विद्यार्थी 'लग्नगीत' पढ़ैत समय विवाहक विभिन्न क्रममे गाओल गीत पर ध्यान देत। — लग्नगीत विवाह-संस्कारक मौखिक अभिलेख अछि।

५४६. (C) वर्षा, विरह आ स्त्रीस्वरक गीत — कजरी मौसम आ मनोदशाक लोकलय अछि।

५४७. (B) कजरी — वर्षा, विरह आ स्त्रीस्वरक गीत — कजरी मौसम आ मनोदशाक लोकलय अछि।

५४८. (D) कारण ई वर्षा, विरह आ स्त्रीस्वरक गीत कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि। — कजरी मौसम आ मनोदशाक लोकलय अछि।

५४९. (B) 'कजरी' कैँ वर्षा, विरह आ स्त्रीस्वरक गीत सँ जोड़ल जाइत अछि। — कजरी मौसम आ मनोदशाक लोकलय अछि।

५५०. (A) विद्यार्थी 'कजरी' पढ़ैत समय वर्षा, विरह आ स्त्रीस्वरक गीत पर ध्यान देत। — कजरी मौसम आ मनोदशाक लोकलय अछि।

५५१. (A) देवी-आस्था, स्त्री-नृत्य आ लोक-अभिनय — झिझिया लोकनाट्यात्मक पर्वक रूपमे देखल जाइत अछि।

५५२. (B) झिझिया — देवी-आस्था, स्त्री-नृत्य आ लोक-अभिनय — झिझिया लोकनाट्यात्मक पर्वक रूपमे देखल जाइत अछि।

५५३. (D) कारण ई देवी-आस्था, स्त्री-नृत्य आ लोक-अभिनय कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि। — झिझिया लोकनाट्यात्मक पर्वक रूपमे देखल जाइत अछि।

५५४. (A) 'झिझिया' कैँ देवी-आस्था, स्त्री-नृत्य आ लोक-अभिनय सँ जोड़ल जाइत अछि। — झिझिया लोकनाट्यात्मक पर्वक रूपमे देखल जाइत अछि।

५५५. (D) विद्यार्थी 'झिझिया' पढ़ैत समय देवी-आस्था, स्त्री-नृत्य आ लोक-अभिनय पर ध्यान देत। — झिझिया लोकनाट्यात्मक पर्वक रूपमे देखल जाइत अछि।

५५६. (A) वीर-गाथा आ लोकनायक पर आधारित दीर्घ गायन — लोरिक गीत लोक-वीरता आ मौखिक इतिहासक स्रोत अछि।

५५७. (C) लोरिक गीत — वीर-गाथा आ लोकनायक पर आधारित दीर्घ गायन — लोरिक गीत लोक-वीरता आ मौखिक इतिहासक स्रोत अछि।

५५८. (D) कारण ई वीर-गाथा आ लोकनायक पर आधारित दीर्घ गायन कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि। — लोरिक गीत लोक-वीरता आ मौखिक इतिहासक स्रोत अछि।

५५९. (B) 'लोरिक गीत' कैँ वीर-गाथा आ लोकनायक पर आधारित दीर्घ गायन सँ जोड़ल जाइत अछि। — लोरिक गीत लोक-वीरता आ मौखिक इतिहासक स्रोत अछि।

५६०. (B) विद्यार्थी 'लोरिक गीत' पढ़ैत समय वीर-गाथा आ लोकनायक पर आधारित दीर्घ गायन पर ध्यान देत। — लोरिक गीत लोक-वीरता आ मौखिक इतिहासक स्रोत अछि।

५६१. (D) लोकनायक, न्याय आ जनसमुदायक आस्था — सलहेस परम्परा हाशियाक समाजक सांस्कृतिक गरिमा देखबैत अछि।

५६२. (A) सलहेस — लोकनायक, न्याय आ जनसमुदायक आस्था — सलहेस परम्परा हाशियाक समाजक सांस्कृतिक गरिमा देखबैत अछि।

५६३. (D) कारण ई लोकनायक, न्याय आ जनसमुदायक आस्था कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि। — सलहेस परम्परा हाशियाक समाजक सांस्कृतिक गरिमा देखबैत अछि।

५६४. (C) 'सलहेस' कैँ लोकनायक, न्याय आ जनसमुदायक आस्था सँ जोड़ल जाइत अछि। — सलहेस परम्परा हाशियाक समाजक सांस्कृतिक गरिमा देखबैत अछि।

५६५. (C) विद्यार्थी 'सलहेस' पढ़ैत समय लोकनायक, न्याय आ जनसमुदायक आस्था पर ध्यान देत। — सलहेस परम्परा हाशियाक समाजक सांस्कृतिक गरिमा देखबैत अछि।

५६६. (A) श्रम, प्रतिरोध आ वंचित समुदाय केर लोकस्मृति — दीना-भद्री कथा समानान्तर इतिहासमे लोकप्रतिरोधक चिन्ह अछि।

५६७. (A) दीना-भद्री — श्रम, प्रतिरोध आ वंचित समुदाय केर लोकस्मृति — दीना-भद्री कथा समानान्तर इतिहासमे लोकप्रतिरोधक चिन्ह अछि।

५६८. (D) कारण ई श्रम, प्रतिरोध आ वंचित समुदाय केर लोकस्मृति कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि। — दीना-भद्री कथा समानान्तर इतिहासमे लोकप्रतिरोधक चिन्ह अछि।

५६९. (B) 'दीना-भद्री' कैँ श्रम, प्रतिरोध आ वंचित समुदाय केर लोकस्मृति सँ जोड़ल जाइत अछि। — दीना-भद्री कथा समानान्तर इतिहासमे लोकप्रतिरोधक चिन्ह अछि।

५७०. (B) विद्यार्थी 'दीना-भद्री' पढ़ैत समय श्रम, प्रतिरोध आ वंचित समुदाय केर लोकस्मृति पर ध्यान देत। — दीना-भद्री कथा समानान्तर इतिहासमे लोकप्रतिरोधक चिन्ह अछि।

५७१. (C) नागकथा, दाम्पत्य निष्ठा आ स्त्री-शक्ति — बिहुला कथा विभिन्न समुदायमे प्रचलित लोकगाथा अछि।

५७२. (B) बिहुला — नागकथा, दाम्पत्य निष्ठा आ स्त्री-शक्ति — बिहुला कथा विभिन्न समुदायमे प्रचलित लोकगाथा अछि।

५७३. (C) कारण ई नागकथा, दाम्पत्य निष्ठा आ स्त्री-शक्ति कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि। — बिहुला कथा विभिन्न समुदायमे प्रचलित लोकगाथा अछि।

५७४. (C) 'बिहुला' कैँ नागकथा, दाम्पत्य निष्ठा आ स्त्री-शक्ति सँ जोड़ल जाइत अछि। — बिहुला कथा विभिन्न समुदायमे प्रचलित लोकगाथा अछि।

५७५. (A) विद्यार्थी 'बिहुला' पढ़ैत समय नागकथा, दाम्पत्य निष्ठा आ स्त्री-शक्ति पर ध्यान देत। — बिहुला कथा विभिन्न समुदायमे प्रचलित लोकगाथा अछि।

५७६. (D) गामक सामूहिक भय, आशा आ संरक्षणक प्रतीक — लोकदेवता लिखित इतिहास बाहरक धार्मिक संसार देखबैत अछि।

५७७. (A) लोकदेवता — गामक सामूहिक भय, आशा आ संरक्षणक प्रतीक — लोकदेवता लिखित इतिहास बाहरक धार्मिक संसार देखबैत अछि।

५७८. (B) कारण ई गामक सामूहिक भय, आशा आ संरक्षणक प्रतीक कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि। — लोकदेवता लिखित इतिहास बाहरक धार्मिक संसार देखबैत अछि।

५७९. (A) 'लोकदेवता' कैँ गामक सामूहिक भय, आशा आ संरक्षणक प्रतीक सँ जोड़ल जाइत अछि। — लोकदेवता लिखित इतिहास बाहरक धार्मिक संसार देखबैत अछि।

५८०. (D) विद्यार्थी 'लोकदेवता' पढ़ैत समय गामक सामूहिक भय, आशा आ संरक्षणक प्रतीक पर ध्यान देत। — लोकदेवता लिखित इतिहास बाहरक धार्मिक संसार देखबैत अछि।

५८१. (D) मैथिल सम्मान आ पहचानक सिरपोश — पाग केवल वस्त्र नहि, सामुदायिक गरिमाक चिह्न अछि।

५८२. (C) पाग — मैथिल सम्मान आ पहचानक सिरपोश — पाग केवल वस्त्र नहि, सामुदायिक गरिमाक चिह्न अछि।

५८३. (C) कारण ई मैथिल सम्मान आ पहचानक सिरपोश कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि। — पाग केवल वस्त्र नहि, सामुदायिक गरिमाक चिह्न अछि।

५८४. (C) 'पाग' कैँ मैथिल सम्मान आ पहचानक सिरपोश सँ जोड़ल जाइत अछि। — पाग केवल वस्त्र नहि, सामुदायिक गरिमाक चिह्न अछि।

५८५. (D) विद्यार्थी 'पाग' पढ़ैत समय मैथिल सम्मान आ पहचानक सिरपोश पर ध्यान देत। — पाग केवल वस्त्र नहि, सामुदायिक गरिमाक चिह्न अछि।

५८६. (D) घर-आँगनमे पीढ़ी-दर-पीढ़ी चलैत अनुभवक गीत — स्त्रीगीत समानान्तर इतिहास लेल अमूल्य मौखिक स्रोत अछि।

५८७. (D) स्त्रीगीत — घर-आँगनमे पीढ़ी-दर-पीढ़ी चलैत अनुभवक गीत — स्त्रीगीत समानान्तर इतिहास लेल अमूल्य मौखिक स्रोत अछि।

५८८. (C) कारण ई घर-आँगनमे पीढ़ी-दर-पीढ़ी चलैत अनुभवक गीत कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि। — स्त्रीगीत समानान्तर इतिहास लेल अमूल्य मौखिक स्रोत अछि।

५८९. (D) 'स्त्रीगीत' कैँ घर-आँगनमे पीढ़ी-दर-पीढ़ी चलैत अनुभवक गीत सँ जोड़ल जाइत अछि। — स्त्रीगीत समानान्तर इतिहास लेल अमूल्य मौखिक स्रोत अछि।

५९०. (A) विद्यार्थी 'स्त्रीगीत' पढ़ैत समय घर-आँगनमे पीढ़ी-दर-पीढ़ी चलैत अनुभवक गीत पर ध्यान देत। — स्त्रीगीत समानान्तर इतिहास लेल अमूल्य मौखिक स्रोत अछि।

५९१. (B) बातचीत, निर्णय, गीत आ समाचारक ग्रामीण स्थान — चौपाल लोक-लोकतन्त्रक गामक रूप अछि।

५९२. (D) चौपाल — बातचीत, निर्णय, गीत आ समाचारक ग्रामीण स्थान — चौपाल लोक-लोकतन्त्रक गामक रूप अछि।

५९३. (B) कारण ई बातचीत, निर्णय, गीत आ समाचारक ग्रामीण स्थान कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि। — चौपाल लोक-लोकतन्त्रक गामक रूप अछि।

५९४. (B) 'चौपाल' कैँ बातचीत, निर्णय, गीत आ समाचारक ग्रामीण स्थान सँ जोड़ल जाइत अछि। — चौपाल लोक-लोकतन्त्रक गामक रूप अछि।

५९५. (D) विद्यार्थी 'चौपाल' पढ़ैत समय बातचीत, निर्णय, गीत आ समाचारक ग्रामीण स्थान पर ध्यान देत। — चौपाल लोक-लोकतन्त्रक गामक रूप अछि।

५९६. (D) ग्रामीण अर्थव्यवस्था आ सांस्कृतिक मिलनक स्थल — हाट-बजार समाजक आर्थिक आ सांस्कृतिक गति देखबैत अछि।

५९७. (D) हाट-बजार — ग्रामीण अर्थव्यवस्था आ सांस्कृतिक मिलनक स्थल — हाट-बजार समाजक आर्थिक आ सांस्कृतिक गति देखबैत अछि।

५९८. (C) कारण ई ग्रामीण अर्थव्यवस्था आ सांस्कृतिक मिलनक स्थल कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि। — हाट-बजार समाजक आर्थिक आ सांस्कृतिक गति देखबैत अछि।

५९९. (B) 'हाट-बजार' कैँ ग्रामीण अर्थव्यवस्था आ सांस्कृतिक मिलनक स्थल सँ जोड़ल जाइत अछि। — हाट-बजार समाजक आर्थिक आ सांस्कृतिक गति देखबैत अछि।

६००. (B) विद्यार्थी 'हाट-बजार' पढ़ैत समय ग्रामीण अर्थव्यवस्था आ सांस्कृतिक मिलनक स्थल पर ध्यान देत। — हाट-बजार समाजक आर्थिक आ सांस्कृतिक गति देखबैत अछि।

६०१. (B) बाढ़, धारा-परिवर्तन आ उत्तर मिथिलाक जीवन-संघर्ष — कोसीक प्रभाव मिथिलाक भूगोल, विस्थापन आ लोकस्मृतिमे गहींर अछि।

६०२. (D) कोसी — बाढ़, धारा-परिवर्तन आ उत्तर मिथिलाक जीवन-संघर्ष — कोसीक प्रभाव मिथिलाक भूगोल, विस्थापन आ लोकस्मृतिमे गहींर अछि।

६०३. (B) कारण ई बाढ़, धारा-परिवर्तन आ उत्तर मिथिलाक जीवन-संघर्ष कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि। — कोसीक प्रभाव मिथिलाक भूगोल, विस्थापन आ लोकस्मृतिमे गहींर अछि।

६०४. (A) 'कोसी' कैँ बाढ़, धारा-परिवर्तन आ उत्तर मिथिलाक जीवन-संघर्ष सँ जोड़ल जाइत अछि। — कोसीक प्रभाव मिथिलाक भूगोल, विस्थापन आ लोकस्मृतिमे गहींर अछि।

६०५. (B) विद्यार्थी 'कोसी' पढ़ैत समय बाढ़, धारा-परिवर्तन आ उत्तर मिथिलाक जीवन-संघर्ष पर ध्यान देत। — कोसीक प्रभाव मिथिलाक भूगोल, विस्थापन आ लोकस्मृतिमे गहींर अछि।

६०६. (A) नदी-संस्कृति, सिंचाइ आ बाढ़क स्रोत — कमला लोकगीत, खेत आ बाढ़ इतिहासमे उपस्थित अछि।

६०७. (C) कमला — नदी-संस्कृति, सिंचाइ आ बाढ़क स्रोत — कमला लोकगीत, खेत आ बाढ़ इतिहासमे उपस्थित अछि।

६०८. (A) कारण ई नदी-संस्कृति, सिंचाइ आ बाढ़क स्रोत कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि। — कमला लोकगीत, खेत आ बाढ़ इतिहासमे उपस्थित अछि।

६०९. (C) 'कमला' कैँ नदी-संस्कृति, सिंचाइ आ बाढ़क स्रोत सँ जोड़ल जाइत अछि। — कमला लोकगीत, खेत आ बाढ़ इतिहासमे उपस्थित अछि।

६१०. (C) विद्यार्थी 'कमला' पढ़ैत समय नदी-संस्कृति, सिंचाइ आ बाढ़क स्रोत पर ध्यान देत। — कमला लोकगीत, खेत आ बाढ़ इतिहासमे उपस्थित अछि।

६११. (C) जल, बाढ़ आ धार्मिक-सांस्कृतिक भूगोलक नदी — बागमती मिथिलाक नदी-जालक महत्त्वपूर्ण धारा अछि।

६१२. (C) बागमती — जल, बाढ़ आ धार्मिक-सांस्कृतिक भूगोलक नदी — बागमती मिथिलाक नदी-जालक महत्त्वपूर्ण धारा अछि।

६१३. (A) कारण ई जल, बाढ़ आ धार्मिक-सांस्कृतिक भूगोलक नदी कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि। — बागमती मिथिलाक नदी-जालक महत्त्वपूर्ण धारा अछि।

६१४. (A) 'बागमती' कैँ जल, बाढ़ आ धार्मिक-सांस्कृतिक भूगोलक नदी सँ जोड़ल जाइत अछि। — बागमती मिथिलाक नदी-जालक महत्त्वपूर्ण धारा अछि।

६१५. (A) विद्यार्थी 'बागमती' पढ़ैत समय जल, बाढ़ आ धार्मिक-सांस्कृतिक भूगोलक नदी पर ध्यान देत। — बागमती मिथिलाक नदी-जालक महत्त्वपूर्ण धारा अछि।

६१६. (D) उत्तर बिहारक नदी-व्यवस्था आ कृषि सँ जुड़ल धारा — गंडक क्षेत्रीय जल-परिदृश्य बुझबामे सहायक अछि।

६१७. (C) गंडक — उत्तर बिहारक नदी-व्यवस्था आ कृषि सँ जुड़ल धारा — गंडक क्षेत्रीय जल-परिदृश्य बुझबामे सहायक अछि।

६१८. (B) कारण ई उत्तर बिहारक नदी-व्यवस्था आ कृषि सँ जुड़ल धारा कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि। — गंडक क्षेत्रीय जल-परिदृश्य बुझबामे सहायक अछि।

६१९. (C) 'गंडक' कैँ उत्तर बिहारक नदी-व्यवस्था आ कृषि सँ जुड़ल धारा सँ जोड़ल जाइत अछि। — गंडक क्षेत्रीय जल-परिदृश्य बुझबामे सहायक अछि।

६२०. (D) विद्यार्थी 'गंडक' पढ़ैत समय उत्तर बिहारक नदी-व्यवस्था आ कृषि सँ जुड़ल धारा पर ध्यान देत। — गंडक क्षेत्रीय जल-परिदृश्य बुझबामे सहायक अछि।

६२१. (D) स्थानीय नदी-स्मृति आ बाढ़-परिवेश — बलान अनेक गामक कृषि आ बाढ़ इतिहासमे उपस्थित अछि।

६२२. (A) बलान — स्थानीय नदी-स्मृति आ बाढ़-परिवेश — बलान अनेक गामक कृषि आ बाढ़ इतिहासमे उपस्थित अछि।

६२३. (A) कारण ई स्थानीय नदी-स्मृति आ बाढ़-परिवेश कैं मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि। — बलान अनेक गामक कृषि आ बाढ़ इतिहासमे उपस्थित अछि।

६२४. (D) 'बलान' कैं स्थानीय नदी-स्मृति आ बाढ़-परिवेश सँ जोड़ल जाइत अछि। — बलान अनेक गामक कृषि आ बाढ़ इतिहासमे उपस्थित अछि।

६२५. (A) विद्यार्थी 'बलान' पढ़ैत समय स्थानीय नदी-स्मृति आ बाढ़-परिवेश पर ध्यान देत। — बलान अनेक गामक कृषि आ बाढ़ इतिहासमे उपस्थित अछि।

६२६. (B) मिथिलाक मुख्य अन्न आ कृषि-संस्कृतिक आधार — धान खेत, गीत, श्रम आ भोजनक केन्द्रमे अछि।

६२७. (B) धान — मिथिलाक मुख्य अन्न आ कृषि-संस्कृतिक आधार — धान खेत, गीत, श्रम आ भोजनक केन्द्रमे अछि।

६२८. (A) कारण ई मिथिलाक मुख्य अन्न आ कृषि-संस्कृतिक आधार कैं मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि। — धान खेत, गीत, श्रम आ भोजनक केन्द्रमे अछि।

६२९. (B) 'धान' कैं मिथिलाक मुख्य अन्न आ कृषि-संस्कृतिक आधार सँ जोड़ल जाइत अछि। — धान खेत, गीत, श्रम आ भोजनक केन्द्रमे अछि।

६३०. (B) विद्यार्थी 'धान' पढ़ैत समय मिथिलाक मुख्य अन्न आ कृषि-संस्कृतिक आधार पर ध्यान देत। — धान खेत, गीत, श्रम आ भोजनक केन्द्रमे अछि।

६३१. (C) रबी फसिल आ ग्रामीण अर्थजीवनक अन्न — गहूँ कृषि चक्रक दोसर प्रमुख अन्न अछि।

६३२. (C) गहूँ — रबी फसिल आ ग्रामीण अर्थजीवनक अन्न — गहूँ कृषि चक्रक दोसर प्रमुख अन्न अछि।

६३३. (C) कारण ई रबी फसिल आ ग्रामीण अर्थजीवनक अन्न कैं मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि। — गहूँ कृषि चक्रक दोसर प्रमुख अन्न अछि।

६३४. (A) 'गहूँ' कैं रबी फसिल आ ग्रामीण अर्थजीवनक अन्न सँ जोड़ल जाइत अछि। — गहूँ कृषि चक्रक दोसर प्रमुख अन्न अछि।

६३५. (A) विद्यार्थी 'गहूँ' पढ़ैत समय रबी फसिल आ ग्रामीण अर्थजीवनक अन्न पर ध्यान देत। — गहूँ कृषि चक्रक दोसर प्रमुख अन्न अछि।

६३६. (C) भुट्टा, चूड़ा आ मिश्रित खेतीसँ जुड़ल फसल — मक्का स्थानीय भोजन-संस्कृति आ खेतक विविधता देखबैत अछि।

६३७. (C) मक्का — भुट्टा, चूड़ा आ मिश्रित खेतीसँ जुड़ल फसल — मक्का स्थानीय भोजन-संस्कृति आ खेतक विविधता देखबैत अछि।

६३८. (A) कारण ई भुट्टा, चूड़ा आ मिश्रित खेतीसँ जुड़ल फसल कैं मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि। — मक्का स्थानीय भोजन-संस्कृति आ खेतक विविधता देखबैत अछि।

६३९. (C) 'मक्का' कैं भुट्टा, चूड़ा आ मिश्रित खेतीसँ जुड़ल फसल सँ जोड़ल जाइत अछि। — मक्का स्थानीय भोजन-संस्कृति आ खेतक विविधता देखबैत अछि।

६४०. (A) विद्यार्थी 'मक्का' पढ़ैत समय भुट्टा, चूड़ा आ मिश्रित खेतीसँ जुड़ल फसल पर ध्यान देत। — मक्का स्थानीय भोजन-संस्कृति आ खेतक विविधता देखबैत अछि।

६४१. (B) पोखरि-आधारित जलकृषि आ विशिष्ट उत्पाद — मखान मिथिलाक जल-आधारित अर्थजीवनक खास पहचान अछि।

६४२. (B) मखान — पोखरि-आधारित जलकृषि आ विशिष्ट उत्पाद — मखान मिथिलाक जल-आधारित अर्थजीवनक खास पहचान अछि।

६४३. (C) कारण ई पोखरि-आधारित जलकृषि आ विशिष्ट उत्पाद कैं मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि। — मखान मिथिलाक जल-आधारित अर्थजीवनक खास पहचान अछि।

६४४. (B) 'मखान' कैं पोखरि-आधारित जलकृषि आ विशिष्ट उत्पाद सँ जोड़ल जाइत अछि। — मखान मिथिलाक जल-आधारित अर्थजीवनक खास पहचान अछि।

६४५. (A) विद्यार्थी 'मखान' पढ़ैत समय पोखरि-आधारित जलकृषि आ विशिष्ट उत्पाद पर ध्यान देत। — मखान मिथिलाक जल-आधारित अर्थजीवनक खास पहचान अछि।

६४६. (C) बगैचा, ऋतु आ अतिथि-सत्कारक फल — आम गाछ आ बगैचा मिथिला ग्राम-संस्कृतिमे प्रमुख अछि।

६४७. (D) आम — बगैचा, ऋतु आ अतिथि-सत्कारक फल — आम गाछ आ बगैचा मिथिला ग्राम-संस्कृतिमे प्रमुख अछि।

६४८. (D) कारण ई बगैचा, ऋतु आ अतिथि-सत्कारक फल कैं मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि। — आम गाछ आ बगैचा मिथिला ग्राम-संस्कृतिमे प्रमुख अछि।

६४९. (C) 'आम' कैं बगैचा, ऋतु आ अतिथि-सत्कारक फल सँ जोड़ल जाइत अछि। — आम गाछ आ बगैचा मिथिला ग्राम-संस्कृतिमे प्रमुख अछि।

६५०. (D) विद्यार्थी 'आम' पढ़ैत समय बगैचा, ऋतु आ अतिथि-सत्कारक फल पर ध्यान देत। — आम गाछ आ बगैचा मिथिला ग्राम-संस्कृतिमे प्रमुख अछि।

६५१. (B) उत्तर बिहारक बागानी आ बाजारक महत्त्वपूर्ण फल — लीची मौसम, बाजार आ बगैचा-अर्थव्यवस्थासँ जुड़ल अछि।

६५२. (A) लीची — उत्तर बिहारक बागानी आ बाजारक महत्त्वपूर्ण फल — लीची मौसम, बाजार आ बगैचा-अर्थव्यवस्थासँ जुड़ल अछि।

६५३. (A) कारण ई उत्तर बिहारक बागानी आ बाजारक महत्त्वपूर्ण फल कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि। — लीची मौसम, बाजार आ बगैचा-अर्थव्यवस्थासँ जुड़ल अछि।

६५४. (C) 'लीची' कैँ उत्तर बिहारक बागानी आ बाजारक महत्त्वपूर्ण फल सँ जोड़ल जाइत अछि। — लीची मौसम, बाजार आ बगैचा-अर्थव्यवस्थासँ जुड़ल अछि।

६५५. (B) विद्यार्थी 'लीची' पढ़ैत समय उत्तर बिहारक बागानी आ बाजारक महत्त्वपूर्ण फल पर ध्यान देत। — लीची मौसम, बाजार आ बगैचा-अर्थव्यवस्थासँ जुड़ल अछि।

६५६. (D) तेल, पीयर फूल आ रबी खेतीक छवि — सरसों खेतक रंग आ भोजन दुनू सँ जुड़ल अछि।

६५७. (C) सरसों — तेल, पीयर फूल आ रबी खेतीक छवि — सरसों खेतक रंग आ भोजन दुनू सँ जुड़ल अछि।

६५८. (C) कारण ई तेल, पीयर फूल आ रबी खेतीक छवि कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि। — सरसों खेतक रंग आ भोजन दुनू सँ जुड़ल अछि।

६५९. (A) 'सरसों' कैँ तेल, पीयर फूल आ रबी खेतीक छवि सँ जोड़ल जाइत अछि। — सरसों खेतक रंग आ भोजन दुनू सँ जुड़ल अछि।

६६०. (B) विद्यार्थी 'सरसों' पढ़ैत समय तेल, पीयर फूल आ रबी खेतीक छवि पर ध्यान देत। — सरसों खेतक रंग आ भोजन दुनू सँ जुड़ल अछि।

६६१. (C) नम क्षेत्रक नकदी फसल आ श्रम-साधन — जूट पूर्वी मिथिला आ आस-पासक आर्थिक इतिहासमे देखल जाइत अछि।

६६२. (D) जूट — नम क्षेत्रक नकदी फसल आ श्रम-साधन — जूट पूर्वी मिथिला आ आस-पासक आर्थिक इतिहासमे देखल जाइत अछि।

६६३. (A) कारण ई नम क्षेत्रक नकदी फसल आ श्रम-साधन कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि। — जूट पूर्वी मिथिला आ आस-पासक आर्थिक इतिहासमे देखल जाइत अछि।

६६४. (C) 'जूट' कैँ नम क्षेत्रक नकदी फसल आ श्रम-साधन सँ जोड़ल जाइत अछि। — जूट पूर्वी मिथिला आ आस-पासक आर्थिक इतिहासमे देखल जाइत अछि।

६६५. (C) विद्यार्थी 'जूट' पढ़ैत समय नम क्षेत्रक नकदी फसल आ श्रम-साधन पर ध्यान देत। — जूट पूर्वी मिथिला आ आस-पासक आर्थिक इतिहासमे देखल जाइत अछि।

६६६. (B) नदी-पोखरि, भोजन आ जीविका संसाधन — माछ मिथिलाक जल-जीवनक आधार अछि।

६६७. (C) माछ — नदी-पोखरि, भोजन आ जीविका संसाधन — माछ मिथिलाक जल-जीवनक आधार अछि।

६६८. (A) कारण ई नदी-पोखरि, भोजन आ जीविका संसाधन कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि। — माछ मिथिलाक जल-जीवनक आधार अछि।

६६९. (A) 'माछ' कैँ नदी-पोखरि, भोजन आ जीविका संसाधन सँ जोड़ल जाइत अछि। — माछ मिथिलाक जल-जीवनक आधार अछि।

६७०. (D) विद्यार्थी 'माछ' पढ़ैत समय नदी-पोखरि, भोजन आ जीविका संसाधन पर ध्यान देत। — माछ मिथिलाक जल-जीवनक आधार अछि।

६७१. (D) जल-संग्रह, मखान, माछ, स्नान आ पूजा-केंद्र — पोखरि मिथिला गामक सामाजिक-आर्थिक हृदय अछि।

६७२. (D) पोखरि — जल-संग्रह, मखान, माछ, स्नान आ पूजा-केंद्र — पोखरि मिथिला गामक सामाजिक-आर्थिक हृदय अछि।

६७३. (A) कारण ई जल-संग्रह, मखान, माछ, स्नान आ पूजा-केंद्र कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि। — पोखरि मिथिला गामक सामाजिक-आर्थिक हृदय अछि।

६७४. (C) 'पोखरि' कैँ जल-संग्रह, मखान, माछ, स्नान आ पूजा-केंद्र सँ जोड़ल जाइत अछि। — पोखरि मिथिला गामक सामाजिक-आर्थिक हृदय अछि।

६७५. (A) विद्यार्थी 'पोखरि' पढ़ैत समय जल-संग्रह, मखान, माछ, स्नान आ पूजा-केंद्र पर ध्यान देत। — पोखरि मिथिला गामक सामाजिक-आर्थिक हृदय अछि।

६७६. (C) बरसाती जलधरि आ कृषि-चराईक क्षेत्र — चौर मिथिलाक जल-भूगोलक खास रूप अछि।

६७७. (D) चौर — बरसाती जलधरि आ कृषि-चराईक क्षेत्र — चौर मिथिलाक जल-भूगोलक खास रूप अछि।

६७८. (D) कारण ई बरसाती जलधरि आ कृषि-चराईक क्षेत्र कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि। — चौर मिथिलाक जल-भूगोलक खास रूप अछि।

६७९. (B) ‘चौर’ कैँ बरसाती जलधरि आ कृषि-चराईक क्षेत्र सँ जोड़ल जाइत अछि। — चौर मिथिलाक जल-भूगोलक खास रूप अछि।

६८०. (D) विद्यार्थी ‘चौर’ पढ़ैत समय बरसाती जलधरि आ कृषि-चराईक क्षेत्र पर ध्यान देत। — चौर मिथिलाक जल-भूगोलक खास रूप अछि।

६८१. (C) विनाश आ उर्वरता दुनू अनबाक प्राकृतिक घटना — बाढ़ मिथिलाक लोकस्मृति, विस्थापन आ खेती पर असर करैत अछि।

६८२. (C) बाढ़ — विनाश आ उर्वरता दुनू अनबाक प्राकृतिक घटना — बाढ़ मिथिलाक लोकस्मृति, विस्थापन आ खेती पर असर करैत अछि।

६८३. (B) कारण ई विनाश आ उर्वरता दुनू अनबाक प्राकृतिक घटना कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि। — बाढ़ मिथिलाक लोकस्मृति, विस्थापन आ खेती पर असर करैत अछि।

६८४. (D) ‘बाढ़’ कैँ विनाश आ उर्वरता दुनू अनबाक प्राकृतिक घटना सँ जोड़ल जाइत अछि। — बाढ़ मिथिलाक लोकस्मृति, विस्थापन आ खेती पर असर करैत अछि।

६८५. (C) विद्यार्थी ‘बाढ़’ पढ़ैत समय विनाश आ उर्वरता दुनू अनबाक प्राकृतिक घटना पर ध्यान देत। — बाढ़ मिथिलाक लोकस्मृति, विस्थापन आ खेती पर असर करैत अछि।

६८६. (D) नदीक धारा सँ खेत-घर हरपाएब — कटाव नदीक कठोर सामाजिक प्रभाव देखबैत अछि।

६८७. (A) कटाव — नदीक धारा सँ खेत-घर हरपाएब — कटाव नदीक कठोर सामाजिक प्रभाव देखबैत अछि।

६८८. (C) कारण ई नदीक धारा सँ खेत-घर हरपाएब कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि। — कटाव नदीक कठोर सामाजिक प्रभाव देखबैत अछि।

६८९. (B) ‘कटाव’ कैँ नदीक धारा सँ खेत-घर हरपाएब सँ जोड़ल जाइत अछि। — कटाव नदीक कठोर सामाजिक प्रभाव देखबैत अछि।

६९०. (A) विद्यार्थी ‘कटाव’ पढ़ैत समय नदीक धारा सँ खेत-घर हरपाएब पर ध्यान देत। — कटाव नदीक कठोर सामाजिक प्रभाव देखबैत अछि।

६९१. (B) रोजगार लेल गाम छोड़बाक प्रक्रिया — पलायन आधुनिक मिथिलाक आर्थिक-सामाजिक इतिहासक बड़ा अध्याय अछि।

६९२. (C) पलायन — रोजगार लेल गाम छोड़बाक प्रक्रिया — पलायन आधुनिक मिथिलाक आर्थिक-सामाजिक इतिहासक बड़ा अध्याय अछि।

६९३. (C) कारण ई रोजगार लेल गाम छोड़बाक प्रक्रिया कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि। — पलायन आधुनिक मिथिलाक आर्थिक-सामाजिक इतिहासक बड़ा अध्याय अछि।

६९४. (D) ‘पलायन’ कैँ रोजगार लेल गाम छोड़बाक प्रक्रिया सँ जोड़ल जाइत अछि। — पलायन आधुनिक मिथिलाक आर्थिक-सामाजिक इतिहासक बड़ा अध्याय अछि।

६९५. (D) विद्यार्थी ‘पलायन’ पढ़ैत समय रोजगार लेल गाम छोड़बाक प्रक्रिया पर ध्यान देत। — पलायन आधुनिक मिथिलाक आर्थिक-सामाजिक इतिहासक बड़ा अध्याय अछि।

६९६. (A) बाहर कमायब आ गाममे धन पठायबक प्रवृत्ति — प्रवासी श्रम परिवार, घर-निर्माण आ शिक्षा पर प्रभाव रखैत अछि।

६९७. (A) प्रवासी धन — बाहर कमायब आ गाममे धन पठायबक प्रवृत्ति — प्रवासी श्रम परिवार, घर-निर्माण आ शिक्षा पर प्रभाव रखैत अछि।

६९८. (D) कारण ई बाहर कमायब आ गाममे धन पठायबक प्रवृत्ति कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि। — प्रवासी श्रम परिवार, घर-निर्माण आ शिक्षा पर प्रभाव रखैत अछि।

६९९. (C) ‘प्रवासी धन’ कैँ बाहर कमायब आ गाममे धन पठायबक प्रवृत्ति सँ जोड़ल जाइत अछि। — प्रवासी श्रम परिवार, घर-निर्माण आ शिक्षा पर प्रभाव रखैत अछि।

७००. (D) विद्यार्थी ‘प्रवासी धन’ पढ़ैत समय बाहर कमायब आ गाममे धन पठायबक प्रवृत्ति पर ध्यान देत। — प्रवासी श्रम परिवार, घर-निर्माण आ शिक्षा पर प्रभाव रखैत अछि।

७०१. (A) देवाल, अरिपन, कोहबर आ लोक-रंगक चित्र परम्परा — मिथिला चित्रकला स्त्री-सृजन, अनुष्ठान आ लोकजीवनसँ जुड़ल अछि।

७०२. (A) मिथिला चित्रकला — देवाल, अरिपन, कोहबर आ लोक-रंगक चित्र परम्परा — मिथिला चित्रकला स्त्री-सृजन, अनुष्ठान आ लोकजीवनसँ जुड़ल अछि।

७०३. (C) कारण ई देवाल, अरिपन, कोहबर आ लोक-रंगक चित्र परम्परा कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि। — मिथिला चित्रकला स्त्री-सृजन, अनुष्ठान आ लोकजीवनसँ जुड़ल अछि।

७०४. (C) ‘मिथिला चित्रकला’ कैँ देवाल, अरिपन, कोहबर आ लोक-रंगक चित्र परम्परा सँ जोड़ल जाइत अछि। — मिथिला चित्रकला स्त्री-सृजन, अनुष्ठान आ लोकजीवनसँ जुड़ल अछि।

७०५. (B) विद्यार्थी 'मिथिला चित्रकला' पढ़ैत समय देवाल, अरिपन, कोहबर आ लोक-रंगक चित्र परम्परा पर ध्यान देत। — मिथिला चित्रकला स्त्री-सृजन, अनुष्ठान आ लोकजीवनसँ जुड़ल अछि।

७०६. (C) मिथिला चित्रकलाक आधुनिक प्रसिद्ध नाम — मधुबनी नाम बाजार आ बाहरी पहचानमे अधिक प्रचलित भेल।

७०७. (A) मधुबनी चित्रकला — मिथिला चित्रकलाक आधुनिक प्रसिद्ध नाम — मधुबनी नाम बाजार आ बाहरी पहचानमे अधिक प्रचलित भेल।

७०८. (D) कारण ई मिथिला चित्रकलाक आधुनिक प्रसिद्ध नाम कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि। — मधुबनी नाम बाजार आ बाहरी पहचानमे अधिक प्रचलित भेल।

७०९. (C) 'मधुबनी चित्रकला' कैँ मिथिला चित्रकलाक आधुनिक प्रसिद्ध नाम सँ जोड़ल जाइत अछि। — मधुबनी नाम बाजार आ बाहरी पहचानमे अधिक प्रचलित भेल।

७१०. (B) विद्यार्थी 'मधुबनी चित्रकला' पढ़ैत समय मिथिला चित्रकलाक आधुनिक प्रसिद्ध नाम पर ध्यान देत। — मधुबनी नाम बाजार आ बाहरी पहचानमे अधिक प्रचलित भेल।

७११. (A) विवाह, उर्वरता आ मंगलक प्रतीक-संपन्न चित्र — कोहबर विवाह-कला परम्पराक केन्द्र अछि।

७१२. (B) कोहबर चित्र — विवाह, उर्वरता आ मंगलक प्रतीक-संपन्न चित्र — कोहबर विवाह-कला परम्पराक केन्द्र अछि।

७१३. (A) कारण ई विवाह, उर्वरता आ मंगलक प्रतीक-संपन्न चित्र कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि। — कोहबर विवाह-कला परम्पराक केन्द्र अछि।

७१४. (C) 'कोहबर चित्र' कैँ विवाह, उर्वरता आ मंगलक प्रतीक-संपन्न चित्र सँ जोड़ल जाइत अछि। — कोहबर विवाह-कला परम्पराक केन्द्र अछि।

७१५. (C) विद्यार्थी 'कोहबर चित्र' पढ़ैत समय विवाह, उर्वरता आ मंगलक प्रतीक-संपन्न चित्र पर ध्यान देत। — कोहबर विवाह-कला परम्पराक केन्द्र अछि।

७१६. (A) शरीर-चिह्न आ रेखात्मक लोकस्मृति सँ प्रेरित शैली — गोदना शैली देह-संस्कृति आ हाशियाक अनुभव कैँ कला बनबैत अछि।

७१७. (B) गोदना शैली — शरीर-चिह्न आ रेखात्मक लोकस्मृति सँ प्रेरित शैली — गोदना शैली देह-संस्कृति आ हाशियाक अनुभव कैँ कला बनबैत अछि।

७१८. (C) कारण ई शरीर-चिह्न आ रेखात्मक लोकस्मृति सँ प्रेरित शैली कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि। — गोदना शैली देह-संस्कृति आ हाशियाक अनुभव कैँ कला बनबैत अछि।

७१९. (B) 'गोदना शैली' कैँ शरीर-चिह्न आ रेखात्मक लोकस्मृति सँ प्रेरित शैली सँ जोड़ल जाइत अछि। — गोदना शैली देह-संस्कृति आ हाशियाक अनुभव कैँ कला बनबैत अछि।

७२०. (D) विद्यार्थी 'गोदना शैली' पढ़ैत समय शरीर-चिह्न आ रेखात्मक लोकस्मृति सँ प्रेरित शैली पर ध्यान देत। — गोदना शैली देह-संस्कृति आ हाशियाक अनुभव कैँ कला बनबैत अछि।

७२१. (C) रंग-भराव आ देवकथात्मक विषयक पद्धति — भरनी शैली चटख रंग आ धार्मिक कथासँ जुड़ल अछि।

७२२. (B) भरनी शैली — रंग-भराव आ देवकथात्मक विषयक पद्धति — भरनी शैली चटख रंग आ धार्मिक कथासँ जुड़ल अछि।

७२३. (D) कारण ई रंग-भराव आ देवकथात्मक विषयक पद्धति कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि। — भरनी शैली चटख रंग आ धार्मिक कथासँ जुड़ल अछि।

७२४. (C) 'भरनी शैली' कैँ रंग-भराव आ देवकथात्मक विषयक पद्धति सँ जोड़ल जाइत अछि। — भरनी शैली चटख रंग आ धार्मिक कथासँ जुड़ल अछि।

७२५. (D) विद्यार्थी 'भरनी शैली' पढ़ैत समय रंग-भराव आ देवकथात्मक विषयक पद्धति पर ध्यान देत। — भरनी शैली चटख रंग आ धार्मिक कथासँ जुड़ल अछि।

७२६. (B) सूक्ष्म रेखा आ कम रंगक संयमित चित्रण — कचनी रेखांकनक अनुशासन आ बारीकी देखबैत अछि।

७२७. (B) कचनी शैली — सूक्ष्म रेखा आ कम रंगक संयमित चित्रण — कचनी रेखांकनक अनुशासन आ बारीकी देखबैत अछि।

७२८. (C) कारण ई सूक्ष्म रेखा आ कम रंगक संयमित चित्रण कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि। — कचनी रेखांकनक अनुशासन आ बारीकी देखबैत अछि।

७२९. (C) 'कचनी शैली' कैँ सूक्ष्म रेखा आ कम रंगक संयमित चित्रण सँ जोड़ल जाइत अछि। — कचनी रेखांकनक अनुशासन आ बारीकी देखबैत अछि।

७३०. (C) विद्यार्थी 'कचनी शैली' पढ़ैत समय सूक्ष्म रेखा आ कम रंगक संयमित चित्रण पर ध्यान देत। — कचनी रेखांकनक अनुशासन आ बारीकी देखबैत अछि।

७३१. (A) उर्वरता, रक्षा आ लोककथा सँ जुड़ल विषय — नाग मिथिला चित्रकला, कथा आ पर्वमे बारम्बार अबैत अछि।

७३२. (B) नाग-प्रतीक — उर्वरता, रक्षा आ लोककथा सँ जुड़ल विषय — नाग मिथिला चित्रकला, कथा आ पर्वमे बारम्बार अबैत अछि।

७३३. (B) कारण ई उर्वरता, रक्षा आ लोककथा सँ जुड़ल विषय कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि। — नाग मिथिला चित्रकला, कथा आ पर्वमे बारम्बार अबैत अछि।

७३४. (A) 'नाग-प्रतीक' कैँ उर्वरता, रक्षा आ लोककथा सँ जुड़ल विषय सँ जोड़ल जाइत अछि। — नाग मिथिला चित्रकला, कथा आ पर्वमे बारम्बार अबैत अछि।

७३५. (D) विद्यार्थी 'नाग-प्रतीक' पढ़ैत समय उर्वरता, रक्षा आ लोककथा सँ जुड़ल विषय पर ध्यान देत। — नाग मिथिला चित्रकला, कथा आ पर्वमे बारम्बार अबैत अछि।

७३६. (A) जल, समृद्धि आ जीवनधाराक संकेत — मछली जलजीवन आ शुभताक प्रतीक रूपमे देखल जाइत अछि।

७३७. (A) मछली-प्रतीक — जल, समृद्धि आ जीवनधाराक संकेत — मछली जलजीवन आ शुभताक प्रतीक रूपमे देखल जाइत अछि।

७३८. (A) कारण ई जल, समृद्धि आ जीवनधाराक संकेत कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि। — मछली जलजीवन आ शुभताक प्रतीक रूपमे देखल जाइत अछि।

७३९. (C) 'मछली-प्रतीक' कैँ जल, समृद्धि आ जीवनधाराक संकेत सँ जोड़ल जाइत अछि। — मछली जलजीवन आ शुभताक प्रतीक रूपमे देखल जाइत अछि।

७४०. (B) विद्यार्थी 'मछली-प्रतीक' पढ़ैत समय जल, समृद्धि आ जीवनधाराक संकेत पर ध्यान देत। — मछली जलजीवन आ शुभताक प्रतीक रूपमे देखल जाइत अछि।

७४१. (A) पवित्रता, उर्वरता आ सौन्दर्यक चिह्न — कमल कोहबर आ पूजा-चित्रमे महत्त्वपूर्ण अछि।

७४२. (D) कमल-प्रतीक — पवित्रता, उर्वरता आ सौन्दर्यक चिह्न — कमल कोहबर आ पूजा-चित्रमे महत्त्वपूर्ण अछि।

७४३. (D) कारण ई पवित्रता, उर्वरता आ सौन्दर्यक चिह्न कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि। — कमल कोहबर आ पूजा-चित्रमे महत्त्वपूर्ण अछि।

७४४. (C) 'कमल-प्रतीक' कैँ पवित्रता, उर्वरता आ सौन्दर्यक चिह्न सँ जोड़ल जाइत अछि। — कमल कोहबर आ पूजा-चित्रमे महत्त्वपूर्ण अछि।

७४५. (B) विद्यार्थी 'कमल-प्रतीक' पढ़ैत समय पवित्रता, उर्वरता आ सौन्दर्यक चिह्न पर ध्यान देत। — कमल कोहबर आ पूजा-चित्रमे महत्त्वपूर्ण अछि।

७४६. (A) सोहर, समदाउन, नचारी, महेशवाणी आ पबनी गीत — लोकसंगीत मिथिलाक मौखिक इतिहासक जीवित रूप अछि।

७४७. (D) लोकसंगीत — सोहर, समदाउन, नचारी, महेशवाणी आ पबनी गीत — लोकसंगीत मिथिलाक मौखिक इतिहासक जीवित रूप अछि।

७४८. (B) कारण ई सोहर, समदाउन, नचारी, महेशवाणी आ पबनी गीत कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि। — लोकसंगीत मिथिलाक मौखिक इतिहासक जीवित रूप अछि।

७४९. (C) 'लोकसंगीत' कैँ सोहर, समदाउन, नचारी, महेशवाणी आ पबनी गीत सँ जोड़ल जाइत अछि। — लोकसंगीत मिथिलाक मौखिक इतिहासक जीवित रूप अछि।

७५०. (A) विद्यार्थी 'लोकसंगीत' पढ़ैत समय सोहर, समदाउन, नचारी, महेशवाणी आ पबनी गीत पर ध्यान देत। — लोकसंगीत मिथिलाक मौखिक इतिहासक जीवित रूप अछि।

७५१. (C) शिव-भक्तिक मैथिल गीतधारा — नचारी शिवोपासना आ लोकलयक मेल अछि।

७५२. (B) नचारी — शिव-भक्तिक मैथिल गीतधारा — नचारी शिवोपासना आ लोकलयक मेल अछि।

७५३. (A) कारण ई शिव-भक्तिक मैथिल गीतधारा कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि। — नचारी शिवोपासना आ लोकलयक मेल अछि।

७५४. (D) 'नचारी' कैँ शिव-भक्तिक मैथिल गीतधारा सँ जोड़ल जाइत अछि। — नचारी शिवोपासना आ लोकलयक मेल अछि।

७५५. (D) विद्यार्थी 'नचारी' पढ़ैत समय शिव-भक्तिक मैथिल गीतधारा पर ध्यान देत। — नचारी शिवोपासना आ लोकलयक मेल अछि।

७५६. (D) शिव-केंद्रित भक्ति-गीत परम्परा — महेशवाणी मैथिल भक्ति-संगीतक पहचान अछि।

७५७. (B) महेशवाणी — शिव-केंद्रित भक्ति-गीत परम्परा — महेशवाणी मैथिल भक्ति-संगीतक पहचान अछि।

७५८. (A) कारण ई शिव-केंद्रित भक्ति-गीत परम्परा कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि। — महेशवाणी मैथिल भक्ति-संगीतक पहचान अछि।

७५९. (C) 'महेशवाणी' कैँ शिव-केंद्रित भक्ति-गीत परम्परा सँ जोड़ल जाइत अछि। — महेशवाणी मैथिल भक्ति-संगीतक पहचान अछि।

७६०. (A) विद्यार्थी 'महेशवाणी' पढ़ैत समय शिव-केंद्रित भक्ति-गीत परम्परा पर ध्यान देत। — महेशवाणी मैथिल भक्ति-संगीतक पहचान अछि।

७६१. (C) भक्ति आ श्रृंगारक मधुर काव्य-संगीत — विद्यापति गीत मैथिली संगीतक गौरवपूर्ण धारा अछि।

७६२. (A) विद्यापति गीत — भक्ति आ श्रृंगारक मधुर काव्य-संगीत — विद्यापति गीत मैथिली संगीतक गौरवपूर्ण धारा अछि।

७६३. (D) कारण ई भक्ति आ श्रृंगारक मधुर काव्य-संगीत कैं मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि। — विद्यापति गीत मैथिली संगीतक गौरवपूर्ण धारा अछि।

७६४. (D) 'विद्यापति गीत' कैं भक्ति आ श्रृंगारक मधुर काव्य-संगीत सँ जोड़ल जाइत अछि। — विद्यापति गीत मैथिली संगीतक गौरवपूर्ण धारा अछि।

७६५. (A) विद्यार्थी 'विद्यापति गीत' पढ़ैत समय भक्ति आ श्रृंगारक मधुर काव्य-संगीत पर ध्यान देत। — विद्यापति गीत मैथिली संगीतक गौरवपूर्ण धारा अछि।

७६६. (B) सामूहिक गायन, भक्ति आ कथा-प्रसंग — कीर्तन समाज, धर्म आ संगीत कैं जोड़ैत अछि।

७६७. (B) कीर्तन — सामूहिक गायन, भक्ति आ कथा-प्रसंग — कीर्तन समाज, धर्म आ संगीत कैं जोड़ैत अछि।

७६८. (B) कारण ई सामूहिक गायन, भक्ति आ कथा-प्रसंग कैं मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि। — कीर्तन समाज, धर्म आ संगीत कैं जोड़ैत अछि।

७६९. (B) 'कीर्तन' कैं सामूहिक गायन, भक्ति आ कथा-प्रसंग सँ जोड़ल जाइत अछि। — कीर्तन समाज, धर्म आ संगीत कैं जोड़ैत अछि।

७७०. (C) विद्यार्थी 'कीर्तन' पढ़ैत समय सामूहिक गायन, भक्ति आ कथा-प्रसंग पर ध्यान देत। — कीर्तन समाज, धर्म आ संगीत कैं जोड़ैत अछि।

७७१. (D) गीत, संवाद आ मंचक मैथिल परम्परा — ई परम्परा रंगमंच आ लोकधर्मक संगम अछि।

७७२. (C) कीर्तनिया नाटक — गीत, संवाद आ मंचक मैथिल परम्परा — ई परम्परा रंगमंच आ लोकधर्मक संगम अछि।

७७३. (C) कारण ई गीत, संवाद आ मंचक मैथिल परम्परा कैं मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि। — ई परम्परा रंगमंच आ लोकधर्मक संगम अछि।

७७४. (B) 'कीर्तनिया नाटक' कैं गीत, संवाद आ मंचक मैथिल परम्परा सँ जोड़ल जाइत अछि। — ई परम्परा रंगमंच आ लोकधर्मक संगम अछि।

७७५. (A) विद्यार्थी 'कीर्तनिया नाटक' पढ़ैत समय गीत, संवाद आ मंचक मैथिल परम्परा पर ध्यान देत। — ई परम्परा रंगमंच आ लोकधर्मक संगम अछि।

७७६. (A) गामक उत्सव, अभिनय आ देहभाषाक कलात्मक रूप — लोकनाच समाजक सामूहिक उत्साह व्यक्त करैत अछि।

७७७. (A) लोकनाच — गामक उत्सव, अभिनय आ देहभाषाक कलात्मक रूप — लोकनाच समाजक सामूहिक उत्साह व्यक्त करैत अछि।

७७८. (C) कारण ई गामक उत्सव, अभिनय आ देहभाषाक कलात्मक रूप कैं मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि। — लोकनाच समाजक सामूहिक उत्साह व्यक्त करैत अछि।

७७९. (C) 'लोकनाच' कैं गामक उत्सव, अभिनय आ देहभाषाक कलात्मक रूप सँ जोड़ल जाइत अछि। — लोकनाच समाजक सामूहिक उत्साह व्यक्त करैत अछि।

७८०. (C) विद्यार्थी 'लोकनाच' पढ़ैत समय गामक उत्सव, अभिनय आ देहभाषाक कलात्मक रूप पर ध्यान देत। — लोकनाच समाजक सामूहिक उत्साह व्यक्त करैत अछि।

७८१. (D) मैथिली रंगमंच आ लोकनाट्यक आधुनिक मंचीय उत्सव — विदेह नाट्य उत्सव नाटक-संरक्षण आ जनसहभागिता कैं बल दैत अछि।

७८२. (D) विदेह नाट्य उत्सव — मैथिली रंगमंच आ लोकनाट्यक आधुनिक मंचीय उत्सव — विदेह नाट्य उत्सव नाटक-संरक्षण आ जनसहभागिता कैं बल दैत अछि।

७८३. (B) कारण ई मैथिली रंगमंच आ लोकनाट्यक आधुनिक मंचीय उत्सव कैं मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि। — विदेह नाट्य उत्सव नाटक-संरक्षण आ जनसहभागिता कैं बल दैत अछि।

७८४. (C) 'विदेह नाट्य उत्सव' कैं मैथिली रंगमंच आ लोकनाट्यक आधुनिक मंचीय उत्सव सँ जोड़ल जाइत अछि। — विदेह नाट्य उत्सव नाटक-संरक्षण आ जनसहभागिता कैं बल दैत अछि।

७८५. (A) विद्यार्थी 'विदेह नाट्य उत्सव' पढ़ैत समय मैथिली रंगमंच आ लोकनाट्यक आधुनिक मंचीय उत्सव पर ध्यान देत। — विदेह नाट्य उत्सव नाटक-संरक्षण आ जनसहभागिता कैं बल दैत अछि।

७८६. (A) नाटकमे कथा-संयोजक आ दर्शक-मार्गदर्शक पात्र — सूत्रधार भारतीय नाट्य परम्पराक महत्त्वपूर्ण उपकरण अछि।

७८७. (A) सूत्रधार — नाटकमे कथा-संयोजक आ दर्शक-मार्गदर्शक पात्र — सूत्रधार भारतीय नाट्य परम्पराक महत्त्वपूर्ण उपकरण अछि।

७८८. (C) कारण ई नाटकमे कथा-संयोजक आ दर्शक-मार्गदर्शक पात्र कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि। — सूत्रधार भारतीय नाट्य परम्पराक महत्त्वपूर्ण उपकरण अछि।

७८९. (A) 'सूत्रधार' कैँ नाटकमे कथा-संयोजक आ दर्शक-मार्गदर्शक पात्र सँ जोड़ल जाइत अछि। — सूत्रधार भारतीय नाट्य परम्पराक महत्त्वपूर्ण उपकरण अछि।

७९०. (C) विद्यार्थी 'सूत्रधार' पढ़ैत समय नाटकमे कथा-संयोजक आ दर्शक-मार्गदर्शक पात्र पर ध्यान देत। — सूत्रधार भारतीय नाट्य परम्पराक महत्त्वपूर्ण उपकरण अछि।

७९१. (B) ढोलक, मृदंग, झाल आ बांसुरीक ध्वनि-साधन — लोकवाद्य गीत आ नृत्य कैँ जीवित लय दैत अछि।

७९२. (A) लोकवाद्य — ढोलक, मृदंग, झाल आ बांसुरीक ध्वनि-साधन — लोकवाद्य गीत आ नृत्य कैँ जीवित लय दैत अछि।

७९३. (A) कारण ई ढोलक, मृदंग, झाल आ बांसुरीक ध्वनि-साधन कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि। — लोकवाद्य गीत आ नृत्य कैँ जीवित लय दैत अछि।

७९४. (D) 'लोकवाद्य' कैँ ढोलक, मृदंग, झाल आ बांसुरीक ध्वनि-साधन सँ जोड़ल जाइत अछि। — लोकवाद्य गीत आ नृत्य कैँ जीवित लय दैत अछि।

७९५. (A) विद्यार्थी 'लोकवाद्य' पढ़ैत समय ढोलक, मृदंग, झाल आ बांसुरीक ध्वनि-साधन पर ध्यान देत। — लोकवाद्य गीत आ नृत्य कैँ जीवित लय दैत अछि।

७९६. (A) घर-आँगनमे बनल चित्र, गीत आ अनुष्ठानक सृजन — मिथिला कला-इतिहास स्त्रीसृजन बिना बुझल नहि जा सकैत।

७९७. (D) स्त्री-कला — घर-आँगनमे बनल चित्र, गीत आ अनुष्ठानक सृजन — मिथिला कला-इतिहास स्त्रीसृजन बिना बुझल नहि जा सकैत।

७९८. (B) कारण ई घर-आँगनमे बनल चित्र, गीत आ अनुष्ठानक सृजन कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि। — मिथिला कला-इतिहास स्त्रीसृजन बिना बुझल नहि जा सकैत।

७९९. (C) 'स्त्री-कला' कैँ घर-आँगनमे बनल चित्र, गीत आ अनुष्ठानक सृजन सँ जोड़ल जाइत अछि। — मिथिला कला-इतिहास स्त्रीसृजन बिना बुझल नहि जा सकैत।

८००. (B) विद्यार्थी 'स्त्री-कला' पढ़ैत समय घर-आँगनमे बनल चित्र, गीत आ अनुष्ठानक सृजन पर ध्यान देत। — मिथिला कला-इतिहास स्त्रीसृजन बिना बुझल नहि जा सकैत।

८०१. (C) भाषा, शिक्षा, प्रशासन आ सांस्कृतिक अधिकारक संघर्ष — मैथिली आन्दोलन आधुनिक मिथिला चेतनाक मूल पक्ष अछि।

८०२. (B) मैथिली आन्दोलन — भाषा, शिक्षा, प्रशासन आ सांस्कृतिक अधिकारक संघर्ष — मैथिली आन्दोलन आधुनिक मिथिला चेतनाक मूल पक्ष अछि।

८०३. (D) कारण ई भाषा, शिक्षा, प्रशासन आ सांस्कृतिक अधिकारक संघर्ष कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि। — मैथिली आन्दोलन आधुनिक मिथिला चेतनाक मूल पक्ष अछि।

८०४. (D) 'मैथिली आन्दोलन' कैँ भाषा, शिक्षा, प्रशासन आ सांस्कृतिक अधिकारक संघर्ष सँ जोड़ल जाइत अछि। — मैथिली आन्दोलन आधुनिक मिथिला चेतनाक मूल पक्ष अछि।

८०५. (C) विद्यार्थी 'मैथिली आन्दोलन' पढ़ैत समय भाषा, शिक्षा, प्रशासन आ सांस्कृतिक अधिकारक संघर्ष पर ध्यान देत। — मैथिली आन्दोलन आधुनिक मिथिला चेतनाक मूल पक्ष अछि।

८०६. (B) राष्ट्रीय साहित्यिक संस्था आ मान्यता केर मंच — अकादेमी मान्यता महत्त्वपूर्ण अछि, मुदा चयन-राजनीति पर प्रश्न सेहो उठैत अछि।

८०७. (B) साहित्य अकादेमी — राष्ट्रीय साहित्यिक संस्था आ मान्यता केर मंच — अकादेमी मान्यता महत्त्वपूर्ण अछि, मुदा चयन-राजनीति पर प्रश्न सेहो उठैत अछि।

८०८. (A) कारण ई राष्ट्रीय साहित्यिक संस्था आ मान्यता केर मंच कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि। — अकादेमी मान्यता महत्त्वपूर्ण अछि, मुदा चयन-राजनीति पर प्रश्न सेहो उठैत अछि।

८०९. (D) 'साहित्य अकादेमी' कैँ राष्ट्रीय साहित्यिक संस्था आ मान्यता केर मंच सँ जोड़ल जाइत अछि। — अकादेमी मान्यता महत्त्वपूर्ण अछि, मुदा चयन-राजनीति पर प्रश्न सेहो उठैत अछि।

८१०. (A) विद्यार्थी 'साहित्य अकादेमी' पढ़ैत समय राष्ट्रीय साहित्यिक संस्था आ मान्यता केर मंच पर ध्यान देत। — अकादेमी मान्यता महत्त्वपूर्ण अछि, मुदा चयन-राजनीति पर प्रश्न सेहो उठैत अछि।

८११. (A) मैथिलीकैँ संवैधानिक मान्यता देबाक संघर्ष — ई आन्दोलन भाषा-अधिकारक आधुनिक इतिहासमे प्रमुख अछि।

८१२. (C) अष्टम अनुसूची आन्दोलन — मैथिलीकेँ संवैधानिक मान्यता देबाक संघर्ष — ई आन्दोलन भाषा-अधिकारक आधुनिक इतिहासमे प्रमुख अछि।

८१३. (D) कारण ई मैथिलीकेँ संवैधानिक मान्यता देबाक संघर्ष केँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि। — ई आन्दोलन भाषा-अधिकारक आधुनिक इतिहासमे प्रमुख अछि।

८१४. (C) 'अष्टम अनुसूची आन्दोलन' केँ मैथिलीकेँ संवैधानिक मान्यता देबाक संघर्ष सँ जोड़ल जाइत अछि। — ई आन्दोलन भाषा-अधिकारक आधुनिक इतिहासमे प्रमुख अछि।

८१५. (D) विद्यार्थी 'अष्टम अनुसूची आन्दोलन' पढ़ैत समय मैथिलीकेँ संवैधानिक मान्यता देबाक संघर्ष पर ध्यान देत। — ई आन्दोलन भाषा-अधिकारक आधुनिक इतिहासमे प्रमुख अछि।

८१६. (A) मैथिली भाषा-साहित्यक औपचारिक पाठ्यक्रम आ शोध — विश्वविद्यालय विद्या केँ प्रमाणित आ विस्तृत करैत अछि।

८१७. (C) विश्वविद्यालयीय अध्ययन — मैथिली भाषा-साहित्यक औपचारिक पाठ्यक्रम आ शोध — विश्वविद्यालय विद्या केँ प्रमाणित आ विस्तृत करैत अछि।

८१८. (C) कारण ई मैथिली भाषा-साहित्यक औपचारिक पाठ्यक्रम आ शोध केँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि। — विश्वविद्यालय विद्या केँ प्रमाणित आ विस्तृत करैत अछि।

८१९. (A) 'विश्वविद्यालयीय अध्ययन' केँ मैथिली भाषा-साहित्यक औपचारिक पाठ्यक्रम आ शोध सँ जोड़ल जाइत अछि। — विश्वविद्यालय विद्या केँ प्रमाणित आ विस्तृत करैत अछि।

८२०. (C) विद्यार्थी 'विश्वविद्यालयीय अध्ययन' पढ़ैत समय मैथिली भाषा-साहित्यक औपचारिक पाठ्यक्रम आ शोध पर ध्यान देत। — विश्वविद्यालय विद्या केँ प्रमाणित आ विस्तृत करैत अछि।

८२१. (D) क्षेत्रीय उच्च शिक्षा आ मैथिली अध्ययनसँ जुड़ल संस्थान — स्थानीय ज्ञानक संस्थानीकरणमे एकर भूमिका देखल जाइत अछि।

८२२. (C) मिथिला विश्वविद्यालय — क्षेत्रीय उच्च शिक्षा आ मैथिली अध्ययनसँ जुड़ल संस्थान — स्थानीय ज्ञानक संस्थानीकरणमे एकर भूमिका देखल जाइत अछि।

८२३. (A) कारण ई क्षेत्रीय उच्च शिक्षा आ मैथिली अध्ययनसँ जुड़ल संस्थान केँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि। — स्थानीय ज्ञानक संस्थानीकरणमे एकर भूमिका देखल जाइत अछि।

८२४. (A) 'मिथिला विश्वविद्यालय' केँ क्षेत्रीय उच्च शिक्षा आ मैथिली अध्ययनसँ जुड़ल संस्थान सँ जोड़ल जाइत अछि। — स्थानीय ज्ञानक संस्थानीकरणमे एकर भूमिका देखल जाइत अछि।

८२५. (B) विद्यार्थी 'मिथिला विश्वविद्यालय' पढ़ैत समय क्षेत्रीय उच्च शिक्षा आ मैथिली अध्ययनसँ जुड़ल संस्थान पर ध्यान देत। — स्थानीय ज्ञानक संस्थानीकरणमे एकर भूमिका देखल जाइत अछि।

८२६. (D) ध्वनि-माध्यमद्वारा गीत, नाटक आ समाचारक प्रसार — रेडियो मैथिलीक लोकपहुँच बढ़बैत रहल।

८२७. (A) रेडियो मैथिली — ध्वनि-माध्यमद्वारा गीत, नाटक आ समाचारक प्रसार — रेडियो मैथिलीक लोकपहुँच बढ़बैत रहल।

८२८. (A) कारण ई ध्वनि-माध्यमद्वारा गीत, नाटक आ समाचारक प्रसार केँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि। — रेडियो मैथिलीक लोकपहुँच बढ़बैत रहल।

८२९. (B) 'रेडियो मैथिली' केँ ध्वनि-माध्यमद्वारा गीत, नाटक आ समाचारक प्रसार सँ जोड़ल जाइत अछि। — रेडियो मैथिलीक लोकपहुँच बढ़बैत रहल।

८३०. (A) विद्यार्थी 'रेडियो मैथिली' पढ़ैत समय ध्वनि-माध्यमद्वारा गीत, नाटक आ समाचारक प्रसार पर ध्यान देत। — रेडियो मैथिलीक लोकपहुँच बढ़बैत रहल।

८३१. (D) दृश्य-माध्यममे भाषा, नाटक आ सांस्कृतिक प्रस्तुति — दूरदर्शन लोकसंस्कृति केँ दृश्य रूपमे घर-घर पहुँचेबाक साधन रहल।

८३२. (D) दूरदर्शन — दृश्य-माध्यममे भाषा, नाटक आ सांस्कृतिक प्रस्तुति — दूरदर्शन लोकसंस्कृति केँ दृश्य रूपमे घर-घर पहुँचेबाक साधन रहल।

८३३. (B) कारण ई दृश्य-माध्यममे भाषा, नाटक आ सांस्कृतिक प्रस्तुति केँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि। — दूरदर्शन लोकसंस्कृति केँ दृश्य रूपमे घर-घर पहुँचेबाक साधन रहल।

८३४. (D) 'दूरदर्शन' केँ दृश्य-माध्यममे भाषा, नाटक आ सांस्कृतिक प्रस्तुति सँ जोड़ल जाइत अछि। — दूरदर्शन लोकसंस्कृति केँ दृश्य रूपमे घर-घर पहुँचेबाक साधन रहल।

८३५. (D) विद्यार्थी 'दूरदर्शन' पढ़ैत समय दृश्य-माध्यममे भाषा, नाटक आ सांस्कृतिक प्रस्तुति पर ध्यान देत। — दूरदर्शन लोकसंस्कृति केँ दृश्य रूपमे घर-घर पहुँचेबाक साधन रहल।

८३६. (B) वेब पर प्रकाशित साहित्यिक-सांस्कृतिक पत्रिका — ई-पत्रिका प्रवासी आ स्थानीय पाठककेँ एक मंच पर आनैत अछि।

८३७. (A) ई-पत्रिका — वेब पर प्रकाशित साहित्यिक-सांस्कृतिक पत्रिका — ई-पत्रिका प्रवासी आ स्थानीय पाठककेँ एक मंच पर आनैत अछि।

८३८. (A) कारण ई वेब पर प्रकाशित साहित्यिक-सांस्कृतिक पत्रिका केँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि। — ई-पत्रिका प्रवासी आ स्थानीय पाठककेँ एक मंच पर आनैत अछि।

८३९. (D) 'ई-पत्रिका' केँ वेब पर प्रकाशित साहित्यिक-सांस्कृतिक पत्रिका सँ जोड़ल जाइत अछि। — ई-पत्रिका प्रवासी आ स्थानीय पाठककेँ एक मंच पर आनैत अछि।

८४०. (A) विद्यार्थी 'ई-पत्रिका' पढ़ैत समय वेब पर प्रकाशित साहित्यिक-सांस्कृतिक पत्रिका पर ध्यान देत। — ई-पत्रिका प्रवासी आ स्थानीय पाठककेँ एक मंच पर आनैत अछि।

८४१. (D) प्रथम मैथिली पाक्षिक ई-पत्रिका रूपेँ प्रसिद्ध डिजिटल मंच — विदेह मैथिली डिजिटल इतिहासक महत्त्वपूर्ण संस्था अछि।

८४२. (B) विदेह — प्रथम मैथिली पाक्षिक ई-पत्रिका रूपेँ प्रसिद्ध डिजिटल मंच — विदेह मैथिली डिजिटल इतिहासक महत्त्वपूर्ण संस्था अछि।

८४३. (D) कारण ई प्रथम मैथिली पाक्षिक ई-पत्रिका रूपेँ प्रसिद्ध डिजिटल मंच केँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि। — विदेह मैथिली डिजिटल इतिहासक महत्त्वपूर्ण संस्था अछि।

८४४. (D) 'विदेह' केँ प्रथम मैथिली पाक्षिक ई-पत्रिका रूपेँ प्रसिद्ध डिजिटल मंच सँ जोड़ल जाइत अछि। — विदेह मैथिली डिजिटल इतिहासक महत्त्वपूर्ण संस्था अछि।

८४५. (C) विद्यार्थी 'विदेह' पढ़ैत समय प्रथम मैथिली पाक्षिक ई-पत्रिका रूपेँ प्रसिद्ध डिजिटल मंच पर ध्यान देत। — विदेह मैथिली डिजिटल इतिहासक महत्त्वपूर्ण संस्था अछि।

८४६. (D) गीत, साक्षात्कार, नाटक आ पाठक ध्वनि-दृश्य अभिलेख — ई संग्रह मौखिक आ प्रदर्शनकारी परम्पराकेँ बचबैत अछि।

८४७. (D) ऑडियो-वीडियो संग्रह — गीत, साक्षात्कार, नाटक आ पाठक ध्वनि-दृश्य अभिलेख — ई संग्रह मौखिक आ प्रदर्शनकारी परम्पराकेँ बचबैत अछि।

८४८. (C) कारण ई गीत, साक्षात्कार, नाटक आ पाठक ध्वनि-दृश्य अभिलेख केँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि। — ई संग्रह मौखिक आ प्रदर्शनकारी परम्पराकेँ बचबैत अछि।

८४९. (A) 'ऑडियो-वीडियो संग्रह' केँ गीत, साक्षात्कार, नाटक आ पाठक ध्वनि-दृश्य अभिलेख सँ जोड़ल जाइत अछि। — ई संग्रह मौखिक आ प्रदर्शनकारी परम्पराकेँ बचबैत अछि।

८५०. (A) विद्यार्थी 'ऑडियो-वीडियो संग्रह' पढ़ैत समय गीत, साक्षात्कार, नाटक आ पाठक ध्वनि-दृश्य अभिलेख पर ध्यान देत। — ई संग्रह मौखिक आ प्रदर्शनकारी परम्पराकेँ बचबैत अछि।

८५१. (D) डिजिटल समाचार, आलोचना आ सार्वजनिक बहसक माध्यम — वेब पत्रकारिता भाषिक जनतन्त्रक नूतन रूप अछि।

८५२. (B) वेब पत्रकारिता — डिजिटल समाचार, आलोचना आ सार्वजनिक बहसक माध्यम — वेब पत्रकारिता भाषिक जनतन्त्रक नूतन रूप अछि।

८५३. (D) कारण ई डिजिटल समाचार, आलोचना आ सार्वजनिक बहसक माध्यम केँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि। — वेब पत्रकारिता भाषिक जनतन्त्रक नूतन रूप अछि।

८५४. (B) 'वेब पत्रकारिता' केँ डिजिटल समाचार, आलोचना आ सार्वजनिक बहसक माध्यम सँ जोड़ल जाइत अछि। — वेब पत्रकारिता भाषिक जनतन्त्रक नूतन रूप अछि।

८५५. (D) विद्यार्थी 'वेब पत्रकारिता' पढ़ैत समय डिजिटल समाचार, आलोचना आ सार्वजनिक बहसक माध्यम पर ध्यान देत। — वेब पत्रकारिता भाषिक जनतन्त्रक नूतन रूप अछि।

८५६. (C) भाषा-प्रचार, बहस आ त्वरित पाठक-संपर्क — सामाजिक माध्यम अवसर आ सतहीपन दुनू नेने अबैत अछि।

८५७. (C) सामाजिक माध्यम — भाषा-प्रचार, बहस आ त्वरित पाठक-संपर्क — सामाजिक माध्यम अवसर आ सतहीपन दुनू नेने अबैत अछि।

८५८. (B) कारण ई भाषा-प्रचार, बहस आ त्वरित पाठक-संपर्क केँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि। — सामाजिक माध्यम अवसर आ सतहीपन दुनू नेने अबैत अछि।

८५९. (C) 'सामाजिक माध्यम' केँ भाषा-प्रचार, बहस आ त्वरित पाठक-संपर्क सँ जोड़ल जाइत अछि। — सामाजिक माध्यम अवसर आ सतहीपन दुनू नेने अबैत अछि।

८६०. (D) विद्यार्थी 'सामाजिक माध्यम' पढ़ैत समय भाषा-प्रचार, बहस आ त्वरित पाठक-संपर्क पर ध्यान देत। — सामाजिक माध्यम अवसर आ सतहीपन दुनू नेने अबैत अछि।

८६१. (B) मिथिलाक्षर आ देवनागरीक संगणकीय प्रयोग — डिजिटल लिपि भाषा-संरक्षण कैँ तकनीकी आधार दैत अछि।

८६२. (B) डिजिटल लिपि — मिथिलाक्षर आ देवनागरीक संगणकीय प्रयोग — डिजिटल लिपि भाषा-संरक्षण कैँ तकनीकी आधार दैत अछि।

८६३. (D) कारण ई मिथिलाक्षर आ देवनागरीक संगणकीय प्रयोग कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि। — डिजिटल लिपि भाषा-संरक्षण कैँ तकनीकी आधार दैत अछि।

८६४. (C) 'डिजिटल लिपि' कैँ मिथिलाक्षर आ देवनागरीक संगणकीय प्रयोग सँ जोड़ल जाइत अछि। — डिजिटल लिपि भाषा-संरक्षण कैँ तकनीकी आधार दैत अछि।

८६५. (B) विद्यार्थी 'डिजिटल लिपि' पढ़ैत समय मिथिलाक्षर आ देवनागरीक संगणकीय प्रयोग पर ध्यान देत। — डिजिटल लिपि भाषा-संरक्षण कैँ तकनीकी आधार दैत अछि।

८६६. (D) डिजिटल रूपमे पढ़ल जायवला पोथी — ई-पुस्तक उपलब्धता, खोज आ संग्रहण आसान बनबैत अछि।

८६७. (A) ई-पुस्तक — डिजिटल रूपमे पढ़ल जायवला पोथी — ई-पुस्तक उपलब्धता, खोज आ संग्रहण आसान बनबैत अछि।

८६८. (C) कारण ई डिजिटल रूपमे पढ़ल जायवला पोथी कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि। — ई-पुस्तक उपलब्धता, खोज आ संग्रहण आसान बनबैत अछि।

८६९. (C) 'ई-पुस्तक' कैँ डिजिटल रूपमे पढ़ल जायवला पोथी सँ जोड़ल जाइत अछि। — ई-पुस्तक उपलब्धता, खोज आ संग्रहण आसान बनबैत अछि।

८७०. (B) विद्यार्थी 'ई-पुस्तक' पढ़ैत समय डिजिटल रूपमे पढ़ल जायवला पोथी पर ध्यान देत। — ई-पुस्तक उपलब्धता, खोज आ संग्रहण आसान बनबैत अछि।

८७१. (D) शिक्षा, पुनरावृत्ति आ जनसहभागिता केर डिजिटल साधन — क्विज भाषा आ इतिहास सीखबाक संवादात्मक रूप अछि।

८७२. (B) ऑनलाइन क्विज — शिक्षा, पुनरावृत्ति आ जनसहभागिता केर डिजिटल साधन — क्विज भाषा आ इतिहास सीखबाक संवादात्मक रूप अछि।

८७३. (B) कारण ई शिक्षा, पुनरावृत्ति आ जनसहभागिता केर डिजिटल साधन कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि। — क्विज भाषा आ इतिहास सीखबाक संवादात्मक रूप अछि।

८७४. (B) 'ऑनलाइन क्विज' कैँ शिक्षा, पुनरावृत्ति आ जनसहभागिता केर डिजिटल साधन सँ जोड़ल जाइत अछि। — क्विज भाषा आ इतिहास सीखबाक संवादात्मक रूप अछि।

८७५. (D) विद्यार्थी 'ऑनलाइन क्विज' पढ़ैत समय शिक्षा, पुनरावृत्ति आ जनसहभागिता केर डिजिटल साधन पर ध्यान देत। — क्विज भाषा आ इतिहास सीखबाक संवादात्मक रूप अछि।

८७६. (C) पुरान अंक, ग्रन्थ, ध्वनि, चित्र आ दस्तावेजक संग्रह — अभिलेखागार बिना नूतन पीढ़ी स्रोतसँ कटि सकैत अछि।

८७७. (B) डिजिटल अभिलेखागार — पुरान अंक, ग्रन्थ, ध्वनि, चित्र आ दस्तावेजक संग्रह — अभिलेखागार बिना नूतन पीढ़ी स्रोतसँ कटि सकैत अछि।

८७८. (C) कारण ई पुरान अंक, ग्रन्थ, ध्वनि, चित्र आ दस्तावेजक संग्रह कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि। — अभिलेखागार बिना नूतन पीढ़ी स्रोतसँ कटि सकैत अछि।

८७९. (C) 'डिजिटल अभिलेखागार' कैँ पुरान अंक, ग्रन्थ, ध्वनि, चित्र आ दस्तावेजक संग्रह सँ जोड़ल जाइत अछि। — अभिलेखागार बिना नूतन पीढ़ी स्रोतसँ कटि सकैत अछि।

८८०. (B) विद्यार्थी 'डिजिटल अभिलेखागार' पढ़ैत समय पुरान अंक, ग्रन्थ, ध्वनि, चित्र आ दस्तावेजक संग्रह पर ध्यान देत। — अभिलेखागार बिना नूतन पीढ़ी स्रोतसँ कटि सकैत अछि।

८८१. (C) मिथिला बाहरक मैथिल लोकक संगठन आ रचनात्मक मंच — प्रवासी मंच भाषा-संस्कृति कैँ दूर देशमे टिकबैत अछि।

८८२. (B) प्रवासी मंच — मिथिला बाहरक मैथिल लोकक संगठन आ रचनात्मक मंच — प्रवासी मंच भाषा-संस्कृति कैँ दूर देशमे टिकबैत अछि।

८८३. (A) कारण ई मिथिला बाहरक मैथिल लोकक संगठन आ रचनात्मक मंच कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि। — प्रवासी मंच भाषा-संस्कृति कैँ दूर देशमे टिकबैत अछि।

८८४. (D) 'प्रवासी मंच' कैँ मिथिला बाहरक मैथिल लोकक संगठन आ रचनात्मक मंच सँ जोड़ल जाइत अछि। — प्रवासी मंच भाषा-संस्कृति कैँ दूर देशमे टिकबैत अछि।

८८५. (A) विद्यार्थी 'प्रवासी मंच' पढ़ैत समय मिथिला बाहरक मैथिल लोकक संगठन आ रचनात्मक मंच पर ध्यान देत। — प्रवासी मंच भाषा-संस्कृति कैँ दूर देशमे टिकबैत अछि।

८८६. (D) स्त्री अनुभवक वेब-आधारित प्रकाशन — डिजिटल मंच स्त्री-स्वर कैँ तेज बना सकैत अछि।

८८७. (C) महिला डिजिटल लेखन — स्त्री अनुभवक वेब-आधारित प्रकाशन — डिजिटल मंच स्त्री-स्वर कैँ तेज बना सकैत अछि।

८८८. (D) कारण ई स्त्री अनुभवक वेब-आधारित प्रकाशन कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि। — डिजिटल मंच स्त्री-स्वर कैँ तेज बना सकैत अछि।

८८९. (A) 'महिला डिजिटल लेखन' कैँ स्त्री अनुभवक वेब-आधारित प्रकाशन सँ जोड़ल जाइत अछि। — डिजिटल मंच स्त्री-स्वर कैँ तेज बना सकैत अछि।

८९०. (C) विद्यार्थी 'महिला डिजिटल लेखन' पढ़ैत समय स्त्री अनुभवक वेब-आधारित प्रकाशन पर ध्यान देत। — डिजिटल मंच स्त्री-स्वर कैँ तेज बना सकैत अछि।

८९१. (D) हाशियाक समुदायक स्वयं-प्रकाशन आ स्मृति-संग्रह — डिजिटल माध्यम पारम्परिक दरबारी छनौटकेँ चुनौती दैत अछि।

८९२. (C) दलित डिजिटल स्वर — हाशियाक समुदायक स्वयं-प्रकाशन आ स्मृति-संग्रह — डिजिटल माध्यम पारम्परिक दरबारी छनौटकेँ चुनौती दैत अछि।

८९३. (B) कारण ई हाशियाक समुदायक स्वयं-प्रकाशन आ स्मृति-संग्रह कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि। — डिजिटल माध्यम पारम्परिक दरबारी छनौटकेँ चुनौती दैत अछि।

८९४. (A) 'दलित डिजिटल स्वर' कैँ हाशियाक समुदायक स्वयं-प्रकाशन आ स्मृति-संग्रह सँ जोड़ल जाइत अछि। — डिजिटल माध्यम पारम्परिक दरबारी छनौटकेँ चुनौती दैत अछि।

८९५. (D) विद्यार्थी 'दलित डिजिटल स्वर' पढ़ैत समय हाशियाक समुदायक स्वयं-प्रकाशन आ स्मृति-संग्रह पर ध्यान देत। — डिजिटल माध्यम पारम्परिक दरबारी छनौटकेँ चुनौती दैत अछि।

८९६. (C) ग्रन्थ, लेखक, स्रोत आ विषयक व्यवस्थित अनुक्रमणिका — शोध-सूची गम्भीर अध्ययनक दरवाजा खोलैत अछि।

८९७. (C) शोध-सूची — ग्रन्थ, लेखक, स्रोत आ विषयक व्यवस्थित अनुक्रमणिका — शोध-सूची गम्भीर अध्ययनक दरवाजा खोलैत अछि।

८९८. (B) कारण ई ग्रन्थ, लेखक, स्रोत आ विषयक व्यवस्थित अनुक्रमणिका कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि। — शोध-सूची गम्भीर अध्ययनक दरवाजा खोलैत अछि।

८९९. (C) 'शोध-सूची' कैँ ग्रन्थ, लेखक, स्रोत आ विषयक व्यवस्थित अनुक्रमणिका सँ जोड़ल जाइत अछि। — शोध-सूची गम्भीर अध्ययनक दरवाजा खोलैत अछि।

९००. (A) विद्यार्थी 'शोध-सूची' पढ़ैत समय ग्रन्थ, लेखक, स्रोत आ विषयक व्यवस्थित अनुक्रमणिका पर ध्यान देत। — शोध-सूची गम्भीर अध्ययनक दरवाजा खोलैत अछि।

९०१. (C) मुख्यधारा इतिहासक बगलमे उपेक्षित स्रोत आ स्वरक अध्ययन — समानान्तर इतिहास पूछैत अछि जे केन्द्रीय कथा मे के छूटि गेल।

९०२. (C) समानान्तर इतिहास — मुख्यधारा इतिहासक बगलमे उपेक्षित स्रोत आ स्वरक अध्ययन — समानान्तर इतिहास पूछैत अछि जे केन्द्रीय कथा मे के छूटि गेल।

९०३. (A) कारण ई मुख्यधारा इतिहासक बगलमे उपेक्षित स्रोत आ स्वरक अध्ययन कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि। — समानान्तर इतिहास पूछैत अछि जे केन्द्रीय कथा मे के छूटि गेल।

९०४. (A) 'समानान्तर इतिहास' कैँ मुख्यधारा इतिहासक बगलमे उपेक्षित स्रोत आ स्वरक अध्ययन सँ जोड़ल जाइत अछि। — समानान्तर इतिहास पूछैत अछि जे केन्द्रीय कथा मे के छूटि गेल।

९०५. (B) विद्यार्थी 'समानान्तर इतिहास' पढ़ैत समय मुख्यधारा इतिहासक बगलमे उपेक्षित स्रोत आ स्वरक अध्ययन पर ध्यान देत। — समानान्तर इतिहास पूछैत अछि जे केन्द्रीय कथा मे के छूटि गेल।

९०६. (A) राजा, दरबार, विजयोक्ति आ प्रशस्ति पर केन्द्रित इतिहास — दरबारी इतिहास जरूरी अछि, मुदा समाजक सब आवाज नहि देखबैत।

९०७. (B) दरबारी इतिहास — राजा, दरबार, विजयोक्ति आ प्रशस्ति पर केन्द्रित इतिहास — दरबारी इतिहास जरूरी अछि, मुदा समाजक सब आवाज नहि देखबैत।

९०८. (A) कारण ई राजा, दरबार, विजयोक्ति आ प्रशस्ति पर केन्द्रित इतिहास कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि। — दरबारी इतिहास जरूरी अछि, मुदा समाजक सब आवाज नहि देखबैत।

९०९. (C) ‘दरबारी इतिहास’ कैँ राजा, दरबार, विजयोक्ति आ प्रशस्ति पर केन्द्रित इतिहास सँ जोड़ल जाइत अछि। — दरबारी इतिहास जरूरी अछि, मुदा समाजक सब आवाज नहि देखबैत।

९१०. (D) विद्यार्थी ‘दरबारी इतिहास’ पढ़ैत समय राजा, दरबार, विजयोक्ति आ प्रशस्ति पर केन्द्रित इतिहास पर ध्यान देत। — दरबारी इतिहास जरूरी अछि, मुदा समाजक सब आवाज नहि देखबैत।

९११. (D) गीत, कथा, रीति, स्मृति आ श्रमक अनुभवक इतिहास — लोक-इतिहास आम लोकक जीवनकेँ प्रमाण मानैत अछि।

९१२. (C) लोक-इतिहास — गीत, कथा, रीति, स्मृति आ श्रमक अनुभवक इतिहास — लोक-इतिहास आम लोकक जीवनकेँ प्रमाण मानैत अछि।

९१३. (B) कारण ई गीत, कथा, रीति, स्मृति आ श्रमक अनुभवक इतिहास कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि। — लोक-इतिहास आम लोकक जीवनकेँ प्रमाण मानैत अछि।

९१४. (B) ‘लोक-इतिहास’ कैँ गीत, कथा, रीति, स्मृति आ श्रमक अनुभवक इतिहास सँ जोड़ल जाइत अछि। — लोक-इतिहास आम लोकक जीवनकेँ प्रमाण मानैत अछि।

९१५. (A) विद्यार्थी ‘लोक-इतिहास’ पढ़ैत समय गीत, कथा, रीति, स्मृति आ श्रमक अनुभवक इतिहास पर ध्यान देत। — लोक-इतिहास आम लोकक जीवनकेँ प्रमाण मानैत अछि।

९१६. (B) नारी अनुभव, श्रम, गीत आ प्रतिरोध कैँ पढ़नाइ — स्त्री-दृष्टि मिथिलाक अधूरा इतिहास पूरा करैत अछि।

९१७. (A) स्त्री-दृष्टि — नारी अनुभव, श्रम, गीत आ प्रतिरोध कैँ पढ़नाइ — स्त्री-दृष्टि मिथिलाक अधूरा इतिहास पूरा करैत अछि।

९१८. (D) कारण ई नारी अनुभव, श्रम, गीत आ प्रतिरोध कैँ पढ़नाइ कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि। — स्त्री-दृष्टि मिथिलाक अधूरा इतिहास पूरा करैत अछि।

९१९. (D) ‘स्त्री-दृष्टि’ कैँ नारी अनुभव, श्रम, गीत आ प्रतिरोध कैँ पढ़नाइ सँ जोड़ल जाइत अछि। — स्त्री-दृष्टि मिथिलाक अधूरा इतिहास पूरा करैत अछि।

९२०. (A) विद्यार्थी ‘स्त्री-दृष्टि’ पढ़ैत समय नारी अनुभव, श्रम, गीत आ प्रतिरोध कैँ पढ़नाइ पर ध्यान देत। — स्त्री-दृष्टि मिथिलाक अधूरा इतिहास पूरा करैत अछि।

९२१. (D) हाशियाक समुदायक वीर, पीड़ा, श्रम आ संस्कृति कैँ केन्द्रमे आननाइ — दलित दृष्टि लोकगाथा आ सामाजिक न्याय दुनू सँ जुड़ल अछि।

९२२. (D) दलित दृष्टि — हाशियाक समुदायक वीर, पीड़ा, श्रम आ संस्कृति कैँ केन्द्रमे आननाइ — दलित दृष्टि लोकगाथा आ सामाजिक न्याय दुनू सँ जुड़ल अछि।

९२३. (D) कारण ई हाशियाक समुदायक वीर, पीड़ा, श्रम आ संस्कृति कैँ केन्द्रमे आननाइ कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि। — दलित दृष्टि लोकगाथा आ सामाजिक न्याय दुनू सँ जुड़ल अछि।

९२४. (B) ‘दलित दृष्टि’ कैँ हाशियाक समुदायक वीर, पीड़ा, श्रम आ संस्कृति कैँ केन्द्रमे आननाइ सँ जोड़ल जाइत अछि। — दलित दृष्टि लोकगाथा आ सामाजिक न्याय दुनू सँ जुड़ल अछि।

९२५. (A) विद्यार्थी ‘दलित दृष्टि’ पढ़ैत समय हाशियाक समुदायक वीर, पीड़ा, श्रम आ संस्कृति कैँ केन्द्रमे आननाइ पर ध्यान देत। — दलित दृष्टि लोकगाथा आ सामाजिक न्याय दुनू सँ जुड़ल अछि।

९२६. (D) जकरा संस्थान वा आलोचना कम ध्यान देलक — समानान्तर इतिहास उपेक्षित साहित्यकेँ फेर पढ़ैत अछि।

९२७. (D) उपेक्षित साहित्य — जकरा संस्थान वा आलोचना कम ध्यान देलक — समानान्तर इतिहास उपेक्षित साहित्यकेँ फेर पढ़ैत अछि।

९२८. (A) कारण ई जकरा संस्थान वा आलोचना कम ध्यान देलक कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि। — समानान्तर इतिहास उपेक्षित साहित्यकेँ फेर पढ़ैत अछि।

९२९. (A) ‘उपेक्षित साहित्य’ कैँ जकरा संस्थान वा आलोचना कम ध्यान देलक सँ जोड़ल जाइत अछि। — समानान्तर इतिहास उपेक्षित साहित्यकेँ फेर पढ़ैत अछि।

९३०. (D) विद्यार्थी ‘उपेक्षित साहित्य’ पढ़ैत समय जकरा संस्थान वा आलोचना कम ध्यान देलक पर ध्यान देत। — समानान्तर इतिहास उपेक्षित साहित्यकेँ फेर पढ़ैत अछि।

९३१. (C) गीत, कथा, कहावत आ स्मृतिद्वारा बचल सूचना — मौखिक स्रोत लिखित इतिहासक खाली ठाम भरैत अछि।

९३२. (A) मौखिक स्रोत — गीत, कथा, कहावत आ स्मृतिद्वारा बचल सूचना — मौखिक स्रोत लिखित इतिहासक खाली ठाम भरैत अछि।

९३३. (D) कारण ई गीत, कथा, कहावत आ स्मृतिद्वारा बचल सूचना कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि। — मौखिक स्रोत लिखित इतिहासक खाली ठाम भरैत अछि।

९३४. (D) 'मौखिक स्रोत' कैँ गीत, कथा, कहावत आ स्मृतिद्वारा बचल सूचना सँ जोड़ल जाइत अछि। — मौखिक स्रोत लिखित इतिहासक खाली ठाम भरैत अछि।

९३५. (C) विद्यार्थी 'मौखिक स्रोत' पढ़ैत समय गीत, कथा, कहावत आ स्मृतिद्वारा बचल सूचना पर ध्यान देत। — मौखिक स्रोत लिखित इतिहासक खाली ठाम भरैत अछि।

९३६. (D) ग्रन्थ, पाण्डुलिपि, पत्र, अभिलेख आ दस्तावेज — लिखित स्रोत प्रमाण दैत अछि, मुदा ओकर पक्षपात सेहो देखबाक चाही।

९३७. (A) लिखित स्रोत — ग्रन्थ, पाण्डुलिपि, पत्र, अभिलेख आ दस्तावेज — लिखित स्रोत प्रमाण दैत अछि, मुदा ओकर पक्षपात सेहो देखबाक चाही।

९३८. (A) कारण ई ग्रन्थ, पाण्डुलिपि, पत्र, अभिलेख आ दस्तावेज कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि। — लिखित स्रोत प्रमाण दैत अछि, मुदा ओकर पक्षपात सेहो देखबाक चाही।

९३९. (D) 'लिखित स्रोत' कैँ ग्रन्थ, पाण्डुलिपि, पत्र, अभिलेख आ दस्तावेज सँ जोड़ल जाइत अछि। — लिखित स्रोत प्रमाण दैत अछि, मुदा ओकर पक्षपात सेहो देखबाक चाही।

९४०. (A) विद्यार्थी 'लिखित स्रोत' पढ़ैत समय ग्रन्थ, पाण्डुलिपि, पत्र, अभिलेख आ दस्तावेज पर ध्यान देत। — लिखित स्रोत प्रमाण दैत अछि, मुदा ओकर पक्षपात सेहो देखबाक चाही।

९४१. (D) मिट्टी, मूर्ति, मुद्रा, स्थल आ अवशेष — पुरातात्त्विक स्रोत शब्दविहीन इतिहास खोलैत अछि।

९४२. (B) पुरातात्त्विक स्रोत — मिट्टी, मूर्ति, मुद्रा, स्थल आ अवशेष — पुरातात्त्विक स्रोत शब्दविहीन इतिहास खोलैत अछि।

९४३. (B) कारण ई मिट्टी, मूर्ति, मुद्रा, स्थल आ अवशेष कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि। — पुरातात्त्विक स्रोत शब्दविहीन इतिहास खोलैत अछि।

९४४. (C) 'पुरातात्त्विक स्रोत' कैँ मिट्टी, मूर्ति, मुद्रा, स्थल आ अवशेष सँ जोड़ल जाइत अछि। — पुरातात्त्विक स्रोत शब्दविहीन इतिहास खोलैत अछि।

९४५. (A) विद्यार्थी 'पुरातात्त्विक स्रोत' पढ़ैत समय मिट्टी, मूर्ति, मुद्रा, स्थल आ अवशेष पर ध्यान देत। — पुरातात्त्विक स्रोत शब्दविहीन इतिहास खोलैत अछि।

९४६. (D) स्रोतक समय, लेखक, उद्देश्य आ सीमा जाँचब — स्रोत-समालोचना बिना इतिहास भरोसेमन्द नहि बनैत।

९४७. (C) स्रोत-समालोचना — स्रोतक समय, लेखक, उद्देश्य आ सीमा जाँचब — स्रोत-समालोचना बिना इतिहास भरोसेमन्द नहि बनैत।

९४८. (C) कारण ई स्रोतक समय, लेखक, उद्देश्य आ सीमा जाँचब कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि। — स्रोत-समालोचना बिना इतिहास भरोसेमन्द नहि बनैत।

९४९. (D) 'स्रोत-समालोचना' कैँ स्रोतक समय, लेखक, उद्देश्य आ सीमा जाँचब सँ जोड़ल जाइत अछि। — स्रोत-समालोचना बिना इतिहास भरोसेमन्द नहि बनैत।

९५०. (B) विद्यार्थी 'स्रोत-समालोचना' पढ़ैत समय स्रोतक समय, लेखक, उद्देश्य आ सीमा जाँचब पर ध्यान देत। — स्रोत-समालोचना बिना इतिहास भरोसेमन्द नहि बनैत।

९५१. (B) जाति, वर्ग, लिंग वा सत्ता कारण तथ्यक टेढ़ प्रस्तुति — इतिहासकारक काम पक्षपात चिन्हबाक सेहो अछि।

९५२. (A) पक्षपात — जाति, वर्ग, लिंग वा सत्ता कारण तथ्यक टेढ़ प्रस्तुति — इतिहासकारक काम पक्षपात चिन्हबाक सेहो अछि।

९५३. (A) कारण ई जाति, वर्ग, लिंग वा सत्ता कारण तथ्यक टेढ़ प्रस्तुति कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि। — इतिहासकारक काम पक्षपात चिन्हबाक सेहो अछि।

९५४. (B) 'पक्षपात' कैँ जाति, वर्ग, लिंग वा सत्ता कारण तथ्यक टेढ़ प्रस्तुति सँ जोड़ल जाइत अछि। — इतिहासकारक काम पक्षपात चिन्हबाक सेहो अछि।

९५५. (B) विद्यार्थी 'पक्षपात' पढ़ैत समय जाति, वर्ग, लिंग वा सत्ता कारण तथ्यक टेढ़ प्रस्तुति पर ध्यान देत। — इतिहासकारक काम पक्षपात चिन्हबाक सेहो अछि।

९५६. (D) पुरस्कार, समिति, विश्वविद्यालय आ अकादेमीक शक्ति-संरचना — संस्थान साहित्य कैँ मान्यता दैत अछि, मुदा चयन-राजनीति सेहो बनबैत अछि।

९५७. (D) संस्थान — पुरस्कार, समिति, विश्वविद्यालय आ अकादेमीक शक्ति-संरचना — संस्थान साहित्य कैँ मान्यता दैत अछि, मुदा चयन-राजनीति सेहो बनबैत अछि।

९५८. (B) कारण ई पुरस्कार, समिति, विश्वविद्यालय आ अकादेमीक शक्ति-संरचना कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि। — संस्थान साहित्य कैँ मान्यता दैत अछि, मुदा चयन-राजनीति सेहो बनबैत अछि।

९५९. (B) 'संस्थान' कैँ पुरस्कार, समिति, विश्वविद्यालय आ अकादेमीक शक्ति-संरचना सँ जोड़ल जाइत अछि। — संस्थान साहित्य कैँ मान्यता दैत अछि, मुदा चयन-राजनीति सेहो बनबैत अछि।

९६०. (D) विद्यार्थी 'संस्थान' पढ़ैत समय पुरस्कार, समिति, विश्वविद्यालय आ अकादेमीक शक्ति-संरचना पर ध्यान देत। — संस्थान साहित्य कैँ मान्यता दैत अछि, मुदा चयन-राजनीति सेहो बनबैत अछि।

९६१. (C) स्वीकृत श्रेष्ठ ग्रन्थ आ लेखकक सूची — कैनन बनैत अछि; ओकरा प्रश्न करब आलोचनाक काम अछि।

९६२. (B) कैनन — स्वीकृत श्रेष्ठ ग्रन्थ आ लेखकक सूची — कैनन बनैत अछि; ओकरा प्रश्न करब आलोचनाक काम अछि।

९६३. (C) कारण ई स्वीकृत श्रेष्ठ ग्रन्थ आ लेखकक सूची कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि। — कैनन बनैत अछि; ओकरा प्रश्न करब आलोचनाक काम अछि।

९६४. (D) 'कैनन' कैँ स्वीकृत श्रेष्ठ ग्रन्थ आ लेखकक सूची सँ जोड़ल जाइत अछि। — कैनन बनैत अछि; ओकरा प्रश्न करब आलोचनाक काम अछि।

९६५. (D) विद्यार्थी 'कैनन' पढ़ैत समय स्वीकृत श्रेष्ठ ग्रन्थ आ लेखकक सूची पर ध्यान देत। — कैनन बनैत अछि; ओकरा प्रश्न करब आलोचनाक काम अछि।

९६६. (B) रूढ़ि, अन्याय आ चुप्पी विरुद्ध सांस्कृतिक स्वर — मिथिलाक लोक आ साहित्य दुनूमे प्रतिरोधक धारा अछि।

९६७. (A) प्रतिरोध — रूढ़ि, अन्याय आ चुप्पी विरुद्ध सांस्कृतिक स्वर — मिथिलाक लोक आ साहित्य दुनूमे प्रतिरोधक धारा अछि।

९६८. (D) कारण ई रूढ़ि, अन्याय आ चुप्पी विरुद्ध सांस्कृतिक स्वर कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि। — मिथिलाक लोक आ साहित्य दुनूमे प्रतिरोधक धारा अछि।

९६९. (C) 'प्रतिरोध' कैँ रूढ़ि, अन्याय आ चुप्पी विरुद्ध सांस्कृतिक स्वर सँ जोड़ल जाइत अछि। — मिथिलाक लोक आ साहित्य दुनूमे प्रतिरोधक धारा अछि।

९७०. (D) विद्यार्थी 'प्रतिरोध' पढ़ैत समय रूढ़ि, अन्याय आ चुप्पी विरुद्ध सांस्कृतिक स्वर पर ध्यान देत। — मिथिलाक लोक आ साहित्य दुनूमे प्रतिरोधक धारा अछि।

९७१. (C) समाज जे कथा, गीत आ प्रतीक सँ अपन अतीत याद रखैत अछि — सांस्कृतिक स्मृति इतिहासक भावनात्मक आधार अछि।

९७२. (C) सांस्कृतिक स्मृति — समाज जे कथा, गीत आ प्रतीक सँ अपन अतीत याद रखैत अछि — सांस्कृतिक स्मृति इतिहासक भावनात्मक आधार अछि।

९७३. (C) कारण ई समाज जे कथा, गीत आ प्रतीक सँ अपन अतीत याद रखैत अछि कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि। — सांस्कृतिक स्मृति इतिहासक भावनात्मक आधार अछि।

९७४. (A) 'सांस्कृतिक स्मृति' कैँ समाज जे कथा, गीत आ प्रतीक सँ अपन अतीत याद रखैत अछि सँ जोड़ल जाइत अछि। — सांस्कृतिक स्मृति इतिहासक भावनात्मक आधार अछि।

९७५. (C) विद्यार्थी 'सांस्कृतिक स्मृति' पढ़ैत समय समाज जे कथा, गीत आ प्रतीक सँ अपन अतीत याद रखैत अछि पर ध्यान देत। — सांस्कृतिक स्मृति इतिहासक भावनात्मक आधार अछि।

९७६. (C) गाम, नदी, पोखरि, मन्दिर, स्थल आ रास्ताक याद — भू-स्मृति मिथिलाक इतिहासकेँ ठामसँ जोड़ैत अछि।

९७७. (B) भू-स्मृति — गाम, नदी, पोखरि, मन्दिर, स्थल आ रास्ताक याद — भू-स्मृति मिथिलाक इतिहासकेँ ठामसँ जोड़ैत अछि।

९७८. (A) कारण ई गाम, नदी, पोखरि, मन्दिर, स्थल आ रास्ताक याद कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि। — भू-स्मृति मिथिलाक इतिहासकेँ ठामसँ जोड़ैत अछि।

९७९. (C) 'भू-स्मृति' कैँ गाम, नदी, पोखरि, मन्दिर, स्थल आ रास्ताक याद सँ जोड़ल जाइत अछि। — भू-स्मृति मिथिलाक इतिहासकेँ ठामसँ जोड़ैत अछि।

९८०. (B) विद्यार्थी 'भू-स्मृति' पढ़ैत समय गाम, नदी, पोखरि, मन्दिर, स्थल आ रास्ताक याद पर ध्यान देत। — भू-स्मृति मिथिलाक इतिहासकेँ ठामसँ जोड़ैत अछि।

९८१. (C) मुहावरा, कहावत, लोकगीत आ पुरान शब्दमे बचल इतिहास — भाषा अतीतक संग्रहालय सेहो अछि।

९८२. (C) भाषिक स्मृति — मुहावरा, कहावत, लोकगीत आ पुरान शब्दमे बचल इतिहास — भाषा अतीतक संग्रहालय सेहो अछि।

९८३. (D) कारण ई मुहावरा, कहावत, लोकगीत आ पुरान शब्दमे बचल इतिहास कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि। — भाषा अतीतक संग्रहालय सेहो अछि।

९८४. (A) 'भाषिक स्मृति' कैँ मुहावरा, कहावत, लोकगीत आ पुरान शब्दमे बचल इतिहास सँ जोड़ल जाइत अछि। — भाषा अतीतक संग्रहालय सेहो अछि।

९८५. (C) विद्यार्थी 'भाषिक स्मृति' पढ़ैत समय मुहावरा, कहावत, लोकगीत आ पुरान शब्दमे बचल इतिहास पर ध्यान देत। — भाषा अतीतक संग्रहालय सेहो अछि।

९८६. (A) एकहि घटना कैँ दोसर समुदाय वा लिंगक दृष्टिसँ पढ़ब — वैकल्पिक पाठ इतिहासकेँ एकरूप होमयसँ बचबैत अछि।

९८७. (B) वैकल्पिक पाठ — एकहि घटना कैँ दोसर समुदाय वा लिंगक दृष्टिसँ पढ़ब — वैकल्पिक पाठ इतिहासकेँ एकरूप होमयसँ बचबैत अछि।

९८८. (D) कारण ई एकहि घटना कैँ दोसर समुदाय वा लिंगक दृष्टिसँ पढ़ब कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि। — वैकल्पिक पाठ इतिहासकेँ एकरूप होमयसँ बचबैत अछि।

९८९. (B) 'वैकल्पिक पाठ' कैँ एकहि घटना कैँ दोसर समुदाय वा लिंगक दृष्टिसँ पढ़ब सँ जोड़ल जाइत अछि। — वैकल्पिक पाठ इतिहासकेँ एकरूप होमयसँ बचबैत अछि।

९९०. (A) विद्यार्थी 'वैकल्पिक पाठ' पढ़ैत समय एकहि घटना कैँ दोसर समुदाय वा लिंगक दृष्टिसँ पढ़ब पर ध्यान देत। — वैकल्पिक पाठ इतिहासकेँ एकरूप होमयसँ बचबैत अछि।

९९१. (A) ग्रन्थ, लोकगीत, अभिलेख, स्थल आ जीवित स्मृति कैँ संग पढ़ब — बहुस्रोत पद्धति अधिक संतुलित इतिहास बनबैत अछि।

९९२. (A) बहुस्रोत पद्धति — ग्रन्थ, लोकगीत, अभिलेख, स्थल आ जीवित स्मृति कैँ संग पढ़ब — बहुस्रोत पद्धति अधिक संतुलित इतिहास बनबैत अछि।

९९३. (D) कारण ई ग्रन्थ, लोकगीत, अभिलेख, स्थल आ जीवित स्मृति कैँ संग पढ़ब कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि। — बहुस्रोत पद्धति अधिक संतुलित इतिहास बनबैत अछि।

९९४. (D) 'बहुस्रोत पद्धति' कैँ ग्रन्थ, लोकगीत, अभिलेख, स्थल आ जीवित स्मृति कैँ संग पढ़ब सँ जोड़ल जाइत अछि। — बहुस्रोत पद्धति अधिक संतुलित इतिहास बनबैत अछि।

९९५. (B) विद्यार्थी 'बहुस्रोत पद्धति' पढ़ैत समय ग्रन्थ, लोकगीत, अभिलेख, स्थल आ जीवित स्मृति कैँ संग पढ़ब पर ध्यान देत। — बहुस्रोत पद्धति अधिक संतुलित इतिहास बनबैत अछि।

९९६. (D) राजा, पण्डित, लोक, स्त्री, दलित, किसान आ प्रवासी सभक साझा पाठ — ई लक्ष्य मिथिलाक इतिहासकेँ व्यापक आ ईमानदार बनबैत अछि।

९९७. (B) न्यायपूर्ण इतिहास — राजा, पण्डित, लोक, स्त्री, दलित, किसान आ प्रवासी सभक साझा पाठ — ई लक्ष्य मिथिलाक इतिहासकेँ व्यापक आ ईमानदार बनबैत अछि।

९९८. (D) कारण ई राजा, पण्डित, लोक, स्त्री, दलित, किसान आ प्रवासी सभक साझा पाठ कैँ मिथिलाक व्यापक परम्परामे रखैत अछि। — ई लक्ष्य मिथिलाक इतिहासकेँ व्यापक आ ईमानदार बनबैत अछि।

९९९. (B) 'न्यायपूर्ण इतिहास' कैँ राजा, पण्डित, लोक, स्त्री, दलित, किसान आ प्रवासी सभक साझा पाठ सँ जोड़ल जाइत अछि। — ई लक्ष्य मिथिलाक इतिहासकेँ व्यापक आ ईमानदार बनबैत अछि।

१०००. (C) विद्यार्थी 'न्यायपूर्ण इतिहास' पढ़ैत समय राजा, पण्डित, लोक, स्त्री, दलित, किसान आ प्रवासी सभक साझा पाठ पर ध्यान देत। — ई लक्ष्य मिथिलाक इतिहासकेँ व्यापक आ ईमानदार बनबैत अछि।